

The Gazette of India

FUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 36] No. 36 नई दिस्ली, शनिवार, जितम्बर 7, 1985 (भावपद 16, 1907) NEW DEUHI, SATURDAY, SEPTEMBER 7, 1985 (BHADRA 16, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III---खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च स्यायालयों, नियम्बक और नहाले बानरी सक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Inlian Government Rullways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संध लोक सेवा भ्रायोग

नई दिल्ली—110011, दिनांक 25 जुलाई 1985 सं० ए० 35014/1/84—प्रणा० II(1)——सिनव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा संघ लोक मेवा आयोग के के सथ्यों के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में लेखा के पद पर स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं:——

% सं० नाम एवं पदनाम	कब से	कब तक
 श्री बी० सी० काजल 	ï	
(भ्र० जा०)	18-7-1985	11-1-1986
2. श्री हरकीरत सिंह	18-7-1985	7-10-1987
3. श्रीकरण सिंह् (म्र०		
জা০)	18-7-1985	31-1-1988
 श्री सुदर्शन कुमार 	18-7-1985	5-1-1986

2. उपर्युक्त प्रश्लिकः स्थिपे की निमुक्ति किल मंत्रालय "(व्यय विभाग) के कप्त्रज्ञान्सं एफ व 1 (11) ई नाम (ख) /75 दिनांक 7-11-1975 में सिन्निहित श्रनुदेशों की गतों पर विनियमित होगा।

दिनांक 30 जुलाई 1985

सं० ए० 32013/4/83-प्रमा० !'--श्री कें श्रार० पी॰ नायर, जो ग्रायोग के कार्यालय में संयुक्त निदेशक (प० मु०) के पद से निक्तंन की ग्रायु प्राप्त होने पर 31 मई, 1985 को सेवा निक्तं हुए थे वे 1500-60-1800 रु० के वेतनमान में 13-4-85 से विशेष कार्य श्रीधकारी (भाषा) के पद ग्रौर 14-4-85 से 31-8-85 तक संयुक्त निदेशक (प० सु०) के पद पर ग्रानिवार्य रूप से नियुक्त किये गये हैं।

एम० पी० जैन भवर सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय के० रि० पु० बल नई दिल्ली, विन[†]क भ्रागस्त 1985

सं० ग्रो० दो 137/69-स्था० ---श्री एस० बी० नारायण राव, पुलिस उदमहानिरीक्ष के रि० पुल बल

(30209)

1-2% GI/85

पटना रेंज ने सरकारी क्षेत्रा से निवृत्त होने के फलस्वरूप दिनांक 31-7-1985 ग्रपराह्म से ग्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० भ्रो० दो० 215/69-स्था०---श्री गजेन्द्र सिंह सैकिण्ड इन कमान्ड 9 वीं बटालियन के० रि० पु० बल ने सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप दिनांक 31-7-85 श्रपराह्म से श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 14 श्रगस्त 1985

सं० ग्रो० दो 1761/82 एस्टेब (सी ग्रार डी एफ०)— महानिदेशक के० रि० पु० बल ने डाक्टर (श्रीमती) पी० प्रधान को दिनांक 29-7-85 पूर्वाह्म से के० रि० पु० बल में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर केवल तीन माह के लिये ग्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें मे जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ कृप मे सहर्ष नियुक्त किया है।

> ए० म्रार० महीपति सहा० निदेशक (स्थाप०)

पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1985

सं० 18/11/85-प्रणा० II---श्रान्ध्र प्रदेश के पुलिस निरीक्षक श्री जे० स्वामी राव को 14-6-1985 (पूर्वाह्न) से प्रथम दृष्टांत में एक वर्ष के लिये केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल हैवराबाद में प्रतिनियुक्ति पर उप पुलिस ग्रधीक्षक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 19 श्रगस्त 1985

सं० 18/9/85 प्रणा० I(—केन्द्रीय श्रंगुली छाप ब्यूरो कलकत्ता के निरीक्षक श्री बी० बी० पुष्करन को दिनांक 19 जून, 1985 (प्रपराह्न) से प्रथम दृष्टांत में एक वर्ष के लिये केन्द्रीय गुष्तचर प्रशिक्षण स्कूल हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर उप पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षक) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एस० के० मलिक महानिदेशक

महानिदेशालय

केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 12 श्रगस्त 1985

सं० ई-320/15(3)/85-कार्मिक-I--राष्ट्रपति, श्री जे० ग्रार० गुप्ता को प्रोक्षति पर, 30 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से 27-8-85 तक या इम प्रविध में नियमित नियुक्तियां होने नक, जो भी पहने हो, पूर्णंतया तदर्थ ग्राधार पर ग्रौर ग्रस्थाई रूप मे के० ग्रो० सु० ब० युनिट, ई० सी० एल०, सीतलपूर का उप कमांडेंट नियुक्त करते हैं। सं० ${\frac{5}{4}}-32015(4)/45/85$ -कार्मिक-I--राष्ट्रपति, श्री श्रिनिल मिलक को, प्रोन्नित पर 29 जुलाई, 1985 के श्रिपराह्म से के० श्रो० सु० बल यूनिट, श्रो० टी० एच० पी० श्रोबरा में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/50/85-कार्मिक-I--राष्ट्रपति, श्री एस० एस० पन्धीर को, प्रोन्नति पर, 24 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्म में के० ग्रो० सु० ब० यूनिट, बी० टी० पी० एस० बदरपुर में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

विनांक 14 भ्रगस्त 1985

सं० ई-32015(3)/10/85-कार्मिक-I--राष्ट्रपति, श्री बी० मुरलीयरन को, प्रान्तित पर, 15 जुलाई, 1985 से 27-8-85 तक की श्रवधि के लिये या ऐसे समय तक नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थे श्राधार पर तथा श्रस्थाई रूप से के० श्रो० सु० व० युनिट, एफ० बी पी० फरक्का में उप कमांडेंट के रूप में निक्युत करते हैं।

विनांक 19 भ्रगस्त 1985

सं० ई-32015(3)/9/85/कार्मिक-1-राष्ट्रपति, श्री एम० एल० श्रवरोल को प्रोन्नति पर 22 जुलाई, 1985 के पूर्वीह्न मे 27-8-1985 तक की श्रवधि के लिये या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां किये जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णनया तदर्थ श्राधार पर ग्रौर श्रस्थाई रूप से के० ग्रो० सु० व०, यूनिट, एम० पी० टी० मद्रास में उप कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/44/85-कार्मिक -1-राष्ट्रपित, श्री वी० के० इस्सर को श्रोधित पर 7 श्रगस्त, 1985 के पूर्वाह्म में के० श्रो० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल० झरिया में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/53/85-कार्मिक--I---राष्ट्रपित, श्री बी० एस० यादव को प्रोन्नित पर दिनांक 2 श्रगस्त, 1985 के पूर्वाह्न से के० ग्री० स० ब० यूनिट, एन०ए०पी० पी० नरोरा में सहायक कमांडेंट के पद में नियुक्त करते हैं।

ह० श्रपठनीय महानिदेशक के० श्रो० सु०ब०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 ग्रगस्त 1985

सं० 11/1/85-प्रणा० -ा--राष्ट्रपति, निम्नलिखित ग्रिधिकारियों को जो उनके नामों के सामने विश्वित कार्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतया श्रस्थाई श्रौर तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक (श्रांकड़े संसाधन)/(श्रांकड़े प्रविष्टि) के पद पर कार्य कर रहे हैं, तारीख 9 श्रप्रैल, 1985 से श्रन्वेषक के ग्रेड में प्रत्यावितित करते हैं। राष्ट्रपति, इन ग्रांडकारियों को उसी नारीक ग्रांक्षति, 9-4-85 से 28-2-85 तक या जब तक पद नियमित ग्रांडार पर करे जायें, जो भी पहले हो, 700-40-900-द०रो०-40-100-50-1300 रुपये के वेतनमान में पदोक्षित द्वारा पूर्णतः ग्रस्थाई और नदर्थ ग्रांडार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) (समूह-क राजपिंठत) के ग्रेड में ग्रांचे सहर्थ नियुक्त करते हैं।

कासं०	भ्रधिकारी का न	ताम ं	कार्यालय जहां कार्यरत, तैनात हैं
1	3		3
1. ₹	र्दकी ओ० पी०	आहूजा भ	ारत के रजिस्ट्रार का
		ৰ্	नार्थालय, नई दिल्ली
2. 4	ी० एन० बत्रेजा		 ज्लो
3 . t	,स ्प्रार ्गर्गः		वही
4. 🗟	हर दीर रोहतगी		वही
5 . T	(न० एच० भटनागर	ζ	बही
6. T	स्य एस० निकेत		—बही—
7. 🔻	गर० एस० लाल		वही
8. ₹	भान प्रकाश		—वही
9. 1	ानेश दास		वही
10. ₹	मुभाष गर्भ		— वही-—
11. वे	हें० के० गर्भा	जनगणना कार्य निदेशक का क	श्रान्ध्र प्रदेश, ार्थालय हैदराबाद
12. र	शता मोई∂्दीन	<u>वही</u>	श्रान्ध ६देश,
		वही	हैदराबाद,
13. 5	गै०सी० ्मिश्र	ब्रही	बिहार, पटना
14. (स० नेहाल हुस्सन	वही	वर्हो
15. T	स० के० सिन्हा	⊸–वही	~वही
16. 🥳	ी० एम० पटेल	वही	गुजरात, श्रहमदाबाद
17. 🤻	ती० एम० गोवडा	वह ी -	कर्नाटक, बंगलीर
18. 0	स० घर० राध्वेन्द्र	_	
₹	(व	वही	 -वही
19. 0	म० पीताम्बरम	वही	केरल, दिवेन्द्रम
20. G	,० जी० जोव	वही -	मध्य प्रदेश, भीपा

1	2	3
सर्वश्री		
21. वीं० एस० जोशी	जनगणना कार्य निदेशक का कार्याल	
22. स्रार० एन० पीगुर		
लेकर	वही	महाराय्द्र, बम्बई
23. कें० कें० ग्रकोलक	·वही	वही-
24. पी० के० रोत	वही	उड़ीसा, भुवनेश्वर
25. জী০ ছী০ ঋণ্ণবাল	ब्रही	राजस्थान, जयपुर
26. एन० के० पुरोहित	वही	वही~
27. जे० टी० मवादो	वहीं	तमिलनाष्ट्रु, मद्रास
28. भार० नारायण	~वही 	वर्ह ी
29. एम० एम० ए० बे	गावही ः	उत्तर प्रदेश, लखनऊ
30 जे० पी० वर्षवाल	∽-श्र _ी '	वर्हो
31. ग्रार० एम० सिंह	वही	वही
32. के० सी० उपाघ्याय	वही	वही
33. एस० सी० रस्तोगी	ब ही	वहीं
34. के० के० महरोता	 बह ी	वहीं
35. राम सहाय	वही	वही
36. श्रीमती केपाली	वही	पश्चिम बंगाल,

उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियां संबंधित ग्रिधकारियों को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी के पद पर नियमित नियुक्ति के लिथे कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ ग्राधार पर उनकी सेवाये उस ग्रेड में बिल्फ्टता और ग्रामे उच्च पद पर पदोक्षति के लिये नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों को सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय कोई कारण बताये रह किया जा सकता है।

कलकहा

मंघ राज्य क्षेत्र, चण्डीगढ

⊸–वही---

चत्र,बर्ती

37. श्री जे० एन० सूरी

38. के० बी० लक्ष्मपाल

संव 11/1/85 प्रणाव-I—राष्ट्रपति, तिम्नलिखित अन्वेदकों/अन्वेदकों (सामाजिद अन्ययन) को, को नीचे कालम में उनके नामों के सामने दिशत कादिलयों में कार्यरत हैं, पदीक्षित द्वारा पूर्वतया अस्थाई और तदर्थ आधार पर 700-40-900-दव रोज-40-1100-50-1300 एक के वेतनमान में उनके नामों के सामने नीचे वालम 3 में दिशत तारीख से 28-2-86 तक अथवा जब तक पद नियमित आधार पर करे जाएं, को की परने हो, सहायक विवेदार, जनगणना कार्य (तवानीकी) (समूह "क" राजपिकत) के पद पर सहर्ष नियमत अरते हैं आर उन्ह नीच कालम 5 में उनके नामों के सामने दिशत कार्यान्त करते हैं:---

२० सं० श्रद्धिका	री का नाम	नियुधित की तारी छ	जिस कार्यालय में कार्यरत है	जिस कार्यालय में पदोक्षति पर दैनात किया जाता है।
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
 प्रनसार प्र दी० के० प्राप्त के० प्राप्त के० प्राप्त कुदेर ए० मेघी पी० दी० दुध सिंह प्राप्त प्री 	वर्मा ० सक्देना र राम पण्डा	14-5-85 (पूर्वाह्म) 14-5-85 (पूर्वाह्म) 27-6-85 (पूर्वाह्म) 30-5-85 (पूर्वाह्म) 30-6-85 (पूर्वाह्म) 18-7-85 (पूर्वाह्म) 18-7-85 (पूर्वाह्म)	जनगणना यार्थ निवेशक का बार्यालय, तमिनारू महास । जनगणना कार्य निवेशक का बार्यालय, बिहार, पटना । भारत के महार्याजस्त्रार का कार्यालय, नई विल्ली भारत के महा राजस्त्रार का कार्यालय, नई विल्ली जनगणना कार्य निवेश ह का कार्यालय, अस्णावल प्रवेश, शिलांग । भारत के महार्याजस्त्रार का कार्यालय, नई विल्ली	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, तमितनाकु, मदास । जनगणना जार्य निदेशक का सार्यालय, बिहार, पटना। जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, महाराष्ट्र, बम्बई। जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखन । जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पश्चिम बंगील, क्लकत्ता। भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।
9. श्रीमती रे		(पूर्वाङ्क) 18-7-85 (पूर्वाङ्क)	-बही- -बही -बही	-वही -वही वही

उपरोक्त पदों पर छदर्य नियुक्तियाँ सम्बन्धित ब्रिधिकारियों को सहायः निदेशात जनगणना कार्य (एकनीकी के पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हरू प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ ब्राधार पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता भौर आगे उच्च पद पर परोत्रति के लिय नहीं गिनी जायेगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों को सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय विना कोई कारण बताये रह किया जा सकता है।

सं० 11/1/85-प्रणा० 1--राष्ट्रपति, निम्नलिखित प्रधिकारियों को, जो उन के नामों के समक्ष दिशांत कार्यालयों में प्रजिनियुक्ति श्रीर सदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक (श्रांकड़े संसाधन) के पंद पर कार्यरत हैं, उन्हीं के नामों के समझ दिशांत कार्यालयों में जारीख 9 श्रप्रैल, 1985 से उनके मूल संबर्ग के पद पर सहायक निदेश क जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहाय प्रतिविद्या करते हैं:--

कार्यालय जहां कार्यरत हैं/ तैनात किये जाते हैं
3
भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, न ई विल्ली।

1	2	3
2.	एस० ए५० कण्या	वहां
3.	एला० सी० शर्मा	वहीं
4	बी० सत्यनारायग	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, मान्छ्र प्रदेश, हैदराबाद ।
5.	यू० एस० चतुर्वेदो	जनगणना कार्य निदे श क का कार्या ल य, बिहार, पटना ।
6.	भार ० वा र्ड ० रेवासेट्टी	जनगणना कार्य निदे श क का कार्यालय, कर्नाटक, बंगलोर ।
7.	एस० जयशंकर	जनगणना कार्य निर्देशक का कार्यालय, केरल, विवेन्द्रम ।

1 2	3
सर्व धी	
8. हरी किशन	जनगणना निदेशक का कार्यालय
	राजस्थान, जयपुर।
9. श्रौ० सी० भागंव	जनगणना कार्य निदेशक का
	कार्यालय, राजस्थान, जयपुर।
10. ए० बी० वल्लीनाथन	जनगणना कार्य निदेशक का
	कार्यालय, तमिलनाडु, मद्रास ।
	महासाः जनगणनाः कार्यः निदेशक का
1 1. हरमजन सिंह	कार्यालय, उत्तर प्रदेश,
	भ ञ्जनक ।
12. एम० सी० पडिस्था	जनगणना कार्यं निदे श क का
	काय लिय, उत्तर प्रदेश,
	लक्षनऊ।
13. डी० पी० चटर्जी	जनगणना कार्य निदेशक का
	कार्यालय, पश्चिम बंगाल,
e e e e e e e e e e e e e e e e e e e	क् ल कत्ता। जनगणना कार्य निदेशक का
14. एन० सो० सरकार	कार्यालय, पश्चिम संगाल,
	कलकता।
·	

सं 11/1/85-प्रभाव 1—राष्ट्रपति, भारत के महा-विष्ट्रहार का कार्याक्रय, नई दिर्द्धाः मे प्रतिनियुद्धित पर, पूर्ण-तया प्रस्थाई ग्रीप तस्ये बाधार पर अनुसन्धान प्रधिकारी (सामाजिक घध्ययन) के पदों पर कार्यरत श्री सीव चक्रवर्ती ग्रीर श्रीमती सुमन पराग्रर को तारीख 17 जुलाई, 1985 से ग्रन्यक (प्रामाजिक ग्रध्ययन) के ग्रेड में प्रन्यावर्तित करते हैं।

राष्ट्रपति, उपरोक्त अधिकारियों को उसी कार्यालय
में तारीख 17-7-1985 से 28-2-1986 तक
अथवा जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी
पहले हो, 700-40-900-द रो०-40-1100-50-1300
रूपये के वेतनमान में पदोज्ञति द्वारा पूर्णतया अस्थाई और
तदयं आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी),
(समूह क; राजपवित) के पदों पर आणे सहर्ष नियुक्त करते
हैं।

उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों सम्मन्धित म्रिधिकारियों को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हरु प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ म्राधार पर उनकी सेवायें उस ग्रेड में वरिष्ठता मौर म्रागे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों की सक्षम प्राधिकारों के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताये रह किया जा सकता है।

> बी० एस० वर्गा, भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त मंत्रालय ग्रायिक कार्य विभाग भारत प्रतिभूषि मृद्रणालय

नाधिक रोंड, दिनौंक 13 भगरत 1985

सं० 305/ग्र—-प्रधिसूचना सं० 47/क दिनौक 29-1-1984 के कम में श्री गो० नारायण सामी, उपनियंत्रण अधिकारी को प्रशासन प्रधि:ारी, भारत प्रतिभृति मुद्रणालय, नासिक रोड़ के पद पर, नियमित बाधार पर प्रतिनियुक्ति को अगले एक साल के लिए दिनौक 14-4-1985 से 13-4-1986 तक बढ़ाया जाता है।

पा० सु० शितराम महाप्रबन्धक

बैंः नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 10 मगस्त 1985

संव नस्ती कर्मोंक बी० एन० पी०/सी/5/85—इस कार्यालय की समसंख्यात प्रशिम् चना दिनोंत 26-6-85 के अनुक्रम में निस्नलिखित स्थायी नियंत्रण निरीक्षकों को उप नियंत्रण अधि ारी के पद पर वेतनमान रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (राजपतित वर्ग "ख") में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनौंक 30-7-1985 (पूर्वाह्न) से अन्य प्रागामी प्रादेशों तक स्थानापक्ष रूप से नियमित श्राधार पर नियुक्त किया जाता है:—

सर्वश्री

- 1. पी० श्रार० शर्मा
- 2. श्री मोहिन्दर मिह
- 3. श्री परेश जोशी

मु०वै० चार महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय निदेशाः लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-ग्र नई दिल्ली-110002, दिनौक 19 श्रगस्त 1985

सं० प्रशासन/का० आ० सं० 227—निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्य-1 इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रधि-कारी श्रो बां० डो० गुष्ता को 840-1200 रुपए के समयमान में दिनाँक 1-8-1985 से स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

मोहन खुराना उप निदेश र लेखा परीक्षा (श्रकासन)

महालेखाकार का कार्यालय घान्छ प्रवेश हैदराबाद, दिनौंक 9 धगस्त 1985

सं प्रशान-1/8-132/85-86/75---श्री के एलन मर्रासहम्, श्री वाई सुब्रह्मण्यस-1 धीर श्री एमन बीन के बीन एसन सत्यनारायण मूर्ती, लेखानरीका धिकारी महालेखाकार

का कार्यालय (लेखापरीक्षा-1) भौध प्रदेश, हैवराबाय से विनांक 31-7-85 श्रयराह्म को सेवा बिन्त हुए।

> ह० अपठनिय वरिष्ठ**ेउपमहालेखाकार प्र**णासन

कार्यालय महालेखाकार (लेखाप्रीक्षा) प्रथम, मः प्रव ग्वालियर, दिनाक 16 ग्रगस्त 1985

सं० प्रमासन-11/उन्ह-1/सेवा निवृत्त/लेखा प० प्र०/156/305—केन्द्रीय सिविल सेवा (पंप्रन) नियमावली 1972 के नियम 48(1) के प्रन्तर्गत महालेखाकार (ले० प०) प्रथम ने कार्यालय महालेखाकार (ले० प०) दितीय म० प्र० भोपाल में कार्यरत स्थाई लेखा परीका प्रधिकारी बी० डी० रिजबुड 01/181 को विनांक 30 ग्रप्रैल, 1986 श्रपराह्न से स्वेच्छा से सेवा निवृत्ता स्वीकृति प्रदान को है।

(प्राधिकार महालेखाकार (ले०प०) प्रथम के प्रादेश विनांक 2-8-1985)

> एम० दीनादयालन उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) --महाराष्ट्र

बम्बई-400020, दिनांक 27 जून 1985

सं ० प्रधा०-1 ते ० प०/सामान्य ति ० प० प्र०/1(1)/3-महालेखाकार महोदय ने निय्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा
प्रधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखा गई तिथियों से
प्रभावी, पुनः श्रादेश जारी होने एक, लेखा परीक्षा श्रविकारी पद
पर, महर्ष नियुक्त किया है:--

फ नाम संo	ले० प० स्र०पद कार्यालय जिनभें पर नियुक्ति नियुक्त हुए हैं की तिथि
ा. श्री एप० ह्वी ० दुर्जे	11-6-85 निदेशक, लेखा- (ग्रंपराह्न) परीक्षा (एस० सी० डी०) वस्बर्दे।
2. श्री म्रार०ए० भिडे	12-6-85 महालेखाकार (श्रवराह्न) (ले० प०) II नागपुर ।
3. श्री कें० ए० मानकर	136-85 महालेखाकार (पूर्वाह्न) (ले० प०)-1 बम्बई ।
4. श्री भार० कीं० चीबक	11-6-85 निदेशक, लेखा (भ्रपराह्म) परीक्षा (केंद्रीय) बम्बई ।

पी० के० राम चब्रन ं वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन) कार्यालय निदेश ः लेखा परीक्षाः रक्षा सेवाएं,

नर्ड दिल्ती-110001, विनांका 1 अगरन 1985

सं० 2204/ए-त्रवापत/30/85--वार्धक्य निवृत्ति आधु प्राप्त करने पर श्रो त्री० एत० शर्मा, स्थायो लेखा परीक्षा प्रधिकारी, रक्षा सेवाएं विपां र 31-7 1985 (अन्यास्त्र) को सेवा निवृत्ति हुए ।

> भगवान शरण तायल मंपुक्त निदेशक लेखा परीक्षा, रका सेवाएं

रक्षा लेखा विभाग नई दिल्ली-110066, दिनांग 22अगस्त 1985

सं० प्रशा०/1/1728/5/1--रक्षा लेखा.
महानियंत्रक श्री एन० क्षी० मारे, श्राई० डो० ए०
एस० (जन्म तिथि 27-8-34) के दिनांक 14जुलाई1985
को हुए दुंखद निधन को दुःख सहित अधिसूचित करते हैं।

सं० प्रशा०/1/1172/1/जिल्द-III:—राष्ट्रपति भारतीय रक्षा लेखा सेवा के प्रविकारी श्री बी० एस० भालेराव को उनत सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (स्तर-II) वेतनमाम क्ष्मण् 2250-125/ 2-2500) सं स्पातसन्त. हम में कार्य करते के लिए 18 जुलाई, 1985 से पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 13 श्रगस्त 1985

सं प्रशाः /2/2606/84—रक्षा लेखा महानियंत्रक श्री रूप राम मिंह, स्थायी लेखा ग्रधिकारी 0/462) के दिनांक 2-7-85 को हुए निधन को दुःख सहित ग्रिधिमूचित करते हैं।

तदनुसारश्री रूप राम सिंह, लेखा ग्रधिकारी को इस विभाग के संख्याबल से 3-7-85 (पूर्वाह्म) से हटाया जाता है।

ए० के० घोष रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्याल का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 5 श्रगस्त 1985 श्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण . (स्थापना)

दिनांक 7 श्रगस्त 1985

मं ० 6/1249/73-प्रशा० (राज०)—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में आयात-निर्यात की नियंत्रक, श्रीमती पी॰ एम॰ संकारी को 1 जुलाई, 1985 के पूर्वी ह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति दे दी गई है।

शंकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियति इते मुख्य नियंत्र अथयात-निर्यात

उद्योग श्रीर कम्पनी तार्य मंत्रालय औद्योगिक श्राकस्मिकता का महानिदेशालय नई विल्ली, दिनांक 15 अगस्त 1985

सं० 111(93)/डी० जी० आई० सी०/मु०/85 (.)— राष्ट्रपति, श्री किणोर कुनाल (भारतीय पुलिस सेवा) (गुजरात 1972) को 5 श्रगस्त 1985 (पूर्वाह्न) से श्रौद्योगिक श्राकस्मिकता हा महानिदेशालय, उद्योग श्रीर कम्पनी कार्य मंत्रालय के पटना कार्यालय में सहायक निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> ग्राई० पी० भट्ट उप सहायक निदेशक

ध्रापूर्ति व वस्त्र मंत्रालय वस्त्र विभाग

हथकरघा विकास आ्रायुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1985

मं० 2001/15/77-डी० सी० एच०/प्रणासन-1---राष्ट्रपति. हथकरघा विकास श्रायुक्त के कार्यालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक श्री आर० करूणाकरण की 2 अगस्त 1985 को हुई मृत्य की खेद पूर्वक घोषणा करते हैं।

> प्रबीर कुमार दत्त अपर विकास श्रायुक्त (हथकरघा)

नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

सं० ए 32015(1)/84 प्रशासन-3—-राष्ट्रपति, श्री बी० दशराधामी रेड्डी को 29 जुलाई, 1985 से भ्रागामी श्रादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र गुहाटी में सहायक निदेशक ग्रेड-2 (गैंच तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

वी० के० ग्राग्निहोत्री भ्रपर विकास भ्रायुक्त (हथ करच)

इस्पात, खान भौर कोयला मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 13 भ्रगस्त 1985

सं क्या ॰ -1-2(3)/82(.) -श्रधोहस्ताक्षर कर्त्ता एतद द्वारा श्री पी ॰ के ॰ दास, श्रधीक्षक को इस संगठन में दिनांक 12-8-85 , से श्री सुकुमार सिन्हा, जो सम्प्रति फाल्ता प्रोसेसिंग जोन में प्रशास-निक श्रधिकारी की हैसियत से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत है तथा जिन्हें इसी ग्रेड में प्रोफार्मा पदोन्तिन दी गई है, के स्थान पर तीन महीने की श्रविध के लिए सहायक भुगतान श्रायुक्त के पद पर स्थानायन रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० स्था-1-2 (3)/82-(.)—शी सुकुमार सिन्हा, जो इस समय फाल्ता एक्सपोर्ट प्रोसेंसिंग जोन, वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार, 7, कैमेक स्ट्रीट, कलकत्ता-17 के कार्यालय में प्रजासनिक श्राधिकारी की हैसियत से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं, जी एतद्वारा इस संगठन में 'श्रगले निचले नियम' के अन्तर्गत दिनांक 12-8-1985 से श्रथति जिस तारीख से श्री पी० के० दास, अवीक्षक सहायक भुगतान श्रायुक्त के पद प स्थानायन्य रूप में कार्य कर रहे हैं, सहायक भुगतान श्रायुक्त के पद पर स्थानायन्य रूप में कार्य कर रहे हैं, सहायक भुगतान श्रायुक्त के पद पर स्थानायन्य रूप में कार्य करने वे निए प्रोफार्मा पदोन्नति दी जाती है।

द्रीपक कुमार घोष लोहा स्रौर इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-700016, विनांक 14 अगस्त 1985

श्रुद्धि-पत्न

> ग्रमित कुमारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

स्तामध्य पेदा सहानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1985

सं० ए० 190120/13/77-प्रशासन-1 (एम०)एफ० एण्ड एम०--स्वैच्छिक रूप से सेवा से निवृत हो जाने के फलस्वरूप, श्री पी० ईपेन थामस ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान मस्थान, पाडिचेरी से 1 जनवरी, 1983 पूर्वाह्न से पुस्तवरूपक्ष के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> पी० के० घई उप निदेशक प्रशास्त (सी० एण्ड वी०)

नई दिल्ली, दिनांक 14 भगस्त 1985

स० ए० 12025/1/82-ग्रीयध नियंत्रण—स्वास्थ्य सेवा महानितेषक ने द्वा० यिजी फारूक श्रहमद वेग को 15 अप्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक केन्द्रीय श्रीयध प्रयोग-

> मातु राम उप निदेशक प्रशासन (डी०)

कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय कृषि एवं सहकारिता विभाग विस्तार निदेणालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1985

सं० मि० 2(3)/85-स्था० (1)--- जिस्तार निदेशालय की विभागीय पदोन्नति समिति गुप 'जी' की सिफारिण पर श्री श्रो० पी० लट्ठ, श्रश्रीक्षक (ग्रेड-2) को विस्तार निदेशालय, कृषि और ग्रामीण विकाम मंत्रालय, कृषि तथा मह ारिता विभाग में 1-8-85 के पूर्वाह्न से श्रागामी ब्रादेशों तक 700-30-750-35-900 रु० के वेतनमान में श्रश्रीक्षक (ग्रेड-1) सामान्य सिविल सेवा ग्रुप 'बी' (राजपित्तत) (श्रनुसिवियोय) के पद पर स्थानापन रूप से प्वोन्तित किया जाता है

ध्रार० जी० बनर्जी निदेशक प्रशासन

(ग्रामीण विकास विभाग) विपणन एव निरीक्षण निदेशालय करीदाबाद, दिनांक 14 भ्रगस्त 1985

सं० ए० 19025/41/79-त्र०-III—नंव लोक सेत्रा श्रायोग के माध्यम से कित्रिक्त तिरीक्षण श्रीधकारों के क्ष्म में चयन होते के उत्तराक्षा खाद्य विमाग में कार्यमार ग्रहण करते के लिए श्री श्री० हो० वजाज द्वारा प्रस्तुत त्याग-प्रज्ञ, जिन्हें इस निदेशालय में 1-5-80 को महानक निराणन श्रीधकारों (वर्ग-1) के पद से कार्यमुक्त किया गर्मा था, कृषि निराणन मनापुकार, भारत सरकार द्वारा 30-4-1982 (अनराह्न) में स्वीकृत किया गर्मा है प्रोर इस निदेशालय में उनका ग्रहणाधिकार उसी तारीख से समाप्त माना जाता है।

जे० कृष्णा निदेशक प्रशासन

दिल्ली दुग्ध योजना, प० पटेल नगर

नई विल्लो-8, विनांक 13 भगस्त 1985

सं० 4-3/81-एपानता (विशेष)—सहायक प्रशासन अधि-कारी के पद पर स्थानानन श्री जिव राम को 840-1200 क० के वेतनमान में दिल्ली दुग्ध योजना में प्रशासन श्रीक्षकारी (ग्रुप बी राजपत्रित) के पद पर दिनांक 24-3-85 से नियमित श्राधार पर नियक्त किया जाता है ।

सं० 4-3/81-स्थारता (विशेष)--प्रत्नावधि आधार पर प्रजासन अधिकारी के पद पर स्थानापन श्री यू० री० पुरी को 840-1200 ६० के वेतनमान में प्रणासन मधिकारी (सुप सी राजनिति) के पद पर दिनांक 23-3-85 से नियमित धाधार पर नियुक्त किया जाता है।

> अरूण सेदवाल महाप्रबन्धक

भाभा परमाणु श्रतुसंधात केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 9 ज्लाई 1985

सं०पो०ए०/73(12)/85/प्रार-4/806--नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा० महाजन रिवन्द्र काणिराम को निवासी चिकिन्सा अधिकारी पद पर इस अनुसंधान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में जुलाई 1, 1985 (पूर्वाह्म) से 31 जुलाई, 1985 (प्रजराह्म) तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 श्रगस्त 1985

सं०पी०ए०/73(12)/85-प्रार-4/815---नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा० विरेन्द्र मोहनगर्मा को निवासी चिकित्स अधिकारी पव पर इस अनुसंधान केन्द्र आयुर्विक्षान प्रभाग में 5 जुलाई, 1985 (पूषह्मि) से 6 अगस्त, 1985 (अपराह्न) तक अस्थायी रुप में नियुक्त करते हैं।

> म० द० गाष्ट्रील उप स्थापना प्रधिकारी

प पाणु जर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना बुसन्दशहर, दिनांक 12 श्रगस्त 1985

> श्चार० के० वाली प्रणासन श्रक्षिकारी

क्रय ग्रौर भंडार निदेशालय सम्बई-400001, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

सं० कमंति/41/1/85-प्रणा०/5981—नरमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायों कर महायक श्रो जोक्त्रिम जान परेरा को इसी निदेशालय में दिनांक 1-7-1985 (प्रविह्म) से 31-7-1985 (प्रवराह्म) तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रवर्ष के जनमान में सहायक कय प्रविकारी के पद पर तदर्थ भाषार रहस्थानापन रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्त सहायक क्रय

म्रधिकारी श्री एस० एस० प्रधान के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त म्रवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है ।

दिनांक 9 ग्रगस्त 1985

सं० क्र०भं० नि०/41/3/85-प्रशा०/5993—-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय श्रौर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी सहायक लेखा प्रधिकारी श्री ए० ए० शेख को इसी निदेशालय में दिनांक 17-6-1985 (प्रविह्न) से 31-7-1985 (श्रपराह्न) तक 840-40-1000 हु द० रो०-40-1200 क्पण के वेननमान में लेखा श्रधिकारी-11 के पद पर नदर्थ आधार पर स्थानापन क्ष्य में निय्कत किया है।

सं० क्र० भं० नि०/41/3/85-प्रणा०/5999—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेणालय ने स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्रीमती कान्ता श्रमरलाल रहेजा को इसी निदेशालय में दिनांक 17-6-1985 (पूर्वाह्म) से 31-7-1985 (श्रपराह्म) तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 म्पए के वे त-मार्ग में सहायक लेखा प्रोप्त र विपर नदर्थ श्राक्षार पर स्थानापन्न स्प मे नियुक्तिक

पी० गोपालन प्रशासन श्रधिकारी

निर्माण एवं सेवा वर्ग

बम्बई-400094, दिनांक 31 जुलाई 1985

सं० सी०ई०डी०/ए/2 (16)/5183—निदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभागश्री ए ०वी० पोलीस, अस्थायी सहायक लेखापाल, निर्माण एवं सेवा वर्ग, को संपदा प्रबंध निदेशालय में पदोश्वत श्री वी०जी०जे० पिल्लइ, सहायक लेखा अधिकारी के स्थान पर दिनॉक 1-5-85 (पूर्वाह्न) में 1-6-85 तक अस्थायी नदर्थ सहायक लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करने हैं।

एस० के० कपूर, प्रशासन अधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500066, दिनांक 20 ग्रगस्त 1985

मं० प०ख०प्र०-16/3/85-भर्ती निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न सहायक, श्री सुखदयाल को उसी प्रभाग में 6 श्रप्रैल, 1985 से 8 मई, 1985 तक तदर्थ रुप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक प्रधिकारी निधुकत करते हैं।

सं प ज प प न 16/3/85 - भर्ती निदेशक, परमाणु खनिज भाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा नाभिकीय ईंधन 2--226 GI/85 सम्मिश्र के स्थायी वरिष्ठ ग्राणुलिपिक एवं परमाणु खनिज प्रभाग के स्थानापन्न सत्यक कार्मिक ग्रिधकारी, श्री टी० एस० नारायणन को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1985 से 28 मई, 1985 नक तदर्थ एप से स्थानापन्न प्रणासन ग्रिधकारी-II नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-16/3/85-भर्ती—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न सहायक, श्री टी०पी० जार्ज को उसी प्रभाग में श्री टी०एस० नारायणन, सहायक कार्मिक अधिकारी की प्रणासन अधिकारी-धि के पद पर पदोन्नति हो जाने पर 1 फरवरी, 1985 से 28 मई, 1985 तक तदर्थ रूप में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-16/3/85-भर्ती—-निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु कर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग की स्थावी उच्च श्रेगी लिपिक एवं स्थानापन्न सहायक, श्रीमती के०वी० नायर को उसी प्रभाग में श्री पी०ओ० करणाकरन, यहायक कार्मिक श्रिधकारी के छुट्टी पर जाने पर 27 स्रप्रैल, 1985 से 1 जुन, 1985 तक तदर्थ रुप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रिधकारी नियुक्त करते हैं। एस० पदमनाभन

वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 19 श्रगस्त 1985

सं० 05012/ग्रार० 1/ओपी/3059—भारी पानी परि— योजनाओं के प्रधान-कार्यकारी, भारी पानी परियोजना (केन्द्रीय कार्यालय) के स्थायी प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री कृष्णश्री हरि खानीलकर, को इसी कार्यालय में श्री जी० कुलन्दैवेल, महायक कार्मिक ग्रधिकारी, जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर ग्रस्थायी रूप में, तदर्थग्राधार पर 27--5-85 (पूर्वाह्म) से 5-7-85 (ग्रपराह्म) तक के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> श्रीमनी के०पी० कल्याणीकुट्टी प्रणासन श्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ती दिनांक 15/18 जुलाई 1985

मं० ए-32013/5/83-ई-I—इस कार्यालय की श्रिश्चित्ता मं० ए-32013/5/83-ई-I, दिनांक 26 नवम्बर, 1983 के कम में राष्ट्रपति, श्री वाई०पी० बाबा की उपनिदेशक (श्रृनुसंधान और विकास) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 5-4-84 से 17-12-84 तक की श्रवधि के 71 जरी रखने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

एम० भट्टाचार्जी उपनिदेशक (प्रशासन) निरीक्षण महानिदेशालय सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रगस्त 1985

सं० 18/85—श्री बन्त सिंह ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय कलकत्ता-11 में विरिष्ठ ग्रधीक्षक के पद पर तैनात थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के पत्न फा० सं० ए-22012/42/85 प्रणा०-11 द्वारा जारी दिनांक 9-7-85 के ग्रादेण सं० 98/85 के ग्रनुसार निरीक्षण महानिदेशालय (सी०गु० तथा कें०उ०शु०) में स्थानांतरण होने पर दिनांक 26-7-85 (पूर्वाह्न) में निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क, तथा केंद्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 19/85—श्री बी०के० श्रग्रवाल ने, जो पहले सीमा शुल्क, वंबई में सहायक समाहर्ता के स्थ में तैनात थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 9-7-85 के पक्ष फा०सं० ए-22012/42/85-प्रशा०-II द्वारा जारी श्रादेश मं० 98/85 के श्रनुसार निरीक्षण महानिदेशालय (सी०शृ० एवं कें०उ०शृ०) नयी दिल्ली में स्थानांरित हो जाने पर दिनांक 5 श्रगस्त, 1985 के पूर्वाह्म में सहायक निदेशका, निरीक्षण (सी०शृ० व कें०उ०शृ०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 20/85—श्री एम०सी० सक्सैना ने, जो पहले केंद्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय मेरठ के हनद्वानी रेंज में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रधीक्षक (ग्रुप "ख") के पद पर तैनात थे, इस महानिदेशालय के दिनांक 23-2-85 के श्रादेश सी०सं० 1041/50/82 के श्रनुसार निरीक्षण श्रधिकारी (ग्रुप "ख") के रूप में नियुक्ति होने पर, दिनांक 15-7-85 के पूर्वाह्म में निरीक्षण महानिदेशालय, सी०शु०

तथा कें०उ०शु० के गाजियाबाद स्थित उत्तरी प्रादेशिक एकक में निरीक्षण प्रधिकारी ग्रुप "ख" का कार्यभार संभाल लिया।

> ए० सी० सल्डाना निरीक्षण महानिदेशक

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 9 ग्रगस्त 1985

मं० ए-19012/1070/84-स्थापना पांच—-प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग श्री चन्देश्वर सिंह पर्यवेक्षक को ग्रितिस्कत सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द्वर्गी०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 12-10-1984 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की ग्रवधि के लिए ग्रथवा पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहुने हों, पूर्ण ग्रस्याई और तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न ल्य में तियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी धरोड़ा, म्रवर सचिव केन्द्रीय जल म्रायोग

निर्माण और घ्रावास मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

सं० 27-ई०ई०/के(14)/75-ई०सी०-2--श्री ग्राई० एस० कोचर कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत), लोक निर्माण विभाग विद्युत, मंडल नं०-1 (दिल्ली प्रणासन), नई दिल्ली के ग्रधिविधता, श्रायु प्राप्त करने के फलस्वरूप वे दिनांक 31-7-1985 (ग्रपराह्म) से सेवानिवृत किये जातें हैं।

> नीना गर्ग प्रशासन उप निदेशक

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाँक 13 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० के-57/85-86--श्रतः मुझे एच० श्रार० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० वित्त व मकान है तथा जो रामपुर कुकहट में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रकबरपुर जिला कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक 15 दिसम्बर 1984

को पृथंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का एंद्रह भीतशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आंग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निभ्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बंशीलाल सन/श्राफ हिम्मन निवासी रामपुर कुकहट पर० व तह० श्रकबरपुर कानपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) देवा म्राटोमोटिव प्रा० लि० द्वारा प्रबन्ध निदेशक नारायण थारूमल मीरचन्दानी सन/म्राफ छासूमल मीर चन्दानी उए/97 म्राजाद नगर, कानपुर। (भ्रन्तरिती)

(3) क्रेताकण (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ख्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमी प्रय्वत शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

वित्त व मकान स्थित रामपुर कुकहट तह० अक्र**बरपु**र जि० कानपुर ।

> एच० म्रार० दिस संक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रेंज, कानपुर

दिनाँक: 13-8-1985

प्ररूप बाह् .टी.एन.एस. -----

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 2 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० III/975/प्रर्जन/85-86---श्रतः मुझे प्रबोध कुमार द्वे,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

गीर जिसकी सं० (होल्डींग) 397(ए) न्यू, तौजी सं०-524, प्लाट सं०-782, 783 एवं 784 है, तथा जो सिंकल नं०-6, वार्ड नं०-2, एक्जीबीमन रोड़, पटना में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दि.ौक 10 दिसम्बर 1984। को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृज्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित वाजार मृज्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से आधक है और अंतरका (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मेसर्स धाशियाना इंजीनियर्स प्राईवेट लिमिटेड, विश्व सदन, एक्जीबीकन रोड़, पटना द्वारा श्री भ्रोम प्रकाश गुप्ता, निवेशक ।

(स्रन्तरक)

(2) सेमर्स मिथिला मोटर्स, प्राईवेट लिमिटेड, एक्जीबीयन रोड़, पटना द्वारा श्री दिनेश बी० पारीख, सुपुत स्व० भगवानजी पारीख, निदेशक, "गोकुल", 9, पार्क रोड़, विष्टुपुर, जमशेदपुर।

(मन्तरिती)

(3) मेमर्स मिथिला मोटर्स प्राईवेट लिमिटेड, एक्जीबीयन रोड, पटना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

ग्राउड फ्लोर मय मकानात के जिसका प्लीस्थ एरिया 4490 वर्गफुट है तथा जिसका कारपेट एरिया 3960 वर्गफीट तथा जो होल्डींग नं० 397(ए) न्यू, तौजी सं०-524 ग्रीर प्लाट सं०-782, 783 तथा 784 का हिस्सा है ग्रीर जो सर्किल नं०-6, वार्ड नं०-2, एक्जीबीशन रोड़, पटना-1 में स्थित है तथा पूर्णरूपेण वसिका संख्या-6988 विनांक 10-12-84 में पूर्णतः वर्णिल है ग्रीर जिसका निबंधन जिला ग्रवर निबंधक, पटना श्वारा सम्पन्न हम्ना है।

प्रबोध कुमार दुबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पटना

दिनौंक: 2-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भ्यनेण्यर, दिनौंक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्राई० एम० मी०/एकुजीशन भुवनेश्वर-1/85-86/552-53--श्रतः मुझे, श्रार० सी० सेटी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 7199/84 है, तथा जो गंगानगर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनौंक, 12 दिसम्बर 1984।

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के िलए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधेन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री सेक-जलील पिता-मृत सेक-जयढ ग्रली पोस्ट/ श्राफिय धामसान जिला छाप्रा (बिहार) वर्तमान पता एस० सी० श्रार० नं०-68, गंगानगर, यूनीट-6 भुवनेश्वर (पुरी)

(ग्रन्तरक)

(2) सेक-फजलुर रहमान पिता-सेक, खालीलुर रहमान बापूजी नगर, एस० सी० श्रार०, प्लाट नं०-15/ए भूवनेश्वर जिला-पुरी (उड़ीसा) ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्षी

जमीन श्रौर मकान-एम० सीं० श्रार०, प्लाट नं०-68, मोजा, गंगानगर यूनीट-6 मात्र 90/--40,/ मुनिसिपल डोलजीग नं० 40/190, उड़ि० नं०-9 भाड़ा ६० 12. 40 जो सब रिजस्ट्रार भुवनेश्वर के श्रधीन में हो, श्रीर एरीया, उत्तर-कनजार मेनसी सून दक्षिण-40 फीट रास्ता श्रौर खाली प्लाट पूर्व, प्लाट नं० 67 श्रौर पश्चिम में एक छोटा प्लाट टोकन के लिए है।

श्रार० सी० सेठी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भुवनेष्ट्यर

दिनाँक: 31-7-1985

प्रकम बाइँ, टी., एन., एस.------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मू (1) के मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनाँक 8 मई 1985

निदम सं० श्राई० ए० सी० एक्बी०/4/18/85-86---यतः मुझे एम० सी० जोशीः,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च से अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्याम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खेत जमीन सं० 50/2 है तथा जो मौजा मौजा मोहा तह० जि० मबतमाए में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मवतमाए (डाकुमेंट सं० 74/84-85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक 11 दिसम्बर 1984

को पूर्वों क्त संपर्तित के उषित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंत-रितवॉ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विध-नियम के अभीत कर दोने के बन्तरक के द्यित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वर्ष/या
- (क) एसि किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिपाने में स्विभा के हिए;

जतः। जब , उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नमिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध्र-- (1) श्री पाँडुरंग स्नाबा मदुरे, रा० मबतमाए।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पद्मचंद माँगीराम बाफ़ना, रा० भवतमाए।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षपे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विविध कांद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्थव्ह किरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नम्स्नी

खेत जमीन जिसका सं० नं० 50/2 है श्रीर जो मौजा→ मोहाता० जि० म्थतमाए में स्थित है जिसका कुल एरीया 9 एकड़ 27 गुंठे हैं।

> एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर उपायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

दिनौंक: 8-5-1985

प्रक्ष आई. टी, एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-क (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 5 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्बी/20/22/85-86--म्रतः मुझे, मो० च० जोशी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात 'उकन अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 के के स्थीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित पाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० सिट० नं० 165 है तथा जो सी० ई० एस० नं० 18344/1 स्टेंगन रोड़ श्रीरंगाबाद में स्थित है (श्रीर उसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय श्रीरंगाबाद (डाकुमेंट सं० 6611) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

करें पूर्वोक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के इक्यमण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार भूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल को एसे इक्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीं) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम गमा प्रतिकात निम्नलिखित उख्दोश्य से उंत अंतरण लिखिश में क्रस्तिक कप से कथित नहीं किया गमा है:—

- (%) अन्तरण संहुइ किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के ब्यीन कर की के अन्तरक के दायित्य में कर्मी करने या उत्तसे बचने में तृतिभा के लिए; वरि/वा
- (क) एोती किसी बाब वा किसी वन वा अभ्य बास्तियों को जिम्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्योजनार्थ अन्तरिती प्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वी किय:

बन: धव उक्त निधिनयम की धारा 269-न के जनसरन कें, बें, खक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधादा (1) के नधीन, निस्तिविद्य स्थितियों, संश्रीत् हिस्स (1) मौलवी नवाब मोहम्मद ग्रली खान पिता मौलवी उमरदराज ग्रलीखान साहेब ग्रौरंगाबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नंद किशोर नारगोराव जाधव "बालाजीकृपा टेलीफोन ग्राफिस के पीछे ग्रजीबनगर ग्रौरंगाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन हैं किए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 2:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयोक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयदित द्वाराः
- (क) इस ब्रम्मा के राजपन में प्रकासन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गक विकास में किए वा ककेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-रिवंश के सभ्याय 20-के में परिभाषित हैं, यही सर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 18900 स्केयर फीट है जिसका सिट नं० 165, सी० टी० एस० नं० 18344/1 जो स्टेशन रोड़ भौरंगाबाद में स्थित है।

> मो० च० जोशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 5-8-1985

मोहुर 🖫

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5824--यनः मुझे जे० एल०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अ**धिक ह**ैं।

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान अन्तरित प्रतिफल के लिए की गहर मुभ्हें यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और बन्तरिती (अन्सरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युद्धिय से **उदर** अन्तरण लिखित भी वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हो ---

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; गर/या
- (ब) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के तिए;

🦮 अथ, उक्त जॉर्भनियम की भारा 269-ग के अनुसरण न मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री कमल नारायण, शिवनारायण पुत्र लहोरी लाल, वासी---मोहल्ला कसाबां, कपूरथला ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रजीत कौर पत्नी सरदारा सिंह, वासी-23 माडल टाऊन, पठानकोट ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) 1. मेन्ट्रल बैंक श्राफ इंडिया, कपूरथला ।
 - 2. पी० एंड टी० डिपार्ट मेंट, कपूरथला ।
 - 3. मै० अभवाल इण्टरप्राईस, मूलतानपुर रोड़, कपुरथला ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्तिसम्पति में रुचि यखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भाचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई" भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ह 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्डोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1959 दिनांक 26-12-84 को रजिस्टीकर्त्ता अधिकारी कपुरथला ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-8-1985

प्ररूप बाद्रौ, ट्री, एन. एस.,-------

भायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर हायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5826—5827—5828——यतः मुझे, जे० एन० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाकार मृत्य 1,00,000/-क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुमूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिमम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के शीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उत्तक अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: बीक्र/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य लास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सविभा के लिए;

अतः अवः तक्षतः अधिनियम की भारा 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६— 3—226 GI/85

(1) श्री राम लुभाया पुत्र धनीराम वासी गांधी नगर जालन्द्रर, मुख्दयार खास हर नारायण सिंह मुख्दयार ग्राम चरनजीत कौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हर नारायण सिंह पुत्न सूरत सिंह वासी एन० डी०— 270, श्रल्डा टांडा जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपितामों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्की

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 3801, 3876-3893 दिनांक दिसम्बर 1984 को रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है)।

जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 9-8-1985

प्ररूप बार्°., टी., एम., पुरा,,----

आवकड़ अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-च (1) के अभीन स्थना

भारत सरकाह

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए० एस० श्रार०/85-86/23--यतः मुझे, एल० श्रार० ढींगरा, श्राई० श्रार० एस०

शायकर जाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो पठानकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित नाबार मूल्य से कम के एरमान अविफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरमान प्रतिफल, से एसे एरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) बंदरण से हुइ किसी बाब की वाबदा, उक्द अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को बाह्यरच में कमी करने या उससे बचने में स्पीवधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तिय की चिन्ह भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विधा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा औ सिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के, जनसरन में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, अधिकतयों, अधीत् ह—

(1) मेसर्स लोकनाथ बजाज एंड संस, फारेस्ट लेसीज भौर टिंबर मरचैटंस, कालेज रोड़, पठानकोट जिला गुरदासपुर द्वारा श्री जय देव बजाज पुत्र श्री लोक नाथ बजाज, पठानकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोती प्रकाश पुत्र श्री रूप लाल वासी मोहल्ला वडेरियां, पठानकोट ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अर्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पल्लीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

एक भूमि का प्लाट 4950 वर्ग फीट जो गांव भ्रानंदपुर तहसील पठानकोट में है जैसा सेल डीड नं० 2694/23-1-85 रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

एल० श्रार० ढींगरा ग्राई० श्राई० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 30-7-1985

मोहर: 🕴

पुरुष बाह् .डॉ.,एव .पुरु.,-----

बाय्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-च (1) के अभीन सूचना

MAN MARKE

कार्याख्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० ए० एस० आर०/85-86/24-यतः मुझे, एल० आर० हींगरा, आई० आर० एस०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के सभीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है सथा जो गोल्डन ऐवे न अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसमीर 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यहं विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतिकृति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखत उद्देशय से उसते अंतरण लिखित में बास्स-विक स्प से कथित नहीं किया गया है %—

- (क) अन्तरण के हुइ किसी बाय की वाबत, उक्त बिध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🕮

(1) श्री राम मूर्ति पुत्र श्री मेला राम बाग रामा नन्त, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीस सिंह पुत्र श्री जसवंत सिंह के ्रआफ मेसरज एलाइज आटो ट्रेड्रज, ग्रेरा वाला गेट, अमृतसर।

(अन्सरिती)

(3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

(4) श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के किस् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अविध, को भी वर्षों वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यां का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा थें; उस वध्याय में दिया वया हैं।

अन्स्यी

एक जायवाद नं० 70 जो गोल्डन ऐवेन्यू, वाटर बक्सै रोड़, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 6259/12-12-84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> एल० आर० ढींगरा, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 12-8-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० ए० एस० आर०/85-86/25--यतः मुझे, एल० आर० हींगरा, आई० आर० एस०,

भाषकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (धिसरे इसमें इसमें

श्रीर जिसकी सं एक जायदाद है तथा जो इस्ट मोहन नगर अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बांगत है) राजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 6) के अधीन दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वीक्त सम्परित के उजिस बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान शितकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्नींक्त संपरित का उजित बाजार ब्रूच, उसके स्त्यमान प्रतिकल से, ऐसे स्त्यमान प्रतिकल का क्लाइ प्रविक्त से अभिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंत्यरिती (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तम पाया गया प्रति-कम निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में शस्त-विक स्पृ से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) निचर दे हुई कियी बाब की बाबत, उनक्ष अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शांकित में कनी करने वा क्यसे बचने में सुधिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर लिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनते बिधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा की किस्त;

सरा: अव, त्रभेत अभिनियम की भारा 269-म की, बनुसरण वी, मी उस्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीम निम्निसित स्थितकार्थी अधित ६—-> (1) श्री मुंशी राम पुत्र श्री वीर भान वासी करमो डियोढ़ी, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुख्तार सिंह पुत्र श्री केसर सिंह 149 इस्ट मोहन नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानतः है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक जायदाद नं 238 जो इस्ट मोहन नगर, अमृतसर में है जैमा सेल डीड नं 168/4-4-85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> एल० आर० ढींगरा, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अमृतसर

।द' कि कि: 12-8-1985

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2'69-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहावक आवकर बाब्क्त (निर्माणण)

अर्जंन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 19 जुलाई 1985

निर्देश सं० एल० सी० $763/85-86\rightarrow -$ यतः मुझे, बी० रिवबालन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्स प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर समासि, जिसका उचित बाकार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कालिकट कार्पोरेशन में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप हु वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालिकट में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूम्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एवं दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिकी (अंशरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निसिषत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बालता, उज्जर अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक थे दानित्य में कमी करने वा उससे वचने में सूर्तिया के विष्ठुः जीद/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर विधिनियंक, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियंक, या धनकर अधिनियंक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था सा किया जाना चाहिए था, डिज्याने में सुविधा के निह;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की गरा 269-**य की** उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :— (1) श्री इसमियिल हाजी श्रीर नाजिहा (मैनर) के लिए इस्मायिल हाजी

(अन्तरक)

(2) श्री ए० वी० पान

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्वगाहियां खरता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संयंभ में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थानर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य स्थितर इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए चा सकोंने।

स्पष्किकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों आर पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्या

तारोष्ट्र 10-12-1984 उप रिजस्ट्री कार्यालय कालिकट के दस्तावेज सं० 1089 में संलग्न अनुसूची के अनुसार कालिकट कार्पोरेशन सर्वे आर० एस० सं० 17-15-681 में 10.95 सेंट भूमि।

> बी० रविबालन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 19-7-1985

माहर:

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

ए रणाकुलम, दिनांक 19 जुलाई 1985

निर्देश सं० एल० सी० 762,85-86--यतः मुझे, बी० रिवबालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मुधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० अनुभूची के अनुसार है जो कालिकट कार्पोरेशन में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णिप्त है), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय कालिकट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान असिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मृश्कि है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के भीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फन निम्नसिंखत उद्देश्य से उक्त बंतरण सिवित के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया यहा है है—

- (क) बन्तरण से हुए किसी जाव की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कुट दोने के अन्तरक, के वायित्व से कभी कुटुने या उससे बचने से सुविधा के विष्टु; अडि/वा
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की अनुसरण कों, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष--- (1) श्री इस्मेयिल हाजी, नाजिहा (मैनर) के लिए इस्मेयिल हाजी।

(धन्तरक)

(2) श्री कें० पी० माथन

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

हम्ब बुम्बरित के बर्जुन में बुम्बरूभ में कोई भी बाक्षेत्र--

- (क) इस ब्रथना के राज्यन में प्रकारन की तार्डीक है. 45 दिन की जनति या तत्त्रव्यन्थी व्यक्तिकों कर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकृष किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सके गे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

> बी० रिवबालन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 19-7-1985

माधुर:

प्ररूप **वाह**ै.<u>टी.एन.</u>एस.,=-=---=

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत पंतपत

कार्यालय, बहायक पायकर धायुनत (निरीशक)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० एल० सी० 766/85-86--यतः मुझे, बी० रविवालन

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के जधीन सक्षम प्राष्ट्रिकारी को वह निश्वाक करने का कार्ज हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो गुरूवायूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ग्री० कोट्टपिड में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 12~12-84

को पूर्वोक्त तस्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के तिए जन्तिरत की गई है और बुको यह जिल्लास करने का कारण है कि बजापूर्वोक्त संपत्ति का स्वयम् जातार जून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का वंग्रह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (बंतरका) और जंतरिती (अन्सरितियाँ) के बीच होने सन्तरण के लिए सब पाना बना प्रतिक स्वय निक्तिविद्यां स्वयं के स्वयं सन्तरण के विवास में बास्त्र-विक स्वयं ने स्वित्य नहीं सिक्ता स्वयं है स—

- (क) अन्तरण से हुई किवी जाय की वाबत उचत जिथ-पिनवा में अभीप कड़ रोगे के सम्बद्ध के दावित्व में ककी राज्ये वा उचने वचने में दुवित्या के चिद्द; जीड़/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी अन या अन्य आस्तिवों की, विक्हें भारतीय जाव-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, का भन कर अधिनियम, का भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- ध के, अनुसरण ने, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269- ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थीन् :--

(1) श्री सुष्ठमन्य अय्यर शंकरा अय्यर कोलनु अय्यर नारायना अय्यर वेंकट रामकृष्णन कृष्ण अय्यर श्रीर शंकरन अकमपूरम काल्लडकुरिची श्राम्बरम् म निरुनलवेलि

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी एन कृष्ण कुमार पंडियारे तलकलवीड़ कल अमृत लोडिज गुरुवायूर।

(भ्रन्तरिती)

को वह स्वता वारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्जन के सिष्ट कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त तल्पील के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🖚

- (क) इस ब्र्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन की नविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच सें 45 दिन के भीतः उनत स्थावर संपत्ति में हिंदा-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाव सिविस् में किस आ सुकोंने 1

ज्यक्विकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनके जीभीनवस के जभ्याय 20-क में परिभाषित हीं, यही अर्थ होगा, जो उस अभ्यास में दिसा गया हैं।

मन्स्ची

तारीख 12-12-84 उप रिजस्ट्री कार्यालय कोड्डपिड के बस्तावेज सं० 1395 में संलग्न अनुसूची के अनुसार गुरू-वायूर डैनिशिप में सर्वे सं० 100/10, 11, 2413 में 5.5 सेंट भूमि के साथ एक मकान

बी० रिवबालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; एरणाकुलम

दिनोक: 8-8-1985

मोहर

प्ररूप. आर्ड, टी. प्नु. एस्. न न = न

अप्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक भायकर मागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देण सं० 12 दिसम्बर 84--अतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. स आधक ह और जिसकी सं० डोर सं० 46 श्रोर 47 अक्वामुध गार्डन स्ट्रीट है तथा जो मद्राम-8 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय पेरीयमेट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित कि गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का बन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सस्विक रूप से कथिय नहीं किया यहा है है—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की धावत, उनत अभिनियम के अभीन कर दोने के मन्तरक के दासित्य में कसी कड़ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण के, मैं, उक्त अधिनिकम की भारा 269-म की जपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० न(र(यण अय्यर

(अन्सरक)

(2) मद्राम सिवकाशी नाडारस एसोसिएशन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

टक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में है कि की व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकी।

स्वध्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि स्रौर मकान डोर सं० 46 स्रौर 47 अश्वामुध गार्डन स्ट्रीट मद्रासं∼8।

एस० आर० पेरियमेट--दस० सं० 1233/84

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-1, मद्रास

दिनांक: 12-8-1985

मोहर ह

प्रकृप मार्च, टी., एन्. एक्. :-----

नायकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के अभीन समना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक जायकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज--1, मद्रास

मद्रास दिनांक 14 अगस्त 1985

निर्देश सं 23/दिसम्बर 1984—-अत, मुझे, के० वेणुगोपाल राज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं . क प्रावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-क से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० डोर सं० 49 ब्रुतुकाट्टन स्ट्रीट हैं तथा जो मद्रास-3 में स्थित है (स्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय पेरियमेट (दस: सं० 1206/84) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांद दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिपफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अंतरितयार्) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के संहर्क के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, औं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अक्षे अक्षीर निम्मिकिसित व्यक्तियों, अर्थात् कुन् (1) श्री यु० ई० अब्दुल खादर साहेब

(अन्तरक)

(2) श्रीटी० एम अञ्दुल गनी

(अन्तरिती)

को सह स्वास जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निगर कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीय :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास गया है।

श्रन्भूची

भूमि--डोर सं० 49 वूत्तृकःहृत स्ट्रीट मद्रास-3 (एस० अ(र० फ्रो० पेरियमेट---दम सं० 1206/84)

> के० वेणुगोपाल राज् सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-1, मद्रास

विनांक: 14-8-1985

मोहर:

4---226 G1/85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री शनभुगम श्रीर विजया

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना (2) श्री पलनियप्य मुदलियार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मश्रास

मद्रास, दिनांक 12 अत्गत 1985

निर्देश मं० 49/दिसम्बर/1984--अतः मुझे, के० वेणुगोपःल राज्

भायकर जीधीनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धरनात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अबीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं सर्वे सं 494/3 है तथा जो नामक्कल से स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नामक्कल में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्स संम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्निशिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक भूप से किथिए नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अत: अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उन्न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूधना जारी करके पूर्वक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि सर्वे सं० 49/3 नामक्कल एस० आर० नामक्कल दस० सं० 1610/84

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मश्रास

विनांक: 12-8-1985

मोहर 👵

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास दिनोंक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० 126 दिसम्बर 84---अतः मुझे के० वेणुगोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव सर्वे संव 254/1 है सथा जो कन्तनकुरीची गांव, सेलम सालूक ग्रीर जिल्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे एस आर सेलम दस संव 2168 सक 2171/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तिषक हम के किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अति: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् ।:——

- (1) 1. श्री पी० रामन
 - 2. श्री पी० स्वामीनाथन
 - 3. श्रीपी० पालवासु
 - 4. श्री पी० कमवन श्रीर
 - श्री पी० बालूस्वामी

(अन्तरक)

(2) श्री आरु वत्सला

(भ्रन्तरिती)

को यह पूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 12-8-1985

सहर ः

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ध (1) के अथीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, महास

मद्रास-6, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश मं० 156 दिसस्बर/84मद्रास---क्षतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ज्याँट सं 3982 है तथा जो अन्त। नगर, मद्रास-40 में स्थित है (ग्रोर इस्से उपत्यद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण का से विणत है) रोजस्ट्रीकर्ता अधिक रो के कार्यालय, अन्त। नगर (दस० सं० 4015/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई हाँ आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी अप की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सिविधा के लिए; बीफ/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम जी भारा 269-ग कं अनसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमदी निर्मलः साईमन ग्रीर श्री साईमन जैकव (अन्तरक)
- (2) श्री टी॰ ए॰ अरथानारी मुदलियार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपनि मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भ्याद्भीकरण: — इसने प्रयुक्त शब्दों और गर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्स्ची

भू म और मकान . प्लॉट सं० 3932, अन्ता नगर मद्राम-40, एम० अन्त्र अन्ता नगर---दस० सं० 4015/84

> के० वेणुगोपाल र.जू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-6, मद्रास

दिनांक: 12--8-1985

मोहर 🖟

प्ररूप बाई <u>.</u>टी. एन . एस . ------

(1) श्री टी० एन० रविचन्द्रन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

(2) के० बी० ट्रेडर्स

(अन्तारतो)

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक गायकर भायकत (निरीक्षण) ःर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अगस्त 1985

निर्देण सं० 165 दिसम्बर/84---अतः मुझे, के० वेणुगोप।ल राज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 47 कोम्मालम्मन कोइल स्ट्रीट है तथा जो तोन्डीयारपेट में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुरम (दम० सं० 1963/84) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनेयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

क्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- का यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्द्रश्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गडा है।

अनुसूची

भूमि ग्राँर मकान---47 कोम्मालम्मन कोइल स्ट्रीट तोन्डीयारपेट (एस० आर० ग्रो० रायपुरम) (दस सं० 1963/84)

के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज $^{-I}$, मद्रास्क

दिनांक: 14-8-1985

१क्ट बार्ड दी. एन . एव . -----

माय्कर मधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

पारत चंद्रकार

कार्यालय, सहायक बायकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1985

(नर्देश सं० अार० ए० सी० नं० 311/85—86—-श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

क्रीर जिसकी सं० पसंट है तथा जो मासाबटेंक में स्थित है (क्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में क्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जनवरी 1985

को प्वोंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्द्दं किसी आयः की बाबता, उक्त निर्धानयम के अभीन कार दान के अन्तरक को दायित्व भी कामी कारने या उससे भवने में सुकित्त के सिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जन्म चाहिए था, किपाने में सुविधा के निहा;

(1) श्रोमती इस्मन मनेह पत्न सलेह बिन सलीम घर नं 10-5-3/ए/3, मासाब टैक, हैदर,बाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री कें अमुख्यमन्यम 29 बेलावेस्टा, 28/1 एस० बी० रोड़ बांद्रा ऑम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी काक्षेप:~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

पलैट नं बी प्रथम तल घर नं 10-5-3/ए/3 मासाब टैंक हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 625/85 राजस्ट्रीकर्सा अधिकारी हैदरावाद ।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

कत् जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अधिन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधिक धु--

दिनांक: 12-8-1985

प्रथम् **नाष** . **टी . एन . एस** . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत इंडस्स

क्थर्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्शेक्षण)

श्चर्णन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिलाँक 12 अगस्त 1985

निवेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 312/85-86—-श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमे

आसकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण ही कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उष्यत बाजार मूल्य 1,00,000/- पर से अधिक है

और जिल्ली संव फ्लैट है तथा जो शिवास फ्लेन मोमाजीगूडा में स्थित है (अंट इनमें उनावद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिन्ट्री जी अधिकारी के अर्थालय हैंदराबाद में रिजिन्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पुर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापवींक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफला, निम्निलिसित उक्षीय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण के धुर्द किकी जाम की गावत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्य में क्यी करने या असम वर्णन मा स्पेयका । क्ष्मण्ड सार/धा
- (क्ष) एसी किसी नाम वा किसी वन वा बस्त् बास्तिकों करा, जिन्हों भारतीय आय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपध्यार (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् क्र- (1) मेनर्स लैन्ड मार्क बिल्डर्स, 6-2-930, खैरताबाद , हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रामता मीरा कोती. 308 णहाजहां श्रपार्टमेंटम, खैरतामाव, हैदराबाव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचनर जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के नर्मन के संबंध मां कोई भी नाओए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिचित में किए सा सकरें।

न्यव्यक्तिरण:---इतमें प्रयुक्त खब्दों और वदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अमुनची

पलैट शींबासम्लेन, तींसरा मंजला, सोमाजीगूडा, हैदराबाद रजिस्ट्रीशत विलेख नं० 510/85, रजिस्ट्रीकर्ता हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-8·1985

मोहर 🛭

प्ररूपः बाहाँ, टी. एम. एख्. - : - - -

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्तिण) अर्जन रेंज, हैदराखाद

हैदााबाद, दिनांक 12 श्रगस्त 1985

निदेश सं० श्रार्थ ये० सीं० नं० 313/85-86--श्रतः मक्षे, एम० जगन मोहन

नायकर अिरिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

औय जिल्हीं सं० प्लैट है तथा जो शीबास ग्लेन सोमाजींगूडा में स्थित है (और इन्से उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभिन्न हैं) रिजस्ट्रीकियाँ अधिकारी के वार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकियण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीक फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित याजार मृत्य से कम के दरमान मितमल को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दरममान प्रतिफल से, ऐसे दरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिका से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (अन्तरात्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल निम्निस्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में इस्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय नी कावत, उपस अधिन्यम को अधीन कर दोने के बुन्हरक औं दायित्व में कनी करने वा उद्देश बुन्हों में बुन्बस के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के निए;

 (1) ने (वें लैंन्ड मार्क बिल्ड्स 6-2-930, खैरताकाद, हैदराकाद ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीनिती एफ० मीलन और शुमारी करेन मीलन फ्लैंट नं० 3, ग्रशीक श्रपार्टमेंटन, ब्लाक ए, कोलाबा बम्बई-5

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- वद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्थळीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्क्ष

श्रपार्टमेंटप नं० 304, तीसिरा मंजला, शिबास ग्लेन, कपाडिया लेन, सोमाजीगूडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 782/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रापकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

असः अब उक्स अधिनियम की भारा 269-व के बच्चूब्र्य में, में, उबस अधिनियम की भारा 269-व की उपभास (1) के सभीभ, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थत् ८——

दिनांक 12~8 1985 मोहर : त्रक्य साहै .टी .एन .एस . -----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदरादाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1985

निदेश संब्धारवयेव सीवनव 320/85-86---श्रतः मुझे एमव जगनमोहन

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर ममंत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट है तथा जो अभिज टावर्स हैंदराबाद में स्थित है (और इतसे उपाबढ़ अनुसूती में और पूर्ण क्य से विणित है) रिक्ट्रिजित अधिकारी के पर्यावन वीज्जते परवी में रिजर्ट्री एरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्श संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधाप्वोंकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि चित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य असिस्तरों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा छे लिए।

जतः स्था, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में मैं, उभत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स मिल्ङ बिल्डर्स, बाई श्री एम० ए० मिल्ः, और श्रीमती भजीजृतिसा बेगम, 3→6→29०, हैदरगुडा, हैदराबाद ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री अहमद शरीफ पिता श्री इस्माईल शरीफ 16--2--145/6, मलक्ष्येहड, हैदनबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतन पूर्वे कि. व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति द्वाहा;
- (ख) इस सूचना के राज्यश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगें।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुत्र्यो

फ्लेट नं ० ए:4, तींस्रा मंजला, अजीज टावर्स, घर नं ० 3-6-290, सेंट लुइस एकुल रोड़, ईदरगुडा, हैदराबाद, रिजर्ट्री त चिलेख नं ० 910/84, रिजर्ट्री-त्ती अधिकारी, चींकाडवेपली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज,हैदराबाद

दिनांक : 14-8-1985

प्रकथ बाई. टी. एन. इस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० म्रार० ए० सीं० नं० 321/85-86--- म्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो लिंगमपल्ली, बरकतपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अ2र पूर्ण रूप से

में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचीं में अ2र पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रींकर्ता ग्रधिकारीं के कार्यालय चिक्कडपल्ली में भारतींय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी 1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार स्क्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्ने लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारण (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पी० वेंकटारामा रेड्डीं, पिता पि० गोपाल रेड्डीं पोतीं देड्डीपल्ली विलेज, हजुराबाद तालूक करींमनगर, जिला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती डी॰ संगमेस्वरी, पिता श्री जनार्दन रेड्डीं, 3-6-102, फर्स्ट फ्लोर, हींमायतनगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया रया है।

ग्रनुसूची

खुली जमीन प्लाट नं० 39 और 40 का भाग, विस्तीर्णं 359 चौ० गज, लिंगमपल्लीं बरकतपुरा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 142/85, रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी, चिक्कडपल्लीं।

एम० जगन मोहन यझन प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 14-8-1985

मोहर 🖫

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 ग्रगस्त, 1985

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 322/85-86:---ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थान्द सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिन्नकी सं० गोडाउन है जो गतीं मार्केट मेदक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, मेदक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के ध्यमान् शितफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूल्य, उत्तके ध्यमान् प्रतिफल से, एसे ध्यमान् प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया ग्या प्रतिक्क का निम्नितिष्ठ उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण निष्ठत में बास्तरिक कर नियन नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वावत , उक्त जीधनियम के जधीन कर देने ने बंतरक में दायिता में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने बें सुविधा के जिल्ह;

बतः वयः उक्त विधिनियम की धारा 269-त के जनसरण के, में, अक्त विधिनियम की धारा 269-मू की उपधारा (1) के वधीर्या निस्तिषित व्यक्तियाँ अर्थाद क्षान्य श्रीं पी० डी० मल्लप्पा पिता विरप्पा पार्टनर मैंसर्स श्री वेंकटरमना राइस मिलस मेंदक) हावेली घनपुरा; मेदक।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स श्री वेंकटारमना राइस मील, बाई श्री याचम चन्द्रय्पा, मैंनेजिंग पार्टनर पिता वेंकय्पा, हावेली घनपुर, विलेज, मेदक जिला।

(अन्तिनतीः)

को यह स्थना जारी करकै पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेष्:--

- (क) इब सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शर्ग और पदों का जो उक्तु अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

गोदाम एम॰ नं॰ 3-19-89वी और खुली जमीन, प्लाट नं॰ 13, गंज मार्केंट, मेदक रजिस्ट्री कृत विलेख नं॰ 84/ 85, रजिस्ट्रींकर्त्ता अधिकारों मेदक।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-8-1985

मोहर 🛭

प्रकम नावा. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

ं बारत संस्कार

कार्यालय, सहायक नायकड नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ए० सी०- 6/रेंश-4/कल/1985-86--अतः मुझे, शंकर के० बनर्जी,

नासकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,06,000/-रु. से अधिक हैं और जिल्हों संख्या 106 है, तथा जो गि० घो० रोड में स्थत है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से चिणत है), रजिस्ही जी अधिकारी के क्यिलिय, कलकता

में रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रव्धिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 27--12--1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रंयमाम प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का निष्ह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसीं शाय की वावत, उक्त जीवनियम की अभीन कर दोने की अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; श्रीफ़/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन था अस्य आस्तियों कर किसी आय गा किसी धाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया बाना बाहिए था, कियाने में न्यिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्मक्तियों, अधीत् ह— 1. श्रीमती घोषि देवी श्रगरवाल।

(भ्रन्तरक)

2. मैं ५सं एक सेलन ' एजन्सींज।

(ग्रन्तरिती)

की मृह् सूचना जारी कंडले पूर्वोक्त संस्पृतित के वर्षात के लिए कार्यवाहियां कंडला हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तिरीक्ष के 45 दिन की नविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, वो भी व्यक्ति वाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (च) इन्त् सूचना के राज्यम में प्रकासन की वारीब है. 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति दुनारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसा में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः ---इसमें प्रयूक्त शक्दों और पदों का, जो सक्त बिधनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित हैं। बही वर्ष होया को उस बध्याय में दिवा नवा है।

वन्स्यी

जमीन 1659.22 स्को थिट जमीन 2922.09 वृत साथ मशान पता 106-गिरिण घोष रोड, वेनूर मठ, हावड़ा दलीन सं॰ 1984 का 14।

> एस० के० बन्जीं, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज IV कलकत्ता

तारीख: 24-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनिवस 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकाड

कार्यातय, महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-,II कलक्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1985

सं० ए० सीं०--39/म्राप--II/ स्ल०/85-86---अतः मुझे, शेख नईनहिन।

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पश्चास् 'उक्त निभिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संस्या 8 है तथा जो जानकी साहा रोड, बासवत्ता--24 में स्थित है और इसके उपाद इस्कृषी में और पूर्ण रूप से विजित है), रिल्ट्रिक्ती श्राधिवारी के बायांक्य श्राप्त ए० कल ग्रमा में रिजिस्ट्रीकरण श्राप्तियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15--12--1984।

की पूजेक्स सम्पोत के उचित बाजार मूल्य स कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाों) और किसरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय गया चया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण सिविष्य गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (फ) जन्तरण से हुइ किसी जाम की बाबत उक्त बाधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे वचने में सुविधा के जिए; बाँद/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) चे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

बदः वन, खन्त वाधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरक में, में, सकत अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री भवानि प्रसाद आगरवाला।

(भ्रन्तरक)

7. श्री राम नारायण भर्मा और भ्रन्य।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

सबत् सम्परित के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच र्स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अविक्तयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकवाः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-के में किशाकित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया प्या है।

अनुसूची

लगभग 4 1/2 कठा जमीन का साथ एक तल्ला मकान 8 जानिक साहा रोड, पूर्व नाम रोड, कलकत्ता-22 में भवस्थित है।

दलील संख्या आर० ए० कलकता का 1984 का आई 15205।

> गोज नईमृद्दिन, सक्षम प्राधिकारी, सद्दायक भायकर कायुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेंग II, कलकत्ता

∗सारीखः: 13-8-1985

ं भोषद्र 🔳

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घके अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आगकर आगूक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-11, वःलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 प्रगस्त, 1985

सं० ए० सीं०-38/ब्रार०ब्र11/कल/85~86--ब्रतः मुझे, शेख नईम्हीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 620 है, तथा जो बलाक ओ, न्यू, धालिपुर, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबब अनुसूवी में और पूर्ण रूप से विणत है (रिजस्ट्रीकर्ता धाधिकारी के कार्योग्य एत० आ१० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-12-1984।

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्टे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- 6. श्रीं एन ० के ० घोष

(भन्तरक)

7. श्री बैजनाय भागरयाल ।

(मन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के दार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7 कठा 11 छटाक 9 वर्ग फुट जमीन का साथ दो तल्ला मकान 620, ब्लाक ओ, न्यू घालिपुर, कलकत्ता में भवस्थित हैं।

वलील संख्या: एस० घार० ए० कलकत्ता का 1984 का घाई० 14737।

> शेख नईमुद्दीन; सक्रम प्राधिकारी,

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 11 कककत्ता

मारीख: 13-8-1985

मोहर 🖫

प्रकृप बार्ड. टी. एन. एस. -----

भारत 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) मर्जेः रैंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 18 मगस्त 1985

निदेश सं० ए० सीं०-37/भार०-11/कल०/85-86---भतः मुझ, शेख रोईमुहीन,

नायकर शांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 26 ए० ६० एच० है, तथा जो राधा माधव बत्त गार्डेन लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स वर्णिम है), रजिस्ट्रीवर्ता अधि-कारीं के रामस्थि, एस० भार० ए० वस्त्वस्ता में, रजिस्ट्रीव करण अधिनियम, 1908 (190के का 16) के अधीन, तारीख 17-12-1989

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया वितफल निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण सिक्कित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तारण वे हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचुने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जत श्रं अव, उक्त अर्धिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण कों, मीं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निस्तिलिखित क्योंक्तयों, अर्थात् हरू— 6. डा० बोसेस सूबोरेट्री लिमिटड।

(द्धन्तगकः)

 मै० सुभाष सरोबर को-म्रापरेटिच हाउसिंग सोसायटी लि०।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पतः स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थळकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुची

7 कटा 37 वर्ग फुट जमीन 26 एईच, राधा माधब बत्त गार्डे. लेन, थानानबलियाचाटा, कलकत्ता-10 में भव-स्थिम है।

दलिल सं०:---एस० भार० ए० कलक्सा का 1984 का भार्ष--15240।

> शेख नईमुईीन सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-11, कलकत्ता

सारीख: 13-8-1985

मोहर 🖫

श्**रूप**्रवाद⁴् ठी. एव्. एस् _-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

प्रारत बरकात

कार्यासय, बहायक बायकर बायक्त (निरीक्क)

धर्जन रेंज, क्लकत्ता कसकत्ता, दिनांक 12 धगस्त 1985

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उसके अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निष्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,70,000/- रह. से अधिक हैं

1,70,000/- रह. सं अधिक हैं

और जियकी सं० 2सबीं० हैं तथा जो महेग दखत लेन,
काल हत्ता में स्थित हैं (और इंसे उपाबद्ध अनुसूचीं में और
पूर्ण रूप से घणित हैं), रिजर्स्ट्री ती अधिनारी के वार्यालय,
एस० झार० झालिपुर में, रिजर्स्ट्री त्यण अधिनियम, 1908
(1908 वा 16) के अधीन, तारींख 7-12-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नविविद्यत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, सणत जिथान नियम को अभीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विभा के सिए;

बत:, अब, उक्त अधिनियम की थाए 269-व के जन्सरकः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत स्यक्तियों, अर्थात् ध— 1. श्रीमती चिनु ६त्त गुण्य।

(प्रस्तरक)

2. श्रीमती रेखा भट्टाचार्य।

(भ्रन्तरिवीं)

को यह सूचना वारी कारको पूर्वोक्त संपत्ति के व्यक्ति के लिए कार्यवाहियों करता हो।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप ह---

- (क) इस मूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीं व ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्याक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकोंगें।

स्पक्षीकरण :---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., श्री अवस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होग्य ओ उस अध्याय में विका यस हाँ।

जन्स्ची

2 कठा 3 छिटांक फर्मीन का साथ वो तल्ला मकान 28 बीं०, महेशा दत्त लेन, याना-न्यू प्रालिपुर कलकत्ता में श्रवस्थित है।

दिलिल सं०:- एस० भार० भालिपुर का 1984 का 5545।

शेख नईमुहींन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-11, कलकत्ता

तारीख: 2-8-1985

महर:

प्रकृप आर्धः टी. एन. एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ए० सीं०--11/रेंज--4/कल०/1985--86---ग्रत: मुझे, शंकर के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो कनटाई रोड़, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रींकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रींकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारींख 14~12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/धा
- (ख) एसी व्हिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 260-गं के अनुसरण में में उस्त अधिनियमं की धारा 260-घं की उपधारा (+) के अधीमः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—— 6—226 GI|85 1. श्रीमतीं श्रमराच कांकारिया।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीं शिव क्षिणन कावादि।

(भ्रन्तरिसीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप करन

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमणें पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो मी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख १ 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा गया है।

वन्स् भी

जमींन--10.37 एकर जमींन का मकान का 20 प्रतिशत भाग, पता--कनटाई रोड़, मिदनापुर। द्यलिल सं० 1984 का 15032।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंजे⊶4, कलकत्ता

तारीख: 4--8--1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्रीमती उमराघ कॉबारिया।

(अन्तर ह)

2. श्रीमती कौशस्या कोठारीं।

(भन्तिगतीं)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज--4, दलश्ता

शसः सा, दिनांक 14 घगरत 1985

निदेश सं० ए० सीं°ा-10/रेंज--4/ःस०/1985 -86----भ्रतः मुझे, संक? के० बनर्जी,

ज्ञायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/~ रत. से अधिक है

और जि की सं० है तथा जो बनटाई रोड़, में स्थित है और इंसे उपाग्रद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से धाणित है), पिस्ट्री ती श्रिधशारी के शार्यालय बलाउत्ता में जिल्ह्री पण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाधार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह बिदवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण लिखित में मास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क्क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कां है भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटकिरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमींन--10.37 एकर जमींन का मरान का 21 प्रतिश4 भाग। पता---कनटाई रोड़, मिदनापुर। दलिल सं०:---1984 का 15033।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख: 14-8-1985

मोहय:

प्रस्य बाह्", टी. एम. एस. ------1. श्रीमत ग्रयव कांकारिया।

(मन्तरक)

(भन्तरिती)

बायकर वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की शहर

269- (1) के अधीन स्वना

माइक सङ्कान

कर्यासन, बहानक जानकार नाम्बस (विरक्षिक)

भ्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 14 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० ए० सी०-9/रेंज-4/कल०/1985-86--श्रत: मुझे, शंकर के० बैनर्जी,

बारकर बीधनिवम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसने इसको पक्चात् 'अन्त सभिनियान' कहा गया है"), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसक्ता उचित बाणार मुख्य 1,00000/-रुत. सॅ अप्रिक्त **ह**ै

है तथा जो कनटाई रोड़ और जिसकी सं० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकता में रजिसीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 14-12-1984

को पूर्वीकः संपरित को उभित बाजार मृल्य से कम के उत्पमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहेयमान प्रतिफल से एसे रहसमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🛍 :--- .

- (क) बन्तरम ते हुई किसी भाव की बाबच, सख अधिनियम के अधीन कर दोने भी अन्तरक भी दाबित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के किए: और/वा
- (था) इसी किसी भाग या किसी धन या अन्य बास्तिओं को, जिन्ही भारतीय बायकर बाधनियम, 1922 11922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गडा भा या किया भाग पाष्ट्रिए था, कियाने में सुविधा र्व सिए:

बतः वन, उक्त वरिपनियम की धारा 269-ग के जनुसूर्य के, के उक्त विधिनियम की भारत 269-व की उरभारत (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थातु :---

को वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त इम्मिल के नर्बन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हां।

2. श्रीमती सरोज कोठारि।

सबस सम्मरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड थी जाओर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन करी तप्रदीय से 45 दिन की नविभ ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर बुचनाकी तामील से 30 दिन की ववीथ, जो और बनीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में हे किही व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजवन में प्रकाशन की तारीं व 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितकपूर किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोडस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकों ने।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दी का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया नवा है।

अनुसूची

जमीत:---10.37 एकर जमीत का साथ मकान का 28 प्रतिशत भाग। पताः—श्वनटाई रोड्, मिवनापुर। विलल सं० 1984 का 15031।

> एस० के० बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख: 14-8-1985

मोहर:

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्याजय,, सहायक भायकर बायूक्त (विरक्षिण)

भ्रजन रेंज-4, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 14 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० ए० सी ०-8/रें ज-4/कल०/1985-86-भ्रतः महो, शंकर के० बैनर्जी,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाचार मृन्य 1,00000/-रुपये से अभिक हैं

और जिसकी सं० है तथा जो कनटाई रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 14-12-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह् प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित शस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत सकत अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्य में कमी करने वा उससे ब्याये में सुनिधा के लिए; बोर/सा
- (च) एसी किसी नाम या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सूर्विशा के निए;

जतः जय, उत्तर विधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उपत विधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ह— 1. श्रीमती मगराव कांकारिया।

(भ्रन्तरक)

2. श्री महेश कुमार कोठारी।

(ग्रन्तरिती)

कार्य सह सूचना जारी करको पृश्वांकरा सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

वन्स्**या**

जमीन :--10.37 एकर जमीन का साथ मकान का 31 प्रतिशत भाग। पता:--कनटाई रोड़, मिदनापुर दिलल सं०:--1984 का 15030।

्रएस० के० बैनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

ता**रीख**: 14-8-198**8**

गोर्ड 🗉

अरूप बार्च. टी. एन एस -----

भायक र निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-स (1) के निभी सुचना

STEEL STATES

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज, पूना पूमा, दिनांफ 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 37-ईई०/464/84-85---श्रतः मुझे, श्रमिल कुमार,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिट्टें इसकें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, विसंका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० राधेश्याम कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, मोहन नगर, जिला परिषद् के पास, ट्रीम्बक रोड़, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपा- बद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण, ग्रजन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार स्कृत, उसके स्वमान प्रतिफल हो, एते ध्रममान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिचत से अभिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और जंत-रिता (बन्तरितयों) के भीच एसे बन्तरम के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नतिचित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिचित में में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है हु—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्षसे बचने में सुनिधा के सिए; और/या
- व) ऐसी किसी जाय या किसी अन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षीय हु---

 श्री मोतीलाल म्रार० पारेख, 13 राधेश्याम कोम्राप-रेटिव हार्जीसंग सोसःयटी, मोहन नगर, जिला परिषद् के पास, नासिक।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विनायक नाना पवार, उषा श्रपार्टमेंट्स मंगल नगर, गंगापुर रोड़, नासिक । (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्दर कमरित के बर्चन के कमरूप में नार्क मी नार्कर:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्टित में किए का सक्त्ये।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, की उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं., वहीं कर्थ होगा जो उस अध्यात में दिया गया हैं।

अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कः 37-ईई०/464/84-85 जो दिसम्बर 84 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण शर्जन रॅज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-7-1985

मोहरु 😘

क्षम बाह्र दो .एव .एक . -----

वायकर वृधिनियन, 1961 (1961 का 43) की बार पार 269-व (1) के वधीर वृचना

1114 3370

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० 37-ईई०/792/नासिक/84-85--- प्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

बायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-च के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् भागार मूक्ये 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5-सी०, नं० 2, सुनीति कोश्रापरेटिव हार्जिसग सोसायटी, वाबरे लेन, नासिक है तथा
जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबड़ श्रनुसूची में
और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण, श्रर्जन रेंज,
में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के श्रधीन, तारीख अप्रैल, 1985

का पृत्रों कर सम्परित के उपित बाबार शृष्य से कम के क्ष्ममान वितिकास के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वों कर सम्परित कम उपित बाबार बृष्य उसके क्ष्ममान प्रतिकास से, एसे क्ष्ममान प्रतिकास कम पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नतिस्थित उद्योग्य से उक्त अन्तरण किस्तिय में शास्त्रिक कम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वं हुई कियी थाए की शक्क उनक जिमिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते वचने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों आरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यस था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के सिए;

शतः शथ उन्त विधिनियम की धारा 269-ए के अनुतरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसियित व्यक्तियों, अर्थात् हरू- श्रीमती लक्ष्मीबाई रतीराम गोयल, सुनीति सोसायटी, वाबरे लेन, नासिक।

THE PERSON NAMED IN COLUMN 1979

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती श्ररुणाबाई वसंत घोडके, धिगे बिल्डिंग मेन रोड़, नासिक।

(धन्तरिती)

की यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अवत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ु---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बविध सा एत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकदृष्ट किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निवित में किए जा सकरें।

स्पष्टकिरणः — इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, को उन्त अधिनियम, को शध्याम 20-क में परिभाषित इ⁸, वहीं अर्थ दोगा, को उस अध्याम में 'देश' **एवा ह**ै।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई०/792/84-85 जो भ्रप्रैल, 1985 को सहायक प्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण भ्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> धनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज, पूना

तारी**ख**: 8-7-1985

मोहरः

प्रस्प कार्च. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सङ्घायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज पूना पूना, दिमांक 8 जुलाई 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० वत्सला निवास, फ्लैट नं० 2, गोले कालोनी नासिक-2 है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इच्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापर्याकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उच्यमान प्रतिफल से एोमें उच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाचा यवा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण कि बिक्या गया है :---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आब की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कार क्षेत्रे के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी काप या किसी भन या कन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक उन्निभित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दशरा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा की किए;

अल अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण में, में, जक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् ः— श्री जे० जी० मालपाठक, वत्सला निवास, गोले कालोनी, नासिक।

(भ्रन्तरक)

 श्री गुरु मितसिंग श्रर्जुनसिंग बगा, पंचवटी, नासिक-3।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्घन के लिए कार्यमहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्ष्य -

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारील से 45 विन की वनीय ना उत्सादन भी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की जनीय, जो भी अवीय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति कांश्रतमां में से किसी व्यक्ति इनारा.
- (का) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी करें 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहर गाअरी के पाम निस्ति में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

नन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई०/611/84-85 जो फरवरी 85 को सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त, निरीक्षण मर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8:-7-1985 मोहर: 8-7-1985 प्रक्रम आ**इं. टी. एस. एक.**-----

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 37-ईई०/610/नासिक/84-85---ग्रतः मुझे ग्रनिल कुमार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें उठकाण 'ज़कन मधिनियम' महा गया हैं), की धारा 269-ज़ के मधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह निक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी पं० वत्सला निवास, पलैट नं० 5, गोके कालोनी नामिक-2 है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रीर इसज़ उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985 को पूर्वक्त नम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की श्रीर मूख यह विद्वास

प्रीतिफल के लिए अस्तिरित की गई है और मुसं यह विश्वास करत का बारण है कि यथापर्शेक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निस्तिबित उद्वोस से उस्त अन्तरण शिवित में पस्तियक स्थ से किया नहीं किया नथा है है—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी शाम की बाबत, उक्त अणिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने तो सुविधा के एसए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मूर्तिधा वे विद्या

बत: सब, उक्त विधिनियम, की धारा 269-च के अनुसर्ख में भी, तयह अधिनियम की धारा कुल-च की जपकाना (1) भी अकीन, निम्हीलिनित व्यक्तियों, वर्धातु कुल- श्री भ्रार० जी० मालपाठक, वत्सला निवास, गोके कालोनी, नासिक-2।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गुरूमीत सिंग श्रर्जुनिसग बगा, पंचवटी, नासिक-3।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति को क्रार्जन को सम्बन्ध में कोर्ज भी आपर्य 🛶

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीक्ष के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि यो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का जिस्सी में से किसी ब्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी कम्य स्थायत स्थाहरताक्षरी के पाड़ विकास में किए का सर्वोगे।

स्पव्यक्तिरणं: ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पनों का, भी उनक अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाविष्ठ हैं, कही नुर्व होगा को उन अध्याय भा दिश मेबा है।

भनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37-ईई०/610/84-85 जो फरवरी 85 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 8-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहें . टी . एव . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचक

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्षण)

पार्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० 37-ईई०/609/नासिक/84-85--श्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातः 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० वसला निवास, फ्लैट नं० 3, गोके कालोनी नासिक-2 है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के लिखत बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुश्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से ऐसे इद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या तक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ले अपीय जिल्लिकित, व्यक्तियों, अर्थात् पु— 7—226 GI/85 1. श्री सतीश जी० मालपाठक, वत्सला निवास, गोके कालोनी, नासिक।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गुहमीत सिंग स्रर्जुनिसंग बगा, पंचवटी नासिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेष ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच की 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ने 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई०/609/84-85 जो फरवरी 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

तारीख: 9-7-1985

मोहर:

प्ररूप काह्र . टो. एन. एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

अपर्यालयः, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 37-ईई०/612/नासिक/84-85---श्रतः मुझे, श्रनिस क्मार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थान राज्यों के जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1,90,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० वत्सला निवास, फ्लैट नं० 1, श्रशोक स्तम्भ के पास, गोके कालोनी, नासिक हैं तथा जो नासिक में स्थित है (श्रीर इस उपाबढ़ श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियस, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उतिक वाजार मृत्य में क्षय के दृश्याम प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापबोंक्त सक्कित का करित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइं िकसी आय की बाबत, उसके अधिनियम के अधीन कर दोनें में अन्सरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचनं में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय जातकार विधित्यम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम बा धनकार अधिनियम, 1957 (1957, का 27) के पर्योजनार्थ अन्तरियो दवारा प्रवट उद्योग किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विधा के लिए.

अतः अबः, जक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्री पी० डी० मालपाठक, 5 यशप्रभा, पाटील कालोनी, गली नं० 2, कालेज रोड़, नासिक। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री गुरमीतिमग श्रर्जुनिसग त्रगा, पंचवटी, नासिक।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कॉर्ग।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁸, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वधा है।

प्रनुसूची

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37~ईई०/612/84~85 जो फरवरी 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षमण प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

तारीख: 8--7-1985

मोहर:

प्रकप बार्च. टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 250-भ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालब , सहायक जानकर काय्**क्त (निरक्षिण)** श्रजंन रेज, पूना

पूना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० 37-ईई०/646/नासि ह/84-85---- श्रतः मुझँ, श्रनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैट नंव 17, दूसरा मंजिला, सर्वे नंव 655/1/8, प्लाट नंव 5 जो नासिए में स्थित हैं (श्रीर हमने उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप रे विणित है), रिजिस्ट्रानी श्रीक्षार्पी के वार्यालय सहायता श्रीक्षार प्रायुवन निराक्षण, ग्राजन रोज, में, रिजिस्ट्राल्प श्रीक्षितमा, 1908 (1908 :T 16) के श्रीक्षीत, ताराख मार्च 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्क यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापवांवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सां, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितमां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण में हुई किसी बाय की बाबत, उथत आधीनयम के जधीन कर योगे के जित्रव व दाश्वित्थ में कामी कारण थे। असस बच्चार में श्रीविधा में लिए। प्रौर/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 ,1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वातः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मेसमं एम० भ्रार० ठक्तर एण्ड सन्स, द्वारा 1516, भद्रकालो नासिक।

(श्र

 श्रामताः पुष्पा सुरेण नागरं, 4185, सोनावर्ण भवन, काशाराम मंदिर, पंचवटा, नासिक।

(ग्रन्तरितं:)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क भंजाहियां करता हो।

उपरा सम्परित को अजन को सम्बन्ध में कोइ' भी बाक्षंप :---

- (क) रब स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में के जिल्ला व्यक्ति एवासा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तूाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषत है, बही अर्थ होंगे जो उम अध्याय में दिया गया है।

अन्मूची

जैसा कि रजिस्ट्रें। कृत ऋ० 37-ईई०/646/84-85 जो मार्च 85 को महायक स्रायक्त प्रायुक्त निरीक्षण, स्रर्जन रोंज, पूना के दमतर में लिखा गया है।

श्रीनल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आयदार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूरा

तारीख: 9-7-1985

मोहरु 🤌

प्रकृष बाई. टी. एन. एवं. 🗸 - - ----

बायकर विभिन्निमन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के वधीन सूचना

साइत चरकार

कार्यातय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज, पूना पूना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० 37-ईई०/619/नासिक/84-85---श्रतः मुझे, श्रमिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) पिसं इसमें इसके पश्चात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व्या के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकें। सं० वत्सला निवास, फ्लैट नं० 4, गोले

श्रौर जिसकी सं० वत्सला निवास, फ्लैट नं० 4, गोले वत्तलोनी, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रौर 'इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कर से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरोक्षण, ग्रर्जन रोज में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिकीन, तारोख फ़रवरी 1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्स्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान क्षिफल के एसं दश्यमान प्रतिफल का पत्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवत उद्देष्य से उन्त अन्तरण कि विद्वा की की स्था की साम प्रतिफल, निम्निशिवत उद्देष्य से उन्त अन्तरण कि विद्वा की साम की सा

- [क) अन्तरम वे हुइ फिली आव की बावसा, उनक विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायरक में कभी करने या उससे बचने में मूनिधा के लिए वीद/का
- (थ) एसी किसी नाय मा किसी मन वा जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय त्राय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर निधिनयम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में स्विधा के सिष्क

वतः अवः उनतः अभिनियम की धारा 269-त की अनुसरस् वा, माँ, अक्त अभिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) के अभीन, निस्निस्कित व्यक्तियमें स्रभाष्ट्र हम्म 1. श्री मुरेश जी० मालपाठर, वत्सला निवास, गोले सलोनी, नासिस।

(भ्रन्तरक)

 श्री गुरुमीत सिंग श्रर्जुन सिंग बगा, पंचवटा, नासिक-3।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उनत सम्मति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप :- 🗸

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इनाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिल वहंध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अभोहस्ताक्षरी के पाक निकास में किए का सकेंगे।

स्वक्तोकरण ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्री**इत** फ्रन्थ 37-ईई०/619/84--85 जो फरवरी 85 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निर्दक्षण भ्रजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

तारीख: 9-7-1985

ओहर 🖫

प्रक्य जाइ . हो . एन . एत . -----

आयकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, बिनां रु 9 जुलाई 1985

निदेश सं० 37-ईई०/953/85-86---श्रतः मुझ, श्रनिल कुमार,

बायकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिनका मं० पर्नेट नं० 9, ए-1, बिल्डिंग में जिनामणि नगर, सर्वे नं० 12811, श्रींध, पूना-7 है तथा जो पूनः में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रींर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रीटर्सा श्रिधिपारी के कार्यालय, सहायक्त श्रायक्त (निराक्षण) श्रर्जन रोज में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के श्रधान तारीख मई 1985

की प्लंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिप्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिक रूप से किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाम की बाबत, उन्तर जिथितियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; जॉर/बा
- (का) एंसी किसी अप या किसी धन या अन्य वास्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान यें सुविधा के लिए;

अतः सब, सक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीर, सिम्निलिमित व्यक्तियों, अधीत्:— मै० निख्निल एन्टरप्राईजेस, 14, बम्बई पूना रोड़ बजाज श्राटो शो हम के पास, बाकडेबाडी, शिवाजी: नगर, पूना।

(मन्तरक)

 श्री एल० श्रार० गणेशन, 1097/3, सुहास माडल कालोर्ना, पूना-16।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त नंपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 4 45 दिन की अविधि मा तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याद में दिशा गया है।

वनसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई०/953/84-85 जो मई 85 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण, ग्रर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रीतल कुमार मक्षम प्राधि तर्रः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

मारीख: 9-7-1985

मोहर :

प्ररूप बार्ड . टी एन ग्रूर ०० - ---

नाथकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत बरकाइ

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनां े 10 जुलाई 1985

निदेश मं० 37-ईई०/13435/84--85---अतः मुझे, श्रनिल क्मार,

गायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'जबत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सध्य पानिकारी की यह विषवास करने का कारण है कि प्यावर संपीत जिल्ला प्रीयत प्राप्त मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिन्हा सं० करेंड सं० 6, विक्डिंग तं० 3, उपानालला श्रपार्टमेंद्रस, 364/12, भवानिके एकः एकः है है स्था जो रुपना में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड श्रनुसूची में श्रीन पूर्ण पक्ष से विणित है), रिजिस्ट्रेंक्ती श्रीधवार के दार्थालय, सहावत श्रायाल श्रायुक्त (निर क्षण), श्राजन रोज से, रिजस्ट्री क्ररण श्रीधनियम, 1908 (1908 टा 16) के श्रधतन, तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्थामान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसं स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित में भास्तिचक रूप से ब्रांधन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की नावत उक्त विध-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उचते वचने में सुविधा के निए, शहर/वा
- (स) ऐसी किसी आयं भ किसी भन वा जन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया भा वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के अभीत्, निम्नतिश्वित व्यक्तियोः सर्भीत् क्रमान

 मै० दर्णन बिल्डर्स, 364/12, भवानी पेठ, पूना।

(म्रन्तरक)

2. फ़ातिमा फ़जल हुसेन भानपुरवाला, 534, रविवारपेठ, पूता--2।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचमा बारी करको पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यबाष्ट्रियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई०/12435/84-85 जो मई 85 को सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, भ्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रःक्षण) श्रजन रोज, पूना

सारीख: 10-7-1985

मोहर:

प्ररूप आह . टी. एन. एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-ए (1) के अभीन स्चना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांकं 8 जुलाई 1985
निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/14413/84-85--श्रतः
मृझे, अनिल कुमार

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्नैट नं० 51, लों नं० 12, कोथफ्ड, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपांबड़ अनुसूची में और पूर्ण का म चिंगत है), रिजस्ट्रीकिती अक्षिक कारी के कार्यालय पहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अर्थीन, तारीख नवस्वर 1984

को पूजीयत सम्पान के उपात बाजार मूल्य में कम को इक्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मं, एमं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिक्षत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि सिक्ष में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के साम कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के साम कर अधिनियम वा कांचा प्राप्त करी किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृविधा चे सिद्द;

बतः अबः, उक्त अधिनियम की शारा 269-म के अन्सरण में, में, उवत की धनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :-- श्री विकय कुमार के क्य गाउगिल, 588, लक्ष्मी रोड़, कुरंडवाड, কিত कोल्हापुर।

(श्रद्धारम्)

2. मेलर्स कुलकर्णी एन्ड कुलकर्णी, 2158, बदाणिय पेठ, विजयनगर कालोती, पूना-30।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में बगाई भी आ**अं**प :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के दें 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियाँ में सं किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हित-बद्ध किसी अन्य त्यक्ति स्थारा अक्तप्रशासारी के प्राय लिखिन मां का अस्मिति :

स्पद्धीकरण .--इसमें प्रयास गढ़ा और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही. अही अर्थ होता, भारत्य राज्या में दिया गया है ।

अनुसूची

जैसा कि रिनिस्ट्रीं हत कि 37 ईई०/7596/84-85 जो नवस्बर 1984 को सहाय है श्राय⊕र श्रायुक्त निरिक्षण, श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिख। गया है।

> श्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सेहायक श्रायकर श्रायुक्षे (तिरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 8-7-1985

मांहर :

This wife the Cal Cal and and and and an anti-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत प्रस्कर

कार्यानय सहायक वायकर धायुक्त (निरीक्षण) पूना, दिनांक 12 जुलाई 1985 अर्जन रेंज, पूना

निदेश मं० 37म्रईई०10318/84~8 ~-मृत: म्ही. भ्रनिल कुमार,

बायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्यों इनके पहलात जिस्के किमियमें कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

और जिपकी मं० फ्लैट नं० ए-1-10-बीं०, सुजामा को-प्रापरेटिच हार्डीका मांभायटी लि० बन्ड गार्डन रोड़, पूना है तथा जो पूना में स्थित हैं (और इसमें उपायक अनुसूची में और पूर्ण का के वर्णित हैं), रिजस्ट्रीडर्ना प्रविकारी के जार्याका सहाय का कर प्रायुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीहरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

की पूर्वीयन सम्पन्ति के 30 वेत वाकार स्लय से कम से क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मृन्य, उन्यय क्रमान प्रतिफल से, एंने क्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अपेर अन्तरक (अन्तरकों) और (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्य निम्निलिखित उद्देश्य से सकत बन्तरण निविच में बास्तिच्छ स्प से कथित नहीं किया गया है —

- ंक्र) सन्तरक में हुए किसी नाम की गायत, उपस् अभिनित्र में जमीन कर योगे के अन्तरक में दासित्य में अभी करने या उससे मुख्यों में मुनिया हो सिक्ष और कि
- (अ) एसी जिसी आए या जिसी धन वा अस्य आस्तियों करें, चिन्हों भारतीय साय-कर सीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सीधनियम, या वसकर सीधनियम, या वसकर सीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने के राज्या में सिद्धा

 श्री रमतीं ाताच व्ही० मेहता, यागेश बापूभाई, विले पार्ने (डब्ल्यू०), बम्बई-56।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमतीः, हबीवा एनः० फजलभाई और श्रन्य, सुजान मेन्शन, एस० वीं० रोड़, अंधेरीं, बम्बई।

(ग्रन्तरितीं)

को यह ध्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वै अर्वन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

डक्स सम्मित्ति के सर्जन के सम्मिष्ध में कोई भी वासीए :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वतः की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्गीय बाद में समाप्त होती हों। के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा निधानस्वाक्षरी के पास लिसित में किए का सकोंगे।

स्पद्धीकरण : — इसमें प्रयृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम क्षेत्रक्षाय 20-क व परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि सं० 37 ईई ०/10318/ 84-85 और जो नव जर 84 को सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

बतः बन, उक्त अभिनियम, को भारा 269-म के बनुबरण भं, शं. उक्त अधिनियम को बारा 269-च की स्वचारा (1) के अभीन, निम्नील्कित व्यक्तिमों, अर्थात् ह—

नारीख: 12-7-1985

मोहर 🛚

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सार्गालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जुलाई 1985

37-ईई/12236/84-85--यत, निदेश सं० श्रन्ति कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचानु 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि ल्यावर संपीत जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै

और जिल्की मं० फ्लैट नं० 6, प्लाट नं० 45, दहाणुकर कालोनी में, कोथरूड, पूना है तथा जो पूना में स्थित हैं (और इससे उपाद्धात्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिरारी के कार्यालय. सहायक श्राय∻र श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज में, र्जिस्ट्रीलरण श्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1985 वा पूर्विका संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वामान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसि दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात पं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्विदेश सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आग की वाबस, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्न्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, दबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, क्याहिशिस्त व्यक्तियाँ, अर्थात् :---8-226GJ/85

1. मधर्म मोनरच बिल्डर्स कार्पोरेशन, 594, सदाशिष्ठ-पेठ, एक्सप्रोस टाचर्स, दूसरा मंजिला, लक्ष्मी रोड, पूना-30।

(श्रन्तरक)

63०, नारायणपेठ, 2. औ प्रवीण रामचन्द्र पुरदेकर, पुना~ 30।

(भ्रन्तरितीं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से फिसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस राजरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्चीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37-ईई/12236/84-85 जो मई 1985 को सहायक आया पर श्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिटारी सेहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, पूना

तारीख: 11-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश मं० 37-ईई०/7587/84--85---श्रतः मुझे. श्रनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,900/- रु. से अधिक है

और जिसकीं नं प्लाट नं 44 (भाग) 45, 46 सर्वे नं 9 और 10 कीयरूड, पूना है तथा जी पूना में स्थित है। (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कि श्रिधिकारों के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्री किएण अधिनियम, 1908 (1903 को 16) के अधीन नारीं नवस्वर 1984 को पर्वोक्त सम्पर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान

शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की नावत सकत निध-नियम की अभीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व मीं कमी करने या उससे बचन मीं स्विधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अद्य, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

श्री एस० बीं० नाईक और ग्रन्य,
 "वाटर क्ष्वींन", घाटर फील्ड रोड़, बान्द्रां (डब्ल्यू०)
 बम्बई।

(भ्रन्तरक)

 भेगर्स घराङ कन्तदृष्णनम, 1244, मदाणिच पैठ, पूना-3।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

चक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्षिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसूची

जैंसा कि रिजस्ट्रीकृत कि सं 37ईई/7583/85-86 जें। नवम्बर 1984 को सहायक श्रायक्र श्रायक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रतिल ्मार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, पूना

नारीख: 12-7-1985

मोहर:

प्ररूप बाह् .टी.एम.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-म (1) के अभीन मुचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना पूना, दिनाँक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० 37 ईई० $_{|}$ 7779 $_{|}$ 84-85—अतः मुक्षे अनिल कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा वया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 बिल्डिंग नं० 2 फ्लैट नं० 292/2 संगमवाडी, कोरेगवांव पूना है तथा जो पूना में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावत अनुमूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृक्य, उसके कायमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के क्वाइ प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ब्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की गावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के समित्य में अभी करने या उससे अजने में स्विधा के लिए; औड़/बा
- (क) ऐसी किसी नाव या किसी धन या जन्य आस्तियां की किसी भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) कें अधोग. निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ड— श्री जी० व्ही० के० ट्रस्ट गारगी इंजीनियरिंग एन्टर-प्राईजेस ट्रस्टीज विनोद कपूर श्रीर विक्की कपूर, मरकैन्टाईल अपार्टमेट्स डॉ० सी० गिडवानी, रोड चेंबूर बम्बई।

ं (अन्तरक)

 श्री विनीत डी० अग्रवाल ग्रीर श्रन्य विजय महल, चौथा मंजिला 'डी'' 'रोड़ मरीन ड्राईव बम्बई। (अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यनाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख थें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरू तथारी के पास
 निविद्य में भिकार जा तथारें है।

स्पत्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्त जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बहु अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैंगी

विवास

जैसा कि राजिस्ट्रीकृत कि 37 ईई०/77**79**/84-85 जो नवम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनित कुम।र सक्षम प्राधिकारी सहायक अ।यकर अ।युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

तारीख: 12-7-1985

मोहर:

प्रकार बाह् 😉 द्वे , पुन , ऐव . -----

जायकर जिथिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के जधीन सूचना

गारत बहुकाड

कार्याजय, सहायक जायकर वाय्क्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जुल।ई 1985

निर्देश सं० 37 ईई०/6854/84-85--अतः मुझे, अनिल

कुमार

शायकर श्रांधनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमं इसके पर्यात् 'उसत अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-स से अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाबार मृह्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्रेमलोक पार्क प्लाट नं 14, बिलिंड नं 8, प्लाट नं 8 सी नम्ना चिचवड अकुडी रोड़, पूर्ना 33 है तथा जो पूर्ना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय सहायक अत्यकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख श्रक्तुबर 1984

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया पदा है:—

- (क) बन्तरण से धुर्द्र किसी शाय की वायत, उपक अभिनियम के अभीन कर दोने के सन्तरक के वादित्य में कमी करने वा उससे वसने में सुविधा के निए; बौर∕या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-प के अनृतरक पं, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निकासिवात स्पानतयों, अधीन, निकासिवात स्पानतयों, अधीन,

1. मैं० अरबन लेण्ड एण्ड हाउसिंग प्रा० लि० "ानरंकार" पहला मंजिला 1133/5 एफ० सी० रोड़ शिवाजी नगर, पूना-16।

(अन्तरक)

2. श्री मुकुंद एस० वायकर रूम नं० 32 आराम बिल्डिंग नौरोफी हिल रोड़ नं० 4, बम्बई-9। (अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिस बंदभ किमी अन्य अपवित इंशारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिलात में किए जा सकी।

स्पच्छीकरण:——इसमें प्रयुक्त सन्तां और पतों का, जो उक्त नायकर अधिनियम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया नया है।

वन्स्पी

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37 ईई 0/6854/84-85 जो म्रक्तूबर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> र्आनल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक अत्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

तारीख: 12-7-1985

मोहरः

प्रकृप बाई . टी . इन . एस . -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जुलाई 1985 निदेश सं० 37 ईई०/7493/84-85--अतः मुझे, अनिल

निर्देश स० 37 इंडे०/7493/84-85--अतं: मुझ, अ।नेन -----

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लाका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट नं सर्वे नं 729/1 सर्वे नं 50 गुलटेकडी पूना-9 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उगबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नयम्बर 1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दत्यमान प्रतिकल से, एसे इक्ष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिश्वत उद्देश्य सं उक्त अंतरण लिश्वत में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (फ) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिश्यत्व में कमी अरने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय ना किसी धन या अन्य बास्सियों के?, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उथत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री जयंत र मक्रुष्ण कुलकर्णी 264/4, णनिवार पेठ, पून -- 2 ।

(अन्तरक)

 श्री अशोक तलकराज अगरवाल चेअरमैन तिलकराज कोआपरेटिव हार्जीसग सोसायटी, अगरवाल आटो स्पेअर्स क्वर्टर गेट, पूना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतद्व पूर्वीकर व्यक्तियों मों से किसी व्यक्तिस बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमुस्ची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि 37 ईई ० / 7493 / 84-85 जो नवम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

सारीख: 12**—7—198**5

मोहर

प्रस्य बाह्र हो। एनः एसः, ----

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(ष) (1) के अभीन स्चना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरामिक)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 11 जुलाई 1985 निर्देश सं० 37 ईई० / 7578 / 84 – 85---अक्ष: मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थान करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लाट नं 9 सर्वे नं 86/1ए काथरूड है तथा जो पूना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता आधकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से., ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशव से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण जिला मंगा है है—

- (क) बन्तर्थ से हुई किसी बाय की बावक, उक्त ब्रिथितव्य के ब्रुबीम कर दोने के बन्तरक के स्रिथ्य के क्सी करने वा उबके बचने में स्तिया के निए; ब्रीर/या
- (व) एसे किसी बाय वा किसी भए या बन्च बास्तियों को जिल्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा पृक्ट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए :

नाः नग, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री नारायण टी० गुंडे 16/38 नवशायम सदन, चेंब्र बम्बई।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स अमद कन्सट्रकशन्स कंपनी, 1205/5, साई कृषा अपटे रोड पूना-41

(ग्रन्स[रती)

को यह सूचना जारी त्यरके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी जु से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति,
- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीं का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विलियत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्दिम के वश्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस वश्याय में दिया गया ही।

मन्स्ची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37 ईई० 7578 84-85 जो नवम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 11-7-1985

गोहर :

प्रकृष आह् '.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सूचमा

भारत तरकार

्कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षक)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० 37 ईई/7501/84-85--अतः मुझे, अनिल

कुमार

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 तीसरा मंजिला फ्लैट नं० 38 रामबाग कालोनी पूना 12 क्षेत्रफल 883 चौ० फुट) है तथा जी पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वांस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल से क्लेड प्रतिशत से अधिक है और सन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ववेष्य से उक्त अन्तरण लिखन में शस्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-नियम के जधीन कर दोनेके बन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/का
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत शह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरल मो. मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) को अपीन जिल्लिखित व्यक्तियों, अर्थात :—- मेसर्स म्रतुल एन्टरप्राईजेस 31, शीला बिहार कालोनी एरन्डवणा, पूना-4।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीम राजाराम दावले 194 गोल्ड फिल्च पेठ, सोलापुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहियो करता हुं।

उस्त तम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राज्यक में प्रकाशन की तारींच है 45 विन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अबिध, वो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकीन।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्तर अभिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिवा गया है।

जन्स्ची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37 ईई०/7501/84-85 ो नवम्बर 84 को सह।यक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अप्युक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तर्ख: 11-7-1985 -

सन्हरः

प्रकृप बार्च . टी. एम . इस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जुल।ई 1985

निर्देश सं० 37 ईई०/7527/84—85—अतः मुझे, अनिल कमार.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक है

प्रौर जिसकी संव प्लाट नंव 3 पहला मंजिला, बिल्डिंग पए" अशोकत कोआपरेटिव हाउसिंग सोमायटी सीव टीव एसव नंव 122 लुल्ला नगर पूना—80 है तथा जो पूना में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहाय आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम .1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नयम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अप्तर्ण म हुई फिसी मान की बावत, कच्च निधिनियम के वशीन कर दोने के अन्तुरक ने दासिस्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा क लिए; और/मा
- मिं। एसी निकसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिल्हों कारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया क्या या किया वाना वाहिए था, कियाने में मृत्रिभा के लिए;

कतः अव. उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण मो, भी उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की अपधारा (1) के अभीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गोपाल के० रहेज श्रीर ग्रन्थ बिल्डिंग ए०, बीर अगोका कोअ।परेटिव हाउसिंग सोसायटी, सी० टी० एस० नं० 122 लुल्ला नगर, प्रना--40।

(अन्तरक)

2. श्री भनजीत सिंग करारा ग्रौर अन्य हर्सट व्हिला आर० सी० चर्च के पास दौंड जि० पूना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिल के वर्षन के संबंध में कोई भी वाशोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियाँ में में किसी ट्यन्सि हुवारा,
- (च) इत स्वान के राज्यपत्र में प्रकासन की तारीत सं 45 विन के मीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्राभ किसी जन्म व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास मिकित में किए जा सकोंगे।

स्वयाधिकरणः — इसमें प्रभूकत सब्यों अहि पूर्वों का, वा उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होने को उस स्थाय में दिया भवा ही।

अमुसुची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि० 37 ईई०/9597/84-85 जो नवस्त्रर 1984 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गय: है।

> आंनल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 11-7-1985

मोहर :

प्रकृप नाह्र टी. प्रमृत्या वाकारतार वाकार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनां रू 15 जुलाई 1985

. निर्देश सं० 37-ईई/749/84-85--पतः मुझे, श्रनिल कुमार,

शासकार गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 36, दूसरा मजला, सर्वे मं० 722ए/1-1-ए/2, कालेज र्षे रोड. नासिक (क्षेत्रफल 886 चौ० फुट) है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ती श्रीध हारी के सामिक सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्राजन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख श्रीन 1985

को पूर्विका वस्पत्ति के उचित बाधार बृत्य से कम के द्रवान शितकाल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के विष् त्य वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिस्सत में बास्ति के से अधिक नहीं कि या गया प्रतिफल के से अधिक नहीं कि या गया है :--

- (क) अन्तरण संशुद्ध किसी अस्य की नावल, जावक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कसी करने या उक्त देखने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया अवा धा या किया अना चित्र था, किया में मृदिश की सिक्र ।

(1) मैसर्म पं7० ड.० विन्डर्म. आलेज रोड, नामि∵। (379 पं1ित एस० वं∴० रोड. विले पार्ने. बस्बई≀)

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमर्ताः शला शंकर राव श्राढवः, 587. रविवार पेटः, नासिकः।

(ग्रन्सरितो)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संगतित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की समिन भा तत्सेनंभी अपित्सनों कर मुजना की सामील में 30 दिन की सर्वीक में अपित की सर्वीक में अपित मान हानी हैं। ते सीतर पूर्वों का व्यक्तियों में में किसी अपित द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हिसवव्य किसी अन्य क्योपत द्वाप प्रधाहस्ताक्षरी के बात लिकिए में किए जा असीं।

स्वाह्यकरणः-्समी प्रयुक्त अस्तो आर पदा का, जो उन्स अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभावित हो, बही अर्थ होगा जो जस अध्याय में विवा गवा हैं।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई/749/84-85 जो स्रप्रैल 1985 को सहायक श्रायक्त स्रायुक्त निराक्षण, ग्रर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> स्रतिल कुमार पत्रम प्र∂ध ारी सहाप रु स्रायक्षण स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, पूना

सारीख: 15-7-1985

मोहर :

THE RING AS . THE WAY THE PROPERTY AND ADDRESS OF THE PARTY ADDRESS OF THE PARTY ADDRESS OF THE PARTY AND ADDRESS OF THE

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-ए (1) के ब्योन सूच्या

STATE STATE

कार्यातयः, सहायक भायकर भायकर (निद्रांश्वण) भर्जन रेंज कार्यालय, पूना पूना, विनांक 15 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/8940/84-85----यतः मृद्ये, धनिल फुमार

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) (बिब ध्रुमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 58, सर्वे नं० 89/1, 90/1 श्रीर 91/1, पार्वती पूना-9 (क्षेत्रफल 770 बंधा हुमा) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख दिसम्बर 1984 की

को पूर्नो कत संपरित के जीवत बाजार मूस्य से कम के क्यंजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्नोंकत सम्परित का जीवत बाजार बूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यंगान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तर्श लिखित में वास्तिक रूप से कथित कहीं किया वया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, जबत विधिनयन, वे बुधीन कर दोने के बस्तरक के वायित्व में कमी करने मा उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; बीर/वा
- (क) एंसी किसी शाय या किसी भन या अस्य वास्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-सन्द अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया

बतः भव, उन्त विश्विषय की बाह्य 269-म वै वनुवर्ध हो, में उकत अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) मैंसर्स साठे जोटवार्नः, 129/सी-2, चिपलूनकर रोड, पूना।

(प्रन्तरक)

(2) श्रों रमेश सखाराम जांभके पाटील, 92/1, दीपक श्रपार्टमेंट्स, तुक्सीबाग वाले कालोनी, सहकार नगर, मेन रोड, पर्वती, पुणे~9।

(श्रन्तरिती)

और बाह्य सुचना चारी करके प्वॉन्त इम्पत्ति के अर्थन् के जिल् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

क्ष्मत संपूर्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्थान के प्राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विश्व की अवश्वि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तासीस से 30 वित की नव्य भी थी और अवश्वि वाद में समान्त होती हो, से भीतर प्रवेत्तत व्यक्तियों में से किसी स्थानत ब्वारा;
- (क) इस प्रमा भे रायपत्र में त्रकावन की तारीय से 48 दिस के प्रीत्र क्यत् स्थान्त कम्परित में हितनक्ष् हिंसकी सम्ब महिन्द क्याच्य स्थाहरतासही भी पास दिन्दित में निष्य जा समुद्धि ।

भनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि० 37-ईई/8940/84-85, जो दिसम्बर 1984 को सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधि । रो सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निर्िक्षण) भ्राजन रेंज, पूना

तारीख: 15-7-1985

मोहर:

2.6

आयकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यां तय, सहायक जानकर आमृक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनाक 15 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/12167/84-85--यतः मुझे, श्रनिल कुमार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की पारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मूज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० लाट नं०/हाउस नं० 29 (नया)/103 (जूना) णुक्रवार पेठ, पूना-2 है तथा जो पूना में स्थित है (भीर इसने उपाबद्ध अनुसूचा में भ्रार पूर्ण रूप में बणित है), रिजिस्ट्री तैर्न अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज पूना में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान, तारीख मई 1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितप्त के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंसरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा पद्मा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविष्त में दृष्टिक रूप से किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निष् और/या
- (ग) ऐसी किसी जाय या किसी अन या करने कारिसवाँ को, जिन्हों भारतीय सायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर वांधनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रो मुकुन्द गजानन रानडे भौर भ्रन्य, 2/1, विष्णु प्रसाद कोभ्रापरेटिव हार्ठासंग सोसायटी, एन० जी० रोष्ठ, विले पार्ले (ई), बम्बई।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स खिवसारा घव्हान,22 मुकंध नगर,पूना-\$7।

(प्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यमाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस त्यान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन् की नविष् मा तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तानीस से 30 दिन की स्विध, को भी अविष् वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता.
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकोंगे।

स्पन्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदों का, वो अक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रेक्ट्रित कमांक 37-ईई/12167/84-85 है जो मई 1985 को सहायभ श्रायक्षर ग्रायक्त निराक्षण, ग्रर्जन रेंज, पूना के दुपत्तर में लिखा गया है।

> स्रतिल कुमार सक्षम प्राधि ∴र्रः सहायक स्रायक्त (िर क्षण) स्रजेन रेंज, पूना

कार अव. उक्त अधिनियम की भारा 269-न के बनुकर में, की, उकल अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथात्:—

नारीष्ट्र : 15-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ऋर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 15 जुलाई 1985 निदेश सं० 37-ईई/11444/84-85--यतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं सर्वे नं 681/3-1, बिबवे वाडी, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्का अधकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अर्डल 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण उन्हें के कारण सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिपल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसं अतरक के लिए तय पाया गया प्रति- क्ष्म जिम्मिनिक उद्देष्ण में उसक अन्तरक विश्वत में बास्तिक है पर से किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध, के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च विश्वित्वम, बार्ध धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नधीर निम्निटिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमको तारा बाई नंदराम बिबवे और अन्य।431, कसबा पेठ,पूना-11।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स यनिटी बिल्डर्स,405/6, मुलटेकडी रोड,पूना-37।

(ग्रन्तरिती)~

को कृ कृता बारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के वर्जन के बिक् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, शो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

वन्स्की

जैसाकि र्राजस्ट्रीकृत ३.० $37-\xi\xi/11444/84-85$ जो स्रश्रैल, 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ूना के दफ्तर में लिखा गया है।

ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 15-7-1985

मोहर :

प्रकृष् नाइं.टी.एन.एच. - - --

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के जभीन स्थना

बाउन सडकार

कार्यासय, सङ्घयक बायकर बायकर (विद्राप्ताण) ग्रर्जन रेंज यूना

पूना, दिनाँक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/15337/84-85—यतः मुझे, प्रनिल कुमार,

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधितियम' कहा गया ही, की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वीवत बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं पूनिट नं 2, इन्डिस्ट्रियल इस्टेंट, मीरा विलेज, मीरा तालुक, जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिम्ट्रीकर्ता ग्रिक्षिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंधीन, तारीख ग्रंपेल 1985

के। पूर्विक्त नम्परित के उचित बाजार जूस्य से कम के खबबान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार पूच्य, उसके खब्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्सूह भित्रिक्त से बिधक है और अन्तरक (अन्तरक) कोर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पामा चका शित्रक , निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बिचक के बान्तरण की नम्परित किया वस्त कारण की सम्मान की सम्मान की सम्मान का स्वास्त्र के सम्मान की समान की सम्मान की सम्मान की समान की समान की सम्मान की सम्मान की समान की समान

- (क) बन्दरन हे हुई किसी नाम की वालक, बन्द अधिनियम के लभीन कर दने के क्वाइक की खायित्व में कमी करने वा उससे अचने में कुर्तिक्का की जिए; जॉर/मा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त विधिनिकस की भारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) कु अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसीं, अर्थात् :---

(1) मैसर्स कुकरेजा कारपोरेशन, शाप नं० 29, $64/\overline{\xi}$, दाबीवाला बिल्डिंग, जूना हनुमान लेन, बम्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स सिडीकेट इंडस्ट्रीज,
 61, नंद भवन, बाबू गेनू रोड,
 कालबा देवी रोड,
 बम्बई-2।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उच्छ सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्ष्य ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (w) इस सूचना के एकपण में प्रकाशन का तारीं है से 45 दिन के मीतर उक्त स्थालर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म काक्ति ब्याय अभोहस्ताक्षरी के पाक जिक्कित में किए जा तकींगे।

अन्स्वी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/15337/84~85 जो अप्रैल .985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रीनेल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ्निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारी**ख**ः 16—7—19**85**्

मोहर 🖫

त्रस्य वार्षः दी , द्यः , वार्षः , ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुभना

बारक बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जदरेंज, पूना

पूना, दिनाँक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37- \$\$\$\$/11703/84-85--यतः मु**क्षे, प्रनिल** कुमार,

भायकर रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रतिभकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भीर जिनको सं० पहला मजला, 336-बी, णुक्रवार पेठ पूना (क्षेत्रफल 750 ची० फुट) है तथा जो पूना में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1985

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नीसित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण संबाहर किसी आय की बावत, उक्त विश्वित्यक्ष के अर्थन कर दोने के बन्तरक को वादित्य में क्रमी करने वा उचने स्थने में बृदिया से सिद्धः स्थेत्र/का
- (से) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों आरतीय नाय कर बांभनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत बांभनियम, या भन-कर जानिनयम, या भन-कर जानिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रफट नहीं किया नमा था हो किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विका के सिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरक मो, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-च सी उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अभीत् हम्म (1) श्री दीनकर नारायण पीसाक 336-बी, णुक्रवार पेठ, पुना-2।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभावती बी० झनपुरे और अन्य नारायणगाँव, तहसील जुझर, जिला पूना।

(ग्रन्तरिती)

्रको यह तुमना चारी करके पुर्वोक्त सम्परित के स्कार के निष्ट् कार्यवाहिमां करता हूं।

धक्त सम्मरित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविस में किए वा सकेंगे।

स्वयानिकरणः -- ग्रंसमे प्रयुक्त कर्मा और थदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में धरिभावित है, बही अर्थ होगा को उस सध्याय में विया गया है।

मनुसूची

जैसा कि राजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/11703/84-85 जो अप्रैल 1985 को सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनितः कुमार सक्षम गाधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 16-7-1985

मोहर ए

प्ररूप आहें दी एन एस . -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनाँक 16 जुलाई, 1985

निर्देश सं० 37-ईई/10078/84-85—यतः मुझे म्ननिज कुमार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० प्लाट नं० 6, पस्ला मंजला, वर्षा श्रपार्ट-मेंट्स, 421/1, सालिसवरी पार्क, पूना (क्षेत्रफल 575 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत), रजिस्ट्रीकर्ता धकारी के हार्यालय, महायह श्रायहर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह निश्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः भव, उक्त विधिनियम की धारा 269-व को बनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ≘— (1) मैं सर्स विजय इन्वेस्टमें ट्स,
 20 स्टोल यार्ट हाउस,
 67-एफ, संत तुकाराम रोड,
 वस्बई।

(भ्रन्तरक)

(2) शेख इकबाल मखबूल,
 800/37, भगवानदास चाल,
 भवानी पेठ,
 पूना।

(ग्रन्मेरिती)

को ग्रह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जन्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी गाओंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वांका, जो उक्त् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूर्य)

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/10098/84-85 है जो फरवरी 1985 को महायक श्रायकर श्रायक निरीक्षण, श्रजन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> स्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 16-7-1985

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/9385/84-85--यतः मुझे, श्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं सब प्लाट नं 18, शीलाबिहार कालोनी, सर्वे नं 45, एरन्डवण, सी टी एम नं 324, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जनवरी 1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गमा है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं सर्व व्ही० बी० पारमनीस एन्ड एसोसिएट्स, 1112, सदाणिव पेठ, पूना-30।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रीपाद पुरुषोत्तन भ्रम्यंकर,93/1, एरन्डवना पूना-4।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत क० 37-ईई/84-85 है जो जनवरी 1985 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 16-7-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं ० 37—ईई/12016/84—85— यतः मुझे, अनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1, पहला मजला, 284/285, नामापेठ, पूना-2 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 10—226 GI/85

(1) मैसर्स अभय असोसिएट्स, 18/19, रिववार पेठ, पूना-2।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कांतीलाल मुथा, 123, नामापेठ, पूना-2।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता कि 37-ईई/12016/84-85, जो अप्रैल, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 16-7-1985

मक्त शांद", दी .एन . वस

भाषक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष भारा 269-व (1) के अभीन सुपता

नार्त सरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज पूना पूना, विनांक 16 जुलाई 1985

निर्वेश सं ० 37-ईई/11922/84 85--- यतः मुझे अनिल

कुमार

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सभ्यौत, जिसका उभित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 3, प्लाट नं० सी 4/सी 5 सर्वे नं० 88/1/5, पर्वती, पूना-9 है तथा जो पूना में स्थित है (श्रोर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख अर्जल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूम्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मूओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ब, इसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एते क्ष्यमान प्रतिफल का चलाह प्रतिकृत से विभिक्त है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया मितिफल निम्नितिबत उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण ये शुद्द किसी नाम की नायत, समत वीधिनित्त को जमीन कर दोने के नंतरक के शाकित्व में कभी करने ना सबते नमने में सुनिधा के सिद्ध; कीध/वा
- (क) एंसी किली आप वा किसी धन सा अन्य धारिस्यो की, विक्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया अधा भा या किया बाना वाहिए था. स्थिपने में वृष्टिया की लिए;

बत अक बक्त वाँभीनवस की भारा 269-व को अवृत्यरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन . निम्मलिखित व्यक्तियों, सर्वात :— श्री साठे गोडसे 1244, सदाधिव पेठ, पूना-30।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० एस० वालवे 671/2, घोरपडे पेठ, एकबोटे कालोनी, गुरु कृपा, पूना-2।

(अन्तरिती)

कों वह त्वना बारी करने पूर्वोक्त सम्मत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 विन की अविभ या तत्संबंधी अयिक्तयों पर स्वना की हामील से 30 विन की अविभ, जो भी विषय में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (च) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उपता स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, नधोहस्ताकारी के शान सिचित्त में किसे वा सकोंने।

स्थलकोकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस सभ्यास में दिवा स्था है।

क्रम ची

जैसा कि रजिम्ट्रीकृत कि 0 37-ईई/11922/84-85 जो अप्रैल 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना।

सारीख: 16-7-1985

प्रकृष बार्ष , टी. पुन., पुन., ---

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीत् सुभना

भारत सरकाट

कार्यालय, सञ्चयक माधकर मायुक्त (मिद्रक्षिण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं $\circ 37 -$ ईई/9497/84 - 85 - -यतः मुझे अनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1, पहना मंगला, विंग ए, कलाक बी 2128 श्री० पी० रोड, कैम्प, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इसपे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप मं विंगत है), रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना ; रजिस्ट्री हरण अधिवियम, 1908 (1908 का 16) के, अधीन, नारीख जनवरी 1985 को

का प्रांचत सपित के उचित बाजार मृत्य से कम के वस्थान अतिफल के लिए अंतरित की गई है मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे उश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल हिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से किथत नहीं किया गमा है:——

- (क) बाकरण से हुए फिसी बाय की बावजु, अवल अधिनिवन के जधीन कर बोने के जंतरक के वासित्व में कभी आदने वा अवले बुजने में सुविधा के लिए?; और/या
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या बन्य वास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अमृसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यंक्तियों, अर्थात 🖫

(1) श्रीमती सुलोचना डी० खुरगे, ग्राम एवं पोस्ट यवत, ता० वींड, रेलवे स्टेशन के पास, जिला याना।

(अन्तरक)

(2) श्री इसाक सिद्दीक मोसा मेमन, 33 महात्मा गांधी रोड, पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्यू सम्मर्थि के वर्षन् के क्यू कार्यवाहियां करता हुं ॥

उन्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की समित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की समित्र जो भी जनित्र बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर स्थितयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश ते 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यांचत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकोंने।

स्मध्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त सीधीनवस के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अनसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत फ० 37-ईई/9497/84-85 है जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, पूना

सारीख: 16-7-1985

प्रकृष बार्च हो पुन पुन ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 की 43) की पार्थ 269-च (1) के बंबीन स्चना

भारत संदुकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/75/84-85-यतः मुझे, अनिल कुमार,

अस्पन्तर अधिभित्रमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राणिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मांस, जिसका उचित याजार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रत. से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० मनस्मृति कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी, व्याक नं ० बी/21, 3रा मंजला कोल्हापुर, (क्षेत्रफल 850 चौ० फुष्ट) है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (भौर इसते उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त 'निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ते कम के दश्यमान प्रतिफाल को लिए अम्तरिती की पद्द और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वीवस सन्मरिक का उचित शावार मुख्य, उसको व्यवनात प्रतिष्ठम हो, वृत्ते व्यवमान प्रतिपाल का पम्बह् प्रतिशत से भविक ही बीच अन्यरक (अन्यरकों) और कम्बरिती (कन्तरितियों) के बीच एंधे वन्तुइय के शिए ठय भाग यया प्रतिफार निम्मचित्रिक उक्क रे उक्क अध्यारक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (वा) बालरण से इपूर्ण किसी बाय की बावत, उपल मित्रियम के बभीन कर बोगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तवे क्याने में सुविधा क तिए; जॉर/बा
- (क) एवी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रभोज-नार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

नतः जन, उपन विभिन्नम की भारा 269-न के वनुबंदन को, में उपन विभिन्नम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिसिस व्यक्तिं, अर्थांत् क्र—- (1) चेयरमें न, मनस्मृती कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी, टाकला, कोल्हापुर।

(अन्तरक)

(2) विजया चंद्रकांत संवेती, उला गल्ली, शाहुपुरी, कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

को शत् स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के स्थान कार्यवाहिकां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की ठाजील से 30 दिन की अविधि वा भी वर्गा वास में जनापत होती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में जनाजन की शारीक तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तक्ष्य किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिक्ति में किए का सकतें।

स्वकासरण: ---इसमें प्रयुक्त पत्थों सौर पर्यों का, को उनक अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि० 35~ईई/75/84-85 है, जो फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अिनल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 17-7-1985

मोहर 🕹

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस.----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **भाष** 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/76/84-85-यतः मुझे, अनिल

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रायक परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- फ. से अधिक हैं

श्राँर जिसकी सं ० मनुस्मृति कोआपरेटिय हाऊसिंग सोसायटी,
व्लाक नं ० बी/20, तीसरा मंजला, कोल्हापुर (क्षेत्रफल
705 ची ० फुट) हैं तथा जो कोल्हापुर में स्थित हैं
(ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिवक हो से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एस किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, धा भन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्च अनियम अवस्थितियम, भया बा किया बाना बाहिए बा, कियाने में सुविधा के लिए;

कतः अष, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :-- (1) चेयरमैन, मनुस्मृति कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी, टाकला, कोल्हापुर।

(अन्तरक)

(2) श्री जीतेन्द्र कुमार के० शाह, 4था गल्ली, शाहुपुरी, कोलहापुर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा यया हैं।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कि 37-ईई/76/84-85 जो फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्ज्भ-रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 17-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अधीन स्राना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज पूना

पूना, दिनांक 18 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37—ईई/11623/84—85—यतः मुझे, अनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 106, पहला मजला लोक शिल्प वसई, प्लाट नं ० 59, सेक्टर 17, डी० बी० सी०, नई बम्बई (क्षेत्रफल 640 ची० फुट) है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पृथांक्य सम्परित के उण्यत बाजार मृत्य से काम के क्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंक्त संपरित का उण्यत बाजार मृत्य, उश्वे क्यमान प्रतिकृत संपरित का उण्यत बाजार मृत्य, उश्वे क्यमान प्रतिकृत संपर्ध क्यमान प्रतिकृत का पंद्रह प्रसिवात से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अन्तार्वियों) के बीच ऐसे जन्तरण के जिए तम पाया च्या प्रतिकृत, निम्नतिक्त उज्वे क्या अन्तरण विविद्य में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्वं में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम मा किसी भन या नन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नामकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम मा भनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ निस्ति स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री लिलित सी० गांधी, 14 विशाल शार्पिग सेटर, सर एम० व्ही० रोड, ग्रंधेरी (ईस्ट), बम्बई

(अन्तरक)

(2) मैसर्स शिपला लि०, 289 बेलासिस रोड, बम्बई सेन्ट्रल; बम्बई।

(अन्तरिती)

को सह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।
- टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्युपी

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० 37-ईई/11623/84-85 है, जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरी-क्षण), अर्जन रेंज, पूना के वक्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-7-1985

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 18 जुलाई 1985

निर्देश सं ० 37-ईई/11624/84-85-यतः मुझे, अनिल

कुमार,

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात, 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संख्या पर्लंट नं० 606, 6वीं मंजिल, लोक शिल्प वसई प्लाट नं० 59 मेक्टर 17, डी बी सी नई बम्बई (क्षेज्ञफल 640 फुट चौ० फुट) है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबक प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी 1985

को प्रशंकत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दिश्यमान इतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्तह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) बीर जन्मरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निलिधन उद्देश्य में उक्त सन्तरण निविद्य के शभ्तियक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं शुद्ध किली बाव की बावल, उपक् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्स में काबी छारणे या उकते उपने में सरिक्षा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना वालिए था किया में का की सिष्ट:

कतः जब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरक में. में, उकत अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री लिलित सी० गांधी,
 14 विशाल शार्षिण सेन्टर,
 एस० एम० व्ही० रोड,
 ग्रंधेरी (ईस्ट),
 बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मैं ० सिपला लि ०, 289 बेलासिस रोड, बम्बई सेन्ट्रल, बम्बई।

(अन्तरिती)

की यह सुखना जारी करके पूर्वीक्षत सञ्चिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस म्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी व सं 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्चना की तामील से 30 दिन की अविभि, जां भी श्रविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कें व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितजब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यास अधाहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्तुची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि० सं० 37-ईई/11624/85-86 है, जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरी-क्षण), अर्जम रेंज पूना के ध्यतर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-7-1985

प्रकथ वार्ड . टर्र . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत नरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 18 जुलाई 1985

निर्देश सं ॰ 37-ईई/11625/84-85-यतः मुझे, अनिस

कुमार

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

धीर जिसकी सं ० प्लाप्ट नं ० 503, 4था मजला, लोक शिल्प बसई में फ्लैट नं ० 59, सेक्टर—17, डी ० बीसा, नई बम्बई (क्षेत्रफल 640 चौं ० फुट) है तथा जो बम्बई में स्थित है (धौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पर्वोद्ध्य सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोद्ध्य सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह2्यितिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससं यचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 एक जा 13) एक उन्हें अधिनियम, क श्रुतन्कर अधिनियम, क श्रुतन्कर अधिनियम, क श्रुतन्कर अधिनियम, क श्रुतन्कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) / अधिनवार अन्तिरिती द्वारी प्रकट नवीं किया गया था था था धि छिया अधित चाहिए वा. कियाने में निकार है लिए।

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निरुत्तिचित व्यक्तियों, वर्षाक् अस्त- (1) श्री लिलित सी० गांधी 14, विद्याल शापिंग मेन्टर, सर एम० व्ही० रोड, ग्रंधेरी (ईस्ष्ट), बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मैं ० शिपला लि ०, 289 बेलासिस रोड, बम्बई मेन्ट्रल,

(अन्तरिती)

कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपति दो जजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :---को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिख

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी में 45 दिन की सब्धिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की सब्धि, जो भी श्रविष्ठ बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (4) इस मूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में दिवबद किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान विचित में किये जा नकेंगे।

स्वश्टाकरण !---इसमें प्रयुक्त यश्रां धोर पक्षो का, जो उक्त धाध-तियान ते अध्यात १००५ में परिभाषित है, बड़ी ग्रयं होता, जो उस चक्त्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कम सं० 37-ईई/11625/84-85 है तथा जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 18-7-1985

मोहर ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयं कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 18 जुलाई 1985

निर्देश सं० $37 - \xi \xi / 11626 / 84 - 85 - - यण: मुझे, स्रिनल$

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं प्रजाट नं उ 506, पाँचवा मंजला, लेकि शिल्प बिल्डिंग, बसई फ्लैट नं उ 59, सेक्टर नं 17, डी बी एसी एने निया के किए सी एने निया के किए किए हैं। सी एसी एमी उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण क्य से बी जिल्हें। रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज में र्जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल रो, एस दृश्यमान प्रतिफल ते, एस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक्ती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति से वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आये-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा या या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

ड्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

11-226GI/85

(1) श्री लिलित मी० गौर्घा 14, विशाल शापिंग मेन्टर, अंधेरी (ईस्ट), बम्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० शिपला लिमिटेड, 289, बेलासिस रोड, वस्त्रई सेन्ट्रल, वस्त्रई।

(भ्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्मिक अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्योर्ड भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितइ वृष्ट किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अधै होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वंग्स्ची

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत २०० 37-ईई/11626/84-85 जो जनवरी 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजीन रेंज, पूर्वा

ज्ञारीख: 18-7-19**8**5

मोहर 🖟

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पुना

पूना, दिनाँक 18 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-**६६**/11627/थाना/85-86--यतः मुझ,

अनिल कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं प्लाट नं 706, 7वा मजला, लोक शिल्प बिल्डिंग में वसई, फ्लैंट नं 59, सेक्टर 17, डी बी शी भी कई बस्पई (क्षेत्रफल 640 ची फु) है तथा जो वस्बई से स्थित है (और ईसम उपाबद्ध श्रनुसूची में पुण कप से बिल्त है), रिजस्ट्री ति श्रिध दारी के कार्यालय, सहायक श्रायुकर श्रायकत (निरीक्षण), श्रजन रेंज पूना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री लिलित सी० गाँधी,
मुख्य प्रमोटर,
लोक णिल्प को-आपरेटिय हाउसिंग सोशायटी
मर्यादित
14 विशाल शापिंग सेन्टर,
एम० वी० रोड, ब्रंधेरी (ईस्ट),
बम्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसस सीपला लि०, 289, बेलासिस रोङ, बम्बई सेन्ट्रल, बम्बई।

(भ्रन्तरितोः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितं है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः 37-ईई/11627/85-86 जो जनवरी 185 में सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-7-1985

प्ररूप आहूर. टी. एन. एसा. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज पुना

पुना, विनाँक 18 जुलाई, 1985

निर्देश सं० 37-ईई/11628/84-85—यतः मुझे, श्रिनल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 105, पहला मजला, लोक शिल्प, बनई में प्लाट नं० 59, सेक्टर 17, डी० बी० सी०, नई बम्बई (क्षेत्रफल 888 ची० फुट)।

(भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय महाकक आयकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित। की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री/मिति श्री/कुमारी लितित सी गांधी (श्रन्तरक) 14 विपाल शापिंग सेन्टर अधेरी () बन्धई
- (2) श्री/श्रीमिति/कुमारी सिपला लि० (श्रन्तरिती) 289 बेलासिस रोड, बम्बई सेन्टरल, बम्बई

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंथ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो जकत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कर 37-ईई/11628/84-85 जो जनवरी 1985 की सहायार श्रायहर आपुकर (तिराज्ञण), अजन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार चलम श्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, पूना

नारीख: 18-7-1985

हिर:

प्रस्त बार्ड . दर्ग . एवं . , ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ (1) के प्रधीन सुभवा

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज कार्यालयः, पूना

पूना, दिनाँक 17 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/11629/85-86---यतः मुझे. प्रतिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,009/- रा. से अधिक है

स्नीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 206, दूगरा मंजला लोक जिल्प वसई में फ्लैंट नं० 59, सेक्टर 17, डीं० बीं० सीं० वसई, बम्बई (क्षेत्रकल 640 चों० फुट) है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध स्नमुची में स्रीर पूर्ण रूप में व्यापत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, महायक स्रायहर श्रापुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज में, रजिस्ट्री-करण स्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से मिश्व है और मन्तर्क (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- क्स निम्नलिखित उद्देश्य से उनत मन्तरण लिखित में बास्तिक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत,, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- एरेसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या जनत मिलियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किथा गया था या का नाम प्रविष् था, खिवाने में विकार के लिए
- ं वर उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उर्धारा (1) के बधीन, निम्निसिंग्स स्थानतयों, निमास क्रिका

(1) श्री लिला सी० गाँधी 14, विशाल शापिंग सेन्टर, ग्रंधेरी (ईस्ट), बन्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० जिपला लि०, 289, बेलासिस रोड, बम्बई सेन्ट्रल, बम्बई।

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, भो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्विक्त अविस्तयों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में जिया गया है।

अनुषु बो

जैमा कि रजिस्ट्रीकृत कि० 37-ईई/11629/84-86 है जो जनवरी 1985 को सहायक सायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, पूता के दक्षर में लिखा गया है।

> र्श्वातल कुमार नक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना।

नारीख: 17~7-1985

माहर 🛭

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जुलाई 1985

भिर्देश सं० 37—ईई/11630/84—85—यतः मुझे, अनिल ज्मार.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मुल्य

1,00,000/- रत. में आधिक है

ग्राँर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 107, पहला मंजला, लोक शिल्प वसई, पलैट नं ० 59, अक्टर 17, डी ० बी ० सी ०, नई बम्बई (क्षेत्रफल 645 चौ ० फुट) है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ग्राँर इससे उपावद अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप में विणित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्री- करण अधिजियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्विक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दाश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक म्हण से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

्र अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण िमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री लिलित सी० गांधी 14 विद्याल हार्षिण मेन्टर, सर एम० वी० रोड, ग्रंथेरी (ईस्ट), बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मैं ० णिपला लि ०, 287, बेलासिस रोड, बम्बई मेन्ट्रल, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मंपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा पौरभा-हौ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि० $37-\xi\xi/11630/84-85$ है जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, पूना

तारीख: 18-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ(1) के अधीन स्चन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहासक आसकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

पूना, दिमांक 18 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/11633/84-85--यतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्न्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँग जिसकी सं० प्लाप्ट नं० 307, असरा मंजला, लोक णिल्प प्लिप्ट नं० 59, सेक्टर 17, डी० बी० सी० नई बम्बई (क्षेत्रफल 645 ची० फुष्ट) हैं तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ग्रांग इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रांग पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और शंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ज अधिनियम के जधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सावभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुनिभा के लिए;

अत: व्यव् अविनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री लिलित सी० गाधी 14, विशाल शापिंग सन्टर, स्रंधेरी (ईस्ट), बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मैं ० शिपला लि०, 289, बेलासिम रोड, बम्बई मेन्द्रल, बम्बई।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अरिध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्रवीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37—ईई/11633/84-85 है जो जनवरी 1985 को महायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अति ल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बर्ष

तारीख: 18-7-1985

प्रकथ बाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

भाषात्तक, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 24 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/1109/84-85- यतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संपन्ति जिलका उचित बाबार मृत्य

1,00,000/- रह. में अधिक हैं

सर्वे नं ० 48. हिस्सा नं ० 1/2, त्रिलेज मोर्ज वालिद, बेसिन तहसील बेहिन जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है (ग्रांग उरान उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांग पूर्ण रूप से विजन है), रिजस्ट्री नि अधिकारी के कार्यालय, बेसीन जो थाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सर्पातन के उचित वाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और जैतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को भीच ऐसे जंतरण के लिए तब पाना जना प्रतिक फन निम्निसित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निम्निसित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण ने इन्हें किसी आय की जानत छचत अभिनियम के जभीत कर देने के जन्तरक दायित में कमी करने या उससे नचने में स्विधा के जिए; करि/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों शर्ते. जिन्हों भारतीय अधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के शरोजनार्थ अस्पिति दवारा प्रकट नहीं किया गया था है। किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विचा के लिए:

कत: क्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अगुम्हण मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, हिम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री कभवर अजीतिसिंग देवल, फ्लैंट नं० 22, रोड नं० 11, जे० वी० डी० स्कीम, जुहू, बस्बई।

(अन्तरक)

(2) एवरसाइन विलडमं प्रा० लि०, 215, व्हीना बीना, शाणिंग मेन्टर, रेलवे स्टेशन के सामने, बान्द्रा (W), बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति औ अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

हरत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप 🚎

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की सबिध, को भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में द्वित्रस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास विधित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि 37 जी ०/1109/84-85 है, जो अप्रैल, 1985 को सहायक आयरकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-7-1985

मोहर ः

प्ररूप बाहै.टी.एन.एस.-----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जम रेज पूना पूना, दिनांक 29 जुलाई, 1985 .

निर्देश सं० 37-ईई/11878/84-85- यत/ मुझे, अनिल कुमार,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चःत् 'वस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.00/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 443, पंचनाखड़ी, विलेग किसन नगर नं ० 3, रोड नं ० 22, वागेक इस्टेंट, थार्ना है तथा जो थाना मे स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मॅनर्स साधना विलड्स, जानकी भवत, किसन नगर, नं० 3, रोड न० 16, बागले स्टेट, भाना।

(अन्दरक)

(2) अजीत सिंग, गुरबचत सिंह संधु जगदीम निवास, रोड नं ० 16, किसन नगर नं ० 3, वागले स्टेट, थाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैमा कि रिजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/11878/84-85 है, जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

िनारीखं∱29⊷7—1985 **बाहर** ⊔

प्रकृषाहै .दी .प्र .प्रस .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 25 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ई०ई०, 10486, 84-85—अतः मुझे, अनिल कमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं पर्लंड नं 101 एअरी अपार्टमेंट पी नं 878 बुटे स्ट्रीट पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपाब स अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है) राजस्ट्रीमर्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन में राजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जितः अब, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ग के अनुसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यन्तितयों, अर्थात् व्र— मैं० पोरवाल बिल्डर्स
 1482, सदाशिव पेठ पूना-30।

(अन्तरक)

2. डां० इरफान एम० कुरेशी 310सामर अपार्टमेंट, सिनेमा स्ट्रीट पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कुड्कें पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के शिया कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाविक है, वहीं अर्थ इप्रोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगराची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम सं० 37-ई०ई०/10486/85-86 जो फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रैंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> (अनिल कुमार) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरिक्षण) अर्जन रैंज पूना ।

तारीख: 25-7-1985

मोहर ह

12-226 GI/85

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

· कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 25 जुलाई 1985 स॰ 37-ई॰ई॰/10705/84-85-अतः मुझे, अनिल

कुमार

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पक्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 109 सर्वे नं० 199 - 204+ 205+ 206(1) 209(1) विमान नगर लोहगांव पूना स्थित है (स्रोर इसते उनाब अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्गित है) रिजिल्ली क्रिकारी के फार्योलय सहायक अध्यकर अध्यक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क्ष) एेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियौ को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमहेजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती गैरी एस० लहरी द्वारा श्री दिनेश परनलाल संधानी 19/21 अम्बालाल दोशी मार्ग बम्बई।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स मीन बिल्डसं 21 21 मःतृष्ठाया सोसायटी एखडा पूना-14।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-स्पष्टीकरण:---नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया 🗗 🗀

अमुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम सं० 37-ई०ई०/10705/84-85 जो मार्च 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 25-7-985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

वायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के नवीन स्वान

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 22 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ई०ई०, 287, 85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं व दुकान विग 2 पर 18-ए थाकर ह उस एच० नं 2418 जनरल तिमय्या रोड पूना है तथा जो पूना में स्थित हैं (घीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अर्थान तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफस के सिए जन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार कृष्य, असके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) बन्धरण से हुई किसी नाय की वाबत, सबंद विधिनयम के अभीन कर वोने के जन्तरक वाँ दायित्व में कर्मी करने या उससे वचने में सुनिधा के सिए; बाँड/वा
- (च) ऐसी किसी नाम या किसी धन या उत्तय आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः जन, क्ष्मतः अभिनित्तमं की भारा 269-ग के जनुसरक में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के क्ष्मीन, निम्निसिवसं व्यक्तियों, वर्णात् क्ष्म 1. मै॰थाकर एण्ड परमार प्रापटींस (प्रा०) लि॰, 116,118 मटीन मरीन स्ट्रीट

(अन्तरक)

बम्बई ।

श्री राजकुमार धरमदास लुल्ला
 ११ लुस्ला नगर पूना-४०।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं का 4/5 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवष्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पाव जिल्हा में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कम 37-ई०ई०, 287, 85-86 जो 1985 को सह वक अयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंक पूना के दफ्तर में लिखा गया है

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक गायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 22-7-1985

मोहर 🛭

प्रकल् काह्र', टी. एक. एक.

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीत सुवना

भारत प्ररकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निराभाग)

अर्जेन रेंज, पूना साहितीक २० जलाई 10

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1985 निर्देश सं 0 37-जी0/35/85-86-अतः मुझे अनिल कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उणित बाजार मुख्य

1,00,000 /- रा. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 19, सवें नं० 32, (पार्ट) नवधर विहलेज तालुल्का बसई जिला थाना है, तथा जो बसई में स्थित है (भौर इससे जपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1985

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण तिविक में बास्तिक स्प से किश्वत नृहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण के हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा भी लिए? अदि/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आग-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

गतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण माँ. माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) मै० सलीम हाजी कासम ग्रीर अन्य नदीदवाला बिल्डिंग रेलवे स्टेशन के सामने अंघेरी (वै०) बम्बई ।

(अन्तरक)

2. मैं ० स्टेप-इन बिल्डर्स 22 जरीना सोसायटी एस० व्ही रोड, लकी रेस्टोरेन्ट के पास बान्द्रा बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत बुम्पीत् के वृर्वन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप उल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्विक्त स्विक्त के कि कि की कार्यक्त स्विक्त के कि कि कि कि कि की कार्यक स्वास्त्र में से किनी कार्यक स्वास्त
- (ख) इत सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीय त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जभोहत्ताक्षरी के वास निविद्य में किए का स्कॉनेश

स्वजीकपुणः — इसमें प्रयुक्त सन्तों और वसों का, यो सबस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं के बहुरी वर्ष होगा यो उत्त अध्याय में दिवा क्वा हैं।!

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत कम सं० 37-जी०, 35-85-86 जी अप्रैल 1985 को सब रिजस्ट्रार के आफिस में (बसई) दाखल किया गया है।

अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना ।

तारीख: 29-7-1985

महिर 🛚

प्रकप बार्ड . दी . एन . एस्

मापकड मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याज्ञव, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1985

निदेश सं० 37-ई०ई०। 74, 85-86—अतः मुझे अनिल कुमार भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 20 सर्वे नं० 32 (पी०टी०) नवधर में स्थित ता० वसई जिला थाना है सथाजो वसई में स्थित है (ग्रीर इससे अनुचची में पूर्ण रूप से विणित्त हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसीं बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्र्िया
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीष. निम्नतिचित व्यक्तियों, सर्थात् व्यक्त श्री अब्दुल एझाक कालम ग्रीर श्रन्य नदीववाला बिल्डिंग रेलवे स्टेशन के सामने अंधेरी (वै०) बम्बई ।

(अन्तरक)

मै० स्टेप इन बिल्डर्स
 22, झरीना सोसायिटी एस० व्ही० रोड
 लक्की रेस्टोरेन्ट के पास बान्द्रा बम्बई-50।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितइ व्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास. लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

रजैसा कि जिस्ट्रीकृत क्रम सं० 37-ई०ई०|74|85-86 जो अप्रैल 1985 को सङ्ख्यक अध्यकर आधुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ् अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

सारीख: 29-7-1985।

अर्जन रेंज पूना।

मोहर

प्रक्य आहोतु टील एन तु एस तु ५ = + ++

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन स्पना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक 29जुलाई 1985

सं० 37-ई०ई०/63/84-85—यतः मुझे अनिल कुमार कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'डक्त' अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

अरि जिसकी सं० प्लाट नं० 7, दूसरी मंजिल आर० एस० नं० 447 प्लाट नं० 33 सांगली क्षेत्रफल 590 चौ० फुट) है तथा जो सांगली में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धीर पूर्ण रूप से बॉणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयहर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तरिख मई 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया नया प्रतिक्षा निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) मंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनक संस्थितियम के बधीन कर दोने के अंतर्क से दायित्व में कमी करते था उससे वचने में सुविधा के लिए; शरि/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. का या किया जाना जाहिए का, स्थिपने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, मा, जक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भी सभीनाः निम्नलिखित व्यक्तियोः अर्थात् छ—— श्री श्रीराम क्तात्रय बर्वे ग्रीर अन्य
 संजीग कालोनी, सांगली।

(भ्रन्तरिती)

2. श्री ए लिझा सलीम फुलरा c/o एच ० ई० 5 पलटेवाल, गणपतिपठ सांगली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्विष, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कम सं० 37-ई०ई०/63/84-85 जो मई 1985को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी {सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

तारीख: 29-7-1985

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भार्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 1985

निर्देश सं० 37-ई ई/15489/85-86—यत्तः, मुझे भनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षप्त प्राधिकारों को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जन्न है। सं ० प्लाट नं० 8, सर्वे नं० 7, हिस्सा नं० 3 से 5 सर्वे नं० 17 (गें) हिस्सा नं० 11 से 12 जो दिवानमन में स्थित सह ० वसई जिला——थाना है, तया जो दिवानमा थाना में स्थित है। (श्रीर इसते उपावस अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रा हती श्रीस हारी के कार्याला, सहायक स्नायकर सायुक्त निरोक्षण अर्गन रेंज, में रिजिस्ट्रा करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रायंता, तारीख स्रायंत, 1985,

को पूर्वोक्त संगत्ति के उचित बारार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि गधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के गधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् :--

- 1 श्री विला फ्रैमती ट्रस्ट श्रीर अन्य 21द्वारता 383, 13वीं रोड बान्द्रा, बस्बई (श्रन्तरक)
- 2 मैसर्स अगो हा इंजि:नियरिंग कार्परिशन 1 बन्दाना 15वीं रोड बान्द्रा (डब्ल्यू) बम्बई (ग्रासरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, औं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पट्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

जैसा कि स्विष्टित क० 37-ई ई/15489/85-86 जो मत्रैल, 84 को सहाय हु भ्राय हर भ्रायुक्त निरीक्षण मर्जन रेंज, पूना के चप्तर में लिखा गया है ।

> भ्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 5-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन . एस .. ५-०००००

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीत सुवता

भारत सहस्कार कार्यां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निडिक्किन)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 29 जुलाई 1985 निर्देश सं० 37-ई ई/12109/84-85— -यतः, मुझे, श्रनिल कूम.र,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के निधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिस हों ० खोज गांव, खुटावलो ता० उल्हासनगर जिला थाना सर्वे सं० 158/8, श्रम्बरनाथ सी० एस० 1314 है, तथा जो उल्हासनगर में स्थित हैं (और इसने उपाबद स्ननुसूवी में श्रीर पूर्ण का से वाणित हैं), रजिस्ट्राकर्ती श्रीध तरी के आयीलय, सहाय हा स्राय कर श्रायुक्त निरीक्षण श्रार्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीका, तारीख जनवरीं 1985,

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्धयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह शिक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिशों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखित उद्दोदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक कप से किथल नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की वावस, सकत जिथितियम को जधीन कर दोने को अन्तरक को स्थितिय जो कमी करने या उससे जजने में बुलिया की सिक्ष्ण और/या
- (ल) एसी फिसी नाय या निल्ही भन मा अन्त्र आस्तिकों की जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्तर अभिनियम, मा भन- क्रर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं कि वा नवा या वा किया जाना आहिए था, छिपाने में सूनिभा के सिए।

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1 श्री रतन ज्योत बिल्डर्स डलनबाल, लुक्स कम्पाऊण्ड भ्रम्बरनाथ (म्रन्तरक)
- 2 श्रीमती मेरी डिसोजा महाराष्ट्र हौसिंग बोर्ड 14/254 पहली मंजिल ग्रम्बरनाय ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की जर्मन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र १०००

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वक्कीकरण:—प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

यम्ब्रुकी

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि 37-ईई/12109/84-85, जो जनवरी, 85 को सहाय रुधायकर प्रायुक्त निरीक्षण, धर्जन रेंज, पूना के धपतर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, पूना

तारीख : 29-7-1985

प्ररूप भाइ .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भरत 189-व (1) र अर्थाट स्भारत

भारत तरकार

कार्यासय , सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1985 निर्देश सं० 37-ई ई/12152/84-85—यतः, मुझे, अनिल कुमार,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार: मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खोज खुसवाली गांव, ता० उल्हास नगर,

जिला—भाना, सर्वे नं० 158/8, सी० एस०/314 है, तथा जो उल्हासनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीध हारी के कार्यालय, सहायक ग्राय हर श्रायक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमीन, तरिशेख जनवरीं,1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित शाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल वें लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापृथों क्स संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (बंतरकों) और जंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के सिए तम पामा गया प्रति-फ म निम्नितिद्वत उद्विष्य से उक्त जंतरण निच्नित में वास्तिक कप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण संहुर्द्ध किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्नम के वशीन कर दोने के जन्तरफ के राजित्य में कमी करने या उच्चसे वचने में सुनिधा से लिए; बरि/मा
- (क) श्री किसी जाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतिय जाय-कर जीजीनयम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिजियम, 1957 (1957 का27) को प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1 र्थाः एतन ज्योति बिल्डर्मः, उलन चाल, लुःम कम्याऊंड, श्रम्बरनाथ (ग्रन्तरक)
- 2 श्रंतिएफ० एम० लाझंत, 26, मिल्ला एरिया, क्वार्टस, ग्रम्बरनाथ थाना, महाराष्ट्र (ग्रन्सरिती)
- 4 श्री खोज खुतवाली गांव ता० उल्हासनगर जिला थाना सर्वो न० 1518 सी० फस० 1214 को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाकंश :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावण की तारींच से 45 चिन की अवधि या तत्त्वस्वन्धी स्थवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु दुवारा;
- (थ) इस लूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवष्ट किसी बन्य व्यक्ति इवारा अथोहस्ताक्षरी के पाल विश्वित में किए का सकति।

स्थल्लीकरणः — इसमें प्रयुक्त वन्नों और वक्ते का, वो उनक विभिन्नियम दे बध्याय 20-क में वौरभाविष्ठ है, वही अर्थ होगा. को उस अध्यास में दिया गया है।

मन्त्रदी

जैसा ि रिजस्ट्रीकृत क० 37-ई-ई/12152/84-85 जो जनवरी, 85 को सहाय∋ श्रायक्तर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजन रोज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार स**ाम प्राधिकारी** सहायक आपकर आधु*त (निरीक्षण) श्रर्जन टेंज, पूना

तार लेख : 29-7-1985

प्रचम बाह्र : टी. पुन. पुत्र :------

नाधकात विचित्रियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के वृधीन सूचना

शारत सुरकाउ

कार्याजव, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 29 जुलाई 1985 निर्देण सं०372ई ई/13510/84-85—यतः, मुझे, श्वनिल कुमार,

वाधकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269- ज के वधीन सक्षम प्राधिकारी कां., यह विद्यास करने का कारण ह" कि स्थानर संपरित जिसका जीवत वाबार मृस्य ;

1,00,000/- क. से अधिक हैं
ग्रीर जिसका मं० सर्वे नं० 443(पार्ट) पंचनाखड़ी गांव, रोड़
नं० 22, िमान नगर, किसान नगर नं०3, वागले इस्टेट थाना
(क्षेत्रफ़ल: 567 चौ० फुट) है, तथा जो थाना में स्थित है (ग्रीर
डससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोफ़्ला
भिक्षिणरी के ज्ञार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन
रेंज में रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16)
के भिक्षीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वों बत् सम्मिति के उपित बाजार मृत्य से कम के असमान हित्य के सिए बन्तरित की यह है, जीर मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि बजापूर्वों कत संपृत्ति का उपित बाचार क्षण, उसके कमान प्रतिकत वे एसे कमान प्रतिकत का पंत्र प्रतिकत का पंत्र प्रतिकत का पंत्र प्रतिकत का पंत्र प्रतिकत से अधिक है जीर अंतरिक (बंतरकों) जीर अंतरिती (बन्तरितियों) के बीथ एसे अन्तरण के सिए क्षण पामा ज्वा बिक्क, विज्ञानिक उप्रवेच के उससे अन्तरण निविक्ष में वास्त्रिक कम से कथित मही किया गया है के—

- (क) अध्यक्ष्य व हुई जिली मान की बाब्द उन्तर गीभ-रिव्ह के अधीन कर दोने के बन्तरक के प्रतिस्त में कारी करने वा उक्त क्याने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) एंडी किसी नाम या किसी धन या अन्य शास्त्रिक कां, जिल्हों भारतीय अल-कर अल्यानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकार क्षित्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज क्तिरती द्वाच प्रकट वहीं किया क्या था वा विकास वाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशिंड व्यक्तियमें, अर्थान ६—

1 भैं भर्न साधना बिल्डमं जानकी भवन, किसान नगर नं० 3, रोड नं० 16; बागले स्टेट, थाना

(म्रन्तरक)

2 श्री विट्ठल रामचन्द्र मारंग, चन्द्रभागा निवास, रूम नं० 2, किसान नगर नं० 3, बागले स्टेट, थाना

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहिया गुरू करता हूं। उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

- क्षि इस सूच्या के रायपम के प्रकारक की ताड़ीय के 45 विन की जबींग ना उत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामीस सं 30 विन की अवधि, वां भी जबींग नाव में समाप्त होती हों, के भीतर मुर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वित विद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नक विद्या में किए दा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण :---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रेंक्कल कि 37/ई ई/13510/84-85 जो मार्च 85 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज, पून के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेज, पूना

नारोख : 29-7-19**8**5

माहर :

प्रकृष बार्ड . टी . एस . एस . ------

मावकर बद्रियनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के मधीन त्चना

भारत तरकार

कामीनम, सहसमक नामकर आयुक्त (निरक्तिण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/8027/85-86-श्रतः, मुझे, प्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 63, हिस्सा नं० 1--2, पर्वती गांव पुणे है, तथा जो पर्वती पूना में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1985.

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार बूल्य से कम के क्वामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्ति में पास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाग की, बाबत, उक्त अधिनियज के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के बनुबरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिवाँ, अर्थात् :--- श्री प्रकाश महादेव कोरर्ड 1058, गुक्रवार पेठ , पूना-2

(भ्रन्तरक)

7. रावत बादसँ, प्रमोटर्स और बिल्डर्स 376, शुक्रवार पेठ, पूना-2 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्क सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की कविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतृर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पर्वेकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याव में विका गया है:

अनुसूची

जैमा कि रिजिस्ट्रीं ति कि 37ईई/8027/85-86 जो मई 85 को सहायक ध्रायक्षर श्रायक्षत निरीक्षण ध्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 25-7-1985

प्ररूप बार्च .टो. एन . एस . ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय', सहायक आयकर आय्क्त' (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पूना पूना, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्दोग सं० 37-ई ई/3522/85-०6—-ग्रतः, मुद्दो, ग्रनिल

कुमार.

आयक श्विभित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्व के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अभिक हैं

और जिसकी सं० फाइनल प्लाट नं० 394/सी, सब प्लाट नं० 1 सर्ते भं० 230-ए पार्ट) जूना सिटी सेबें 47 पार्ट) सर्वे नं० 229, हिस्सा नं० 1 (पार्ट) जूना सर्वे नं० 548 पार्ट) है, तथा जो थाना से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायह आयहर आयुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज, 8 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख जुलाई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देह्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वर्षायत्व को कमी करते का कर्कायत्व को समी करते का कराये अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

गतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री माप मोहनलाल भट्ट और श्रन्य दारूखाना झाग, पंचपाखडी, श्रलमंडा रोड़, थाना (श्रन्तरक)
- 7. मैसर्स डी० ए० पटेल एण्ड कम्पनी, कैलाण नगर, एम० जीं० रोड़, घाटकोपर(ई) बम्बई (ग्रन्तरिती)

को यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उनका संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी व्यक्ति ख्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिजस्ट्रीहत क० 37-ई ई/3522/85-86 जो जुलाई 85 को सहायक सामकर स्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पून के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 29-7-1985

मोहर 🖫

त्रक्ष् आहे ्टी, एस. एस . -------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्याजय, तहायक नायकर नामुक्त (निरीक्रण)

धर्जन रेंज, पूना पूना, विनांक 29 जुलाई 1985 निर्देश सं० 37-ई ई/14293/84-85-श्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं अम्मासागर अपार्टमेंट, प्लाट नं 2 पहली मंजला, प्लाट ऑफ बीं के 226, उल्हासनगर क्षेत्रफल 600 चौ फुट है, सथा जो उल्हास नगर में में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज में राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींख मार्च, 1985

की पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिक्रम के लिए जन्तरित की गई है बीर मुक्के मह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनित संपत्ति का उचित बाधार बुन्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकास से एसे द्रश्यमान प्रतिकास का कन्तर प्रतिकास से जिन्क है और जन्तरक (जन्तरकों) बीर अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरक के जिए तम पानर गया प्रतिकास, निम्निसिचित उद्देश्य से द्रश्य जन्तरक कि बिद्धत में बास्तरिक रूप से कर्तिक स्थापन कहीं विश्वा क्या है हु---

- (क) अंतरण से हुवूँ किसी शाय की बाबत, उक्त अधिक्रिय के स्थीन कर देने के स्थारण क दासिस्य में कमी अपने या उक्क बचने में सुविद्या के लिए आर्ड/या
- (च) एंची किसी बाथ या किसी थम वा बस्य आफ्तियों को, जिन्हों भारतीय आवकार विश्वित्रया, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या भवचार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधवार्थ जन्तरिती द्वारा अंकट नहीं किया वया था वा किया जाना चाहिए थां, कियाने में कृषिका के विष्ट;

नतः नग, उन्त निर्धापनम की भारा 269-न के अनुसरक में, ने, उनत मिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) मैं सभीत् निरुक्तितित व्यक्तिकां स्थादि क्या श्री दीपचन्द ग्रमूलराय सभानी,
 श्रम्मा सागर, श्रपार्टमेंट, 'लाट बी० के० 226,
 उस्हास नगर

(ग्रनग्क)

2. श्री बालूमल लूकू मल मखीजा, श्रम्मा सागर श्रपार्टमेट प्लाप्ट बी० के० 226, फ्लेंट नं० 2, पहलीं मंजिल, उल्हेासनगर (श्रन्तरितीं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त खब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विसा पदा हैं।

अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत क० 37-ईई/14293/84-85 जो मार्च 85 को सेहायंक ग्रायकय ग्रायुक्त नरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर कायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रज, पूना

नारीख: 2 - 7-1985

मोहर 🤚

प्रस्य काइ^{*}. टी. एन . एस .,------

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरोक्तक) ग्रजैन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देण सं० 37-**६ ६**/460/84-86-अतः, मुझे, म्रनिल कुमार,

वायक द मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त की भीनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ओर जिसकी संज प्लाट नंज 17, दूसरी मंजिल बैणाली श्रपार्टमेटस, 459, नारायणपेठ पूना-30 है, तथा जो पूना में स्थित है और इससे जपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रुप से विणित है), रजस्ट्रींशर्ता प्राधिकारी के कार्यालय आयश्य श्रायुक्त निरहेक्षण अर्जन रोंज में रिजस्ट्रींशरण श्रधिनियम 1908(1908 क16) के श्रधीन, तारींख जून, 1985

करे पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इपयमान लिए अन्तरित गर् की वह विद्वास करने का है कि यचा÷ **व्हारण** पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य,, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं भौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के **धीय** एके वंतरण को लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया मया है ६---

- (क) बन्तरण सं हुवं किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारित्य में कभी कर्त या सबसे बचने में निवधा के तिब्द; बीट/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को , रिक्ट्रे भारतीय जायकर जभिनियंग , 1922 (1922 का 11) या उन्त जभिनियंग, या चयु-का वर्डियियंग, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया वाना वाहिए या, क्रियाने में सुविधा के दिन्स,

अतः अव, जनत अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण में, में, वनव विधिनियम की धारा 269-च की जपधारा (1) के न्योन, निम्मसिचित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मैं अमें विशाल बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स 459, नारायण पेठ, पूना-30।

(ग्रन्तरक)

 श्री श्रशोक घोंडिदास जामदार 1327-ई, सवाशिष पेठ पूना-30 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ब्रीपृत्यक, के बुध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्री हात कि 37-ई ई/460/85-86 जो जून 85 को सहायक श्राय कर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के वफ्तर में लिखा गया है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंक, पूना

तारीख: 29-7-1985

प्रकल बार्ड , ट्री , एन , एस , - - - ----

नायकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) जे सभीत स्थान

गारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनां र 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/14673/84-85----यतः मुझे, भ्रानिल कुमार,

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्बत्ति, जिलका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पर्लंट तीसरी मंजिल पर, हिंगलाज बिल्डिंग, प्लाट नं० 4 सर्वे नं० 11-ए, हिस्सा नं० 2, भायंदर, जिला थाना, (क्षेत्रफल 661 ची० फुट) है, तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपायद्ध श्रनुसूर्च में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरोक्षण श्रजन रोज में रिजस्ट्रीकरण श्रिवियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख श्रप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्यास करने का कारण है कि बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्श्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से की जत नहीं थिया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुइ जिल्ली भाग की बाबत, उक्त अधिनियस के जभीन कर दोने के अन्तरक के वाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए भीर/था
- (क) एंती किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा क्रियाने में सुविधा के लिए;

सतः अव, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनूतरण म, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :→

- मैंसर्स जय कन्स्ट्रवणन धन्दूलाल वाडी, स्टेणन रोड, भायंदर (डब्ल्य) जिला—थाना (अन्तरक)
- श्रीमती चन्द्रा नागराज पीठ जैन चैताली मेडिकल स्टोर्म, महावीद ज्योति, मोदी पटेल रोड, भायंदर (डब्ल्यू) (अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्चन के निष् कार्ववाहियां बुरू करका हूं।

उनत कम्परित् के अर्थन् के संबंध में कोर्क् भी शाओप :---

- (क) इंत त्याना के राज्यान में प्रकाशन की तारीय सं-45 दिन की जनीं वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तानीन से 30 दिन की बनींथ, जो भी अनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस त्वाना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सन्दित में हिता- क्यांकर किसी जन्य क्यांकर व्यास स्थाव स्थाहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किस् का कर्कों ।

स्पन्धीकरण — इसमें प्रवृक्त प्रक्यों और पर्यों का, जां उक्त विधिनिकत के अध्याय 20-क में प्रीरक्ष्मीवर्थ हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

मन्सूची

जैसा ि रिजिस्ट्रीकृत ऋ० 37-ई ई/14673/84-85 जो म्राप्रैल, 85 को सहायक भ्रायक्त भ्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रोज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, पूना

तारीख : 29-7-1985

शक्य वार्षे . दी. एम . वृत्त . - - > ----

शायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के त्रभीन सूचना

भारत ब्रह्मा

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिस्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० म्रार०-1 12-84/760----म्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

अ। थकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'टक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारत 269-स के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्यमान प्रशिक्त के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विक्शास करने का कारण है कि मुझापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रशिक्त से, एते स्थ्यमान प्रशिक्त के बेबह प्रशिवात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितिकों) के बीच एते जन्तरण के निए तय पावा गंवा प्रशिक्त निम्निलिखित उद्वेदन से उन्त नन्तरण निम्मित के बास्तिक रूप ने किया नहीं है सामा वा है है —

- (क) ब्लाइन वे हुई किसी बाव की बावत, वेबस तो प्रतिपत्त के विभीत कर दोने के असारक के प्राप्त में कती करने वा उससे बचने में सुविधा में सिए; बरि/मा
- (ख) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याध अकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुनिधा के सिए;

गतः जब उदत जिथानयम की भारा 269-म के अनुसरक भा, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्बिनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. जगजात राय प्ररोडा सुपुत्र स्व० थां। रामधन, नवामा--सा-14, एफ़० एफ़, बाला नगर, नई दिल्ली (ग्रन्सरक)
- 2. श्री राज कुमार सुपुक्ष श्री प्रधामलाल; 4/23, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह तुचना बादी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के क्यान के सिय कार्यवाहियां करता हो।

उपद ब्रम्मीस के बुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष् :----

- (क), इस सूचना के राचवत्र में प्रकशन की तारीच ते 45 दिन की ब्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य विक्ती अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्साझरी के पास सिवित में किए या सकीये

स्वक्किक्ष :— इसमें प्रयुक्त कन्धों और पर्दों का, जो उनस जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में निया नया हैं।

अमुसूची

हाकस मान प्लाट नं ० एफ़-2, बाली नगर, ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली, सादादी---155 वर्ग गज ।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-7-1985

मुक्त बार्य । हो . हव . एव .------

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सृचना

मार्त संह्याङ्क

कार्यालय, सहायक आयकर क्षायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रोज-2, दिल्ली≀

नई दिल्ली, दिनोंा 11 जुलाई 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० में ०/एत्यू०/2/एम० ग्राप 1/12-84/761- ज्यतः, मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये है अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० एल-82 है, तथा जो कीती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इपात उपावड़ श्रमुसुन्दा में पूर्ण वपाद विल्ली में रिजिस्ट्री उसी अधि असी के अधिलिय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के श्रवीन, ताराख़ दिसावर, 1984

कां पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिवां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक हप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए अरि/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एए। या पिन्या जाना नाहिए था, जिल्हा से स्विका स्था में सिका करने सिका करने में सिका करने में सिका करने सिका करने में सिका करने में सिका करने सिका कर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, जिम्निलिखिट व्यक्तियों अर्थात् :---14---226 GI[85 1. श्री एस० एवबीर सिंह सुपुत्र एस० सन्त सिंह, नियामी---जे-11/44, राजारी गार्डन, नई दिल्ली: (ग्रन्तरक)

 श्रीमती कानल बाला ग्राहूजा पत्नी श्रां यस पाल ग्राहूजा, निवासी---14-बं।/7, देश बन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म' प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भैं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी बर्ध होगा को उस अध्याय में दिया राष्ट्रा

वन्सची

प्रीं नं ग्ल-82, भीती नभर, गर्दि विज्ली, नावादी-200 वर्ग गज ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निक्षिण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्लं:, नई दिल्लं:-110002

तारीखः : 11-7-1985

मोहर 🖟

प्ररूप आर्ड .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॉज-2, नई दल्ली

नई दिल्ली, दिनांा 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मीः0/एलयू 0/2/एस० ग्रार०-1/. 12-84/762 --यतः, भुजे, के० वासुदेवन,

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी सं० 4560 वार्ड नं० 13, 82-5/9, वर्ग गज है, तथा जो डिप्टी गंज, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है, (ग्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणत है रिजस्ट्रीणिती अधि शरी के ज्ञायीलय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीण ग्रिबिनिनम, 1908 (1908 श. 16) के श्रायील, नारीख़ दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल हे एन्द्रह एतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत कहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय र्था बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थति :--- श्रा राकेश कुमार सुपुत्र श्रो रन्गुलाल जैन, निवासी—4710, डिप्टी गंज, सदर बाजार, दिल्ली, श्रटारनी श्री श्रानिल कुमार जैन

(ग्रन्तरक)

 श्री प्रभु दयाल जैन सुपुत श्री जीहरी लाल जैन, निवासा--4682, प्लाट नं०-19, डिप्टी गंज, सदर बाजार, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तर्सकंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हत्रोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

प्री०--नं०4560, वार्ड नं० XIII, डिप्टी गंज, सदर बाजार, दिल्ली, तादादी---82-5/9, वर्ग गज ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तार*े*ख : 11-7-1985

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सिः०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/12-84/763—यतः, मुझे, के० वासुदेवन,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहनात 'उन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी में ० डब्ल्यू० जेड०-63 है तथा जो खामपुर, दिल्ली-8 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का में विजय है), एजिन्द्री कर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिन्ता में एजिन्द्री करण अधिनियम, 1908 (1908 की 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर 1984

की पूर्णेश्व संपरित के उत्तित बाजार मृल्य से कम के क्रियमान पतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित। भे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से सुद्दे किसी आग की बाबत, उक्श अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दानित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के तिए; बीर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या प्रकार नहीं किया गया था या किया बाग वाहिए था, स्थितन में सुविधा वे लिए;

बतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री भानवर सिंह मुपुल श्री यादराम,
 निवास(---डब्ल्यू० जंड०-74, ख.म पुर, दिल्ली-8 (अन्तरः)
- 2. श्री युद्धवीर सिंह चौहान पुत्र स्व० श्री श्रीराम, निवासी:---डब्ल्यू० जेड०-64, खमम पुर दिल्ली-8 (मन्तरिती)

की यह सूचनां कारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

र क्स सम्पत्ति के प्रवंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरहांती अपिक्तमां पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर ध्वक्तियों में से किसी स्पनित दुवारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंने।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

प्रो० नं० डब्ल्यू० जेङ०-63, खाम पुर दिल्ली-8, तादादी-300 वर्ग गज, खसरा नं० 323(मेर)।

> के० व सुदेवन सक्षम प्राधि हारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तार्रेख 11-7-1985 माहर : प्ररूप बार्च. टी, एन., एत.-----

कावफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत् खरुकार

काम्मित्य, सहायक शायकर शायुक्त (निर्देशिक) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लें , दिनों : 11 जुलाई 1985 निर्देश मंद्र श्राईव एव में : ०/एत्यू ०/2/एस ० श्रारं ०-1/12--84/ 764----अतः, मझे, केद वास्देयसः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

श्रीर जिन हैं। सं० प्रो० नं० — 40/4 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर हमने उपाबद अनुसूत्ती में श्रीर पूर्ण का में विभिन्न हैं), जीत प्रांति श्री श्री श्री श्री श्री श्री का पर्यालय, नई दिल्ला में रिजिस्ट्री उरण श्रीधिन मा, 1908 (1908 ता 16) के शालन, नारोख दिसस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य तसके रहयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिहात से उधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) से बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिषित में अभिनित्र मूल से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा -अंशियए; अरैर/पा
- (क) एसी किसो बाब या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गण था किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरण . मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ, इक्षात् :---

- 1. श्राः भर्मचन्द उष्पल मुपुत्र श्राः रामवन्द उष्पल, भित्रामीः—--40/1, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्लः
- श्री कारण राम चतुर्वेदी सुपुत्र स्व० श्री भगवान दाम चतुर्वेदी श्रीए श्री कास्त्रेश सुमार चतुर्वेदी सुपुत्र श्री कारण राम चतुर्वेदी,

निवासी:--178, जनुनालाल स्ट्रीट, उलकत्ता श्रीर। 40/4, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली:

(ग्रन्तरिती)

(अन्तर ह)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उपत् सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख सं 45 दिन की अधिभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए। या
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

बर्नाः हुई प्रो० नं० 40/4, ईस्द्धः पटेल नगर, नई दिल्ली ।

के० वासुदेवन भक्षम प्राधि ारोः सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तार.खाः: 11-7-1985 माह्यः ॥ प्रस्य बार्च . दी , एन , एस . ------

भायकर जिभानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कार्यक्त (निरीक्षण) अर्थन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लं :,दिनां : 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० मिi०/एक्यू०/2/एस० प्रार०-1/12-84/768---अतः. मुसे, के० त्रामुदेबन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उत्रत अधिनियम' तहा गया है), की धार 269- व के अधीर मध्यम प्रिकारों को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रांर जिसकी संव प्लाट नंव 57, ब्लाक्ष-ए-2 है, तथा जो रीजोरी गार्डन, एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इसी उपायड़ ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख दिसस्वर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहूर्य किसी आय की बाक्ष्त, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा मंदिए; और/या
- (का) ज़िसी किसी बाय या किसी धन या अत्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध करिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के निए;

भतः अथः. उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) स्ने अधीनः निम्नकित्वर स्मित्वों. अवस्ति हे—

- 1. श्रं अनृत लाल महलोता भुपुत्रश्रं मुन्दर दास महलोता, निवासं---ए-2/57, रीजॉरी गार्डन, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- श्रं मती उमाभल्ला पत्नी श्रं। राज कुमारभल्ला, निवागी—मी-1/163, जन उपुरी, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भ्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति स्पिक्तियों भे से किसी स्पिक्त स्थारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मिंगल स्टोर्ग हाऊम. प्लाट नं०-57. ब्लाऊ ए-2, तादादी---284.3 वर्ग गज, रौजोर्ग गार्डन, एरिया ग्राम बसई दारापुर,दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

कें० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहाय-ः अधिकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ेनार्रि**ख** : 11-7-19**8**5

माहुर 😫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सं10/ एक्यू 0/2/ एस० ग्रार०-1/12-84/769—यतः, मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिवत बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसका सं० डी-8/4 है, तथा जो माडल टाऊन, प्राम—मिल हपुर चाँहानी, दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित है (प्रार इसने उपाबद्ध प्रमुख्यों में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री हर्ता प्रश्चित्र के हार्याला, नई दिल्ला में रिजिस्ट्री हरण प्रश्चित्रियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, तारीख दिसम्बर, 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री श्रीचन्द सुपुत्र श्री उदो दास, निवासा---इ:-8/4, माडल टाऊन, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमतो माया देवी पत्ती श्री किशन चन्द, तिससो— उ२०-8/4, माइल टाऊन, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

प्री० नं० डी-8/4, माडल टाळन, एरिया ग्राम— मिलकपुर चौहानी, दिल्ली स्टेट, दिल्ली, तादादी—-282वर्ग गज ।

> के० वासुदेवन पक्षम प्राधि हारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-7-1985

मांहर:

प्ररूप नाइ^र. डी. एन_ः एस_{ः ---=}--=-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्त (निर्द्रीक्रण)

अर्जन रेंड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1985

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्तम प्राभिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं० 4/997-999 है तथा जा बावड़ी काजार दिल्लो में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रमुमूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्री-क्ती अधिकारों के लायिलय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्मम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रिक्षक के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का रेन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (यन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्टिबक इप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण सं हुई किसी लाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के बधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व से अभी करने सा उससे अजने से स्विधा के लिए. और/सा
- (कां) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ➡े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) मैं ० जगन नाथ हरी राम, 191, ६८रा नवाब. चांदनी चीठ, दिल्ली-6।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामता पुनिता सूरी, निवासी-33, पूसा रोष्ट नई क्षिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील दे 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के नास सिवित में किय वा सकोंगे।

स्यब्दीकरण ४--- इतमें प्रयुक्त कव्यों और वर्षों का, वो उक्त . विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है की

मनुसूची

प्रो० नं० 4/997-999, चाबड़ी बाजार, दिल्ली तादादी-495 घर्ग मीटर।

कें० वासुदेवन सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12**-7-1985**।

माहर:

auf talling, was a lover of language language of the sufficiency flow, but a language from the sufficiency of the sufficiency o

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू० 2/एस० ग्रार-1/12-84 771----श्रतः मुझे, के० वास्वेधन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00 000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी मं० प्रो० न० 2535 ओल्ड नं० 3600, है तथा जो बस्ती पंजाबीयन, सब्जी मन्डी, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित हैं), रजिट्री नी प्रधिनारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री रूप अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर दिनां ह दिनस्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्रीमती हुण्णा रानी पत्नी श्री मदन गोपाल नियामी-146, मल्का गंजरोड, मङ्जी मन्डी, दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती णान्ति देवी पन्नी श्री भगवान णाही, निवासी-2535, बस्ती पंजाबीयन, सब्जी मन्डी, दिल्ली,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभना की राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी की पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्रौ० नं० 2535 घ्रोल्ड नं० 3600, तादादी, 72 वर्ग-गज, बस्ती पंजाबीयन, सञ्जी मन्डी, दिल्ली।

> ने० वासुदेवन सक्षम प्राप्तिकारी सहाब अाय रुर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोंज-2, नई दिल्ली,

नारीष 11-7-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुलना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 ज्लाई 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एस्यू०/2/एस० ग्रार०/1/ 12-84/774---श्रतः मुसे, के० वासुदेशन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं।

ष्पौर जिसकी सं० 111/130~132 ष्पौर 131, हैं तथा जो मौहल्ला जटवारा पुल मिठाई दिल्ली, में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावत प्रनूसची में पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्री-कर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्द्वीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बार 1984।

को पूर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :——
15—226 GI|85

- (1) भै० पुरन चन्द भ्रारोड़ा चैरिटेबल ट्रस्ट, द्वार श्रीमान श्री पुरन चन्द श्रारोड़ा, 12/11, शक्ति नगर दिल्ली.
 - (गन्तरक) इस्म बिल्डिस को-घोषरेटिय सोमाग्रही
- (2) दिल्ली हाऊस बिल्डिंग को-ग्रोपरेटिव मोसायटी, 1001-1004, गली तेलीयान, नावल्टी, दिल्ली, द्वारा वाइस प्रैसिडेन्ट श्री प्यारा लालू [(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति हो अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों वा, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्री० नं० $\mathbf{X^{III}}/130$ -132, 131 (सटेयर केस) \mathbf{I} ताटादीं \mathbf{I} $\mathbf{38}$ - $\mathbf{-60}$ वर्ग गज, मौहल्ला जटवारा, पुल मिठाई, दिल्ली \mathbf{I}

के० बागुदेवन स्थान पाधिकारी

सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

[प्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 11-7-1985।

मोहर:

ě

क्ररूप जाइ[‡]. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निराक्षण) श्रर्जन र्रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देण सं० म्राई० ए० सी०/एक्स्यू०/2/एस० म्रार-1/ 12-84/775→-म्रातः मुझे, के० वासुदेधनः

बावकार अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर न्यणित , जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्नौर जिमकी सं० 46, ब्लाक जो-3 है तथा जो माडल टाऊन दिक्ली में स्थित (अतेर इससे उपाबद श्रन्सूची में पूर्ण रूप मे वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता हम्रधिकारी के कार्याल य नई दिक्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984।

को प्रॉब्स संपत्ति के उचित वाजार मत्य से कम के रहशवान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और पुष्टे यह िश्वास उपने का कारण है कि सभाप्योंक्स संपत्ति का उचित जाजार मृत्य उसके रहश्यान प्रतिफल से, एसे रहश्यान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब्ध्याम नया प्रतिफल, निम्निचिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कार्यन पड़ी किया वया है हिन्स

- (क) कल्लाक से हर्ज कियी बाद को जावन सक्त शीध-निवस के कथील कर दीने के बलारक के दावित्व में कर्मी करने वा उससे ब्यूबों में सुविधा के सिये; ब्रीडिंग्वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या कन्य आस्थियों का, चिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा वी किया

मृतं मृतं, उस्त विधिनयम, की धारा 269-मृ से वसूबहुम् मं, मं, अस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन,, निम्निसिसित व्यक्तियों, वर्धात् इ—

- (1) चरीमतानिया उमा संधु तत्नी श्री जै० सी० सन्धु निवासी जी-3/46 माडल गाऊन, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) (1) शशि श्रग्नवाल पत्नी राजेन्द्रा कुमार श्रग्नवाल (2) रुकमणी श्रग्नवाल, पत्नी श्री जितेन्द्र श्रग्नवाल निवासी-3854, गली मंदिर वाली, पहाड़ी धिरज दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्रवीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त संपर्कत के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या उत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के शायपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जी सकोंगे।

रपक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, खों उस अध्याय में दिया गवा हैं।

भ्यस्यी

2-1/2 भाग, प्रौ० न० 46, ब्लाकं जी-3, नादादी-145.15 वर्ग गण, माडल टाऊनदिल्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारीं महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण स्रर्जरेंज-2,नई दिल्ली,

तारीख 11-7-1985। मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार० 1/ 12-84/776--श्रतः मुझे, के० बासुदेवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 3/16, है तथा जो ईन्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इनसे उनाबढ़ ग्रनुमूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख़ दिसम्बर-84

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हथ से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

(1) श्रीमती मोहिन्दर कौर पत्नी श्री सुजान सिंह, निवासी-8, ईस्टर्नवीव, महारानी बाग, नई क्लिली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री भूषण चन्द (2) श्रीमती राज कुमारी, (3) श्री बहादुर चन्द, निवासी 3/16, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणं करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणं: ---इसमें प्रयुक्त इव्हों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रौ० न० 3/16, ईस्ट पटेल नगर, नई विल्ली।

के० वासुदेधन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, न**ई** दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1), को अधीन, निम्नलि<u>ष्</u>ति व्यक्तियों, अर्थात् हि—

तारीख: 11-7-1985

माहर 🖫

प्रकृप आहु<u> . टी. एन . एस . -----</u>

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनाँक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० म्र/ई०ए०सी०एक्स/यू०/2/एस० म्रार-I 12-84/777—म्रतः मुझे के० वासुदवन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 575, ब्लाक सी, है तथा जो मजलिय पार्क, ग्राम ग्राजाद प्र, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर उपाबद्ध ग्रन्सूनी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख दिसम्बर 84।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल से अधिक है करेर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं। उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि——

- (1) श्री सुरिन्दर कुमार पुत्र राम किश्वन, निवासी एल०7, मल्का गंज, सब्जी मन्डी, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री राम जनेश्वर जैन श्रीर नरेन्द्र कुमार जैन सुपुत्र स्व० श्री पूरन चन्द्र, निवासी-बी-4 महात्मा गाँधी रोड, भादर्भ नगर, दिल्ली। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बग्त्ची

प्लाट नं० 575, पलाक न० सी०, तादादी-216 वर्ग गर्ज, खसीरा नं० 63, रवन्यु० इस्टेट, ग्राम ग्राजाद पुर, मजलिम पार्क दिल्ली ।

> के० वासुंदवन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख 12-7-1985 मोहर:

प्रकप बार्ड वी क्न प्रस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-12-84/778---ग्रतः मुझे के० वासुदेवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्श अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- ऊ. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० एफ-31 26, है तथा जो माडल टाऊन, दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरी ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक लूँ और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उत्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ६—-

- (1) श्री गुलाभन कुमार बक्शी सुपुत्र स्व० श्री गोधिन्द राम बक्शी, निवासी एफ-3/28, माडल टाऊन, दिल्ली, श्रटारनी श्राफ सिस्टर एन्ड बदर्स, (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कविता झम्ब पत्नी श्री रजनिर सम्ब, श्रीर रजनिश कुमार झम्ब मुपुत श्री गंगा राम झम्ब, निवासी बी-182, गुजरानवाला टाऊन, दिल्ली। (श्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिश की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्**त्र्यो**

एस० एस० हाउःस प्लाट नं० एफ-3/26, माडल टाऊन, दिल्ली, तादादी 272.22 वर्ग गज।

> के० वामुदेवन मक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 11-7-1985। मोहर:

प्रस्त नार्षं ३ टी व रत्. एव ,----

भागकार विभिन्तियम, 1961 (19**61 का 43) की** भारा 269-म (1) के नभीत बुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाव्क्स (निर्क्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 12 जुलाई 1985

निर्देई सं० म्राई० ए० सी० /एक्यू०/2 एस० म्रार-1 12-84/779—म्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

नायकर भौधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसनें इसके परचात् 'उन्त मधिनियम' सहा गया ही, की वास 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने सा कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित वाधार मृश्य 1,00,000/- रहे. से अधिक ही

भीर जिसकी सं 5653, है तथा जो कुचा खान चन्द, नई सड़क दिल्ली है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और

पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रस्जिट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख दिसम्बर 84,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वरेश्य से उक्त अंतरण सिखत में वास्तिकक रूप से किया गड़ी किया गया है ॥——

- (क) बन्तरण ते हुई कि वी भाव की वावत, उक्त बीधनियम के वंभीय कह देने में जन्तरक के दावित्व में क्रमी करने या उससे वचने में सुविधा के विद्युः वीट्/वर
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की विनहें भारतीय आयकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उचत निभिनयम, वा धव-कर जिथिनयम, वा धव-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

सतः अव. उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियस की धारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) श्रीमती कमला वती खन्ना पत्नी शिव निवास खन्ना, 5653, कूचा खान चन्द, नई सड़क दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कन्हैया लाल बन्सल फैमली ट्रस्ट, 1143, कूचा हरजस मल बाजर सीता राम, दिल्ली-6, द्वारा घीफ ट्रस्टी श्री भगवान दास बन्सल। (श्रन्तरिती)

कां यह सूचला जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीच हैं, 45 दिन की सविभ या तत्सविभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविभ, जो भी सविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (व) इस सूचना के डाइस्च्य में प्रकायन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नंपर्तित में हितवव्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जधोहस्साक्षरी के पास जिल्हिस भें किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में पट्टिन भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया हैं।

मन्स्ची

प्रो० नं० 5653, प्लाट तादादी-81 वर्ग गज, कुचा खान चन्द, नई सङ्क, दिल्ली-110006।

> के० वासूदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली∎110008

तारी**ख** 12-7-1985

मोहर 🛭

प्रारूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली मुई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आप-/ 12/84/780--अतः मुझे, के० वासुदेवन,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्ते इत्तर्जे इत्तर्के परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, वित्तका उजित बाजार मृख्य 1,00,000/-क से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0.5/7, है तथा जो प्लाट नं 0.03, रूप नगर चिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कायलयों महि विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्मिति के उपित बाजार मूल्य ते कब के खरवान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूओ, यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापृष्ठित सम्मिति का उपित बाजार बृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिकत से, एमे ख्रयमान प्रतिकत का प्रेष्ठ प्रतिकत का प्रेष्ठ प्रतिकत का प्रेष्ठ प्रतिकत के प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नीतिवित उद्वेष्य के उक्त अन्तरण कि बितित में वास्तिक रूप से कीचत कर से किथित वहीं किया नवा है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाथ की नावस, उसत जीवितियम के अभीन कर दोने में अम्बारक में दायित्य में कभी करने या उसते वचने में सुविधा से बिए; और बा
- (क) देशी किसी बाध वा किसी वर्ग वा अन्य काहिस्तानी की, जिन्हों भारतीय वाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट सहीं किया वना वा वा किया वाना वाहिए वा, विभाने को स्थिता के विश्वा के विश्व के विश्वा के विश्व के विश्वा के विश्व के विश्वा के विश्वा के विश्व के विश्व के विश्व के विश्व के विश्व के विश्व के

करें: क्यं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण कीं, कीं, अक्त अधिनियम की कारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतींवत व्यक्तियों, कथान् हि— (1) मैं ० पी ० जे ० पी ० बिल्डर्स, 3058-63, दें बन्धु गुप्ता रोड़, भई दिल्ली, द्वारा पार्टनम् श्री जे ० एल ० ग्रोबर

(अन्तरक)

(2) श्री राजिश्व मिनोचा सुपुत्र श्री इन्दर नाथ भिनोचा, श्रौर श्रीमती राज मिनोचा पत्नी श्री इन्दर नाथ मिनोचा, द्वारा हर जी० ए० श्री इन्दर नाथ मिनोचा, निवासी फ्लैंट नं० 3, रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यिष के अर्थन के किंद्र कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत राज्यक्ति के वर्षान के सम्बन्ध में क्रोड़े भी बाक्रेप ध---

- (क) इस बुक्ता के संबद्ध में प्रकारक की तार्डीय है. 45 कि की बनिए ना उत्सादक की स्विधिक है का क्षण की तामील से 30 बिन की सनिधि, जो भी क्षणि बाद में स्माप्त होती हो, के बीक्र प्रवेक्स क्षणियों में से किसी क्षित्य हुवाकुर
- (क) इस स्थला के राजपण में प्रकाशन को तारीश से 45 किन के भीकर उनत त्थावर कमित में हितवक्ष देखती कृष्य ज्यानक ह्याचा ब्यांक्षतालाडी में पास दिवास के स्थित जा स्थीन डी

स्पष्टीकरणः ---इतमें प्रवृक्त लग्नों भरि वर्षे का, जो उन्ह विधिनवय, से सम्मान 20-क में दिशावित हैं हों क्यों होंगा, वो उस सम्माय में दिया क्यों हैं

अमुसूची

प्रॅं० न ० 5/7, बैरिंग प्लाट नं ०-3, रूप नगर, दिल्ली, तादादी-1300 वर्ग फीट बेसमेन्ट फ्लोर, तादादी-900 वर्ग फिट, ग्राउन्ड फ्लोर।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त नि(रीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली 110

तारीख 11-7-1985 मो**हर** 🖫 प्ररूप बाइँ, टी., एन्., इस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक । 1 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/1284/785—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

न्नीर जिसकी सं० 25/133, है तथा जो 11722, मिनत नगर, दिल्ली, में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख दिसम्बर 84

का पूर्वोक्त सम्मित्त के उजित बाबार मून्य से कम के बश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मित्त का उजित बाबार मूच्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एरो क्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिभत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिक् तथ पाम बया प्रतिकस्म, विम्नीतिश्वत खब्दोस्य से उक्त कम्बर्च किवल के अस्तिक क्य के कास्तर नहीं किवा वया है :---

- (क) अस्तरण सं हुई जिसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के अधित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविध। के लिए; बीर/या
- (६) ऐति कि.ली आज १) कि.सी धन रा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विषया जाना चाहिए था किया स्विमा के सिए;

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन . निम्निनिकत व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री सत्या पाल एन्ड श्री राज पाल सुपुत्र स्व० श्री राम चन्द बौत, निवासी ए-52, गुजरानवाला टाऊन, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एयाम लाल रस्तोगी पुत्र स्व० श्री जय नारायण, निवासी--25/133, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाबन की तारींब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीक रूप र — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गवा है 🗈

अनुसूची

प्रौ० नं० 25/133, मुनिसीपल नं० 11722, शक्ति नगर, दिल्ली, तादादी-200वर्गगज ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली- 11000

तारीख 11-7-1985 मोहर अ प्रक्रमार बार्ड : टी ह एक् , एक ह ----

नायकार निधितियस, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

तिर्देश सं० आई० ए०सी० एक्यू० 2/एस० आग-1 1/12-84/787—अतः मुक्षे. के० बासुदेवत,

कावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्यित, विस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० हाऊस नं० 30, है तथा जो रोड़ नं० 7, पंजाबी बाग, दिल्ली, में स्थित है (ग्राँग इसमें उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से विगित है), रिजिन्हीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, नई दिल्ली, में भारतीय रिजिन्हीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख दिसम्बर 84

को प्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने करूने का कारण है कि यथाप्यों के सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफाल हो, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफाल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आम की वायत उक्त जिथ-निवस की जधीन कर वोने के जन्तरक के दायित्व जो कमी करने या उत्तसे अधने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त क्विनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के सिएह

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के क्षीत निक्कितीनत व्यक्तियों, अवस्ति क्षेत्रक 16—226 GI|85

- (1) श्री आर० एत० वर्मा पुत्र श्री गीला राम, कोटी नं० 30, रोड़ नं० 7, पंजादी बाग, दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती राज वारीया एत्नी श्री गुरदीए सिंह तिवासी-52/23, रामजम रोड़ कैरोल वाग, पई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृजाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हो।

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की सामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, जो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- ब्रुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्थानकीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, तहरें अर्थ होगा. जो उन अध्याय में दिया। वका हैं।

अनुसूची

हाऊस नं० 30, रोड़ नं० 7, पंजाबी बाग, दिल्ली।

कें ० वामुदेवन सक्षम पाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली 110002

तारीख 11-7-1985 मोहरू ∎ प्ररूप बाइ .टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

भारत मरकार

भार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन भेज-०, नई विस्ती

वई दिल्ती, दिसाँछ 12 नुवाई 1985

निर्येण सं० आई० ए० नी ०/एकाू०-2/एस० आर०-1 12-84/788- अतः मृते, के० बासुदेशाः.

आएकर राधिरियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अन्ति गधाय प्राधिकारी को यह विश्वास दारों का काणा के कि स्थापर राष्ट्रीर, विश्वा अवित बाजार गल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीण विद्याही गंव प्रौव नंव 3532 से 3534 स्रीय 3535 है तथा जो नेपानी गुमाप मार्ग, द्यीया गंज, वार्ड नंव 11, नई रिल्मी, में स्थित है (स्रीय संगे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप ने विद्यात है), रिल्मी जो अधिवारी के वार्यालय नई चिल्मी, में भाजनीय विद्यानिय अधिवियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन त्यांग्य दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मृत्य में कम के हश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाएबेंक्ति सम्पीत्म का उचित बाजार मृत्य, समके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकों (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उददेश्य से तकत अन्तरण स्थितिन में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया एक हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के डारित्व प्रो कमी करने या उससे बकने में सुविभा के लिए बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन ए। एए अस्तियों को ति जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम ति १९२२ (1922 को 11) या अवत अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किसा जिला करा स्टीहिए था, कियार में मुविधा के लिए

बतः अब, उक्त बधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नियिसिक यिक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री जोगिन्छ निह सुरिष्ट्र निह श्रीर श्री बलवी हिंह मुपुल श्री क्षप्त पिह, तिवासी 3540, नेटाजी मुभाष मार्ग, दरीया गंज, नई दिल्ली। (अन्टरक)
- (2) श्रीमती रारोज राजनोक पत्नी श्री जशवार सबलीक श्रीमती नीलम सबलीक पत्नी श्री विनोद सबलीक, मास्टर विकम नवलीक माइनर पुत स्व डा ० हरविर जिल रावलीक, द्वारा हर मदर श्रीमती मुपमा रावलीक जिलासी-28/17, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थना आरी करके पृथींकत सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीं कर समाप्त होती होती होता हवारा;
- (स) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अवश किस्ते अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्साक्षरी वे गम लिसित में किए जा मर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

क्षतमधी

प्रौ० नं० 2532 से 3534 श्रीर सहाबर केस नं० 3535, हाहादी 56.00 वर्ग गज, नेताजी सुभाष मार्ग, दरीया गंज, बार्ट नं० 11, नई दिल्ली।

> के ० वासुदेवन गक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली-110002

हारीख 11 -7-1985 मोहर : प्ररूप आईं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिगांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई/12-84/544—अतः मुझे के० वासुदेवन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संज्ञाह नंज 5 है तथा राजकारायय रोड, सिविल लाईन, दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उापबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, पई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, दे अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तर्भ निम्नलिखित अन्तर्भ निम्नलिखित अन्तर्भ निम्नलिखित अन्तर्भ निम्नलिखित से स्वर्थ निम्नलिखित सम्पत्ति स्वर्थ निम्नलिखित सम्पत्ति सम्पत्ति सम्मलिखित सम्बर्ध निम्मलिखित सम्बर्ध समास्ति सम्मलिखित सम्बर्ध समास्ति समासित समा

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सांबंधा के बिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती रेनुजा, निवासी डी-1/101 ए, सत्य मार्ग, चाणक्य पुरी, नई दिल्ली।

(अन्हरक)

(2) श्री मोहन लाल मगंला, निवासी 1961, कटरा सहगदाही, चादनी चौक, दिल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति दवारा, अश्रोहस्ताक्षरों के पास निर्मित में किये जा सकेंगे।

स्यव्दिकरण : इपमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्द बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा स्याहाँ!

अनुसूची

फ्लाट नं ० 5, 2, राज नारायन रोड, सिविस लाईन, दिल्ली, तादादी-2000 वर्ग फिट ।

> कें ० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-7-1985

मोहर:

प्रकृष बाह् हैं। हो है हम् व दक्त ----

आयंकर तीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चु (1) के अपीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, श्रहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश मं० आई.० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/12-84 545--अत: मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० बिव्डिंग नं ० 3, हैं तथा जो अराम बाग नई दिल्ली, में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजिस्ट्री जर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जित रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961, के अधीन दारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बागर मृत्य से कम के अवमान प्रतिफान के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विष्यास अपने का कारण है कि सभापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजर मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिफान से, एसे अवस्यमान प्रतिफान का पत्यह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरम के सिए तम पाम बना प्रतिफान, जिम्मीकिंग उद्देश्यों से उसके अन्तरम विवित्त में वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्दाइन वे हुई किनी बाय की बावसा, उनका मीभिनिदाय के बभीन कर बोगे के बन्दाइक के स्वीयस्थ मों कभी करने या उससे यमने मां कृषिका के खिए; भीव/बा
- (स) ए'सी किसी बाब या किसी धन या अन्य अपित्यों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 की 11) या उक्ल अधिनियस, या धन-अर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैं ० भनोट प्रोनाटीय एन्ड इन्डस्ट्रीज लि०, 102-103, राजा हाऊम, 30-31, नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मं ० मिमानी एन्ड सन (एच० यू०एफ०), पी-16, साऊथ एक्सटेन्सन भाग-11, नई दिल्ली । ﴿ (अन्तरिती) है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबहुष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्माब्दीकरणः --- इसमें प्रयादत गब्दों और पदों का, जो उसत विधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया भग हैं।

अनुसूची

मैजिनिन फ्लोर बिल्डिंग नं ० 3, अराम बाग, नई दिल्ली (लोकल शॉपिंग सेंटर) नादादी 270 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली,न**ई** दिल्ली-110002

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

तारीख 11-7-1985 मोहर : प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

बाथकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० नी ०/एक्यू०/2/37ईई/12-84~ 546---अर : मुझें, ये ० वासुदेवत,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्रिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिस्की सं 0 15/10070 थार 10071 है तथा जो गली न0 1, मुलतानी डन्डा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन नारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उक्ति बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निषेत्र में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में श्रीकधा के सिए; आदि/आ
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए?

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह

(1) श्री बलबीर सिंह द्वारा अं।ममानः विज्ञाप जी ० 24/2, मारीना श्रीरकेड बदनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्त्रक)

(2) मैं ० हिन्दुस्ताल प्लाईबुड 2/2, देशबन्ध् गुप्ता रोड, पहाड़ गंज नई दिल्ली।

(अन्हरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुई।

चक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

बन्स्पी

प्री० नं० 15/10070 एन्ड 10071 गली नं० 1, मुनतानी डन्डा, पहाड़ गंज, अई दिल्ली, ग्राउन्ड फ्लॉर तादादी 675 वर्ग फिट, पहली मंजिल दादादी 202 वर्ग फीट।

> कुँ० वासुदेवन सक्षम प्रधिकारी सहायक आयुरुर आयुरुत (निरीक्षण) अर्जनरोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख: 11-7-1985

मोहर:

प्रथम काह्रे. टी. एन. एक. न - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन मुखना

भारत सहस्कार

कार्यालय, बहायक जायकर आमुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1,1 जुलाई 1985

तिर्देश सं० आई० ए० सी०/एनपू०/2/37 ईई/12-84 $^{/}$ 547—अतः मुझे, के० वास्देशन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० फ्लाट नं० 383, है स्था जो ए-5 एन्ड ए-6, रसजिस सगर, एई दिल्ली में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णिस है), रिजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी के वसर्यालय अर्जन रेज-1, नई दिल्ली भारतीय आयक्षर अधिपियम, 1961 के अधीव सारीख दिसम्बर 1984.

को प्रवेक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करते का कारण है कि प्रथाप गिंवत नेपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पामा गमा प्रतिफल, निम्नितियत उद्देष्य से उनत अन्तरण निविद्य में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गमा हैं:---

- (क) अन्तरण संहृष्टं किसी आय की अन्तर, उप्पर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; अर्रि/या
- (ब) एसी किसी बाय था किसी धन या जन्म आस्सियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तरिती बुदारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए को अनुसरण भी, बी उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निवि**ष्टित व्यक्तियों** अभित् :---

- (1) मैं ० विश्वा प्रोतरटीज (प्रा०) लि०, जाँथी मंजिल सीहाला हाऊस, 73-74, नेड्क पलेस, नई दिल्ली। (अन्दरक)
- (2) मैं ० सैमको इलैक्ट्रीकल, 9/5, ईस्ट घटेल तगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यगाहियां करला हुं।

एक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई मी जाक्षेत्र 🗝

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाम निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, श्री उरस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

बुक्डि पनाट नं० 303, मस्टीसटोरी बिल्डिंग नं० ए.०-5 एन्ड ए-6 कम्यूनिटी सैन्टर रक्तित तगर, नई दिल्ती सादादी-497 वर्ग फिट ।

> नें० वासुदेवन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-7-1985

मोहर 🛚

प्रकार वार्ष, टी., एन., एक., ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यान्य, सङ्गाणक आयक्तर अव्यक्त (निर्देशका) श्रजीन रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश म० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/12-84/548—श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

बायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (विवसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्नास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्बक्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 1,00000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बी-2/3, है तथा जो नैनीवाला बाग, श्राजादपुर, दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है। रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधितयम 1961, के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है जार अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निसिखित उददेश्यों से उल्ल अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप में कश्चित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एरंगी जिसी आम या फिली धन या कन्य आस्तिकी का जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियंक, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियंक, 1922 का 11) या उन्त अधिनियंक, या अनकर अधिनियंक, 1957 (1957 का 27) के प्रकोणनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आदिए था, फिपाने में स्विभा के लिए:

मतः। जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) हे अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मैं० सार्प कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्रा० लि०, बी-88 जी० टी० करनाल रोड इन्डम्ट्रीयल एरीम्रा, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) इपिरियल इन्टरनैशनल प्रा० लि०, डायरेक्टर कतवल नैन कीर, 12/17, शक्ति नगर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

का ग्रह म्चना जारी करके प्यांकत संपरित के कर्जन के लिए कार्यवासिकां कारता हा।

एक्स एक्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कार्य भी बाओप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कह ख्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बात सिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कान्द्रों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ झोगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

मार्प भवन, बी-2/3, नैनीवाला बाग, ग्राजादपुर, दिल्ली, तादादी पलाट नं 4, पहली मंजिल।

कं० वासुदेवन सक्षम श्रधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-7-1985

मोहर :

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/37 ईई/12-84/ 549—ग्रतः मुझे, के० वामुदेवन,

बायकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए-8, है तथा जो ब्लाक "ए, 45, द आल, दिल्ली-7, में सि त है (ग्रीर इसमे उापबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961, के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविती में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बार्यित्व में कभी करने या उससे बचने में तृतिया के लिए; बौर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों का जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) मैं० रेनटेरस एन्ड फाइनसर प्रा० लि०, प्लाट नं० 4, 'दक्षिणेणवर' 10, हैली रोड़, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैं० नारायन कोल्ड स्टोरेज एन्ड ग्रलाईड इन्ड-स्ट्रीज प्रा० लि०, 26-मी, लारेंम रोड़ इन्ड-स्ट्रीयल एरीया नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को मह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप हु---

- (क) इस स्वना क्षे राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० ए-8, ब्लाक 'ए' 45, द माल, दिल्ली-7, तादादी 313 वर्ग गज।

> के० वासुदेवन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख 11-7-1985 मोहर 🕄 प्रश्नम अपूर्वः ही. एवः एव_{ः वनगण्यस्य}

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 ईई/12-84-550--श्रतः मुक्ते, के० वास्देवन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इस

श्रीर जिसकी सं० ग्राउन्ड फ्लोर नं० 07, है तथा जो एम० जी० हाऊस, वजिर पुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961, के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ग्राजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिकत के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार बृज्य, उसके स्वयमान प्रतिकत्त से ऐसे खबनान प्रतिकत्त का बन्द्र गतिस्त से अधिक है बीद संस्टब्स (बंदरका) और बंदरिती (बंदि-तियाँ) के बीच एसे बन्दरम के सिए तम पाना नवा प्रति-क्य गिल्मिलिया स्वयंत्र से स्वत बंदरम जिल्हित में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है है—

- लिए कलायण से शुक्त किसी बाय की बावत अवस्थ सर्थिल नियम की अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा की लिए बीड/पा
- (व) वृंदी किसी नाथ का किसी थय ना वण्य नारित्यों की, विक्र पारतीय मामकार मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते मिनियम, रा धन- कर विभिन्नमा, 1957 (1957 का 27) की अधीवमार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वृंधा वा वा किया भाग वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती राज मलिक, निवासी--डी-1104, न्यू० फैंडेस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

(2) एस० कुलदीप सिंह, निवासी-4,-सी०, ब्लांक 9, पोकेट बी०-फेज- , ध्रशोक बिहार, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के किस् कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की सारी बंधे 45 दिन की बदिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वात की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंब व्यक्त किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के नास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदौं का, जो उक्त विभित्तियम के बच्चाय 20-क में परिभाषिष् है, यही बुध होना को उस अध्याय में विमा नवा है।

अनुस्ची

ग्राउंड फ्लोर नं० 07, एम० जी० हाऊस वजिर पुर, दिल्ली, ताबादी-268 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) "श्रर्जन रेंज-2, नई ैं दिल्ली-11

तारीख: 11-7-1985

मोहर :

वक्षाः, बाह्यं, दर्शः, एकः, वकः व व

बावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

BICE STAR

कार्नासम, सहानक नामकर नाम्कत (निरीक्षण) धर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० माई० ए० सी० /एक्यू०/3/37 ईई/12-84 687—धतः मुझे सुनील कोपड़ा,

नावकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) (वित्र इसमें इसके वस्तात, 'उनत निधिनियन' कहा गया हैं), की धाड़ा 269-य के नधीन बनन प्राधिकारी की यह विस्थास करने का कारण है कि स्थानद्व सम्भित, विस्तका उधित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. ते निधक है

और जिसकी सं • 31, है तथा जो जैन को-प्रांपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लिं०, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे, उपायद धनुसूची में पूर्ण रूप से बींगत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रविकारी के कार्यालय, प्रजैन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 19€1, के प्रधीन तारीच दिसम्बर 1984

को नुर्वेदित बल्गीसा के जिन्दा बाजार मृत्य के अब के दश्यकान शिवक्य के जिए अकारित की नहीं हैं। और मुख्यें यह किस्ताक कर्म का कारण है कि व्यापूर्वोक्त बंदरित का उज़ित् बाजार मृश्य उबके क्ष्यमान प्रतिकल ते, एते क्ष्यमान प्रतिकल, का पन्तक प्रतिकत से अर्डिक ही मोड बन्दारक (जन्दारकों) और अन्तिरिती (अन्तिरित्वा) के बीच दोने अन्तरन के निए तय वाया गया प्रतिकल निल्मीनीविद उज़्दोबन के क्ष्यत अन्तरन जिल्ली में बास्तिक कर के सीचत नहीं किया बया है है—

- (का) अन्तरका सं कृष्ट किसी बाच करी बाक्स उकता किसिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में किसी करने या उससे क्याने में सुविधा के सिए; और/का
- (क) इंबी कियी नाय या कियी भन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुक्थित के निवा

नतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण ने, त्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारत (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात :--- (1) श्री पदम चन्द जैन, 841, भोजपुरा, मालीवाड़ा, दिल्ली ।

(भ्रन्तर**क**)

(2) श्री सुभाष चन्द्र गोयल, एफ० नं० 15, सी-40, द्वारका सदन, कनाट पलेस, नई दिल्ली। (मन्तरिसी)

की यह त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के सिए कार्यनाहियां कारता हो।

उन्त तम्मीत के मुर्चन के सम्बन्ध में कोई भी मासेप:--

- (क) इब बूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीय वें 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय ह्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

त्वकाकरण :--इसमें प्रमुक्त खुरुवों भौड पदों का, जो उच्छ शीभिन्यम के अभ्याय 20-क में परिभावित है, नहीं वर्ष होगा को उस अभ्याय में दिया प्या है।

नन्सूची

प्लाट नं • 31, जैन को-मांपरेटिव झाऊस बिल्डिंग, बोसायटी लि • हुबली इनकलेव, दिल्ली तादादी 232.33 बर्गे गज।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीच : 12-8-1985

मोइन्ट :

दक्ष बार् दी एन् एर अ-----

नश्यकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृभीन सुचना

प्राच्या सम्बद्धाः

कार्बासक, सहायक बावकर जावृत्क (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 12 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं श्राई० ए० सी ०/एक्यू ०/३/37 ईई/12-84/698—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके प्रचात् 'उन्त अधिनियम' काहा गया हूं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ए-5, है तथा जो नीती बाग, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रामकर श्राधिनिम 1961, के श्रशीन तारीख दिसम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के किए तथ पत्था गया प्रतिफल निम्नितिवित उच्चदेय से उक्त अंकरण लिखित में बास्तविक स्टू से क्ष्युंच्य नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण ते हुई किती जाव की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (थ) एती किसी भाग या किसी धन या जन्म आस्तियीं को प्रिकृत भारतीय जावकर वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्क कर्षिक्षण, वा धृतु-क्रूर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अस्त्रिती व्याग्र प्रकट नहीं किया गय। भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से किया ॥

जतः जब उसर विधिनियम की धारा 269-ग से जनुतरण में, में, उक्त जिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निस्नितिचित व्यक्तियों, जर्मात ड—- (1) श्री कान्ती लाल हानी, निवासी वी-1/पूसा रोड, नई दिल्ही ।

(अन्तरक)

(2) भी भी॰ न्नार मृदुत्त, निवासी एम-90, बेटर कैलाश-1, नई बिल्ली।

(भन्तरिया)

को यह तुमना चारी कहके पूर्वोक्त तन्त्रीत के वर्षन के सिध कार्वनाहिमां गुरू करता हते ।

उक्त सम्मिति के वर्षन के तस्थन्य में कोई भी वालोई ह---

- (क) इस स्थान के हायपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दूर स्थान की तामीस से 30 दिन की जबिथ, धो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के जीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वास;
- (व) इस सूचना के राज्यत में प्रकाबन की तार्रीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पित में दिरावस्थ किसी अन्य स्थानित ब्वारा अधोहस्ताकरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाधिकरण: — इसमें प्रमुक्त घट्यों और वर्षों का, को सकर व्यक्तिवृत्र के कथ्यान 20-क में वरिधावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्यान में क्रिका वृत्रा हैं।

मन्त्रवी

प्रो॰ नं॰ ए॰-5 नीती भाग, नई बिल्ली तादादी \$53.33 मर्ग गज, एक मंजिली नकान ।

> सुनील कोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सह्यामक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) प्रर्णन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**व**: 12-8-1985

मोहर 🋫

प्रक्ष भाषां दी, एक, प्रकृतन्त्रान्यवस्था

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) वे वधीन क्ष्या

बारव धरकात

कार्याचय, सहायक नायकार नामुक्त (किट्रीक्स)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनाँक 5 श्रगस्त 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ई० ई०/12-84/699—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इत्तर्में इत्तर्के प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० श्रार-9/3, है तथा जो विकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961, के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पतित के उचित नाजार मूल्य से कन के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पावा नया प्रति-अब निक्तिविक उद्देश्य के उनत बन्तरण जिल्ला में वास्त्रिक अन से कवित नहीं किया द्या है अ—

- (क) जन्तरन वे हुई कियी नाव की नावड उनद शिय-नियम के अंशीन कर दोने के जन्तरक के समित्व में कवी कहुई या कब्दी बुझने में चूरिना के बिए। क्रीड/का
- (क) एती किसी नाम ना किसी पण ना नाम नास्तिनों की, किसू भारतीय नामकर नीधीनयम्, 1922 (1922 का 11) या उन्तर निधीनयम् ना पण-कर निविज्यन, 1957 (1957 का 27) के प्रकालनाम नन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया नया था या फिया जाना चाहिए था, कियाने में तृतिधा के जिल्हा

जतात्र ब्रंब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कें. बनुसरण में, म⁵, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, निम्निशिक्त व्यक्तियों, अधार्तः-— (1) श्रीमतो सुमन हजिला, निवासी-डी-1/50, बसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० एन० गुप्ता (2) श्री स्रो० एन० गुप्ता (3) श्रीमती कमला गुप्ता (4) श्रीमती संगीता गुप्ता स्रोर श्रीमती पत्री देवी निवासी 694, चर्च रोड़ सिविल लाईन, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

स्त्री थष्ट्र सूचना चारी करके पूजाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की जनिए, को भी नविष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनाइकृ
- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में दिला-बद्ध किसी बन्ध ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्तों भीर पूर्व का, जो सक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिसा नया है।

वनसची

प्रौ० न० भ्रार-9/3, विकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली तादादी 501, वर्ग फिट ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-8-1985

मोहर 🖫

प्रकण कार्ड .टी .एन .एस-======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक मायकर वायुक्त (भिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 8 श्रगस्त 1985

निर्वेश सं० थ्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/12-84/700--- अतः मुझे, सुनील चोपड़ा।

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 69, है तथा जो जनता को-ग्रोपरेटिय हाउस बिन्डिंग सोसायटी लि०, दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्राकर ग्रिधिनियम 1961, के ग्रिधीन नारीख दिसम्बर 1984।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विष्णाने में सुविधा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की शारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1} को अधीन, निम्नलिखित स्यक्तिस्तां, अर्थात् ∷—-

- (1) श्री विरेन्त्र नाथ सूद सुपुत्र स्व० श्री प्रान नाथ निवासी ए-7 हौज खास नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गुरचरन दास जैन मुपुत्र स्व० श्री एफ० सी० जैन निवासी-एल०-214 साकेत नई दिल्ली। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वय्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० 69, तादादी-300 वर्ग गज, जनता को-भ्रोपरेटिव, हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लि०, मीरा बाग, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, विल्ली नई विल्ली-110002

तारीखा: 8-8-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जगस्त 1985

नई विल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्वां सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./3/37 र्ड्ड/12-84/701—अतः मुभ्ने, सुनील चोपड़ा, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चाक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. आर. जे. ए. 204, है तथा जो 60/26, पर्वत मार्ग, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), अर्जन रीज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं बुधों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रथमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गर्ध है और बौर अंतरकः (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गवा प्रतिफल, निम्मलिखित अब्हें से से उचत अन्तरण सिचित में नास्तविक रूप से क्रिकेट प्रहों किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुई हिंकसी भाव की वानत, उनत अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके वचने में बृष्टिभा दायित्व के लिए; जौर/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अस्य अहिंदावी ना जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, का धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

श्रद्धतः वया, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण मों, मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्निसिक व्यक्तियों वर्षात्रः—- (1) राज राहुल कन्द्रकशन एन्ड बुर्ल्डस (प्रा०) लि॰, एन०-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुधा जैन, पी० फ्लैट सागर एर्पाटमेन्टस, 6 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

कर्रमङ् त्वना जारी करके वृश्येक्त सम्पत्ति में वर्षन के सिष् कार्ववाहियां कुरू करता हुं।

बन्तः सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई औं आर्थन हुन्स

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताणील से 30 दिन की बन्धि, जो भी अवधि वास में समान्त होती हो, जे सीतर पूजींका व्यक्तियों में से किसी अवधित व्यक्तियों में से किसी अवधित व्यक्तियां।
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीं के की 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्ब्ब्बिकरणः इसमें प्रमुक्त घट्यों और पर्यों का, को उक्त महिन्दिनम्, को नभ्यान 20-क में परिभावितः ही, मही नर्थ होगा, जो उस सम्भाय में दिना गना ही।

अन्सुची

श्रार० के० ए० 204 (यू० जी० एफ∙), 60/26, पर्वत मार्ग, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली, ताबादी-2⊕4 र वर्ग फिट ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**य**: 8-8-1985

नोहर :

प्रकृष बाई .टी .ध्न . एव .------

आयकर अधितिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) की अधीन स्चना

भारत तरकार

काअश्विक, सहायक कायकर कायक्त (निरक्तिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई विल्ली दिनौंक 5 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य्०/3/37 ईई|12-84/702—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

बावचर बंधिविवयः 1961 (1961 का 43) (विधे प्रसर्ने इसके प्रकार के बंधित वर्षा क्या क्या वर्षा है); की धारा 269-व के बंधील बंधाव प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि क्यावर संपत्ति जिसका जीवत वाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं० एफ-32, है तथा जो 2-ए, बिकाजी कामा
पलेस, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली,
भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961, के श्रिधीन तारीख
दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्वामान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्रत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण विविद्य में उस्तरिक रूप से काँधत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, वायत, रुवल अधिनियम के अधीत कर दोने के जन्तरक के शायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सृधिधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी भाव या किसी भन वा अन्य जतिसावी को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा सेशिक्ष;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विवनिविक्त व्यक्तियों, अर्थात ह—

- (1) मैं० कैलाश नाथ एन्ड एसोमियेटस, 1006, कंचनजुंगा, 18, बाराखम्बा रोड नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती माला सहगल द्वारा मेजर जनरल श्राई० एम० बोहरा, एफ 505, सोम बिहार, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को बह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :----

- (क) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति सूचारा;
- (च) इत्तत्त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तवक्थ किसी अन्य स्थावत क्थारा अभोइस्ताक्षरी के पांच सिकिस में किए का सकरेंगे।

वन्स्वी

सोप नं ० फ-32, पहली मजिल, तादादी-240 वर्गे फिट, प्रोपोजिश्व कमर्शीयल काम्पलेक्स ए-एल-पी०-एल-2-ए. बिकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-8-1985

मोइर:

प्ररूप बाहै, टी. एन. एस. -----

बामकर भौधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुबना

भारत तरकार

कार्यांनय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/12-84/703—प्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकान्दी को यह विश्वास करने का क्यारण हैं कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उजित् बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 301, युनिट (जी) है तथा जो 6, कौशल्या पार्क, हौज खास, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त बम्तरण निवित में बास्तविक रूप से कांचित नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वावस, सक्त अधिनियम के बंधीन कर बेने के बंदारक के शियरत में कामी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (स) एंसी किसी नाय या किसी धन या बन्य नास्तियों करों, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त निधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चैं सधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) कौण्यला एड्कम्पतल ट्रस्ट, द्वारा ट्रस्टी श्री विवेक कपुर, निवासी श्रर्पना, मधुबन, करनाल हरियाना (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रामप्यारी दुस्रा, बी-1/24, हीज खास, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बढ़्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में दिसे था सकी थे।

रिका पूर्वा है।

अनुसुची

पलाट नं० 301, युनिट (जी) 6, कौशल्या पार्क, हौज खास, नई दिल्ली, तादादी-1500 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-उक्कृ नई दिल्ली

नारीख: 5-8-1985

मोहर:

प्रकृप कार्ड . बी . एन . ऐस . ---=----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 7 स्रगस्त 1985

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 13, रोड नं 14, है तथा जो पंजाबी बाग, एक्सटेनशन, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961, के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1984

को प्वेंक्त भम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रिश्कल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास अरते का कारण है कि यथा प्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; अरि/बा
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- ् (1) सूरीन्दर पाल कपूर सुपुत श्रो देव राज कपूर, तित्रासी सी-2/46, लोधी कालीनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रो छिबल दास श्रीर श्रोम प्रकाश, मार्फत मैं० मूल चन्द छिबल दाम, कुचा उस्ताद दाग-चान्दनी चौक दिल्ली।

(बन्तरिती)

कां यह स्चना जारी करके प्वोंक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

खाली प्लाट नं० 13, रोड नं० 14, पंजामी बाग, एक्सटेनशन, नई दिल्ली, तादादी 272.55 वर्ग गज।

> मुनोल चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली गई दिल्ली 110002

तारीख: 7-8-1985

मोहर 1

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

आर्यानय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनाँक 7 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/12-84/705—श्रनः मुझे सुनील चोपड़ा,

आयकर जीर्थानयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य

1.00.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० पाकेट एम० कटेगरी-III, है तथा जो एस० एफ० एम०-4, प्रीतमपुरा, दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर हमसे उपाबढ़ प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय प्रजन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय अध्यकर प्रधिनियम-1961 के ग्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दूरयमा। प्रतिकल से, एमें दूरमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्तिलाखत उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर आधिनियम, 1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अत: अ≆, लक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, मी, उदत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) राधे श्याम गोबल सुपुत्र श्री दया राम गोयल भार्कः त्रैद्य हरी शम, ए-6/5, राणा प्रताप बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बिशम्बर लाल खुराना मुपुत्र श्री एल० श्रार० खुराना, निवासी बो-140, श्रशोक बिहार भाग-1, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाहियां अरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पलैट ग्राउन्ड पलोर 4 सेल्फ फाइनान्सींग स्कीम, कटेगरी III, पाकेट एस, पीतमपुरा, दिल्ली।

मुतील चोपड़ा सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायक ग्राय्क्त (निरीक्षण) श्रर्चन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारी**ख** 7-8-1985 । मोहर : प्रकृष बाह्यं हो ु शुन . एस ुक्तान्यकारकार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सर्कार

कार्यासय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एभ्यू०/3/37ईई/12-84/706—श्रतः मुझे, सुनील चोपडा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है")., की भारा 269-श के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० जी-48 है तथा जो पश्चिम बिहार नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसरो उपावड श्रनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है) कार्यालय श्रजंन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1984

की प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य मं कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल सं, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के सिए सम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) मन्तरण सं हुइ किसी नाय की वायत, उस्त अधिनियम के अधीन कर वोने की अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा वा लिए; औद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था खिपाने में सुविभा के लिए;

बतः वभ, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण को, में. उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपधारा (१) के वधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जैना प्रोपरटीज (प्रा॰) लि॰ एडीनाथ श्री हाऊस, सामने सुपर बाजार कनाट सर्कस नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रवीन कुमार ग्रीर श्री ग्रलांक कुमार निवासी बी-1/51 पश्चिम बिहार नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह गुयका गारी कालें वृद्योंकर सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध माँ कोड्री भी बाक्षोप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्सयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, सो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिक्ति में किए जा सकों ने।

स्पक्तीकरणः - इसमें प्रयक्त शब्दों और पद्यों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगेर को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रौ० न० जी-48 जैना शार्पिंग काम्पलेक्सः पश्चिम बिहार नई दिल्ली, ताबादी-84 वर्ग फिट।

> मुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नारीख: 5-8-1985।

मोहर:

इक्त आहें.. दी.. १५.. १५.. १ -- -

भागुकर निष्तियमः, 1961 (1961 का 43) की

भाइत जुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 ग्रगस्त 1985

शायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राप्ति की, यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी-58, है तथा जो पश्चिम बिहार, नई विल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई विल्ली में भारतीय आयकर श्रिधिनियम 1961, के श्रिधीन तारीख विसम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रवभान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित आजार भृत्य उसके दश्यमान प्रतिखन से एवे क्षयमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) बहि बंतरिकी (अंतरितियों) के भीच एवे बन्तरण के लिए तय पाया यथा प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निचित में धास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है :——

- (क) बलाइन वं हुई किथी बाव की बावब उच्छ वाहि-वियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कभी कुरने या उच्छे बच्चने में सुविधा के लिए; क्रांकि/सा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन था जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायक द विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उस्त विधिनयन, वा पूर्व कर बीधनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना काला काला का किया जाता के सुन्धि के किए;

मेर वर, क्या विधितियम की धारा 269-व वी मन्सरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं जैना प्रोपरटीज (प्रा०) लि०, एक्कीनाथ सरी हाऊस, सामने सुपर बजारा, कनाट सर्केस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्दर प्रकाश सुपुत्र श्री प्यारे लाल, निवासी एफ-301/3, एन्ड्रयू गंज नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी कारके पूर्वोचत उक्ष्यीका के बर्वन के विदे कार्यवाहियां करता हुए।

अवत् अभितित्त के वर्षन के बम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र:----

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की जबिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की ताबीन से 30 दिन की जबिध, को भी नवीं वाद में बजान्त होती हो, को भीतर पूजी क्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ह्वारा;
- (क) इस स्थान के राजवश्य में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाशर संपत्ति में हित-बृह्य किसी बन्य व्यक्ति ब्वास, अभोहस्ताकरी के पाद सिवित में किए वा स्कर्न।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त बिधिनयम के कथ्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

वम्त्यो

प्रौ० न० जी-58, जैना शार्पिय काम्पलेक्स, पश्चिम बिहार, नई दिल्ली, तादादी-108 वर्ग फिट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख 2-8-1985 **मोहर** म प्ररूप सार्थः टी. एन. एस् , -----

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सुचना

भारत वरकाड

फार्याज्ञय, सहायक जायकर वायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/12-84/ 708—ग्रत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० एस-11, है तथा जो 22, राजेन्द्रा पलेस, नई दिल्ली, में हिथत है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961, के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

क्षं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कर्रने का कारण है कि स्थाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रमुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फ., निम्निसिंखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्यरण र्रं हुई फिन्नी साम की वायत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वासित्य में कभी कड़ने या उत्तरके व्यवस्थानिक में कभी कड़ने या उत्तरके व्यवस्थानिक स्थापन के लिए; और/ए।
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निय;

जतः अस, सक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्नितिचक अधिकता, सर्वात् उ---

(1) मैं भाटिया महगल कन्ट्रक्सन कापोरेंशन, 48-ए, जीर बाग, नई दिल्ली,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बदरी नाथ बजाजा सुपुत्र श्री खुशी राम बजाज, निवासी, 18/5, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर नई दिल्ली,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कित सम्पर्कत के जर्बन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

सकत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अपिक्त द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्ष अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होना जी उस अध्याय में विद्या विद्या है।

भनुसूची

शोप नं० एस-11 न्यू ग्राउन्ड फ्लोर- पदमा टावर नं० 2; 22, राजेन्द्रा पलेसं नई दिल्ली, मल्टीसटोरी बिल्डिंग, तातादी-572 वर्ग फिट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिली 110002

तारीख 2-8-1985

मोहर :

प्रकम जार्च. क्षाँ., एष्. एष्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त (निराक्षेण) श्रर्चन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/12-84/709—श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 103, है तथा जो 2, ग्रोल्ड रोहतक रोड़ दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय ग्रार्जन रेंज-3 नई दिल्ली, में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 ग्राधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार श्रूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल निम्निलिस उद्विध्य से उक्त अन्तरण निस्ति में शास्त्रीबिक रूप से कथिस नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त आधानयम के अधीन कर देने के अन्तरक के समित्व में कमी करने या उससे अधने में सृष्टिधा के निष्; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या अवत अधिनियम दाः अभिनयम दाः अभिनयम प्रतिकार अधिनयम दाः अभिनयम अन्ति । 1957 (1957 दा 27) के प्रयाजनाथ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अस, उसत जिमिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्नत अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एलाईड कन्ट्रक्सन कम्पनी, जी-5, 92 दिपाली नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार प्रग्रवाल हाऊस नं० 2886 गली नं० 215, वि नगर, दिल्ली

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्रियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावस स्पित्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूर्ची

फ्लाट नं० 103, तादादी-625 वर्ग फिट, प्लाट नं०-2 श्रोल्ड रोहतक रोड़, शाहजादा बाग दिल्ली।

> ं सुनील चोपड़ा सक्षम ग्रिश्विकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीण) ग्रर्जन रेंज विल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख 5-8-1985 मोहर: प्ररूप बाइ . ट्री. एन. एस .-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय. महायक जायका जायका (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 भ्रगस्त, 1985

निर्वेश सं श्राई० ए० सी ०/एक्यू/ 3/37ईई/12-84/710:---भ्रतः मक्षे, सुनील चोप डा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं 15. रोड नं 49, है तथा जो पंजाबी बाग. नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्याल म्र र्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम 1961, के भ्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1984।

को पूर्वायत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्ममान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी भन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 1932 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचित्रत व्यविक्यों, अर्थात ्र-- श्रीमतीं जालिमन मदान, निवासी सी०-232, ग्रैंटर कैलाण-I, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती गुरचरन कौर एण्ड श्रीमती मोहिन्दर कौर, 3ई/11, झन्डेवालान एक्तटेन्णम, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह मृथना कारी भारती पूर्णवत सम्मान के ज्यान के निका कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्बद्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🛶

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सप्तियां पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अपित को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार्य लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरण्ड—इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, धो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ द्वीगा को उस अध्याय में दिसा गया है।

जन्स्ची

> सनील चोपड़ा, सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 14-8-1985

मोहर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कर्त्यान्यः सहायकः राज्यस्य आय्थ्यः (निर्वाक्षणः) श्रुजैनः र्रोज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 श्रगस्त, 1985

निवेश सं श्राष्ठि ए० मी ०/3/एक्सू०/37ईई/12--84/711----यतः, मुझे, सुनील चौपड़ा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि न्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं 19 ए, है तथा जो ग्राम उलघान-पुर, पंचणील गार्डन, शाहदरा, दिल्ली में स्थित हैं (ऑर इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ार्यालय, अर्जन रेंज-3, नहीं, दिल्ली में आयरार अधिनियम, 1961, के अधीन दिसम्बर 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्षके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण स हुई िकसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

कतः अव, उक्त भौभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को वभीन, निम्नसिवित स्योक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीं रघुनन्दन, निवासी 1/10413, मोहन पार्क, शाहनरा, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीं पुरोजीतम दाम, निवासीं—1594, गलीं मदरसा मोर, जुमाला कुचा, जाईमवाल, लाल कुन्नां, दिल्लीं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारकं पृत्रोंक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्सं अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुस्पी

प्लाप्ट नं० 19 ए, ग्राम उलधान पुर, पंचशील गा**र्डन,** शाह्दरा, दिल्लो।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिवारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीज: 13-8-1985

मोहर :

हरू मार्चू हो. एव. एक. क्लान्स

अस्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबुक्त (निरीक्षय)

भ्रजीन रेंज-3, विल्ली

दिल्ली, दिनांक 14 भ्रगस्त, 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सी'०/एक्यू/3/37ईई/12-84/712:---मतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण हें कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 103, सन्देश विहार, है तथा जो पी० एण्ड टी कालोनीं, शकुरपुर, दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), कार्यालय, अर्जन रेंज-8, नई दिल्लीं में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961, के श्रिधींन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वेबह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिश्वित उद्देश्य में उन्त अंतरण लिखित से बास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाय की वावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कयी करने वा उखसे वचने में कृषिधा-के निए; ग्रीर/या
- (ड) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा र निर्मा

 श्री. पुष्प नाथ सहगल, नियासी ई-26, दया नन्द नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।

(भ्रन्मेरक)

2. श्री सीता राम और श्रीमती लीलावती, 5543/74. रैंगरपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरितीं)

भी यह सुचना चारी करके पृक्तोंकत कार्यास्ति को वर्षन् के विष्य कार्यवाहियां भूरः करता हुं।

बक्त शब्दारत के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचभा की ताबील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकर ध्यवित्वों में सिक्ती व्यक्तित दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 विभ के मीत्र उक्त स्थावर नंपत्ति में हिल्ल-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकरें।

स्पाक्षकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो जस अध्याय में दिया नवा हैं।

नग्सची

ण्लाष्ट नं० 103, सन्देश विहार, पी० एण्ड टी० कालोनी, शकुरपुर, दिल्ली, तादादी 186.53 वर्ग गज।

> सुनील घोपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्≢3. दिल्ली

अत: गब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269--च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**चित व्यक्तियों, अर्थात् :—** 19—226 GU85

तारीख: 14−8−1985

मोहर 🖫

प्रकृष भारते. दी. एवं. एसं. हुर स्टरणकारण

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, महामव, अध्यकर आमुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज्ड3, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 5 भ्रगस्त, 1985

सं० श्राई० ए० सीं० एक्यू/3/3कईई/12-84/713:--श्रतः मुझे, सुनील 7 चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकर (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या यू० जीं० 37 है तथा जो 5, विकाजी बीमा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), प्रायंतिय, प्रार्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1961, के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

का नुकांका सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वासान भाता कर के लिए अन्तरित की गढ़ है और मूके यह विकास करने का क्षिए है कि यथापूर्विकत सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वायमान प्रतिकल से हो द्वायमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिसत उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में दास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उपत जिभिनियम के जभीन कार वेने के अंतरक की दायित्व में कामी कारने या उससे वधाने में सुधिशा के लिए, और/या
- (वं) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा अकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिक्श

अतः अव, उवन अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीर, निम्निलिक कपैक्तमों, अर्थातः :--- भनाट प्रोपरटीज एण्ड इन्डस्ट्रीज लि०, 102-103, राजा हाउस, 30-31, जनेहरू 'छेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मै० अमरजीत श्रणोक कुमार सोप नं० 834, बिहाइन्ड, 1 ब्लाक, श्रद्धानन्द, मार्किट, जी० बी० रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

और बहु स्वतः जारौ करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिस् कार्यवादिया शुरू करता हुं।

सकत सध्योति को पर्वत की सम्बन्ध में कोहाँ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपण पें प्रकाशन की स्थापिक प्र 4.5 विश्व की अविधि नित्सक्तियों नह राजना की साथील से दिल्ला को अविधि, जा औं अविधि बाद में समाप्त होते के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति जारा:
- (क) इस भ्याना के राजयत्र मो क्यामन की तारील हो 45 विन के भीतर करून स्थापर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षणे के पास लिखित में किए जा सकेनें।

स्वासिक्षणः -- इसमें प्रवृक्ष शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियस के शध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस सभ्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० यू० जीं-37, 5, विकाजी बांमा प्लेस, न**ई** दिल्ली, तादादी 155 वर्ग फिट।

> सुनील चोपड़ा, मक्षम प्राधिकारीं, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) े । श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नारीख: 5--8--1985

प्रकण बाहाँ, दी, एन एस, -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनाँक 8 ग्रगस्त 1985

निर्देश, तं श्राई० ए० सी 0 एक्य्/3/37ईई/12-84/715-श्रम मुझे, सुनील चौपड़ा,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिलकी संख्या जी-63 जैना शापिम कस्पलेक्स, है तथा जो वसई दारापुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमूर्वी से पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारताय ग्रायकर अधिनियम, 1961 के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984.

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफो यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आग की बाबस, उक्स विभिन्निक के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कर्जा करने वा उससे बचने में सुविभा के सिए; जौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिये था, खिपान में भूतिथा के सिए;

 मैंदर्स जैना प्रापर्टीज प्रा० लि० ग्रादिनाथ श्रा हाउन, श्रपीजिट मुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रणधीर विह् सुपुत्र श्री होणियार सिंह, निवासी सी० 2ए/254 बी, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना बारी करके पृषोक्त संस्पत्ति के अर्जन के प्रलाह कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी । सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० की-63, जैना शापिंग कम्पलेक्स, बसई दोरा-पुर, नई दिल्ली, नादादी 60 वर्ग फीट ।

> सुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी नहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंत रेंज-3, दिल्ली

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मीं, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियां, अर्थात् :---

नारीख: 8-8-1985

मोडर :

प्रकल, नाइ. टी. एन. एस -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासन, सहायक नायकर बायुक्ट (निर्शालक)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 6 भ्रगस्त , 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/12-84/716--अत: मुझे, सुनील चीपड़ा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नामार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या ई-91, है तथा जो मस्जिद मौठ, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984;

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथण्यू बोंदस संपित्ति का उपसि बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकार) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) मंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वाबित्य में कनी कड़ने ना उत्तते बचने में सुविधा में सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा खियाने में सुविधा के लिए;

बत्ध बन, उन्त नर्गिनियम की भारा 269-ग में बनुसरण भी, भी, उन्त बिधिनियम की शारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्ति हों, अधीत :--- 1. (1) श्रीमतीः गीता भट्टाचार्यजी

(2) श्री मिद्धार्य भट्टाचार्यजी निवासी बी-2/33, श्राजाद श्रपार्टमेंट, महरौली रोड. नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती श्रनिता िषकरी,
 217, डी० डी० ए० फ्लैट, हौज खास,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उथत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासेप अ-

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की हारी है से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर एवें किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थण्डीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ दुरेगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रो० नं० ई-91, मस्जिद मौट, नई दिल्ली।

मुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)) श्रजंन रेंज-3, डिल्ली

सारीख: 6-8-1985

प्रकार नार्ष_ि हो_ल पुस्तः पुस्तः -

कायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की अभीन स्वना

बाइच ब्रह्माह

काश्यांतिय, सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी/एक्यू/3/37ईई/12--84/717---श्रतः मुझे, सुनील चाँपड़ा,

नायकर आधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्प्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं 102 है तथा जो 2, स्रोल्ड रोहतक रोड. शहजादा बाग, दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में पूर्ण का से विणित है), कार्यालय, स्रजैन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय स्रायकर श्रधिनिथम, 1961 के स्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1984,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण । लिखित म

- (क) बन्तरण संधूर्ण किसी आय की बाबत, उक्स विधिनियम को वृथीन कुड दोने के बन्तरक के दानित्म में कनी करने वा उसने वचने में तृष्णिका को सिए; बौर/वा
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, किया में सुविधा से लिए;

नतः अव, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को सभीत् निम्निलिखित व्यक्तितयों, सुधात् ४—— मैसर्स एलाईड कन्ट्रक्शन कम्पनी, जी-5/92, दिपाली, नेहरू प्लेम, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

 श्री महेश चन्द्र गुप्ता, निवासी हाउस नं० 380/81, गली मातावाली, तैली वाड़ा, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

सकत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी अर्थाप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधाहस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

वन्त्र्या

प्लाट नं० 102, तादादी 425 त्रर्ग फिट, प्लाट नं० 2, श्रोल्ड रोहनक रोड महजादा, बाग, दिल्ली।

> मुनोल चौपड़ा, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नारी**ज**ः 5-8-1985

मोहर 🛭

प्रकृत बार्ड. दी. एन. एस......

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-च (1) के बधीन स्वनः

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज-3, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनाँक 5 अगस्त 1985

निर्देश मं श्राई० ए० सी०/एक्य्/3/37ईई/12-84/718--ग्रन: मुझे, सुनील चौपड़ा,

नायक'र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या एफ-112, है तथा जो 4, बिकाजी कामा म्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध सनुसूची में पूर्ण एप से विणित है), कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्ल, से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्योग्य से उल्लास के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्योग्य से उल्लास

- (क) अभ्यारण के हुए किसी आम की बामत जनत सर्थि-निमम के अभीम कर वामें के अन्तरक की शामित्व में कामी करने वा उत्तरे अवने में सुविधा की किसे; और भी
- (वा) ध्रेसी किली बाद वा किली धन वन्त्र कास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ्वारा प्रकट नहीं किया पदा बा सा किया बाना चाहिए था छिपाने में स्विधा की सिद्धः

मैं० राजधानी तिल्डर्स,
 प्रो० मेहता इन्डस्ट्रीज लि०.
 तेहरवो मंजिल. 1, टोलस्टाय मार्ग,
 ग्रात्मा राम हाउस,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री सुभाष चन्दर जैन मी/श्रो० जैन भवन,
 सदर बाजार, दिल्ली कैन्ट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह युचना जारी करके प्रजीवत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनसे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्सूची

प्रो० नं० एफ० 112, 4, बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 180 वर्ग फिट।

> मुनील चौपड़ा, मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीनः निम्निणिवित व्यक्तियों, वर्षांत् क्षे

तारीख: 5-8-1985

नोहर 🗆

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत उत्तार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी $_0$ एक्य् $_1$ 3_1 37ईई $_1$ $12-84_1$ 719:—-अत मुक्षे, सुनील चौपड़ा,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या णाप नं 132 है तथा जो 9 बिकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपापढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) के कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय अत्यकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अल्लिक की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, गिक्शिलों के उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिल्हित के अध्यान में किथान जहां किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, सर्थात् ह— श्री बञ्चन दास शर्मा निवासी ई-286 ए ग्रीटर कैलाण-I नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मैं० सोम दत्त बिल्डमं (प्रा०) लि॰
 56, कम्युनिटी सैंटर ईस्ट अ।फ कैलाण, नई दिल्ली

(भ्रन्त(रती)

को यह सम्मना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थान के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कार्ड भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वेक्स ज्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

गाप नं० 132, पहली मंजिल 9 बिकाजी काम। प्लेस नई विल्ली, तादादी 126 वर्ग फिट।

> मुमील चौपड़ा, मक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन•रेंज 2, दिल्ली

तारीख: 6-8-1985

मोहर 😹

प्ररूप नार्चं दि त्न . एस ,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/ 3/ 37ईई/ 12-84/720-अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या यु० जी० 3 है तथा जो जैना टावर डिस्ट्रक्ट मैन्टर जनकपुरी नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन नारीख दिसम्बर, 1984,

को पूर्वोक्स संपत्त के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एमें अन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उकत अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण की वास्त्रिय में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. मैंसर्स जैना प्रापरटीज (प्रा०) लि० एडीनाथ श्री हाउस सामने सुपर बाजार कनाट सर्कस नई दिल्ली।

(ग्रन्भरक)

1. श्री अजायब सिंह सुपुत्र श्री रघबीर सिंह श्री बलबीर सिंह सुपुत्र श्री दीवान सिंह निवासी बी-1/198 जनकपुरी, नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त कक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-निवस के अभ्याव 20-क में परिभाष्टित हैं, जूदी अर्थ होता, जो उस अभ्याय में विवा गया

श्रनुसूची

प्रो० नं० यू० जी० 3 जैना टाबर डिस्ट्रिक्ट सैन्टर, जनकपुरी, नई दिल्ली, क्षादादी 105 वर्ग फिट।

> सुनील चौपड़ा, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्ज न रेंज-3, दिफरी

अन्त: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित अधिनायों, अधित ध—

तारीख: 6-8-1985

मोहर

प्रस्य बाहं, टी, एन, एस,-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सीं०/एक्यू/ 3/ 3 7ईई/ 1 2~8 4/ 7 2 1--अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या स्पेस नं-1 है, तथा जो 1 कीशस्या पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूधी में पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय अत्यकर अधिनियम, 1961 के अधीन सारीख विसम्बर 1984

को पूर्नेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिकल के लिए जन्तिरित की गर्द है और मक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्सि सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिका (अंतरिकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के किए;

 मैं सूर्या इन्टरप्राइजेज (प्रा०) लि॰ एल-34 कीती नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री डी० आर० गुप्ता; एन--155 पंचशील, पार्कः नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन में सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपति में बर्जन के संबंध में कोई भी अख़रेग ह—

- (क) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की सामीन से 30 श्रीवन की सविध , को भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्क्ष किसी जन्य व्यक्ति ब्वास अभाहस्ताक्षरी के पाब सिवित में किए जा तकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रवृक्त क्यां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुस्ची

स्पेस नंo-1 ग्राउण्ड फ्लोर, 1 कौशस्या पार्क होज खास, नई विल्ली सावादी 258.25 वर्ग फिट।

> सुनील भीपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- 20-226 GI|85

तारीख: 6-8-1985

प्रारूपः कार्ष् टी. एवः एस्. - - - -

अध्यक्त आँभनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सहकार

कार्यक्रमः, सहामक वामकर काम्क (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

मं अहि ए सी o/एक्प्र, 3, 37/ईई 12-84 722:--अतः मुझे, अुर्नाल चौपड़ा,

आयकर अधिरानय्व, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परुष्यत् 'छत्रत अभिनियम' कहा गया है), की पारा ु८⊝-१ए के नधीन सक्षम **गांजिकारी की यह विश्वास करने का** ्रप्रण है[°] कि स्थावर सम्बद्धि, जिनका <mark>दवित वाकार</mark> सुल्ब 1,00,000/- रह. से **आधिक ह**ै

श्रीर जिसकी संख्या स्पेस नं०~3, है सथा जो 1 कौशाल्या पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णिन है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय अध्यकर अधिनियम 1961 के अधीन मारीख दिसम्बर, 1984

भी पुर्वाकत सम्पत्ति के उ**चित बाजार मृत्य ते कम के अस्पमान** प्रतिपत्न के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मफ्ते, यह विद्यास अरने का कारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित्र वाकार पत्य, उसके दरण्यान प्रतिकल से, एसे **ध्वभूगान प्रविक्तल का** भंदह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकांं) और अंतरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच एके अन्तरण के दिए क्रय पाया क्या प्रतिफल, निम्निमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिन्नित शम्लविक रूप संंक्षित नहीं किया गया है :~−

- · (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्क अधिनियम के जभीन कर दोने औं जन्तरुक के शायितक में कमी करने या उद्यसे क्वने में सुविधा के लिए; **बीर/या**
 - (छ) ए'डी फिरी काम या फि**सी अन या अन्य बास्तियों** जां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (१३, ३ छ १३) पा एस्स मिश्रिनियम, या धर-कर अभिनियम, 19**57** (1957 का 27) को पद्मोजनार्य वास्तरिकी दुवारा पास्ट गर्ही जिल्ला गा। भा या लिया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः प्राप्त, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उरा: अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातु :---

1. मै॰ सूर्या इन्टरप्राइजेज (प्रा॰) লি॰, एल ०-34, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्री राजेश कुमार गुप्ता निवासी एन -155, पंचशील पार्क नर्षे दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करको पूर्वोक्त संपत्ति को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सभ्जन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 विश की वनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्क्रमा की ताजील से 30 दिन की जबधि, जो भी अविधि बाद में सभाच्य होती हो, को भीसर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ते किती व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इ.व. त्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारील शे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छिक्थणः -- इसमें प्रमुक्त कान्यों भीर पर्वों का, जो उत्तत अधिनिक्स के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नवा 🗗 🖰

स्पेस नं०-3, प्राउण्ड फ्लोर, 1 कीशल्या पार्क ीज खास. नई दिल्ली तादादी 211.75 वर्ग फूट।

> स्नील चोपड़ा, सक्षम प्राधिकारी श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सहायक अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 6-8-1985

प्रस्त् भाष् . हों . एन ् एस् . ----

बाबकार निधितवन्, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म् (1) के वधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्याजन, उहारक नायकर नायुक्त (निर्याजन)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी ाएक्यू। 3, 37ईई। 12-84। 723---अत: मुझे, सुनील चौपड़ा,

अधिकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिल्ला जिल्ला विद्वास करने का

1,00,000/- फ. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या स्पेम नं 4 है तथा जो 1 कौशत्य पार्क हीज खास, नई तिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में पूर्ण रूप से विणित हैं) कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

भी पृतांकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास कारण का कारण है कि यथापृत्रोंकित संपत्ति का उजित दाजार पृष्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ध्रेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिकार से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्यरितियों) के बीच गूसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति- कि निम्निनिक्त उद्वेष्य से उन्त अन्यरण सिक्ति में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरण चं हुई किसी बाय की बायत अक्त जिथा। नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्य में कबी कड़ने वा उत्तर्ध बजाएं में सुविधा के लिए। बीड़/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्सियों की फिन्हें भारतीय बायकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयन, या भनकर विधिनयम, या भनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इंतारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था कियाने में सुनिधा के लिए;

बतः अप, समत वॉधनियम, की धारा 269-ग वी अनुसरण मों, मों उपत अधिनियम की धारा 269-य की सपधारा (1) को अधीन, निम्नोनियस व्यक्तियाँ, अधीत् ≝— मै० सूर्या इन्टरप्राइजेज प्रा० लि०, एल०-34 कीर्ती नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती ममतेश जैन (भदर) गार्जियन मास्टर राजिय जैन, सी-41 ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप है-

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए का सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत विधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मना हैं।

अनुसूची

स्पेस नं० 4 ग्राउण्ड फ्लोर, 1ुकोशस्या पार्कं नई दिल्ली सादादी--211.75 वर्गं फिट।

> सुनील चौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अजैन रेंज 3 दिल्ली

तारीख: 6-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज नई-3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक, 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/ 3/37ईई/12-84/724---अत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिस, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या यू० जी० 37 है तथा जो 5. का जी कामा प्लेस, नई दिल्ती में स्थित है (भ्रौर इसस उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है) कार्यालय अर्जन रेंज-नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिसम्बर 1984

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे उत्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिणत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आक्ष की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

(1) श्रीमती कमलेश जौहर, श्रीमती सरोच नरूला, श्रीर श्रीमती निर्मल तलबार निवासी सी-4 ई/39 जनक पुरी, नई दिल्ली।

(न्तरक)

(2) मैं० भनोट प्रोपरटीज एण्ड इण्डस्ट्रीज, 102-103, राजा हाजस 30-31, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसर्ची

णाप नं० यू० जी० 37 आप्पर ग्राउण्ड फ्लोर बिल्डिंग अंडर कन्स्ट्रक्शन, 5 बिकाजी कामा ध्लेस, नई दिल्ली, तावादी 155 वर्ग फिट।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज: 3 नई दिल्ली

अतै: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 6-8-1985

मोहर 🖫

प्रकृत कार्याः को स तुन् <u>स्</u>रकृत-स्थानक

नायकर नृधिनित्तन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन तुच्चा

नारव वरकार

कार्याजन, सञ्चानक बाक्कर बायुक्त (निड्रीक्षण)

अर्जन रेंज 3 दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 ग्रगस्त, 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/12-84/725---अतः मुझे सुनील चोपड़ा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या शाप नं० यू० जी 33, है तथा जो, बिकाजी कामा प्लेस है दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय अध्यकर अधिनियम 1961 के श्रधीन, दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान ब्रितिफ स के लिए अन्तरित की गद्द है कि मुक्ते यह विद्याद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) औड़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए व्हा वाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उच्चेद्देश से उक्त अन्तर्ण मिन्नस में बास्तविक कम से कृष्णित बहुर्ते किया वहा है :—

- (क) नम्बद्रण से हुए किसी बाय की बाबत, उच्छ विभिन्नम के नभीन कर दोने के बन्तरक के वामित्य में कनी करने मा उत्तत वचने में द्विभा के विष्ठ; औड़/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर किशिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया ववा था वा किया बाना था, जिनाने में स्विधा के विष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स सोमदत बिरुडर्स प्रा० लि०
 कम्यूनिटी सेन्टर ईस्ट आफ कैलाश,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 मैस० कपूर इण्डस्ट्रीज बी-46, सफदरजंग इनक्लेव नई दिल्ली।

(ग्रन्स रिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सि कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा तकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जिन्हा अधिनियमं, के कथ्याय 20-क में परिभावितः, हूँ, वहीं कर्ष होंगा को उस अध्याय में दियाः द्वा है।

अनुसूची

णाप नं० यू० जी-33 उपर ग्राउण्ड फ्लो प्लाट नं० 9 बिकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली तादादी 26 वर्ग फिट

> सुनील चोपड़ा, सक्षम अधिकारी सहायकष् आयकर आयुक्त निरोक्षण अर्जन रेंज 3 दिल्ली

सारीख: 6-8-1985

प्रकृष् बाइं .ट्री . एन , एस् , ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) की न्यीन सुन्ता

भारत तरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, नई विरुली

ंनई दिल्ली, विनांक 8 अगस्त, 1985

सं० आई० ए० सी० ।एक्यू, 3। 37ईई। 12-84। 726---अत: मुक्ते सुनील चोपड़ा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्राचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 5 है तथा जो 1 कीणत्य होज खास नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसस उपाबक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं) कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (उतिशित्यों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में अस्ताबक न्य में काथत नहां किया गया है :——

- (क) मंतरुष् से हुई किसी बाय क्ष्मी कायत्, उक्षत अधिनियम् के अभीन कार दोने के अंतरुक के शियत्व में कामी कारने या उत्तर्श क्ष्मी में बुलिया कासए; बार/शा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भून या नन्य बास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय बाधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, खिपाने में स्विपा के सिष्ट;

अत: अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) इस्मानिक विकास विकास किल्लों का स्वास्त्र का स्वास्त्र का स्वास्त्र का स्वास्त्र का स्वास्त्र का स्वास्त्र का मैं० सूर्या इन्टरप्राइजेज (प्रा०) लिं० एफ० 34 कीर्ती नगर नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मोहम्मद जथर निदम सुपुत्र मोहम्मद णाहिद, नियासी ई-37ल कालन्डी कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वक्दिकरुण हि—इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँड पर्यों का, जो उक्त बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या ही।

जनसंख्यी

स्पेस नं 5 ग्राउण्ड फ्लोर 1, कोशस्य पाकं होज खास, नई दिल्ली तादादी 211.74 वर्ग फिट।

> सुनील चोपडा सयम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-3 दिल्ली

तारीख: 6-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/12-84/727---अतः मुझे; सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उधित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 214 है तथा जो 1 श्रोल्ड रोहतक , रोड दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है) के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन दिनौंक दिसम्बर 84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, शिष्ठपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिस व्यक्तियों, अथित्:— 1: मैं० रूपा कन्ट्रक्सन (प्रा०) लि० जी० एल-4, अणीक इस्टेट 24 बाराखम्बा रोड नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सत्या बती पत्नी श्री राम किशन मी--245 विवेक विहार दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यविह द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 214 प्लाट नं० 1 मोल्ड रोहतक रोड दिल्ली, तादादी 296 वर्ग फिट।

> मुनील चौपड़ा, सक्षम अधिकारी सहायक आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, दिल्ली,

तारीख: 5-8-1985

मोहर 🖫

मुक्त बार्ष . टों . एवं . एक , -------

नायकर विधिनियम, 1981 (1961 का 43) का भाव 269-व (1) के अधीन स्वना

मार्क सर्कार

कार्याभव, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्क)

अर्जन रेंज 3, विल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 अगस्त 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/12-84/728:--अत मेसे सुनील चौपड़ा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें एक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269 ब के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मस्ति, जिनका उचित बाजार बुज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या स्पेस नं० 201 है तथा जो 2 ए, बिकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली, में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1984।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि वचापूर्वों के उपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के प्रतिकृत में अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच देखे वृत्तरण के विष् तब नावा न्या प्रतिकृत के निम्नितिखित उद्दर्थ से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जलारण सं हुइं किसी जाय की बावल, बकत अधिनियस भी अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्य थें कमी करने या उससे बखने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन वा बम्ब वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ कम्बिरती कुपारा प्रकट नहुर किया नवा वा वा किया पाना प्रतिहर वा, कियाने में अविधा के तिरहें

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त बीधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यिक्तियों, अर्थात् --- मै० कैलाय नाथ एण्ड एमोसियेट
 1006 कंचनजुंगा वाराखम्बा रोड नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री आर० के० तरेन एण्ड एच० यू० एफ०, बी-540 फैंडस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

व्यं यह क्षता वारों करके प्योंक्त सम्मृत्ति से सर्वन से जिस कार्यवाहियां करता हूं।

वनक् सम्मृतिस् के वर्षक के सम्बन्ध की कोई भी कासोदा--

- (क) इब स्थान के टायथन में प्रकाशन की तारीय ने 45 दिन की वर्गीय वा तत्त्रध्यन्त्री क्विंत्रमा वर प्रवास की तानीय से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिथ बाद में बनाप्त होती हो, के भीतर वृत्तों कर व्यक्तियों में से किसी क्यनित द्वारा;
- (क) इस स्थमा के राज्यम के प्रकारत की बारीय के 45 दिन के मौबर उनत स्थान्त बम्मीता के हित्बवृध् किसी कम्प व्यक्ति द्वारा न्थोहस्ताक्ष्री के पाड़ निवित के किए वा बुकोंगे।

श्रिक्ष किर्मा:--इसमें प्रकृति कर्मा क्षेत्र एको स्थान क्षेत्र कर्मा स्मीत्रिक्ष निक्ष के क्ष्मास 20-क में प्रदेशीयम हैं, यही सर्थ होता को उस क्ष्माय के दिश नवा है।

अनुसूची

आफिस स्पेस नं० 201, तादादी 319 वर्ग फिट दूसरी मंजिल प्रोपोजिड मल्टटीसटोरियड कर्माणयल काम्पलेक्स ए० एल पी० एस', 2 ए, बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, दिल्ली

तारीख: 8-8-1985

प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

बावकार निधित्तियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के नधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 3, विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त, 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/12-84/725:— अतः मुझे सुनील घोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृल्य को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या जी-1/101, है तथा जो फैज-2 पुरी इन्डस्ट्रीज एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) के कार्यालय, अर्थन रेंज-3 दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूफ्ते यह विक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इरिक्त निम्नुसिवित उद्देष से उच्त कृत्तरक निम्नुसिवित उद्देष से उच्त कृत्तरक निम्नुसिवित व

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कोर/या
- (च) एसी किसी बाब मा किसी धन था बन्ध बास्तियाँ का, जिन्हें बारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के हबोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया बाना चाहिए वा, किया में सुविधा वे सिए।

मतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ध की उपधारा (1) को क्षीय प्रिम्शिलिकत व्यक्तियों, अधित ६—— 21—226GI/85 श्री मोहिन्दर सिंह निष,सी 11/24, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गोरा लाल एण्ड श्रीमती निरूपमा देवी, निवासी सी-28, शिवाजी पार्क, नर्ड दिल्ली।

(अन्तरिली)

का यह सूचना जाशी करके पृशीकतः संपरित के अर्जन के जिस कार्यशाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आजेद ह----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षरी के शक्त सिचित में किए का सकरेंगे।

स्वध्योकरण: इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

वन्द्रवी

फैक्टरी नं॰ जी 1/101 फैज-2 माया पुरी इन्डस्ट्रीयल एरिया नई विल्ली, भूमि तादादी-400.56 वर्ग फिट।

> सुनील चो ४ड़ा, सन्नम ऋधि कारी सहायक आयकर आप्र्∓त (निरीभण) अर्जन रेंज 3, दिल्ली

तारीख: 14-8-1985

मोहरु 🛭

प्रकृत नार्ध , दर्जि , एर्ज , एस_{्र} । त व सन्त

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के मुनीन सूचना

भारत शरकार

कार्यासय, बहायक आयकार आय्वत (निरक्षिण) अर्जनरेंज 3, धिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37/1ईई 2-84/730--अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 104/20 है तथा जो युसुफ मराय नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूणं रूप से बणित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे क्ल्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्ष अन्तरण जिल्ति में बास्सविक रूप से कथिय नहीं किया द्या है है—

- (क) बनाउन वे हुन्दं किसी भाव की वावत, सबस मीधिनयम के अधीन कर दोने के मनारक के यावित्य में कमी करने वा सबसे बजने में सुनिधा में किए: कौर/था
- (भ) एसे किसी जाय वा किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिधा वे सिए;

प्रति भवा अवस विधानिकम की भारा 269-व की अनुसरक कों, कों, जबस विधिनियम की भारा 269-व की उपधार (1) को अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

1 मै० ओक्सपोर्ड इजिनियर्स प्रा० लि०। 18-कमशियल कम्पलेक्स, मालणा मार्ग, डिप्लो मैटिक इनक्लेब, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

[2. श्रीमती रामीन्वर भाटी

निवासी डी० डी० ए, प्लैट नं० 55,
पाकेट की एस० एफ० एस०,
सेख सराय भाग-1,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्युक्ति के सर्चन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं!

जनत सम्पत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकारों।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्य

फ्लैंट नं० 104, पहली मंजिल, 20 युसुफ सराय, नई विल्ली, तादादी 346.80 वर्ग फिट।

> सुनील चौपड़ा, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 7-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाह्य हो , एन , एस , व व व

नायकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269 व्(1) के मधीन सुवृता

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/3/37 ईई/ 12-84/731--श्रतः, मुझे, सुनील चोपड़ा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं 306 है तथा जो 20 युसूफ सराय नई विल्ली में स्थित है (भीर इसने उपाबद्ध भ्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1984

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) बार (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप क्ष से कांभित नहीं किया च्या हैं ■—

- (क्क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने हूँ सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियी को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा जो सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण भाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः—-

- (1) मैं बोम्बे बिल्डर्स (इण्डिया)
 18/48 कर्माशयल कम्पलेक्स, मालचा मार्ग
 डिप्लोमेंटिक इन्कलेय, नई दिल्ली।
 (ध्रान्तरक)
- (2) श्री रमन सिक्का निवासी बी-5/194 सफदरजंग इनक्लेब नई विल्ली। [(धन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :----इसमी प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अधी हाला, जो उस अध्याय मी दिया गया है ॥

Myster

प्लाट नं० 306 तीसरी मंजिल, श्रोरिएन्टल एपार्टमेंट 20 युसूफ सराय, नई दिल्ली । तादादी 387.51 वर्ग फीट ।

> सुनील वोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज–3, नई विस्ली

तारीख : 8-8-1985

मोहरु 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, हि दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1985

निवेश सं श्राई ० एए० सी ० /एध्य ० / 3 / 3 7ईई / 12-84 / 732--- म्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत अधिनिम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बालार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० 305 है तथा जो 19 युसूफ सराय, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप सेवर्णित है) कार्यालय ग्रर्जन रेंज → 3 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 की के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) मैं श्राक्तकोई इन्जीनियर प्रा० लिमिटेड 18/48 कर्माणयल कम्पलेक्स मालचा मार्ग डिप्लोमैटिक इन्कलेव नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी, निवासी बी--5/194 सफदरजंग इन्कलेव, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं॰ 305 तीसरी मंजिल श्रोरिएन्टल श्रमार्टमेंट 19, युसूफ सराय, नई दिल्ली। तादादी 377.57 वर्ग फीट ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी ससयक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, नई दिल्ली :

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 8-8-1985

मोहर 🖫

प्रकृष आहाँ. टी. एन. एवं. - हत - ह-बायफड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाडा 269-व (1) के अभीन सुभूता

भारत सरकार

कार्यासक, सहायक गायकर जायकत (निद्धीक्षण), श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 भ्रगस्त 1985

निवेश सं० आई० ए० सी० /एनपू०/3/37ईई०/
12-84/734—आतः मुझे, सुनील चोपड़ा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहलात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृत्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० स्पेस नं० एफ-31 में स्थित है तथा जो 2-ए विकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) कार्यालय धर्णन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उम्रित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नर्द् है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उम्बत बाजार मूल्य, दूसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्षत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाब्त, उक्त अधिन्यम् के अधीन कर दोने के बन्तरक के स्वित्य वे कभी करने वा उद्यूष वचने वे स्विधा के सिए; अद्वि/वा
- (क) एंची किसी बाय या किसी भन का जन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवास प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना जाहिए जा, स्थिपाने में सूहिन्जा जी जिस्हा

अतः अभ, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं केलाश नाथ एण्ड एसोसिएटस 1006, कंचनजंगा, 18 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती गीतांजिल चौहान ए-2/3, इलाईट सोसाइटी, शाहींबाग, झहमदाबाद (गुजरात) ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कहि भी आक्षेप 🚁

- (क) इ.स स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद्द
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 भविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वाराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त वृष्टिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रमाहिका

बन्स्ची

शेप स्पेस नं० एफ-31, तादादी--124 वर्ग फीट पहली मंजिल प्रोपोजिङ महटीस्टोरीज कर्माशयल बिल्डिंग 'ए-एल2 पी०-एस०/2-ए, विकाजी कामपलेक्स, नई दिल्ली।

> सुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी स**हायक मायकर प्रायुक्प** (निरीक्षण) **सर्जेन रेंज-3,** नई दिल्ली

तारीख: 8-8-1985

प्ररूप नार्द.टी.एन.एस. -----

नावकर मिथिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सुपना

HIAC STRIP

कार्याक्षय, सहायक भागकार गायुक्त (किरीक्षक)

भ्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 भ्रगस्त 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सी ०/एक्यू०/3/37 ईई/ 12-84/735---श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 1,90,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 9, कीर्ति महल बिल्डिंग है तया जो 19, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिधिनिनयम 1961 के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकर्ती विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण चे हुई किसी जान की बाजका, बक्क अभिनियम के जभीन कर योगे के जन्मरक के दाशित्य में कभी करने या अबुक्ते व्यापे में सुहिन्या के हिन्छ। मीड/वा
- (ख) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रवोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के स्थितः

नतः जन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्युक्तियों, सर्थात् ४(1) श्री दामोदर बत्ना सुपुत्र श्री इी० सी० बन्ना निवासी ए-432, डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ मयूर इन्टरनेशनल 602, दीप शिखा बिल्डिंग, 8, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए वा सकेंचे !

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया भवा हाँ ॥

अनुसूची

बेसमेंट नं० 9, कीर्ति नगर बिल्डिंग, 19 राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, तादावी 523 वर्ग फीट ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

तारीख: 8-8-1985

मोहर 🖫

प्रकथ् बार्ड . दी , एन , एस् . लग्जनगणन

शायक्रप्र वॉपनियन, 1961 (1961 का 43) की यारा 269-प (1) के स्पीन स्पना

सारक स्टब्सर "

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 8 श्रगस्त 1985

. निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/12-84/ 736--- ग्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5/67 है तथा जो पर्शांतह रोड, करौल बाग, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विल्त है), कार्यालय, श्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख विसम्बर, 1984

कों प्रॉक्त संपरित के उचित बाबार मुख्य से कम के क्ष्यमार प्रितिक के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वल करने का कारण हैं कि यथापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार शृस्य उसके क्ष्यमान प्रतिकल का बन्दि के स्थापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार शृस्य उसके क्ष्यमान प्रतिकल का बन्दि हैं और बन्तरिक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के मिए तम पाया गवा प्रतिकल, निम्नीनिकत सब्देविस से तकत जन्तरण कि कित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है हु—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाद की बादतः, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक कैं वायित्य में कमी करने या उससे बधने में सुविधा डीकए; औड़∕या
- (च) एसी किसी बाब या किसी थव या बन्य बास्तियों करें, जिन्हें भारतीय लाय-कर बीधित्रियम 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

वत. बब, चक्त विधिनवन की बारा 269-प्र के बन्धरच में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के जधीन, निम्नसिवित अयिक्तयों अर्थात् क्ष-- (1) मैं ० पाल मोहन कन्स्ट्रक्शन कं०,
 6/4792, चाँदनी चौक,
 दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रीमती सुषमा कुटियाला,
2. श्री नन्दन कुटियाला,
3. कुमारी नारायनी कुटियाला,
निवासी कानाल रेक्ष, करौल बाग,
नर्ष दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

कार्य सम्बन्ध कारी करके पृथानित संपृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

सक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कांड्रों भी आक्षोप ,---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख सं
 4.5 दिन की अवधिया क्षत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ एद
 सूचना की कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में दित्ववध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विख्त में किए जा सकेंगे।

स्पक्कोकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लैट तीसरी मंजिल, बिल्डिंग पाल मोहन हाउस, 5/67, पद्मसिंह रोड, करौल बाग, नई दिल्ली। तादावी 2516 वर्ग फोट ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्लो

तारीख: 8-8-1985

मोट्ट :

वस्य बाह् , दी, धन, एत.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) से म्थीन स्मान

भारत सहस्रा

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/37ईई/12-84/ 738---- प्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भ्रौर जिसकी सं० स्पेम नं० 1 श्रौर 2 है तथा जो 2-ए, विकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय, श्रजित रेंज-3, नई विल्लो में भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को कोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रागमान प्रतिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि मध्यपृत्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रागमान प्रतिकल से, एसे द्रागमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया। गया है द्रान्त

- (क) कतरण से हुई किसी अाव की वावत, डक्ट विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे वजने से सुविधा के निए; और/वा
- (वा) एसी किसी जाक वा किसी भन वा जन्य शास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अस्तरिसी द्वारा प्रकट नृहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था कियाने बाँ सुविधा के निए;

कतः इय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक की. मी, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) की अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैं ॰ कैलाय नाथ एण्ड एसे। तिएट्स, 1006, जंगा, 18, बाराखण्या रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी प्रादिती प्रानन्द, सी-19, चिराग इनकलेख, नई दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त संपृत्ति से वर्षन के विष्

जनत संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र ड---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जमिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव भिवत में किए जा स्केंगे।

स्प्रकोक रण:-इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्युक्त शब्दों और पदों का, जो उद्युक्त शब्दों और पदों का, जो परिभाजित हैं, बहुरे अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या

अनुसूची

ग्रोपन कार पार्किंग स्पेस नं० 1 श्रीर 2, प्रोपोण्ड कर्माशयल कम्पलेक्स, 'ए० एल० पी० एस०', 2-ए, भीकाओ कामा प्लेस, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-3, नई विल्ली

तारीख : 8-8-1985

प्ररूप बाइं० टी० एत्। एस्०--

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के वृथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 श्रगस्त 1985

शास्कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त जिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर काएन हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यी-2, बी-3, 2-ए हैं तथा जो भीखाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप संवर्णित है), कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 के ग्रिधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास कर को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिक्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प स कि धत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरंत्र से हुई किसी नाम की बावड़, उक्त निध-नियम के जभीन कर वोने के जन्तरक के वासित्य में कभी कहने या उससे वचने में सुविभा के लिए; बीड/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या भन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया परा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के सिए:

नतः चन, उन्त नाभिनियम कौ भारा 269-म के नमुसरम में. में. उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

22 - 226 GIJ85

(1) मैं० कलाश नाथ एसोसिएट्म, 1006, कंचनजुंगा, 18बी, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोद श्रानन्द, निवासी सी-19, चिराग इनक्लेव, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्बन्धि के नर्वन के जिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताइकि से 45 दिन की बनीय ना तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तासीस से 30 दिन की सर्वीध, वो धीं बनीध साथ में स्नाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति इसारा;
- (क) इब सूचना के राजपत्र वें प्रकाशन की शारी वें 4.5 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में क्रियवड़ भ विक्ति अन्य व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित वें किया जा सकों ने।

स्वक्रीकरण ह— इसमें प्रवृक्त कर्यों और पर्यों का, थो उपक् विधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा थो उस वध्याय में दिया मुना हैं।

न्त्र्यो

गोडाउन स्पेस नं० बी-2, बी-3, बिल्जिंग नं० 2-ए; कम्पियल कस्पलेक्प, 'ए० एल० पी० एस०', भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 790 वर्ग फीट ।

मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 7-8-1985

प्रकृष वाद् .टी . एन .एस . -----

भायकर भिगितमम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीत स्पना

पारत शहकार

कार्यालय, सहायक गायकार गाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज+3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1985

भिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०—III 12—84/931—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

अगमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके एक्कार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

ष्मीर जिसकी मं० सी-12 है तथा जो हौज खास, इनक्लेव, नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण इन में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्जीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुक्ते यह विश्वास शाने का कारण है कि उत्पादनींकत मम्पित का लिखाना शाह मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का फ्ल्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) थाँद अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एके बन्तरण के सिए तथ प्रशा नवा प्रतिशत निम्नीकिश्वित उद्देश्य से स्वत अन्दरण निक्ति के आस्तरिक रूप से कथित नहीं किया गवा है क

- [क) अन्तर्ण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त बर्धिनियम के अधीन खर्द दोने के अन्तर्क ब्री दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविका के किए, और/भा
- (क) ध्रुली किसी आग या धन या अन्य आस्तियों कि., किन्हीं भागीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्राप्तिक अभिनियम, या ध्राप्तिक अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में विषया असे किए:

वतः वव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के बम्सरण ग्री ग्री, उक्त अधिरियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क वधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती सुदर्शन रावला पत्नी वाई ० पी ० रावला, श्री यगपाल रावला सुपुत्र श्री एन ० एल ० रावला श्रीर मैं ० रावला एण्ड कं ० प्रा ० लि ०, 2655 बैंक स्ट्रीट, करोल बाग, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक) मती गीता सेठ
- (2) श्रीमती गीता सेठ
 पत्नी श्री अनिल मेठ
 ग्रीर अनिल सेठ
 सुपुत्र ए० पो० सेठ,
 निवासी जे-7, ग्रीन पार्क,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को कह सुचना जारी कारके प्काँचत सम्पत्ति के धर्णन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्क बुम्मीत्व के मर्बन के बुम्मूम्भ में कोई शी बाखेस्थ--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीं से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों वार में दिनापत होती हो, के मीत्र पृक्तिक महिना में वे किसी व्यक्ति हुनाराह
- (त) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विषे में शीवर उक्त स्थापर कमरित में हितवपूष विश्वी क्या मानित इंगाय व्योहस्ताक्षरी के शब् सिवित में किए का सकींगे।

श्वच्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्योका, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभारितक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पक्ष हैं.।

वन्स्ली

प्रो० नं० सी-12, तादादी 311-1 वर्ग गज, होज खास, इनक्लेब, नई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखा: 31-7-1985

प्ररूप नाहर् हो. एन . एस :------

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृज्ञा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निदेश सं आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/12-84/ 740---अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया है), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृश्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० बी-414 है तथा जो 23 बीकाजी कामा पलेस नई ।दल्ली में भारतीय अ।यकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफाल के निए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल को, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का प्लाह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्दोध्य से उक्त अन्तरण रिनावत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबता, उक्त अधिनियम से वजीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कनी करने या उत्तते वचने में सुविधा के निष्ट; बहि/बा
- (क) एका किसी नाय या किसी धन नत्य बास्तियों की जिन्हों आरतीय वायकतः अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तस अधिनियम, या धनकर निर्माण कर निर्माण में 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविभा के लिए;

- (1) डा॰ एन॰ सी मेहता 486-7-बी फरीदाबाद (हरियाणा) । (अन्तरक)
- (2) श्री आर० एस० श बी-4/203, सफदर नक्लेब नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबाब 🐦

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की सामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्थिक्सयों में से किसी स्थिक व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा सकोंगे ;

स्पष्टींकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिगा भया है।

नन्स्भी

प्लाट नं वी-414 3 बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली सादादी 306 वर्ग फीट ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

कतः जन, उपत नियमियमं की धारा 269-ग ने अनुभरण भी, मी, उपत नांपनियमं की भारा 269-ग की उपभारा (1) की नधीन, निम्नीलिकत न्यान्तियों, नथित है—-

तारीख : 8-8-1985

प्रका कार्ये और श्रेन प्रवासन

भार्कर मीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 अगस्त 1985

निदेश सं० अई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/12-84/742--अस: मुझे सूनील चोपड़ा

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-क में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भौर जिसकी सं० 206 है सथा जो 2-ए, बिकाजी कामा प्लेस बी० आर० 225 सेन्टर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय अत्यकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोकत संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफास को निए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थाप्नोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्या, उसके क्रयमान प्रतिफाल से एसे क्रयमान प्रतिफाल का प्रनेत्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फान, निम्नलिखित उद्वेष्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जान ना किसी थन या अन्य जारितयाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनयन, या अनकर न्यापिनयन, या अनकर न्यापिनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैवधा के लिए

(1) मैं ० कैलाश नाथ धीर एसोसिएट्स 1006 कन्चनजुन्मा 18, बाराखम्भा रोड नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल मारिका श्रीमती रितु मारिया किंबी बिल्डिंग सिस्टम जुबायर इन्टरप्राइसेस मरकट श्रीमान । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उन्ह सुम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में काई भी बाबोप ध-

- (क) इस शुनना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीण है 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनधि, को भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूना कर न्यस्तियाँ में से किसी न्यस्ति ध्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच चं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद बब्ध किसी जन्म स्थावित व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

क्यूक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कव्यों जीर पदों का, को उक्क प्रीवित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया -(या है।

धनुसूची

प्लाट नं 206 सादादी 708.5 वर्ग फीट प्रौपोजिष्ठ मल्टी स्टोरी कर्माशयल कम्पलैक्स ए-एल-पी-एस' 2-ए बिकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली डिस्ट्रिक्ट सेन्टर नई दिल्ली।

> सुनिल चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

बतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) बै वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्षात :---

तारीख: 8-8-1985

परूप ब्राह्न, दी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन ग्चना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर बायुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निदेश संव आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/12-84/743--अत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके ध्रसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 18 सी, आशीर्वाद है तथा जो के-84 ग्रीन पार्क नई दिल्ली में स्थित है (प्रौर इमसे उपाबद्ध अनुमुत्री में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3 दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण कि लिए तम

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भें कमी करने या इससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री महावीर प्रसाद ई-22 डी॰ डी॰ ए॰ फ्लैट मालविया नगर एक्सटेंगन नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र सिंह ग्रौर श्रीमती रमीन्द्र कौर बी-8/4 वसन्त विहार नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कीई भी बाक्षेप अ-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की कारीक सं. 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषिश है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुचची

श्रिफस प्लाट न ० 'सी० तादादी 312.5 वर्ग फीट पहली मंजिल प्रीपजिज कर्माशयल कम्पलैक्स बिल्डिंग के-84, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 8-8-1985

प्रकम कार्ड हो . एन . यस . ------

वायकार व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वृधीन ज्वाना

नारत वरकार

कार्याजय, तक्षायक नामकर नायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985 निदेश सं० अगई० ए० सी० /एक्यू०/3/37 ईई०/ 12-84/749--अत: मुझे सुनील चोपड़ा

आभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दसमें दसमें प्रथात 'उन्त मधिनियम' कहा क्या हैं), की धारा 269- क मधीन सक्षम प्राधिकारों को, वह विश्वास करने का कारण हं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 85 है तथा जो ग्राम खुरेजी विकास मार्ग आई० पी० एक्स० गुजरास विहार दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्जित बाजार बुक्य ते कन के दरवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गृह हैं और मुके यह विद्यास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्जित बाजार मूल्य, उसके उथ्यमान प्रतिफल से एसे उथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और गन्दरिती (अन्तरितिशों) के बीच इसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं .—

- (क) अध्यादन के इन्द्रिंगिकी बाव आही नावचा, उक्त अधिनियन के नृथीन कर दोने के बन्धादक के क्षित्व में क्ष्मी अपने वा उन्नचे कृत्रमें में सुविधा के लिए; कर्ष्ट्र/या
- (क) ऐसी कि बी थाय या कि बी थन या अन्य साहित्याँ हों, जिन्हूं भारतीय जायहाद अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्वा था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविभा के किया

वास्तर कव, उक्त विधिनियम की भारत 269-ग की बन्तरण कों, बीं, उक्त अधिनियम की भारत 260-घ की उपभाग (1) को क्षणीन, निम्नतिवित व्यावितयों, अर्थात् ः— (1) श्री सवाई लाल पारीख कांती लाल आर पारीख, श्री जितेन्द्र पारीख श्री जनार्दन पारीख श्री अरविन्द पारीख ग्रीर श्री किरीत परीख प्रो० मैं० कांति लाल ,आर० पारीख चांदनी चौक दिल्ली।

(अन्तरक),

(2) श्री जितेन्द्र पारीख निवासी 19 अंसारी रोड़ा दरियागंज दिल्ली । श्री जनार्दन पारीख निवासी 2958 कटरा खुसल राय किनारी बाजार दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अकेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिस्ण:--इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं ० 85 तादावी 240.68 वर्ग गज, ग्राम-खुरेजी विकास मार्ग आई० पी० एक्सटेंशन (गुजरात विहार) दिल्ली।

सुनील चोपड़ा सक्षम अधिका री सहायक क्षायकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 6-8-1985

मोहरु 👉

प्रस्प बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक वायकतु वायुक्त (निर्याक्षण)

ग्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 श्रगस्त 1985

निदेश सं० श्राई० ए० मो० /एक्यू०/3/37 ईई०/12-84/ 858--श्रतः मुझे, मुनील चोगड़ा

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृस्य 1,00,000 छ. से प्राधिक है

म्रोर जिसकी मं० प्लाट नं० 21 है तथा जो न्यू राजधानी हुँधनक्लेब, दिल्ली-32 में स्थिन है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्णोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रथमान प्रात्माल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, इसके द्वारणान प्रतिफल से, एोचे द्वारमान प्रतिफल का पनंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पामा गमा प्रतिफल निम्निलिखत उच्चेष्य से उक्त जंतरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गमा है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अतरक के शियस्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए: और/बा
- . अं अंसी दिवसे बाब या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिस्ता भारतीय यागकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) के उक्त अधिनियम, या अभक्षार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमुद्धिनाओं अंतिरिती इकारा प्रकार नहीं किया नया भा जा किया जाना नाहिए था शियान में

अत: त्रव, उक्त अधिनियम की भार। 269-ए के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)} कें क्षिर जिल्लाकित्रीयल क्यांक्सियों अवस्थित

(1) लेफ्टि॰ कर्नस्य एम॰ पी॰ एस॰ कन्दल, नियामी 46, कोटा हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश श्रग्रवाल, पत्नी श्रीराजा राम ग्रग्रवाल, निवासी ब्लाक जे श्रौर कें-81, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-32 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इब स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की संविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक स्थितयों में से किसी स्थानत इवारा;
- (क) इक्ष सूचमा के राजपत्र में प्रकासन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरण: -- इसमें प्रयंक्त शब्दों मीर पतों का, जा उक्त भौभिनयम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होंगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

मनुसूची

खाली निवासीय प्लाट नं 21, न्यू राजधानी इनक्लेव, नादादी 400 वर्ग गज, दिल्ली-92 ।

> मुनील चोपड़ा सक्षम अधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 7-8-1985

प्रकप वाद**ै**.टी.एन.एस_{..}---=-=

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांश्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज~3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 7 श्चगस्त 1985

निदेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई०/12-84/ 2-85/804--श्रतः मुझे, सुनील घोपड़ा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं 5/य् जी०-21 है तथा जो भीकाजी कामा क्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपावद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), के कार्यालय, स्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन नारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्के यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निशिवत उद्वेषय से उक्त दन्तरण जिशित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किती नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए;। और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिक्या बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अभः, उकत अधिनियम की धारा 269-भ को अनुसरण मं, मैं उपत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती सावित्नी देवी, एवं श्री कन्हैया लाल, निवासी ई~32, मोती नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कन्हैया लाल, निवासी ई-32, मोती नगर, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस सूचमा के राजपक में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

जनुस्चीं

प्रा० नं० यू० जी०-21, बिल्डिंग नं० 5, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 225 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम अधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज~3, नई दिल्ली

तारीख: 7-8-1985

प्र**क्ष**्यार्¹.टी.एन.एत.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रांति स्वा

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाँक 8 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/3/37 ईई०/12-84/ 859---श्रतः म्झे, सुनील चोपड़ा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.(क.,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० टी-10 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटेंगन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, श्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीज एसे अन्तरण के निए तस पासा गया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्देश्य से उकत अन्तरण तिश्वित में बास्तिक कम से कास्तिक कास से कास स

- (क) बन्तरण संहुत्रं किसी बाय की शासत, स्वतः वृधिनियम के बधीन कर योगे के बन्दरक के स्वित्य में कनी करने या उससे वजने में कृतिथा के लिए; बायु/बा
- (क) एसे किसी बाब का किसी धम बंग प्रस्त कारितकाँ को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियंत्र, वा बंध-कर अधिनियंत्र, वा बंध-कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 को 27) जी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रसद्ध महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिमाने में सुविवा खे किए;

अत: जब. उक्त वीधीनवम की धारा 269-व के अनुसरक वें, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों,, अर्थात :----23 ---226 G185 (1) श्री सी० एल० पुरी एम० के० पुरी ग्रीर नितान पुरी, निवासी एस-488, ग्रेटर कैलाण, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती शीला मोगा, निवासी टी-10, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को मह स्वना बारी करके पूर्वीक्त सम्मित के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाओए :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दूर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो बी वविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सर्दी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ कि सी बन्ध व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविध्त में किए जा सकेंगे।

ग्न**्स्ची**

प्रो॰ नं॰ टी-10, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, पहली मंजिल, प्लाट नं॰ 310 वर्ग गज, नई दिल्ली।

> मुनील घोपड़ा सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 8-8-1985

त्रस्य नार्धः टी. एत्. एत.: ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रगस्त 1985

निर्देश म० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/3/38 ईई०/12-84/883--श्रनः मुझे, सुनील चोपड़ा

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके इच्छाट 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पति, जिसका उचित वाचार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 132, न्यू राजधानी है तथा जो को श्रापरेटिव हाउम विल्डिंग सोमाइटी लि०, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), कार्यालय, श्रजन रेंज-3, नई दल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिष्ठनियम, 1961 के श्रधीन नारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उपने दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्छल् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया चया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) बलाइम से हुई किसी बाय की बावत, उसस सिंगिन्स के स्थीन कर दोने के सन्तहक के व्यक्तित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के निह; सौर/मा
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन वा बन्त वास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा किया जामा चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए।

अधः बव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के सन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्फत क्ष्र- (1) श्री जग मोहन भटनागर,
 निवासी ई—23, एन० डी० एस० ई०—1,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ज्ञान चन्द, निवासी 511/3-ए, विश्वास नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वाही करके वृत्रोंकत् सम्मत्ति के वर्जन् के हिस्स् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी कक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी नव्धि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्वार;
- (क) इस सूचना के एकथन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य स्थावित हुनारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किस् था सकोंगे।

अनुसृषी

प्लाट नं० 132, ताबादी 174.44 वर्ग गज, न्यू राजधानी, को० भ्रापरेटिव हाउन विल्डिंग सोसायटी लि०, दिल्ली।

> मृनील चोगड़ा सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज−3, नई दिल्ली

नारीखा : 13-8-1985

मोहर 🕑

प्रकार साह^द . दी . एव . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज→3, नई दिल्ली

नहीं दिल्ली, दिनांक 6 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/111/37ईई/12~ 84/4-85/884---यत', मुझे, सुनील जोपड़ा,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उजित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 36/9 है तथा जो भी काजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), के कार्यालय, प्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आयक्षर प्रधिनियम, 1961 के प्रधींन दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्वा से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके सम्मान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के बंद्रह प्रतिकात से अधिक है

और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितनाँ) के शैष एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकृत, निक्नीलिश्वत अ्ष्यंचय से उधत अन्तरण जिल्लित में नास्तिवक क्य से कथित शृति किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काव की वावसा, उक्त अधिनिवृत्त के अधीन कर दोने के अनुकारक के दाविस्त में कानी करने या अवसे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ब) एसी किसी शाव वा किसी भन वा अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिनाने में ब्रिया के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मनिष्टित ए कियों, अधीत्:—

(1) श्रीमती सावित्री बाली, निवासी—11-ई/100, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) 1. श्रीमती रूपवन्त कौर पत्नी स्व० श्री हरबंस सिंह,
2. सुख पाल सिंह पुत्र स्व० श्री हरबंस सिं,
3. श्रीमता हरप्रीत कौर पत्नी डा० ए० पी० सिंह
4. ग्रभय पाल सिंह—ग्रीभभावक डा० ए० पी० सिंह,
निवासी—पी-2 होज खास, नई दिख्ली।
(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्विक्त सम्पत्ति को अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनभि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर स्वित्यों में ते किसी व्यक्ति बुधारा;
- (क) इस त्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

स्पेस नं 36, बैसमेंट, बिल्डिंग न 9, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, सादादी 310 वर्ग फीट।

> सुनील घोपड़ा राक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भायुक्त** (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, न**ई** दिल्ली

तारीख: 6-8-1985 मोहर: प्रारूप आई.टी.एन.एस.

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एम्यू०/3/एस० श्रार०--11/ 12--84/2508----यतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उड़ित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 37, ब्लाक 'सी' है तथा जो मादीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारीं के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथा

मुक्त यह । वर्षित करन का कारण हु । क वर्षा पृथांक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके क्ष्ममान प्रति-फल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और वितरक (वतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे वंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से क्ष्मत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण ते हुई किसी आय की वासत, उक्त विभिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस बचने में सूविधा के सिए; और/मा
- (व) एसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था धिवाने में स्विभा के सिद्;

नि: नव, उक्त मिनियम की धारा 269-म के सन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जसवन्त सिंह सुपुत्र श्री सुन्दर सिंह, निवासी-83/1-ए, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मंगत राम, श्री ज्ञान चन्द आंर श्री प्रजीत कुमार, सभी सुपुत्र श्री सरदार मल, निचासी-5/15, पंजाबी बाग एक्सटेन्शन, दिल्ली।

(ऋन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के सिष्ट् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

हक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी साओंच :----

- (क) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशप की तारील से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हां, के भीतर प्यॉक्स स्मिक्तमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य अधित ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरण :----इसमीं प्रयुक्त सन्दों जीर पर्दों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं कर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया क्या है के

Water Street

प्लाट नं० 37, ब्लाक 'सी', तादादी 471.4 वर्ग गज, मादीपुर, दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहामक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज⊶3, नई दिल्ली

तारीख: 1-8-1985

प्रकल बाहाँ, सी. इस. इस. ----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय , सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ती, दिनांक 13 प्रगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०—II/ 12--84/2509---यतः मुझं, सुनील चोपड़ा,

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके परचात् जिस्त अधिनियम कहा गया ही), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21 है तथा जो रोड नं० 43, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्री, ग्रंग्ण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन दियम्बर, 1984

का पृत्रा वित संपत्ति के उपित याजार मृत्य से कम के अस्यमान अतिफल के लिए अदिरित को अर्थ है अरे मृत्री यह जिस्त्रास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उसत अन्तरण निम्निलिख के बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से धुर्द किसी अाय की बाबत, उकत वीधीनयम के अधीन कर दोने के बन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिस्ट बहि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अस या अन्य सास्त्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के निए,

नतः जव, उनत विधिनियमं की धारा 269-ए के बनुसरण वें, वें, उनत विधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (†) के विधिनः निम्निनियतं कावितमों, वर्धातुः—- () श्री देव करन गर्ग,
 निवासी—134/1, एम० जी० रोड,
 नौथी मंजिल,
 कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतिबन्द्र पाल सिंह,
 निवासी-बी/209,
 बेस्ट पटेल नगर,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तिरती)

को यह सुचना आरी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की शहरीय से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी स्थिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वेक्स स्थिक्तयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जधोहुस्ताक्षरी के पास् जिसी कर्म किए वा सकने।

स्वक्रीकर्ण :---इसमें प्रयुक्त जब्दों और पर्दों का, जो अवत अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में विका गया है।

जन्स् ची

प्रो० दं० 21, रोड दं० 43, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, तादादी 277.08 धर्म गज।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीय: 13-**8**-1985

इंक्ट्र_य वार्ष_ि ठील पुरान् पुरान् करण्या

बाचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) की अधीन स्मृता

मारत स्रकाह

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०--11/ 12-84/2510---अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 20, रोड नं० 55 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विस्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर्ग 1989

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का शिक्क प्रयमान प्रतिफल को लिए तय पाया बंग प्रतिफल निक्तिस्ति के बीक् एसे अंतरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल निक्तिस्ति उच्चे के बीक् एसे अंतरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल निक्तिस्ति उच्चे के बीक् एसे अंतरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल निक्तिस्ति उच्चे के बीक् एसे अंतरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल कि के स्वर्थ के किया उच्चे के स्वर्थ के अधित नहीं किया गया है ।

- (क) बंदरण से हुई किसी बाय की बाब्द, उक्क वृधिनियम के वृधीन कृद दोने में बृष्दरक के दायित्य में कभी कड़ने या उक्क बज़ने में सुन्धि। के बिष्ट; बह्रिया
- (वा) एंती किसी नाय या किसी भए मा नन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धानयम, मा भन-कर नृधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना पाहिए था, किया में ब्रिया के बिद्ध।

बतः बन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री राम प्रकाश शर्मा, सुपुत्र श्री गंगा राम शर्मा, निषासी----नजदीक हवासीया मन्दिर, भिषानी (हरियाणा)।

(ग्रन्सरक)

(2) एस० हरविन्दर सिंह सुपुत्र एम० जागीर सिंह, निवासी—14 नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाबोप 4-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जवित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों के कुछ की दानीस से 30 दिन की अविध भी भी भी कुछ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशत क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति बुबाया
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

स्वाचीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सध्यों और पवा का, वा करत वृधिनियम के अध्याय 20-क में परिआविष ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया वृध

अनुसूची 🕚

्लाट नं० 20, रोड नं० 55, तादादी ₋555.55 वर्ग गज, पंजाबी भाग, दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंक~2, नई दिल्ली

तारी**ज**: 1-8-1985

भोहर 🖫

प्ररूप आहं. टी. एन. एस.-----

बावकर विधितवन, 1961 (186; का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1985

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एस्यू०/3/एस० आर०-2/ 12-84/2512--यतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार नृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० खसरा नं० 335 है तथा जो ग्राम दिन्दा पुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसस्बर, 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अयजान मृतिफल के खिए अन्तरित की नहाँ हैं और मुक्ते वह जिन्नाड करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से, ऐसे अयजान प्रतिफल का सल्बह् प्रतिकत से विश्व हैं और अंतरक (अंतरका) और जंतरिबी (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय नावा नवा प्रति-फल निम्निलिखत उत्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किती जान की बावत, खक्त जीभिनियम के अभीन कर बोने के जन्तरक के वाजित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के हैंसड़। और/मा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन ना अन्य आस्तिनों का, चिन्हें पारतीय नावकर निभिन्निन, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्निन या भनकर सिधिनिनम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने जे सिखा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:— (1) श्री पी० एल० महलोता, सुपुत स्व० श्री राम चन्द मलहोता, निवासी-बी० एफ० 25, टैगोर गार्डन, नर्द दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० पी० कपूर, सुपुत्र श्री बुध राज, निवासी-एन-7, राजोरी गार्डन, मर्ड दिल्ली।

(अन्तरिती)

की वह तुकना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति में वर्षन की निश् कार्वनाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 विन की बनीय या तत्सम्बन्धी स्वीक्तयों पर सूचवा की तानीस से 30 विन की बनीय, जो मी बनीय वास में इंगास्त होती हो, के भीत्र प्रोंक्स स्वक्तयों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिख-वद्ध किसी जन्म स्थानित व्यारा, अधोहस्ताक्षणी वैं शक्त निवित के किए वा सकीने।

स्पर्काकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाधिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

कृषि भूमि तादादी । विथे, 8 विश्वे, खसरा नं० 335, ग्राम दिन्दारपुर, दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 14-8-1985

प्रकप बाई . दो . एन . एत . -----

मायकर मिपीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जानकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-4/ 12-84/2513--यतः, म्झे, स्तील चोपड़ा,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. ते अधिक है

प्रौर जिसकी मं० खसरा नं० 335 है तथा जो ग्राम दिन्सार-पुर, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण का मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1984

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के, पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक इप से कथिल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एमी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिक की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विजया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरणी मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री एस० पी० मलहोत्रा, .
सुपुत श्री राम चन्द मलहोत्रा,
निवासी——बी० एफ०/25, दैगोर गार्डन,
नर्द दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० पी० कपूर, पुत्र श्री बुध राज कपूर, निवासी—एन-7, राजोरी गार्डन, नर्ड दिल्ली।

(भ्रःतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संवत्ति के अर्जन के संबंध के कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नमीध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की जन्मि, जो भी नमीध बाद में समान्य होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो समत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशायित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन सन्ती

कृषि भूमि त।दादी 1 बीघे, 8 बिक्के, समरा नं० 335, ग्राम दिल्दारगुर, दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी इायक अध्यक्तर आयुक्त (िरीक्षण) वर्जन हैं ज~3, नई दिल्ली

ता रीख 14→8-1985 मोहर :

त्रक्य कार्ड. ट. एन्. एत. - - ---

ग्रत्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

बारत सरकार

कार्यांतर, सहायक नायकर जायकत (निर्दाक्त) प्रार्जन रेंज--3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० श्रार०-ां/ 12-84/2514--यतः, मुझे, सुनील घोषड़ा,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, सह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उसित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 20-ए/8-ए, है तथा जो तिलक नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण का मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1984

को पूनोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के स्वयमान इतिफल् के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त कम्बल्ति का उक्ति बाजार मृस्य, उमके दश्यमान इतिकल से, एते स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से कथिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निक्ति में गास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त बीधीनयम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भा कमी करने या उससं बचनं में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या बन्य बास्तियों की चिन्हें बारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ बन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की बन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लीनियन स्पत्तियों, अथानि के 24—226 GI85 (1) श्रीमनी मंजीत कौर पत्नी श्री करम सिंह, निवासी—ची-1/594, जनकपुरी, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहिन्दर सिंह सुपुत स्व० श्री हरबंस सिंह, निवासी—-20√/8-ए, तिलक नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधत सम्पर्धित के अर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां शृक्ष करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्भ्रत्य में कोई भी गामन :---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, को भी अधि भाव में समान्त होडी हो, के मीसर पूर्वेषत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका क्या है।

arril

जी बीं वीं वीं वें 20 ए/8-ए, तिलक नगर, नई दिल्ली, तादावी 100 वर्ग गज।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिवारी हायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 1-8-1985

प्रकप बाहै. टी. एन. एस.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक अध्यकर अध्यक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज⊶3. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 ग्रगस्त 1985

निर्देश मं० ग्राष्ट्री० ए० सी०/एक्यू०/3/एम० श्रार०-2/ 12-84/2515--यन:, मुझे, मुनील चेथाड़ा,

भायभार लीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० ए०9 (डब्ल्यू० जेड-342) है तथा जो भिव नगर. दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्ती प्रधिरारी के कार्यालय, तई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते पह विश्वास करने का कारण है

कि यथाप्रबेक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके हथ-मान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्वत से बाधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) बार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आध को बाबत, उसके अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिभा के लिए। मौर/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में तृपिधा को निए?

*** गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तिसी, अर्थात :— (1) श्रो णादी लाल श्रानन्द मुपुत्र श्री हावेली राम, निवासी--ए-114, जनता कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार और श्री देविन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री राम सरत, निवासी—-डब्ल्यू० जेड 43, शिव नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बब्ध हिक्की अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकों ने ।

स्वय्योकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवी का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, को इस अध्याय में दिया . गया है।

नगत्त्वी

ानाट नं ए-9 (डब्स्यू० जेड-342), तादादी 200 वर्ग गज, शिव नगर, नई दिल्ली, एरिया ग्राम तिहाड़, दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधियारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5--8--1985

भोहर:

प्रकृष भार्र्ुटी...एन्...एस... =======

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के व्यभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकर (निर्देशिका), अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०आर० 2/ 12-84/2516 अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भाख 269 क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कर्ब का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्यू 1,00,000/- रा. में अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० ई-ए/1/38 है तथा जो इन्दरपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के दूष्यमान, प्रतिफल के लिए अंतरित की गईं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकल संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, एसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह भित्तिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे क्नतरम के लिए तय पाना गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण जिल्लि में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी जान की नायत, उक्त अधि-नीधृतियुव के न्धीन कर देने के जन्तरक के व्यक्ति में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; नीर/वा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी थम वा बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी लिए।

जतः अव, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधास्त्र (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् १(1) श्रीमती कैलाण बहर हरसेल्फ एण्ड अटारनी आफ श्रीमती साधना बेरी, नित्रासी 28, साज्थर्न एवेन्यू, ज्लाट नं० 8, कलकत्ता।

(अन्तरक)

- (2) 1. आर० एल० दुआ, सुपुत्र श्री घनण्याम दास दुआ,
 - श्रीमती चम्पा दुआ
 पत्नी श्री आर० एल० दुआ,
 निवासी 20/27, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का वह सूचभा जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्थन् के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोंड़ भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थानर सम्पत्ति में हिसनक्ष्म किसी जन्म स्पनित क्वारा जभोहस्ताक्ष्टी की पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों बार पदों का, जो उकत अही भारिताम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई०-ए०/1/38, इन्दरपुरी, नई दिल्ली, तादावी 250 वर्ग गज ।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 13--8-1985

मोहर

प्रकथ बाइ ट्री. एन . एस. .-----

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

धारत हरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1985

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-2 12-84/2517--अत: मुझे, सुनील चोपड़ा

शायकर श्रीभानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० मी-99. खसरा नं० 2056 है तथा जो हरी नगर क्लाक टावर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूणं रूप में बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गईं है और मुखें यह विद्यास करने का कारण है कि सम्पत्ति का जिल्ल बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतर्क (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से असर अतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथित नहीं गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आम या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

मतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब के अन्धरण भो, भी, शक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिकिन आफितसाँ, अर्थात् :--- (1) श्री बलदेव सागर भन्डारी, सुपुत्र श्री खराती लाल भन्डारी, निवासी 4/117, डब्ल्यू०-ई०-ए०, करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) एस ० मोहन सिंह सुपुत्र एस ० बुआ दित्या मल, निवासी टी-235 ए, बलजित नगर, नई दिस्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसूची

प्लाट न ० सी-99, तादादी 220 वर्ग गज, खसरा न ० 2056, हरी नगर, क्लाक टावर, एरिया ग्राम तिहाड़ नई दिल्ली।

> सुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-8-1985

प्रकल कार्ड . टी . एन . एश . ------

ज्ञामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीत स्थना

नारतं राष्ट्रकार

कार्यालम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 1 अगस्त 1985

निर्देश 5० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एम० आ τ ०-11/12-84/2519—अन: मुझे, स्नील चोपड़ा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं ० ए-1/135 है तथा जो ग्राम नरायना, इन्वरपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रींग इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि सथापुर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिमत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तम पास समा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया स्या है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अध्यक्त के दासिस्थ में कमी करने वा सल्खे वचन में सुनिया के सिए; बीर्/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधित्यम.
 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम,
 या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, ख्रियाने में गृहित्या खें लिए;

नतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण "- में", में", उक्त गणिनियप्र की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शोभा गुप्ता पत्नी श्री आर० के० गुप्ता, निवासी आर० ए०-74, इन्दर पुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मधु गुप्ता
पत्नी श्री एस० सी० गुप्ता,
मास्टर धीरज गुप्ता,
मास्टर राहुल गुप्ता,
सुपु गण श्री एस० सी० गुप्ता,
निवासी 981 शिवाजी स्ट्रीट,
करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की वह कृषना आरी करके पूर्वोक्त संपृष्टि के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं ० ए-1/135, ताबादी 250 वर्ग गज, खसरा नं ० 1610, ग्राम नरायणा, आवादी इन्दरपुरी, नई दिल्ली।

> सुनीश चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 1-8-1985

प्रकृष नार्षं दी एन एस , ------

भायकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारत 269-म् (1) के व्यक्षीय सूच्या

धारत वरकात

कार्यालय, सहायक वायकर भाग्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/37ईई/12~84/741——अत: मुझे, स्नील चोपड़ा,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसके इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृज्य 1,00,000/-स. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 103 है तथा जो 3, एन डब्ल्यू-ए, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसम उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकत्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीम दिनांक दिसम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिष्ठ की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) में नीच एते अन्तरत के लिए एव पामा न्या मृद्धिका, विश्नीजिद्द अनुवेश्य से उच्छ अन्वरण प्रिचित्त में बाक्तिक स्म से कांचत नहीं किया नवा है :---

- (क्) अध्यक्षण प्रदार किया वाग की वागवा, उनक वर्षित्वत के व्योग कर देने के बन्दरक के शांत्रिय में को कड़ने या उन्हें ब्यून में द्विया के चिए; बार/मा
- [का] होती किसी बाब वा किसी वयु वा कम्ब वासिस्कों का, जिस्हों बाइतीय नाव-सह निधानयन, 1922 (1922 का 11) वा उपत नीपीनयम, वा यवकार व्यक्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ब्लाइतिती ब्वाइ प्रकट नहीं किया गया था वा किया जांना जाहिये था. कियाने में विविध के निवा;

े कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाग्न (1) ⊯ अधीर, निस्मक्षिक स्पन्नियमों अर्था के क (1) मैं ० रिणी पाल शोपटींज (प्रा०) लि० 704, प्रगति टावर, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सवीता कथुरीया पत्नी श्री रमेश कथुरिया, निवासी एफ० 28--ए०, हरी नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

न्द्री बहु सूचना पारी करके प्रशिक्त सभ्यत्ति में संघेन के निध् कार्यवाहियां करता हूं ते.

इक्स बन्धीता के वर्षन से सम्बन्ध में सोई भी बार्त्रपश्--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाधन की तारीस सै 45 दिव की स्वर्धि वा तत्क्ष्याओं व्यक्तियों पर क्वान की तामील से 30 दिन की वनिथ, को भी स्वर्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी स्वर्धित हवारा:
- (व) इस सूचना के राजपन में अकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध कियी कन्य व्यक्ति ह्वारा अभोहस्ताकरी के शत निवित्त में किए आ सकींगे।

राख्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका भया हैं कि

वन्तुक

प्लाट नं ० 103, पहली मंजिल, पाल मोहम अपादंमेन्ट, 3, एन० डब्ल्यू०-ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, तादाबी 780 वर्ग फीट ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) प्रजीत रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 8-8-1985

मोड्ड 🔞

श्रक्य बाह्रं, टो. एन. एस. 🔫 -

कासकर ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत नरकार

कायंसिय, सहायक कायकार वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं ० प्राई० ए० ची०/एकपू०-3/एस० आए०-111/
12-84/935--अतः मुझे, मुनील चोपड़ा
बायकर शाँचिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसें इसमें इनके पर्याए 'उनत अधितियम' कहा गया है), को भारा
269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह ग्विकास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य
1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/42874 (पार्ट) है तथा जो युसफ सराय, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीगकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारी दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करा का उत्तर है कि उथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नंद्रश्च प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्मिलिया स्वदृश्य से उद्देश अन्तरण निनिय में द्राम्तिक कम में कथित नहीं किया गया है :

- (क) बन्तरण से हुई किती भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तारक के बायित्व में कमी करने या जनमें बचने में मुविभा के लिए; सीर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का. जिन्ही भारतीय आनकार जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम व: धनकर विधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तिस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 1 श्री मनोहरन किशन कौल (एँ के क काल) सुपुत्र श्री प्रण किशन कौल, निवासी 61/1 मनमोहन बिल्डिंग, युसफ सराय, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती निर्मला जैन
पत्नी श्री जय पाल सिंह जैन,
निवासी 12/8, युसफ सराय, नई दिल्ली
श्रीर श्रीमती बिमला गुप्ता
पत्नी श्री लखमी चन्द गुप्ता,
निवासी एम-201, गौतम मगर,

(अन्तरिती)

की यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के विश् कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टाकरणः — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पतों का, औ जब्द अधिनियम के अध्याय 20-क में पुरिभावित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वैदा हों]]

प्रन्यूची

प्रो० र्न ० 1/42874 (पार्ट) खसरा नं ० 141/129, खेवन खतौनी नं ० 1—िमन, नादादी 100 वर्ग गज, युसक सराय, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अअर्ज न रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

नारीख: 31-7-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, मई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/ 12-84/935--अतः मुझे, सुनील चीपड़ा

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें राके परकात 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य, 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० सिंगल स्टोरी बिल्डिंग, एम-13 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीप पूर्व रूप से बिल्ली है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह जिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार सूम्य, उचके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में नास्तिक रूप है किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भव या बन्य वास्तियों कर किन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, या धन-अल लिभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री ब्वास प्रकट नहीं किया गया मा सा किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थन्त :--- (1) श्रीमती इन्दर मोहनी शर्मा पत्नी श्री पत्ना लाल, द्वारा अटारनी श्री के ० एल ० मेहता, निवासी ए 4/1 राना प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मकबुल निकहाद मेहवी पत्नी श्री सैयद साहब मेहदी, द्वारा सोनु भट्टाचार्या, ई-3, पंचिशिला पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती

कार्यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृभ किसी मन्यू व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरों के पाइ असित में किया ना सकेंगे ।।

स्पन्धीकरणः ----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकारित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसनी

सिंगल स्टोरी बिल्डिंग, ब्लाट 'एम' ब्लाट नं० 13, ग्रीम पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली, नादादी 310 वर्ग गज।

> सुनील घोपड़ा सक्षम अक्षिकारी सहायक आयकर ाायुक्त (निरीक्षण) {अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 13-8-1985

धक्य जार्ड. टी. एन, एस. -----

नायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1985 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-3/ 12-84/936--अत: मुझे सुनील चोपड़ा

जायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसर्वे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० प्रो० नं ० 283, ब्लाक 'एस' है तथा जो ग्राम गेखसराय, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिल है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य' उसके देश्यमान प्रतिफल से ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बौर/भा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हों भारतीय भाग-कर वीधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनते विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ वन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

. अदः शव, उक्त वीधीनवम की धारा 269-ग के बज्जरक में, में उक्त जीधीनयम की भाष 269-म की उपधारा (1) के जधीन जिस्तिजिकत व्यक्तियों, बर्धात क्र-- (1) श्री प्रकाश चन्द जैन, सुपुत्र श्री जगिमनदर दास जैन, निवासी 1282, वाकिल पुरा, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डा० महिन्द्राप्रसमाद जैन सुपुत्र स्व० महाराज प्रसाद जैन, निवासी एस-529, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उन्त रम्पत्ति के नर्जन की संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीच के 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को धी वर्षी वाच में संबाद्य होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पत्त सिसित में किए जा सकेंगे।

स्वकाश्वरण :----इसमें प्रयुक्त विक्यों और पर्यो का, जो जवर विभिन्नियस के अभ्याय 20-क में परिभाषिण हैं, वहीं अर्थ कांगर, जो उस अभ्याय में विका नवा हैं।

अनुसुची

प्रो० नं० 2.83, ब्लाक 'एस' तादादी 8.47.**80 वर्ग** नज, प्राम शेख सराय, नई दिल्ली।

> मुनील **चोपड़ा** सक्षम अधिकारी महायज आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन रेंज-3, दिल्ली, **मई दिल्ली**

तारीख: 13-8-1985

मोहर:

25 -226 GI|85

प्रकृत बाहु . सी. एन. एक्.

बाश्कर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीन सृच्या

नारदं बरक्त

कार्यन्त्र , सङ्गायक बायकर बायुक्तः (निर्दोक्तन) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई िल्ली, िनांक 14 अगस्त 1985 निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-II/ 12-84/939--अत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इखके पक्कात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 14, 14/1, प्लाष्ट नं० 15, र तथा जो की कि नं० 80-ग, कृष्णा मार्कीट, पहाड़ गंज, मई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप स्विण्त है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984 को

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उनक राजान प्रतिफल को पत्रह प्रतिक्षत से विश्व है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्बरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश वे सकत बन्तरण विविद्य में शास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है कर्न

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में कमी कदने वा उससे बचने में बुविधा के लिए; ओर/या
- (श) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) ना उन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा जा जा का का किया जाना चाहिए जा, जिनाने में स्विधा के तिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-न व अनुहरूप को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, जिन्निलिखित व्यक्तियों, तथात्:—— श्रीमती इन्दु बाला गुप्ता पुत्री अशोक कुमार, मिवासी 60, गली राजा केदार नाथ, चाधड़ी बाजार, दिल्ली श्रीमती ललिता बाजा भन्डारी पत्नी अशोक कुमार भन्डारी, मिवासी 2133, मस्जीद खजुर, धरमपुरा दिल्ली श्रीर

> णिव र्णकर गुप्ता सुपुत्र श्री सम्भु नाथ गुप्ता निवासी 76-गली, मेहताब राय, चावड़ी बाजार, दिल्ली।

> > (अन्तरक)

(2) मैं ० मेट्रोपोलोस रेस्टोरेंट, 1634, मेन बाजार, पहाड़गंज, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को बहु बूचना चारी करके प्वोंक्त संपत्ति के व्यंत के सिष् कार्यकाहियां करता हूं।

क्या क्लीरत में वर्षन के सम्बन्ध में खेदी मी मार्थाप्त--

- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अविध्या तत्सवंधी व्यक्तियों पर क्षूचना की तासील से 30 दिन की अविध्या भी क्षूच्या को वें स्वास्त होती हो, के नीतर प्रवेंक्त व्यक्तियों में वे किसी स्वतित द्वारा;
- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 विस् के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिन्न क्ष किसी जन्म स्थानत क्षारा, अभोहस्ताक्षरी के पाल विविद्य में किस वा सकों ने।

स्पत्कीकरण: ---इसमं प्रभूकत शब्दों और पर्दों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

प्रो० नं० 14, घ्रौर 14/1, प्लाट नं० 15. ब्लाक नं० 80—ए, तादादी 120, वर्ग गज, क्रुप्णा मार्केट, पहाड़ गंज, मई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 14-8-1985

मोहरः

प्रक्य कार्यः, दीः, एतः, एवः, नग्रनगरन

बायकर नीधनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

मारत सूरकार

कार्बासण, सहायक नायकर नायुक्त (निर्द्रीकन)

श्चर्जन रेंज-3 नई विल्ली नई दिल्ली दिनांक 13 ग्रगस्त 1985 निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एत्यू०/3/एस० **ग्रार०**-3/ 12-84/941---ग्रतः मुझे सुनील चौपड़ा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 क के अधीन, सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्थाति, जिस्का उण्लित थाणार बृक्व 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० सी—14 है तथा जो एन० डी० एस० ई०2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मृत मह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार बृद्ध, उसके ध्रममान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एपे अन्तरिय से लिए सय पाया क्या प्रतिफल, निम्मतिश्वत उद्देश्य से उच्च अम्तर्म विविद्य के बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है है—

- ैंड) अन्तरण में शुर्क किली जान की मानत सकत सिंभिनियस के अभीन कर दोने के सन्तरक वै यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/अ
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों का, जिन्हों सारलीय जाय-कर किनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिरियम, का पन-कर विधिरियम, का पन-कर विधिरियम, का पन-कर विधिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था धिपान में तृतिथा के लिए;

बत: जव उत्तर अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, वं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इं वधील, विव्यक्तिकार क्यिक्तियों, अर्थीण् ३- व (1) श्री एम० के० कौल मुपुत्र स्व० राजा हरी किशन कौल सी~14 एन० ढी० एस० ई०-2 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती आशा रानी
पत्नी श्री बनारसी लाल
निवासी ए-6 हाउसिंग सोसायटी
साउथ एक्सटेंशन पार्ट-2
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का वह त्यमा बारी कारके पूर्वीकत सञ्यक्ति के अर्थन के सिक्ष कार्यवाहियां शृक्ष करता हुं।

डक्त कम्बन्ति के वर्षन के बस्थम्थ में कोई भी शाबीय :---

- (क) इत त्वना के एक्यन में प्रकाशन की दारीय तें 45 विव की वविष मा तत्क्यनिथी व्यक्तियों पर सूचना की दावीस है 30 दिन की वविष, जो भी वस्ति वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूजी बतु व्यक्ति हों, के भीतर पूजी बतु व्यक्ति हों, के भीतर पूजी बतु व्यक्ति हों।
- (व) इब् स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारीब छे 45 शिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी मन्द्र व्यक्ति इवाय अभोहस्ताक्षरी के वास सिविश्वत में किए जो सकेंग।

स्पब्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रीत्श्चा

प्रो० नं० मी-124 तासादी 500 वर्ग पत्र एन० छी० एस० ई०-2 नई दिल्ली।

> सुनंता वंगडा सजन शीवरारी सहासार आगापर धायुका (दिर क्षण) अर्जन रेंजे–3 दिल्लों, नर्ज दिल्ली

तारीख: 15-8-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 अंगस्त 1985 निर्देश सं० अरई० ए० सं१०/एक्यू०/3/एस० अर्९०-3/ 12-84/942--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- कि की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ई - 5/2 है तथा जो मालवीय नगर नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का

कारण हैं कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उणित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत्त से अधिक हैं जार अन्तरक (जन्तरकाँ) और अन्तरिती (जन्तरितीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए हो। पाया गमा प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किनत नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त किंधि-निवम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्स के अभी करने वा दक्की वचने के बृद्धिया के जिए: और/वा
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तिया करी, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ बन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया यया भा वा किया जाना पाहिए भा कियाने में मृतिधा के लिए;

वतः वयः, उत्तर विधिनियम की धारा 269-ा के वनुसर्व को, को, तथरा विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) इं अधीर, निम्नित्यित त्वीलतर्या, वर्धात र--- (1) श्रीमती राम पीयारी मार्फत श्री जगदीश चन्दर निवासी ई-5/2 मालवीय नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 (2) श्री भारत भूषन,
 निवासी ई→5/2 मालवीय नगर नई दिल्ली।

(अन्त[रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता 🚛 ।

उपस सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में तमाध्त होती हो, के भीतर पूजांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हित-भव्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकरें।

स्थाब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त कान्यों और पर्दों का, जो उन्हें अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

प्रो० नं० ई-5/2 मालबीय नगर नई दिल्ली तादादी 124 अर्ग गण।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 7--8-1985

प्ररूप आई. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आध्कर आध्कत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1985 निर्देण सं० अर्ड० ए० सांज्ञांत्रप्र्यं अंगार आर०-3, 12-84/943--अतः १से, अनीतः चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिस्का उचिता बाजार मृल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

स्रोर जिनकी सं 10604 है तथा जो करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इपसे उप,बद्ध अनुसूत्री में स्रोर पूर्ण रूप से व णत है). र जिस्ट्री हर्गा अधिकारी के क र्यालय नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्री हरण अधिकारमा, 1908 (1908 हो. 16) के अधीन तारी स्थानियम, 1984 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल के एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नीलिखत उद्योश्य स उक्त अन्तरण लिखत में मास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आए की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

असः ध्बा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) 1. श्री राधेश्याम साहनी,
 - 2. श्री मोहन लाल माहनी
 - 3. श्री अध्न कुमार साहनी,
 - 4. श्री अःनल कुमार साहनी, सुपुत्र स्व० श्री दौलत राम साहनी

(अन्तरक)

(2) श्री नसीब चन्द भाटिया सुपुत्र स्व० श्री मूल चन्द भाटिया, श्रीमती णान्ति देवी पत्नो श्री नसीब चन्द भाटिया निवासी 5सी/53 न्यू रोहनक रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्त[रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त में साम्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अक्षेह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रय्ति रुट्यों और पदों का, जो उक्त जीर्धानयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अध्यास जो उस अध्यास में दिया गया है।

प्रन्सूची

1/2 भाग, प्रो० नं० 10604, तादादी 140 वर्ग गज टोटल प्रिया 280 वर्ग गज) करोल बाग, नई दिल्ली।

> सुनीन चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 14--8--1985

प्ररूप आइ¹. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, नई ंदल्ली

नई दिल्ली, दिनाङ 30 जुलाई 1985 निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/ 12-84/944--अत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशान् 'जकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

प्रीर जिसकी सं 10604 है तथा जो करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (प्रीर इसमें उपाबद्ध अश्सूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्री श्रीकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय र जस्ट्रीकरण अधि नयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल हो लिए उन्तिरित की गर्छ ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पढ़ हिर्तिथन में अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स एसी किसी आय या किसी धन या लन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनित्रम, 1922 (1922 की 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ःब. उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री राधेशाम माहनी श्री मोहन लाल माहनी श्री अरुण कुमार माहनी, श्री अनिल कुमार माहनी निवासी-92 बर्ड रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान दास मुनेजा
सुपुत्र श्री गंगा राम सुनेजा
निगासी-15ए,54 डवल्यू० ई० ए०
कराल बाग,
नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकंपूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तःरीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दिरभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग अविभाजित ।हस्से प्रो० नं० 10604, तादावी 140 गर्ग गज, टीटल भूमि 280 वर्ग गज करोल बाग नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3,दिल्ली, नई दिल्ली

तारोख: 30- /-1985

प्रकृष जार्थ, दी. एन., एव.,-----

नायकर ,नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्बातव , सहायक आयकर लायक (निरक्षिक) श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्व 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० 87 ब्लाक 'पी' है तथा जो साउथ एक्स-टेंशन, स्कीम, भाग-, मुबारकपुर, कोटला, रिंग रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1984,

का पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार भूस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास कररे का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार भूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरण के दायित्व में कमी करने मा उससे बजने में हुविधा अक्षिए; मीद/या
- (ख) एसी किसी गाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर ऑधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने यो मुनेवधा के लिए.

(1) श्रोमती ज्यामा देवा जैन पत्नी श्री हरोग चन्द्र जैन, निवासी—72, श्रंभारी रोड, दरीया गंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पदम चन्द मुपुत्र श्री जगडीश प्रसाद श्रीमती लोगेश्वरो देवी, पत्नी श्री अनुल कुमार गुप्ता, निवासी—2267, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना अपरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारोध से 45 हिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि गाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी जन्य व्यक्ति ह्यारा अभोहस्ताक्षरी है पास रिजिस्स में किस् के प्रकार के

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि का एक खण्ड नादादी 263.9/10 वर्ग गज, प्लाट नं० 87, ब्लाक 'पो', साउथ एक्सर्टेशन, स्कीम भाग-II, मुत्रारकपुर कोटला, रिंग रोड, नई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहाय हु श्राय हर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 31~7-1985

प्रारूप आहां. टी. एन. एस . --- -----

भाषकार मीर्पातसम 1961 (1961 का 43) की की की सारा 269 घ (ो) के अधीन सूचना

Mark And State

कार्यान्य, महाबक नायकर नायका (किरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 6 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/3/एस० श्रार०-4/ 12-84/1405---श्रतः मुझे, स्तील चोपडा.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त कधिनियम' कहा गया ही, की भार 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापृजींस्त संपत्ति का उचित वाजार मृख्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बी/61, है तथा जो ज्योती नगर (ईस्ट), शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में बॉणन है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में (रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख दिसम्बर, 1984.

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह शिश्यास करने की कारण है कि यथाए मेंक्त संपित्त का रिवर बामार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्कह बित्रत सं बीधक है बीर बन्तरक (बन्तरकों) बौर बन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफम, निम्नीसिकित उद्योगों से उन्त अन्तरण कि सिक्ष्य में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्धाइन से शुद्र किसी बान की बावत, अकट बर्धिमिन्द में अधीन कर दोने के बन्दरक के श्वित्स में कनी करने वा बन्धे बच्चे में बृद्धिया के बिह्द; शरि/बा
- (क) एसी किसी आध वा किसी धन वा वन्य वास्सिको की जिन्हों भारतीय नाव-कर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) वो उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विक्र:

बतः प्रमा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अल्सारण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिशिक्त व्यक्तियों, बर्चात् क्र-- (1) श्री जगदीका चन्दर सृपुत श्री श्रीर पी० चीपड़ा, निवासी-ए-2/89, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री नरेश कुमार जैन
सुपुत्र श्री छोटा लाल जैन,
निवासी गली नं० 3,
फ्रेंड्स कालोनी, शाहदरा,
दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का वह ब्यमा धारी करके युवेंक्ति सम्पति के अर्थन के विश् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्वत सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद यो समाप्त होती हा, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरि के वास दिवाल में किए वा सकोंने।

स्वयाकरण :---इसमें प्रवृत्त कच्यों बांदु वृद्यों का, को सबस अधिनियम के सध्यात 20-क में परिभाषित हाँ, यही वृधे होगा वो यस स्थान ने विका वृक्ष हाँ।

धनुसूची

प्रो० नं० बी/61, नामादी 461.1 वर्ग गज, ज्योती नगर, शाहदरा, दिल्ली।

मुनील चीपड़ा चंक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 6~8-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आहु⁵, टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 13 ग्रगस्त 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्य्-3/एस० ग्रार०-4/

12-84/1406--- प्रतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी सं० जे०-10, है तथा जो खसरा नं० 511, कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण घप से विणित है), राजम्ह्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में (रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख दिपम्बर, 1984

को पुर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रति~ल के लिए अन्तरित की गर्झ है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है

िक यथा पूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रथमान प्रतिफल से एन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं जोर अंतरिकात से अधिक हैं जोर अंतरिका (अंतरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छ्यू से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने की सूविधा के लिए; और/था
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीर: रिप्लिनिकित व्यक्तियों, अधित :— 26—226 GI[85 (1) श्री राम स्वरूप दास गुपुत श्री दीवान चन्द, निवासी जे-10, कृष्ण नगर, दिल्ली-51।

(श्रन्तरक)

(2) डा० बी० कें० मोन्गा सुपुत श्री के० सी० मोन्गा, निवासी एच-5/12, कृष्ण नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संबक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोब :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बनी हुई प्रो० प्लाट नं० जे-10, नादादी 118-1/18, वर्ग गज, खसरा नं० 511, कृष्ण नगर, ग्राम गोन्धली, णाहदरा, दिल्ली।

> सुनीत चोगडा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 13-8-1985

प्रारूप आइं.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनॉक 7 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० मो०/एक्यू०/3/एस० भ्रार०-4/ 12-84/1408—-श्रतः मझे, भूतील चोपड़ा,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 1/9328 है तथा जो ग्राम सिकन्दरपुर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का जीवत वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो, ए ते द्रव्यमान प्रतिपत्त का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए उस पासा गया प्रतिक्त, जिल्लासित उद्देश से तकत अन्तरण निर्माल्य से बालार कि सम से क्रियत महीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाद की बादत्, उक्त वीपीयम के स्थीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; व्याह्म/वा
- (क) इसी किसी जाय या किसी भन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्यतियों, सूनारा प्रकट नहीं किया भना था किया आना चाहिए वा कियाने में सुविका को लिएड

जत: अब', उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, शतत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, जिल्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् ⊯- (1) श्रीमती भागवन्ती पत्नी स्व० श्री गन्डा सिह, निवासी (ग्रोल्ड) नं० 1480/1-ए, ग्रौर न्यू नं० 1/9328, शाही मुहल्ला, वेस्ट रोहताश नगर, शाह्दरा, दिल्ली-32।

(मन्तरक)

(2) श्री दर्शन लाल सुपुत्र श्री अरचरज लाल, निवासी क्वाटर नं० 51, मोहन पार्क, प्राहदरा, दिल्ली-32।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयस सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्बनाहियां करता हूं।

लाबत सम्पादित के अर्जन के संभवन्य में फोड़ भी साम्रोप 🖛

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 रिव्य की जनिए सा उत्सारनमीं म्युक्तियों एक स्वता की तासीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट क्युजिसमा में से किसी न्यमित ब्यास;
- (क) इस तुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताशाड़ी के पास सिक्ति में किए का सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० (म्रोल्ड) नं० 1480/1~ए, भ्रौर नई नं० 1/9328 एरिया तादादी 136 वर्ग, गज खसरा नं० 290 (मिन) स्थित ग्राम-सिकन्दरपुर, म्राबादी $\frac{\pi}{6}$ शाही मुहल्ला वेस्ट रोहताश नगर, शाहदरा, दिल्ली~32।

मुनील चोपड़ा मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 7-8--1985

म्रोहर :

प्रस्प नाव". दर्री. इत., एस. -------

भावकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) हाउँ पाझ 269-स (1) के अधीन सुचना

STATE STATE

कार्यामय, बहुरवक सायकर आगुक्त (निर्देशक) श्रजन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 6 स्रगस्त 1985 निर्देश सं० स्राई० ए० सी/एक्यू०/3/एस० श्रार०-4/ 12-84/1409—स्रतः मुझे, सुनील चोपडा,

बावचर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' असा गया है), की धारा 269-ख के अधीन दक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित दाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिनकी सं 0 1/7205 खनरा नं 0 2180 है तथा जो प्राम सिकदार पुर, दिल्लों में स्थिन है (भौर इसने उपाबद्ध अनुसूचों में भौर पुर्ग रूप से बॉगन है) रजिस्ट्रोकतीं प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्लों में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख दिसम्बर 1984

को पूर्विक्स संस्थिति के उचित बाजार मूल्य स कम के इस्यमान अतिकान के सिए अन्यारित की गई है और नुभे यह विश्वास कारने का कारण ही कि स्थापूर्विनत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान अतिकाल की, एसे स्थ्यमान अतिकाल का पंत्रह प्रतिकाल से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के तीच एसे अंदर्श के निए तय शया गया प्रति-क्षा, निम्मानिकत उद्वास्य से उक्त कन्तरण निवित्त में वास्त्रीवक्ष हप मों कवित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरूच से हुर्द फिल्ली जाभ कर्ष बाव्यू, उपद् विभिन्निष्म के बचीन क्यू दोने के लक्क्ट्रक के अधिरख़ में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के स्मिद्ध;
- (क) एकी किया जाय ना किया भव वा अध्य जास्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आवक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अस्तिरिती क्यारा अकट नहीं किया गया भा जा किया जाने। काहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्लीन, निजासिका चिक्तमों, नर्भात् :--- (1) श्री गुर सिंह ठाकुर मृपुत्र श्री गोविन्द सिंह निवासी (ग्रील्ड) नं० 1473-ए/2 ग्रीर न्यू नं० 1/7205 शिवाजी पार्क दिल्ली।

(ग्रन्सग्रह)

(2) श्रीमती शालिनो खन्ना पत्नी श्री राजकुमार खन्ना निवासी-570, कटरा नील, चाँदनी चौक, दिल्ली।

(ग्रन्तिरती)

कां यह मुखना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

शक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को अवधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीम से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि नाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिया भा से किसी व्यक्ति दनाय;
- (क) इस सूचना वे गाजपत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 जिन के भीतग उक्त स्थावर सम्पत्ति में ज़ितबद्ध किमी अन्य व्योक्त द्वारा नथोहरताक्षरी के पास जिल्ला में जिल्ला का सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:----इसमों प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त ऑधिस्थिम के अध्याक 20-क में परिभाषित हैं, बहु विश्व शोधा जो उच अध्याम में दिय। नमा हैं।

अनुसूची

प्रो० नं० (प्रोल्ड) 1473-ए/2, ग्रीर न्यू नं० 1/7205, खभरा नं० 2180/265 एरीया तादादी 200 वर्ग गज, ग्राम सिकदार पुर, श्रावादी तावरूप ब्लाक, रोह्नास नगर, शिवाजी पार्क, दिल्ली।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-3, **दिल्ली/नई** दिल्ली

नारीख: 6-8-1985

मोहर

प्रकल नहाँ, ठी. रून., एस. ------

भावसभार व्यक्तिमित्रका, 1961 (1961 का 43) हाडी भारत 269-भा (1) के अभीन सुभाना

BINE SERVE

कार्याभय, बहायक आधकर जाब्यत (निर्धिम) श्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनॉक 6 श्रगस्त 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सी/एन्यू०/3/एन० श्रार०-4/ 12-84/1409--श्रतः मुझे, सुनील चोपडा,

बावचार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिबे इसमें इसमें परवात जिवत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन बक्तम शाधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संव 1/7205 खनरा नंव 2180 है तथा जो ग्राम सिकदार पुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्राकरीं प्रिविकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रंथीन नारीख दिसम्बर 1984

कां प्राविश्व सम्मिष्टि के जीवत बाजार मृत्य स काम के क्षत्रमान प्रतिकान के लिए जन्यरिश की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण ही कि मधापूर्णनित सम्परित का उपित बाजार मृत्य, उसकी धरममान श्रीतफल से, एसे धरममान श्रीतफल सा पेड़ह श्रीतकास से अभिक ही बीर अंतरक (असरकां) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंजरण के लिए तय पाया गया प्रीव-क्ष्य, निम्निलिक उद्धा क्ष्य स उक्त मन्तरण निकित में बारशाक्ष क्ष्य में कथिक नहीं किया गया हैं:---

- (क) नगररम् से शुद्ध भिन्नती नाथ की नाम्बु, उसक् विभिन्नित्त के सभीत कह दोने के जन्मरक के अधिरम् मों कसी करने या उससे जनने मों सुनिधा के मिन्स्; ज. / (क)
- (क) एषी किसी वाय मा किसी भव वा अप्य जास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय जावकर वीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नम, या धन-अप जांधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती क्यार शक्ट नहीं किया प्रया का जा काना जाना कहिए था, किपान में मुविधा के सिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ को अनुमरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्लीक, निकासिकिस व्यक्तियो, सर्भात् :---- (1) श्री गुर सिंह ठाकुर मुपुत्र श्री गोविन्द सिंह निवामी (ग्रोल्ड) नं० 1473-ए/2 ग्रौर न्यू नं० 1/7205 शिवाजी पार्क दिल्ली।

(ग्रन्तग्र)

(2) श्रीमती ग्रालिनी खन्ना पत्नी श्री राजकुमार खन्ना निवासी-570, कटरा नील, चाँदनी चौक, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

कां यह मुखना बारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के बर्चन का निष् कार्यवाहियां करता हुए।

एक्ट सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीय से 45 दिन का जर्याध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीम से 30 दिन की जवीं , जा भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स ध्याक्तियों भी से फिसी व्यक्तिया;
- (थ) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 जिन के भीराप उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिनबद्ध किमी बन्ध व्योक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिकान में जिल्ला जा सकीरों।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सक्तों और पदों का, जो उकत आंशींग्यम के तथ्याक 20-क में परिभावित हीं, बही अर्थ श्रोगा जो उन सम्बग्ध में दिया। न्या हीं।

अन्स्ची

प्रो० नं० (प्रोल्ड) 1473-ग/2, ग्रीर न्यू नं० 1/7205, खसरा नं० 2180/265 एरीया नादादी 200 वर्ग गज, ग्राम सिकदार पुर, श्रावादी सवरूप ब्लाक, रोहदास नगर, शिवाजी पार्क, दिल्ली।

मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी यहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, दिस्ली/नई दिल्ली

नारीख: 6-8-1985

मोहर

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

नाथकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 26% व (4) ज अधीन स्वता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 12 ग्रगस्त 1985

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परपात 'जनत मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी स० स्पेस नं० 103 है तथा जो प्रौ० नं० 1311/8, स्रजमेरी भेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमुची में शार पूर्ण कर में बर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रविकारी के कार्यालय, श्रवंत रेज-2, नई दिल्ली, में भारतीय श्रायकर प्रवितियम, 1961 के श्रधीन नारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित वाजार मूल्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित वाजार अल्य, उसके स्थमान प्रतिकल स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उषित वाजार अल्य, उसके स्थमान प्रतिकल स्थापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत का नेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बानत उपन निध-तिन्दा को मंधीन कार बोने के बन्तरक के दावित्य में कानी करने या उवसे बचने में तृतिभा के किए; नीर/या
- (स) एसी किसी ज़ाय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, विश्वहां भारतीय नायकर अविविध्य , 1922 (1922 का 11) वा अवल अधिनियम, या धन-वप ओ धीनसम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ अभारती युगरा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः। जयः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरस् भैं, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की संपंधारा (१) के जुधीन, निम्नलिधित अधितस्यों, अधीत् .--- (1) एक्सप्रैम बिल्डर्म (प्रा०) लि०, बो-177, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतीय दीवान, निवासी 1/18 बी, ग्रासफ ग्रली रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुमाना अत्या करक प्रजासन स्कारित के जर्जन के सिस् कार्यवाहिया करका है।

उपर सम्मात क अर्थन क सम्बन्ध मो क को भी वाक्षेप्य---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

धनुसूची

स्पेस नं० $10\dot{3}$, तादादी 235 वर्ग फिट, प्रो० नं० 1311/8, श्रजमेरी गेट, दिल्ली।

के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-3, डिल्ली/ नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1985

प्रकृप बाइ . टॉ. एन. एस. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज् (1) के मुभीन स्चना

भारत सम्बार

कायालय, सहायक बायकर वायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 22 जुलाई 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०/3/37-ईई/12-84/ 550 ए--- ग्रतः मुझे, के० वासुदेवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परभात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क व्हें अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 / - स्त. संआधिक **ह**ै।

श्रीर जिनकी संव ई-161, है तथा जो श्रगीक विहार-1, दिल्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूर्च। में ग्रीर पूर्ण रूप से वॉपन है) रजिस्ट्रोफर्ता अधिकारी के कार्यालय. अर्जन रेज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयजर अधिनियम, 1961 के अवान तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संक्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल सं, एसं इष्यमान प्रतिफल का पुन्दुह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिंतगों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्बंध्यों से उक्त कन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरुव से हुई किसी बाय की बाबद, शक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के वन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौ≣/या
- (का) एरेसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य आस्तियाँ क जिन्हें भारतीय भाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्हें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भागा किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उस्त मिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 🛸 वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, समात 🖫

(1) श्रीमती विद्यावन्ती पत्नो रव० श्री गिरधारी लाल बतरा, निवासी **ई**-161, फेज-1, श्रशोक विहार, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री के० जी० मोन्गा एण्डश्री बी० के० मोन्गा सपत्र श्री अ(र० पी० मोनगा, निवासी (श्रोल्ड) एफ-75, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। इ/161, फ्रीज-1, अशोक बिहार, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ प्र सचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बनाय;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य स्यक्ति ध्याग अधोहस्ताक्षरी के पाद निकित में किए जा सके गं।

स्यक्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त म्भिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित इं, नहीं अर्थ होगा यो उस अध्याय में दिया क्या 🗗 🕒

प्रनुसूची

हाऊस नं० ई-161, फेज-1, श्रशोक विहार, दिल्ली, तादादी 300 वर्ग गज।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, दिल्ली/ नई दिल्ली

तारीख: 22-7-1985

प्रकल बाह्य, ही. एवं. ५व . +----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 6 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० प्रार०-3/ 12-84/605--प्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फैक्टरी बिल्डिंग नं एफ-32 है नथा जो ग्रीखला इन्डिस्ट्रियल एरिया-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बिल्ली है), रजिस्ट्रीगर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख दिसम्बर, 1984,

को प्रवीक्त सम्पत्ति के जीचन बाजार मृन्य स कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वाश्य से उक्त अंतरण चिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंनी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग्म के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिसित व्यक्तियमों, अर्थीन के

- (1) मै० प्रोमोल इन्डस्ट्रीज,
 एफ-32, अोखला इन्डस्ट्रियल एरिया,
 भाग-1, नई दिल्ली।
 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुनील सोंघी पत्नी ए० के० मोंघी, निवासी बी-3/4, वसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

बनुस्ची

फैक्टरी बिल्डिंग नं० एफ०-32, तावादी 427.33 वर्ग गज, स्रोखला इन्डस्ट्रियल एरिया, भाग-1, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, विल्ली/नई विल्ली

तारीख: 6-8-1985

प्ररूप् बार् . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 12 ग्रगस्त, 1985

निर्देशसं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०-1/एम०म्रार०-3/12-84/ 606—-म्रातः मझे, स्रार० पी० राजेश

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस-141 है, तथा जो ग्रेटर कैलाफ-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपावड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण स्प से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक दिसम्बर, 1984

करे पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित और अंतरिती (अंतरितियों) के शीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, खनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बर्स, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनिया की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ह—- श्री घनणाम दास, एर्मा मकान ने० 145, नेक्टर ने० 19-ए, चन्छीगढ, पंजाब।

(श्रन्तरक)

 मैं० खुराना, बिल्डर्स । ई/12-ए, ईस्ट ग्रापः कैलाश, नई दिल्ली । (अन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र पी

प्लाट नं० एस-141, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिस्ली, ताबादी 289 वर्ग गज ।

> स्रार० पी० राजेश सक्षम श्रक्षिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रजेन रेंग 1, नई दिल्ली

विनोंक: 12-8-1985

मोहर 😘

इक्य बाई . टी . एम् . एव . , -------

भागतर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज । नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 श्रगस्त 1985

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०-1/एस०श्रार०-3/12-84/ 611—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवाशन, तह्सील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण गामे विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार श्रृत्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह जिल्ह्यास करने का आरण हैं कि यथापृश्वेत्रित संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक स्प से क्यांच्या गृहीं किया गया है है—

- (क) नलारण वंश्वाद्य विकास नाम की नानक, उपक अभिनियम के अभीन कर योगे के अन्तरक की सामित्य में क्षमी करने ना उक्को नुभागे में सुनिधा के प्रिष्ट, मूरि/मा
- (क) ऐसी किसी भाव ना किसी भव वा काक आस्तिकां का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लेकन अधिनियस, का भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं फिया क्या था वा किया जाना वाहिए था कियाने में अधिना के जिल्हा

जतः वध, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नितिश्वत व्यक्तियों वर्षात :---

 श्रं गनेशी पृष्ठश्रा मृतक्षणम्, निवासी ग्राम विजवाशन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० मोल्याल एन्ड कं० (कस्ट्रक्**षा**न) प्रा० लि०, 115, श्रंपल भवन, 16-कें० जी० मार्ग, न**र्ड** दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त बम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् :--

- (क) इस स्वकः के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वाम की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी विषय माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबन किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पद्मा है।

अनुसूची

कृषि भूमि, तादादी 23 बीघे, श्रौर 16 विश्वे, रेक्ट नं० 77, खमरा नं० 18, 19(6-04), 21(0-12), (22(4-09)23(4-16), 26(0-07), रेक्ट नं० 84, खसरा नं० 1(0-08), 2(2-12), 3(4-08), ग्राम विजवाशन, नई दिल्ली, नहमील महरौली।

श्चारः पो० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनौंक: 6-8-1985

प्रक्य बाह्रै, टी. एन. एव------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

भायसिय, सहायक नायकर भायकर (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 6 श्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०-1/एस०ग्रार०-3/12-84/

612-- अतः मुझे, श्रार०पी० राजेश

जायकर जाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के जधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रु. से जीधक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 10, ब्लाक 'एल' है तथा जो ग्राम जमध्वपुर, लाजपत नगर, नई विल्ली में स्थित है (प्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्य से विज्ला है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनौक दिपम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और बृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य असके दरयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पम्बह् प्रतिश्वत से विभिक्त है और बन्तरिक (बन्तरिकों) और बन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरिंग के लिए तथ पाया गया शितफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उस्त बन्तरण हैं स्वित्य भें वास्तीवक रूप से किया नहीं किया नहीं है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में कृषिधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री कंवर लाल भारद्वाज, सुपुत्र श्री ग्रार० एम० दांस भारदाज निवासी ग्राम ग्रोर पो० रतवाल (जिला लुक्षियाता), वर्तमान ए-12, साउथ एक्सटेक्शन-1, नई दिल्ला ।

(भ्रन्तरक)

2 श्री प्रनिल कृमार सुपुत्रश्री सुखदेव राज, तिवासो एक्स-17, होज खास, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को बार् कृत्रना जारी करके पुकारक प्रमासिक की वृत्रन के विष कार्यवाहियां करता हो ।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारोख से 45 विन की अविध या तत्संबंभी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताजीस से 30 विन की व्यक्ति को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध कि सी जुन्य व्यक्ति ब्वार अधोहस्ताकारी के पास निवास में किए वा सकीं ।

न्यव्हीकरणः -- इसमें पम्क्त सब्दों और नदौं का, जो उक्त जिथितिकमें के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

प्रो० नं० प्लाट नं० 10, ब्लाक 'एल', नादादी 308.33 वर्ग गज, दिवामीय कालोनी, कैलाज कालोनी, ग्राम जमस्दपुर, लाजपत नगर, कालका जी लिक रोड, दिल्ली।

म्नार० पो० राजेश नक्षम प्राधिकारी पहायक म्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण) म्रजिन रेज-1, नई दिल्ली

बत: अंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभाग (।) के अधीन, निम्नलिखि। अधीक्तयों, अर्थाक्त :---

27—226 GI|85

दिनाँक: 6-8-1985

प्रकृष्ट भारती हो । एवं , एक ,-====

थायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के स्थीत स्वना

MIXW MEMBER

कार्यालय, सङ्ख्क जावकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 6 श्रगस्त, 1985

निर्देश मं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/एन०प्रार०-3/12-84/ 616——प्रतः मुझे आर० पी० राजेश

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्वत्ति,, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहः से अभिक हैं

प्रौर जिसकी सं० 270, क्लाक-बी है, तथा जो ग्रेटर केलाण-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृन्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का अन्तरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योगय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाग की वाबत जक्त जीविनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के बायित्व में कनी करने या उसने क्वले में स्विभा के लिए; जीर/या
- (थ) एसी किसी जाव वा किसी थन का जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरशी द्वारा प्रकट नहीं किया वया था वा किया वाना वाहिए था, कियाने में सरिधा वैक्ति)

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिनम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री वो० बी० जीगरा मुपुत श्री चानन दास,
 निवासी 16/1060, हरधीयान सिंह रोड, करोल बाग,
 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रग्न श्राहुजा सुपुत्र श्री ए० पी० आहुजा, श्रीमती मुनैना आहुजा पत्नी श्री श्रग्न श्राहुजा, निवासी बी-93, मालवीय नगर, नई दिल्लो। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथाकित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करसा हुं।

उनक सम्परित के वर्षण के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस ब्यमा के राष्ट्रम के अध्यान की ताड़ीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितितयों पर स्चना की ताबील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो को भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

1/5 श्रविभाजित हिस्से प्लाट नं० 270 ब्लाक 'बी' नादादी 299 वर्ग गज स्थित ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली।

> यार० पी० राजभ सक्षम प्राधिकारी सहाय ा आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज 1, नई दिल्ली

दिनांक: 6-8-≀985

मोहर ः

प्रसम्ब आहे. टी. एन ् एस्, -----

वाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 2**69-व** (1) के विधीन सुवना

भारत संदुष्णाद

शायां तय. सहायक आसकार आयुक्त (निर्दीकाण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 श्रगस्त 1985

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू-1/एस०श्रार-3/12-84/ 617—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० बी-5, पम्पोश इनक्लेब है, तथा जो पम्पोश इनक्लेब है, तथा जो पम्पोश इनक्लेब, नई दिल्ली में स्थिल है (श्रांर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यजापुर्वोक्त तंपरित का उचित अजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का मृत्यह श्रीतश्रत से अभिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शित-अक्ष निम्नितियांत उद्दोद से उक्त बन्तरण निर्मित में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाम की नामध समय निय-नियम के नमीन कर दोने में जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तर मुखने में सुनिधा के निए; नीर्-ना
- (था) एसी किसी अब वा किसी अन वा अन्य वास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिन्त जिभिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रवोचनार्व अन्तिर्देशी ह्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के विक्:

कतुः कव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मेजर जनरल श्रमरेन्द्र कौल, निवासी ई-13/1, बसन्त बिहार, नई दिल्ली-110057. (अन्तरक)
- 2. श्री दिवन्दर कुमार सबरवाल, मार्फत महिन्दर पुरी एंड कं० 37-सी, कनाट प्लेस, ग्रात्मा राम हाउस, नई दिल्ली ।

(ब्रम्तरिती)

को यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुने।

उपत राम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोड़ भी बाझोप:---

- (क) इस स्वना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बर्वीभ या तत्सम्बन्धी स्थितिस्यों पूर सूचना की ताबील से 30 दिन की बर्वीभ, जो भी अजीव बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूंजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में दिसबद्ध किसी कर्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी वै
 धास सिचिता में किए का सकवि।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ क्षीमा को उस अध्याय भें दिया न्या है।

अनुसुची

ं प्रो० नं० बी-5, पंपोस इनकलेव, नई विल्ली-48, तावादी 2020.93 वर्ग फीट, तथा 232 वर्ग फीट, सर्वेन्ट क्वाटर के अपर गैरेज।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

दिनांक: 6-8.1985

मोहर 🗅

प्ररूप बाई ुटी, एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 6 ग्रगस्त 1985

अायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बी-165 है, तथा जो ग्रेटर कलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वींणत है) राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में राजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनाँक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है.:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आव की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सृविधा बी लिए; बौट/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीय :---

- श्री वेद प्रकाश मेहता, श्रीमती राजे मेहता, श्री विनय मेहता, ग्रौर श्री भय मेहता, निवासी 11, मुनिरका मार्ग, बसन्त बिहार, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- मैं ० निकोलियन (इंडिया) प्रा० लिं०.
 48/2, जन पथ, नई दिल्ली-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखरे -

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बबिध या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, बो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

ासगल स्टारा मकान के साथ-साथ बहु मंजिल, मकान एक गैरेज, श्रौर एक सर्वेन्ट, क्वार्टर, प्लाट नं० बी-165, ग्रेटर , कैलाश-1 नई दिल्ली,तादादी 513 वर्ग गज।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,-1, नई दिल्ली

दिनांक: 6-8-1985

त्रका बार'. टी. एव. एव.----

बायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत संस्काड

कार्यालय, सहायक शायकर वायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज -1, नईं दिल्ली⁻

नई दिल्ली, दिनाँक 7 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/एस०आर०-3/12-84/ 620---अतः मुझे आर० पी० राजेश

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक दिसम्बर, 1984

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान इतिकास के लिए अन्द्रीरत की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिबक इस से किथत नहीं किया ग्या है

- (क), अंतरण तं हुई किती जाय की वावतः, उक्त आधानसम के अधीन धर दाने के बन्तुरक के वातित्व में कभी कुड़नें या उक्के बुखने में वृत्तिभा के जिल्हा; शहि/वा
- (क) शीरी किसी बाब वा किसी भन वा बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकार निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मानयम, वा भन-कर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) के अवीवनार्थ जन्तिहिती ब्वाद्य प्रकट नहीं किया बना भा वा किया जाना चाहिए वा, कियाने में जुनिभा के किया।

बतं स्वतः स्वतः स्वतः सिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, जनतं अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित स्वित्यमं, अर्थात् :र -

- श्री मदन लाल मेहरा,
 113, दरीया महल ए, नपीन सी रोड, बम्बे।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती साविती मल्होता, श्रीमती मीनाक्षी मल्होता, श्री राजेश मल्होता ग्रीर श्री ग्रार० ग्रार० मल्होता निवासी 4-सेन्टफ लैंस, मद्रास ।

(अन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्बन क सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की नवीध या सत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अवधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से निस्ती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- िक्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्यक्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त बज्दों और पतों का, को उक्त ब्रीधिनियंस, के ब्रध्याय 20-क में परिभावित है वही अर्थ होगा जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

कृषि भूमि तादादी , 20 वीधे, 14 विश्वे खसरा, नं० 21/11, 6/20, 6/21, 21/1, ग्रौर 21/10, के साथ फार्म काटेज, ग्राम जोनापुर, तहसील, महरौली, नई-दिल्ली।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज,-1, नई दिल्ली

दिनाँक 7-8-1985 मोहर प्रकृप आहें. दी. एन. एस. - - -

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-घ (1) के क्यीन सुचना

भारत सरका

कार्यानय, महायक कायकर जायकत (निरीक्षक)

महाय र श्रायकर श्रायकत (निरीक्ष) श्रजन रेंज-1 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रगस्त 1985

निर्देण सं० श्राई॰ए०सी०/एक्य्1/एस॰श्रार०-3/12-84/ 622---श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी संव बी-21, है तथा जो चिराग इन्स्लेष, नई दिल्लीं, में स्थित है (और इससे उपाइन अन्सूची में और जो पूर्ण रूप से चर्णित है) रिजस्ट्रींकर्ता अधिवारी के वार्यालय नई दिल्ली, में रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक दिनम्बर, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इवयमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है

कि यथा प्राधित सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल सं, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई फिली शाथ करें बायत , उजत अफिशियम वाँ स्थीम कर दोने को बन्शरफ को क्षियल में कभी करने था उससे बचने में सुविचा के सिष्ट; बार्ट/बा
- (ण) ऐसी किसी आम मा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियानं में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में जन्म अधिनियम की धारा 269-ग की तपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री जंग बहादुर पुरी और तरुण कुमार पुरी, सुपुत्र एस ० एल० पुरी, निवासी 35त्पृश्र्वी, राज रोड, नई दिल्ली द्वारा श्रटार्नी सुरित्दर कुमार गुप्ता, निवासी श्रार-79, ग्रेटर कैलाल, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री ग्राई ० के ० वाघला, सुपुत तिलो कचन्द चावला, कुमारी राज चाघला सुपुती श्री तिलो कचन्द ृचाधला, निचासी बी-54, काल काजी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सःस्त्रति के वर्जन के जिए कार्यताहियों करता हुं

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई काक्षेत्र तः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाव लिक्ति में किए का सकेंगे।

अन्स्वी

मकान न० बी-21, तादावी, 8 1.4 वर्ग गज, विराग इतकलेष, नई दिल्ली ।

> श्चार० पी० राजेश स्थाम प्राधिकारी सहाय: श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रोज 1, नई दिल्ली

दिनॉक 16-8-1985 मोहर:

प्रमा बार[†]् टो_ल प्रमु प्रमाणकारण

मायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीद सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षक)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिन क 6 म्रगस्त 198

निर्देश सं० म्राई०ए०सी०/ए य-1/एक्म०मार-3/12-84/ 623---श्रतः म्झे, श्रार० पी० राजेश अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, भिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संवडी-656है, तथा जो चितरंजन पार्क, ईव्पावडी व पी० कालोनी, यनई दिफली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकत्त अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्टी हरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाँक दिसम्बर, 1984 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के धरवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पर्ति का उचित नायाह मत्य, असके दश्यभान प्रतिकास से, एसे व्यवसान प्रतिकास का पन्दह प्रतिकत से मधिक है और मंतरक (मंतरकों) और अंतरिती (बन्तर्शिवरों) के बीच एोगे जन्तरण के मिए तस पादा गया प्रति-का का निम्मासिक उद्देश्य से उन्त बंतरण निवित में वास्त्विक का से करिया नहीं किया गया है :---

- (क) बन्बरण सं हुइर्ष किसी बाद की वायत, उपक वीधीन्त्रम के मुधीन कार बोने के बंदरक के बाबित्य में कभी करने या उपके बचने में बुटिवधा ह निस्ता और (त)
- (ख) एंसी किसी बाब वा किसी शृत या अन्य जास्तिवां कर्त, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर वृत्तिविष्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविभा के निए;

अतः अवः उक्त अभिनियमं की भारा 269-व के अनुसरणं भें, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) हो अभीतः, निम्निसिक्त स्पव्तियों, वर्षातः:—

- श्री िद्धार्थी इत्ता सुपुत्र श्री बी० बी० दत्ता, निवासी—-डी-656, चिनरंज पार्क, ई० पी० डी० यी० झालोनीं, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- श्रीमती कृष्णा चोपड़ा, पत्नी श्री बी० डी० चोपड़ा, निवासी—ई-32 , ग्रेटर कैलाण, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को वह तुथना चाडी कड़के दुर्वोक्य सम्पन्ति के वर्षन के जिए कार्ववाहियां करता हुं।

बक्त सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाओर :---

- (क) इद ब्यान के यापन में प्रकाशन की तारीश शें 45 दिन की श्वीच या तत्स्वन्त्रभी व्यक्तियों पद श्यान की ताबील से 30 दिन की श्वीच, जो भी व्यक्ति काद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स स्वविक्तों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (ब) इस स्थान के एकप्त्र में प्रकारन की तारींब से 45 विक् को मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी जन्म व्यक्ति स्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के पास सिविद्य में किए का सकेंचे।

रम्ब्युक्यम् १—इसमें प्रयुक्त सन्यों लोड पर्यों का, को उनस् वीधीनवस्, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही वर्ष होगा को उस अध्याय में विवा भया ही।

ured

प्रो० नं० डी-656, तादादी 183 वर्ग गज, चितरंजन पार्क, ई० पी० डी० पी० कालोनी, नई दिल्ली।

> श्रार० पीं० राजेश सक्षत प्राधि∷ारी सहायक श्रायकर श्रायुत (निरक्षिण) श्रर्जनरोंग-1, नई दिल्ली

विन क 6-8-1985 मोहर ७ प्रक्रम काइ. टी. एन. एस.

न।यकार निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्थानय, महायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-1 नई दिल्ली नई डिल्नी, डिनां ! 6 स्रगस्त 1985

िदेग पं० आई०ए०सी०/ए य्- 1/एस०मार०-3/12-84/ 624---ग्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेश धायकर धिवियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पर्व्यात् 'उक्त अधिनियम' कहांग्या है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार भूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै और जिसकी संव एम-35 है. तथा जो ग्रेटर कैलाग,-11, सई दिल्की में नियम है। (ऑहर इ.सं. उत्तरह प्रमुखी में और जो पूर्ण कर के विधार हो। रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यात्यः, रार्वे फिल्ती में अजिस्ही, १ण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीर दिसौत दिसम्बर, 1984 से का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य मं कम के क्रममान बरिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे मह विक्लास करुं। का कारण हा कि संभापूर्वोक्त सम्पर्ति का स्वित्व बाब्सर मुख्य, जसके रहयमान प्रतिषठल से, एसे स्वयभान प्रविषक्त का इंद्रह प्रतिकात से आधिक हैं और अंतरक (अतरकाँ) और बंदरिती (अन्सरितियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मेतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ू--

- क) जन्तरण से हुई किसी आय की बावत, अक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दासिस्थ में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए, और/बा
- (अ) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-अप ओं प्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ ज्लिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, भिन्नारे में सुविधा के लिए;

 मैं० शाल : सरा टाट (ईम्बर दरबार), रियलीजियस, सोसायटी, रिजस्टर न० 5775, विनांक 26/7/73 रिजस्ट्रार द्वारा, सोसायटी दिल्ली, द्वारा, सेक्टेरी एन० ब्रास्तार सिंह, निवासी एम०-41, प्रटर कैलाम-11, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती हरबंस कौर पत्नी चौ० दय। सिंह

(2) एए० स्वर्ग सिंह, सूप्त दया सिंह,

(3) कुनारी हरशिरन कौर सूपुत्री चौ० दया सिंह सभी निवासी, 4/9, विजय नगर, दिल्ली-96

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विक् कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त तंपति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेय :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 विन की जनभि या तरसंबंधी व्यक्तियों वर स्वना की तामील से 30 विन की व्यक्तियों को भी अविध नाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रोंक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-बद्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्वव्हीकरण: ---इसमें प्रगुक्त सन्दों और पवाँ का, को अवद अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिन। गया हैं।

नन्त्रची

फ्लैंट नं० एम-39, ग्रेटर कलाग-II, नई दिल्ली-48, तावादी, 250 वर्ग गर।

मार० पी० राजेश सक्तम प्राधिशारी सहायक जायकर भागुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 6-8-1985 मोहर प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकात

कार्यां नय, सहायक जायकर आयुक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेज-I, नइ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 श्रगस्त, 1985

निवेण संव म्राई०ए०सी०/एक्यू-1/ए सब्झार०-3/12-84/ 629—म्रतः मुझे म्रार० पीठ राजेश

जायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विववास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं जी-1/118 है, तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और ६समे उपावक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के स्वमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्मान प्रतिकल से, एसे स्वमान प्रतिकल का पन्त्रह भिक्क से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरम् सं हुई िक की नाव की बावरः सनतः विधितवृत्र के अभीतः कार दोने के अन्तरकः वो शामित्व के कभी करने वा उससे वचने में सुविधाः के लिए; बीर/या
- (प) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, डियाने में सविधा के लिए:

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वे क्षधीन मिम्मिसियस व्यक्तियों, अर्थात् क्षण्य

- श्रीमिती मबुन्तला, पत्नी स्व० श्री राम लाल, निवासी भी-1/118, लाजपत नगर, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती भोहिन्दर कौर, पत्नी एस० रनजीत सिंह, निवासी 3/52, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां शुरू फरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याम में विमा गया है।

बन्स्ची

प्रो० मं० की-1/118, तादादी 100 वर्ग गज, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

श्रार० पी० राजेण सक्षम श्रीक्षकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रुकेन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 6-8-1985

मोहर ध

प्रथम ब्राष्ट्रीय की य तुन व नुष्ट

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भास 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत चरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मगस्त 1985

निदेश सं० ,माई०ए०सी०/एक्यू-1/एस०मार०-3/12-84/ 626—म्प्रतः मुक्ते म्रार० पी० राजेश

बायकर विधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के वधीन सक्षत्र प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का काल है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य,

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
और जिसकी संव्याप नंव 2, है, तथा जो साविद्धी सिनेमा,
कम्पर्लेक्स, फेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है
(और श्रेसे उपावक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है)
रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन दिनांक
दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मिति के उच्चित्र बाबार मूल्य वे काम के क्ष्मयान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की नवां हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि सभापूर्वोक्त सम्मित्त का स्तित बाबार भूल्य, उसके क्ष्ममान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का चन्क्ष प्रतिकाल से बादिक हैं और अंतरिक (अंतर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाम बदा प्रतिक्षल किला निम्नितिबत उप्योध्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया बवा हैं क्ष्म

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाव की वाबस, अक्स अधिनियम के अधीन कर येने के बन्तरक के वाबित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के निष्; बीड/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या वस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिसी प्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिर्ए;

वतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, वो उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वा पथील विकासिक व्यक्तियों, वधील >-

- वरधाम दास सुरी,
 निवासी 4/21-ए, अंगपुरा 'बी' नई दिल्ली।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बुमुम मुरी और मास्टर संजीव सुरी, निवासी 4/21-ए, जंगपुरा 'की' नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

का यह स्थाना बारी कारके प्रतिकत संपरित के वर्षन के विश् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध--

- (क) इस सुचना के हाजपण भें प्रकासन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस श्रुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- सद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

लाकोकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों नीड वर्षों का, वो सन्द सभिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

शाप नं 2, साविकी सिनेमा, कम्पलैक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली, तादादी, 202 वर्ग पीट।

मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेज-1, नई दिल्ली

¹दनांक: 6-8-1985

۰- د

भ्रम् बार्द् टी. प्रन्. एस. ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नभीन सूचना

भारत करकार

कार्बासय, सहायक बायकर वाय्यत (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां छ 6 अगस्त, 1985

निदेश सं० भाई०ए०सीं०/एक्यू०-1/एस०म्रार 3/1284/ 625---मत: मुसे, भार० पी० राजेण,

नावकर निभिन्निन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'इस्त निभिन्नम' कहा गया है), की धारा 269-य के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं निभक है

और जिसकी सं० डी 1/119, है, तथा जो लाजपन नगर, नई विस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में और जो पूर्ण रूप से विश्व है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिध ारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्री एरण श्रिधिनियम, 190के (1908 का 16) के श्रिधीन दिनां है दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त तम्मीत के जिल्ल बाजार मृत्य से कम के द्रश्मान इतिकार के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्त्रोंकत बम्पति का उपित बाबार मृत्य, उसके द्रश्मान प्रतिकल का पंद्र प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकत, विम्मीकिचत उद्देष्ट से उत्तर बन्तरण जिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- ्रैंक) अन्तरण वे हुए कियो गाम की गायत , उपल वृधिनियम के अभीन कार योगे के अन्तरक में व्यक्तिय में कभी करने ना उत्तवो न्यूने में तृष्टिश के निष्; बीड/ना
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तिरियी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए वा, कियाने में सृविधा के विए;

- अभिती मञ्चलका पत्नीं श्री राम लाल, निवासी की 1/118-119, लाजपत नगर, नई दिल्लीं (अत्मेरक)
- 2. श्रीमती कमलेश बहल परनी श्री महेण चन्द बहल, निवसी 7/7 जंगपुरा डबल स्टोरी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन् की जबिच या तत्संबंधी व्यक्तियां पर क्चार की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे उस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति इताय अधोहस्ताक्षरी के पास सिहीबत में किए सा सकांगे।

स्पाककिरण:---इसमें प्रवृक्त कर्कों और पर्वो का, जो उक्त मणिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा, वो उस मध्याय में दिया वस हैं।

वन्स्य

प्रो० नं० डी-1/119, लाजपत नगर, नई दिल्ली , ताटादी 100 वर्ग गज ।

श्वार० पी० राजेश स्त्रम श्रविद्यारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंड-I, नई दिल्ली

दनांक : 6-8-16 85 मोहर बभ्य बाइं.टी.एन.एस. -----

भागकर मधिनियत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) प्रज्न रिजा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/एस०आर०-3/12-84/ 630--प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश

मायकर लिपिनियक, 1900 (1900) कहा गमा हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिनियम कहा गमा हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिनगमी की यह विश्वनास करने का कारण है कि स्थावर संस्थिति. जिबका हिवत आजार मून्य 1,00,000 /- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ई-14 है, तथा जो ग्रेटर दैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपावक प्रमुस्ची में और जो

पूर्ण क्ष से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती सिकित्ति के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण श्रीक्षित्रयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूक्ष्म, उन्नके क्ष्मवान प्रतिफल के, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रांतितत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्का विश्वासिक उद्वार्य में अक्त अन्तरण सिक्तिन में पास्तिवक कर ने क्षावत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाय का बाबत, उक्त कि विश्वम के अभीन कार दोने के अन्तरक के वाजित्य को कामी कारने का उपने बचने को स्विधा के लिक्ष: सीराधः
- एकी किसी आए या किसो पर पा सन्य बास्तियों को, विनह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1322 का 11) या उला अधिनियम, या वन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अधः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अवृत्रक में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, उथित् ः—- श्री क्षिणी नाथ मर्मा,
 ई-14, फेटर कैलाम-2, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती वेद गोइंका, पत्नी श्री जे० के० गोइंका, और श्री रजनीण गोइंका, सुपुद श्री जे० के० गोइंका निवासी -22, वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तिंग्ती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ार्थशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियाँ पर सुमना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकिट स्थिनता में संकिसी व्यक्ति गुनागः
- (च) इस सूचना के राजप' में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबकूच किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निचात में किए शासकोंचे।

स्वाधिकरण्ड--द्वां प्रमुक्त वन्दी मौर पर्धो का, वो समझ मधिनियम, के स्थाय 20-क में वृद्धिप्राणिक ही, वही मुर्च होगा को उस सध्याय से दिया यस है।

जन्स्ची

प्रोठ नंठ ई-14, पेटर कैलाश- Π , नई दिल्पी, तादादी 250 वर्ग गज, ईस्ट प्लाट नंठ ई-12, वेस्ट प्लाट नंठ ई-16, नार्थ रोड, साउथ, एसठ लेन ।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्रविकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुर्यत ('निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 6-8-1985

मोहरष

प्ररूप बार्ष: टी. एस्. एस.,----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुखना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्ट (निरीक्षण)

श्रर्शन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/एस०आर०-3/12-84/ 633—अत: मृझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-266 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली में स्थित ं (और इसमें उपाबद्ध भ्रमुमूची में पूर्ण क्या में विणित है) रिजिस्ट्री में ग्रिविहारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में रिजिस्ट्रीकरण भ्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रवीन, दिसंक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के जी पत का का स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय णया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण देशिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के में, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० अमरजीत सिंह ीं द एण्ड कं० सी-139, डिपोंस क्यांती, नई दिल्ली, ढारा, प्रो० अमरजीत सिंह जौहर,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निरानारंग, पत्नी श्री विरेन्द्र नारंग, निवासी डब्ल्यू-7, पटेल रोड, वेस्ट पटेल नगर, निई दिल्ली।

(म्रनिरती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सिय् लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पृत्ति को कर्जन को संबंध में काई भी बाध्येप ८--

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्यम के अभ्याद 20 क में परिभाषित है, वहीं कर्य होगा, जो उस क्थ्याय में विका गया है।

वन्स्वी

पहली मंजिल, और मैजितीन पलीर, प्रो॰ नं० ई-266, ग्रेटर मैलाश-1, नई दिल्ली, तादाधी 208 वर्ग गज।

> म्रार० पी० राजेश सक्तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 6-8-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आईं.टी.एन.एस., ------बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिल्ली 14 प्रगस्त 985

निर्देश सं० ग्रई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3
12-84/634--ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,
नायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्स मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मिन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य

, और जिसकी सं० ५-56, वैलाम कालौती है तथा जो नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

1,00,000/- रत. से अधिक है

का पूर्वोक्त संपितित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वाम मृक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से किथत नह किया गया है :---

- [क) बन्तर्थ से हुई किभी बाय की बाबत, उस्त बिभीनवम के स्थीन कर दोने के अन्तरक अ दास्थित में कमी करने वा उससे वचने मां मृदिका के सिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी नाम ना किसी धन या जन्म नास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, एर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोवनार्थ स्थापित वृष्टियो द्वारा प्रकट नहीं किया वया या वा किया वाना वाहिए वा क्थित है से सुविधा के सिए;

शवः वय, वक्य विविक्षित की भारा 269-म के अनुवर्ध में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिविक व्यक्तियों, जर्थात् :--- (1) श्रीमती रोजी मनिकम पत्नी श्री टी० जे० मनिकम, सी/ओ ग्रटारनी श्री ग्रार० के० गुप्ता, 21, वसन्त इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मानु श्रीमाली, जी-6, भैटरी एपार्टमेंट, 96/6, भैन मानेश्वरम, बंगलोर (इंडिया)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यगिहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्याद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सिगल स्टोी, बंगली, टुगेंदर, 2 गैरिज, 2 सर्वेन्ट क्वार्टर, प्लाट २० ए-56, कैलाश कलोगी, नई दिल्ली, तादादी 1004 वर्ष गज, 839.4 वर्ष मीटर।

> भार० भी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-1, दिल्ली/नई दिल्ली।

तारीय: 14-8-1985

मोह्नर:

प्ररूप आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याज्य, महायक आयका आयका (निरीक्षण) ग्राजनिरिक्त-1, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

নিবঁশ নত আইত দত নীত/দ্ৰদ্ত/1/দ্ৰত সাবত-3/ 12-84/635-- মন: মুঠ, সাবত গঠি বাইনা,

आयका जीविकार. 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें हराके पश्चात 'उक्ति अधिनियम कहा गया हैं), की धारां 269-स के अधीर सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सप्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिस्की एं कृषि भृमि है तथा जो प्राम विजय शस्त, मह्रौती, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और एवं रूप से वर्णित हैं), रिज्यूनिका ग्राध-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजर्द्रीयरण ग्राधिनयर, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मृत्य से कम के स्थामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त सम्पन्ति का उतित बाजार मृत्य, उसके हरामान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गण प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में शास्तविक रूप में लिथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बातत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंगी िस्सी लाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को. जिन्हीं भागतीय आय-कर अधिनियण, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-अर अधिशिष्टम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा स्विधा के किय;

वत वर:, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के जनसम्ब में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ं के अधीन, निम्निविद्यित व्यक्तियों, अधीत ः--- (1) श्री छोटू सुपुत श्री महा राम, निवासी ग्राम विजवाणन, महरीली, नष्ट दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) भै० दिल्ली टावर्स प्राठ लि०,
 115, अंसल भवन,
 16-के० जी० मार्ग,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरु करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में करेड़ें भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना की राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीध या तत्सचंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हिए।बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निरिवात में किए जा सकरों।

अनुसूची

1/2 भाग भूमि कृषि भूमि तादाकी 15 दीचे और 10 विश्वे, कैमि नं 182, राम शिजनाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

श्चारर्व भी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली/नहीं दिल्ली।

तारीख: 6-8-1985

प्रकप बाई .टी .एन .एस . -----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यं तय, महायक वायकर बाय्क्त (निडिक्सण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 श्रगस्त 1985

निर्देश मं० ग्रई० ए० सी०/एव५०/1/एस० ग्रार०-3/ 12-84/640--- अतः मुझे, श्रार० पी० राजेण भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- एः. सं अधिक हैं और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो प्राम विजयाशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), राजस्ट्रीकर्स ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में राजस्दीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीक दिसम्बर, 1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य में कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से एसे पश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेषय से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नेहीं किया गया है :---

- (में मानका से हार्ग किसी पाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुर्विधा के लिए; बरि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब. उक्त प्रधिनियम की धारा 269-**व के बन्दरण** वें, चैं, सबस अधिनियम की धारा 269-व **की उपधारा (1)** के अभित्र विक्तिवित्रम व्यक्तियाँ **अधित**ं⊶ श्री छोटू राम मुपुत्र श्री महा राम, निवासी ग्राम विजवाणन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० दिल्ली टावर्स एन्ड ६स्टेट्स प्रा० लि०,
 115, अंसल भवन,
 16 के० औ० मार्ग,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्विवस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्त व्यारा अधोहस्त्रणक्षरी के पास सिवित में किए या तकोंगे।

स्पर्धांकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनिजम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गना है।

श्रन्यूची

1/2 भाग कृषि भूमि तादादी 5 बीचे और 10 विश्वे कमि नं 182, ग्राम विजनाशन, तहतील महरौली, नई विल्ली।

> श्राण्य भीव राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राप्तका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली।

तारीख: 6-8-1985

मोहर:

29-226 GI|85

प्रकम भार्दं. टी. एव., एव.,------

बाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के विधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सङ्गयक नायकर भायकत (निरीक्षण) धर्णन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 भ्रगस्त 1985

निर्देश सं० अर्थ० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० आर०-3/ 1-85/658-अत: मुझे, आर० पी० राजेश

वावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं की-23 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक प्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्रा ग्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीष जनवरी 1985

को पूर्वाक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान वितास को सिए बंतरित की गई है और मूओ यह निद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तम पामा गमा विफल, निम्मिजियत उद्वरिय से उक्स अंतरण निवित में बास्तिक क्य से कविब नहीं किया नवा है

- (क) बच्चरण वे हुई किवी बाव की बावत , उक्त वीधिनियम के बधीन कर वाने के जन्तरक के शामित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुनिधा के लिए; वीद/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था कियाने में सविधा के निस्

बंदाः जय उपत अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों हुः बचार हुः

(1) श्रीमती सुरिन्दर कौर पत्नी स्व० श्री रक्कीर सिंह, निवासी बी-ए-225/2, टैगोर गाउँन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय युमार गुन्ता सुपुत्र श्री नन्द किशोर गुन्ता, निवासी 115-ए, बिचा मल बिल्डिंग, कमला नगर, दिल्ली।

(भ्राजीती)

को वह त्या बारी करके प्राँक्त सम्पर्ति के अलग के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

रक्त सरपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को नारीय स 45 दिन की बर्बाध या तत्सवधी व्यक्तित्रण पर स्थान की तामील से 30 दिन की व बर्बाध मों समाप्त होती है। जे कि सी क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इच्छ
- (क) इस मूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्णि में हितवक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्थानरी के एस लिखित में किए जा सकीये।

लक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा ३० ते ते ते ते ते अध्याय 20 के में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस वध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

प्रो० नं० सी-23, पेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, एक भंजिला मकान, एक देड रूम, एक ड्राइंग रुम-कम-डार्टीनग, एक बाथ रूम और एक किवन, तादादी 300 वर्ग गज।

> श्चार० पी० रजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली।

तरीख: 14-8-1985

मोहर

प्ररूप वार्षं.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज-1, महमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3789/23-I/85-85—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार प्रवस अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं जिसका सं जिसका गेरतपुर सीममे ब्लाक नं 104, है तथा जो तालुका इसफेर जिला श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-12-84

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्ए से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर में का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया गलः प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्विक हो वास्त किश्व नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के शियरण में कमी करने वा उबसे वचने में सविधा के सिए; कीक्ष/का
- (क) इसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के सिए;

चक्कः वय, उक्त किथिनियम की थाए 269-ग की वनुकरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री प्रहलावभाई मोतीभाई श्रौर श्रन्य गेरतपुर तालुका—इसफोर जिला श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) चैयरभेन/सेक्नेटरी
महेन्धरी गेरतपुर को० ओ० सोसायटी
गेरतपुर तालुका—इसफोर
जिला, भ्रहमदाबाव

(भ्रन्तरिती)

की यह तृषना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस न्यना के राजपण में प्रकाशन की तारीय में 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अधिकतयों पर स्चन्य की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध जाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुंबारा:
- (क) इस मुखना के राजवन को शकाबन की हारीब वै 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर संपन्ति में दित बद्ध किसी मन्य व्यक्ति हुनारा स्थोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए था बक्ति।

स्वच्छीदारभः----इनमें प्रयक्त सब्बों और पर्यां का, जो स्वक अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में क्यि क्या हैं।

बनुसूची

जमीन गेरतपुर में ब्लाक नं० 104 रजिस्ट्रेशन नं० 15721/3-12-84।

> जी० के० पंष्टया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, भ्रहमदाबाद

तारीख: 9-7-85

प्रचम कार्य । हिंदी , वृष्य , वृष्य , व्यापन विकास

आप्रकर नेभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नेभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बावकार बावक्छ (निश्निक्र)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3790/23-I/85-86—श्रत: मुझे, जी० के० पंडसा

कार्य के बंबरम, 196; (1961 दा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तात्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं मिल्कत पालडीस टी० पी० एस० एफ० पी० 196 है तथा जो सब प्लाट-3 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद श्रानुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-12-84

की प्वस्ति तम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से अन के स्वयमान प्रतिफल के लिए जंसरिस की गई है और मृत्रे यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्ट सम्पति को उचित वाजार ग्रूस्य, जनके प्रयम्पन प्रशिपल में से से क्ष्यपात प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और गंतरक (जंतरकों) और गंतरिती (अन्सरितियों) के कीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया ज्ञा प्रतिक्त, निम्नलिखित उद्योग्य से जक्त जन्तरण मिणिक में वाम्सिवक क्य में काचित नहीं किया जना है करन

- (क) बंतरण से हुई किसी बाय की बाबत., उक्क किंध-नियम के बधीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कमी १९८० वा उससे बचने में बुविधा के लिए; बॉर/सं
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अप्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में दुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) ﴿ अधीन, निम्नितिथित व्यक्तियों, सर्थात् मिं (1) श्री श.ह बीबीन चन्द्र उर्फ बीदीनचन्द्र कान्तीलाल शाह सीधी बंगलो प्रवीनचन्द्र के० शाह ताजपाल सोसायटी के पीछे पालडी श्रहमदाबाद-6

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हलचन्द ककलचन्द बोश शालाल हलचन्द बोश 76, मथुरी फलेट छीकांटा रोड, नोबल्टी सिनेमा के नजदीक, श्रहमदाबाद 'सीध्धी' बंगलो ताजपाल सोसायटी के पीछे फतेहपुरा बस स्टेन्ड के नजदीक पालडी, श्रहमदाबाद-7।

(ग्रन्तरिती)

क्षेत्र बहु सूचना कारी करके पूर्वोक्त ग्रम्भित के कर्वन के मिए कार्यकाहियां समस्य १९७०

अक्त सम्मरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन को तारी से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों हो से एउने क्यारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंगे ।

स्थाकीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का, को उक्त विभिन्नियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होंगा को उस वभ्याय में दिवा गया है।

बन्स्ची

मिल्कत टी०पी० एस० नं० 6 पर पालडी में एफ०सी० 196 सबप्लाट 3 रजिस्ट्रेशन नं० 17339/4-12-84।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-1, घहमदाबाद

तारीख: 9-7-85

अव्हर 🖫

प्ररूप भादः .टी . एन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 जुलाई, 1985

निदेश नं० पी० म्रार० नं० 3792/23-I/85-86—-भ्रतः मझे, जी० के० पंडया,

नियमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट राजकोट में ज्यानलोक श्रपार्टमेन्ट है तथा जो क्षेत्रफल 1725 वर्ग फुट अमीन रोड, राजकोट में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्री करण श्रिधिनयम; 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, विसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्पियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (।) के अभीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री महाबीर बंस्ट्रवशन कम्पनी भागीदार—श्री गुनवन्तराय रतीलाल भट्ट श्रीर भन्य 2, रामकृष्णनगर, वैभव श्रपार्टमेन्ट, राजकोट

(अन्तरक)

(2) डा० जगदीशभाई जीनाभाई फंसाग्रा श्रीमती डी० ऊषाबेन जगदीशभाई फंसाग्रा फंसाग्रा सर्जोक्षल अस्पताल एस्ट्रोन सिनेमा के सामने, राजकोट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

सनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अभीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वंधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लैंट नं० 2, स्वरनलोक ग्रपार्टमेन्ट में भ्रमीन रोड, राजकोट क्षेत्रफल 1725 वर्ग फीट ∣-जयीन गार्डन के लिए रजिस्ट्रेशन नं० 3979/दिसम्बर 1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 10-7-1985

प्रकृत कार्ड . टी. एन . एस . -----

बाबकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के वभीन सूचना

धारक सरकात

क्रवांतय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्रण)

धर्जन रेंज-1, भ्रहमधाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक १ जुलाई 1985

निदेश नं० पी० भार० नं० 3791/23-I/85-86--भ्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० जमीन टी० पी० एस० 26 एफ० पी० 22-23-24-28 है तथा जो भ्रायोजन नगर वासना सीम प्लेट-251 भ्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भ्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 28-12-84

को पर्वावत सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्र प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकल, निम्नलिखित उद्देष्ट से उक्त अन्तरण जिल्लित वे बास्तिक म्प से कथित नहीं किया क्या है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एरेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात् :— (1) श्री चितरंजन गोरधनदास जानी 25-जनविश्राम सोसायटी सहजा नंद कोलेज के पीछे झांवावाड़ी, भ्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रपूर्णभाई पियूषकुमार मुनसी 11-की, जनविश्राम सोसायटी, सहजानंद कालेज के पीछे, श्रांवावाडी, श्रह्मदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिद्ध कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्ये :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी स्थितयों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, को भी वर्षी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंकित स्थितयों में से किसी स्थित द्वारा:
- (क) इत स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उटत स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए आ शकी।

ैपच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा नया हैं।

मनस्ची

जमीन वासनामे टी०पी०एस० 26 एफ०पी० 22-23 24-25-26 भ्रायोजननगर को० भ्रो० सोसायटी में प्लाट नं० 51 रजिस्ट्रेशन 9625/28-12-84

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रष्टमदाबाद।

तारीख: 9-7-85

प्ररूप आई.डी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृष्का

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3793/23- /85-86--श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट थर्ड फ्लोर मीली ग्रपार्टमेट में है तथा जो 4 जागनाथ प्लोट, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर 1984

को प्वीं उत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है ि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्हेंय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती 'बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पादा प्या हाँदि-कम, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिखित के वास्तिवृक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के कन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आब मा किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था. छिपाने में सृविधा. के लिए;

अत: अब, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) मैं पधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

- (1) मैसर्स बडीयानी बिल्डर्स भागीदार—श्री नारनवास विठलवास बडीयानी श्रौर श्रन्य 3/10/23 एल० नयजीवन सोसायटी लेमिगटन रोड, बोम्बे-8 (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रशोक बी० फारीया श्रीर नीला फारीया 364, एस० बी० रोड, सिगरेट वाला बालिग ब्लाक नं० 27, सेन्ट्रल बैंक के सामने बोम्बे-4

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति को अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्दभ किसी अन्य ज्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट थर्ड फ्लोर परमीली श्रपार्टमेन्ट में जागनाथ फ्लोर राजकोट क्षेत्रफल 1289 वर्ग फिट रजिस्ट्रेशन नं० 6286/ दिसम्बर 1984

> जी० के० पंडया सक्षम प्राघिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 10-7-1985

प्रस्त नाष्ट्रं हो एवं एस ----

अध्यक्षत्र अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धार ?69-व (1) के अधीन सुव्या

माइस सरकार

भागनिट, श्हायक भागकर नाम्मत (निरीकाण)

श्चर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० ग्राई नं० 3794/23—I/85-86——ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

शायकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाम 'उक्त अधिनियम कि कहा गया है, की धाय 269-स के बधीन नक्षम प्रधिकारी की यह विस्तान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित धायार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं एच पी येरावल में, जमीन एरिया 307.126 वर्ग मीटर मकान 300 वर्ग फुट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय येरावल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक 29-12-1984

को एशेंक्त सम्यक्ति के बित्र भाषार मृस्य से कम के द्रथमान ।
तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वेक्ति सम्पक्ति का उपित बाबार मृस्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) ।और वंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखत उक्देश्य से उसत अन्तरण किसित में वास्तिवक रूप से किसत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहूर्य किसी आय की बाधर, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंगी किसी लाग या किसी भन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय लाग-कार स्थिनियंत्र, १०२२ (1922 का 11) या उपल प्रोभिनियंत्, मा अन-कार अभिनियंत्र, मा अन-कार अभिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) है प्रवासनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट गृही किया गण का या जिल्हा साना काहिए था, छिपाने हो स्ट्रीवणा के लिल्हा

बत: अध, डक्स विधिनियम की धारा 269-ग के बन्दरण के, में उद्या कि धिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तिस्टें, अधीन, निम्निसिस व्यक्तिस्टें, अधीन,

(1) श्री सोनी माधवजीभाई भीमजीभाई धोरडा और श्रन्य कृष्ननगर, खडखड, येरावल, जिला जूनागढ़

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सोनी बाबूलाल गोरधनवास सागर ग्रीर अन्य कृष्ननगर, खडखड़ येरावल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके ५वें किस सम्परिस के अर्जन के निष् कार्यअहिंमां करता हुं।

बाबद्य संपत्ति के वर्षन के दंगंग में कोई भी बाखेंद :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जनींच का तत्संबंधी स्थितित्वों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविति, मों भी अविति बाद में समाप्त होती हो, के मीतृर पृत्रों कर स्थितकों में में किसी स्थितत बुवाएन;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पाह लिखित में किए दा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः -----इसमं प्रयुक्त कन्दों और पवाँ का, को उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में विका गवा है।

अनुसूची

एच० पी० येरावल में खडखड विस्तार में जमीन क्षेत्रफल 307.126 वर्ग मीटर + मकान 300 वर्ग फीट्य रिजस्ट्रेशन नं० 3049/29-12-84।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 11-7-1985

मोहर 🛭

प्रसम्बन्धाः दी. एस. एव. - - -

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ছ (1) क विभीन स्थान

शास्त्र करकार

कार्यास्य, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमवाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निवेश नं० पी० म्रार० नं० 3795/23—I/85—86—म्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

मायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक्ते पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- का क्षेत्रीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 16 एकर 7 गुंठा 5 रूम भौर कुपां है तथा जो याडी सर्वे नं० 16 भावनाथ गीरनार तलेटी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है); रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-12-84

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान पितफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार क्ला, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल से अपिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक का निम्निमितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में सिचित वास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नम्बर्थ से हुई विश्वी नाम की बायत उनके अधिनियम के नधीन कर दोने के जन्तरक के ख़बित्य में कमी करने वा अवने वपने में सुविधा के निए; बीर/या
- (म) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य बास्सिक्षी करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर व्यक्तियंक, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंक, या धन-कर अधिनियंक, या धन-कर अधिनियंक, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्भा था या किया नाना चाहिए था, जिपाने में सृद्धिय के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत:, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
30--226 GI|85

(1) मेमन हाजी मध्युल रहमाम प्रश्युल हबीब मारगनी नया घांचीबाड़ा, जूनागढ़

(ग्रन्तरक)

(2) प्रनेता परिवार ट्रस्ट
के/ग्रो० कोम्बे माल स्टोर्स सप्लाई कम्पनी
प्राईवेट लिमिटेड
वेस्टर्न इन्डिया हाउस
सर पी० मेहता रोड़,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मिति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकासन की शारीस भ 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि शहर में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (w) इस स्थान के राष्ट्रक में प्रकारन की सारीय के 45 विन् के प्रीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्य किसी क्षा कावित वृतारा सभोहस्ताक्षरी के वास सिक्ति में किए का सकों ने ।

स्थाकतीकरणः - इत्यमं प्रयुक्तः वास्यों और पर्यो का, वो अन्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्यास में विका नवा ही।

वनसूची

जमीन जूनागढ़ भावनाथ गिरनार तलेटी सर्वे नं० 16, दूधेश्वर प्लास्टेशन अंबापाडाा क्षेत्रफल 16 ए० 7 जी + 5 रूम० ग्रीर कुवा वाडी, रजिस्ट्रेशन नं० 2432/3-12-84 ।

> जी० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाउ

तारीख: 11-7-85

मोहरः

प्ररूप बार्च, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) के अभीत स्थान

धाउल बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० स्रार० नं० 3796/23-I/85-86--स्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल जमीन क्षेत्रफल 2000 वर्ग यार्ड +रोड है तथा जो क्षेत्रफल 590 वर्ग मीटर छाया सर्वे नं० 2 बोरबन्दर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पोरबन्दर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 21-12-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिकल से एसे स्त्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए सम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिसित उस्देश्य से उस्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शांतीलाल केशवलाल महात्मा गांधी रोड, पोरबन्दर

(म्रन्तरक)

(2) श्री मूसा रसीद रामदानी ग्रो०—मुमी एन्टरप्राईसेस मेमनवाड़ा, पोरबन्दर

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके प्यॉक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत संपरितुको वर्णम् को संबंध् मों कोई भी बाक्षपे ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच छैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास जिबित में किए या सकों थे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिकाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका वस है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल जमीन क्षेत्रफल 2000 वर्ग यार्ड \pm रोड क्षेत्रफल 590 वर्ग मीटर छाया मर्वे नं० 2, पोरबन्दर रिजस्ट्रेशन नं० 3688/21-12-84।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 19-7-1985

मॉहर :

प्ररूप नाइ ंंदी. एन . प्रस्ः-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) जे अभीन सुमर्गा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3797/23-1/85-86---ग्रतः भृक्षे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० रायखण्ड यार्ड मी टी सर्वे नं० 4164 बी० ग्रीर 4164-सी है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रमुखी में श्रीर पूर्ण का से विणित है); रजिस्ट्रीकर्ता, श्रिधिहारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 7-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविस्त उच्चेष्य से उच्च अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (च) एसे किसी बाब या किसी धन वा अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया वाना वाहिए था, स्थिपने में स्विधा वे सिए।

(1) भोडल मायेटर्स प्रा० लिमिटेड रिजस्टर्ड ग्राफिस---मोडल टाकीज प्रीमायसेस गांधी रोड, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) एडवान्स फ़िल्म ऐगचेरन्ज प्राईवेट लिमिटेड रजिस्टर्ड प्राफ़िस--एडवान्स टार्काज प्रीमायसीज भद्र, ग्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह)सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा हैं।

अमृस्ची

रायखण्ड बोर्ड मी टी सर्वे नं० 4164-बी० ग्रीर 4164-मी० रजिस्ट्रेशन नं० 17483/7-12-84

जीं० कें० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, ग्रहमदाबाद

बतः व्या जन्त विधिनयम की भारा 269-ए के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के संघात ए—

तारीख : 24-·7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० आर नं० 3798/23-I/85-86—अतः भूसे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरुवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भीर जिसकी सं० शाप नं० 25 अजन्टा फोर्मेशियल सेन्टर है तथा जो आश्रम रोड टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 100 अहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 27-12-84

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के धरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरमान प्रतिफल से, ऐसे धरमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नन्दलाल एच० मोटवान 15-की, जलविहार सोसायटी माश्रम रोड, ब्रह्मदाबाद

(भन्तरक)

(2) श्रोणती सरलादेवी महेन्द्रकुमार ग्रग्नवाल 2-वधमान नगर, घाटलोडिया महमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

शाप नं० 25 मजन्टा फोर्मेशियक्ष सेन्टर टी० पी० एस०-3 एफ़० पीं० 100 माश्रम रोड महमवाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 18729/27-12-84।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद्य

तारीख: 24-7-1985

प्रकृष बाईं.टी.एन.एस.------

क्रियकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-, श्रहमदाबाद

अहमदाबाष, विनांक 24 जुलाई, 1985

निदेश नं० पी० भ्रार० नं० 3799/23-I/85-86—-- श्रतः मुद्ये जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मिल्कीयत एफ़० पीं० 988 टीं० पीं० एस०-3 नं० 25 है तथा जो तीलकीनगर को० श्रा० सीक्षायटी पालडी श्रह्मदाबाद में स्थित है 37 रर फ़ारल कीया के कार्यालय निम्न दशासन कीये के श्रधीन 31-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जीवत बाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्ध है और मुफ्ते यह जिक्दास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उत्वोच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की शायत उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे अधने में सुविधा के लिए; जॉर/वा
- (व) एसी किसी भाग या किसी भग या बन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती क्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था, जिसाने से सुनिधा के सिक्;

अतः अवः, जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल न्यक्तियों, अधित् :—

(1) श्रीः कनकराय शातीलाल पंडया श्रनंतराय शान्तीलाल पंडया जशोदाबेन शान्तीलाल पंडया ए-4 मयूरवार्क को० स्रो० सोसायटी सेटेलाइट, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बेन कस्तुरभाई कस्तुरभाई लालेभाई एच० यू० एफ० सगीर मीहीर भरतकु**मा**र जवेरीवाड, परनी खडकी रिलीफ़ रोड, ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाबोच ड---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ण) इस स्वामा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

प्रनुसूची

मिल∓स टी०पी०एस० 3 एफ़०पी० 988 नं० 27 सोलकनगर को०ग्रा० सोसायटी मालडी 37 रर/दिनांक 31-12-84 ।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज- , म्रहमदाबाद

तारी**ख**: 24-7-1985

. प्ररूप **बाइ**ं. टी. एन. एत.-----

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्वा

भारत बहुकार

ार्यालय, सहायक <mark>शायकर जाम्बत (पिर्काका</mark>)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, चिनांक 24 जुलाई 1985

बाबकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपरित, दिवसका उचित वाचार मुख्य 100,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं जिल्ला है); रिजर्ट्रीन ती अधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजर्ट्रीन जिसकी अधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजर्ट्रीन जिसकी सं जिस्ट्रीन जिस्

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाँक्त समपित्य का उभित बाजार ब्रूप, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अभिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक है सिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्मसिक्ति उद्योक्त से उक्त बन्तरक बिक्स के बास्तकिक प से कथिया नहीं किया गया है।

- (क) अन्तर्य से हुई किसी बाद की वास्त् , उनक विश्वतिक्ष के सुधीन कर दोने के अन्तरक के सरित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के सिंधु; बीरू/वा
- (क) एसी किसी माम या किसी धन या अन्य आहिताओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था वा किया जाना चाहिए जा, जिनाने में सृतिभा के सिए;

अकः वन उपत विधिविषम की भारा 269-म के अपृक्रण मं, भं, उभत विधिविषम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रताप चंपकलाल चोकसी वीयीन सी० चोकसी ग्रजय सी० चोकसी ग्रशोक सी० चोकसी नितिन सी० चोकसी बिवनय सी० चोकसी सांकडी शेरी, लारपा पटल की पोल, ग्रहमदाबाद

(अन्तरक)

- (2) 1 श्री चंत्रकलाल गोरधनदास कर्ता— प्रतापभाई चंपकलाल चोकसी
- (2) श्रीमती हंसावेन विनोदभाई सोनी
 - (3) दिप मभाई नरोत्तमदास दलाल
 - (4) श्रीमती बीना दीपककभाई दलाल
 - (5) रतीलाल सोमनाथ एच० पु०एफ० कर्ता
- (6) रजनीकान्त रति।लाल पटेल उपेन्द्र ग्रार० पटेल विनय रति।लाल पटेल 237, सरसपुर नयी सालपी वाड, ग्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

का यह सूच्या बारी करके प्याँक्त सम्परित के वर्षन् के जिल कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित सं 45 दिन की बनीम ना इत्सन्तन्ती व्यक्तिकों पूर सूचना की सामीन से 30 दिन की मनीम, को भी बनीम नाद में बनान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति बनारा;
- (क) इस सूजित के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विक् के भीतर अंक्त स्थावर ब्यम्ति में हिल्बब्ध किसी बन्च व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए वा इकोंने।

रन्त्वनीकरम्:---इडक् प्रयुक्त काली नीड क्यी का_छ क्षेत्रकथा व्यवस्थानम्, के कथ्याम् 20-क में परिशानिस हैं, नहीं क्षेत्र होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

घनुसूची

जमीन टी॰ पी॰ एस॰ 20 फ़ोचरव सीममें टी॰ पी॰ 20 एफ़॰ पी॰ 381 रजिस्ट्रेशन नं॰ 17354/4-12-84

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, स्रहमदाबाद

तारोख: 24-7-19**8**5

प्ररूप वाइं. टी. एन. एत. -----

आयरू अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) की अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 23 जुलाई, 1985

निदेश सं० जी० श्रार० नं० 3801/23-1/85-86--- स्रतः मुझे, जी० कें० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 0 102 निवा इडस्ट्रियल एस्टेट है तथा जो खिवा भावनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधियम; 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 10-12-1984

को पूर्वोच्या संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्म्प्रीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा प्रतिफल निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं पाया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी कियी जाय या किसी पण था अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया असा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सांवभा के किया

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) मैं ० पुनीत मेटल इन्डस्ट्रीज कें ० स्रो० बेलो इन्डस्ट्रीज दुवा चारी रोड, भावनगर।

(श्रन्तरक)

(2) ग्रणोक एयर प्रोडक्टम प्रायवेट लिमीटेड वर्कम--प्लेट 102--चित्रा इन्डस्ट्रियल एस्टेट भावनगर रिजस्टर्ड ग्राफिस 1/सी, नारायन नीकुंज (2) कल्यान सोसायटी ग्रार०सी० पटेल इन्डस्ट्रियल एस्टेट के मामने ग्राकोटा गेड, बरोदा-5।

(श्रन्तरिती)

को यह नुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां १-क करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवें कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए वा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बर्कशाप फ्लेट 102—चित्रा इन्डस्ट्रियल एस्टेट चित्रा— भावनगर, रजिस्ट्रेशन नं० 3908/10-12-84।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 23-7-85

प्ररूप जार्ड, टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, महमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 23 जुलाई, 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3802/23-1/85-86--- ग्रतः मुझे जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम नाधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लांट नं० 259 हिल ड्राइब रोड है तथा जो मेमन बीलिंग भावनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से होसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसित पे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्य में कभी करने या उत्तसे बचने में स्विधा के लिए: मौर/या
- ंत्रः एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्ध अंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत. बच, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) श्री जसवन्त राय जीवनलाल दोशी कान्तीलाल जीवनलाल दोशी मोती मेन्धन थर्ड फ्लोर, पाँचवी गली, खेतवाडी, विट्ठलभाई पटेल रोड, बोम्बे-400006।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रंजली को० श्रो० हा० सोसायटी 14, विठ्ठलवाडी, भावनगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लोर नं० 2559, हिल ड्राइव रोड, कृष्नानगर, भावनगर रिजस्ट्रेशन नं० 3813/26-12-84।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 23-7-85

मोहर ः

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाँक 25 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3803/23-1/85-86—श्रतः, मुझे, जी०के०पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्यं 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० मिलिकियत टी० पी० एम० नं० एफ० पी० 751 पर है। तथा जो सब प्लाट-2 हीराबाग, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्तिविक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) वंतरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जौर/वा
- (क) ऐसी किसी भाग का किसी भन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिपान में सुविधा के लिए।

बत: बध,, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग कै जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन निम्निनिसित व्यक्तियों, प्रधात्:--- 31 --- 226 GI85

(1) श्री वीयानभाई इन्दुभाई पटेल संगमयार्क सोसायटी परीमल सोसायटी के पीछे, ऐलीसबीज, श्रहमदाबाद-6 श्री गिरीशभाई इन्दुभाई पटेल श्रेयस सोसायटी, श्राँवावाडी, ऐलीसक्रिज, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमुरबेन नरेन्द्र भुवा समीर मेंहुल नरेन्द्रपार्ट भुवा कुल मुख्तयार—श्री नरेन्द्र रन्दुलाल भुवा गोनेट को० श्रो० सोसायटी जामे जमशेद रोड, मादंगा, बोम्बे।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🏣

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

श्रनुसूची

मलकियत टी०पी० एस० 3पर एए० पी० 751/सब प्लाट 3 रजिस्ट्रेशन नं० 18399, 18389/8-12-84।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्र**हमदा**बाद

तारीख: 25-7-85

प्रकृष बाह्". ही. द्न. युव. 🗝------

बायकर ब्रिधिनियक, 1961 (1961 का 43) की भारा 269--व (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 25 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार्० नं० 3804/23-1/85-86--श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

वायकार मिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रथात 'उन्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा क्यान के अधीन सक्ष्य प्राधिकारी की, यह विकास करने कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उवित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिनकी संज मल्कीयत जामनगर में वेडेन्धर एरिया है तथा जो श्रारंज एनंज 200 औरज 203 ज्वाट 22-23-24 में स्थित है (श्रीर इ.से उपाबज्ज अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजन है), रजिस्ट्री इन्ति श्रिध कारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 14-12-84

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान शितफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुझे यह विम्नाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पण्डि का उचित बाजार भृत्य, उसके छ्रथमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पण्डि प्रतिमान प्रतिफल का पण्डि प्रतिमान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बौर अन्तरिती (अन्तरितिमा) के बीच ऐसे अन्तरक के सिए सक गणा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उचित अन्तर्य कि बिक्त में अस्तिक का से अधिक से तिस्त में अस्ति से सामा प्रतिफल कि सामा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उचित अन्तर्य कि बिक्त में अस्तिक सम्म से अधिक नहीं कि सामा स्वा है:—

- (का) बन्तरण संहर्ष किसी बाय कर्त बायत उकत बाँचन नियम के बसीन क्षत्र को बे बक्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; करेर/मा
- (सा एंगी किसी बाज हा किसी हान वा बच्च आस्तियों को, जिन्हों सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम सा भन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोच- नार्थ अम्तिरती दुवाय प्रकट नहीं किया थेशा वा वा किया जाना चाहिए था किया में सविधा के किए:

बतः क्षेत्र, उत्तत अधिनियम की धारा 269-म की अभूकरण में , में . अक्स संधिनियम की धारा 269-म की उल्लाहा (1) के अधीन , निम्नीनकित काधिनमें . अल्लीच ख्लाह (1) मैसर्स सावजानी एन्ड सन्य, मेसर्स गनेण स्रोरल इन्डस्ट्रीज कल्पगंज पार्टी, ग्रेन मारकेट, जामनग।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स वितय ग्रोरल मिल बेडेधर जामनगर ग्राफिस—के/ग्रो० मैसर्स ग्रशोक कुमार जमनादास ग्रेटन मारकेट, जामनगर

(ग्रन्मेरिती)

को बधु ब्याना चारी करके पूर्वोच्छ सम्मरित के नर्पन के सिय् कार्यवाहियां करता हुंः।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप .--

- (क) इस स्वता के राज्यन में प्रकाशन की तारील से 45 दिस की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तानील से 30 दिन की जनिथ, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर प्रकेंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राय;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाषन की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्च व्यक्ति इतारा स्थाहस्ताक्षरी के शास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्तव्यक्तिस्तः---इसमें प्रयुक्त सम्बाधीर नदीं का, को उपतः
विनियम के कथ्याम 20-क में परिभाषित
ही, वहीं कर्यहोंगा, को उस सध्याय में दिया
र नया ही।

प्रनुसूची

मल्कीयत जामनगर में बेडेन्धर श्रार० एस० नं० 200 श्रोर 203प्लाट 22, 23, 28 रजिस्ट्रेशन नं० 516/14-12-84।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 25-7-85

१क्य वार्ष्टी, प्रदूष्ट्, ---------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (†) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयकत (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1985

निदेण मं० पी० ग्रार० नं० 3805/23-1/85-86--- प्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अौर जिसकी सं० फ्लैट जदर्शन को० श्रो० सोसायटी ब्लाक सी० है। तथा जो फ्लैट नं० 2 आश्रम रोड 27 पी० एस० 3 एफ० पी० 499 श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जनसरण से हुई किसी जान कर्त वानत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अधिकप्र; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) सुणीलाबेन वायुभाई णाह 804, परार पाडा पोल खाडीया चार रस्ता के नजदीक, ग्रहमदाबाद ।

ara o e e o our grande de la compania de la compaña de la

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योतिबेन हरीशभाई माऊ र-25, जलदर्शन फ्लैट नटरज के सामने, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खबत सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कीई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पड़ स्वान की नापाल स 30 दिन की व्यक्तियाँ वो की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में बे किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अभाहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अम्ल्ची

प्लैट जलदर्शन को० ग्रो० सामायटी में ब्लाक 'सी' प्लैट नं० 2 टी० पी० एस०-3 एफ० पी० नं० 499 रजिस्ट्रेशन नं० 18562/20-12-84 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्प (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-7-85

प्रारत्प आई. टी. एच ुएस ु-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 1, ग्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद, द्वितांक 26 जुलाई 1985 निदेश सं० पी० ग्नार० नं० 3806/23—1/85—86—⊷ग्नतः मुझे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन चंगीसपुर में एफ० पी० 393 टी० पी० एस० 3 हैं। तथा जो सब प्लाट 1 श्रौर 2 पैकीबिन बहुचणी कीया जमीन में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं); रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम; 1908 (1908) का 16) के श्रधीन 27-12-84

कां पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा पामा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निस्ति में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंक पिक्तियों, अर्थात् है— (1) श्रीमती गीताबेन धीरजलाल रपुणालदास की पुत्री लीलावतीबेन डाकोरभाई पटेल गीराबेन धीरजलाल रपुणालदाम की पुत्री योगेन्द्र रतीलाल पटेल मीनाबेन धीरजलाल सुणालदास की पुत्री 'धीरज बंगलो' एल० श्रार० सी० श्राफिस के पीछे श्रान्द्रम रोड, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चेरमेन/सेक्रेटरी

न्यू वैभव को० श्रो० सोसायटी लिमिटेड
चेयरमैन--फरमनदास रघुदास
सेक्रेटरी--बिहारीभाई मनीलाल
प्रेयस हारस्फुल के सामने
गाहपुर मिल कंपाउन्ड,
ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

अनुसूची

जमीन टी०पी० एस० 3 एफ० पी० 343 सब प्लाट 1 और 2 बीन बहुंचणी काया जमीन चंगीसपुर में।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

तारीख: 26-7-85

प्रकृष बाई. टी. इन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन त्वना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आगृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, निांक 26 जुलाई, 1985

निदेण सं० पी० ग्रार्थ नं० 3807/23-1/85-86--- प्रतः मुझे, जी०के०पंडमा,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विद्वास करने कारण हे कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० रोड नं० सब प्लाँट 332 गुजरात होयारी महामंडल है। तथा जो सरकारी श्रौद्योगिक वसाहत लिमिटेड श्रोठप सीम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम; 1908 (1908) का 16) के श्रिधीन 12-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदुरोध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उसत विश्वित्यत्र को स्थीन कर दोने के अन्तरक को वासित्य में अभी करने वा उस्ते व्यूने में सुविधा को सिए; कांड/मा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, खिपाने में सविधा के निए;

अता बब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, उकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नीसिचित व्यक्तियों, बचात् :---

(1) एम० गिरीणचन्द्र (एच० यू० एफ०) णिल्या राजपथ कल्ब के सामने रामदेवनगर, ग्रहभवाबाद-54।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स ए०ए० के० रोषेको० मेन्य० कम्पनी 657, फयासीया बजार म्रहमदाबाद-380002।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🗘

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिध, जा भी जन्म नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाब निवित में किए वा सकति।

स्पव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

नगृत्यो

श्रीधव सीम शेंड जी० वी० एम० एम० वसाइत लिमिटेड सब प्लाटनं० 332 सर्वे नं० $67 \pm 70 \pm 75$ 123 रिजस्ट्रेणन नं० 17654/12-12-84।

जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, स्नहमदाबाद

तारीख: 26-7-85

मोहरः

त्रक्ष बार्च .टी .ध्न .ध्व .-----

लाक्कर जीभीनसन, 1961 (1961 का 43) स्त्री भारा 269-म (1) के लभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर नामुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज I, श्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनाँक 26 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3808/23-1/85-86-श्रनः, मुझे, जी० के० पंडया,

वासकर व्याधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसके इसके पश्चाश् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित सामार मून्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जमीन छडापड में माडलपुर सीम टी० पी० एम० 2 श्राफ है तथा जो पी-421 सब-प्लॉट 3 हिस्सा नं० 2-ए० ग्रीर 22 ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय में ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 31-12-1984

को पूर्वो क्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृस्य से कम के समझान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे कन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीनिवित उद्वेष से उस्त अन्तरण विवित से चास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से इंड्रॉ किसी धाव की वावता, स्वयस्य विधितवत्र को अधीन कर दोने को सन्दरक की दक्षिएक को कबी अपने वा सत्तवे वचने में बृदिया की विद्यु: स्वदि/धा
- (स) ऐसी किसी बाद वा किसी अन वा कव्य डास्सिवों की, विक्ट आरतीय बाद-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्नम, शर धर-कर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) से प्रवोचनार्थ कंकरिसी ह्वास प्रकट कही दिस्ता बना भा वा किया जाना प्रशिद्ध भा, कियाने जे स्विभा के लिए;

नतः अव, उनत निधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भी, भी, उनत निधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिविधित स्वित्वती, निधि ह--- श्री मनीबेन चंदुलाल छीयापाड लंघाप्रन्य जिला— महेगाना कान्तीलाल बापुदास पटेल मी० एन० विद्यालय के नजडीक स्रंवावाड एलीमिंज सहमवाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. मैं पारफींग फ्लैंट भानर्स एमांसियेशन विरेन्द्र मंगलदास रमेशशाई श्रार० पटेल, श्रहमदाबाद। (शन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के रैसए कार्यवादियां करता हुं।

बक्त कम्मील के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस त्याना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की जनधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की बन्धि, या भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीवड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारिक्ष के 45 दिन के भीतर उचत स्थायर सम्भित में हित-ब्या किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्कास्थः — इसमे प्रयुक्त कव्यों और पूर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं अही अर्थ होगा, को उस अध्याम में दिवा गया

अनुसुची

माइलपुर छडापड सीम टी० पी० एस०--21 एफ० पी० 421 हिस्सा नं० 2-ए 2-2 ची० फी० जमोन रजिस्ट्रेशन नं० 18872, 18873/31-12-1984।

> जी० हे० पंडया स्थाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्य (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रह्मराबाद

तारीख: 26-7-1985

प्ररूप **आह**ं.टी.एन.एस. =-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाँक 26 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3809—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जियकी सं मिलिकियत जमालपुर में वार्ड नं 2-मी एस है तथा जो नं 3622-2 3622-1 3623-3624 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधनारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम: 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 31-12-1984

को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशय ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितो (अन्तरित्याँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धिष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हुन्न

- (क) जन्तरण ने हुइ किसी क्षाय की वावत, उक्त अधिनियस के जधीन कर दोने के जन्तरक खैं दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजगर्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अमूसरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती शान्तागौरी जवेरीलाल श्रंबाशंकर की पृती
 मुहुरत चौल मानेक चौक श्रह्मदाबाद।
 (श्रन्तरक)
- 1. मैं ० राघव णाप्स एण्ड श्राफिसेस को.०-श्रा० मार्केटिंग सोसायटी चीफ श्रागेंनाइजर:---(1) दशरथ लाल एन० पटेल वृन्दावन कालोनी णाहीबाग श्रह्मदाबाद। (2) हरगोवनदास रामदास पटेल बी० नं० 5 उत्तर गुजरात पटेल सोसायटी विभाग-2 श्रसारवा श्रह्मदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिथ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मिलिकयत जमालपुर वार्ड 2 में सी० एस० नं० 3622-1-2 3623, 3624 रिजस्ट्रेशन नं० 17190/3-12-1984।

जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, श्रहमदाबाद

तारीखा: 26~7~1985

मोहर 🥴

त्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

बायकर बिधिनियस, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-ज (1) के बधीन सूचना

भारत प्रश्यान

कार्यातय, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनौंक 26 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० झार० नं० 3810—— भ्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को रह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० मिलकियत टी० पी० एस० 19 एफ० पी० 345 पर है तथा जो बी० नं० 5. अमर सोसायटी मेमनगर रोड़, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्सालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री है, तारीख 3-12-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विष्यात करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृद्यमान प्रतिफल से, एसे दृद्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोक्य से उक्त बन्तरक विश्वतियां में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, खनत सचित्रिय के स्थीय क्या वित्रे के सन्तरक की सामित्य में कृती करने ना सबसे स्थान में स्थिया के सिए; और/या
- (च) एती किन्दी जाव वा किसी भन वा जाव जास्तियों को, जिन्द्दें भारतीय जाय-कर जभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नृष्टी किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा वो सिए;

लतः सम, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, अक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री माध्यवेन किरीट कुमार पटेल, गाँव-ढभान तलाब, तालुका-नडीयाड, जिला-खेड़ा।

(श्रन्तरक)

 मेसर्स कला निकेतन, नोबल्स बिल्डिंग 'बी' ब्लाक, नेहरू ब्रिज के सामने, श्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को नह स्वाग वारी करके पूर्वोक्त बंपिश के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त इंपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी काश्रीप "---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच वै 45 दिन की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास जिल्हा में किए का सकते।

स्पष्टिकरणः --- इतमें प्रयुक्त वन्दों और वदों का, वो उनके अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया वसा है।

वयुषुची

मिलिकियत टी० पी० एस० 19 एफ० पी० 345 पर बी० नं० 5, अमर सोसायटी, रिजिस्ट्रेशन नं० 17175/ 3-12-1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 26-7-1985

मोहर 🖫

प्रकृत आहें वहीं प्रमृत प्रस्त =======

भायभर अधिनियभ, 1961 (195: का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर नाम्बत (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-1, महमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनौक 29 जुलाई 1<mark>98</mark>5

निवेश सं० पी० आर० नं० 3811——अतः मुझे, जी० के० पंयडा,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्वें इसके परवात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एच० पी० रामिकिश्न नगर में फ्लैट नं० 3 है तथा जो पंथली गेट, जूनागढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारी ख 26-12-1984

को प्वांकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृष्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है जौर मुभ्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तद्व प्रतिफल का पन्तद्व प्रतिफल को पन्तद्व प्रतिकत से अधिक है जौर जंतरक (अंतरका) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उचत जन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्द्र किसी बाप की वाबत उपल अधिनियम के अधीम कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने वा उससे वचने में सविधा क्रो चिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना वाहिए था खिपाने में सविधा के सिएए

जतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कौ अनुकरण मों., मौं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधोन.. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∴— 32—226GI/85

 श्री मगनलाल रावजी भाई भाटी, के०/ग्रा० महैश एग्रो सेल्स कार्पोरेशन, 22, विजय प्लाट, राजकोट।

(ग्रन्तरक)

2. डा॰ गोत्रिदभाई ठाकरसी भाई लडानी, ब्लाक नं० 3-ए॰, रामिकश्न नगर, एस० टी॰ बस स्टेशन रोड़, पंथली गेट, जूनागढ़।

(भ्रन्तरिती)

और क्षक्ट सूचना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

अबंद स्वयत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्शप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए का सकेंगे।

स्वाक्षकरुण:—इसमें प्रयुक्त सब्कों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा नवा हैं।

अनुसूची

एच० पी० रायिकश्न नगर में क्लाक नं० 3-ए०, जमीन क्षेत्रफल 150 वर्ग यार्छ + मकान रिजस्ट्रेशन न० 2551/26-12-19841

जी० के० पंडया
पक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 29-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निजीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1986

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3812—भ्रतः मुझे, जी० फे० पंडया,

भावकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार भूष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रह. सं जायक हैं
औप जिसकी सं० एन० ए० इण्डस्ट्रीयल जमीन गाँत बामनबोट में है तथा जो जिला सुरेन्द्र नगर सर्वे नं० 2 और 3
क्षेत्रफल 15/83 वर्ग मीटर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता
प्रशिकारी के कार्यालय मुली में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10~12~84
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उच्चित वाजार मृल्य से कम के ध्रयमान
प्रतिफल के निए जंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उच्चित वाजार
बूच्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे उच्चमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
जन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ
पामा गया, प्रतिफल, निम्निवित उद्वेष्य से जक्क अन्तरण
निर्मित में बास्तिक रूप से क्रियत नहीं क्या गया है धु---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बारियत्व में कभी करने या उससे बच्चने में सुविधा बारियत्व के लिए; जार/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ष्म अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः नन, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन. निम्बिलिशिय व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) रीटा कारबोनेट प्रोडक्ट्स लिमिटेड, मनेिजग डायरेक्टर ---भूपतलाल फरमणी पटेल, तक्ष शला सोमायटी, गिरनार सिनेमा के मामने, राजकोट। (श्रन्तरक)
- (2) सियाङिक्स प्रा० लिमिटेड, मैनेजिंग डायरेक्टर→ गोपालदास कांतिलाल चांगेला 23/25, न्यू जागनाथ, विजय श्रपार्टमेंट्स, राजकोट । (ग्रन्तरिती)

का बहु त्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन के ज़िए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाकीप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीन के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाल शिक्ति में किए जा सकीने।

स्मक्कीकरणः—इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्वों का, को उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्या

एन० ए० इण्डस्ट्रियल जमीन गांच-बाममबोट में सर्वे नं० 2 और 3 जिला सुरेन्द्र नगर क्षेत्रफल 15783 वर्ग मींटर रजिस्ट्रेशन नं० 462/10-12-80।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज~6, श्रहमदाबाद

तारीख: 29-7-1985

प्रक्रम बाह्". टी. एन. एस. - - -

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासब, सहायक बायकर आयुक्त (निरीकण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश मं०पी० ग्रार० नं० 3813/ग्रर्जन रेंज-I/23-I/85-86-दत: मुझे, जी० के० पंडया,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास काकों का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० 16, लोग्नर लेक्न मेडीकेअर मेंटर, है तथा जो टाउन हाल, एलींम ब्रिज, श्रहमदाबाद में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), 37-ईई 7-12-84 को श्रहमदाबाद में फाईल किया को पूर्वोंक्त संपरित के जीवत बाजार मून्य से कम के क्रयमन प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूनों यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रक्ष प्रिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पावा गया प्रतिकल, निम्निवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बस्तरण से हुई किसी बाय की बाबता, उक्त जिथितयल के संधीन कर दीने के बस्तरक के समिरल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। जॉर/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में मृविधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण को, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) को को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—— मैनर्स हसमुख शाह एण्ड कम्पनी, फर्स्ट फ्लोर घीन्^{भाई} सेन्टर, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

श्री ज्योतिबेन कालिदास पटेल, मनीबेन ग्रमीचंद पटेल,
 गौतम विहार मोसायटी, उस्मानपुरा,
 ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद।

(श्रम्तरिती)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृपना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी व्यक्तिया में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में सामिल देवी हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में सामिल देवी हो, को भीतर पूर्वोक्त
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक म 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास निधित में किए का मक्षेत्रे।

स्थळित्थाः — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अधे होता जो उस अध्याय में दिया गवा हो।

मन्त्रकी

णाप नं० 16, लोग्रर लेवल 'मेडिकेयर सेंटर' में एलीस-ब्रिज, ग्रहमदाबाद 37-ईई दिनांक: 7-12-84 को फाईल किया।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 31-7-1985

मोहर ः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांत्रः 9 जुलाई 1985

दिदेश सं० पी० श्राग्० नं० 3640/11—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० श्राफिय नं० 347, रिंग रोड़, है तथा जी सूरत में स्थित है (और इपसे उपाबन्द्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37 ईई० के श्रधीन, तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय काँ, वागर, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैं० शॉति बिल्डर्स, रिंग रोड़, सूरत। (अन्तरक)
- 2. श्रीं राजेश कुमार जैन, कोठी नं० 2, अंबाला सिटी, हरियाणा।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में किसी स्थित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तिन द्यारा अधांह्यताक्षरी के पास सिवित मों किए जा सकरेंगे।

स्थव्यकिरण : --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है:

अनुसूची

मिलक्रियत जो सूरत में स्थित है। 37 ईई० का फार्म पर कायलिय में 16-10-84 में पेश किया गया है।

> जीं० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकत श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 9→7-1985

प्रस्प बाह्रं . टी. एव . एव .; ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गाय 269-म (1) के नचीन स्चना

भारत सरकार

आयांसय, सञ्चयक जायुकर जायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

कायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० श्राफिस नं० 538, रिंग रोड़, है तथा जो सूरत में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रींडर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रींडरण श्रधिनियम, 37 ईई के अधीन, तारींख 16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मृभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रंथ, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्ट्यमान प्रतिफन का पहड़ प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बान्तरक वे हुव किसी बाव की बावत कक्ट विधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक की खबिरक में कमी करने वा उससे वक्षणे में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आव या किसी भन या अन्य आस्तियों को, अन्हें भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, किया विभा के सिक्;

चतः जन, उच्त विभिनियम की धारा 269-न के जन्दरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ≟—

- 1. मै॰ शांशांत बिरुडर्स, रिंग रोड़, सूरत। (ग्रन्तरक)
- श्री रामेक्षरलाल जी जैन, गिरनाट सोम्पायटी, भीवंडी।

(मन्तरिती)

ाडी बहु क्षाना चार्टी करफे पृत्रों क्य सम्मत्ति के अर्थन के त्रिष् कार्यमाहियां करता हुं।

बच्च कम्पीरत के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाँप:---

- (क) इस सूचका के राज्यक वे प्रकाशन की तार्टी है है 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, को भी वर्जी काल में समाप्त होती हो, के शीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित बुगरा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा जभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा सकोंगे।

स्थव्योक्तरण:-- १ समो प्रयासन शब्दों और पदा का, जा उन्तर व्यक्षिमयम, के वश्याय 20-क में प्रिभाषित इं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

ग्रनसूची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 16-10-84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ृश्चर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 9-7-1985

मोहरः

ाक्ष्य नार्वा द<u>ी . एव . एक .</u> ------

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3642/—II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडथा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं आफिन नं 733, अजन्टा शापिंग सेंटर. है तथा जो रिंग रोड़, सूरत में स्थित है (श्रीर इतसे उपाबढ़ श्रमुभूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई० के अधीन, तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्स्यमान वितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्ओं क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्रत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मिमा प्रतिफल निम्न्तिवित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिकिश में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरक है हुई किसी नाम की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में बुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तिकों कारे, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अप्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसर्ण में, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिलिसर व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैं० शाँति बिल्डर्स, रिंग रोड़, सूरत।
 (ग्रन्तरक)

 श्रीमती प्रोति मरन जयन्तीलाल गाँधी, गोपीपुरा मोरी छीपावाड, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह तुमना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्धन के तिवृष् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त स्म्युत्ति को वृत्रीन के सम्बन्ध में कोई भी वासोच् :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वे 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, को भी नविध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसजब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा स्कॉंगे।

स्वन्धीकरण :--इसमे प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया ही।

अन्स्ची

मिलिकयत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म पर कार्यालय में दिनौंक 16-10-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 9-7-1985

प्रकृष आहाँ. टी. एन. एक.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

सररात प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रह्मदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनाँक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3643/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राफिय नं० 63, श्रजन्टा शापिंग सेंटर है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कार्रा के जार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई० के श्रधीन, तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-रित की गई है और मृश्ने यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके त्रव्यमान प्रतिफल सं, एमें इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के शिख एमें अन्तरण को लिए त्य पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखत उब्वेष्य से उक्त अन्तरण निविद्यत में बास्तविक स्प से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी लाग की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे नजने में सृष्टिका के लिए; और/बा
- (स) एवि किसी आप या किसी भन पा अन्य आस्तियों का. भिर्में भागभी आपकर अधिनियम, १५०० (1902 का १८३४) असत अभिर्मियम, १५०० असत अभिर्मियम, भन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 वा २०) अस्ति । १००० (१००० वा २०) अस्ति । १००० (१००० वा ४०) अस्ति । १००० वा था वा था किया जाना वाहिए था, खिपाने में मुनिधा के सिक:

श्रत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण को, औं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्निलिक व्यक्तियों, अभिक् ः—

ाः मै० मोति बिल्इसं, रिंग राह, सुरत्।

(भ्रन्तरक)

 श्री सुखदेव जैन, द्वारा ग्रस्पायण सिर्क मिल्स, रिंग रोड़, सूरन।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्बर्टित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप 🖫---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यत्रित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यवित दवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किसे आ सकरी।

स्पन्नीकं रण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का., को उन्नत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गण हैं।

जगत्त्रभी

मिलकियत जो सूरत में स्थित हैं। 37-ईई० का फार्म पर कार्यालय में दिनौंक 16-10-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज--2, श्रहमदाबाद

तारीख: 9~7~1985

प्ररूप बाहै, टी. एन. एत. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत बहकार

कार्यालय . सहायक आयकर मायक्त (निरीक्तक)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 9 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3644/II—श्रनः मुझे, जी० के० पंडया.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चित्रका उजित बाजार जुल्क 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्राफिय नं० 736, श्रजन्टा शापिंग सेंटर हैं तथा जो रिंग रोड़, सूरत में स्थित हैं (श्रौर इसमे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम, 37-६६० के अधीन, तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार जूम्म से कन के ज्यमान प्रतिफ स के सिए अंतरित की नई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार बून्य, उसके रुप्यमान प्रतिफल सं, ऐसे अन्यमान प्रतिफल का बुन्द्य प्रतिकृत से बिथक हैं और बंचरफ (बंचरका) बीर बंचरित (जन्तरितियाँ) के बीज एसे बन्तरण के सिए अब पाया बना प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उयल बन्दरण विविक्त में शास्त्रविक कर से कंपिन नहीं जिला ग्ला है रू

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली आंच की बाबत, उपत अधिनिक्य के अधीन कह दोने के कम्बरफ के 'दायित्य में कमी करने या ससने बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 [[1922 का 11]] या उक्त अभिनियम या भव-कर अभिनियम या भव-कर अभिनियम, 1957 [[1957 का 27]] के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औं किए;

भतः अव, उक्त विधिनयमं की धारा 269-मं के अनुसरण हों, हों उक्त विधिनयमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिकित व्यक्तियों, वर्षति है—

मै० शांति बिल्डर्स, रिंग रोड़, सूरत।

(श्रन्तरक)

 श्रोमतो दमयन्ती श्रार० महता, श्रद्या मोशायटी, सुमुल डेरी रोड़, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पर्योक्त संपत्ति के वर्णन में सिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

मग्त्रकी

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म पर कार्यालय में दिनाँक 16-10-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पं<mark>डया</mark> सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 9-7-1985

मोइर:

प्ररूपः बहर्दः टी. एतः एसः - ≝ - ≝ +

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २७५-ग (१) के बभीन नुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 15 ज्लाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3645/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० जे-606, रिश रोड़ है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37-ईई० के श्रिधीन, तारीख श्रक्तूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित वहीं किया नवा है .——

- [क] बन्तद्रण हो हाई किसी जान की बायस , समस अधिनियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के या (क्षा में कनी करने या सससे अपने में सुविधा के निष्; आहर/बा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी धन या क्य कास्तियाँ खो, जिन्हाँ भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था रा दिल्या जाना धाहिए था, हिएपाने में नृष्या औं विद्या

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, पर्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—
33--226 G185

6. मैं० संजीव प्रिमायसेत को०-प्राप० हाउसिंग सोसायटी रिग रोड़, सूरत।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाण, पी० डी० कुमार, त्रिण्ना क्लाय मार्केट, दिल्ली–6

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ज़ब्त सब्बत्ति के बर्जन के संबंध में काहे भी वाशोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र हों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (क) इस स्वान के राष्यत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के मीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में दितनकृथ किसी क्रम्ब व्यक्ति के पास जिक्कि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं॥

अनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० फार्म पर कार्यालय में ग्रक्तूबर 1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 15-7-1985

प्रकृत कार्य हो , यस , प्रस् , ------

बावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्भीत सुमान

बारव बरकार

कार्यास्य, सहायक बायकर वाय्क्त (निर्देशक)

. श्रर्जन रेंज-2, श्रह्मदाबाद ग्रह्मदाबाद दिनाँक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3046/II—श्रतः मुझे जी० के० पंडया

आयकर मिनियम्, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें दसमें परभाव 'उन्ते निभिनियम्' कहा नगा ही, की पाछ 269-व के अभीन समाम प्राधिकारी को वह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विस्का उचित् वाचार मृत्य 1,00,000/- कः से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० जे०-403 इण्डिया टैक्मटाईल्स है तथा जो रिंग रोड़ सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप पे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 37-ईई० के ग्रधीन तारीख 11-10-1984

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम स्वयमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने आरण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती 'अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया सितफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त बंतरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरम हे हुए दिन्दी बाय की बायह, हत्व विधिनका की वृथीन कह को के अन्तहक के वादितन में कभी करने वा बहुबे न्यने में गुविया के सिए; बहुर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बीधीनयम, 1922 की 11) वा उन्तर बीधीनयम, बा धन-कर बीधीनयम, बा धन-कर बीधीनयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा वे विषय:

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण बं, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन मिनियिस व्यक्तियों, विधिन स्—

 मैं० संजीव प्रिमायिसिस को० आप० हाउसिंग सोमा-यटी रिंग रोड़ सूरत।

(ग्रन्तरक)

2. मैं एस० के डियारो फेमिली ट्रस्ट अगरबती वाला बिल्डिंग भूलेण्यर रोड़ बम्बई-2।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ::--

- (क) इस सूचना के राचपन में प्रकाबन की तारीय से 45 दिन की बनीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्षि, को भी अवध्यास में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर राजत स्थावर संपत्ति में हिल्डब्यू किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिविश में किए का सकोंगे।

स्वकातिकरणः --- इसमें प्रवृक्त कर्णा और पर्यो का, को स्वक अभिनियम, के कृष्याय 20-क में प्रिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में दिया दया है।

बन्स्ची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। फार्म नं० 37-ईई० पर कार्यालय में 11-10-1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक अत्यकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 ग्रहमटाबाद

तारीख: 1.-7-1985

मोहरः

बस्य बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर जायुक्तः (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2 श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनाँक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० ब्रार० नं० $3647/I_{I}$ —प्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 107 इण्डिया टेक्सटाईल हैं तथा जो मार्कोट रिंग रोड़ सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ,श्रहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई० के श्रधीन, तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ख्रयमान प्रतिफाब के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथम्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) वस्तरण से हुए किसी बाव की वावत । उत्तर व्यक्तित्वम के वधीन कर दोने के बस्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिद्ध; और∕या
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, क्यिनों में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अवीतः निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— मैं० संजय प्रिमायसेस को० श्राप० हाउसिंग सोसायदी किन्नरी सिनेमा के पास, रिंग रोड़,

सूरत ।

(श्रन्तरक)

2. मैं० सी० डी० डियारो फेमिली ट्रस्ट, भूलेक्बर, बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिय कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपु :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिकित में किये जा सकी।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दो का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में विनाँक 11-10-84 में पेश किया गया है।

> जी० कें ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-11; ग्रहमदाबाद

तारीखा: 15-7-1985

मोहर 🛮

प्ररूप नाहरे, टी. पुत्र, एस्.,-------

बायकार वॉभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत बरक्षर

कार्यालय्, सहायक वाय्कर वाय्कत (निर्जीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, अहमधाबाध श्रहमदाबाद, दिनाँक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3648/2--श्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 603, रिंग रोड़, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37-ईई० के श्रिधीन तारीख 11-10-1984

को पृथेकित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कर्शित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाव या किसी भन या अन्य आस्तियों की विक् भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) भा अक्त अधिनियम, या भाकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भवा या किया जाना चाहिए था, जिनाने में स्विभा के लिए;

शतः शव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, उक्त विधिनियम की बारा 269-च की स्पधारा (1) के विधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. अर्थातः ह— मैं० संजीव प्रिमायसेस सोमायटी, रिंग रोड़ सुरत।

(भ्रन्तरक)

 मै० एन० पी० डिग्रोरा फेमिली ट्रस्ट नरीमान प्वाईन्ट बम्बई-21।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस सृष्ना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रमुख जन्दी और पदों का, जो उनते अधिनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म पर कार्यालय में दिनाँक 11-10-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज~2, स्रहमदाबाद

तारीख: 15-7-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, स्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3649/ ——ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

- ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 108, रिंग रोड़ है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईई० के अधीन, तारीख 11-10-1984
 - को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए मध्यरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपचित बाजार नूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ।तिशत से प्रविक्ष है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया। ।विस्ता; निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित मंगरितिक इप से कथित नहीं किथा मया है:——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (य) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य अवस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, वा चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में व्याया है दिए:

अतः, अन, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर, निम्नसिवित स्यक्तियों, अधीर म— मै० संजीव प्रिमायसेस को० ग्राप० सोसायटी, रिंग रोड़, सूरत।

(भ्रन्तरक)

2. मैं जी जी डी डिग्रोरा फैमिली ट्रस्ट, भूलेश्वर, बम्बई-2।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, यो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म पर कार्यालय में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

नारीख: 15-7-1985

मोहरः

प्रकृष् भा**र**े. टी . एम . एस_{स्ट}------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ वारा 269-व (1) को स्थीन सूचना

बार्ट दरकार

कानविम, सङ्गामक नायकाः नायुक्त (निर्द्धानाण)

म्रर्जन रेंज-2, म्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 15 जुलाई 1985 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3650/11—ग्रितः मुझे, जी० के० पंडया.

कायकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० जे०-606, रिग रोड है तथा जो सूरन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमबाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम; 37-ईई० के श्रधीन, तारीख 11-10-1984

कां पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित नाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित नाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे क्षयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कार्ष्यण महीं किया गया है अ—

- (क) अन्तरण वे हुइ किवी बाव की वावत, उपक अधिवित्य में वृधीन कुछ वेने के बातहरू के अधिवान में कभी कहते वा उत्तवे बहुन में सुविधा के सिए; ब्रीट्/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था स्थितने में सुविधा के लिए;

कतः क्या, उकत अधिनियम की भारा 269-ग के जनुतरण भों, की उकत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— मैं० संजीव प्रिमायसेस को० श्राप० हार्जीसग सोसा-यटी रिंग रोड़, सूरत।

(ग्रन्तरक)

2. मैं एन पी डियोरा फैमिली ट्रस्ट, मिनका कोर्ट, नरीमान प्वाईन्ट, बम्बई-21।

(ग्रन्तरिती)

को वह श्वाम बाड़ी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्धन के सिन् कार्यवादियां सुरू करता हुं।)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

ह्यक्द्रीक दुण हु— इसमें प्रयुक्त कल्दों और पत्नों का, वो उक्त विधि[नयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, अही अर्थ होगा वो अध्याय में दिया नया ही।

· अनुसूची

37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 11-10-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाध

तारीख: 15-7-1985

मोहर 🗯

प्रस्प आहं् टी ु एन ु एस ु ३-----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर नायुक्त ((निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमंबाबाद, विनाँक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3651/11—स्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अभिनियम' कहा नवा ही, की पार्ध 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2-सी० श्राम्या लाईनः सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणिष्ठ है रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमादबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37-ईई० के श्रधीन, तारीख 11-10-1984

को प्याँधत सम्मति के उपित बाजार मृस्य से कम के क्रवमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का नन्दह प्रतिश्व से वृधिक है और जंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंशरितया) के बीच ऐसे जंतरण के निए तय पाया गया प्रतिन् स्था निम्निविधित उप्रदेश से दस्त अंतरण विश्वित में वास्त्रिक क्ष्म से क्रियत नहीं किया गया है

- (क)) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत् । उक्तः वीष्टिक्ष के श्वीण कर वोने से वंतरक के शाबित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; ब्रीर∕वा
- (व) ब्रेडी किसी बाद वा किसी थन या बल्क बास्तिकों को, विन्हें भारतीय जावकर जिपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंदरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै विष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तिवाँ, अर्थात् हि—

- 1 मैं० रिव इन्टरप्राईज, राजेश्वर एपार्ट, पहली माला, नानपुरा सथूगर गली, सूरत । (श्रन्तरक)
- सुरिन्द्र नाथ सरूप सिंह गारवर, सी-9, बम्बई मार्केट, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुने

बक्क ब्रुस्परिष् औं बर्ज़न के सम्बन्ध में काई भी नार्क्ष 🕾 —

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर् सूचना की तासील से 30 दिन की क्विध, जो भी ज्विध वाद में क्वाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वया के राजपत्र में त्रकाशन की तारींच से 45 वित् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास, अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकेंगे।

ह्याकीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कर्यों नींह यद्यों का, जो उनसे निवस्ता, के नध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस नध्याय में दिया गया है।

गरपी

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 11-10-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, म्रहमदाबाद

तारीख: 15-7-85

प्ररूप आईं.टो.एन.एस.-----आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

को धारा 269 घ (1) के अधीन सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 12 ज्लाई 1985

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3652/11---श्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्राफिस नं० 103, बाम्बे मार्केट हैं तथा जो हउमराबाडा, सूरत में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई० क के श्रधीन, तारीख 11-10-1984

को पूर्वीक्त सम्मित्त के उचित नाजार मूल्य से कम के क्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित नाजार मूल्य, उसके क्ष्मवान प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तय पाया गवा प्रतिफल किन निम्नितियत उद्वोच से उस्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक क्य ने क्रीयत यहाँ किया गया है क-

- (क) अन्तर्भ वे हुई किसी बाय की बायत उक्त गिंध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; वरि/या
- (क) एंबी किसी जाय या किसी भूग वा कृष्य भारतवाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया चाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के लिए;

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) भें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत १--

 भै० बाम्बे मार्केट स्रार्ट सिल्क को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी, उमरवाडा, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 मैं० मंजीव डाई एण्ड इण्टरमीडियेट, 238/7, भवानपुरा, रायपुर दरवाजा के बाहर, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किय वा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः -- इसमें प्रमुख्य शब्दों और पदों का, औ उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वृत्ता हैंगे

अनुसूची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 11-10-1984 में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2; श्रहमदाबाद

तारीख: 12-7-1985

मोहर 🛭

प्राक्त वार्षं . दौ . दून . एत ु-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

मारत चरकार

कार्यालय. सहायक जायकर वाय्क्त (निर्दाक्षण)

ध्रजन रेंज-2, ध्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाष्ट, दिनाँक 12 जुलाई 1985

निदेण सं० पी० प्रार० नं० 3653/11—प्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के जधीन सक्षम प्राधिकारी का यह जिल्लाम करने का का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 1103, बाम्बे मार्केट है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई० के श्रधीन तारीख 11-10-1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित आजार शृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितियार) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निचित स्र्वेष्य से स्वत अन्तरच किया गया है :—

- (क) बन्तद्रण से हुई फिसी नाम की सावत्, स्थतः वीम्तियम् में अभीन कर बोने के मृत्यद्रकः से सावित्य में कमी करने मा उससे समने में स्विधा में किस्। अदि/या
- (च) एँसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्तृ धारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन कर अधिनियम, या पन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा व निष्;

बतः । ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—
34—226G1/85

 मैं० बाम्बे मारकेट ब्रार्ट सिल्क को० ब्राप० सोसा-यटी, उमरवाडा, सुरत।

(श्रन्तरक)

 मै० विपिन चन्द्र वसंतलास द्वारा बोडाबाला ट्रेडर्स।, बेगमपुरा, सूरत।

(श्रन्तरिती)

च्हीं बहु बुचना ज़ारी करके प्रतिस्त सम्मृत्ति के अर्थन के बिए। कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खर्ड 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की वविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यथिनियम के वश्याय 20-क में परिकाशित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया वया हैं।

अनुसूची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है 137-ईई० का फार्म यह कार्यालय में दिनाँक 11-10-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाध

नारीख: 12-7-1985

प्रकृष् बाह्" हो । एवं प्रकृत्रकारणा

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-न (1) के नभीन स्कृता

श्राद्ध प्रस्कृत

कार्यातय, बहायक बायकर बायूमध (निश्लीकाय)

प्रर्जन रेंज-2, ग्रहमथाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नट० 3654/11—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

वावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वर्षात् 'उमत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विवशास करने का कारण हैं कि स्थागर सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 1002, बाम्बे मार्केट, है तथा जो तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी के कार्यालय में श्रहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 37-ईई० के श्रधीन, तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्बर्गित के उपित बाबार मृस्य से कम के स्वयं मा विराय के लिए जन्हीरत की गई है और भूकों मह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बर्गित का श्रीचत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास हो, होडे स्वयं मान वितास का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्य) और जन्तिरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए इय पाया गया प्रतिकत निम्नितियत उद्योध से स्वयं क्याइक निमाल में बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त आधीनयम, ६९२२ वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के सिए।

अतः जब, तक्त जिभिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण क्रं, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्।——

 मैं० बाम्बे मार्केट श्रार्ट सिल्क कौ० श्राप० हाउसिंग सोसायटी, उमरवाडा, सूरत।

(अन्तरक)

 मै० धारीबाल एण्ड सन्स, पारसी व वायन वाडी, उभरवाडा, सूरत।

(अन्तरिती)

का वह सूचना बाड़ी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षण :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की ताहीय से 45 दिन की नगींभ ना तत्त्वज्यन्थी व्यक्तियों पड़ सूचना की ताजीत से 30 दिन की अवधि, जो भी नवींभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (क) इत लुका के राजपण में प्रकाशन की तारीक वें 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति भें हित-बब्ध किसी जन्म स्थावत द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए का सकर्षे।

स्वव्यक्तिरणः -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बाधिनियम, के बध्याय 20-क में पारभावित हाँ, वहीं कर्ष दुना को उस अध्याद में दिया समा हाँ।

ग्रनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित ई। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में विताक 11-10-1984 में पेश किया गया है।

> जी के पंड्या नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, श्रहमदाबाद

नारीख: 12 -7-1985

प्रकार बार्ड हो । एस । एस । ननननननननन

भागकर विधिनियस,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन क्षाना

शार्व बस्कान

कार्यासय, सहारक बावकर आस्वत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाः

ग्रहमदाबाव, दिनौंक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3655/11—-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

काक्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 405, रिंग रोड़ है तथा जो सूरत में स्थित है (श्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई० के श्रधीन, तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित वाजार मृत्य स कम के उध्यमान प्रतिपास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुर्वोक्त सम्मित का उचित वाजार बृद्ध, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दद प्रतिपात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया बना प्रतिकृत निम्नितिषत उच्छा देश से उसके अंतरण कि बिंद अं बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरक वं शुष किती नाम की वावत, उनत वीभनिवय के मुधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस वचने में मुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

जतः वद उक्त विधिनयम की भारा 269-म सै अनुसरण को, ती, उक्त विधिनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) व वधीन, निकासिबित व्यक्तियों, वर्षात् :---

 मैं० संजीव प्रिमायसेम को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी, रिंग रोड़, सूरत:

(भन्तरक)

2 मैं एस० के बीधोरा फैमिलो ट्रस्ट, भूलेश्वर, बस्बई।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं!

उनत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप हं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति क्वाराध्
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिमिनन के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

धनुसूची

मिलिकयत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में विनाँक 11-10-1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

लारीख: 15-7-1985

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यातय, सहायक मायकर नाय्क्त (निर्देक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

धहमदाबाद, विनौक 15 ज्लाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3656/11—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), का भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिक्कार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 506, रिंग रोड़, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 37-ईई० के ग्रिधीन, तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गितफल निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण कि जिल् में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वे हुई कियी अाव की वावता, उपन अर्पित्वम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य में कभी करने वा उपने वचने में समिश औं सिए;
- एसी किसी नाम मा किसी भन मा बन्म कार्रिसमों को, जिन्हों भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियानं में स्थिध। ■ किया:

क्तः अब, उक्त सिंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, सें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कि अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, चचति ह— मैं० संजीव प्रिमायसेस को० श्राप० हाउसिंग सोसा-यटी, सुरत।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी रमेच्चा श्यामशुक्ल एसोसियेट्स, रिंग रोड़, सुरत।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहिमां करता हूं।

जनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त खब्बों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विवा यदा है।

धनुसूची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्यालय में विनौक 11-10-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज~2, श्रहमधाबाद

तारीख: 15-7-1985

प्रकृष आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महमवाबाद

म्रहमदाबास, दिनौंक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3657/11—-श्रतः मुझे, जी० के० यंडया,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके परभारत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० श्राफिस नं० 1108, रिंग रोड़ है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 37-ईई० के ग्रिधीन तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास गरने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्ति सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं भौर अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत मही किथा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखिल व्यक्तियों, अर्थीत् :— मै० बाम्बे मारकेट म्रार्ट सिल्क को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी उमरवाडा सूरत।

(म्रन्तरक)

2. मै॰ सिराम उद्योग प्रा॰ लि॰ सलसतपुरा सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्फ्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

प्रनुसूची

मिलयिकत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म यह कार्याक्षय में दिनौंक 11-10-1984 को पेश किमा गया है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 ग्रहमदाबाद

तारीख: 15-7-1985

मोहरः

इंख्य आइ.टी.एन.एस-------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्याक्षय, सहायक क्रायकर जायक्स (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाए

श्रहमदाबाट, दिनौंक 11 जुलाई 1985

निवेश सं० पी० श्रारं० नं० ३६58/प्र--श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसंकी सं० श्राफिस नं० 1101, रिंग रोड, है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 37-ईई के श्रधीन, तारीख 11-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूस्य से कम के रहबमान प्रतिफल के लिए बन्तिरह की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि सथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहसमान प्रतिफल से, एसे क्रमान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिक्षत से विभक्ष है जॉर बंतरिक (बंतरिकों) की मंत्रीरती (बंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उक्ते से उक्ते अन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कथित वृहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वार्थित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सूर्विधा के सिए;

कतः अय, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं को अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियमं की बारा 269-मं की उपधारा (1) के अभीन, निम्मसिविक व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैं बाम्बे मार्केट ग्रार्ट सिल्क को श्राप शिसायटी, उमवराडा, सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० सींगापुरी सिल्क मिल्स, सलाबतपुर, बेगवाडी, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर त्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्त्र्ची

मिलकत जो सूरत में स्थित है । 37-ईई का फार्म पर कार्यालय में दिनौंक 11-10-1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 11-7-1985

मोहर 🗈

बाह्य मार्च्य हो. बुक्ट क्या , कार र नार

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व् (1) के न्धीय स्थान

भाइक बरकार

चार्यसम्, इक्षमक भाग्यर मान्यर (निर्वास्त्र)

म्पर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनौंक 11 ज्लाई 1985

ानर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3659/11—श्रतः मुझी, जी० के० पंडया,

नायकर मधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतके परचात् 'उन्ता अधिनियमं नहा नवा हैं), की भारा 269-व के नधीन बक्षण प्राण्डिकारों को वह निरमात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० श्राफिस नं० 904, बाम्बे मार्केट है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई के स्रधीन, तारीख 11-10-1984,

नवे पूर्वेक्त समपीस के उचित बाबार मूक्य से कुन के क्यान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ज यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वेक्त सम्मित का उचित बाबाइ मूक्य उसके क्यानान प्रतिकाल से, एसे क्यानान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात से जिसक है और मंतरक (मंतरकाँ) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिकाल का निम्निसिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिविक में बाक्य कि क्या में किया नया है है—

- (क) अन्तरण से इन्हें किसी बाय की बायत, अवस विधिनियम के नधीम कर दोनें के सन्तरक के सर्वित्य में कभी करने वा उसमें बचने में मृतिया के लिए; कींग्री
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों . को, जिन्हों भारतीय आजकर किंपिनयज्ञ , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिज्ञ , वा बन-कर अधिनिज्ञ , 1957 (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ कन्तरिती बुगरा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया जाना चाहिए जर, हिज्याने में प्रिपार के विक्र का

जतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-न को अन्तरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तित्यों, अधीत् ु— मैं० बाम्बे मार्केट श्रार्ट सिल्क सोसायटी, उमरवाड सूरत।

(भ्रन्तरक

2. मैं० जे० कुमार एण्ड कं०, उमरवाडा, सूरत।

(भन्तरिती)

कां वह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के नर्चन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त तन्त्रृति हो वर्णन के बन्नत्त्र में केहाँ भी आज़्य हरू

- (क) इस बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा थे 45 दिन की समीध या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों थेए सूचना की तामील से 30 दिन की समीध, को थी समीच बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीनक स्थानसभी में से किसी स्थानत हाता;
- (क) इत तुमना के समयम में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्थापित में हिल्बक्थ किती जन्म व्यक्ति युवास अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए या सकेंगे :

स्वक्षकरण :----इतमें प्रमुक्त कर्मों की पत्ने का, वो जनक व्यक्षित्रम् के सभाय 20-क में प्रिशायिक हो, वहीं सर्व होगा, को उस सभाय में दिवा क्या हो।

सन्त्य वर

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म यह कार्यालय में दिनौंक 11-10-1984 में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

नारीखा: 11-7-1985

मोहरु 🕶

प्रकम् आर्ड्, ट्री. एव . एच . -----

नाय । इर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनौंक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3660/ — श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269--ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 104, उमरवाडा, है सथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, (रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 37—ईई० के ग्रधीन, तारीख 11–10–1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चि बाजार बूस्य से कम के दृष्टमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मृस्य, उसके दृष्टमान प्रतिफाल से एवे दृष्टमान प्रतिफाल से प्रवे दृष्टमान प्रतिफाल से प्रवे दृष्टमान प्रतिफाल से प्रवे दृष्टमान प्रतिफाल से प्रवे द्वारा अन्तर्क (अन्तर्क) जोर अन्तर्किति (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तय पामा गया प्रतिफाल, निम्नितिष्ठित उद्देश्य से उक्त अन्तर्क जिल्ला में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी भाव की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

कतः सब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिकत काक्तिरणों, अधीतः :--- मैं० वाम्बे आर्ट सिल्क मिल्स को० श्राप० सोसायटी, उमरवाडा, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री दामोद्दरलाल प्रग्नवाल, नवाब वाडी जंगमपुरा, सुरत।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के [सब् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोब :----

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नगीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तानीत से 30 दिन की शवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस क्षमा के रावनप्र में प्रकारण का राशीय वे 45 दिन के भीतर उनत स्वावर संपत्ति में हितबहुध किती बन्ध व्यक्ति वृतारा अभोहरताक्षरी के पास निवित में किए जा सकी।

स्वाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्र्याँ

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्म पर कार्यालय में दिनौंक 11-10-1984 में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया
मक्षम् प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, ब्रह्मदायाद

तारीख: 11-7-1985

शक्त नार्ष्को<u>. १व . १व .</u>------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के सभीन सुचना

शाहत सरकात

क्षार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निर्केश)

म्रर्जन रेंज-2, महमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनाँक 11 जुलाई 1985

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 3661/II—ग्रातः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर मिनिनम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्यात् 'उनत मिनिनम' कहा नना हैं), की धारा 269-इ व्हें नथीन तक्षम प्राण्कारी को नह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 705, बाम्बे मार्केट है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 37—ईई० के ग्रिधीन तारीख 11-10-1984

को पूर्वोवत संपत्ति के उचित वाकार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाकार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से मधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को विनहीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिधित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 35-226GI/85

6. मैं० बाम्बे मारकेट म्रार्ट सिल्क को० माप० सोसा-यटी, उमरवाडा, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 मै० उमी सिल्क फेब्रिक्स, दूकान नं० जे०-22, ब्राम्बे मार्केट, उमरवाडा, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के तंबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 विष की बनीच वा तत्त्वंत्री व्यक्तियों पूड सूचना की सामीच से 30 विश्व की जनभि, को भी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हिछ- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, क्योहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) के नभ्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस नभ्याय में दिया ग्या है।

पन्स्ची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई० का फार्मे पर कार्यालय में दिनाँक 11-10-1984 को पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाट

नागेख: 11~7-1985

मोहर 🗓

प्रकृप आहें.टी.एन.एस., -----

शायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय. सहायक आयकर वायुक्त (निडिक्सिक) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनों र 12 जुलाई 1985

निदेश सं० जी० श्राप्तः नं० 3662/2—श्रातः मुझे, जी० के० पंडया

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अविनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, विसका उचित बाजार मुख्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

और जि की मं० श्राफित नं० 803 बम्बई मार्किट है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुचुनी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रजिस्ट्रींकरण श्रधिनियम, 37 ईईं० के श्रधीन तारीख 11-10-84

को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बापार मूल्य, उक्षके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के सिए तय पाया नवा प्रतिफल, निम्निस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्वित को वास्तिथक रूप से कायत नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर बेने के जन्तरक के द्यस्ति में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए। गौर/या
- (भ) एका हैंग्रेसी द्याय या किसी धन या बन्य शास्तिबाँ की जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा की लिए।

अतः इदा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण हों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिखत व्यक्तियों, अर्थात् अ (1) बाम्बे मार्लेट म्रार्ट सिल्क को० भ्रापरेटिच हाउसिंग सोसाइटी, उमरवाग, सूरत ।

(ग्रन्तरक्)

(2) मै॰ सूखराज एण्ड कम्पनी, स्वदेशी मार्किट, बम्बई-2।

(भ्रन्तरितीं)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिव के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी जन्य स्थावित व्वास अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्का और पर्वो का, जो उक्त जीभीनयम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ववा हैं कि

NA:w.

मिनिक्यन जो सूरत में स्थित है। 37 ईई का फार्म पर कार्यालय में दिनांह 11-10-84 में पेण किया गया है।

> जीं० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज---2, श्रहमदाबाद

तारीख : 12-7-198

मोहर 🖫

ं प्रस्त अह<u>ाँ . टी . एग .</u> एस .-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक बायकर वायुक्त (निर्शेक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 12 जुलाई 1985

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 3664/2—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

शायकर श्रीधीनवम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रचात 'उस्त श्रीधीनयम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारु बृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं अगिफिस नं 102 बम्बई मार्किट है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से पणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यलय, घहमधा-बाद में रजिस्ट्रीकरण भिधिनयम, 37 ईई० के श्रधीन तारीख 11-10-84

को धूर्नोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह् प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकृत, निम्नसिवित उद्देश्य से उच्त बन्तर्ण जिचित वें शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाव की वायत, उजल विश्वियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे टिवए; बोड़/बां
- (च) एसे किसी बाब का किसी धन या बन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के सिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भा, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) बाम्बे माक्टि प्रार्ट सिल्क को० ग्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी, उमखाग, सुरत ।

(भन्तरक)

(2) मैं कान्तिलाल साकर लाल बोडनवाला, मार्फत चुन्नीलाल नाथू भाई, दिल्ली गेट, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के किजीन कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्ह सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप ह--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्र किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिवित में किसे जा सकारी।

स्पाद्धीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37 ईई० फार्म यह कार्यालय में दिनांक 11-10-84 को पेश किया गया है।

> जी० कें० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶2, श्रहमदाबाद

तारीख : 12-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, महमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3665/2— श्रतः मुझे, जीं० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्राफिय नं० 906 बाम्ब मार्किट है तथा जो उमरवाडा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रानुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रिप्तिकारी के कार्यालय, प्रहमदाबाद में रिकस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 37 ईई० के ग्रधीन तारीख 11-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्त्रिक रूप स किथा मही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्होसिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) बाम्बे मार्थिट भ्रार्ट सिल्क को० भ्रापरेटिच हाउसिंग सोसाइटी, उमखण, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० रंजन टेक्सटाइल्स, प्रोप्राइटर श्री धीरजलाल मगन लाल, सैयदपुरा, सूरत ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख संं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में ५रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भ्रनुसूची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है । 37 ईई० फॉर्म यह कार्यालय में दिनांक 11-10-84 में पेण किया गया है ।

> जीं० कें० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

सारीख: 12→7--89

प्रकप आइं.टी.एन. एस. ----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जामकर जायुक्त (निद्रीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, म्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1985

निक्षेण सं० पी० म्रार० नं० य3666/2—म्प्रतः मुझे, जी०के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० रसानी है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण हम से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रिक्षकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण प्रिक्षित्तयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 13-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षवमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गर्व हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे क्षयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों; और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब पाना गवा प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण जिचित में बास्तीवक कम से कांगत नहीं किया गवा है :—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथ√ नियम के जभीत कर दोनें के अंतरक के वर्तयस्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धम वा बन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना जाड़िए था. कियाने में सविधा के सिक्ट।

बत: अव, उक्त बिधिनियम की धारा 269-न के बनुधरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधास (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तिकों, वर्षास् ∷— (1) श्रीमती पदमा बेत रसिक लाल जिमीन श्री किरीट माई रसिक लाल श्रमीन मिलन सोसाक्टी, बडौदा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री परेश छोटा लाल पटेल, ग्रायभट्ट को०-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, कोथी कचहरी, बड़ौदा।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रं---

- (क) इत सूजना के राजपत्र में भूकाशन की तारीब ते 45 विन की अजीधि या तत्संजंधी व्यक्तियों पर सूजना सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्तित द्यारा;
- (च) इत त्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शन्यों भीर पर्यों का , भी उक्त भायकर विभिन्नियम के अध्याय 20-का में परिभारितः हैं, वहीं मर्भ होता के उस अध्याय में दिनः गवा है।

जन्सूची

जभीन जो नरसाली में स्थित है । जिसका कुल मूल्य 4,08,675/- रुपए है । सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 8624 नं०पर दिनांक 13-12-84 में रजिस्टर्ड की गई है ।

> जी० के० पंडयया सक्षम प्राधिकारी-सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षणण) ग्रर्जन रेज-2, श्रहमवाबाद

तारीख : 16-7-1985

मोहर 🚯

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई उ985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3667/II—श्रतः, मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसमें परचाद 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ को अधीन रक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिलका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं । माजलपुर, बडौदा है तथा जो बडौदा में स्थित है (और इससे उपावर अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्राधकारी के कार्यलय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्तिम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को प्यांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के क्षायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि मधापुर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ज के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से किशत नहीं किया गमा है हैं—

- (क) अन्तरण सं शुरू किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुन्विधा से लिए: सीर/या
- (क) ऐसी फिली आप या किसी बन मा बन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

(1) श्रीमती कपीला बेन जयन्तीलाल, केयर भ्राप, : हर्षदभाई रसिक लाल परीख, विट्टल बांग सोसा६टी, बड़ौदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हर्षदभाई रासकता पटेस, भाजनपुर, बड़ौदा।

(भ्रन्तरिती)

की मृह सुकता बारी कर्क पूर्वोक्त सम्परित के सूर्वत के सिष् कार्यग्रहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस तुमना के राज्यन के प्रकारत की तारीय के 45 दिन के बीतर उक्त स्थान्त सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य स्थानत ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को तक्त किंपिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, वो उस सध्याय में दित्। एका हैं।

वन्स्ची

जमीन को माजलपुर बड़ौदा में स्थित है जिसका मुल क्षेत्रफत 1115 चौ० मी० है और कुल मूल्य 2,00,001/-है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख : 22-7-1085

प्ररूप आहे. टी. एन ह एस ह =-----

असम्बद्धित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीक सूचना

प्रास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2,ज श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई उ985

निदेश सं० पी० भार० नं० 3668/II---श्रत: मुझे, जी० के० पंडया

भागकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्राचे परचात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया ह"), की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका स्रीधत बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

और जिसकी सं जितलपुर है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबत प्रमुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ला प्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में राजस्ट्रीकरण प्रधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रायमान प्रतिफात को सिए जन्ति दित की नई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार ब्रुग, उसके द्रावना प्रतिफात का पंत्रह प्रतिकात से जिसक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तस पामा गया प्रतिफात, निम्निलिसित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण विश्वित में बास्तिक रूप से किपत नहीं किया नवा है है—

- (क) बंतरण ते हुई किसी बाव की बावस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बॉर/या
- (क) इसी किसी नाव या किसी वन वा कम्ब आस्तिवीं, का, जिन्ही भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या वन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना थाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत्तः अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण वें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित स्यक्तियों, सभृति ५ ≥ (1) श्री राकेश रमणलाल णाह, पटेल कालोनी, कृष्णा टाकीज, नक्षीदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री कैलाश चन्द्र रामचन्द्र सैयन, बड़ौदा ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के सिष् कार्वकाहियां कारता हुं।

चनत ब्रम्परित में नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाबोद 🎞

- (क) इत ब्यान के रायपण में प्रकारत की बारीय से 45 दिन की नगींथ या सरकम्बन्धी व्यक्तियों पर स्यान की तामीस से 30 दिन की नगींथ, को भी अविध नाय में बनाप्त होती हो, के भीतर प्योंच्या स्वीत्तकों में से किसी स्वीत्त स्वादः;
- (व) इस स्थान के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में इत्ववृथ् किती कन काकित इंगरा, अभोइस्ताक्षरी के गांव निवित में किये जा सकीये।

अनुसूची

जमीन जो जबेलपुर बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 345.82 ची० मीटर है और कुल मूल्य 1,11,111/-२०है। सर्वें नं० 965/1 167 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्राथुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

नारीख : 16-7-1985

प्रक्रम बाहुँ टी. एन. एस . रूपनापन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1985 निर्देश सं० भी० श्रार० नं० 3669/II—यत:, मुझे, जी० के० पंड्या,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्ष्म प्राप्तिकारों को यह जिस्त्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव प्राप्तीता है तथा जो चरीतर सोसायटी बगैदा में स्थित है (और इसमे उपाद्ध प्रमुखी में और पूर्ण स्प से विणत है), रिजिस्ट्रीकरी प्राध्वकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजिस्ट्रीकरण प्राधित्यम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन तारीख 3-12-84

को प्रयोक्त सम्पाण के उधित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रिष्ठ के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पत्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पत्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पत्थ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय का गमा प्रतिफल, निम्नितिषत उद्देश्य मे उपत अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) कलरण से हुई किभी बाब की बाबल, उक्त कीभीनयम के अभीन कर दोने के जलरक की दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; जीर/बा
- (प) एसी किसी या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ए । अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा आ वा किया जना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को किए।

बत: बव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरक्त , मैं, सबस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत .——

- (1) श्री मकनभाई पुलकीभाई भक्ता श्री छोट्भाई गोपालग्री, श्रासुन्दर, ता० नवसारी।
- (2) श्री सरोज बेन किरीटवुमार शाह, (ग्रन्तरक) चरोत्तर सोसायटी, श्राकोटा, बड़ौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोंक्स सम्परिस को अर्जन को दिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों अर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किये जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा.. जो उस अध्याय में दिया सवाह है।

अनस्ची

ध्लाट को चरोत्तर सोसायटी, कड़ीदा में स्थित है जिसका बुल केद्रपल 2091 चौ० मीटर है और बुल मून्य 56,782 रुपये हैं।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

सारीख: 16-7-1985

चोद्वर :

प्रका नाई. टी. एव. एस., =======

बाधकर गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जभीन सुचना

नारुत सरकार

अर्थासब, सहायक गायकर नावकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1985

निदेण सं० पी० आर० नं० 3670/2—अतः मुझे, जी० के॰ पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार प्रित अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाबार म्ल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रांर जिसकी सं० अकोटा, बड़ौदा है तथा जो बड़ीदा में स्थित है श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से रूप विणह है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके इश्यमान प्रतिकल से ऐसे इश्यमान प्रतिकल का पन्त्रक्ष प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तय पामा गमा प्रतिकल निम्तिलिखत उद्देश्य से उच्त अंतरक सिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बस्तरण वेहुई किथी बाग की शबस, उपल विभिन्निया के वधीन कर दोने के बस्तरक के वानित्य में कर्नी करने वा बहुत वचने में वृत्तिकर के विद्या: बॉड/बा
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ब आरितयों को जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियश, 192% (1922 का 11) या जिल्हा अधिनियश, या भन-कर अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहिए था, कियाने से सुविधा के जिए;

वर्तः वन उक्त अधिनियम की धारा 260-म के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) की कथीन, निम्निजिबित व्यक्तियों, अर्थात् ३—- (1) श्रीमती जय प्रभा बिपिन भाई पटेल, प्रांतीयागंज, बढ़ीवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री विकम भपुर हरिरतन कपूर, कुंज सोसाइटी, अलकापुरी सोसाइटी, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायार संपरित में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए का सकरें।

स्वव्यक्तिरकः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, ओ अक्त स्विधित्यम, के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में विका नदा है।

अनुसूची

जमीन श्रौर मकान जिसका जांरे काम प्लीय लदेल तक किया हुआ है श्रौर जिसका कुल मूल्य 2, 15, 000/- रुपए है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदााबद

तारीख : 16-7-1985

माह्र 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाव

अहमयाबाध, दिनांक 16य जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर०नं० 3671/2—अतः मुझे, जी० के० पंडया

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धाक 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित नाचार मून्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

म्नौर जिसकी सं० 1442 चाँ० मी० सर्वे नं० 287 है तथा जो अकोटा, बड़ौदा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में मौरपूर्ण द्वप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित नाकार मृत्य से कम के उस्त्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते बहु विस्थास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित नाकार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उत्तरकों और अंतरित का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रतिफल, निम्नलिखित उस्वदेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, आमकर अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (च) एरेंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अ्यल्झियों, अर्थात् हम्म (1) श्री जसुमाई डाया भाई पटेल, श्री जणमाई पूंज भाई पटेल, आशापुरी सोसाइटी, अकोटा, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभुदास जगजीवन दास ठाकर, फुटबाल ग्राउन्ड, बड़ौडा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के लर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजयभ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस तृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखंसी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

जमीन जो अकोटा, बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1442 चौ० मीटर है और कुल मूल्य 2,79,290 रुपए है।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 16-7-1985

प्ररूप बार्च दी एन एस ु-----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सहस्कार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमनाबाव

अहमवाबाव दिनांक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3672/।।—अतः मुझ मुझे जी० के० पंडया

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अकोटा है तया जो बड़ीदा में स्थित है (श्रीर-इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ीदा में र्जिस्ट्री करण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक 29-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिस्ती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिकित में पस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है;—

- (क) संतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय गा किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्यिभा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) श्री परधोतम दास बी० साह कृष्णकुंज सोसायटी, जोजनपुर रोड, बड़ीया ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोविदयाल मोहन लाल साह, घोरिऐंट ईन्स्टीड्ट्रयूट फं०, डिवीजनल श्रोफिस, षडौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के आर्जन के आर्जन

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अगीधि या तत्संबंधी ध्यिनतयों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति से
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वृही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

अनुसूची

णमीत जो अकोटा बड़ौदा स्थित है जिस्का कुल क्षेत्रफल 205 चो० मी० है ग्रीर कुल मूल्य 2,85,000/→ रूपये है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); अर्जनरेंज-2, अहमदाबाद

विनोक 16-7-1985 मोहर:

प्ररूप आई..टी..एन, एस ..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

शारत सरकार

कायौलय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाष

अहमदाबाद दिनांक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3673/॥——अतः मुझे जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० अकोटा, बड़ीहा है तया जो बड़ीदा में स्थित है (फ्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रोर पूर्ण रूप से विज्ञ है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय

बड़ोदा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का क्वे16) के अधीन मारिख 29-12-84

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी अध्य की बाबत, उनत अधि-विवय के अधीन कर दोने के अंतरक के श्रामित्व हैं कभी करने या उसके व्यने में सुविधा के शिए; बीड़∕था
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय कायक र विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रवेजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया का या किया वाना वाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए?

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री ठाकुरमाई श्री जीत 3 दीरमंगल सोसायटी, एसकोर्स सोसायटी, यज़ीदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० नागपाल, फाईनांस कंट्रोलर, हिन्दुस्तान मन बावरी लि०, बडौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पश् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक इ⁴ा वहीं वर्ष द्वांगा, जो उस मध्याय में दिवक मदा द्वां

धन्स्यी

जमीन श्रौर मकान जो अकोटा बड़ीदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 16,58,000/- रुपये हैं।

> ्जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-॥, अहमवाबाद

दिनांक 16-7-1985 मोहर 🖫 प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर वृधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के वृधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, ब्रहमदाबाद

अहमदाबाद दिनौंक 17 जुलाई 1985

नि निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3674/2---- प्रतः मुझे. जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाचार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्गर जिसकी सं० बड़ोदा है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण कैंप से विजित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधि~ नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख दिसम्बर 1884

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फन निम्निनिश्त उद्देश्य से उन्त अंतरण मिश्वित मे बास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से शूर्य किसी नाम की नावत स्थल अभिनियन के सभीप कर देवें के सम्बद्धक की सायत्व में कभी करने या उससे बखने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भून वा बन्य जासित्वीं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को, अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) की अभीन निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः ---

(1) श्रो जसवन्त लाल मगीलाल कोठारी, मेहुल सोसाइटी, सुमान पुरा, बङ्गीदा ।

(अन्तरक)

(2) चेयरमैन : जे० एम० के० श्रपार्टमेंट, निर्मेल श्रपार्टमेंट, श्रजकापुरी, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति इ्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास सिक्कित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं,

अनुसूची

जमीन जो गोखा, बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूह्य 2,16,900/~ रुपए है।

> जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी स्स्हायक आयक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, श्रह्मदाबाद

तारीख : 17-7-1985

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ----

कायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० म्नार० नं० 3675/2—म्प्रतः मुझे, जी० के० पंडया

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. ते अधिक है

श्रीर जिसकी मं० राम चेम्बर्स, ब्लाक नं० 307 है तथा जो स्यामीगंज, बड़ौदा में ख्यित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप सेवर्णित है (, रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनिथम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31~12~84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफे यह विद्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखिल उद्वोदय से उक्त अन्तरण सिविद में बास्तिबक रूप से कथित वहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण में हुई किसी जाम की बाबत, उपकत जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और∕या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया धाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

कक्षः अब, उक्त विशित्तमम की भाग 269-ग के लगुमरण बैं, मैं, उक्त अधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जैं० एनं० गाँधी, राम चेन्बर्स, सरकिट हाउपके सामने, श्रलकापुरी, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हिनगो बहुत छहाराम हरजानी, व्याक नं० 307, राम चेश्वर्स, दत्तरोड, बडीदा ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पर्तिः के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ज्यिजितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्थितिसों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किसे जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यिक्षितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यी

संकात ब्लाक नं० 307, जो श्रानकापुरी बड़ौदा में स्थित है जिपान कुल क्षेत्रफन 710 ची० फोट है श्रीर कुल मूल्य 1,05,000/— रुपए है।

> जी० के० पंख्या सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज~2, स्रहमदाबाद

तारीख : 17-7-1985

सोहर 🏖

प्रारूप आर्ह.टी.एत.एस्.-----

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) सर्जन रेंज-2, स्राश्रम रोड ग्रहमदाबाद स्रहमवाबाद, दिनौंक 22 जुलाई, 1985

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3676/2-ग्रत: मुझे, जी० के० पंड्या

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' सहा गया हैं), की धादा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थानर कम्पीत्त , चिसका उचित शाकाद मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० लाखावाड पटी, है सथा जो नडीयाय में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नडीयाद में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-12-84

को प्रेंकित संपत्ति के उनित बाजार स्न्य से कम को स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि संभाष्ट्रविंद्या संस्पत्ति का जिल्लार स्न्य तसके स्प्यमान प्रतिफल से, एसे स्वमान प्रतिफल का भन्यह मितात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तथ् वाया प्या किल्ला , निम्नलिखित उद्देष्य से उन्तर अन्तरण जिल्लिक भें वास्तिक स्म से किथात नहीं स्थिया गया है हु—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम् के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उत्तने व्यने में तृतिभा के लिए; बौर/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या कंग्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरितौ ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के जिए;

नतः अन्यः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग से सनुसरक को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) हो अधीन, निम्निनिकत क्योंक्तयों अर्थांट ह--- (1) 1. श्री कमलातरन वाभाई मंगलगाई 2. मोहनभाई दाभाई ठाकुर साबाल हास्पिटल के पास, नडीयाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमेश रमजानसिंह बारोट योगीराज को० ओ० हा० सोसायटी रामकृष्ण सोसायटी नश्रीयाद

(भ्रन्तरिती)

को यह ६ पना धारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिह् कार्यवाहियां कु करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविध या तत्संबंधः व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उनक स्थानर सम्पत्ति में हिया- ब्युध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के बाद सिवाब में किए का सकोंगे।

स्त्यक्तिहरू रू—ध्याने प्रवृक्त शब्दों और वदों का, बो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहुई अर्थ होगा जो उस अध्याय ने दिवा गुजा हैं।

अन्स्ची

ें जमीन जो लाखावाड पटी, नद्रीयाव में स्थित है। सब राजस्ट्रार, नदीयाद में 1008 नंबर पर दिनांक 27-12-84 को राजस्टर्ड की गई है।

> जीं० कें० पं ह्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-7-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रतमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाइ 1985

निदेश २० पी० ग्राप्ट २० ३६७७/२—ग्रत: मुझे, जी०केट पंचा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० चक्र नाथी ता० नडीयाद है तथा जो नडीयाद में स्थित है (और इमसे उपायद्ध प्रभुसूची और पूर्ण रूप से बाजन है), रिजस्ट्रीकर्स प्रतिकारी के कार्यालय नडीयाद में रिजस्ट्रीकरण अधितयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीय 14-12-84

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 श्री भंजुलासरन नरुमाई पारिकः बीरसद तह० परिसद जिला खेडा

(भ्रन्तरक)

2 श्री उपेन्द्र मजीलाल शाह नयनासरन उपेन्द्र शाह नडीयाद

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारोहा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीहर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रावपश में प्रकाशन की तारीष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जभीत जो चल्लायी नधीयाद में स्थित है िमका दुल क्षेत्रफल 327 चौ० मी० है और मुल कीमत 2,20,000 रुपये हैं।

> जीं० के० पंडया यक्षम प्राधिकारी सहायदा आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, प्रहमदाबाद

तारीख: 22-7-85

भोहर:

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, श्राश्चम रोड़, श्वहमदाबाद श्रहमदाबाद , दिनांच 22 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार. नं० 3678/र्1—श्रतः मुझे जी०के०पंडया

आध्कर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से स्थिक है

ग्रीर जिसकी मं० ककराड है तथा जो नडीयाड में स्थित है (प्रीर प्रमते उपावज्ञ प्रमम्बी में प्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं) रिविष्क्षिकारी के कार्यालय नडीयाड में रिजिस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 11-12-1984

को प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मान्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के प्ल्यूह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप में कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण से ह्राई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मां कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 260-ग के अनसरण में में. उक्त अधिनियम की भारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिङ व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्री सोलोमान मौरारजी मकवाना, श्रादर्श सोसायटी, नडीयाड

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कान्तीभाई गणेशभाई मकवाना, (द्येयरमैन) जयप्रभू की० ग्री० हा० सोसायटी, नडीयाड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिए की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुस्ची

जमीन जो ककराड नडीयाड में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 113.31 चौ० मी० है श्रीर कुल मूल्य 2,02,201/- रुपये हैं।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 भ्रहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

मोहरः

प्रकर बाइरं. टी., एम्_., एक्,_{, भारतन}-सम्बद

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यानय, सहादक आयकर आय्वत (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-2, श्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985
निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3679/II—श्रत: म्झे
जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० लाखाताड पट्टी है तथा जो नडीयाछ में स्थित है (ग्रीर इममें उपाबद्ध स्तृसूत्री में ऑर्य पूर्ण रूप में विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यात्र नडीगड में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 11-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृल्य से का छे द्रयमान प्रतिकल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किंशत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बा≈न, उक्त अभिनियम के अवीत कर दों के अनरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में मुविधा क किया, श्रीराप
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957. (1957 को 27) के अयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट जहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा भी विद्या

बतः थवं, उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-ग के अनुसरण कौ, मौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नस्थित व्यक्तियों, अर्थात ध— (1) श्री दीनूभाई परशोत्तम दास, श्री मर्नाभाई हार्थाभाई पटेल, चकला, नडीयाड

(भ्रन्तरक)

(2) भारत टी० चें कसी, भागीदार गलांब सीनेमः, नें०/श्रो० बितुभाई परशोत्तम दास, सामदी, चकला नडीयाड

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रह्मिं, की भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रेतिक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित्बकुष किसी अन्य व्यास्त द्वारा, अधाहरताक्षरों के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण: ----इममां प्रयुक्त कल्यां और पदां का, को अकर बाधिनियम, के अध्याय 20-क में धरिभाषिक है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ब्रीर मकास जो लाखाबाट, नडीयाड में स्थित है जिसका सर्वे नं० 3128 है ब्रीर कुल मूल्य 3,00,000 रुपये है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-2 ग्रहमदाबाद

विनांक 22-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स र्था। के संधीत क्षाना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक **आयकर आय्वत (निरीक्षण)**श्रर्जन रेंज—11, श्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985
निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3680/ ——श्रतः **मुझे**जी० के० पंडया,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दहवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है , की भारा 169-ए के अधित संभा अधिक हो को, पर्म गांव करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उपि , बाजार मुस्स 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कंजरी है, तथा जो सा-नाडीयाड में स्थित है (श्रीर इससे उपायद ग्रनुस्त्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रितस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नाडीयाड में रिजस्ट्री-करण ग्रिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रावीन तारीख 13-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यनान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल में, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कल निम्नलिखित उद्देश्य से उकन अन्तरण लिखित में वास्तविक में वास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण, में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के निग्; और/या
- ्श) तसे किसी आप या विसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1902 का 11) या उका अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा किया जाना नाहिए था, हिष्पाने में स्विधा के निए;

अतः अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भ, टी, एक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधीत् :--- (1) श्री शमामभीयां सखुममीयां मलेक, कंजरी, सा-नशीयाद जिला-खेडा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मणीभाई जावरभाई पटेल, श्री गोपालभाई मणीभाई पटेल, बोरीग्राई, तालुङ धानन्द ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६स स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकारी।

स्पष्टीकारणः -- इसमें प्रयुक्त भक्तें और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्युची

जमील जी नडीयाड में स्थित है जिसका कुल मूह्य 3,00,000 रुपये है श्रीर सर्वे नं० 201, 202, 203 है सब रजिस्ट्रार, नडीयाद में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-2, भ्रष्टमदाबाद

विनांक : 22-7-1985

मांहर 🖫

प्ररूप आइ. ही. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ग्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3681/11——श्रतः मुझे जी० के० पंडया

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बोरसद है नथा जो बोरमद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध न्नुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बोरसद में रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 के 1908 का 16) ग्रधीन तारीख 13-12-1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्या से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हो और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविध के निए;

अतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जीयाभाई कलसीभाई पटेल,श्री रामजीभाई भावरभाई पटेल,कुज सोसायटी, बड़ौदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जयनी लाल एक भावसार राजेण टोपीके वासुभाई नाथभाई पटेल, नवरंग सोसायटी, बोरसद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेंकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सगाप्त हान्नेती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पार्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

मम्सूची

जमीन श्रीर मकान जो बोरसद में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 887.24 चौ गज है श्रीर सर्वे नं० 465 श्रीर 466 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहारक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 श्रहमदाबाद

विनांक : 22-7-1985

मोहर 🖰

प्ररूप आइ", टी. एनं. एसं. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-व (1) के नधीन मुखना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985
निदेश सं० पी० आर० नं० 3682/2--अहः मुझे,
जी०कें०पंडया.

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वात करने का कारण है कि वशापुर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाकार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कालील है तथा जी कालील में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्री इर्ता क्षिश्वारी के कार्यालय कालील में रिजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख 15-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूसय से कम के दश्यमान प्रतिफन के निए मन्तिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफन से एसे क्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कस, निम्निसित उद्योद्य में उक्त क्वरण निस्ति में वास्त्रिक क्यू से कथित नहीं किया समा है :---

- (क) अन्तरण से क्रूड़ी किसी आया की भावता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के विषय में कसी करने या उसके अपने में कृषिका के लिए; करिया
- (क) एती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधिकार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया संवध या धिकवा जाना चाहिए चा, कियार में स्विमा के लिए;

सतः अथा, उक्त निभिनियम की भारा 269-त की सन्सरण में, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) की सभीन - निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री गानाजी उगराजी ठाकुर ठाकुरदाम कालोल, जिला महरााणा ।

(अन्तरक)

(2) श्री डाकाभाई श्रम्बा लाव पटेल, पार्यतीनगर की० श्रो० हा० सोसायटी, नवजीवन रोड, नडीयाड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के निध् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा के &5 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्थान की मामील से 30 विन की बनिष, थो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्देश किसी कन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

अध्यक्तिका:---इसमें प्रयुक्त गर्व्या और पर्यो का, को उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाविक ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

जमीत जो जालोत में स्थित है विवस्ता कुन मूस्य 3,07,746 रूपये है और 3785 जो मी० है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

दिनांक: 22-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भागफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण) अर्जन रेंज-2, आश्रम रोष्ड, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985 निदेश सं० पी० आर० नं०3683/II—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक् ³रें इसके पर्चल 'उस्त अधितियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के स्थान क्कम प्रधिकारों को कह फिरकाड करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० राजपुर, हा० छड़ी है तथा जो कड़ी में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय छड़ी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन कारीख 20-12-1984

को प्रमंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उतके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकित उद्योश्य से उकत अन्तरण निम्निलिकत के द्रश्यमान में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की सायत, उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उसते सचने में त्यिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

जतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री महेन्द्र ग्रंबालाल पटेल, महेन्द्र श्रोप्टिकल्स लि०, गांधीनगर।

(अन्तर्क)

(2) श्री मोहम्मद मीयां लालामीयां, राजपुर, रह० कडी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध ने कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिता;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए आ सकींगे।

स्मध्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्**ची

जमीन जी राजपुर में कड़ी में स्थित है जिसका कुल मूह्य 3.18,083 रुपये है श्रीर सर्वेनं० 1525/1 है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

दिनांक': 22-7-1985

प्रकार नाहरू, बीट एन्ड एक्ट------

भागकार म्थितिस्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के म्थीन स्मृता

HIST HATE

कार्यासय, तहायक नायकर नाय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, आश्रम रोड़ अहमदाबाद

अहमदाबादद्रदितांकं 22 जुलाई 1985 तिदेण सं० आर० पी० तं० 3684/2---अतः मुझे, जी०के०पंड्या

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अनि सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुसे अधिक है

स्रौर जिसकी मं० कड़ी जिला महसाणा है तथा जो कड़ी में स्थित है (स्रोर इसने उपाबद्ध अतुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कड़ी में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-12-1984

भी प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान गितफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विक सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भेदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय अधा नया प्रतिफल. जिम्मिलिश उद्वरेष्य से उच्छ बन्तरम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत कश्चिनियम के अभीत कर दोने के क्लारक के क्षितिस के कभी करने या उसके क्लार के खुक्किक क लिए; बॉट/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी भन या क्य कास्तियों को, जिन्हीं भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जावा चाहिने था, कियाने में हविया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसाँ, अर्थाट् :—-

(1) शीलगानी जयदेव शंकर टाक्कर कडी सह० कडी

(अन्तरक)

(2) दिलीप डी० भूटानी
श्री सज्जन सान्थेटिक्स इन्डस्ट्रीज
कास लेन, अहमदाबाद।

(अन्दर्रितां)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विव की अधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर पूर्वीक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीत जो तड़ी में स्थित है आर जिसका कुल म्लय 2,00,000 ६० है। इस रिजस्ट्रार कड़ी में 2083 नं० पर दिनां र 29-12-84 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी के व पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयटर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-- ,

आश्रम रोड़, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश सं० आर० पी० न० 3685/2---अतः मुझे. जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करी का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूली 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० हुक रिंग जो सूरत में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-12-1984

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर बेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलाखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- 32-226GI/85

(1) मेसर्स आर० एल० ट्रेडर्स भागीदार, रामिंग्ह सुन्दर वाम बजाज दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार आत्म प्रकाश निमलियावाड नानपुरा सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाष्ट्रियां करश हुं:

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति यों में से दिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जी सूरत में स्थित है सब रजिस्ट्रार सूरत में 10768 नम्बर पर दिनांक 20-12-1984 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अक्षमदाबाद

दिनांक: 22-7-1985

मोहरः

प्ररूप नाई.दी.एम.एस.-----

आयुक्तर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2

> म्राश्रम रोड़, भ्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3686/ —श्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह, से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकात नं० 3030 सूरत टेक्सटाईल सार्कीट, है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित हैं (ग्रीर इस ने उग बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्प में विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 29-12-1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाकार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल रो, एसे रूपमान प्रतिफल से प्रतिक है और अंतरिक (अंतरिक के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक के निर्माण के निर्माण प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्टित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आज की बाक्स, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दामितन में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हाँ भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

हत: अत, उक्त क्षितियम की धारा 269-न के अनुसर्ह मी, मी, एक्त और नियम की भाग 260-च की उपधारा (1) के अधीन नियमित व्यक्तियां. अधीत :--- (1) श्रशोक कुमार मोहनलाल मुख्य मार्ग, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) रेहाना सिल्क फेब्रीक्स, सोनीवाड, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वधि, जो भी अविध साह में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में अन्य वा सकेंगे।

स्यक्ष्मीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों नीर पर्यों का, को उक्त निभिनियम, के निभाय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 10785 नंबर पर दिनांक 29-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

भावकः अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

नीइत बहकार

भार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, श्रहमदाबाव

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निर्देण सं० पी० ग्रार० नं० 3687/II—श्रतः मुझे ज़ी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शियो इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं दुकान नं ई-1318, सूरत टेक्सटाइल हैं तथा जो मार्कीट सूरत में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भधीन तारीख 19-12-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पहुं प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त- विकास कप से क्षीयत नहीं किया मुवा हैं---

- श्रीक) मन्तरक से हुइ किसी नाम की मायतः, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की सामित्य में कमी करने वा उत्तरे वचने में सुविधा के लिए; श्रीर/मा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्रुध्ः, श्व, उक्त विभिन्निक्ष, की भारत 269-व के वनुबरण् वं, मंः उक्त विभिन्नियम की भारा 269-व की उपभारत (1) के वधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह (1) सतपाल मोहनदार जी, श्रठवा लाईन्स, सुरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० वेलीचन्द मीणालाल एण्ड कं० नेवाववाडी, बेगमपुरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत रापरित के अर्जन का निर् कार्यवाहियां कडता हुं।

उक्त संपरित के नर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (य) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बर्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोक्करणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा था उस वध्याय में दिया नवा है!

श्रनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 10628 नंबर पर दिनांक 19-12-1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

> ॄजी० के० पंडया ॄसक्षम प्राधिकारी [सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

माहर 🖫

मुक्त बाहें हीं भूष एक प्रवस्तानसम्बद्ध

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2

ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश सं०पी० ग्रार० नं० 3688/2---- ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'स्वत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निकास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० आर-2100 रिंग रोड तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-12-1984

को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उपित बाजार मुख्य, जसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का कन्द्रह्म प्रतिकात अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रविकल, निम्निसित उद्विषय से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (स) बन्तरम् सं हुएं किसी क्षय की शंधरः, उच्छ व्धिनियम से बनीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कनी काले वा उद्यव वचने में सुविधा के किए; बीद/वा
- (ण) एसी किसी बाय वा िकसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतींय क्यय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिल्ला अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में रिविधा के सिए;

वतः वाब, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरक बं, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविधित व्यक्तिसंधें. बर्धात :— (1) कुंदन मल भीकम चन्द जैन मूरत, विकमनगर सोसायटी ।

(ग्रन्तरक)

(2) रचना एन्टरप्राइजेम देवीदयाल टहेलराम भारत रोड़, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रांक्त सम्पृत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन्की जनीं या तत्त्वस्तिन्मी स्पित्तिमों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविभि, को भी विविध्या में संगाप्त होती हो, के भीतर पृत्तिक स्वित्तिमों में से किसी स्पित्त स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित हैं । सब रजिस्ट्रार, सूरत में 10558 नंबर पर दिनांक 17-12-1984 में रजिस्टर्ड की गई हैं ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, स्रहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

मोह्यर :

प्रकृप नाइ . टी. एन . एस . -----

आर.कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2

ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद , विनांक 22 जुलाई 1985 निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3689/II—-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

भाक्कर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० दुकान नं० बी-2329 िए रोड है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-12-1984

का पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार सूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने वा कारण है

कि यथा पुर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचाने में सूबिचा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिकत व्यक्तियों, अधीत हु--- (1) मे० वखारिया ट्रेडिंग कं० डी॰ जी० वखारिया, रुसतमपुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) रोहितकुमार गांतिलाल गाह श्रठवा लाइन्स, सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वतरा;
- (ख) इस मूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मो हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

ननसंची

मिलकत जो सूरत में स्थित है । सब रजिस्ट्रार, सूरत में दिनांक 15-12-1984 में 10537 नंबर पर रजिस्टर्ड की गई है ।

> जी० के ० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रा**यकर** आधुक्त (निरीक्षण) **ग्रर्जन रें**ज-II, भ्रहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

श्रुक्त्य वरह². ट्री. एस. एस.----

भागकर मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-च् (1) में नशीन सूचना

मारत दरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज-2,

भाश्रम रोड, भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3690/11—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया;

नायकर गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्त्रीं हसके परवास् 'उक्त अविनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मुधीन स्थान प्राधिकारों को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थानर बम्पीस, जिस्ता उचित नामकर मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मजुरा, सूरत ग्रार० एस० नं० 658 बी-2 है तथा जो सूरत में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख दिसम्बर 1984

को प्रबेक्त सम्मित्त के उपित बाबार मृत्य से कम के कथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास

फरने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्परित का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अभिक है और अंदरक (अंतरकों) और प्रन्तिरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्नीलिखित उद्देश्य से उसत अल्ल्य लिखिए में नास्क्रिक हम से क्षित नहीं किया गया है है——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीय कार दोने के अन्तरक के वाजित्य में क्यी कड़ने वा उबसे बचने में बृषिया को लिए; मोर∕ मा
- (क्ष) एसी किसी जाव वा किसी धन या जन्म जास्तियाँ की विन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अप अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में क्विभा के लिए;

मतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुष्ठरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाट :--- (1) श्री धनगौरीबहन चिमनलाल कालीदास महेन्द्र चिमनलाल इन्द्रबदन चिमनलाल भूपैन्द्र चिमनलाल नरेन्द्र चिमनलाल मूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) स्वामी धनयज्ञनगर को० ग्रो० हा० सोसायटी, घोडदोड रोड, सुरत ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्मिति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनद सम्पृतिः के वर्षत् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की सवीं मा तत्वम्मन्त्री ज्यानिकार्को पर सूचन की तामील से 30 दिन की सम्बंध, जो भी सवींध बाद में समाप्त, होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अ्यनिका ब्रुक्तरः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित में 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पन्ति में हिंड- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

्षच्दीकरण — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो चन्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गुना है।

श्रनुसुची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सभ रिजस्ट्रार सूरत में 6792, 9803, 9804, 9805 और 6788 नंबर पर दिसम्बर 1984 में रिजस्टिंड किया गया है।

जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, झहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

राज्यम्ब अग्रेजन्याः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-2

आश्रम रोड, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3691/II—ग्रातः मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'तक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का स्नरण है कि स्थाबर सम्पर्ति, जिसका समित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 9 उमरवाडा है तथा जो सूरत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध सनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफ़े वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एमें इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उध्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की क्षाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य बास्तियों को. जिस्हों भारतीय अरुकार व्यधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया करना वाहिए था, कियाने से सिवस के लिए:

कतः अवा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग जै जनसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) शंकरदाम जे० मेघलानी चरनी रोड बम्बई ।

(भ्रन्तरक)

(2) भगवान एन० सलवानी कक्कड मार्कीट, कालसादेव रोड, बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त विधीनयन, के बध्यान 20-का में परिभाषिक है, वही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गयः है।

अनुसूचो

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 4241 नंबर पर दिनांक 31-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, भ्रहमदाबाद

दिनांक : 24-7-1985

प्रकृत बाई.टॉ.एन.एच.------

आयफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

मारत सरकार

कार्यासय, बहायक भायकह वायुक्त (नियुक्तिक)

ग्रर्जन रेंज-2

ग्राथम रोड, ग्रहमवाबाद

ग्रहमदाबद, दिनांक 24 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3692/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 9-2243, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-12-1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के रवयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित उद्वेच्य से उनक अन्तरण निवित के वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया प्रया है :---

- (क) अंतरण से हुई कि सी आय की बाबता, उक्टा अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के वाजित्य में कमी करने या उत्तर बचाने में तृषिधा के सिए; और/बा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्षियाने प्रेस्तिया के सिक्षा के सिक्षा के सिक्षा के सिक्षा

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण को, की, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्हीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे० न्युके० जी० शीरीष टेक्सटाईल बी० एन० पटेल स्टेशन नजदीक, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) जिन्दल सिल्क मिल्स सूरत टेक्सटाईल मार्कीट, रिंग रोड़, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचना चारी कारके वृवा कर कम्पीत, के वर्षभ के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थितियों में से किसी स्थित स्वादा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकींगे।

स्वास्तिकरण :--- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम को वध्याय 20-क में पर्शितिकत है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया वस हैं कि

श्रनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 10835 नंबर पर दिनांक 18-12-1984 में रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज-2, श्रष्टमदाबाद

दिनांक : 24-7-1985

मोहरःः

प्रकृषः वाद्यः, दो . प्रमृ . एस : नवतनननवसम्बद्धन

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के वृथीन स्वना

बाइव चंड्याह

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निर्राक्षण) धर्जन रेंज-2

> ग्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3693/II—— प्रतः मुझे जी० के० पंडया

शासकर शिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उनत मिशिनयम' सहा नया है), की धारा 269-च के सभीत सक्षम प्राधिकारी की यह निस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से मिथक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 1114, मूरत है तथा जो रिंग रोड़, सूरत में स्थित हैं (भीर इससे उपाबब अनुमूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-12-1984

को प्रवेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से जान के क्ल्यमान प्रतिकास को सिए अंतरित की नहीं है और मुक्ते यह निकास करने का कारण है कि यथान्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ल्यमान प्रतिकास से, एसे क्ल्यमान प्रतिकास का पन्ति प्रतिकास की पन्ति प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकास का, जिल्लासिया उन्ने से उच्य बन्तरण मिनिया में बान्तिक क्या से कथित नहीं किया जवा है है--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की नावत, उन्त मधिनियन के नभीन कर दोने के जन्तरक के स्रीयस्थ में कनी करने या उसने बचने में वृतिया के तिए; सरि/ना
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर व्हींधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरिती द्वारा अकट नहीं किया यस था था या किया जाना चाहिए था, कियाने में निष्धा के लिए:

बतः अत्र, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण को, जी, रफ्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, रिनम्नेलिबिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रज्ञय दीपक एन्ड कं० वाडा चहा सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) विमल मिल्क मिल्म मुनारदेवी, श्राह्या लाईन्स, मूरत ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लि**ष्ट** कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उस्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :--

- (क) इस स्था के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अनिध दा तत्सम्बन्धी स्थित्तसों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अनीव, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थाना:
- (क) इन स्थान के राजवत्र में त्रकाशन की तारीब के 45 विन के भीतर उन्त स्थानर सम्परित में हितबत्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोगें।

स्पच्चिकरण :----इसमो प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में शरिभाषित हैं, कहां अर्थ होता, जो उत्त अध्याय में विद्या गया

अनुसूची

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है, सब-रिजस्ट्रार, सूरत में 10303 नंबर पर दिनांक 7-12-1984 को रिजस्टर्ड की गई है

जी० के० पंडया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर प्राय्वत (निरीक्षण)
ार्जन रेंज-2,
श्रहसदाबाद

दिनांक : 24-7-1985

मोहर :

39—226G 1 85

प्ररूप नार्डे. टी. इन. एत. -----

नाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के जभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज⊸2

ब्राश्रम रोड, ब्रहमदाबाद

भ्रहमवाह्माद, विनांक 24 जुलाई 1985 निदेश सं० प० भ्रार० नं० 3694/2----भ्रतः मुझे जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 1286 सूरत टे० मार्कीट है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे पाब श्र अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके खरमान प्रतिफल से एसे खरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिनित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिक्त में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आवः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में तुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्विभा के लिए;

अतः इ.ब., उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नोलिखत व्यक्तित्यों, अर्थात् हु--- (1) मे० जीवनलाल एण्ड सन्स ग्रार० जे० माजदीया तीसरी गली वस्यर्दे ।

(अन्तरक)

(2) महेन्द्र फतेहलाल संघवी 45-णांतिनिकेतन सोसायटी, सूरत ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास तिलित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

श्रनुमूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है सब रजिस्ट्रार, सूरत में 9306 नम्बर पर दिनांक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजन रेंज**II, म्रहमदाबाद**

विनांक : 24-7-1985

भोद्वर :

प्रचल कार्याः, की., पुत्र ,, पुत्र ,, स. व. व. वल्ला

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 48) की कास 269-व (1) के विभीव कुमवा

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2,

श्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1985 निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3695/2—अत: मुझें जी० के० पंडया

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की भारत 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विकास करने का कारण ही कि स्वाधर सम्पत्ति विस्थान उपित वाबार मृक्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी मं० दुकान नं० 2311 है तथा जो रिंग रोड़ सूरत में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 10-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भित्रफल के लिए मन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का बग्ररण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त मन्तरण किशित में वास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबते, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सीयत्व में कती करने था उससे दचने में स्विधा के किए कीर/या
- (क) एसी फिसी आय या किसी धन वा अल्थ आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियम, या व्यक्तर अधिनियम, या व्यक्तर अधिनियम, या व्यक्तर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया वाना वाहिए था. किया में सुविधा के शिक्षर;

अतः अतः, जक्त अधिनियम की भाग 269-स के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-स की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) लिलताबेन बेजीलाला नानावटी 10/42 बी० एम० पहीता फोटो ग्राफसँ गली बोटा, जिला, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) कान्ती लाल उत्तमराय दाख्वाला सम्रामपुरा, सूरत ।

(म्रन्तरिती)

को वह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के टिष्ट् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्मति के जर्बन के संबंध में ओई भी नासीय :----

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनभि या तरसंगंधी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव भी समाप्त होती हो, के मीतर पर्कों कर मानित्यों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (क) इस क्षमा के राजपण में प्रकाधन की तारीस सै 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा ककेंगे।

स्वक्रीकरण -- इसमें प्रयुक्त जन्दों और पतों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में मध्य परिभाषिक हं, जहीं अर्थ होता, जो उस अन्याय में दिया गवा है।

क्रम मुर्च

मिलकियन जो भूरत में स्थित है, मह-पित द्वार सूरत में 10418 नंबर पर दिलांक 10-12-1984 में रिजिय्टर्ड की गई हैं।

> जीर नेव पंडमा सारम अधिकारी सहायक व्यायकर क्राप्यूचा (निरोक्षण) श्रुजैन र्जेन-2, अहमदाबाद

दिनांक : 24-7-1985

४क्य नार्थ.डी.एस्<u>, एस्</u>,-----

आधकार जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज-2

ग्राधम राष्ट्र, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1985 निदेश मं० पी० श्रार० गं० 3696/2—∼श्रतः मुझे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा १६९-च को अर्थान माना प्रतिकारों को यह विकास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पद्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० टी-24 है तथा जो उसरवाडा सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ज रूप से पर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सूरत में राजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन नारीख 31-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के दर्यकाल कित्यक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित काजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल के एके दश्यमान प्रतिफल का प्रतिक्र की और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए वय पाना प्रतिफल, निम्निसित उद्देश से उक्त अंवरण किश्वित सं मतिक कम से किंगित नहीं किया गया है :—

- (क) अनसरण सं हुई किसी बाब की बाबस, स्वेस अधितिया के अधीन कर दोने हैं सन्तरक की अधित्य में कमी करमें या सस्त्रे अचने में सुविधा वो सिह: और/मा
- (क) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उन्त अधिनियम, या अप-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिता स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियान में सूनिधा के लिए।

नतः जयः, उक्त निधितियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधितियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्थितियों, अधीन हु---

(1) ध्यामसुन्दर सरोज एन्ड सन्स के०/श्रो० वालीसरन रामजीवन महींदरपुरा, सूरत

(भ्रन्तरक)

(2) वालीसरन रामजीवन के०/ग्री० मूलचन्द दास नारायण सूरत

(श्रन्तरिती)

का यह बुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिछू कार्यवाहियां करता हो।

बक्त ग्रामित के अर्जन के संबंध में कोई भी माखोप :---

- (क) इस त्यान के रायपण वें प्रकाबन की दारीय धै 45 दिन की जनधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यान की तामील से 30 दिन की बनियं, को धी व्यक्तियों वों से किसी व्यक्ति इंदरा;
- (थ) इस त्यता ने राजपण में प्रकाशन की शारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में हितवस्थ नित्ती जन्म स्थानत द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में निर्देश का सकति।

स्वच्यक्रिरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशावित है, वहीं अर्थ होगा को उस वश्याय में विका गमा हैं।

भनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है सब-रिजस्ट्रार सूरत में 10998 नंबर पर दिनांक 31-12-1984 की रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 24-7-1985

प्रकार कार्ड. टी. एन. युत्त. कार्यक्रमण्डलक जावकाड जीपीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज-2

ग्राश्रम रोड ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिन 24 जुलाई 1 985

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 3697/2--- ग्रतः मुझे जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लंट नं० 69, 101 में 106 हैं तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 20-12-1984

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफाल से, एसे द्रायमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा ग्या प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है के

- (क) वस्तद्रज से हुव किसी नाव कर्त नावत, स्वस् अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्स मां कमी कारने या जससे वसने मां सुविधा के लिए; बरि/बा
- (भ) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जारिसयों को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया धया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

बताः भ्य, उत्तर विधिनियम की भारा 269-म के बन्सरक् बी, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, वर्षात ॥— (1) इन्डो प्रोग्नेसिय इंजीनियरिंग प्रा० लि० धडिदाङ रोड़ सूरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) हिरालाल गुलाधचन्व2147द्र टेक्मटाईल मार्कीट, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविभ सा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितवद्रभ किसी जन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध डोग्न को उस अध्याय में दिया प्रया हैं।

HTG

मिलियित जो सूरत में स्थित है सब रिजिन्ट्रार, सूरत में 10651 नंबर पर दिनांक 20-12-1984 धो रिजिस्टर्ड की गई है ।

जी० के पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

दिनांक : 24~7-1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एक. ----

नायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (१) के अधीन स्थना

मारत सरकार

कार्यासन, तहासन मासकर भावज्या (निरासन)

म्रर्जन रेंज 11,

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई, 1985

निदेश सं० पी० म्रार्ग्ण नठ० 3698/II—म्ब्रतः मुझे जी० के० पंडया,

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त विधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ध के वधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट नं० 18, ब्लाक नं० 23-ए, है, तथा जो उदूना, सूरत में स्थित है (और इससे उपापद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिशारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण शिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-12-89

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित साजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि नकामुकावत संपत्ति के उचित साजार मूल्य, स्पाल है कि नकामुकावत संपत्ति के उचित साजार मूल्य, स्पाल है कि नकामुकावत संपत्ति के उचित साजार मूल्य, स्पाल है कि नक्ति कि विश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तर्ण के लिए तय प्रया गया प्रतिपाल, निम्निकिश्त उद्श्वेष्य है उक्त अन्तरण निम्निक में वास्तविक म्यास किया नहीं किया गया है :---

- (क) अंबरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिग्यम के अभीन अर दंते के अन्तरक औं दायित्य में कमी करने वा उबसे क्यने में सुविधा के सिए; जॉर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों को चिन्हों भारतीय नावकर निर्मित्त, 1922 (1922 का 11) रा उक्त अधि नयम, या धन-रार नोधनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविभा के निए;

कतः कवा, अकत अधिनियम की धारा 209-ग के अनुसरण को, को, जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- जयवदनहंसमुख लाल पटेल, सिद्धेश्वरी, सुरत ।

(ग्रन्तरक)

 मूल चन्द भाई, शंकर भाई प्रमीन, मीरा नगर, सोसायटी,
 17- माया नगर सो० घोड- डोड रोड स्रत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारिश्व से 4.5 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त के जिनमों में से किमी व्यक्ति इवारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए जा सकीं।

स्थव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्र्यो

मिलकियन जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 10688 नम्बर, दिनांक 21-12-1984 में रिनस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुव**र्जे** (गिरीक्षण) श्रर्जन रेंज= , म्र*इमदा*बाद

दिनांक 24-7-1985 मोहर : प्ररूप आहू . टी. एन . एस . -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जावकर जाबुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जनरेंज-,

म्रहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई, 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3699/U----यतः मुझे, जी०के० पंडया,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6ए, श्राठवा लाईन्स है, तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकत श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई के श्रधीन नारीख 15-1-84

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पामा गया प्रतिफल, निम्निविश्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिवों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में के किए:

अतः भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अभिनिय की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन. निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) ज्वैलर्स, श्रपार्टमेन्ट, तमलीयावाड, नानपुरा, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नितिनभाई जयंतीलाल, 11, विपुल रीझी रोड, बम्बर्ध।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

खबत संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई' भी बाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अथिध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकायन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पाड़ सिसिस में किए जा सकरें।

स्पक्षीकरणः ---इसमे पयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनसं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नर्थ होगा, जो पस अध्याय में दिया नया हैंगी

श्रनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में 15-10-1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 24-7-1985

प्ररूप कार्च . टी . एन . एन . -----

गायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्ज . रेंज-II,

श्रहमदाबाद दिनांक 29 जुलाई, 1985

निर्वेश सं० पी० ग्रार० न० 3700/II---श्रतः मुझे जी० के० पंडया,

नायकर वांधनियन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परभात् 'उक्त शीभीनयम' कहा गया है। की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैटनं० 4-ई है, तथा जो भ्राठवां लाइन्ह, स्रत में स्थित है (और इससे उपाबद ब्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 3-ईई के ग्रधीन दिनांक 15-10-1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यनाल प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकथ से एसे दश्यमान प्रतिकल का थन्द्रह् प्रतिस्तत से अधिक है और अन्तरक (अनसरकाँ) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बोने को अंतरक के दायित्व में कनी करने वा उसते बचा? में सुविधा के लिए; वरि/वा
- (स) ऐसी किसी अगव या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, बा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या सिक्या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बहा: बब, जनत अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, जिम्लेलिसित व्यक्तियाँ, कथीत् उन्ज

 अवैलर्सा ग्रपार्टमेन्ट, स्वांति भ्रपार्टमेन्ट, नानपूरा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

2. मिसिम सुशिला सरन, शरद भाई, ए, नानपुरा, सूरत ।

ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्बन्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशका की तारीचा स्रो 45 दिन की सुविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिको पृष स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के जीतर न्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रत्ति में हितवद्यक्ष किसी अन्य स्थिति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकोंगे।

लच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याद में विकार गया है।

श्रनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 3-ईई, फोर्म यह कार्यालय में 15-10-1984 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया. सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II. श्रहमदाबाद,

दिनांक 24-7-1985 मोहर:

इक्स् बाह्र .टी . एस् . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 ज्लाई 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3701/ I---यतः, मुझे, जे० के० पंडया,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं फ्लैंट नं. 5-बी, पारले प्वाइंट है तथा जो सूरत में स्थित है (भ्रीर इममें उपाबढ़ श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारीं के कार्यालय, श्रहमदा में रजिस्ट्रींकरण श्रधिनियम 37-ईई के श्रधीन सारीख 15-10-1984

तो पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्ति वक्ष रूप में कृषित नहीं किया गया है:——

- (क) सन्दर्भ वे हुए किसी नाय की बावत, उनक्ष अभिनित्त के स्पीत् कर दोने की बच्चएक की दानित्त में कनी करने का उनके बचने में सुनिधा नी लिए; नोड/ना
- (क) एरी किसी अब वा किसी भन या अस्य जास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनके अधिनियम वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का नियम जाना का नियम के लिए;

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्यिलियित व्यक्तिगा, अधीर ---40—226 GI/85 (1) ज्वलर्म ग्रपार्टमेन्ट को-ओ० हाउसिंग सोसायटी, भ्राठवा लाईन्स, मुरत ।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री सुधीर सुषील चोकसो, जे० एस० चोकसी, सुमंगल श्रपार्टमेन्ट्स, अम्बई-6।

(ग्रन्तरिती)

को महसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुबना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्त्रस्वन्धी व्यक्तियों पर सूबना की तामीस से 30 दिन की नवीं भ, जो भी वविध वाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां करायों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (अ) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में दिन्नव्थ
 किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 सिचित में किए वा करोंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैंगी

ग्रनुसूची

मिलकयत जो मूरत में स्थित है। 3-ईई, फार्म इस कार्यालय में दिनांक 15-10-1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

विनाम : 24-7-1985 मोहर: इक्ष्य बार्ड , टी , एन , एन , -----

नायकर भौभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प(1) के नभीन सुचका

भारत सरकार

भायतिक, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई, 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3702/II—अतः मुझे जी० के० पंडया

श्रीर जिसकी सं० गोपीपुरा वार्ड नं० 1 है, तथा जो सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांत जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियन 1908 (1908 का 16) के अधीन विमांक 18-12-1984

को नुवेक्ति सम्पत्ति **को प्रतिचय बाजार जुल्य से कम को र**च्यभान प्रतिकास के सिष्, जन्मदिक की गड़ी

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बधा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल ते, एते क्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच क्षेड़े बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिकिविव स्थूथेश्य से उक्त जंतरण सिधित में वास्तिक क्य से अधिव नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने था उत्तसे अधने में बृविधा के लिए; और/बा
- (थ) एंसी किसी जाय वा किसी भन वा अन्य आसिएओं को चिन्हों भारतीय बावकर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उनता अभिनियस, या भन-कर विचित्रियस, या भन-कर विचित्रियस, 1957 (1957 का 27) के अकोचनार्ज अन्यतियस (विच्या प्रकार नहीं किया प्रवास वा वा विकास प्राप्त पार्टिक्त वा, कियाने के सुविधा के विकास

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अनुबरण वी, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के क्ष्यीन, निम्नसिवित व्यक्तितों, वर्धात् :--- श्री नवीन चन्द्र सालुभाई झबेरी निशा अपार्टमेन्ट, गोपीपुरा, सूरत ।

(अन्तरक)

श्री रमेश अमरचन्द झबेरी,
 मातृ-आशीष को-आप० हा० सोसायटी,
 सुरत, गोपीपुरा।

(अन्तरिती)

को बहु बुचना चारी करने पूर्नोक्त सम्पृत्ति के बर्धक के किस् कार्यवाहिया करता हुं∷।

जनत सम्बन्धि के कर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्योप !----

- (क) इस बुग्या के एक्प्क में प्रकाशन की राष्ट्रीय से 45 विज् की सनिथ मा सरसम्बन्धी व्यक्तिमों पर त्यम की समीच से 30 विन् की सर्वाभ, वो भी सर्वाभ का में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति क्वारा;
- (थ) इस सुभाग के राज्यान में प्रकाशन की सारक्षित से 45 दिन के भीतर उनत् स्थानह संपत्ति में द्वित-ब्रुथ किसी अन्त म्हेनित क्यारा नशोहरताकारी के शास सिवित में किए या सकोंने ।

र्म्बर्डेक्ट्रम् हिन्स्ने प्रमुक्त सन्तो स्ट्रीर पर्यो सा, क्षेत्र सम्बद्धः स्ट्रीप्रिम्बन् से स्थान 20-क में परिकाषिक हैं, यही कर्य होगा को उस स्थान में जिस्सा गया है।

वन्स्ची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 10598 नम्बर पर दिनांक 18-12-1984 में रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (मिरीक्षण) अर्जन रोज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 24-17-1985

प्रका बाह्र¹.टी.एन.एन. ------

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक जानकार शायुक्त (निद्धांसक)

अर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

अइमसाबाद, दिनांक 25 जुलाई, 1985

निदेश सं∙ पी० आर० न० 3703/ा़---अतः मुर्झे ची० के० पंडया,

बावकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परभात् 'उक्त विभिनियम' कहा नवा हैं), की भारत 269 का के बधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जीवत वाजार मृक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आठवाँ लाईन्स, है, तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे चुपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मूस्य से कम के शरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्वात कहने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मूस्य, उसके श्रममान प्रतिफल से एसे श्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका अधिक का निश्ति का उचित का जिल तम पामा गया प्रतिफल, निम्तिशित उक्वेश्य के उन्तर अम्तरण कि विश् तम पामा गया प्रतिफल, निम्तिशित उक्वेश्य के उन्तर अम्तरण कि विश् तम

- (क) अन्तरण से इन्हाँ किसी नाम की बाबत उक्त अधिनिका के अधीन कर तोने के अधारक के शासिक में कमी कड़ने या बसर्थ कमने में सुनिभा के सिद्ध) और/मा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या बन्य बास्टियाँ की, चिन्हें भारतीय आवृ-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोध-नार्थ क्लारिती बुवाचा प्रकट वहीं किया गया बा वा किया बाना चाहिए या कियाने में बुविध: के किया

सतः जव, उक्त अभिनियम की धारा 269-व को अनुसरक मों, जों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व ारी उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तित्यों, अर्थास् ध— श्री सतीश चन्द्र जयन्ती लाल शाह् गोपीपुरा, सुरत ।

(अन्तरक)

 श्री छाटु भाई गुलासी भाई, देसाई, महीधरपुरा, (स्वप्न लोक को-आप • ह्वा० सोसायटी सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह भूषना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के तिक् कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🏣

- (क) इस त्यना के समयत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों यद स्वना की तामील से 30 दिन की नवधि, को औं ववधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है. \$5 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पल्स में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ख्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाड़ निश्चित में किए जा सकेंगं।

न्यक्टीकरण:----- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में दिया गया हैं।

धनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 7145 नम्बर, पर विनांक विसम्बर, 84 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनोक : 25-7-1985

मोदर 🛭

प्रसप् बाइ'. टी. एम. एस्.-----

बावकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 25 जुलाई, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3704/II—अतः मुझे जी के० पंड्या

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्हें इस्त्रें रितके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), वहीं भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० आठवां विस्तार, 1476/बी है, तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर जा पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वेबित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने को खारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत् इसके दृश्यमान प्रतिकल है, ऐसे दृश्यमान प्रतिक ल का पण्यक्तिकित से प्रविक है और बग्नर क (अन्तर को) थीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे वग्तरण के लिए तथ पाया भया प्रतिकल कि किवासित खड़ी उद्देश्य से जनत सम्बरण निष्यित में वास्त्विक कर के कवित वहीं किवा गया है !---

- (क) जन्तरण ने हुई विस्ती बाव कर वावत , अवस अधिनियम के अधीन कर दोने में जन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बच्च में स्विधा के निष्; ब्रोड/का
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने को सविधा के सिष्; और/वा

नितः सव, उपत समिनियम की भाष 269-ग जै सन्धरण भैं, मैं उपस अधिनियम की धारा 269-थ की अपभारा (1) के अधी , निम्नलिसित स्पक्तियों, अर्थात् ६--- श्री नितित भाई, रिजन्द्र णास्त्री, काली माता की शेट्टी, सम्राम पुरा, सूरत ।

(अन्तरक)

 श्री मनसुखभाई लाल भाई, उमरा, तह० सारंदिली , जिला-सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यनाहियां सूक करता है।

उक्स सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासेब है---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीन ने 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष, को भी अविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शक्ष सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त कब्दों भीद्र पर्वो का, को सक्क विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कुर्य होगा को उस अध्याय में दिवा वक्षा है।

अग्स्यी

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 4078 नम्बर पर दिसम्बर, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-14, अहमदाबाद

दिनांक: 25-7-1985

प्ररूप आहें ृटी . एन . एस ु-------

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के कथीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (पिरीक्षण)

अर्जन रेज-II, ग्रहदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3705/Ш—–अतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस-हे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार म्हन 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० आफिस नं० 517, डायमन्ड हाउस है, तथा जो सूरत में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ईई के अधीन दिनांक अम्तूबर 1984

का प्वीक्त सम्पात के उचित बाजार मृन्य से कम के सम्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) अन्तरण हं शुद्ध किसी भाग की बाबल उपल गणिन नियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बच्चने में सुविभा के जिए; और/मा
- [स] एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

 मं० जे० एम० सी० श्रौर मेधानी बिल्डर्स, जवेरी बाजार, बम्बर्ड-2 ।

(अन्तरक)

प्रियवदन दलाल श्रौर केकुल पी० दलाल,
 23, द्रृगरशी रोड,
 बम्बई ।

(अन्तरिती)

की यह इचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी वाक्षेप रू--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है। 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उभत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विका वना है।

ered

मिलिकियत जो सूरत में स्थित है। 37ईई, फार्म यह कार्यालय में दिनांक 15-10-1984 को पेश किया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

दिनांक: 25 7-1985

मोह्रर:

त्रक्य बाह्र , टी. एन. एस.-----

जाबकर अधिनियंस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रज-1, प्रहमवाबाय

महमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1985 🖔 निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3706/II—ग्रत: मुझे, जी० के० पंड्रया.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पीत, जिसका उधित शाधार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ग्राफिस नंन 518, डायमन्ड हाउस है, तथा जो सूरत म स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्तुबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को जीवत बाधार मूल्य से कन के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूफे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाधार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का धन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन्न, निम्मनिष्ति उष्टोच है इक्त अन्यरम किहित में पास्त्र-भिक स्था से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) अल्लरफ ते हार्व किनी बाय की शबत कवत बीच-विश्वस को बचीन कर बाँचे को बच्चहुक को साबित्य को क्जी करने वा अवते बचने को बुविचा को नियो; आर बा/
- (क) एँती किसी आय या किसी धन या ब्रंथ आस्तियों को, बिन्हें भारतीय वावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-फ्रन्ट विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनामं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा था वा किया थाना चाहिए था, ज्याने में बृष्या की जिल्ला

बत. बब, उकत विधिनियम की धारा 269-ग की, बन्सरक वा, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बभीन, निम्मिनिक स्थीक्तयों, वक्ति ह—र मैं० जे० एम० सी० एण्ड मेघाडी बिल्डर्स,
 223/225, जवेरी बाजार,
 बम्बई-2 ।

(मन्तरक)

श्री सतीम सी० माह
 114, केवल इन्डस्ट्रियल इस्टेट,
 बापत मार्ग,
 बम्बई-1/85-86

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित की अर्जन की लिहा कार्यवाहियां शुरू करना हो ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब वें 45 बिन की बनीभ या तत्साम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, वो बी अविभ बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर तंपरित कें हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, जथोहरताकारी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

र्वकाकरणः----इसमें प्रयुक्त कर्नो और पर्दों का, को स्वक जिथितियंत्र के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस मध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है । 37ईई का फौर्म यह कार्यालय में दिनांक 15 अन्त्रवर, 1984 को पेश किया गया

> जी० के० पंडमा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाड

दिनांक: 25-7-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

भ्रहद्भाबाद, दिनांक 26 जुलाई, 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3707/II— ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 10,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं वराच्छा रोड कतारगाम, है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर घंने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण क, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) व अधीन, निम्मिसिसत व्यक्तियों, अर्थास् :--- श्री डाह्या भाई वलनजीमाई
 श्री ठाकरणी भाई, करमणी भाई,
 बी-7, गणेण कालोनी,
 सूरत ।

(ग्रन्तरक)

 श्री केशरी एक्सपोर्ट, भागीउदार, बालजीभाई पटेल, पराच्छा रोड, मुरत ।

(म्रन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (घ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

मकान जो सूरत स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 8586 नम्बर पर दिनांक दिसम्बर, 1984 में रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

विनांक: 26-7-1985

मोइर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई, 1985

निदेश सं० पी० श्रारः० नं० 3708/II—स्थ्रतः मुझे जी०के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पांडेसरा, जी० ग्राई० डी० सी०, विस्तार, तथा जो पांडेसरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 5-12-1984

को पृथंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्म्शलिक्त व्यक्तिवों, वर्धात् :---

 मैसर्स योगानन्द, टैक्सेटाइल, अर्चना, उद्योग नगर, मूरत ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीराम उद्योग प्रा० लि०, सलसतपुरा, सुरत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ं अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जो पांडेसेरा सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 10289 नम्बर, पर दिनांक 5-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरउक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक 26-7-1985 सोहर : प्ररूप. बाधै. टी. एम्. एस. ----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीत स्वता

भारत तरकार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निर्शाक्तक) ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० मकान 850 वर्ग फुट है, तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 15-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गह है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिकल से एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप में किया नहीं किया गया है:—

- ,(क) अन्तरण संहुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्स में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बह: अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं,, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1\ के कभीन निकालिकत क्यक्तियों, अथित :—-41—226 GI/85 श्री भवानी प्रसाद अग्रवाल ऋषिणाय अपार्टमेन्ट्स, दिवाली बाग, सूरत ।

(अन्तरक)

 मोहम्मद ईस्माईल, ए० रोहणी, मुंगलीसरा, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हु

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में काई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकावन की तारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकी।

स्पच्छीक रणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि वर्दों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुस्ची

मकान जो सूरत में स्थित है । सब रजिस्ट्रार सूरत में 10536 नम्बर पर दिनांक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-II, श्रष्टमदाबाद

दिनांक: 26-7-1985

प्रकृत नाहै, टी. एव. एस.-----

जायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्थना

भारत चहकाड

कार्याजय, सहायक भायकर भावत्त (निरोक्तण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विमांक 26 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3710/2—यतः, मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 ं 961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० बालाजी रोड है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 3-12-1984

को पुर्वोक्त सम्परित को उचित वाजार मूल्य सं कम को ज्यमान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गईं हैं और मुन्ने यह विद्यासं करने का कारण हो कि रुधायुक्तिक सम्परित का उचित वाजार मूल्य, जसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित्य (जन्तरितियों) को बीज ऐसे बन्तरण को लिए तय पादा ध्या प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित को बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) वन्तरण से हुइं किसी जाय की बाबत उक्त जिपिनियम के अधीत जर दोने के अन्तरक के वाषित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की सिएं जाँड/या
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी अन ना जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने को नृविधा को सिन्हा

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन जिन्निजित अधिनत्वों, अभित् क्र-- (1) श्री कुसुमबेन कान्तीलाल जागरिया बालाजी रोड सूरत ।

(अन्तरक)

(2) सैरू जेम्स शांतिभिकेतम सोसायटी, सुमुलाडेरी रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाओप --

- (क) इत ब्यान के राज्यन में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी म्यानितमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिंध नाद में समाना हाती हो, के भीतर पूर्वे निर्मा व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए वा सर्वेंचे।

स्वक्काक्क :---इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पदों का, था उक्त अभिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में विशा यवा है,॥

नन्तुची

मकाम जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 10220 नंबर पर दिनांक 3-12-1984 में रिजिस्टर्ड किया गया है।

> नी० के० पंडया मक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−II, अहमदाबाद

दिनांक : 26-7-1985

मोहर 🕽

त्ररूप जाइ . टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वा

भारत सरकार

कार्यात्तम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3711/II—यतः, मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 46 भोलाघ है तथा जो जिला भरूच में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णि रूप रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरूच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित् उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथ्ब नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नानत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या जससे नचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का i1) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आता जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

कतः। जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्मृतिविद्य अवित्यों, अधीत् ः— (1) श्री पन्ना लाल तिकमलाल गाह श्री योगेश पमालाल गाह वनेकपोर ताः जगडीया जिला भरुच।

(अन्तरक)

(2) गीताकुंज को-भ्रो० हा० सोसायटी प्रमुख श्री रामजीलाल ईम्बर लाल भोलाव ता०/जिला भरुच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिष् कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाह्मेपू :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारा से 45 बिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध मां भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति व्यक्ति विवक्ति विवक
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिय-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,। बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जया हैं।

ननसर्वा

जमीन जो भोलाय में स्थित है । सब-रजिस्ट्रार; भरुच में 1976, 1979 श्रौर 1980 नं० पर दिनांक 4-12-84 में रजिस्टर्ड की गई है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 29-7-1985

मोहर 🛭

अक्य आहे. ठी. पुन . एवं , भग----

व्ययकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना**

भारत प्रस्कार

कार्यांशय, सहायक बायकर वायुक्त (निरक्तिण)

अर्जम रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3712/ा^I——यतः मुझे, जी०के० पंडया.

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. सं विधिक है

श्रीर जिसकी सं० वराच्छा रोड नवगाम सीम है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 3-12-84 को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य ये कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफा स्नीम्निसित उप्योदय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उसते अधिनयम के अधीन कर दोन के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एंकी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अभकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए जा, क्रियान में तुविधा के निय;

बतः अव, उक्त विकित्यम की भारा 269-म के अनुसरण में, में अक्त विभिन्तियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीतः, निम्नीशिक्त व्यक्तियों, वर्षात् :---

(1) श्री हरिभाई नरसिंह भाई द्वारा बजरंग क्वारी गांव-कदवारी ता०-अगडीया जि०--भक्षा।

(अन्तरक)

(2) श्री मीठाभाई जीवराजभाई दिवोरा, सूरत।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्जवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबव्क किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पटकोकरणः --- इससे प्रयुक्त बट्यों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विका भया है।

असराची

मकान जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 4968 नं० पर दिनांक 3-12-1984 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (शिरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहम**दाबाद**

सारीख : 29-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3713/II—यतः, मुझे, जी० के०पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 1508, 1509, 1510 है, तथा जो मूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आध ो वाबत, उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्च आस्तिबाँ को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री एच० मी० सीज्**वाला ग्रौर** अन्य, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० सी० सीजुबाला एण्ड कं० सी०/श्रो० नानाबार सीजुबाला एण्ड कं० मोदी स्ट्रीट, बम्बई।

(अन्ततरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 हिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

जमीन जो सूरत में स्थित है । सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 26-12-1984 में 10720 नं० पर रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख: 29-7-1985

प्रकल बाही, धी, एव, दुव, बन्धन

जनवकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के विभीत कुलता

गाउँक गाउँकातः कार्यासम्, सहायक मायकर मायुक्त (नि<u>र्</u>यक्रिय)

ग्रर्जन रेंज II ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, धिनाक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3714/II--- ग्रतः, मुझे, जी०के० पंडया,

बावकर सिंधिंग्यम, 1961 (1961 का 43) (बिले इसने इसके पश्चात् 'उन्त निधिनयम' कहा गया हैं), को कि भाख 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारी नहें, कह विध्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

मौर जिसकी सं० 1700, टीका नं० 8,4 है, तथा जो नीलीमोपा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांदेवी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-12-1984

को यूर्वोक्त सम्मति के उचित बाबार मून्य से कम के दश्यमान शितफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यिवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धि का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रविफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्र-विक रूप से क्रीभत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुइ' किवीं भाग की नावता, अवद अधिनियम के नधीं कर दोने के अन्तरक खें जीवत्व में कहीं करने या उपने वचने में सविधा के सिक्; और/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अब्ब बाहितवाँ को, भिन्हों भारतीय भाग-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्वरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना जाहिए था कियाने में सुविधा के निएई

बत्त अब, उन्ह निभिन्नम की भारा 269-ग में नमुसरक में, में, उन्ह अधिनियम की भारा 269-म की उपधार (1) में अधीर, निभन्नीनियस न्यासित निमान निमान (1) श्री जयन्तीलाल छगनलाल शाह, सोनीवाड, बीलीमोरा।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सुभाषचन्द्र राधािकशन गुप्ता गुप्ता हास्पीटल, बीलीमोरा

(ग्रन्तरिती)

को यह श्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिइ कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वासोब ड---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्मान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस बुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्थाकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जीभीनयम के अभ्याय 20-क में परिभाषिक ही, वही अर्थ होंगा, जो उस अभ्याय में किया गवा है।

अनुसूची

जनीन जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 938 नं० पर दिमाँक 17-12-1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

तारीख: 29-7-1985

श्रुक्य माह^र् टी. एन्. एस_{.,}------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के न्भीत स्थान

नारत बुरक्त

कार्याभव, बहाधक नायकर नामृक्त (निरोक्षण)

प्रजन रेंज II ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० म्नार०नं० 3715/।।——म्नतः, मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िल्हों इसके इसके पश्चात उक्त अभिनियम कहा गया है) की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाबार मृन्य 1,90,000/- रा. से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं० कोममजा ता० कामरेज है, तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपावज्ञ ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-12-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के सर्वमान प्रतिफल के सिए जन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे वम्सूरण के बिए तथु पामा गया प्रतिफस निम्नसिचित उद्विषय से उक्त अन्तर्ज जिल्दित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्) जन्तरूप वे हुई किसी वाय की बायत्, उक्त विधीनसम्बद्ध के नधीन कर दोने के बन्तरक के सामित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्राह्य/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नयः वा वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

ाः अब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ए को अमृतर्भ मा, मी, उवत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीर मानिस्ति व्यक्तियों, अधारा :---

(1) मंजुलाबेन नारायण भाई कोसमडा ता० कामरेज।

(भ्रन्तरक)

(2) धरमेन्द्र मिह नरसिंह गोहिल मंगलो ता० चोरमासी। जिला-सुरता।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचना चारी करके पूर्वोक्त चंपरित के वृधंत् के विव् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्तर कमित के नर्जन के संबंध में कोई भी नाकोप :----

- (क) इस ब्रुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 हिंदन की जननिंध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की अवधि, सो भी वर्जाच्या में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाद्ध;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी ज्ञा स्थापत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिक्रणः — इसमें प्रमुक्त क्षव्यों और पदों का, को उक्क जिम्मिनसम्, को मध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बही अर्थ होगा, को उस सध्याय में दिवा नवा है।

भनुसूची

जमीन जो कोसमडा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 1426नं पर दिनांक 15-12-1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज II, श्रहमदाबाद

तारीख 29-7-1985 मोहर: प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमवाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3716/H—यतः, मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 160/1, 161/3, 161/4, 162/3, 162/4, है, तथा जो श्रजामा ता० बलमाड में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधि कारी के कार्यालय, स्रत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर् 84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्रो समुन्तराय भानुभाई देसाई स्रवामा

ता०बलसाड । (अन्तरक)

(2) श्री ध्रुव मुमार लल्लुभाई देसाई, श्रद्धामा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभा-* ह⁵, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूधी

जमीन जो श्रद्धामा में स्थित हैं। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 4049 नं०पर दिसम्बर 1984 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर ग्राथुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज II ग्रहमदाबा**द**ें

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 29-7-1985

हरूष आर्थ . टी ृष्य , पुत्र ु ------

भाषकर नीवनिवन . 1961 (1961 का 43) की परा 269-म (1) के बचीन सुवना

भारत सहस्राह

कार्याभय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रजीन रेंज-II ग्रहमधाबाद 👙

श्रहमदाबाद, दिनौंक 17 जुनाई 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3717/<u>ग</u>--- श्रतः, मुझे, जी०के० पंड्या.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात् 'उन्त की धीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के ज्यीन सक्षम प्राध्यकारों को यह विश्वास करने का स्मारण हैं कि स्वावस बन्नरिस, विसका उचित नावार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जमीन-श्रकोटा है तथा जो बड़ौदा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-12-1984

को भूबों क्ष सम्पत्ति के उभित नाजार मृत्य से कम के क्षयमान इतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्नास अरूने का कारण है कि यथापूर्णों क्ष सम्मित्ति का उभित बाजार अनुव्य, उसके द्रयमान प्रतिकास से, ऐसे द्रयमान प्रतिकल का पन्नव्य प्रतिकत से अभित है और अन्तरक (अन्तरकों) और बस्तरिती (अन्तरितियों) से शैच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाना गया प्रतिकल, निम्निसित स्वद्विय से उसत अन्तरक सिन्दित में वास्तविक रूप में अभित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तक्रण से हुई किसी नाय की नायतः उपत निष्क निषम के अभीन कह दोने के जन्तरक के वर्धियक में कमी कारने या उससे वचने में सुनिधा के सिए; सरि/वा
- (म) एंसी फिसी बाय या किसी धन या जन्य मास्तियों की, जिन्हीं भारतीय अय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने यो सविधा के लिए;

श्रद्धः व्यवं, उनतं अधिनियमं की भारा 269-मं की जनसरक मीं, मीं उनते अधिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (१) को अधीन , निक्तिलियतं व्यक्तिमीं, अभीतं ाः— 42—226 GI/85 (1) श्री लीलासरन मगनभाई चौहाण सीं/श्री एम० पी० पटेल ट्रेडर्स, मुभान पुरा. बड़ौदा

(ग्रन्तरक)

(2) स्टेट बैंक श्रॉफ इण्डिया। भद्र,श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति को वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

इक्द हर्सात्य के बर्धन के बुस्तन्य में मार्च भी शाक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिव की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी संबंधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च का किसी में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्दभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास लिकित में किए वा सकोंगे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्झ अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अन् सूची

जमीन जो ग्रकोटा, बड़ौटा में स्थित है। जिसका कुल मूल्य 9,50,000 रुपये हैं।

> जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ा। श्रहमहाबाट

तारीख: 17-7-1985

मोहर 🖫

शक्त मार्चा, टी. १६. एत. - - - ---

भावनार विश्तिन्त, 1961 (1961 था 43) की भार 269-म (1) के बधीन स्कार

नारक करकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निर्धाण)
अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनाँक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3718/ — अतः, मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसकी इतकी प्रचात् 'जनत विधिनयम' कहा नया ही, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण ही कि स्थानर तस्पत्ति , चित्रका उचित कावार नृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० सूरज-प्लाजा-11, स्याजीगंज है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबत श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 37-ईई के श्रधीन, तारीख 17-12-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के अधिक बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिकास के सिए जन्तरित की नहीं ही और मुक्ते यह विकास कारने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपरित का उनिकृत बाजार कृत्य, उसके कावमान प्रतिकास से, एमें अध्यमान प्रतिकास का क्रम्य प्रतिकास से अधिक ही और सम्बरक (अमारका) बीड़ बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के दीच पृत्ते अन्तरण के किय सम्पर्क बाया क्या प्रतिकास, विक्निशिवत उन्नरिक्ष से उन्नर अन्तरण सिविक में नास्तविक कम से क्षिण बहुर क्या क्या ही अस्म

- (क) बन्दारण से हार्य कियी जान की जानहा, करवा श्रीपतियम के अभीम कह योगे के बन्दारक से खिमल में क्यी करने या उत्तर्थ बनने में हान्यि। के बिहा; सीर/मा
- (ख) देवी किसी बान या कियी धन या अन्य अस्थितो का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायों अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया बना था विका जाना थां हुए था छिपान में सुविधा के सिए.

क्रमण क्या, सक्त निर्मानयम की भारा 269-न के सम्भरण हो, ही, उपस निर्मानयम की भारा 269-न की स्पर्भाव (1) हो सकीन निरमाणितिक क्योंक्तको, सम्मीत सम्म (1) मैं ० नारायण कन्स्ट्रक्यान्स कं०, सूरज—प्लाजा, सयाजीगंज, बड़ौदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जी० एम० झाला, इंडियन डेरी कार्पोरेशन, बड़ौदा।

(भ्रन्तिरती)

को कह सूचना कारी करके पूर्वोक्त कम्परिए के क्वन के हिन्द्र कार्यनाहिनां कहता हों।

उक्त सम्मत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी वासीय :---

- (क) इस सूचना के उपचन में प्रकाशन की तारीसा से 45 दिन की जबनि या तत्सव्यन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की नव्धि, को भी नविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर व्यक्तिया व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित प्रवस्ता;
- (क) इत स्थान के राजपण में प्रकाशन की दारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृति में हित्रवर्ष किसी सन्य व्यक्ति द्वार अभाहस्ताकरी के पाछ सिश्चित में किस का सकींगे।

स्वक्रीकरण:---दसमें प्रयुक्त तथ्यों भीर पर्यों का, को सकत श्रीजिनका के बच्चाय 20-क में परिभावित ही, नहीं वर्ष होगा वो सत बच्चाम में दिक्स महा ही।

maday.

मकान जो सूरज-प्लाजा, बड़ौदा में स्थित है जिसका मूल्य 30,45,500/- रुपये हैं। 37-ईई का फार्म इस कार्यालय में दिनौंक 17-12-1984 में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, श्रहमदाबाद

तारीख: 29-7-1985

मोहर ः

प्ररूप बार्ड .दी . एन . एस . ------

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आवकत (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज-II, ग्रहमक्षाबाद ग्रहमधाबाद, दिनाँक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3719/II—ग्रतः, मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर समात्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पाटण-जमीन हैं तथा जो पाटण में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालयं पाटण में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 15-12-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल सं, एस इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशाद सं अधिक के शर कंतरिक (अंतरिकों) को वंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उसके बचने में सृविधा के सिद; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अर्थ किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जगदोधचन्द्र रतनलाल सोनी, सीनीवाडी, पाटण।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रजनीकांत चंपकलाल सोनी, चेयरमैन, गीतांजलि को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी, सिद्धपुर, चारा रास्ता, पाटण।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां सुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन करी अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपिर में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

जमीन जो पाटण में स्थित है जिसका कुल मूल्य 3,25,000/- रुपये है ग्रौर सर्वे नं० 257 है। सब-रिज-स्ट्रार, पाटण में विसम्बर 1984 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज–I^I, श्रहमदाबा**य**

तारीख: 29-7-1985

प्रकथ भार्ष ,टाँ ,एव ,एस , ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नाम्कत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, विनाँक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 3720/II—श्रतः, मुझे, जी० के० पंडया,

कायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की क्ष्मा 269-स के अधिन स्थान प्राधिकारी को वह निश्काक करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित करनार मूख्य 1,00,000/- का से स्थिक है

ग्रौर जिसकी सं जिमीन-पाटण है तथा जो पाटण में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पाटण में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 12-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार बूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल में, एसे द्व्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्षत से ब्रिंग्य है और बन्तरक (बन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पत्था गया प्रतिकल निम्नलिसिस उद्देश्य से उयत अंतरण निस्तित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया पता है:——

- (क) बैतह्या वे हुई कियों बाय की बाबक, उक्क अधिनियम के अधीन कार दाने का अन्तरक के वायित्य में कामी कारने या उसम बचने में मुखिया के स्थिए; और/मा
- [क) एसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य आहित्कों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या नग-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जरना बोहिए था, कियान भी सुविवा के निहा।

कता अब उक्त अधिनयम की भारा 269 म के अनुसरण हो, की, सक्त अधिनियम की भारा 269 म की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) नवाब श्री लोहाणी इकबालखान, कोलाबा, बम्बई।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री हीरालाल नाथालाल श्वाह, खटवाडो, बैंक रोड़, बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना कारों करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अवस सम्पन्ति को अर्थन के मंबंध भं कांग्री भी आक्रीय .---

- (क) इस सुधना के राजपत्र मों प्रकाशन की शारील से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर कृषमा की शामील वे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि हो, के सीतर पूर्वेक्ति अविध्य मों समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वेक्ति अविध्य मों ले कियी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यात में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म स्वनित ब्वाश, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिच्याधित हैं, बही अध होना ज्या अस्यास् में न्द्रमा स्था हैं:

भन्**त्र**की

जमीन जो पालनपुर में स्थित है जिसका कुल मूल्य -६,00,000/- रूपये हैं। सब रजिस्ट्रार, पालनपुर में 2556 नंबर पर विनाँक 12-12-1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, श्रहमदाबाद

नारीख: 29-7-1985

मोहर 🖫

प्रकृति कार्य कार्य है विकास कार्य कार्य

कारकर कभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भूखा 269-म (1) के अभीन सुजना

भारत सरकार

कार्यास्य, सञ्चायक आवकर् बाव्क्ष (निश्वीक्षण)

श्रर्जन रेंभ-2, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनाँक 29 जुजाई 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3721/II—ग्रनः मुझे, जी० के० पंडया.

बावकर अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) (बिंबे इसमें इसके परमात् 'उक्त जीभीनवम' कहा बना हैं), की भारा 269-य के नथीन सक्षम प्राभिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्वीता, विश्वका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/~ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन-पाटण है तथा जो पाटण में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पाटण में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित क्यार भून्य, उसके स्वयमन प्रतिक्य से, देते स्वयमन प्रतिक्य का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए सम पाया गमा प्रति-फन निम्मलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है ए—

- (क) अन्तरणुमें हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियन के अधीन कर देने के अन्तरक के प्रियित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए: बॉर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या कंप कास्तिया कारे, जिल्हा भारतीय जाय-कर जिमितियम, 1922 (1922 का 11) वा उकत जीधितियम, या भनकर करिश्तियम, 1957 (1957 का 27) के जियोज-नार्थ करारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा शिक्या जाना चाहिए वा कियाने में सुनिधा के लिए?

कतः वव, उक्त विभिनियमं की धारा 269-म की अनुबर्ज मी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन्।, निम्नलिकित व्यक्तिवाँ, अर्थात् हि— श्री मोहनभाई शंकरभाई, जलचिक, पाटण।

(श्रन्तरक)

 श्री युसुफभाई नूरमोहम्मद नाँदोलिया, पालीटननीक कालेज के पंछि, पाटण।

(श्रन्तरिती)

को कह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहिकां करता हो।

उक्त सम्मौत के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस बृष्णा के राजवत्र मो प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन कर्ड़ अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तानीस से 30 दिन की श्वीध, यो जी नवींच बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्वीक्तयों में में किसी स्वीक्त द्वारा;
- (व) ६ सं कृषना के सक्तपत्र ग्रें श्रकाशन की ताऱीब सै 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वास अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा कर्केंगे।

स्पथ्योकरणः — इसमें प्रयूक्त कर्न्स नीर पर्यो का, जो उक्त निभिनयम के सभ्याय 20-क में परिभाषित इं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पना दं .

अनुसूची

जमीन जो पाटण में स्थित है जिसका कुल मूल्य 7,00,000/- रुपये हैं। सब रजिस्ट्रार, पाटण में दिसम्बर 1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंड्या भक्षम प्राधिकारी महायक आधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख: 29-7~19##

मोहर 🛭

इन्स्ट अहि <u>हो, पुन् , एक</u>ु -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाद्य 269-व (1) के वधीन स्वना

STEEL SECTION

कार्यालय, सहायक जामकर जायुक्त (निरोक्तण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, टिनॉंक 26 जून 1985

निदेण सं० डी० ग्रार०-116/84-85/37-ई०ई०---श्रतः मुझे श्रार० भारद्वाज

नायक ए निधित्वमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवाद (उन्त निधित्वमं कहा गया है), की भारा 269-स ने नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संवरित, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० 85/2, है तथा जो मोरमनी श्रो पैंकैनो, गोवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बेंगलूर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधोन, तारीख $5\sim12-1984$

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्व से कम के इस्वमान प्रतिकल के निए अन्तरित की पढ़ें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का अरण हैं कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त क्रियार पृश्व, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्वमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रसिशत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में शास्तिक अप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुन्। किसी नाग कर्ड बाबता, उक्त बिधीनयम के अधीन कर बोने के बन्तरक आई काक्तिक में कबी करने ना उद्देश कुन्ने में सुन्धा के (बहु: और/वा
- (क) ऐसी फिली जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यह धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में ब्रीकरा वे किए;

जरः जब, उक्त विधिनियम को धारा 269-ग के जनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, जारेतु हु—- (1) श्री लक्सीमोना मुकुन्द पोरोबो कोलवालकर,
 (2) श्रीमती सावित्रीबाई कोलवालकर, ब्लाक नं० सी-2, प्राव्मी कालोनीं, पणजी-गोवा। (3) श्री उस्तो मुकुन्द पोरोबो कोलवालकर, (4) श्रीमती कुमुदनी उस्तो पोरोबा कोलवालकर, (5) श्रीमती गाँताबाई बालकीष्ण पोरोबो कोलवालकर, (6) श्री वीनायक बालकृष्ण पोरोबो कौलवालकर पणजी-गोवा, (7) श्री पुरषोत्तम मुकुन्द पोरोबो कोलवालकर। (8) श्रीमती कांति पी० कोलवालकर, घर नं० 156, पणजी-गोवा।

(अन्तरक)

 श्री राजेन्द्र श्रिपाद सावन्डे, श्री कृष्णा इमारत, वास्क -डी-गामा।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्था। बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

ज्यस सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की सानील के 30 दिन की अवधि, जो भी जुन्धि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- [क] वस ब्रुप्ता के प्राव्युक्त के प्रकार्य की शारींक के 45 किए के भीएर अन्य स्थावय त्रम्पित में हिय- वृद्ध किया अन्य न्यांतर व्याप्ता, व्याहस्ताकारों के यांत्र मिर्विक में किए वा ककेंचे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पथों का, को उक्स निध-दिवन के सभ्यान 20-क में पहिभाषित है, बहुर अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया नवा है।

भनुसूची

दास्तावेज सं० डी० भ्रार० 116/84-85/37-ई०ई०/ दिसम्बर 1984।

खेती अमीन "कुसोडो भ्रगोर" संब 85/2, मोरोम्बी-भ्रो-पेक्वेनो-गोवा।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रयजंन रेंज, बेंगल्र

नारीख: 26--6-1985

मोहर 🕃

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----बाण्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत गरकार

कार्यालय , सहायक भायकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 जून 1985

निर्दोश सं. डी.आर/62/84-85/37-ई. र्ह. .—अतः मुसे, म्रार० भारताज,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें परकात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन तक्षम प्राधिकारी को वह विस्थात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अरि जिसकी सं० 353 व 356 है, तथा जो चपोरा बार्डज गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-12~1984

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिपास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विस्थास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार हुन्छ. उसके क्ष्यमान प्रतिपास तो, एसे क्ष्यमान प्रतिपास का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमाँ) के बीच एमे अन्तरण मे बिए तब पाचा गया प्रतिपास, विम्नितिखत उद्दर्श्य ते उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है है——

> भंकी अन्तरण में हुन्हें किसी बाव की बावत, अन्तर विभिन्नम के बधीन कर योगे के अन्तरक के दामित्व में कमी कारने ना उत्तरके अवभे के जुन्मिका के लिए। बीर बा/

> (क) ऐसी किसी बाद या किसी पन वा बन्त धास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गंभा था या किया जाना चाहिए था, छिलाने में सिनधा के लिए;

चतः वयः, उक्त विधिनियमं कौ धारा 269-गं कौ वन्तरण जे, जैं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) के वधीन जिस्सीसित व्यक्तियों, वर्षात्त्र—

- (1) श्री देवदत्त गीमोडकर श्रीमती विजयसक्षमी शिशोडकर, द्वारा मै० डीं० पी० शिशोडकर, श्रतफोन्सो श्रश्नबुक्षराक रोड़, पणजीं-गोवा। (श्रन्तरक)
- (2) मैं वागतोर वींच शींसार्ड प्रा० लिमिटेंड, 5, म्यूनिसिपल इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, वोलीं, मुंबई। उ (अन्तरितीं)

अहें वह अचना आड़ी काड़के पूर्वोक्त अंगरित के वर्णन के लिए कार्यग्रहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाशव :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की जनभि ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की जनभि, को भी जनभि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सुमान के स्वपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्त्र स्थावर स्थावर संपत्ति में हितवद्ध सिवित में किस् का सकती।

ज्यस्तिरणः न्द्रसमे त्रवृष्य सन्ते और प्रतिका, यो उपके विभीनयन के जभ्मान 20-क में परिमाणिक है, वहीं अर्थ होंगा को उस अभ्यान में दिसा नवा है।

प्रयुक्त

(दस्तावेज सं० डी० ग्रार० 62/तारीख 5-12-1984) खेती जमीन "तांबुडकी" सं० 353 व 356, चपोरा, बार्डज-गोवा।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

सारीक: 26-6-1985

त्ररूप जाहै.टी. एत . एस .ः =----*--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभान

STATE STATE

कार्यासम्, सहायक जायकर बायुक्त (निर्द्राक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनौंक 2 जुलाई 1985

नोटिस नं० 45834/84-85 यतः मुझें ग्रार० भारताज जामकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके प्रथमत् 'उसत कांचितिसमं कहा गया हैं), को भाषा 269-स के कभीन समान अभिकारी को का निस्तात करने का कारण ही कि स्थानर सम्मस्ति, जिन्नका जीवत वाजार स्वय 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिप्तकी सं अपार्टमेंट नं 102 (ग्रार एस नं 186-2, टि एस नं 29-2-1 फ्लार, कोटेया पटिंग, बिल्डिंग है, तथा जो ग्रन्ताचर विलेज, मंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के वार्यालय मंगलूर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-12-1984

की पूर्वोक्त सम्भित्त के उपित श्राचार मृत्य है कम के उपन्यान प्रतिफल के जिए जन्ति की गई है और मृत्रों यह जिएकाल करने का कारण है कि वश्रम्भोंक्त सम्भित्त का उपन्या श्राक्तर सम्भित्त सम्भित्त का कारण है कि वश्रम्भोंक्त सम्भित्त का उपन्यान प्रक्रिक का पंच्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल निम्नलिखित उप्योध्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्धक्षण ये हुई कियी बाव की वायकः तथम कथिनियम ये बचीन कर दोने में बीचकः अं स्थितिस्य में कारी कारणे वा उससे बचने में सुविधा की नियम कोर्मा
- (ब) एरें! कि ही भाव या किसी क्षन या बन्य का स्थापन को, जिन्हीं सारदीय नावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करिरती बुवारी प्रकट नहीं किया नया था वा किया बाता काहिए था कियाने में सुदिधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के बनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपभाग (11 के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों), अधीत् हि—

- श्री उमेण बी० सिनल, अुम-कुम, Ш फ्लोर, प्लाष्ट नं० 32, 17→रोड़, श्रार०सीं० मार्ग, चेंम्बूर बम्बई। (श्रन्तरक)
- 2: श्री किवा मोहस्मद हरिम, व्यापारी, जै० एम० रोड, बंन**प**र, मंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

3 श्रन्तरकः।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के कर्पन के सिए कार्यवादिको करता हूं।

उच्छ इंपरित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी मार्क्ष :----

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकारण की साहीय में 45 दिन की अवधि ना तत्वम्मरमी न्यासियमाँ पाः सूच्या की समीस से 30 दिन की ननीथ, यो भी वक्षीय बाद में बनान्त होती हो, से भीताः पूर्वोतन व्यामस्त्रों में से किसी व्यक्ति व्याहरः
- (व) इस स्का के राजवन में प्रकाशन की हार्शन हैं 45 दिन के जीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में दिस-बहुभ किसी बन्ध स्थावित द्वारा अपाहस्ताक्षरी के शास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इहानें प्रयुक्त बन्दों बीर पदों का, जो अवस् वर्तीचीववन के अध्याय 20-क में पीरभाषित ही, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिख्य गुजा ही।

जनस्थी

(दस्सावेज सं० 1410/84 सा० 11-12-84)

संम्पत्ति हैं जिसकासं० आर० एस० 186-2, दि एस० नं० 29-2-प्रपार्टमेंट नं० 102, I फ्लोर, कोटेया काटेज बिल्डिंग, प्रन्ताचर मंगलूर सिटीं, में स्थित हैं।

आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीं : 2-7-1985

मोहरु 🗓

प्ररूप नाई.टी.एन.एस.-----

मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बगल्र

बेंगलूर, दिनांवः 2 जुलाई 1985

निवेण सं० 45840/84-85--- प्रतः मझे, प्रार०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बालार मृत्य

1,00,000/- फ. में अधिक है और जिसकी सं० 76 (139 2बि) है, तथा जो बहगबेटू विलेज, उडुपि तालुर, द० क० में स्थित है (और इसमे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधि शरी के कार्यालय, उड्डिप में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-12-84 कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त मंपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िछपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🎨 — 43-226/GI

1. श्रीमती के० लक्ष्मी वाई, चाइफ ग्राफ यु० राधाकृष्ण राव, नं०, 76, बडगबेट्ट विलेज, उडुपि तालुक, द० कारी

(ग्रन्तरक)

2. श्री एडविन क्लेमेंट हेतरि, किलिमुलिक श्राफ किडि-युर चिलेज, उड्डपि तालुक।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1525/84, ता० 20-12-84) प्रमाति है जिल्ला मं० 76, (एम० नं० 139/2 बीं०) जो बडगबेट विलेज, उद्दुपि तालुक, दक्षिण कन्नाडा में स्थित है।

> ग्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण श्रर्जन रेंज, बंगलूर

मार्डस्ट: 2-7-·1985

मोहर ध

एक्प बाइ .टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) की मधीन भूनण

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांठ 2 जुलाई 1985

निदेश सं० 45830/84-85---प्रनः मुझे, फ्रार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बण्जार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० आर० एस० 469, टीं० एस० नं० 308. 3 जि० 5 है तथा जो कोडियलबैल बिलेज, मंगलूर तालु ह में स्थित है (और इसमे उपाबड़ अनुसूबी में और पूर्ण रूप से जागत है), रिजस्ट्री हर्ता अधिकारी के आर्यालय, मंगलूर में रिजर्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 26) के अधीन, तारीख 3-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के स्रवमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (गंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोध्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है अन्त

- (क) बलाइन वे हुई किसी बाद की वावद, अवह विधीनवन के सभीन कर दोने के बुलाइक को दावित्य में कजी करने या उससे अवने में सुविधा ले लिए; सरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना काहिये वा, कियाने में सविधा वी लिए:

बतः भव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण को गी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) भिश्रीन, निम्नानिकित व्यक्तियों, वर्षात्:—— डाक्टर प्रकाश एस० गेट्टी, रिप्रेजेंड बाई श्री के० सेरजीतमा शेट्टि, एडजोकेट, कोडियलबैल, मंगलूर-3, (बि० 4, स्टाफ क्यार्टर्ग एस० जे० एस० मी० केप्स्पस ,बेंगलुर) (अन्तरक)

2. श्रीं एम० रामाचन्द्रा भट्ट, मितबारे आफ कैरनानः चिलेज, कुरयाड पतस्ट, बन्टबाल तालुक ,एम० के० (श्रन्तरितीं)

को मह त्यना बारी करके प्रॉक्त सम्परित के बर्बन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनद् संपरित के अर्थन के संबंध में कोई' भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की भविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय, अधाहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए का सकतें।

स्वाकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वो सक्त किंकि नियम के बृष्याय 20 का में परिभाषित है, वह विकास के बृष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1371/84, ता० 3-12-84) सम्पत्ति है जिसका सं० श्रार० ए.स० 469, टी० ए.स० नं० 308-2 सी-1, जो कोडियलबैल विलेश, मंगलूर तालुक में स्थित है।

> आग्० शान्द्वःज सक्षम प्राधिकारी सहायः अध्यः आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 2--7--19**85**

प्रस्य बार्च .टी .पुन .पुस . -------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक गायकर जायका (निद्धीकन) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनॉक 16 जुलाई 1985

निदेश सं० 41371/84-85--श्रतः मुझे, श्रार० भारताज,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित राजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकीं सं० 41 है, तथा जो अञ्चन रोड़, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षिशारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिजित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षींन, तारीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तर्ण निवित में बादरितिक रूप से किया नहीं किया गया है।

- (क) बन्दरण वे हुई किती जान की बावत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर योगे की अन्दरक के व्यक्तिय में कृती करूने वा उत्तर बच्चने में सुविधा के जिए; अडि/वा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी भन वा अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर मुभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर मिभिनियम, या भनकर मिभिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ सन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया साम जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण ^, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) क अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री दुरदाना नायर, "चित्रकूट" डिफेंस सर्वीसेस स्टाफ कालेज, वेलिन्गटन।
 - (भ्रन्तरक)
- मेसर्स स्प्रिन्ग बोरवेस्त कंपनी प्राइवेट लिमिटेड,
 के० जी० रोड़, बेगलूर-1।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्जन के अम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🥕

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंख शें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा एकए जा सकार।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा जवा हैं।

THE

वस्तावेज मं० 2651/84, ता० 7-12-84) सम सम्पत्ति हैं जिसकी मं० 41 में $^1/8$ भाग जो कब्बन रोड़, बेंगलूर सें स्थित हैं।

आर० मारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 16-7-1985

प्रकल कार्यं .टी .एन .५स . ------

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न(1) के बधीन सुखना

ं भाउत सङ्कार

कार्यासय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, विनांक 16 जुलाई 1985 निवेण सं० नोटिश नं० 41372/84-85—श्रतः मुझे, भार० भारदाज,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त सभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 2'6'9-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं० 41 है, तथा जो कब्बन रोड़, बेंगलूर में स्थित है, (और इनसे उपाबद्ध अतुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री हर्ती भ्रविज्ञारी के कार्यालय, णिवाजी नगर में रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 व्या 16) के भ्रानिन, तरीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित्त बाजार मृत्य से कम के द्यथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मृल्य, उसके द्रव्यान प्रतिफल के एसे द्रव्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए देव भावा गुमा प्रतिफल, विश्विधिषठ उद्वेष्ट्य से उस्त क्यारण भिषित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी आय की वाबत, उक्त अधिनयम के बधीन कर देने के अन्तरक के वाशित्व में कमीं करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (क) ऐसी किसी बांग या किसी वन या जन्य बास्तिकों को जिन्हें भारतीय नामकर निर्मियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सदिती कुनार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अन, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन, निश्मीसीयद व्यक्तियों, नर्यात् क्रे- श्री बरकत मासिगल, नं ग/3, "टैगर हिलस", कूनूर (तमिलनाडु)।

(श्रन्तरक)

2. मेनसं स्प्रिंग बोखेल्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड वेम्बर श्राफ कामर्स, के० जी० राड़, बगलूर। (अन्तरिती)

की यह स्थान जाड़ी करके प्रवीतत सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उन्न

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्युक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाष्ट निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 2652/84, ता० 7-12-84) मब सम्पत्ति है जिसका सं० 41, जो कब्बन रोउ बेंगलूर में स्थित है।

> ग्रार भाद्वाज सक्षम प्राधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन **रें**ज,**बें**गलूर

मारउद्धः 16-7-19**85** मोहरः

वड्रम् बाहु[®] स्रौ_ः एनः एसः,-----

ब्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाँडा 269-म (1) के मुपीन ब्रुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकार वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेड. बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाँ । 16 जुलाई 1985

निदेश मं० नोष्टिन नं० 45373/84-85--म्रतः मुझे म्रार० भाग्द्वाज,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंग जिलकी संव 41 है, तथा जो बब्बन रोड़, बंगलूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रानुसूर्वी में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती प्रतिमार्गी के मार्थीलया जिवाजी नगर में रिक्स्ट्रीकरण प्रक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, तारीख 7~12~1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल् स, एसं दश्यमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए त्य पाया ग्वा प्रतिफल् निम्नति चित् उद्विष्य से उक्त अन्तरक मिनित् से बास्तविक रूप से किश्यों नहीं किया प्रशिक्त है

- (क) नन्तरण वं हुई जिल्ली बाय की बारत, अक्क श्रीपनियम के बसीय केंद्र दोने के बन्तरक के बादित्व में कभी करने वा उत्तवे नवने में बृतिशा के शिद्र; क्रांड/वा
- (ण) एसी किसी नाथ या किसी भन या उत्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, क्ष्णियन में सुविधा भी किया

बतः वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण थी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपनाण (1) वे वधीन, निम्निविश्व व्यक्तिवां, वधित्य— श्रीमति गंशाला कुरुम्बस्या नं० 41, कब्बन रोड़ बेंगल्या।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्म स्प्रिंग बोरवेल्स कंपर्नः प्राइवेट लिमिटेड, चम्बर श्राफ कामर्स बिल्डिंग, के० जी० रोड़, बेंगलूर।

(ग्रन्तरिर्तः)

की यह सूचना जारीं करके वृशेषस् सम्पृतित् के वर्जन् के लिए कार्यवादियां करता हूं।

दश्य सुम्बर्टित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाओंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पढ़ स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य स्पक्तियों में से किसी स्विधत बुवारा;
- (क) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपरित में हित-बद्द्ध किसी जन्म स्पन्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी बे पास निवित में किस वा सकेंगे।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विश्वनिषय के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहार कर्य होगा, जी उस अध्याय में दिया वका हैं ॥

प्रनुसूची

दस्तावेज सं० 2653/84-85, ता० 7-12-84) सब सम्पत्ति है जिनकी सं० 41 में 1/3 भाग जी कब्बन रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

> आरं भारद्वाज स्यम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 16-7-1985

मरूप नाइ ै, दी. एन. एत. व त त तत्त्र

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वभीन सुवना

भारत सहकार

कार्यासन्, सहायक आयकर नायुक्त (निडिक्सण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

वेंगलूर, दिनाँक 16 जुलाई 1985

निवेश सं० नोटिय नं० 45374/84~85---श्रतः मुझै, ग्रारं० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित्त, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० 41 है, तथा जो कब्बन रोड़, बेंगलूर में स्थित है (और इतने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विगत है), रिकस्ट्री इर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर से रिजस्ट्री इरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रिधीन, तारीख 7~12~1984

को प्रवेशिक्त सपित के उभित बाजार मृत्य सं कम के त्थ्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाय की बावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य भ कभी करने या उक्क बजने में हुश्यिमा के विद्युक्त अपूर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जियाने के सूरिका के जिए;

शतः अव, उक्त व्यविनियम की भारा 269-ग की जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के बधीन, निम्नविचित व्यक्तिवाँ, श्रृण्यि क्र--- 1. श्रींमती तेहिमाना भारकर, नं० 41, कब्बन रोड़, बेंगलर।

(भ्रन्तरक)

 मेसर्स स्त्रिग बोरबेल्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, चेम्बूर ग्राफ कामर्स बिल्डिंग, के० जी० रोड, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के शर्जन के संबंध में कोई भी बार्क्ष ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास मिसित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकर्ण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

रत्र्तो

दस्मावेज सं० 2654/84-85, ता० 7-12-84) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 41 में 1/3 भाग जो कब्धन रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

> ग्रार भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सेहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∎ बेंगलूर

2ारीख: 16-7-1985

आरूप आईं.टी.एन.एस.

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई, 1985

निर्देश मं० नोटिस नं० 45479/84-85--श्रन: मुझे श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव 453 है तथा जो एचव एव एलव III स्टेज बेंगलूर में स्थित है (और इतसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में शिवाजी नगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 7→12→84

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उकन अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; आर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों., मीं, उक्ष्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री एसंव डी० गर्जेन्द्रा राघ, 1040, 5 ब्लाक राजाजी नगर, बेंगलूर

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री एम० सन्दामरे नं० 50, एन० पी० लेन, काटनपेट, बेंगनूर-560053

(श्रन्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दम्तावेज मं० 2638/84-85 तारीख 7-12-84)। सब सम्पात है जिसकी मं० 453, जो एच० ए० एल० 3 स्टेज, बेंग्लूर में स्थित है।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्र¦धिकारी सहाय≭ भ्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 12**-7-198**5

साहर 🙏

प्ररूप जाई .टी. एन. एस . -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 12 जुलाई, 1985

निदेश सं० नोटिय नं० 46227/84~85—श्रतः मुझे, स्रार० भारदाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिनकी सं० 885 है, तथा जो एच० ए० एल० II, स्टेज इंदिरानगर, बेंगलैर-38 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकत्ता प्राधिकारी के कार्यालय में शिवा नगर रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधींन, तारीख 3-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्के ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे जतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिली जान की बावत , उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जाँडा/या
- (या) एसी किसी आध या किसी धन वा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के जिए:

कतः कत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एमं० श्रार० रंगस्वामी,
नं० 885, 11 मॅन,
एच० ए० एल० 11 स्टेंज, इंदिरानगर,
बेंगलूर-38

(प्रन्तरकः)

(2) श्री जो इक स्टानिसलास, श्रीमती फ्लारम्मा स्टानिसलास, नं० 656, 100 फोट रोड़, इंदिरानगर, बेंग्लूर-38

(श्रन्तरिती)

का अह सूचना बारी करके पृथींकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओव :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 6.5 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की सर्वाध, थो भी नवधि बाद में समान्त होती हो, से भीतर प्रवेषित व्यक्तिस्त्रों में किसी स्थानित स्वाराध
- (व) हव बुगमा ने राज्यम में प्रकारण की वार्यां से 45 वित्र में बीवर क्याद स्थादर कम्मरिए में हित्यहुप क्रिकी क्ष्म महिन्द हुमारा मुगोहरतासक्की के गाव विद्यार में सिक्ष का स्कोने ?

स्थानिकरणः--इतने प्रमुक्त बन्धे नीर पर्धे का, जो उनस् नीधनियम के नध्याय 20-क में परिशादित हैं... नहीं नुर्व होना थो उस नध्यान में दिया नवा है।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 3555/84-185 ता० 3-12-184) मब सम्पत्ति हैं जिपका सं० 885 जी एव० ए० एल० II स्टेज, इंदिशनगर, बेंगलूऽ-38 में स्थित हैं।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीख: 15-7--85

्रद्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जुलाई, 1905

निर्देश सं० नोटिस नं० 46215/84-85--- झतः मुझे, झार० भारताज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विषक्ष उनित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 593 है, तथा जो 2 फेर सास्क्री लेऔट बेंगल्र सीत तालू: में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूची में और पूर्ण हम से हिएत हैं), रजिस्ट्रीकर्चा प्राधिकारी के कार्यालय में बैंगलूर सीत तालुह रिजस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन, तारीस 13-12-84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के कश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मृक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि मधापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अतरक (अतरका) और अवरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल किल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त **बीभनियम के अधीन कर दोने के असुरक कै दामित्य में कमी करने** या उसके बचन में सुविधा के निए; और/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार 'आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1977 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती देशरा प्रकट नहा किया गया था किया जाना चाहिए था, ख्रियान हो सविधा ख्री किया:

(:) श्री जीं० नारायण मूर्ति, नं० 526, 3 का∴ 2 व्हाः, बनशंकरि 1 स्टेंज, बेंगलूर-50

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सक्कू बाई, वैक/श्राफ के० धामोदा, न० 1021, 27 ए० मैन, IX ब्लाझ, जरभगर, बंगलूर-2

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र का पत्राशन की तारीस से 45 दिन की क्यांग कि एक का अवधि, जो भी सूचना की तामील से 20 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद के सामद कारी हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर लका स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य क्योतन द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए अर सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त धटा और पर का, आ उन्हां अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में दिया गरा है।

वन्स्ची

(दस्तावेज सं० 5690 /84-85 ता० 13-12-84)। संब सम्पत्ति है जिन ः। सं० 593 जा 2 फेंस, सारऋशी नेऔट बेंगलूर सोत तालूक में स्थित है।

> श्चार० शारद्वाज सङ्ग प्राविारी **स**्ययक स्रायकर स्नायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, वेंगलूर

तारीख: 15-7-85

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 जुलाई, 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 45366/84-85--श्रतः मुझे, श्राप्त्र भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्लास करने का कारण है कि स्थादर सम्परित, जिसका उचित भाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है, तथा जो अलघर रोड़, बेंगलूर में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर

को पूर्णिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दश्यमान प्रतिफल से, एग्ने दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में आस्तिविक रूप से किश्त नहीं किया गया है

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, सकल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन वा अस्य कारितवाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वह धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा ना या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा है सिक्ट

ातः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण क्षेत्र, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधिम ्रिकेटियिस व्यक्तियम, सर्थात् :--- (1) श्रीमती रेजा ह्यातलबुभार और दूसरे लोग 3051, 8 ए० मैंन रेड़, राजमहल विलास एक्सटेंगर, बेंगलूप

(ऋस्तरस्)

(2) श्री बी० एस० स्राचिकाला 23, क्रमा क्रम्साः क्रांति रोह, वेंगल्र-42

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पित्तः के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना कं राजपत्र म प्रकाशन का ताराल म 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्याप्ततथा ५६ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भा अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी स्व पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

पष्टीकरण:—इसमी अयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गम्भ हैं॥

अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 2755/84-85 ता० दिसम्बर 84)। सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 11 जो अलसूर रोड बेंगलूर में स्थित है।

> भार० भारडाज सक्षम प्राधिकारी सहारक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्णन रेंज, बेंगलूर

तारीख: **1**6⊶7**∽85**

बोहर ३

प्ररूप आहु .टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज बंगल्य

बंगलूर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश मं० 955/85-86-- म्रतः जुमे, म्रार० भारद्वाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भीर जिसका संव ष्लाट नंव 7 है तथा जो मरगांव गोवा में स्थित है (श्रीर इसमें एकबढ़ श्रम्पूच में श्रीर पूर्ण का से विणत है) राजिस्ट्रा श्री श्रीश्चारा के ायांला सालितहगांवा में रिजिस्ट्रा लग्ण श्रीश्चिममा 1908 (1908 ला 16) के श्रीशीम दिनांक 7-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक्रियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाक्क

- 1. (1) श्रा भ्रमुन हा टेमीडीरीये सरकीतो फल डिज भ्रमल:यास ए० ट!० एस० फर्नाडिस ।
 - (2) श्रीमिति ईफोथोनायो बाईको फ़र्नांडिस ग्रार०/ग्रो० वेलाम पा० यू० होल्डर श्री यस्कोलस्टाको मजरेलो ।
 - (3) नैसर्स मजारलोत येहरप्राइजन, वेलीम नलकेह गोवा।

(श्रन्तर ह)

2, (1) ईनसंडियो जाकीब फ़र्नांडिस ।

(2) जेवो कात्सिःकाश्रो फ़र्नांडिस भोगल हेर श्रीः जेवो लारेन्का फर्नांडिस श्रार०ग्रो० सर्वविलाम,मालकेट गोवा ।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बनुस्यो

दस्सावेज सं० 2742 ता० 7-12-84)

एे० प्लाट का नाम है मायफेर प्रपार्टमेंट और इस पा नं० 7 है। ए संपत्ति मरगांव में स्थित है। इस का क्षेत्र 91.20 स्केर मोटस।

> आर० भारढाज, सक्षम प्राधिकारीः, सहायक स्रायकर घ्रायुक्त (निरक्षिण), मर्जन रोज, बंगसूर

दिनांक : 10-7-1985

प्ररूप बाई ् टी ु एन ु एस ु-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर,दिनों: 30 जुलाई 1985_।

्र निर्देश सं० 1075/डोडबल्य०ग्रार०/84न85—ग्रतः भुझे, त्रार० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख कें अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० एव० नं० 75-पुराना (इंडिं) नया 8-1335 है तथा जो नेहरू गंज गुलवर्गा में स्थित है (ग्रीर इससे उगाबद्ध ग्रनुसूत्रः में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रार्ट्श प्रियिक्त ग्रिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्त ग्रिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्ट्रिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्ट्रिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्ट्रिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्ट्रिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्ट्रिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्ट्रिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्ट्रिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्ट्रिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्ट्रिक्ट्रार्ट्श प्रियिक्ट्रिक्ट्

भागे प्रवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास भारन का कारण है कि यथाप्यांक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूल्य, उसक दश्यमान यितफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ों अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिखित उद्धं में उक्त अन्तरण निखित में बास्तिबक भूभ स किथन नहीं किया गया है :—

- (क) बंधरण से हुइ किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ऑर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तिया का, जिन्हों भागवीय आयकार आधीन क्या (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा क लिए;

ब्रुतः बन्, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसुरक कि बन्ध उक्त विधिनियम की धारा 266 व की उपभाग (1) बिधीन्, निम्निसिंदिट व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री मुहस्मद ग्राक्ष्मर खान पुत्र श्री एस० खान, ग्रार/ग्री सुनासपुरा गुलवर्गा।

(म्रतरक्)

(2) श्रीमिति लक्षनी बाई पत्नि मनिकपा बावार्जी, नं∘ै 7-5-285 ग्रस फ गन्ज, गुलवर्गा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2309/84-85 दिनां रू 20-12-1984) सं० 7-5-28 (गोडीन) जिसका नाप है । (प्लाट एरिया 1510 वर्ग फिट+प्लिन्त एरिया 1510 वर्ग फिट) नेहरू गंज, गुलंबगी।

> स्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारो संभयक स्रायकर स्रायुक्त निरोक्षण), स्रजन रोंज, बंगलूर

दिनांक 30-7-1985 मोहर : प्ररूप कार्धाः टी. एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर बंगलून, दिनोज 30 जुलाई 1985

निर्देश सं० 1051/ङाडबल्यूप्राप/84-85/एस:क्यू बः-ग्रतः, मुझे ग्राप्य भाग्द्वाज,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कृतक पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा ≥69-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी में 0 15/190 है तथा जो नेहण कालीती होसपेट में विधन है (ग्रार इसन उपाबड़ ग्रनुसूच) में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञा है) अजिस्ट्राकर्ता के तार्यालय होसपेट में रिक्स्ट्राकरण ग्रीशिनियम 1968 (1908 का 16) के ग्राधीन 1208/84-85 दिनीक 11-12-1984

का पूर्वितित सम्मित्ति के उभित्त बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकल में अगध्य है और अनरक (अतरका) और अतरित्री पर्तिकली के भीच एस अन्तर्ण के सिए तय पाया गण प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बण्याक्त क्य स कियत नहीं किया यया है

- (क) अन्तरण व हुई किसी नाम की नामदः, जन्म अधिनियम के अधीन कर दोन क अन्तरक के शायल में कमी करने वा अवृद्धे वथने में बुनिधा के निए; बौद्ध/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नृही किया एया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सिक्या के निए;

बा: बब, अक्त विधिनियम की धारा 269-य के बनुसरण वे. वे. उक्त विधिनियम की धारा 269-य को उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्राट ७०० केरि गुरुनाथ (1व, IV कारा, जयनगर बेरिलोर ।

(अन्दरङ्)

(2) श्री डा० एतिय भट, विपरीत एउ० श्रार्थ जा० श्राङ्क इंड्रिया, श्राफ़ित नेहरू कालीना, होसीट 583201 ।

(प्रकृतिस्ति)

को यह स्थना जारी करके पृथाकत सम्परित के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के नजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकारन की टारीन से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यांक्तयों पर सूचना की तामील ए 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में भक्षा होती हों, के भीतर प्रवासन स्वित्यों में से फिसी व्यक्ति हुई। रह
- (का) इस मूचला के राजपण वा क्रकायन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उद्या स्थावर सम्पत्ति माँ हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकात माँ किये दा सक्ति।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त पन्दों और पर्दों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अधं होगा जा खड़ अध्याय म दिया गया हैं।

अनुस्ची

(इस्तरिज मे० 1208/81--85 ता० 11-12-84)।

ग्राप्तः संहर्त्त सकात जिल्ला जाप 1200 वर्ग फिट है। जिल के साथ की जमेंटा जिल्ला नाप है 4775 वर्ग फिट है ग्रीप जिल्हा तंर 15/190, नेहरू कालोनी, होसपेट ।

> श्चार० भारदाज सक्षम प्राप्ति हारी, पड़ा हिस्सान हर श्रायुक्त (निरक्षिण), श्रर्जन रेंज, वंगलूर

दिनांक : 30-7-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आनश्रत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

अर्पालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रानंत रेज, बंगलूर वंगलोर, दिनांत 30 जुलाई 1985 निर्देश मं० 1115/84 85—स्रातः मुझे, स्रार० भारद्वाज, शायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके पत्रवाद 'उकर अधिनियम' कहा गया हैं), कौ धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि न्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं स्रीर जिन्नकः सं० 44194 हैं तथा जो मिरान्डा रोड मार-गोवागोवा में स्थित हैं (स्रीर इसन उनावद्ध स्रनुसूबः में स्रीर पूर्ण कर्यात विश्वत हैं) रजिस्हा जो स्रिधारी के कार्यालय सालाव भोता में राजरहाराण स्रिधिनयम 1908 (1908 दन

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसं दृश्यमान प्रतिफल के पन्दृह प्रतिश्वाद से अधिक है आर अंतरिक (अंतरितियो) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखिछ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

16) के अबान दिनाए 6-12-1984

- (क) अन्तरण से झुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मो कमी करने या उससे अचने मो सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी काय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरण्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्तारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्रः श्रमुन प्रतो दियाडोरियो सर्राफ़नो, फरतंद्रेस श्रीलियान ए० द्वा० एस० फरनान्डोस श्रार श्रीमति एफिफेनिया यूरिइस फरनांडेंन ग्रार मैंदर्भ मजारेलोद लंडरवैसस मारगोत्रा । (अन्तरह)
- (2) मीसं. याप प्याट नं वटा 5, मेफ़ीर अवाटेमेटस मारगोवा गावा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचनः जारी करके पूर्योक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियाँ मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हिन्द किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पध्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

(दस्तात्रेज सं० 2732/84-85 दिनांग 6-12-1984) प्राट नं० टा० 5, जो III फ्लोर मेर्केर ब्राएटेमेंटस मिरान्डा रोड मार्थावा, गोवा में स्थित है।

स्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधि हार्रः, सहाय रु स्राय रुर स्रायुक्त (निराक्षण), श्रजीत रेंग, बंगलूर

कतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जन्सरण मों. को अला अभिनयम की धारा २००-छ की उपभारा (1) को अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :---

दिनोंक: 30-7-1985

प्रस्प मार्च.टी.एम.एस.-----

्मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्चना

भारत बरकान

कार्यासय, सहायक वायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बंगलूर, दिनांक 30 जून 1985

निर्देश सं० नोटिम नं० 1124/84-85--अतः मुझे, श्रार० भारक्षाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इलमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अगरण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं० 22042 है, तथा जो भिनेरने विलेज बायडेज में स्थित है (और इसरे उदाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री प्रति श्रविहारी के दार्यात्य इलहास गोबः में, रजिस्ट्रीहरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीष्ट 10-12-1984

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए। अन्तरित की गई है और मुभ्हें यह विक्वास करने का कारण है कि यथापत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार म्न्य, इसके दरम्यान प्रतिकत से, एसे स्थ्यमान प्रतिकत का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) आरि अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित <mark>उद्देश्य से उक्त अन्तरण</mark> जिखित में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्ह मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक अ दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बौर्/का
 - (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने . में हविवाके लिए

भतः अब, उरु त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, जनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यज्जितयाँ अर्थातु ;---

rando de la compansa (1) श्री बनार्दाः मन्येण देवार वकाल्युटार और श्रीमती मीताक्षी जे० देशय ्यागुष्ट चेलाव तिवदार्वीच, इस्हास, गोबा ।

(श्रन्तर ∷)

(2) मैं से नामत और कामत अन्स्ट्रामन कंपनी, बी०-2; जुन्टा क्वाप्टरस् अलन्यारस्विमा, माफसा बारडेक गोदा ।

(अन्तरिती)

क्यों बाह सूचना बारी करके प्यॉनिस सम्पत्ति के वर्णन के जिस कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त करपरित को कार्यन के सम्बन्ध को अलोको भी आक्रोप :---

- (क) इस सुचरा के राजपत्र में तकाशन की तारींख सं 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियां पर सचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियां नं में किसी व्यक्ति दवाराः
- (भा) इस मुल्या की राजपत्र में प्रवायन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपनि में हित्सवुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहभ्ताक्षरी क अस लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्टीकरण:---इसम गयकन शब्दों और पदी हा, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय य दिया गया है।

ग्रानुची

(दम्तावेज मं o 964/204/8 4-85 ता o 10-12-1984) सद सम्पत्ति है जो "प्रडियो डी० प्रफरामेन्टो ओइटरल डिनोमीनाडो साम से परिचित है जो पिलरेने विलेश बारडेश, इसहाय गोका में स्थित है।

> श्रीरं० साम्ब्राज, सक्षम प्रधि ।री, सहायक अस्यः र आयुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रह, बंगलूर

दिनांतः: 30-6-1985

्रारूप आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रकृत रेंज बंगलूए बंगलूर, दिशांग 30 जुलाई 1985 निर्देश सं० 1119/84-85---श्रदः मुझे, आए० भारद्वाच,

ंग्गुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िसे इसचे पश्चात् 'कित अधिनियन' कहा गण हैं), की धारा 269-ख के अधीत साप्त प्राधिकारी जो, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर राजि जिसका का प्राप्त का कारण हैं कि

1,00,100/- ড. া গ্ৰেষ্ট

और विक्रिक्त संव एउ । है घरा है। स्वाह्य गंवा में स्थित है (और इससे उपावा राष्ट्रकों से को। वर्ण रूप में विणि है), रिवार्ट्रकों अधिकरा है अर्थाक गंवा में रिवस्ट्रीका ग्राधिविषय 1908 (1908 के 16) के प्रधीत दिसंक 14-12-1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति को उचित जाकार मूना से कम के उद्यासन प्रतिफल को लिए अंदिया को पद्दी हो आर दाने यह । प्रकास करने का कारण है कि उप्याप्तिक संदेशिया को विवा वाजार मूल्य, उसके दश्यमा विकास को अने प्रकास के प्रकार की एक अर प्रकार की एक अर प्रकार की किया का प्रकार की किया की किया का प्रकार की किया के निर्माण की किया की किया का प्रतिकल किम्मलिरित रह्यों से उद्योग प्रकार हो :---

- (क) अंतरण से हाई किसी आस की बायत, उक्त अधिनियम प्रदेश कर राग के शाहक के लिस्ट्ट में कमी करते या उससे यक्ते में र्विया के लिए: म औद्र∕या
- (ध) एसी किया आर या दिस्सी धन या अस्य आरि।यों की, जिए आरपीय आरकर प्रिक्तिस, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिक्तिस, या धनकर अधिकेदस, या धनकर अधिकेदस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिया क लिए,

अतः बंद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री असुनसावो डियोडोस्यो से प्रिक्ते। फरनॉन्डिज और उनकी पत्ति श्रीमति एफिपेनिया युष्डिंक फर्रान्डिस, उनके प्रतिनिधि एवं कोजा टिक मजा-रेल्लो और
- (2) मेसर्स मजारेल्लोस एंटरप्राईसेस, मरगोवस (अन्तरक) श्रीमति एनिड पेडिन्हा डाकोसटा वेलिम, तोले-हान्टो, सलसैंहे, गोधा । (अन्तरिती)

को तह सूचना जारी करके पूर्वीक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त विकरों में से किसी क्यक्ति दुशारा;
- (ह) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीर से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हित- यद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगी।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त ककों और पदों का, जो उक्ष जिस्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ हागा जो उस वस्थाय मा दिया गया है।

अनुसूची

(इस्त वेड सं० 2743/84 दिनाः 14-12-84) सम्पत्ति है जिस्ता प्लाट नं० एफ-1, जो "मेफीर स्नार्टमेंटस", मरगावा, गोवा, में स्थित है ।

स्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सह।यत्र श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बगलूर

दिनाक 30-7-1984 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस .-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सभीन स्चना

भारत सरकार कार्यांजय, सहावक मानकार आवृक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज , बंगलूर बंगलूर, दिनांकः 30 जुलाई 1985 निर्देश सं० 1122/84-85---भ्रतः मुझे, भ्रार० भार-

नाथकर अभिनियम, 1-361 (1961 का 43) (जिसे ध्यानी इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' श्रहा गया हैं), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस 350 है तथा जो रिया विलेज में मनोरा सालसेट तालुका, गोवा डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रींकर्ता अधिकारी के आर्यालय सालसेट गोवा में रिजिस्ट्रींकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-12-1984

को प्वांक्त सम्मिति को उचित बाजार मूल के कम को स्वयं मान प्रतिक्षण को सिए जंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वात करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मम्य इतके स्वयं मान प्रतिक्षण को, एसे स्वयं मान प्रतिक्षण का वस्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जन्तरक (जंतरकों) और अंतरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए स्व वाबा चया प्रतिक्षण, निम्नितिस्त उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अध से कांचित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम की वधीन कर दोने की बन्तरक को विभिन्न में कभी करने वा उत्तरे क्का में सुविधा के सिए; बर्ट/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या बन्य बास्तियों का जिन्हें भारतीय जायकर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जबा था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में तृतिधा चे किए।

कद: वच, उक्त निभिनियम का भारा 269-ग के अनुकर्ष में, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत. निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री टिटो फिलोमेनो ओरेलियो डापिया डैंड ग्रान्ड्रेंहण ई मेनिजिज या टिटो फिलोयेनो जोस डिलिपे मेनिजेज ग्रालियास टिटो मेनिजज और उसकी पह्नि श्रीमति एजिलडा मेरिया मलाकना मेनिजिज जो लंडन में रहते हैं।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स कारपे रियल एस्टेटस, नारपे हौस इसिखरो बापटिस्टा रोड, मारगोवा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्ववाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के प्राथपन में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की जनिथ या तत्संत्रभी अधिकतयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यागः;
- (ज) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उनस स्थावर सम्मित में हितनव्य किसी मृत्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के वास सिचित में किए जा सकोंने।

न्त्यून्

(वस्तावेज सं० 2810/84-85 विनां क 29-12-84) सम्पत्ति है जो 'ढं । नके लिकेम भाट या उरेल'' नाम से जपरिचित है और उसका नापा दं० 319 0 स्केवर मञ्डरस है जो रिया विलेज में मनीरा, सालसेट तालूका, गोवा डिस्ट्रिक्ट में स्थित है ।

> श्चार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रोज, बंगलूर

दिनांक : 30-7-1985 मोहर क्षे प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्देण सं० 1104/ डक्कलू आर/84-85/एमक्स्यू बी----भ्रानः मझ आरं० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम.' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिल्ली सं क्षार एस । 196/1, 196/2 है तथा जो हिन्दलग, बेलगांव में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनु-सूचों में और पूर्ण रूप से बंगित है), के िए रिजिस्ट्री-तो अधिकारी वादायलिय बेलगांव में रिजिस्ट्री-रण अधितियम 1908 1908 ा 16) के अधीन दितांव 3350/84-85 दिनांक 20-12-84

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एें स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः उत्त , उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निस्तिकत व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री जीवन बी० वृत्तः गीं, श्री श्रशोः श्री विसास कोल्लापुर बेलगांव ।

(भ्रन्तरक)

(2) चेयरमैन, समर्थ कोन्धापरेटिव हाउसिंग सोस्रायटी, हिन्डलग गांव, बेलगांव ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रय्वतः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

(दस्तावेज सं० 3350/84-85 दिनांस 20-12-84) सम्पत्ति जिसका सं० श्रार० एस० नं० 196/1, 196/2 जो हिन्डलग, बेलगांव में स्थित हैं।

> म्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधि⊤ारी, सहायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 30-7-1984 **ेहर**ः

प्रकृप बाई . टी . एन . एस . -----

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन तुम्ता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आय्कर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बंगलूर

बंगल्र दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्देश सं० 1130/84-85--भ्रतः मुझे श्रार० भारताज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० ण्याट नं० 2(6सी) है तथा जो सेट मेरोस जालोनी गासपर दिवान, मिरोमर, पनजी, गोवा में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ती के वार्यालय गोवा में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 T 16) के अधीन दिनांक 21-12-84

की पूर्वीकर संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शर्यमान जितफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित संबंदिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिमियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिमों, वर्षात् हि— (1) श्री जोसे मिनिनो जीसन श्रुक्वेद और श्रीमिति मरिया ल्यूजा कोसटा श्रुक्वेयर, सरनाबाटिन, सलसेटै, गोवा ।

(अन्रक)

(2) मरै श्रान्टयो, न्यूबम, सलसेट्टै गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पर्वत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थान को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस तृषका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृषका की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीकं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिका है, बंही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

(दस्तावेज सं० 1006/211/84-85 दिनांक 21-12-84) सम्पत्ति है जिसका सं० प्लाट नं० 2 (सीं 6), जो सेट मेरींस कालोनी, गासपर जेबास, मिरामर, पनजि, गोषा, में स्थित है।

न्नारं० भारताज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 30-7-1985 मोहर:

ंश्रक्त वार्डे .की .**एन .ए**क _!------

भागकर जांधनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) की अधीन सूचना

ब्रारक बरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगरलू, विनांक 30 जुलाई 1985

निर्देश सं० 1116/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारन है कि स्थावर तंपरित जिल्ला उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० एफ 9, नया सं० एफ 2 है तथा जो 1 फ्लोर, मेफेर अपारटमेंटस ब्लाक ए मरगीवा गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-12-1984

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की पर्द हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण हैं कि वथापूर्वोच्छ सम्पत्ति का स्वित्त वाकार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिफल से स्वे दश्यमान प्रतिफल का पत्तह प्रतिखत से अधिक हैं बार बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के निए तब पाना पदा प्रतिफल, निम्नतियित सब्देस्य से उच्त अन्तरम जिल्कि में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया की शिवए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) (1) श्री ए० टी० एस० फरनांडेस, श्रीमती एफिफानिय युरिडेंके फरनांडेस, उनके प्रतिनिधि श्री एसको लासटिको मरारेलो श्रौर मेसर्स मरारेलोस एंटर-पैसेस, बेला बिस्टा, अपारटमेंटस, मरोवा, सलसेट्टें।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जोविटा कोलार्का वेलिम सलसेट्टे। (अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

प्रकृत सम्मतित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बासेप:---

- (क) इस स्वाना के राज्यत में प्रकाशन की सारीज से 45 दिन की श्रवित या तत्सम्बन्धी व्यक्ति में पर सूचना की रामील से 30 दिन की श्रवित जो के अवित में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वित व्यक्ति में से विसी स्ववित दारा ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किये वा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और धर्वों का, को जन्द जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बाही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 2741/74-85 दि 6-12-84) । सम्पति है जिसका प्लाट नं०एफ 9, नया सं० एफ० 2 फस्ट फ्लोर, मेफेर अपारटमैंटस, ब्लाक एक मरगोवा, गोवा, में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 30-7-1985

प्रक्म बाइ.टी.एन.एस. -----

आयंकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

नारत दरकाड

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिवांक 30 जुलाई 1985

निर्वेश सं० 11/29/84-85--अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

नायकर निर्मानयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नधीन सक्तम प्राधिकारी का यह विश्वाध करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उजित वाजार मृत्यू 1,00,000/- रु. से निश्वक है

भीर जिसकी सं० 628 (प्लाट 2) है, तथा जो इसहास पनिज, गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, गोवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पत्नुह प्रतिक्षत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकार्ने) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के मिए तथु पाया गया अर्तिफस, निम्नसिवित उन्नेक्यों से उनके अन्तरण किवित बें बास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त सभिनियम् के बभीन कर दोने के अन्तरक के बारियल में कमी करने या उसने वचने में सुविधा के सिए; और√या
- (च) एसे किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिल्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिभा के लिए;

बत्त बन्न, उक्त जिथिनियम की भारा 269-न के बनुसर्ज में, में, शक्त जिथिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिबित स्पक्तियों, जर्भात् ह—

- (1) श्रीमती विसाल एम० एस० तलीलिकर
 - 2. उषा वित्ताल सिनै तलौलिकर,
 - 3. डाक्टर प्रामीद एम० एस० तलौलिकर,
 - 4. प्रवासिनि प्रामोद एस० तलौलिकर,
 - 5. प्रदीप एम० एस० तलौलिकर श्रौर,
 - 6. अमिता प्रवीप एम० तलौलिकर, हीरा महल, पनिज, गोवा--1

(अन्तरक)

(2) मैसर्स प्रदीप को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, तमबाडि मारुति, तलैगोवा, गोवा

(अन्तरिती)

का यह स्थान जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वमा के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी रणिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बृद्धाः;
- (क) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अभोइस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, जहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विसा गया है।

वयस्यी

(दस्तावेज सं० 1000/84 ता० 29-12-84) । सम्पत्ति है जिसका प्लाट नं० 2, जो "प्रवीप बिल्डिग" इलहास, गोवा में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंग्लूर

तारीख: 30-7-85

मोहर ः

वक्य बाहे. टी. एत्, एच्.्ड ड - -- ड 💌

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्देश सं० नोटिस नं 0 1101/84-85--अन : मुझी, आर० भारद्वाज,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० 28 (एस नं०) है, तथा जो विलेज भान तालूक संग्वेम में गोवा स्थित है (म्रीण इससे उपाबद अनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप रो वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संग्वेम, गोवा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-12-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मून्य सं कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तम पाता ब्वा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथ्स नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के विष्णु और√वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनयम, या धन-एर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ

स्त: भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, सुर्धात क्र-- (1) श्रीमती मेरिया हैला कित डी० आंब्रेड श्री जीत प्रेड्रो सियटनो मेरून डी आंब्रेड शांतल, 2 पत्रोर, अबेद फरिया रोड्र, मारगोवा, गोवा

(अन्तर्ह)

- (2) 1. श्री शांताराम श्रीपाद प्रभु देसाय,
 - 2. श्री दताराम नारायण णेट नाखेनकर
 - 3. श्री दामियाश्री डिपागी ड कास्टा
 - 4. श्री अगनेलो गासपर पेरेंरा
 - 5. श्री श्रीकान्य सीतू भान्डारी
 - 6. श्री अपना शिवराम चिपलान्कर
 - 7. श्री तुलसीदास शिवाजी मायक
 - 3. श्री सूर्या महदेव वेलिय
 - 9. श्रीपती लक्ष्मीबाई विद्वल केलान्कर
 - 10 श्री चन्द्रकान्त लक्ष्मण भन्डारी
 - श्री भाभुराव गांवकर,
 शेलपम संग्वेम गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्सीवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तिया जो भी व्यक्तिया में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया में से किसी स्थित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पीत में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति स्थारा बधोहस्ताक्षरी के शक्क मिखित में किए वा सुकारी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपसची

(दस्तावेज सं० 227/84-85 ता० 1-12-84)। कृषि भूमि उसका नापना 2,06,725 स्केर मीटरस जिसका सं० 28 जो विलेज भात तालूक सम्वेम, गोवा में स्थित है।

> ंआर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 30-7-85

मोहद्र 🗷

प्रकृप कार्ष. टी. एन्. एसं.,------

अध्यक्तर मोभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 113/84-85--अतः मुझ, आर० भारद्वाज,

भागकर किंभानयम. 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परकाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-च थों अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

न्नीर जिसकी सं० प्लाप्ट नं० टी० 1 (पुराना टी० 12) है, तथा जो मेकेर अगर्टमेंध्स, मारगीवा गीवा में स्थित है (न्नीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में न्नीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजम्ड्रीकर्ना प्राधिकारी के कार्यालय, सालमेट गोवा में रिजम्झ्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 5-12-84

को पर्वोधत सम्पर्ति के उपित बाजार मुख्य से कम के अवसान त्रिए बन्तरित की सद्द और विषवास करने का कारण भूबोंक्त राम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और **बन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच** एमे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेषय से उक्त अन्तरण लिसिस में वास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बच्य ब्रास्तियों की. जिन्हीं भगरतीय आय-कर स्थितियम, 1922 (1922 का 11) या अवस अधितयम या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की ब्रिक्ट।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री असुनसायो टियोडोतिया सेराफिहनो फर्नाडिस डअलियास ए० टी० एस० फर्नाडिस ग्राँर, उसकी पत्नी श्रीमती एकिपेतिया युरिडैन फर्नाडिस उनके प्रतितिधि एसकोनासटिको मजाजारेजलो है ग्रीर मैनस मजारेलोस एटरप्राडिस इसके प्रतितिधि श्री एसकोनापिटको, गाप नं० 4, बेला विस्टा, मारगोवा, गोवा

(अन्तरक)

(2) श्री विविधन फ्रांसिस डकास्टा सीमेन डोले-कान्टो, वेलिम सालनेट, गोवा,

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्ध सन्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि नार मां नमाप्त होती हो, को भीतर पर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधीतरनाश्वरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसके जिशामिया, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो स्व अध्याय में दिया वया है।

अनसची

(वस्तावेज सं० 2731/84-85 ना० 5-12-8.1)। प्लाप्ट नं० टी०-1 (पुराना टी०-12), जो मेफेर अपार्टमेंट मारगीवा, गोवा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलर

दिनांक 30-7-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.पून, एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के नभीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आय्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलोर, दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्देश सं० 1111/84--85--अतः मुझे, आर० भारवाण

नायकर शिधिनियन, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके प्रचात 'जन्त निधिनियम' नहा गया हैं), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाकार मृत्य

1,00 000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 59 / 1 ए 4 1ए / 13 है तथा **फो** मप्ताए-पुर ग्राम दारवार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),

रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयंमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि दथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयंमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयंमान प्रतिफल का पंच्च प्रतिकृत से अधिका है और अन्तरक (अन्तरक्तें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेष्य से उचत अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से किथृत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की नावत, अवक अधिनित्रत्र के अधीत कर वाने के बंतरक के दावित्य में कसी करने वा बक्ते व्यवने में सुनिधा के बिए; और/वा
- (क) देवी किसी बाब वा किसी यह वा अन्य वास्तिनीं को, चिन्हें भारतीय जावक द विधिवयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने जें स्विभा के किए;

जत अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुबरण में, यो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निश्तिवित व्यक्तियों अभीत् ह---

(1) श्री महदेवा अमृतप्पा मिरजाकर, 47, मियागम करमपौड, सप्तापुर, दाखार

(अन्तरक)

(2) श्री रामदास नारायण कामत, स्टेट बैंक, **ग्रा**च मैनेजर, धारवार ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके वृजेनित सम्पत्ति के अर्चन के निए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के चचपम में प्रकाशन की तार्रीय है 45 दिन की नवींच या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी स्वीध बाद में समान्त होती हो के भीतर पूर्वोंक्स जरिक्तायों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) ह्र्य क्ष्या के रावप्त में प्रकार की शारीय वे 45 विष् कें बीवर क्या स्थायर कमरित में हित्यक्ष किसी क्षम स्थायत क्षाय, मधोइस्ताक्षरी के पाद सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वकातिकरण :---इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, जो इवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविट हैं, वहीं मर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया प्या हैं।

अमुस्ची

(दस्तावेज सं० 1240/84 दिनांक 13-12-84) सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 59/1ए/1ए/13, जो सप्ता पुर ग्राम, दारवार में स्थित है ।

> मार० भारताज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलोर

दिनांक 30-7-85

मोहर 🖫

प्ररूप **बाइं. टी. एन. एत.-----** (1) श्री श्रीकान्ता राव, राजापुर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269÷ण (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आग्वत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्देश सं॰ 1055/2685/84-85 अनः मुझे, आर० भारक्षाज,

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 फ के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० आर० एम० नं० 130/1 व 130/2 बि है तथा जो रागवेंद्रा कालोनी बेंनगेरि ग्राम, हुबलि में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 10-12-84 को पूर्वोक्त सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित करें गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसं इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया मना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप में किश्यत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; बीड़/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्यंत अधिनियम, या चनकर अधिनियम, या चनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगन्त अन्यापनी प्रधार किसा जाना चाहिए था, छिपाने मा स्विधः के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिस्ता व्यक्तयों, अर्थात् :---46—226 GI/85

- (1) श्री श्रीकान्ता राव, राजापुरोहित देशपान्डे, नगर, हवर्ता। (अन्तरक)
- (2) श्रीमांत पुमगला कोलापुर, उडिप तालुक, (एम० कः०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 विन की वर्तां या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी करण व्यक्ति ग्यास अधीत्स्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगी।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों कीर पर्दी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1055/84 ता० 10-12-84) सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० 130/1, और 130/2 बी, जो रागवेंद्रा कालोनि, बेंगेरि ग्राम, हुबलि में स्थित है ।

आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 30-7-85

मोहर 🖫

प्रस्य बाह् .टी .एव .एस . ------

जायकर खिभिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

नारक सरका

कार्शालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रोंज, बंगलोप बंगलोप, दिमांक 10 जुलाई 1985

निर्देण सं० डी० आर० 5/84—85/37ईई——अनः मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० जी-3 है तथा जी० कंडां-लीयम गोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक 5-12-84

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और सभे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार सूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पेवह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक क्र में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मी कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/था
- (क) ध्रेसी किसी आय वा किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के सिए;

बतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (१) के अभीन, दिस्तिविधत व्यक्तियों, कर्राम् :--- (1) अलकान रीयल ईस्टेटन प्रा० लिमिटेड, वेल्हो बिल्डिंग, पणजी-गोवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री अन्तोनी पीधर ग्रैमाक डीसोजा ग्रीर श्रीमती जानेष्ट डीसोजा 107, हेलेना बील्ला, क्वेरम कनघठ, ठीवीम बार्डेज, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिस की सबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० डी/56/दिसम्बर 1984 दिनांक 5-12-1984) व्लाप्ट नं० जी०-3 "अगोडा हालीडे होम्स" कन्डोलीयम-गोवा।

आर० भा**र**हाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलोर,

दिमांक: 10-7-1985

मोहर:

प्ररूप बाहां. टी. एत. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर बंगलोर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० आर० $7/84\sim85/37$ ईई—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

द्यौर जिसकी सं० शाप सं० 12 है तथा जो मरगांव में स्थित है (द्यौर इससे उपावड़ अनुसूची में द्यौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीककरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-12-84 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तः अन्तरण निश्वित में शारतिक कृप से किया नहीं किया गया है दिन

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/वा
- (क) प्रेसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन्-कर अधिनियस, या धन्-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के कथीम, निम्नलिखित व्यक्तियो, कर्मात् ।—— (1)अत्रकान रीयल ईस्टेटस प्रा० लिमिटेड, वेल्हो क्षिल्डिंग, पणजी-गोवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाण जे० रामचन्दानी, प्लाट बी/7, नावेल-कर अपार्टमेंटस, मांगोर हलि, वास्कोडी-गामा। (अन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विध् कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़े सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (का) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास मिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी०/50/विसम्बर 84 दिनांक 51-284)। शाप नं० 12, ''गार्डन वीव अपार्टमेंटस'' टेरोनो माम-गोला मरगांव-गोवा 27.19 वर्ग गज

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक **।** 10−7-1985 मोहर :

ब्र**क्ट्य बार्य**्च टी, एन. एर ------

भावकर वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से नृशीय जूनता

STATE STATES

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर बंगलीर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० छी० आर० 13/84-85/37ईई--अतः मुझे आर० भारताज

वावकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) विके इक्षे इक्षे इक्षे परकात् 'उनत अधिनियम' कहा गया ही, की भाग 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर स्प्यस्ति, विश्वका उचित् वाधार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं ० व्लाष्ट नं ० ए 4 है, तथा जो कंडोलीयम, गीवा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलीर में रिजस्ट्रीकरण अधि- नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनों हैं 5-12-84 को पूर्वोंक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार स्था का उचित बाजार स्था , उसके अवनान प्रतिफल का पंचह बिद्या के स्थान प्रतिफल का पंचह बिद्या के स्थान है जोर मन्तरण के निए तब पाया ग्वा (बन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पाया ग्वा विश्वत, निम्ननिधित उद्योग से स्था बन्तरण सिवित

वै अप्रश्तिविक् रूप के कृषितः नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बजने में सविधा के सिए; बॉडि/बा
- हुँची किसी नान मा किसी भन ना नन्य आहित्यों की, किन्दू भारतीय नान-कर निभिन्नक, 1922 की 1922 का 11) या उत्तर अधिनित्रक, वा भृतु-कर किमीनयन, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अस्तिरती इनाहा प्रकट नहीं किया गया या ना किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुनिभा के क्रिकः

आतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा 1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

(1) अलकान रीयल ईस्टेटस प्रा० लिमिटेड, बेल्हो बिल्डिंग पणजी गोबा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमिति डेबोरोह एम० डी० मेलो, "ईव मरीया" प्लाप्ट नं० 2, मेन ऐवेन्या साँता ऋज,बाम्बे 400054 (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्ववाहियां करता हुने।

उक्त संपरित् को अर्थन् को संबंध् मी काइने भी बाक्षेप :----

- (क) इस क्षूना में राज्यन में प्रकाशन की तारिक से 45 बिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृषना की तामील से 30 बिन की जबिंध, जो भी कृष्णि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्याय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवाय व्यक्तिस्ताक्ष्री के पास निवृद्धि में किए का सकीय।

स्वस्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कम्बों सार् पदों का, वो उपह मिपिनयम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही मर्थ होगा, वो उस स्ध्याय में दिसा गवा

वन्त्र्यी

(दस्तावेज सं० डी/55/दिसम्बर 84 दिनांक 5-12-84) व्लाट नं० 4 ए "अगेडा हालीडे होम्स" "ऐसालवाक मढ़ा, कल्डोलीयम 55.00 वर्ग गज।

आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलोर

िदनांका 10-7-85ू **नोहर**ा प्रकल्प नार्दाः ही , एवः एवः , ======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुवृता

बाइच् ब्रह्माड

आर्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज, बंगलीर बंगलीर दिनौंक 20 जुलाई 1985

निर्वेश मं० डी० ग्राग्० 26/84—85/37ईई——ग्रतः मुझे ग्रार० भारद्वाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी प्लाट नं० डो 4 है, तथा जो कन्डोलायम गोवा में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता के कार्याल बेंगलूर में रजिस्ट्री-करण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाँक 5-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपोत्त का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नि सित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में बास्तविक रूप से क्रिंबित नहीं किया गया है है—

- (क) अल्लंटन से हुई किसी बाव की शावतः, राचतः गींभानियत्र के सभीतः कर दोने के अन्तरक के वाशित्व से कती कहने वा सत्तरों वचने से वृधिया के सिष्ट; जींट/वा
- (ब) एसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य जास्तियों की, चिन्हों भारतीय जाव-कड़ विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता जिल्ला नियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियान में सुविधा से किया

कतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के बभीन, निस्नलिकि॰ व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भ्रालकान रीयल ईस्टेटस प्रा० लिमिटेड, वेल्हो बिल्डिंग, पणर्जा गोवा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री. त्रेवर फरनाँडिज ग्रीर श्रीमिति मार्गीया ग्रीमेट फरनाँडिज द्वारा श्रीमित ए० लोबी, घर नं० 289, गोनकोई, श्रलडोना बार्डज, गोवा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्बक्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई नी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्यक्किरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी/49/दिसम्बर 1984 दिनौँक 5-12-84) प्लाट नं० र्ड.०-5 "ग्रगोडा हार्ली.डे होम्स" ग्रपार्टमेंटस कन्डोलीयम 55.00 वर्ग मिटर।

ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनौंक 10-7-1985 मोहर् **इक्स बार्ड ,दी, धन, पुर** ्नन्यसनन

भाषकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कृतै धारा 269-थ् (१) के बधीम् सूच्या

ब्राह्य बरमार

कार्यांचन, नदायक नायकर जावज्ञ (रिर्दाक्क)

ग्रर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर दिनाँक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० श्रार० 27/84-85/37र्र्वई---श्रतः मुझे श्रार० भारक्षाज

नामकर निर्मानमा, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इत्तर्भें इसके प्रकात् 'उक्त निर्मानमा' कहा नया हैं), की भाषा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित नामार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है तथा जो स्रलटो बहीम बार्डज गोवा में स्थित है (ग्रीर इस में उपावड भ्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय बंगलोर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन विनाँक 5-12-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के अवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्ये वह जिल्लाड करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके अपमान प्रतिफल से, एसे ध्वन्नान प्रतिकत का पंचा प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया बना प्रतिकत का देखा का देखा का प्रतिकत से अधिक उद्देश्य में वास्त्रिक का से काम से का से ध्वास से का से का

- (क्क) बन्धरण वं हुद्दं निवर्धी बाध की वाबदः, उपक करियोगनुक के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्व में सानी कराने वा उनके स्थन में चुरिन्धा के किए; और/या
- (क) एको कियी शाम या किसी भन या बन्न कारिकारों का, विक्तुं भारतीय नावकर निष्मियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त निष्मियन, का धन-का जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवाधनार्थ जन्तरिती हुनारा प्रकट नहीं किया क्या या विका धाना शाहिए था, कियाने की कृषिया की किए;

লয়ত সৰ বসত কৰিবিৰৰ কী বাবে 269-ৰ কী বৰ্ষালয় $\hat{\mathbf{e}}_{(0)}^{*}$ ক্ষম কৰিবিৰৰ কী বাবে 269-ৰ কী বৰ্ষাতে (1) ্ নী ক্ষমীন $\hat{\mathbf{e}}_{(0)}$ দিলাজিকিব কৰিবেট্ স্বৰ্গাত $\hat{\mathbf{e}}_{(0)}$

(1) श्रीमित मारीना लुसीया वेगस श्रलटो डी० बेतीम बार्डज, गोवा ।

(भ्रन्तरक)

(2) डायम्को बल्डार्स, ग्रैन्ड फ्लोर, मगनलाल सदन एस० वा० रोड, पणजी गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त बम्परित के नर्बन के बम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, वहें भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन को भीतर उच्छ स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्लाह में किए जा सकरेंगे।

स्पक्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिला वया हैं।

अंगलची

(ध्रस्तावेज सं० डी०/72/दिमम्बर 1984 दिनाँक 5-12-84) प्लाट नं० ६ "जारडीम" ग्रलटी बेतीम, सेरूला खेड़ा बार्डज, गोवा 945.00 वर्ग गज ।

म्रार० भारताज; मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

दिनाँक 10-7-1984 मोहर ः।

प्रकम बाह्, टी. एत. एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन क्षता

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक नायकर नायुक्त (निर्वेश्वण)

श्रर्जन रेंग, बंगलोर

बंगलोर दिनाँक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० ग्रार०-117/84-85/37ईई--ग्रतः मुझे ग्रार० भारहाज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित गाणार कृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रोर जिसकी मं० प्लाट नं० 3 और 4 है, तथा जो श्रन्टो डी० बीखारीम ईन्हास, गोवा में स्थित है (श्रोर इस से उपायद्ध श्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलोर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक 5-12-84

करं पृथ्वेंचत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास कको का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार बुक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिषात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्दरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तय पामा भया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अकत अन्तरण लिखित के बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है;—

- (क) प्रभार से हुई किसी आज की वावत वक्त वहुँच-जिन्म के अभीज कर वीने के अन्तर्क के वादित्व के अभी करण के जससे अजन वें स्विधा के किये; कार्या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ कर्मारती द्यारा प्रकट नहीं किया क्या भा सा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अ शिहार,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धाण 269-ग के अनुसरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रो सबेस्टीयां शेक डो० कन्हा,
- (2) श्रामां १ ईटा पेरेजोना डा० कन्हा, पी/ए, ऐडमन्ड जोकीम जवीयार डी० कन्हा, मोयरा बार्डज, गोवा।

(श्रन्तरक)

(2) मैं । मठा श्रवर व्युलंडरम, हिल्लटाप श्रपार्टमेंटस, श्रलटो बतीम गोवा ।

(ग्रन्तरिती)

की बहु सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन् के विद् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त बन्नित्त के वर्षन के शुम्भन्य में कीई भी बाखेर :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की जनकि ना तरसम्बन्धी कानितमों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि नह में समाप्त होती हो, के भीतर पूनोंक्य कानितमों में ने किसी कानित इनारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति व्यास अधोहस्ताकरी के यास निचित में किए वा दकेंगे।

स्पछिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उचत विभिनयम के नुभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वश्याय में दिवा मना है।

अनुस्ची

(दम्लावेज स० डी/34/दिसम्बर 1984/ता० 5-12-84) प्लाट नं० 3व 4 "अफीरामेंटो उप्रयेम गलुम" अल्टो डी**०** पोरवोरीम, ईल्हास, गोता 133.40 वर्ग गज ।

श्चार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलीर

दिनौंक 10-7-1985 -

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० आर०/150/84-85/37 ईई——अतः मुझे, श्रार० भारवाज

क्षायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के।, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 व 5 है, तथा जो कन्डोलींयम गोवा में रिथत है (ग्रीर इससे उपान्नत श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक 5-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा असे जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः उक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्ष्म अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रपकान रोयल ईस्टेटम प्रा० लिमिटेड बेल्हो बिल्डिंग, पणजी गोवा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमित क्लोटीडा डीसोजा द्वारा श्री एक्स फर-नॉडोज, प्रार्थ समाज रोड, मंगलूर-3।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयूवत शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वर्ग सर्ची

(दस्तावज सं० डी/70/दिसम्बर 1984 हि० 5-12-84) प्लाट नं० 4 व 5 "अगेडा हालीडे होम्स" अपार्टमेंटस, कन्डोलीयम, 55.00 वर्ग मीटर ।

श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), स्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनॉक: 10-7-1985

मोहर 🖟

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० ग्रार० 151/84~85/37 ईई—श्रतः

मुझे भार० भारद्वाज

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतर्जे इतके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिलका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० एच-6 है, तथा जो कन्डालीयम-गोवा में स्थित है (श्रौंर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मुख्य से कव के अवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रवकान प्रतिकत्त से एसे क्रयकान प्रतिकत्त का पंत्रह प्रतिकत्त से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्वयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित खब्दिम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ब) एसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

चतः ववः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अन्नरक में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीतः जिल्हासित व्यक्तियों, वर्धात् :— 47—226 GI|85 (1) म्रालकान रीथल ईस्टेटम प्रा० लिमिटेड बेल्ही-बिल्डिंग, पणजी-गोबा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राबर्ट फरनांडिज श्रीर श्रीमिति श्रोलारी फर-नांडीज चीबेलरोड, बान्द्रा बाम्बे ।

(ग्रन्तरिती)

को नह जुनना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लि। कार्वनाहिकों करता हो।

उक्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी बासोग :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 15 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर श्चना की तामील ले 30 दिन की अविधि, को भी √विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिरीलत में किए जा सकती।

अध्यक्तिरणः—-वसमें प्रयुक्त करों और पर्यों का ओ उन्त क्षित्र कि अधिविषया, के अध्याम 20-क में परिभारित-क्षित्र पदी अर्थ होगा जो उस अध्याय में कि पदा क्षित्र।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी०/69/तिसम्बर 1984 ता० 5-12-84) प्लाट नं० एच 6 "ग्रगैंडा हालीडे होम्प" कन्डोलीयम-गोवा।

> श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलेर

चिनौंक 10-7-84

मोहरः

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर दिनौंक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी श्रार-152/84-85/37ईई—- श्रतः मुझे श्रार-० भारहाज

आयकए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संभाग प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

धीर जिम्की सं० प्लाट नं० जी 4 है तथा जो कन्डोलीयम-4 गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

दिनौक 5-12-1984

की पूर्वे किए सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यभान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वे कि तंपित्व का उचित बाखार मूल्य, उसके क्ष्यभान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रविद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अश्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बात्रीजिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाजित्व में कमी करने वा उससे अचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जत: अद, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं श्रालकान शीयज ईस्टेटस प्रा० लिमिटेड पणजी गोवा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित क्लाका कारमेन सीक्वेण श्रीर श्री डेगी के कीस्टोपर सीक्वेग, "सी वीव" सीवाजी पाक; केलुस्कर रोड, (उत्तर) बौंबे ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारहैं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में क्था परिभा-वित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया ही।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी/67/विसम्बर 1984 ता० 5-12-84) फलाट नं० जी-4 "ग्रगोडा हलीड होम्स" ग्रपार्टमन्टस ("एसालवाक मढा", कन्डोलीयम, गोवा 55.00 वर्ग गज।

> श्चार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर,

दिनौंक 10-7-1985 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० आर० 153/84-85/37 ईई:--यतः मुझे, आर० भारताज,

मायकर अधिनिवस, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० बी/9 है तथा जो कन्डोलियम गोवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का का 16) के ग्रधीन तारीख 5-12-1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्णिय बाजार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुव्द किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ग्रालकान शीयल ईस्टेटस प्रा० लिमिटेड वेल्हो बिल्डिंग, पणजी, गोवा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती माशी बेलजीना पायस, पी० ग्रो० बाक्स 1145, सालमीया, कुवेस । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप हूं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर संपत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

(वस्तावेज सं० डी/68/दिसम्बर 1984 दि० 5-12-85) प्लाट नं० बी/9 "भगोडा हालीडे होम्स" भ्रास्ता "ईसालवाक मढा" कन्डोलियम गोवा 55.00

> श्चार० भारक्षाज संक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज, बंगलूर

दिनाँक : 10-7-1985

मोहर :

प्रकृत नार्यं होत् प्रकृत पुरस्कारण्या

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

नाया दयाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, धिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० श्रार० 154/84-85/37ईई--यतः मक्षे, श्रार० भारहाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 259-ए के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाचार वृष्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० मेट्रीज नं० 1371 है. तथा जो पणजी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 5-12-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित गाजार भूस्य से कम 🐴 व्ययमान के लिए अन्तरित की प्रतिफल विश्वास करने का कारण यह है कि यभापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से., एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अध्किहै और अंतरक (अंतरकों) और अंबरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनिदय के वचीन कार दोने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा औं किए; सीर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकार विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्तर अधिनयम, या धनकर व्यविधनम्, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ वन्तरियों व्यास प्रवास मुख्य नहीं किया प्रवास या किया जाना चाहिए था जिना में व्यविधा के सिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्नरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीर निम्नसिन्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रेजीनाल्डो डोस रेमेडीयोस C/o श्री पास्कोल मेनेजीस ग्रल्टीनो पणजी-गोवा
 - (2) श्री मारियो पालोजुडे डोस रेमेडीयोस, पोरतुगाल
 - श्रीमती मारिया इन्डिया डोस रेमेडोयोस संग्लंबाडो पोरतुगाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) मे० श्रलकान रीयल इस्टेटस प्रा० लि०, वेल्डो बिल्डिंग पणजी, गोवा

(श्रन्तरिती)

मा यह बुष्ता आरी करके पूर्वों क्य सम्पत्ति के अर्थत के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुं।

ड़क्क कुम्पत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नामांचुध---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की सबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (सं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ष

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रथ्वत शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

श्रनुसूची

दस्तावेज सं० डी/84/डीमम्बर 1984 ता 5-12-84 घर मेट्रीज नं० 1371 काठनो डी० ग्रलबुकरकरक रोड, पणजी, गोवा ।

स्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनौंक : 10-7-1985

मोहर:

इक्न बाइ'ल टीन्स एवल एक ल

वायक र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 (व) (1) वे वधीन ब्यान

भारत बरकार

कार्याजन, सहायक नानकार बायुक्त (निर्धीकन)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० ग्रार० 170/84-85/37ईई---यतः, मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वा इसके बरुवार, 'उन्त अभिनियम' कहा नमा हाँ), की धारा 269-स को अभान सक्षम प्राणिकारी का तह जिल्लाण करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिस्का उचित नामार भृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो वास्को में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-1-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाकार मृत्य से कम को स्थ्यमान इतिकास को लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मणापूर्वेक्ट बाज्यित का उचित बाबार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफाल से, एसं दरयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अत-रिता (अतारितिया) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निकात उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बतरण स हुई किसी बाय की बाबत, सक्त विभागसम के अभीन कर दान के बंतरक को दासित्य मां कमी करने या उससे बचने मा सुविभा ४ तमा; और√वा
- (थ) एंसी किसी जाय या किसी थन वा जस्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में सुविधा के सिए;

अतः अधः, उत्ततः अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुत्रक में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) हे वधीन निम्नतिवित व्यक्तियों, वर्षाद्यं क्र— (1) मे० जी० एफ० ब्युलडरा,
 नं० ¼, जे० ए० एफ० हौस,
 जोसेफ वाज रोड, वास्को-डि-गामा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री और श्रीमती अनठोनीया लुकास फीडेलिया डा कोरटा और मारीया श्रडालीना फरान्सीस्को अलबाडा केरटा कें | श्रा० वी० एम० सालवाकर और ब्रदर्स (प्रा०) लि०, पी०बी०नं० 14, वास्को, गोवा।

(ग्रन्तरिती)

को मह मुख्या आधी करने पृथ्यिक वन्तित के वर्धन के जिल् कार्यनाष्ट्रिय करता हो।

उन्द तन्तरित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई थी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राववश में शकावन की तारीय के 45 किन की नवीच मा तत्वस्वन्थी स्वितिकों पद्ध स्वना की ताजील से 30 दिन की अप्रति, को भी नवीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेतित स्वतिमां में से किसी स्पीयस ब्रवशा;
- (क) इस सूचनः क जान्याम् सं मनाश्चानां मानि ने 45 किन के भीतर उक्त रशावर सम्मास सं हिन्सक्ष्य किन्नी अन्य अमिक क्षारा अमाहस्त्रवारी को पान निवास में किए जा सकेगी।

स्पष्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 2%-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा को उद्ध अध्याय में तिल्ल गया हैं।

अनुकृती

(दस्तावेज सं०डी/97/जनवरी 1985 ता: 8-1-85) प्लाट नं० 2, "ट्रोपा दान्डो" वास्को-गोवा 77.50 राम ।

> ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगलुर

दिनाँक ∦ 10-7-1985 मोहर :

प्रकृप नार्दा, दी, एन, इस. --अ----

भागकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मभीन सूचना

STEEL DETR

कार्यालय, सहायक जायकर नाय्कत (निर्कालक)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

षंगलूर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० भ्रार० 177/84-85/37ईई---यतः, मुझे, श्रार० भारद्वाज,

नायकर निभिन्नमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त सिंधनियम' कहा नवा ही, की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापर संपत्ति जिसका उचित साधार मूल्य 1,00,050/- स्ट. से निधक ही

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 ए है तथा जो कन्डोलियम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रॉजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5~12~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाकार मृत्य से का के दश्यकाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृष्के वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का अवित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच होडे अंतरण के लिह तम पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य ते उक्त अन्तरण लिहिंबत में वास्तिक रूप से किंगित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से द्धार शिक्सी जान की शास्त उक्त जिथ-निवन के वधील कर दोने के बस्तरक के बायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए और/वा
- (स) ऐसी किसी आक या किसी धन वा अन्य आस्तिवों की, जिन्हें भारतीय जावकर विधिनस्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनस्म, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में न्यां भा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नीलिमित व्यक्तियों, अर्थात् हु-- (1) मे० रुफ म्यान श्रौर पार्टनर्स मगन बकुल मार्डोलकर बकुल श्रौर मार्डोलकर पोन्डा-गोवा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राधा रामचन्द्रा नायक, पोन्डा-गोवा।

(भ्रन्तरिती)

को बहु भूषना बाद्री करको पृक्षीकतु सम्मृतित को वर्तन के हैन्य कार्वनाहियां शुक्र करवा हुई है।

उन्ह सम्पत्ति से अर्जन के इंबंध में कोई भी मासेप ए---

- (क) इत ब्रुचना को रावपन्य में प्रकासन की तारीन से 45 विग की कनीय वा स्टब्स्निन्धी व्यक्तियों पर ब्रुचना की ब्रामीन से 30 विग की ब्रुवीय, का भी अपनि बाद में ब्राम्य होती हो, को सीसर प्रवीवत स्वीक्त में में वे किसी क्लीक्स ब्वाहा;
- (क) इव क्ष्मना के अनक्ष्म के अक्षमन की शाइतिक सं 45 किन के बीवर रुपत स्थापन सम्माद्ध के हिस्सक्ष किनी मन क्षमित क्षाड़ा मधोहत्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

वम्सूची

(दस्तावेज सं० डी/103/जनवरी 1985 ता 8-1-1985) मे० न ० 733 एंव सी नं० 175 पोन्डा-गोवा 75 वर्ग मीटर

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 10-7-1985

नोहर "

प्ररूप आहें. टी. एत्. एस. -----

शायकर श्रीपीययन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

भारतं संस्कार

कार्बास्य, सहायक क्षायकर बाबुक्त (रिनरीक्स)

श्चर्जन र्रेज, बंगलूर ग्रंगलर दिनोंक 10 जलाई 1985

बंगलूर, दिनौंक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० डी- म्रार-230/84-85/37ईई/मतः मुझे म्रार० भारकाज

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 488बी है तथा जो श्रंगोला खेडा, बेलगाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणान है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीखा 5-2-1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वायमान इतिकार को यिए जन्मरित की गई है भी अभ वह विकर्ण का कारण की कि स्थापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मूल्य सकते हर्यमान प्रतिकास से, ऐसे द्वायमान प्रतिकास से पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्वरिती (अंतरितिवा) के कीच एसे जंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्षित , निम्निलिखिस उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में कारतिवास कर से कायत नहीं किया पंदा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के परिचल में क्यों करणे या असने वसमें में स्वीयक के किए; कर/का
- (प) इसी निजी भाष या किसी वन या वस्त बारिसधी की, जिन्हीं भारतीय जामकर मिनिनय, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या क्रमका अधिनियम, या क्रमका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यमा था या किया जाना चाहिए था. कियाने में विकास के किए;

जत: अब, जक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण सें, जो, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के समीन ुनिम्मसियित म्योग्सको अर्थात् ड— (1) श्रीमतो ग्रलका मोहन देळपाँडे 360/61 नारायणपेठ लक्ष्मी रोड़ पूर्णे-411030

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुद्राया मेगा भट, 272, श्रगरकर रोड़, ठ,लकवाडी, बेलगाम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इत त्याना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिय ना तत्क्रवन्थी व्यक्तिकों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्थान के त्रावपत्र में प्रकातन की तारीत के 45 दिन के नीतर उक्त स्थान्द कम्पत्ति में हित्बबुध् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रचक्कीकरणः — प्रसन्ने प्रवृक्तः धान्यों बीर पदी का, को उपक विभिन्निया, को बाध्यान 20-क जी परिभाविका ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्यास में दिया स्था ही।

भनुसूची

(दस्तावेज सं०डी/143/फरवरी/1985 ता 5-2-85) प्लाट नं० 488बी, सी० नं० 30 ग्रनगेल खेडा, बेलगाम तालुक !

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक : 10-7-1985

मोहर:

प्रकृप बाइं दी एन एक् ----

नायकर गिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के गधीन स्पना

मारत परकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निर्द्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० डी० ग्रार233/84-85/37ईई/ग्रत:- मुझे ग्रार० भारद्वाज

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की पार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रंग से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० ए/1 है तथा जो वास्को में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5-2-1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उषित बाबार मृत्य से कब के दश्यमार प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अंतरितियार्गे) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्यवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कियत नहीं किया स्वा है क्ष-

- ्रैक) करारण से हुड़ किसी जाद की बाबत, उक्त जीपीनयम के जभीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के निए; जीर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को छिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उन्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया करा या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सविधा के विष्:

कर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थील् के--- (1) मे० रुकमिन कन्सट्रवशनस सीरोडकर बिल्डिंग वास्को-गोवा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रहन प्रभाकर काकोडकर, श्रीमर्त. सीमा श्रहन काकोडकर के०/श्राफ इन्डिया इन्स्यारेन्स कं० लि० वास्को-गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्य-बाहिकां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षंप :--

- (क) इस स्वना के कावात्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिय मा तत्सं नंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिथ, जो भी जनिथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के शब विविद्य में किए जा सक्ती।

स्पद्धकिरणः — इसमें प्रयुक्त कर्न्दों और पदों का, जो उक्त कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

गन्स् ची

(दस्तावेज सं० डी/146/फरवरी 85 ता 5-2-1985)

प्लाट नं० ए/1, तृष्ती श्रपार्टमेंटस, प्लाट नं० 16 न्यु वेढम वास्को 6880 नम्बर

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनाँक : 10-7-1985.

मोहर 🛭

प्ररूप बाई.टी.एन.एस ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, वगलूर

बंगलूर, दिनाँक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० डी० ग्रार० 240/84-85/37ईई—-ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाजः

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० म० न० 2689 है तथा जो मरगाव-गोवा मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 6-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पात्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल है, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्क्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः जन, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिस व्यक्तियमें, अधार्त :—— 48—226 GI|85 (1) श्री एन्टोनियो जोस स्रोस्कार ग्रेसीयस पाजीफान्ड मरगाव-गोवा ।

(ग्रन्तरक)

(2) मे० श्रारिए न्ट बिल्डर्स रेड्यल्डो डी कोस्टा बिल्डिंग पी० श्री० बाक्स नं० 226, मरगाव-गोवा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० डी/152/फरवरी 1985 ता 6-2-85) पलाट मेट्रायाज नं० 2689 सी० नं० 42 मरगाव-गोवा—1705 वर्ग मी०।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनाँक : 10-7-1985

मोहंर ;

प्ररूप आर्द्द.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अ.यकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 1 ग्रगस्त 1985 निदेण सं० नोटिप नं० ग्रार 1497/37ईई/---ग्रनः मुझ, श्रार० भारद्वाज,

स्रीर निक्की मंद ही -1 है तथा जो मानिश टावर नंद 84 जेद से दें। स्रोन इसके उसके स्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण कर से विजत है। रिल्ट्रीकर्ता श्रिध हारी के कार्यालय बंगलूर में रिल्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 12-12-1984

को पूर्वोक्षत समास्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्षत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसक द्रयमान प्रतिफल में, एग्से द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयफर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उसत अधिनियम को धारा 269-च की प्रधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्त व्यक्तियमों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स मनिश इन्टरप्राइसेम 1∼2, श्रींगार शापिक सेंटर 80, एम० जी० रोड़, बंगलूर–1 ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स भगवान इन्टरप्राइसेग 11, केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता-1।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहिया करता हू।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना इने राजपत्र से प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीयःरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्ची

(दस्तावेज सं० 1292/84-85 ता 12-12-84) सम्पति है जिसका सं० डी ~1 जो मिनि 19 टवर नं० $8\frac{1}{2}$, जे० सी० रोड़ बंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक **१ 1-8**-1985

मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बगजूर

बंगलूर, दिनांक 1 श्रगस्त 1985

निदेश सं० नोटिस नं० ग्रार 1498/37ईई---ग्रतः मुझे, भार० भारताज.

वायकार विधिनवन 1961 (1961 का 43) (विश्व इत्तर्गे इतको परवात् 'उन्द्र विधिनवन' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन तकान प्राधिकाही को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्मरित, विश्वका स्थित वाषहर मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव की-2 है तथा जो मिनश टावर नंव84 जेव सीव रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 12-12-1984

को पूर्विक्त संपर्ति के स्विक्ष बाबार मून्य से काम के स्वयमान अतिका के लिए जन्तरित की गई हैं और मुख्ने यह विश्वास करने का कारण हो कि यमापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार पूक्ष, उसके स्वयमान प्रतिकाल के एसे स्वयमान प्रतिकास के पण्डह प्रतिकात से विधिक है और बंबरिक (बंवरकों) और बंबरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंवरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास , निम्मां स्वित उप्रवेष से उससे बंवरण सिमान में मास्ति अप

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (या) श्री किसी बाग वा किसी धन या जन्य जारिसकों की, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिवियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिवियम, या धन-कर अधिवियम, 1957 (1957 का 27) को प्रकारणार्थी क्लारणार्थी क्लारणार्थी किया अधिवियम के लिए। अधिवियम के लिए।

मतः त्रबः, उसतः धीधनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १:—-

- (1) मेसर्स मिनश इन्टरशाइस 1-2, श्रंगार शापिंग सेंटर, नं० 80 एम० जी० रोड, देंगलूर।
- (म्रन्तरक)
- (2) मेसर्स मगनम इन्टरप्राइसेस 11 केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाहियां शुरू करता हैं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील में 30 दिन की कवीच, आ औ
 अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष निक्षित में किए वा सकी।

स्वध्दोक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उन्ह अभिनेत्रक के लग्भाग 20-4 के तिस्तिक्त है, यही जर्भ होना जो उन्ह जम्माय के दिका क्या है।

अनुसूची

(दस्ताविज सं० 1243/84-85 ता 12-12-84 सम्पति है जिसकी सं० डी०-2 जो मनिण टावर नं० 84 जे० सी० रोड, बेंगलूर-2 में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगसुर

दिनामा : 1-8-1985

मोहर 🕄

प्ररूप बार्ड, टी. एव. एस.,-----

भाषकरु विधित्तवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

niga azətz

क्षायांसय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, दंगलूर

दंगलुर, दिनौर 1 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० ने टिस नं० श्रार० 1499/37ईई--- ग्रतः मुझे, ग्रार० भारकाज,

बायकर विधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु'), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव धी-3 है तथा जो मिनिण टावर 84 जोव सीव गेड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावढ़ प्रमुची में और पूर्ण रूप से विगित है); रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनयम, (1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख़ 12-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह जिश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अम्मान प्रतिफल सं, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अर्तारितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल., निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे जजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा भी रहाइ:

अप्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) चे क्षीक, गिम्नीलिक्त व्यक्तियों अधीत् क्र— (1) मंसर्स मनिश इन्टरप्राइसेस 1-2 श्रंगार शापिंग सेंटर 80, एम० जी० रोड, बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) मेलर्स मागनम इन्टरलाइसेम 11, बेमेक स्ट्रीट, कलकत्ता-17।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ख्वित्तवों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुस्ची

(बरनाटेंज सं० 1294/84-85 ता० 12-12-1984 सम्मिन है जिसका सं०धी-3 जो मनिश टावर सं० 84 जे०सी०भोड, बंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्हेक्षण) श्रजेन रेंज 2, बस्बई

दिनांक : 1-8-1985

मोहर:

प्रकप नाइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्वत (विराक्षण)

श्चर्यन रेज, बंगलूर

बंगलूर , दिनांक 1 ग्रगस्त 1985

निदेश २० नोटिस २० धी आए-1500/37ईई/84-85

श्रतः मुक्षे, श्रार० भारद्वाज

जायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के लधीन सक्षम प्राधिकारी की यह बिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संबंधित है तथा को मनिण टावर नंव 84 कें करोड़, देंगतूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप संविणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देगतूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 (1908 का 16) के अधिन तारीक 12-12-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रविक्षल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से ए से दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कृतिया गया है :—

- (क) बन्तरण से द्वृद्धं किती बाय की वावत, उच्च बर्टिशित्रक के बभीन कर दोने के बच्चरण के दासित्य में कमी करने या उत्तते बचने में सुविधा के स्त्रपु; बर्टिशाः
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन वा अन्य आस्तियों कां, जिम्हें आस्तीय जाय-कर जिम्मिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या या निवा जाना जाहिए था, कियाने में सविधा के जिए;

नतः जन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए को अनुसरण भं, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मेसर्भ मिनश इन्टरप्राइसेम नं 80 एमा जीव रोड़ 1-2 श्रंगार शापिग सेंटर बेंगलूर-1

(अन्तरक)

(2) मेसर्ग मगनुम इन्टरफाइसेस नं० 11 कमक स्ट्रीट जलका-17

(भ्रन्तरितंः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हां 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी कें पास निचित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त जन्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, नहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया हैं.!

मन्द्र चे

(दस्तावेज सं०1295/84-85 ता 12-12-84) सम्पति है जिसका सं० डी-4, मिनश टावर, जो नं० 84 जे० सी० रोइ, देंगलूर में स्थित हैं।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर म्राधुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलुर

विनांक : 1-8-1985

मोहर :

प्रकृप बार्च. टी. एन्. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अधीन सुमना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 श्रगस्त 85

निर्देश मं० नोटिस नं० श्रार-1501/37ईई/84-85---श्रत : मुसे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी सं० डी०-5 है तथा जो मानिला टावर, नं० 84 जे० सी० रोड़, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-12-84 को पूर्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और स्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का पन्द्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के 'लए तय प्राथा गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्वेंच्य से उद्यत अन्तरण का स्वारण में वास्तिक रूप से किथत नहीं कियर गया है :---

- (क) कल्तरण से हुई किसी नाम की नावत उक्त अधिनियम के नभीन कह दोने के बन्तरुक की शामित्य में कमी कर्य या उससे वचने में सुनिधा के लिए; अटि/बा
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः तथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिल '--- (1) मैसर्स मानिण एंटरप्रांइसेस,
 1-2, शृगार प्रापिंग सेंटर,
 80, एम० जी० रोड़,
 बेगलूर।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्सं मगनुम एंटरप्राइसेस, 11, कामक स्ट्रीट, कलकत्ता-17 ।

(ग्रन्तरिती)

का यह भूचन जारा अवक व्यक्ति अपेक्त के जानन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त संपत्ति के अजन के संबंध में काई भी काक्षप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख रा 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवाध बाद में समाद्त होती हो, के भीतर प्रवेक्सि व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ध्याराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की सारीख क्ष 45 दिन के भीतर अवत स्थानर स्वतिक मी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षर। के पास लिखित मी किए जा सकरो।

स्पष्टिनिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों पा, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में गीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज मं० 1296/84 ता० 12/12/84)। सम्पद्रि है जिसका मं० डी०-5 मानिश टावर, जो नं० 84, जे० सी० रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

श्रार० भाग्द्वाज मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीख: 1-8-85

मोहर:

प्रारूप आईं.टो.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांग । अगस्त 85

निर्देश सं० नोटिस नं० ग्रार $-1502/37 \delta \delta/84-85$ --- श्रत : मुझे, श्रार० भारढाज,

कायकर किंभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विषयास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका निषय गाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डी-6 है तथा जो मानिश टावरस, नं० 84 जे० सी० रोड़, वेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-12-84

को रुबेबिट सायित से उत्पाद गायार गुल्य से कार के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित वरकार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वरकार करने का नारण है उपकार उत्पादक को एसे इंडरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिशों) के जिल लासे जन्मण के लिए स्थ पुरुषा गया प्रतिफल, निप्तास्थित अनुसंदेश्य से उक्त अन्तरण निक्ति के स्थापित के स्याप के स्थापित के स्थाप के स्याप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्था

- (को कन्याप्त सं एक्ट्री किसी लाग की बाजत, उनक क्रीपनियम की अभीत कर बोने को बम्बरक खैं बाबिरन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से सिए; बॉर्ड/बा
- (स) एसी जिल्ही अस का किसी धन या कस्य वास्तियों को, जिल्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (192? को 11) या उक्त अभिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. कवा, उकत किथिनियम की धारा 269-ग के अम्सरक तां, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के शामीन जिल्लामिक ज्यानिसमार्ग कार्यां ---- (1) मैसर्म मानिश एटरप्रैस
 1-2, ग्रतगार शापिग सेंटर,
 80, एम० जी० रोड़,
 बेंगलूर-1

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स भगनुम एंटरप्रैस 11, कामक स्ट्रीट, कलकत्ता-17

(भ्रन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पृशाँकत सपरित को अर्थान के किए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई काक्षेप :---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 1297/84 ता० 12-12-84) सम्पति है जिसका सं०डी-6 मानिश टबर, जो नं० 84, जे० सी० रोड़, बेंगलूर में स्थित है।

> (श्रार० भारद्वाज) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 1-8-85

मोहर :

वक्षव बार्द हो. दव. इव. :-----

बावकड ब्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्वता

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) गारत सुरुकार

> श्चर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 25 जुलाई, 1985

निर्देश मं० दोटीस सं० 45511/84-85--श्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्दे अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बागर मूस्य 1,00,000/- रा. से उधिक है

श्रौर जिसको सं० 39, 34/3, 34/4, 34/6, 31/1 श्रौर 32/2 है, तथा जो कैंकाडु बिलेज मिडिकेरी तालूक है (श्रौर इससे उपबाद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, मरकेरा में रिजिस्ट्रीकरश्र श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-12-84

का पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार यून्य से कम के दरवमान प्रतिकल के निष् बन्तरित की गई है और जूने वह विश्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार बूस्य, इसके दरवमान प्रतिकल से एसे दरवजान प्रतिकल का नंदह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और जन्तरियी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निष् तय पाया बङ्ग प्रतिकल, निम्निवित उद्देश्य से दक्त बन्तरण निचित्त के बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी जान की नानत उक्त श्रीभिनदम् के नशीन कर दोने के नन्द्रहरू में श्रीयरन में कभी करने या उत्तसे समने में सुनिधा से न्यार मोडिंग्स
- (क) इसी किसी बाय या किसी भूप या बस्य वास्तियों करों, जिन्हों भारतीय वायबार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विजियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया स्था था या किया बाना बाहिए था छिपाने में मधिका के निष्

अत: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण क्रें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) दे बधीन, निम्मलिवित व्यक्तिवाँ, पर्याद के

(1) श्री एम० एम० ग्रघाच्चु, श्रीमती ए० ए० ग्रक्कव्वा श्री एम० ए० मुब्बय्या, श्री एम० ए० बेलियप्पा, नं० 2481, बिनायकनगर मैंसूर-12

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कें कें दामोवरा सन/घ्राफ कें वी कृष्णा, कौली स्ट्रीट, माडिकेरी

(भ्रन्तरिती)

को नह स्वना थारी करके पृशाँक्त संपरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी लाक्षेप .-

- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कथि भाद में सभाष्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविट में किए जा सकेंगे।

स्पव्दिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बहु वर्ष क्यांग, जो उस अध्याय में दिया गर्थः है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 923/83-85 ता० 15-12-84) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 39 में 3.84 एकरस 34/3 में 0.970 एकरस, 34/4 में 3.64 एकरस 34/6 में 3.10 एकरस, 31/1 में 2.92 एकरस और 32/2 में 7.08। एकरस जो कैकाडु विलेज मिडिनेरी तालूक में स्थित है

(श्रार० भारब्राज) सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज बेंगलूर

तारीख: 25-7-85

महिर् 🛭

प्ररूप बाई. टी. ऐन. एवं हुन्यान्यन्य (1 श्री डी० ए० पुरुशोत्तम

नाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्य न रंज बेंगलूर

भेंगलूर, दिनांक 24 जुलाई, 1985

निवेश सं० नोटिस नं० 45741/84-85-प्रत: मैंझे

धार० भारद्वाज

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- गर से अधिक है

और जिसकी सं० 18 पुराना सं० 11 मी० है, तथा जो 4 फ़्रास नर्रासम्हा राजा आस रोड अब कला मिपालयम न्यू एक्सटेंगन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अभुसूची में और पूर्ण अप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, वसवनमुडि में र्राजस्ट्रीकरण श्रीधानयम, 1908 (1908 का 16) यके श्रधीन, ता० 28-22-84

- को प्रवंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यबंगाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य सं उच्त अन्तरण सिक्ति में वास्त्रविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---
 - (क) बन्तरम् सं हुइं किसी थाय की वाबरः, उक्त अभिनियन के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में स्विधा के लिए; बार्-/या
 - (क) एसे विक्ती आय या किसी धन या कृत्य कास्तिकों का, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1 श्री डी० ए० पुरुषोत्तम और श्रीमती नागरत्ना, श्री तिलककुमार और कुछ प्लोग नं० 8/4, के० वाष्ट्रच्चस्या लेऔट 4 ब्लाक, जयनगर दगलूर

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री सी० श्रब्दुल ग्रजीज और श्री महमद हायंत
 - (1) नं० 3 बसवनगुडिद्र अगलूर
 - (2) नं० 30 एक स्ट्रीट कलासिपालयम न्यु एक्सटमान बगलूर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वायः;
 - (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकारी।

स्पंध्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3870/84-85 ता० 28-12-84)। सब सम्पद्धि है जिसका सं० पुराना सं० 1/मी कारपोरेणन नं० 18 जो 4 कास नरसिम्हाराजा कास रोड़ ग्रब कलासिपालयम न्यू एक्सटेशन बगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बगक्षर

तानीख: 21-7-85

मोहर 🕽

प्रकल बाह्य, दी, एन. एस. ------

श्रायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जुलाई, 1985

निदेश सं० 45536/85-86---अतः मुझे श्रार० भारद्वाज आयकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

गीर जिसकी संव 3 पुराना संव 20 है, तथा जो कास कुमार काहरे श्रीर बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाग अ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकरण अधि कर्सा अधिकारी के कार्यालय, गांधीमगर में रिजस्ट्रीकरण अधि कर्सा अधिकारी के कार्यालय, गांधीमगर में रिजस्ट्रीकरण अधि कियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-12-84 को पूर्वोंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को रिलए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास अर्दे का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार अस्प, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का कृत्वह प्रतिकृत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के भीच एसे अन्तरक के बिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्वहेय से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की साबत, उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने की अंतरक को वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मिलिधा के चिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री ए० वी० गोपालकृष्ण भट्टा, नं० 3, गक्रास, कुमारकाट लेआ उट, बेंगलूर। (अन्सरक)
- श्री ए० वी० वसात्रेया भट्टा, यूनिष्टि सखीस स्टेशम, रिशाजी नगर, बेंगलूर;।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को वर्जन को संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध स्थावर सम्पत्ति में तिलख ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में से किए चा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिका गदा है।

त्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 2993/85-86 दिनांक 28-12-84) सबसम्पत्ति है जिसका सं० पुराना, सं० 20 है, नयामं० 3 है जो र कास कुमारकाष्ट लेआ उट, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज, बेंगसूर

दिनांक 24-7-1985 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर वाय्यतः (निरक्षिण)

अर्जन रंज, बेंगल्र

बेंगलूर, दिनांक 26 जुलाई 1985

निदेण सं० 45958/84-85—यतः मुझे आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 3419 है, तथा जो एच० ए० ए ल० II स्टेज, बेंगलूर-38 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिवाजी नगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जनवरी, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अवः, उन्तः जीभीनयमं की भारा 269-गं के बनुबरणं में, में, उन्तः अभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अभीनः, निकालि<u>ष</u>ित् व्यक्तियों, अर्थात् ह—

लेफ्टिनेन्ट फर्नल; एस० एस० सुकुमार, (रिटायर्ड)
न० 3, 1 श्रास अर्यण्या; ले आउट, विवेकनगर,
बेंगलूर।

(अन्तरंक)

श्री वी० एम० शेषिगिरि राव,
 नं० 746, X मैंन, वैस्ट आफ किंद रोड,
 राजाजीनगर, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करंके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः --- इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

क्षमच्ची

(दस्तावेज सं० 3101/84-85, दिनांक जनवरी 85) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 3419, जो एव० ए० एल०, II स्टेज, बेंगसूर, में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, क्रेंगलूर

विनांक: 26-7-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई..टी. एन..एस..-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 25 जुलाई 1985

निर्देश सं० 46354/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 565 है, तथा जो बिन्तमन्गला, 11 स्टेज, इंदिरा नगर, बेंगलूर 38 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्हरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत: मब, उक्त अधिनियम काँ धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म काँ उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ६—- श्री ए० भूपाती,
 14, प्रिमिनेड, रोड, फेजर टाउन,
 बेंगलूर।

(अन्तरक)

श्रीमती जलजा चन्द्रन,
 1/1, एडवर्ड रोड,
 वेंगलूर-560001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबीध में कोई भी आक्षीप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

(वस्तावेज सं० 3601/84-85, दिनांक 27-2-85) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 565 जो विश्वमंगला, 11 स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बेंगलूर

दिमांक 25-7-1985 मोहर प्रस्य बार्ड, टी. एन एसं. मन व्यवस्थानमा

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

TISH SPRIN

कार्पालयः, सहायक आवकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 18 जुलाई, 1985

निदेश सं० 46029/84-85——अत: मुझे आर० भारद्वाज जासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उच्या अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थायर सम्पत्ति, जित्तका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक ही

स्प्रौर जिसकी सं० ए 82 है, तथा जो इंडस्ट्रियल इस्टेट, राजाजी-नगर, बेंगलूर में स्थित है (स्प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्प्रौर जो पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-1-85

को पूर्वोक्ट सम्परित के उण्जिद बादार मृत्य सं कम के दश्यकान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभे यह विद्यास करने का कारण है कि वधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उण्जित बाधाए भृत्य, उसके दश्यकान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उज्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विण कप से किथान नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त आध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के द्रियत्व में क्षेत्री करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; आरे/का
- (क) एँसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 र ३५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने सें सुविधा के सिए;

 मैसर्स अल्यूमिनियम केवल्स, श्रौर कन्डक्टर्स , लक्ष्मी रोड, IV क्रास, गांतीनगर, बेंगलूर-27 (अन्तरका)

2. मैं वरदमान कन्डम्टर्स, (प्रा०) लिमिटेड III कास गांधीनगर, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ट---

- (क) इस स्वान के द्रावपन में प्रकाशन की ताड़ीस है 45 दिन की जबरिश या तत्संवधी व्यक्तित्वों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबिश, जो भी संक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वापुर;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

(वस्तावेज, सं० 4279/84-85, दिनांक 4-1-85) सब सम्पत्ति है जो इंडस्ट्रियल, ग्रेंड, जिसका सं० ए-82 जो इंडस्ट्रियल, इस्टेट, राजाजीनगर, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी ग्ल्यायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की बनुबरक कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, न्मिनिखित व्यक्तिकों, अधीत् ∷—

दिनांक: 18-7-1985

बोहर 🛮

प्रक्य नाह्ं, दी. एत. एव..-----

शायकर जिथितिषम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीत सुलगा

भारत सरकार

भार्याक्षम, तहामक भागकर भाग्यत (निर्देशका)

म्रजन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जुलाई, 1985

निदेश सं० 46467/84-85 - प्रतः मुझे श्रार० भारद्वाण बाबकर निर्मित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्सों समसे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह निक्चाच करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसंक्त उचित बाचार मूक्व 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 144 है, तथा जो ब्लाक, IX जयनकर, बेंगलूर में स्थित है (अंदि इन्तर्स उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वाँगा है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 2-1-1985

को पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मृत्य से कम के अध्यान प्रित्तिकल के लिए जन्दरित की गई है जीर मुम्हें वह विश्वास अपने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, हो उच्चमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और जंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पावा गया प्रतिश्वया, जिल्लीविषय उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिवित्त में वास्तिविक कन से किन्न नहीं सिश्या गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली आग की नायत, उन्दे जिल्लीनगम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उन्नवे नचने में कृष्टिमा के निए; और/ना
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन वा जन्य आसित्तर्वों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर विधित्तवक, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियक, वा धनस्तर अधितियक, वा धनस्तर अधितियक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाड़िए था, किपाने में सुविधा के लिए;

अत: जब, उक्त गीशीनवम की धारा 269-ग की जन्मस्थ मं, मं, उक्त जीधीनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधान, निस्तितिकत व्यक्तियों, वर्षात् ध— श्री टी० सी० ग्रनन्त मूर्ती,
 346, II क्राम I ब्लाब,
 जयनगर, बेंगलूर-III

(श्रग्तरक)

श्री आर० सरोजा, पत्नी श्री रामा लिन्गम,
 नं० 1346, साउथ एंड रोड, 9 ब्लाक, जयनगर,
 बेंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुचना बादी करके पूर्वोक्त संवत्ति के अर्धन के विष् कार्यवाहियां बुक करता हो।

क्ष्मत बोर्गील के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस त्यान के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की व्यविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर क्यान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इच नुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विश के मौतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितक्ष्थ किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के वात किवात में किए वा सकोंगे।

रक्कांकियनः - इसमें प्रमुक्त सन्तों और पदों का, जो कथत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होना को उसे अध्याय में दिया नदा ही।

भग्सूची

(दस्तावेज, मं० 4382/84-85, दिनांक 25-1-85) नवं सम्पत्ति है जिसका सं० 144, जो ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर, में स्थित है।

> श्रार० भारहाज, सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुदत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंग्लूर

दिनांक 29-1985 बाह्य

मक्ष्य वाद⁴. टो. ६५. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

मारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, **बेंगलूर**

बेंगलूर, दिनांक 29 जुलाई, 1985

निदेश सं० 46005/84-85----श्रत मुझे, श्रार० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20 है, तथा जो स्टेज, कास मैन, वेस्ट आफ कार्ड रोड, राजाजीनगर, बेंगलर में स्थित है और इससे उपावट अनुसूची में और जो पूर्ण स्प से वणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम, में रिजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 दा 16) के प्रधीन दिनांक 24-11985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से शुर्श किसी आप की वायक उपन अधिनियम के अधीन कांध्र दोने के अन्तरक वे राधित्य में कमी कारने या उससं राजने में सुविधा के 'सए; सौर/वा
- (ब) इसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीयं आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत किनोनयम, या कान कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया धा या फिया 'का चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण है, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत हु—

 श्री धार०के० भानुमति, पत्नी श्री एन० सी० सुन्दरमूरती, और मैनर बच्चे नं० 194/ए, एन ब्लाक, राजाजीनगर, बैगलूर ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीं जी० कोमला,
 - (2) श्रीं एम० के० पोतराजु, कमलाम्बा निलाया, मामक्ल्ली, विलेज 'यलन्टूर तालुक, मैसूर डिस्ट्रिक्ट (भ्रन्तरितीं)

को शह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्प्रीत के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उनक संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आओप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वच्यक्तिक एक :- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस् अध्याय में दिया नया हैं।

भ्यूची

(दस्तावेज मं० 4589/84-85 दिनांक 24-1-85) सब सम्पत्तिहै जिसकी सं० 20, जो वेस्ट आफं कार्ड रोड, काम, मैन, राजाजींनगर, बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 29-7-1985 मोहर:

१स्प आर्. टी. **एत** <u>. १६६ .</u> -----

नाथकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारक सरकार

कार्यांत्रय, तहायक जायकर ज्ययुक्त (निरीक्तज)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 23 जुलाई 1985

भौर जिसकी सं० 94 है, तथा जो X, ए मैन, V ब्लाक, जयनगर, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 रू 16) के अधीन विनांक 18-1-1985

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वीकत तम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिक्रम से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्नत विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; व्यदिया
- (थ) देवी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सुविधा के निस्;

कक्षा अंब, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के अनुकर्य ४. चें उक्त र्माभिनियम की भारा 269-म की उपवास (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— डाक्टर, ए० कुप्पुस्वामी,
 1-52, कोतागुडम, कोल्लारिम,
 श्रीनगर ।

(ग्रन्परक)

 एम० एन० नरसेगौडा, सुपरिन्टेन्डैंट, इंजीनियर, नेशनल हैवी (पी.डब्ल्यू.डीं.), आनन्द राव सरमल, बंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचवा के यजपत्र में त्रकाक्षन की तारीबा से 45 दिन की जबींच वा तस्त्रम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबींच बाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्ति में हित्बब्ध किली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उन्न अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

(द्मम्तावेज मं० <math>4430/84-85, दिनांक 18-1-85) सब सम्पत्तिहै जिसका सं० 594, जो X ए मैन, जयनगर, V ब्लाक, बेंगलूर में स्थित है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेज, बेंगलुर

दिनांक 23-7-1985 मोह्रर

हरूए बाद् .ट<u>ी.एद.एस.</u>------

भागकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 269-घ (1) के सभीन सूचना

नारुत चरुकार

कार्यासयः, सहायक भायकर भायकर (तिहासका)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 18 जुलाई, 1985

निदेश सं० 45689/84-85--- अतः मुझे, आर० भारद्वाज शायकर विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उकत अधिनियम' यहा ग्या हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिल्लाकी सं 55 है, तथा जो दोमलूर, एक्सटेंशन, लारपो-रेशन, डिबीजन नं 67, बेंगलूर में स्थित हैं (और इसमें उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधींन दिनांक 21-12-1984

को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर बांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्त्रिया वे जिन्ही

अतः अस, अक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, ही सुक्षत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन तिम्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् धु— 50—226 GI/85 1. श्री वीं शोचिन्दराजु, सुपुत्र श्री वेंक्ष्टरामा, नं 55, दोमलूर रोड, बेंगलूर।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती एम० सी० रुक्मणि, पत्नी श्री एम० ग्रार० श्रीनिवासन, 147-सीं, (ग्रपस्टेरर्स), मैंन रोड, चामराजपेट, बेंगलूर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी क्ष् से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जविश्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ट्रायपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितयद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाबनीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्तों और पर्दों का, जो उक्क्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं॥

अभृत्जा

(दस्तावेज सं० 2865/84-85, दिनांक 21-12-84)

मझ मन्पत्तिहै जिसका मं० 55 जो दोमलूर, एक्सटेंजन कारपोरेजन, डिवीजन, नं. 67, बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 18-7-1985

मोहर ≇

मुक्य वार्'.टी.पुन.पुच.-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत् स्रकार

कार्यानय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 18 जुलाई 1985

निदेश सं० 45509/84-85---- प्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० एस० नं० 4 है तथा जो 'डी' ब्लाक कुक्वरहहली मैसूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से बिणत है) रिजन्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मैसूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 12-12-1984

को पृशोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के करयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है रू

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथितियम के ब्रुपीन कर दीने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्याने में सुविधा के किए; सीट्/वा
- एसी किसी आय या किसी धर्म या उत्त्य अमित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धर-कर अधिनियम, वा धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिठी द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

स्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कों अधीय. विफ्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बी० के० सावित्रम्मा
पत्नी श्री ए० बालय्या डी० नं० 13, 13 कास
जयनगर मैसूर-570014

(भ्रन्तरक)

- 2. एच० दर्मचन्द्रन सुपुत्र श्री हरकचन्द
 - (2) श्री सुक्लाल
 - (3) श्री मनोहर लाल नं० 854 चामुन्डेंग्यरी रोड मैसूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पृषोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित् के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान में राज्यन में प्रकारन की तार्रीय के 45 किय की अवधि वा तरसम्बन्धी अवधि के स्वाचित्र के स्वाचित्र के स्वाचित्र की अवधि को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्युनिस्कृति में वे किसी स्वाचित्र बुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं॥

वयस्य

(बस्तावेज सं० 984/84-85 दिनांक 12-12-1984) सब सम्पत्तिहै जिसका सं० एस० नं० 4 रेजो डी० ब्लाक कुरु बरहरूली मैसूर में स्थित है।

> म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

दिनांक 18-7-1985

मोहर 🛭

प्रकार बाह्र . टी., पुन्, पुष्, क्रान्स्वास्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अधीन सुचना

सार्व दरकाउ

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्सक)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 23 जुलाई 1985

निदेश सं० 46164/84-85 — प्रतः मुझे, प्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवाह 'उक्त विविनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के वधीय समस् प्राधिकारी को वह विश्वाद करने कर कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का जीवत बह्वार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पुराना नं० 59/8 तथा नया सं० 8 ग्रीर 60/7 है तथा जो लाल बाग रोड, 13 क्रांस चिक्कमावली डिवीजन नं० 37 बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुस्ची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बसवनगुडी में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 5-12-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान शंकाल के लिए अत्तीरत की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्तोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिपक्ष से, एसे द्रयमान प्रतिपक्ष का पन्द्रह प्रतिशत विधिक है और अंतरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरित्यों) के बीच ऐसे बन्तरण के शिए द्रय पाना गया प्रतिफल, निम्निसिंदिय उन्नदेश्य से उच्छ बंदरण मिश्वत में वाश्वतिक कम से किंदित मूही विकास वृत्वा है है—

- (क) क्लारण से हुइ किसी बाथ पर्छ नामकः छन्त कीम्प्रियम के सभीन कड़ दोने के क्लाइक में वावित्व में कची कुछ्दै वा उन्नये बक्लपे में सुनिमा में शिव्छ। ब्लॉड/बा
- (थ) ऐसी किसी साथ वा किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया कम था या किया जना श्राहिष्ट था, छिवाने में स्विभा की सिन्द्रश

अत: अब, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मसिवित स्थिताओं, अधीत् क्ष्र—

- 1. (1) सुन्धम्मा
 - (2) श्री एन० श्ररमुगम
 - (3) श्री एन० ग्रंगस्वामी
 - (4) श्री एन० क्रुटणा 40 मूडलप्पा स्ट्रीट दोडमोबल्ली बेंगलूर। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती रेहमतुन्नीसा बेगम
 - (2) श्रीमती सिमयुन्नीसा बेगम
 - (3) श्रीमती सलिमुसा बेगम एल-6 नलबन्दवाडी पुलिस रोड, क्रास बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

की वह भूषना जारी करके पूर्वोक्त सम्मन्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

बन्द सम्पन्ति के नवीन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस्त स्वयंत्र के हान्यम् में प्रकायन् की तारीस ते 45 दिन की स्वयंत्र या तत्सम्बन्धी स्वयंत्रियों पर स्वयंत्र की तत्पील से 30 दिन की स्वयंत्र को भी सन्यं नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वयंत्रियों में से किसी स्वृथित व्वादा;
- (भ) इस सूचना के राज्यक्य में प्रकाशन की तारीख से 45 विद को और उत्कर स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्युथ किसी जन्म स्थित ब्यारा, अधिहस्ताक्षरी के पाब सिर्वित में किए वा स्केंगे।

घनु सूची

(वस्तावेज ं सं० 4422/84-85 दिनांक 5-12-84) मब सम्प्रितिहै जिसका सं० पुराना नं० 59/8 ∤नया सं० 8 ओरसं० 60/7 है जो लाल बाग रोड 13 क्रांस चिम्कमावल्ली डिबीजन नं० 37 बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन **रं**ज, **वॅ**गलूर

दिनांफ 23-7-1985

यांहर 🛭

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनोक 24 जलाई 1985

निर्वेश सं० भार० 1495/37ईई/84-85/म्रर्जन/——म्रतः मुक्ते, भार० भारताज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं आफिस नं जी-1 है तथा जो नं 9, किन्नगहाम रोड, बेंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप में बिंगल है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नं 1291/84-85 दिनांक 12-12-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिफल से अतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बंग्च एसे अन्तरण के लिए तय पाया गयर प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयः की बाबस, उक्त नियम के अधीन कर कोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :——

मैसर्स यूनिक इन्टरप्राइजेज
 405 बी नीलकंठ,
 98 मेरीन ड्रैंव, बम्बई-400001

(भ्रन्तरक)

श्रीमती नागरत्नम्मा रामराव
 श्री सी० प्रार० सतीण
 श्रीमती ग्राशा रमेश
 श्री सी० आर० रवी
 श्री सी० प्रार० वेंकटेश
 श्रीमती सी० घार० ज्योती
 सब नं० 2592-8 मेन रोड,
 बनशंकरी सेकन्ड, स्टेज, बेगलूर-70 के निवासी।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पर्दो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1291/84-85 दिनांक 12-12-84) ग्राफिस प्रिमायेजेज नं० जी 1 ग्राउन्ड फ्लोग्नर 'कामसें हाउस, नं० 9, कन्निनहाम रोड (जंकशन श्राफ मिल्लर रोड), बेंगलूर-560001

> भ्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगसूर

दिनांक 24-7-1985 मोहर:

शक्य नाइ^{*}. द<u>ी. एन . एस .</u> -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ग** (1) के **नधीन स्पना**

मारत बहुका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जुलाई 1985 निदेश सं०ग्रार० 1506/84-85/37ईई/---ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

नामकर जिभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिले इसरें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' सन्ध गया हैं), की भाज 269-क के जभीन सक्षत्र प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानपु सम्पत्ति, जिसका उथित वाचाद मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 102 है तथा जो 9 किन्नगहाम रोड बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नं० 1298/84-85 दिनांक 13-12-84

को प्वेंक्स संपत्ति के उचित बावार मून्य से कम के क्षयताम अतिफल के सिए अंतरित की गई है जोर मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यसप्वॉक्त सम्मतित का अचित वाजार मूक्क असके दश्यमान प्रतिफल को पत्तह विश्वास करने कि स्थमान प्रतिफल को पत्तह विश्वास कर के सिंध दश्यमान प्रतिफल को पत्तह विश्वास के सिंध के स्थमान प्रतिफल को पत्तह विश्वास के विश्वास के सिंध तक पावा वा प्राचिक्त कि सिंध तक पावा वा प्राचिक्त कि सिंध तक के सिंध तक के सिंध में वास्तिक के से की का सिंध के सिंध के

- (क) ब्रुप्तरण वे हुई किसी नाम का बावल्ल ं बक्तः मीद्रीत्यम के नभीन कह द'ने के अन्तर्कृक के बावित्य में कभी करने या उससे ब्यूने मोट्र सुविधा के सिए; नरि√वा
- (क) एसे किसी नाम या किसी भन या नन्स नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकार शीधीनसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या भन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिसी क्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, क्याने में सुविधा के लिए;

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त बिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—— मैसर्स यूनिक इंटरप्रैंसस
 405 बी नीलकंठ 98 मेरीन ड्रैंव
 बम्बई-2

(भ्रन्तरक)

2. एशियाटिक एक्सप्रैस (प्रा०) लिमिटेड 1/96 कनाट सर्कंस नई बिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

कर यह बुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के नर्जन के लिख कार्यवाही सुक करता हुं।

खबरा सम्परित के अर्जन के संजंभ में कार्ज भी भारतेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व व 45 विन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पान निश्चित में किए वा सकी।

्रम्बद्धीक दुन ः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया क्वा हैं।

अनुसची

(बस्तावेज सं० 1298/84-85 दिनांक 13-12-84) ग्राफिस प्रिमेसस नं० 102 कामर्स हाउस नं० 9 कन्निगहाम रोड बेंगलूर-560001।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, केंगलुर

दिनांक 24-- 7-- 1985 मोहरः

इंडन बाइंट्र**टी** पुन**ुएर** प्रस्तानन

बावकर वृष्टिन्युन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मुभीन सुक्रमा

-

कार्यातय, सहायक वायकर वायकत (निर्देशक) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जुलाई, 1985

निर्देश सं० श्राप ० 1516/84-85--श्रतः मुझे श्राप्त भाषाज जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतने इतने प्रकार प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की पार 269-च के अधीन संभाग श्रीधकारी को यह विकास करने का कारल है कि स्थानर संग्रीत, जिसका उचित बाचार मृस्य, 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 301 है, तथा जो 132, इन्फ्रेन्ट्री रोड, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रा कर्ता श्रीध हारी के कार्यालय, बेंगलूर में रिजस्ट्रो कर्ण अधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के श्रीधान सं० 1306/84-85, दिनांक 13-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिक से के निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके रहयमान प्रतिक क से, एसे रहयभान प्रतिकम का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय तय पाया प्या प्रतिकास निम्नसिक्ति उद्विष्य से अन्तरक किस्तरक विचित के शास्त्रिक अन्त से किसा बहा किया वशा है:--

- (क) वृत्तारण वं हार्च विक्री वास की वास्त्र, उपक्ष स्थितिका के संभीत कर क्षेत्र के संस्थरण की समित्र के क्ष्मी करणे वा उक्के ब्यून के स्थिता के स्थित की स्था
- (क) ऐसी किसी जान या किसी भग या जान बास्सियों को, जिल्हों भारतीय जान-कर जीभनियज, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियज, या अयु-कर अजिन्दिका, 1957 (1957 का 27) के मुबोबनार्थ जन्तिहारी हुजारा जनक नहीं जिला प्या था या जिला आंता आहिए था, जिलाने वें बृहिभा के लिए;

्वता वया, जनत विभिनियम की भारा 269-न के बनुसरन् वी, वी, उन्त विभिनियम की भारा 269-व की जनभारा (1) वे अभीन, निकासिवित व्यक्तित्वों, व्यक्ति ध--- श्री एन० राधाक्कण्णन, सुपुत्र श्री नंजन, बिदाबन, बैट फ्रील्ड, बोंगल्य।

(श्रन्तरक)

श्रीमती प्रवीन शेत, पत्नी श्री लिख शेत,
 35, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाही करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के विश् कार्यवाहियां करता हुई ।

उनत सम्पत्ति के कर्जन के तस्वरूप में कोई बाक्षेप ह--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिवित में किए जा सकरें है।

स्वक्षीकरण :---इसमें अयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वदा हैं।

-१वर्ष

(दस्तावेज सं० 1306/84-85, विनांक 13-12-84)
ग्रपार्टमेन्ट, नं० 301, जो तारा श्रपार्टमेन्टस के तोसरी
मंजिल में स्थित है जिसका पता है नं० 132, इन्फ्रेन्ट्री रोड,
बेंगलूर है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बेंगलूर

दिनांक : 24-7-1985

4

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः।, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 24 जुलाई 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनको संव बं:-। है. तथा जो कामर्स हाउस, 9/1, किन्निहाम रोड, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ भ्रानमूचो में ग्रीर जो पूर्णका से विणित है) रिजिस्ट्री कि कार्यालय, बेंगलूर में रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन संव 1314/84-85 दिनांक 13-12-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया शा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- भैसर्स युनिक एंटरप्राइजेज,
 नं० 405, 'बी', नीटपन्ट, 98,
 मेरिन ड्राइब, बम्बई-2

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमिती एस्तूरी राघव सूरतकल, 141/1, 'एन०' ब्लाक, राजाजी नगर, बेंगलूर-10

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1314/84-85, दिनांक 13-12-84) बेसमेंट, नं० बो-1, जिस हा नाउ 245 वर्ग फुट है, जो 'कामर्स हाउस', 9/1 रुजिगहाम रोड, बेंगलूर,-52 में स्थित है।

म्रार० मारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 24-7-1989 मोहर:

प्ररूप बाह्र . टी, एन, एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रोज, बेंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 24 ज्लाई, 1985

निर्देश सं० ग्रार० 1536/37ईई/84-85—श्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

स्रौर जिसकी सं० ए-32 है, तथा जो 26 सागा स्रब्बास स्राली रोड, बेंगलूर, में स्थित है (और इसमें उपावत प्रानुसूबी में प्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिवारी के कार्यालय, बेंगलूर, में दस्तावेज सं० 1319/84-85 रिजस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 13-12-1984

को पूर्वोक्त संपंत्रि के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए रिअस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास

करने का कारण है कि याप्वींक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का बन्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में याम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर./या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अथ., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- 1 श्री ए० जब्बार तथा ग्रल्मा रिथल्टर्स , नं० 105, रिचमंड, रोड, बेंगलूर-560025 (ग्रन्तरक)
- 2 डा० वी० के० हमाद तथा
 श्रामता एफ० बी० हमाद,
 11, पलोर, विडमर विल्ला, भुला भाई देसाई रोड, वम्बई-400026

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4: दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसें अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स ची

(दस्तावेज सं० 1319/84-85 दिनांक 13-12-1984)
श्रपार्टमेन्ट, नं० ए-32 श्राफ़ (ए' टाइप, जो 4 तथा 5 वीं मंजिल में है श्रौर जिसका नाप करीबन, 2848 नगं फ़ुट है, श्रौर जो नं 26, श्रागा श्रब्बास श्राली रोड, बगलूर-560042 में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) , स्रर्जन रेंज, बेंगलुर

दिनांक 24-7-1985 मोहरः

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 30th July 1985

No. A.32013|4|83-Admn.II.—Shri K. R. P. Nair, who retired as Joint Director (ER) in the Commission's office on attaining the age of superannuation on 31st May 1985, is deemed to have been appointed as Officer on Special Duty (Language) in the pay scale of Rs. 1500—60—1800 on 13-4-1985 and as Joint Director (ER) w.e.f. 14-4-1985 to 31-5-1985.

M. P. JAIN
Under Secretary (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi, the 25th July 1985

No. A. 35014/1/84-Admn. II (i)—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints following Section Officers of the CSS cadre of the Union Public Service Commission as Accounts Officers in the Commission office on transfer on deputation basis for he period mentioned against them or until further orders whichever is earler,

	 <i></i>	 		
·	 	From	То	
S/Shri		 		
 VC Kajra (SC) Harkirat Singh Karan Singh (SC) Sudershan Kumar 		18-7-85 18-7-85 18-7-85 18-7-86	11-1-86 7-10-87 31-1-88 5-1-85	

2. Their appointment will be regulated in terms of Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M No F 1 (11) E III(B)/85 dated 7-11-1975.

M.P. JAIN, Under Secy (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 12th August 1985

No. O.II-137|69-Estt.—Consequent on his retirement from service on superannuation, Shri S. B. Narayana Rao, Deputy Inspector General of Police, C.R.P.F., Putna Range, relinquished the charge of his post on the afternoon of 31st July 1985.

No. O.II-215|69-Estt.—Consequent on his retirement from service on superannuation, Shri Gajender Singh, Second-in-Command, 9th Bn, CRPF, relinquished the charge of his post on the afternoon of 31st July 1985.

The 14th August 1985

No. O.II-1761|82-Estt(CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) P. Pradhan, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis wef the forenoon of 29th July 1985 for a period of 3 months or till the post is field in by the regulo-incumbent, whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant, Director (Estl.)

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 16th August 1985

No. 18/11/85-Adm.II.—Shri J. Swamy Rao, an Inspector of Police from Andhra Pradesh, is appointed as Deputy Supdt. of Police (Instructor) on deputation in the Central Detective Training School, Hyderabad, with effect from 14-6-1985 (FN) for a period of one year in the first instance.

The 19th August 1985

No. 18/9/85-Adm.II.—Shri B. B. Pushkarna, an Inspector of the CFPB, Calcutta is appointed as Deputy Supdt. of Police (Instructor) on deputation in the Central Detective Training School, Hyderabad with effect from the afternoon of the 19th June 1985 for a period of one year in the first instance.

S. K. MALLIK Director General

DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 12th August 1985

No. E-32015(3)|11|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri J. R. Gupta, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit, ECL Seetalpur with effect from the forencon of 30th July 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 27th August 1985 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

No. E-32015(4)|45|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri Anil Mallick, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit OTHPP Obra with effect from the afternoon of 29th July 1985.

No. E-32015(4)|50|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Pandhir, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BTPS Badarpur with effect from the forenoon of 24th July 1985.

The 14th August 1985

No. E-32015(3)|10|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri V. Murleedharan, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit, FBP, Farakka with effect from the 15th July 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 27-8-85 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

The 19th August 1985

No. E-32015(3)|9|85-Pers.1.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Abrol, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit MPT Madras with effect from the forenoon of 22nd July 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 27-8-85 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4) |44|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Issar, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BCCL Jharia with effect from the forenoon of 7th August 1985.

No. E-32015(4)|53|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Yadav, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit NAPP Narora with effect from the forenoon of 2nd August 1985.

ILLEGIBLE Director General CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi the 13th August 1985

No. 11/1/85-Ad.I.— The President is pleased to revert the undermentioned officers working as Asstt. Director (Data Processing) (Data Entry), on deputation, on a purely temporary and ad hoc basis, in the offices mentioned below against their names, to the grade of Investigator with effect from the 9th April 1985.

The President is further pleased to appoint these offices, by promotion, to the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical Group A; Gazetted) in the scale of pay of Rs 700-40-900-EB-40-1100-50-1300, on a purely temporary and ad hoc basis, with effect from the same date i.e 9-4-1985 till 28-2-86 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

S. No.	Name of the	office	er							Office in which working posted	
1	2	~							+		3
S/S	Shri									,	
1. O.P.	Ahuja			•	•	•				Office of the Registrar General India	New Delhi.
2. P.N.	. Baweja									Do.	Do.
3. S.R	Garg									Do.	Do.
4. K·B	- Rohtagi .									Do,	Do.
5. N.S.	Bhatnagar									Do	Do.
5. S.S.	Niket									Do.	Do.
7. R,S.	Lal									Do	Do.
S. Gyai	n Prakash		,							Do.	Do.
9. Gan	esh Dass.									Do	Do.
	ash Garg									Do.	Do.
. K.K	. Sharma .	٠	•	•						. Office of the Director of Census, Operations.	Andhra Pradesh, Hyderabad
. Khaj	ja Moinuddin							•		\mathbf{D}_0	Andhra Pradesh, Hyderabad.
3. G.C.	. Mishra .	•	,							Do.	Bihar, Patna
	Nehal Hussain									Do.	Do.
5. S.K.	Sinha .									Do.	Do.
5. B.M	. Patel .									Do.	Gujarat, Ahmedabad.
7. G.N	I. Gowda									Do.	Karnataka, Bangalore.
	Raghvendra F									Do.	Do.
9. M.	Peethambaram									Do.	Kerala, Trivandrum.
0. A.G	Oak .									Do.	Madhya Pradesh, Bhopal.
1. V.S.	Joshi .									Do.	Do
2, R, N	I Pongurlekar									Do.	Maharashtra, Bombay
3 , K.	K. Akolkar		•			-				Ъо	Do.
4. P. K	, Rout									Do.	Orissa, Bhubaneswar
5. G.D	Agarwal									Do.	Rajasthan, Jaipur
6 N. K	C. Purohit									Do.	Do.
7. J.T	Machado									Do	Tamilnadu Madras
8. R. I	Narayanan									Do.	Do.
9. M.N	A.A. Beg									Do.	Uttar Pradesh, Lucknow.
С· J. Р.	. Barnwa!									Do.	Do.
1. R.M	I. Singh									Do.	Do.
	. Upadhyay									Do.	Do.
3. L.C	. Rastogi									Do.	Do.
_	K. Mehrotra									Do.	Do.
5. Ran	n Sahai									Do.	Do.
6. Smt	. Shaifali Chak	ravo	rty		•	•	•			Office of the Director of Census, Operations.	West Bengal, Calcutta.
7. J.N.	. Suri .				-					Do.	U.T. Chandigarh, Chandigarh
18. K.B	. Lakhanpal		,							Do.	Do.

The above-mentioned ad hoc appointments shall not bestow upon the officials concerned any claim to regular appointment to the post of Asistant Director of Census Operations (Technical) The services rendered by them on ad hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibolity for promotion to the next higher grade. The aforesaid ad hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/1/85-Ad.I—The President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Investigators/Investigators (Social-Studies) working in the offices mentioned against their names in column 4 below, as Assistant Director of Census Operations (Technil cal) (Group A: Gazetted) in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on a purely temporary and adhoc basis from the-date (s) as mentioned against their names in column to below upto 28-2-86 or till the post are filled on regular basis, whichever is earlier and post them to the offices shown against their names in column 5 below:—

s No. Name o	f the Off	icer				Date of appontmen	Office in which wor	king	Office to	which promot	
1 2	·		· — -			3	4			5	
S/Shri											
1. Ansar Ahme	đ	•	•			14-5-85 (FN)	Office of of the Director of Cen- sus Operations	Tamil Nadu, Madras.	Office of Directet Census Or	of	Tamil Nadu
2. B. K. Verma	ı.					14-5-85 (FN)	Do	Bihar, Patna	- 	Do	Bihar, Patna
3. R. K. Saxen			•			27-6-85 (FN)	Office of the Registrar General India	Do, 1 New Delh			Mahara- shtra, Bombay
4, Ram Kuber	Ram				٠	30-5-85 (FN)	Do			Do.	Uttar Pradesh. Lucknow
5. A. Mehdhi	٠	•		•		10-6-85 (FN)	Office of the Director of Census Operations.	Arunachal Pradesh, Shillong		Do.	West Bengal, Calcutta
6. G.B. Panda		•	•	•	•	18-7-85 (FN)	Office of the Rogistrar General India	_	Registr	of the Re- rar Genra New Dell	.I ,
7. Budh Singh						18-7-85 (FN)	Do.	14044 120111	111414.	Do.	16
8. R.P. Naula						18-7-85 (FN)	Do.			Do.	
9. Smt. Renu S						10 7 05 (5)	Do.			Do.	

The above mentioned adhoc appointments shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by them on ad hoc basis shall not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/1/.85-Ad..1—The President is pleased to repatriate the under-mentioned officers in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical), working as Assistant Director (Data Processing), on deputation, on ad hoc basis, in the offices shown against their names, to their parent cudre of Assistant Director of Census Operations (Technical) with effect from the 19th April, 1985 and to post in the same offices:—

S. No. Name of the	Offic	er .							Office in which	working /postcd
1 2									3	4
S/Shri										
1. R.C. Kathuria		•	•	•	٠	•		•	Office of the Registrar General, India	New Delhi
2. S.S. Kashyap				• -					Do.	Do.
3. L.C. Sharma									Do.	Do.
4. B. Satyanarayana		•	•	•	•	•	٠	•	Office of the Director of Census Operations.	Andhra Pradesh, Hyderabad.
5. U.S. Chaturvedi									Do.	Biher, Patna
6. R.Y. Ravashetty									Do.	Karnataka, Bangalore.
7. S. Jayashankar									Do,	Kerala, Trivendrum.
8. Hari Kishan									Do.	Rajasthan, Jaipur
9. R.C. Bhargava							•		Do.	Do.
10. A.V. Vallinathan					,				Do.	Tamil Nadu, Madras
11. Harbhajan Singh			•	•	•	•	•	•	Do Do	Uttar Pradesh, Lucknow
12. M.C. Padalia									Do.	Do,
13. D.P. Chatterjee									Do.	West Bengal, Calcutta.
14. N.C. Sarkar									Do.	Do.

No. 11|1|85-Ad.I.—The President is pleased to revert Shri C. Chakravorty and Smt. Suman Prashar, working as Research Officer (Social Studies), on deputation, on purely temporary and ad-hoc basis, in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, to the grade of Investigator (Social Studies) with effect from the 17th July 1985.

The President is further pleased to appoint the aforesaid officers, by promotion, to the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) (Group-A; Gazetted) in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300, on a purely temporary and ad hoc basis with effect from 17-7-1985, upto 28-2-1986, in the same office or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

The above-mentioned ad hoc appointments shall not bestow upon the officials concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by them on ad hoc basis shall not count for the purpose of seniority in the grade or for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

V. S. VERMA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS INDIA SECURITY PRESS

Nasik-Road, the 13th August 1985

No. 305|A.—In continuation of Notification No. 47|A, dated 29-1-1984 the term of regular deputation of Shri G. Narayan Sami, Deputy Control Officer, as Administrative Officer in India Security Press, Nasik-Road is hereby extended for one year from 14-4-1985 to 13-4-1986.

P. S. SHIVARAM General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 10th August 1985

F. No. BNP|C|5|85.—In continuation of this office's Notification of even No. dated 26-6-1985, the following permanent Inspector Controls are appointed to officiate on regular basis as Dy. Control Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazet-

ted) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 30-7-1985 (FN) until further orders.

- 1. Shri P. R. Sharma.
- 2. Shri Mohinder Singh.
- 3. Shri Paresh Joshi.

M. V. CHAR General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 19th August 1985

No. Admn.I|O.O.No. 227.—The Director of Audit, Central Revenues, I hereby appoints Shri B. D. Gupta, an officiating Audit Officer of this office, in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1-8-1985.

Sd./- ILLEGIBLE Dy, Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 9th August 1985

No. Admn. I|8-132|85-86|75.—S|Shri K. L. Narasimham, Y. Subramaniam. I and M.B.K.Bh. Satyanarayana Murthy Audit-Officers, Office of the Accountant General (Audit). I, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on the Afternoon of 31-7-1985.

ANANDA SHANKAR Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT): I, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 16th August 1985

No. Admn. XI|Gr. I|Retirement|AO|156|305.—In terms of Rule-48 (i) of C.C.S. (Pension) Rules, 1972 the Accountant General (Audit): I Madhya Pradesh, Gwalior is pleased to permit Shri B. D. Rishbud (01|181) a permanent Audit Officer of the Office Of The Accountant General (Audit): II Madhya Pradesh, Bhopal to retire voluntarily from Central Government Service with effect from 30th April, 1986 Afternoon.

(Authority: Orders of A.G. (Audit): I dated 2-8-1985)

M. DEENA DAYALAN Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT-1) MAHARASHTRA

Bombay-400020 the 27th June 1985

No. Admn.I Au/Gen!/AO/1(1)3—The Accountant General (Audit)-I, Maharashtra, is pleased to appoint the following Asst. Audit Officers to officiate as Audit Officers with diffect from the dates mentioned against their names, until further orders:—

Sl. No. Name					Date of appointment Office to which posted as Audit Officer				
1, Shri S.V. Darve					11-6-1985 (AN)	Directer of Audit (S&CD), Bombay			
					12-6-1985 (AN)	Accountant Genecral (Audit) II, Nagpur.			
3. Shri K.L. Mankar					13-6-1985 (FN)	Accountant General (Audit) I, Bombay			
4. Shri R.B. Choubal	•		•	•	11-6-1985 (AN)	Director of Audit (Central), Bombay.			

P.K. RAMACHANDRAN Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICE

New Delhi-110001, the 16th August 1985

No. 2204|A.Admn|130|85.—On attaining the age of super-annuation Shri G. S. Sharma, substantive Audit Officer, retired from service, with effect from 31st July, 1985 (AN).

B. S. TYLE
Joint Director of Audit
Defence Services

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-66, the 12th August 1985

No. AN-1|1728|5|I.—The Controller of Defence Accounts regrets to notify the sad demise of Shri N. D. Moray, IDAS (Date of birth 27-08-34) on 14th July, 1985.

No. AN-I]1172|1|Vol.III.—The President is pleased to appoint B. S. BHALERAO, an officer of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Administrative Grade (Level-II) (Scale Rs. 2250-125|2-2500) of that Service with effect from the ferencon of 18th July, 1985, until further orders.

The 13th August 1985

No. AN|II|2606|84.—Tht Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of Shri Roop Ram Singh, Permanent Accounts Officer (0|462) on 2-7-1985, Shri Roop Ram Singh A.O. is accordingly struck off the strength of this Department with effect from 3-7-85(FN).

A. K. GHOSH Addl. C.G.D.A. (Admin)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi-110011, the 5th August 1985 IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6|1193|77-Admn(G).—Shri S. L. Son Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports (Central Licensing Area), New Delhi expired on 11-1-1985.

The 7th August 1985

No. 6|1249|78-Admn(G).—Smt. P. M. Sankari Controller of, Imports and Exports in the office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, has been permitted to retire voluntarily from the forenoon of the 1st July 1985.

SHANKAR CHAND
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL OF INDUSTRIAL CONTINGENCY

New Delhi, the 13th August 1985

No. 111 (93) DGIC HQ 85(.).—The President is pleased to appoint Shri Kishore Kunal, an officer of the Indian Police Service (Guj: 72) as Assistant Director in the Directorate General of Industrial Contingency at Patna under the Department of Industrial Development, Minisrty of Industry and

Company Affairs, with effect from the forenoon of 5th August, 1985

I. P. BHATT Dy. Asstt. Director (HQ).

MINISTRY OF JUPPLY & TEXTILES

DEPARTMENT OF TEXTILES

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

ADMN.I SECTION

New Delhi-110011, the 5th August 1985

No. 2001|15|77-DCH|Admn.I.—The President regrets to announce the death of Shri K. Karunakaran, Assistant Director-Gr.II in the office of the Development Commissioner for Handlooms, New Delhi on the 2nd August, 1985.

P. K. DATTA Additional Development Commissioner (Handlooms)

New Delhi, the 8th August 1985

No. A-32015(1) 84-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from 29-7-1985 and until further orders Shri B. Dasaratharami Reddy as Assistant Director Grade.II (Non-Technical), in the Weavers' Service Centre, Guwahati.

V. K. AGNIHOTRI Addl. Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF STEEL, MINES & COAL DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 13th August 1985

No. EI-2(3)|82(.).—The undersigned hereby appoints Shri P. K. Das, Superintendent, to officiate in the post of Assistant Commissioner of Payments in this organisation with effect from 12-8-1985 on temporary basis for a period 3 months vice Shri Sukumar Sinha, now on deputation to Falta Export Processing Zone, as Administrative Officer, given proforma promotion to the same grade.

No. EI-2(3)|82(.).—Shri Sukumar Sinha who is now on deputation to the Falta Export Processing Zone, Ministry of Commerce, Government of India, 7, Camao Street, Calcutta-16 in the capacity of Administrative Officer is hereby given proforma promotion to officiate as Assistant Commissioner of Payments in this organisation under the "next below rule" with effect from 12-8-1985, the date from which Shri P. K. Das, Superintendent, is officiating as Assistant Commissioner of Payments.

D. K. GHOSH Iron & Steel Controller

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 14th August 1985 CORRIGENDUM

No. 8370B|A-32013(SO)|84|19A.—The name appearing in this office notification No. 7201B|A-32013(SO)|84-19A dated 15-7-1985 may be read as Shri S. R. Sinha Roy instead of Shri S. K. Sinha Ray.

A. KUSHARI Director (Personnel)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 18th July 1985

No. A.190120|13|77-Admn.l|M (F&S).—Consequent on his voluntary retirement Shri P. Eapen Thomas relinquished charge of the post of Liberarian at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of 1st January, 1983.

P. K. GHAI Deputy Director Administration (C&B)

New Delhi, the 14th August 1985

No. A.12025|1|82-DC.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Mirza Farooq Ahmed Beg to the post of Junior Scientific Officer, (Pharmaceutical Chemistry), in the Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from forenoon of 15-4-1985, until further orders.

MATU RAM
Dy. Director Admn. (Drugs)

MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)

DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 1st August 1985

No. F.2-3|85-Estt.(I).—On the recommendations of D.P.C. Group 'B' of the Directorate of Extension, Shrl O. P. Lath, Superintendent (Gr. II) is promoted to officiate as Superintendent (Grade 1) G.C.S. Group 'B' Gazetted (Ministerial) in the scale of pay of Rs. 700-30-760-35-900 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Rural Devt., Deptt. of Agriculture & Cooperation with effect from 1st August 1985 (F.N.) until further orders.

R. G. BANERJEE Director of Administration

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 14th August 1985

No. A-19025|41|79-A.III.—The resignation tendered by Shri B, D. Bajaj, who was relieved of his duties as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate on 1-5-80 (F.N.) for joining the Department of Food on his selection as Junior Inspecting Officer through the Union Public Service Commission, has been accepted by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India with effect from 30-4-1982 (AN) and his lien in this Dte. stands terminated from the same date.

J. KRISHNA Director of Administration

DELHI MILK SCHEME

New Delhi-110008, the 13th August 1985

No. 4-3|81-Estt. (Spl).—Shri Sheo Ram officiating in the post of Assistant Administrative Officer is appointed to officiate on regular basis to the post of Administrative Officer in the pay scale of Rs. 840-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Delhi Milk Scheme with effect from 24-3-1985.

No. 4-3 81-Estt. (Spl).—Shri U. C. Puri, Officiating in the post of Administrative Officer on short term basis is appointed to officiate on regular basis in the post of Administrative Officer in the pay scale of Rs. 840-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Delhi Milk Scheme with effect from 23-3-1985.

ARUN SEDWAL General Manager

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 9th August 1985

No. PA|73(12)|85-R-IV|806.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. R. K. Mahajan as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of July 1, 1985 to the afternoon of July 31, 1985.

The 14th August 1985

No. PA|73(12)|85-R-IV|815.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Virendra Mohan Sharma as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of July 5, 1985 to the afternoon of August 6, 1985.

M. D. GADGIL Dy. Establishment Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 12th August 1985

No. NAPP|Rectt|11(6)|85-S|9664.—Officiating appointment on ad-hoc basis of Shri Om Prakash, a permanent Selection Grade Clerk of this Project as Assistant Personnel Officer notified vide notification No. NAPP|Adm|11(6)|84|S|10906 dated 13-11-84 stands terminated with effect from the afternoon of August 3, 1985.

R. K. BALI Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 8th August 1985

No. DPS|41|1|85-Adm.|5981.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Joaquim John Pareira, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 1-7-1985 (FN) to 31-7-1985 (AN) in the same Directorate vice Shri S. S. Pradhan, Asstt. Purchase Officer granted leave.

The 9th August 1985

No. DPS|41|3|85-Adm.|5993.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri A. A. Shaikh, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer, to officiate as an Accounts Officer-II on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 from 17-6-1985 (FN) to 31-7-1985 (AN) in the same Directorate.

No. DPS|41|3|85-Adm.|5999.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Smt. Kanta Amarlal Raheja, a permanent UDC and officiating Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 17-6-1985 (FN) to 31-7-1985 (AN) in the same Directorate.

P. GOPALAN Administrative Officer

CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 31st July 1985

No. CED|A|2(16)|5183.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. V. Poulose, a temporary Assistant Accountant in Construction & Services Group as Assistant Accounts Offi-

cer in a temporary capacity on adhoc basis with effect from the forenoon of 1-5-85 to 1-6-85 vice Shri V.G.J. Pillai, A.A.O. promoted as Accounts Officer-II in Directorate of Estate Management.

> S. K. KAPUR Administrative Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY ATOMIC MINERALS DIVISION ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 20th August 1985

No. AMD-16[3]85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Sukh Dayal, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from April 6, 1985 to May 8, 1985.

No. AMD-16|3|85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. S. Narayanan, a permanent Senior Stenographer, Nuclear Fuel Complex and officiating Assistant Personnel Officer, Atomic Minerals Division to officiate as Administrative Officer-II in the same Division on an ad-hoc basis with effect from February 1, 1985 to May 28, 1985.

No. AMD-16|3|85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. P. George, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant. Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from February 1, 1985 to 28th May, 1985 vice Shri T. S. Narayanan, Assistant Personnel Officer promoted as Administrative Officer-II.

No. AMD-16/3/85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Smt. K. V. Nair, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from April 27, 1985 to June 1, 1985 vice Shri P. O. Karunakaran, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 19th August 1985

No. 05012|1|ROP|3059.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri Shrikrishan Shrihari Khanolkar a permanent Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Office; the same office in a temporary capacity, on adhoc basis from May 27, 1985 (FN) to July 5, 1985 (AN) vice Shri G. Kulandaivelu, APO, granted leave.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

and control to the control of the co

New Delhi, the 18th August 1985

No. A.32013|5|83-EI.—In continuration of this Office Notification No. A.32013|5|83-EI, dated the 26th May, 1983, the President is pleased to continue the adhoc appointment of

Shri Y. P. Bawa to the post of Deputy Director (Research & Development) for the period from 5-4-1984 to 17-12-1984.

M. BHATTACHARIEE Deputy Director of Administration

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 6th August 1985

No. 18|85.—Shri Bant Singh, lately posted as Senior Superintendent of Central Excise, Calcutta-Il Collectorate on his transfer to the Directorate General of Inspection (C&CE) vide Ministry of Finance, Deptt, of Revenue's order No. 98|85 dt. 9-7-85 issued vide letter F. No. A-22012|42|85-Ad.II, assumed charge of the post of Asstt. Director, DGICCE, New Delhi w.e.f. 26-7-85 (FN).

No. 1985.—Shri B. K. AGARWAL, lately posted as Asstt. Collector of Customs, Bombay, on his transfer to the Directorate General of Inspection (C&CE) New Delhi vide Ministry of Finance, Deptt. of Revenue's Order No. 98/85 dt. 9-7-85 issued vide letter F. No. A-22012/40/85-Ad.II assumed charge of the post of Asstt. Director, DGICCE, New Delhi on the FN of 5-8-85.

No. 20!85. Shri M. C. Saxena, lately posted as Supdt. of Central Excise (Gr. B) Range Haldwani in the Collectorate of Central Excise Meerut. on his appointment as Inspecting Officer (Gr. B) vide this Directorate General's Order C. No. 1041|50|82 dated 23-2-85 assumed charge of the post of Inspecting Officer, Group 'B' in the North Regional Unit of DGICCE at Ghaziabad w.e.f. 15-7-85 (FN).

A. C. SALDANHA Director General of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 9th August 1985

No. A-19012|1070|84-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission appoints Shri Chandeshwar Singh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on adhoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 31-12-1984 for a period of one year or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

MEENAKSHI ARORA Under Secretary (C) Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 8th August 1985

No. 27-EE|K(14)|75-ECII.—Consequently on attaining the age of superannuation (58 years) Shri I. S. Kochhar, Executive Engineer (Elect.), PWD Electrical Divn. No. I (DA), New Delhi has been retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st July 1985 (31-7-1985 A.N.).

NEENA GARG
Dy. Director of Administration
for Director General (Works)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 2nd August 1985

Ref. No. III-975 Acq. 85-86.—Whereas, I, R. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable respective house of fair market value ever that the property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearmg
Holding No. 397(A) New in Circle No. 6, Touzi No. 524,
Plot No. 782(part), 783(part) and 784(part), ward No. 2,
situated at Exhibition Road, Patna, Dist. Patna
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at D.S.R. Patna on 10-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Ashiana Engineers Pvt. Ltd., "Vishwa Sadan", Exhibition Road, Patna, through its Director Sri Om Prakash Gupta,

(Transferor)

(2) M/s. Mithila Motors Pvt, Ltd., Ehibition Road, Patna-1, through its Director Shri Dinesh B. Parikh Slo Late Bhagwanjee Parikh of Gokul, 9, Park Road, Bistupur, Jamshedpur.

(Transferce)

(3) M/s. Mithila Motors Pvt. Ltd., Exhibition Road, Patna-1. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the premises i.e. floor area standing on the piece and parcel of land by measurement 444470 sq. ft. approx. as plinth parcer of land by measurement 444470 sq. It, approx, as philin area and 3960 sq. ft. as carpet area being a portion of helding No. 397(A) New circle No. 6, Touzi No. 524 on part plot of 782, 783 & 784 in Ward No. 2 Exhibition Road, Patna situated on the ground floor with all doors, windows, fixtures containing big hall & tollets and more fully described in deed No. 6988 dt. 10-12-84 registered with D.S.R., Patna,

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 2-8-85

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 196 BAPUJINAGAR, BHUBANESWAR-751 009 (ORISSA)

Orissa, the 31st July 1985

Ref. No. IAC|Acq.|BBSR-1|85-86|552-53.—Whereas, 1, C. SETHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 7199 84 situated at Ganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhubaneswar on 12-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of varafer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-iux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax net, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sk. Jalil Slo Late Sk. Jayad Ali, P.O. Dhamsan Dist, Chhapra (Bihar), At present in Plot No. S.C.R. No. 68, Ganganagar, Unit-VI, Bhubaneswar, Dist—Puri (Orissa.)

(Transferor)

(2) Sk. Fazlur Rahman Slo Sk. Khalilur Rahman, Bapujinagar in S.C.R. Plot No. 15/A, Bhubaneswar, Dist.—Puri (Orissa).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ing the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with Building-SCR Plot No. 68-Mouza-Ganga-Lund with Building—SCR Plot No. 68—Moltza—Gangar in Unit VI, measuring 90'x40' vide drawing No. 1680 Municipal Holding No. 40|190, Ward No. 9 rent Rs. 12.40 with the Jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and bounded by—North—Conservancy Lang. South—40 ft. Road and open space, East—Plot No. 67 and West—Small shop plots. plote

> R. C. SETHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 196 Bapujinagar, Bhubaneswar-9.

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the followeforesaid property by the issue of this notice under subrersons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

52-226GI 85

Date: 31-7-1985

(1) Shri Pondurang Aba Bhadure Rlo Yavatmal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Padamchand Mangild Bafna, Rlo Yavatmal.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR NAGPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Nagpur, the 8th May 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC|ACQ|4|18|85-86,-Whereas, I, M. C. JOSHI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Agricultural Land situated at Mauja, Moha Teh. & Distt. Yavatmal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Yavatmal on 11-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metrument of transfer with the object ofEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in

that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Agricultural Land bearing S. No. 50|2 situated at Mauia: Moha Teh, & Distt, Yavatmal Total Area : 5 Acres 27 Gunthas.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 8-5-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|ACQ|20|22|85-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Sheet No. 165. CTS No. 18344 1, Station Road, Aurangabad (and more fully described in the Schedule annexed herato), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in the office at Aurangabad on 17-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

- Maulani Nabab Mohd Alikhan Sjo Maulani Umaradraj Alikhan Saheb, Aurangabad Now-Hyderabad.
- (2) Shri Nandkishore Nagarao Jadhav, "Balaji Kripa" behind Telephone Exchange, Ajabnagar, Aurangabad.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said nemperts may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as oven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 18900|- Sq. ft. situated at Station Road, Sheet No. 165, CTS No. 18344|1, Aurangabad.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Nagpur

Date : 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th August 1985

Ref. No. A.P. No. 5824.-Whereas, I.

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. as per schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subration (1) of Section 69D of the said Act, to the following nersons, namely :--

(1) Shri Kamal Narain, Shiv Narain, Sslo Lahori Lal. Ro Meh. Kasaban, Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shrimati Inderjit Kaur Wo Sardara Singh, Ro 23—Model Town, Pathankot.

(Transferee)

As per Sr. No. 2 above.
 Central Bank of India, Kapurthala,

2. F & T Department, Kapurthala.

3. M|s. Aggarwal Enterprises, Sultanpur Road,

Kapurthala.

(Person, in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 1959 of 26-12-84 of the Registering Authority, Kapurthala.

> J. L. GIRDHAR. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-8-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. JALANDHAR

Jalandhar, the 9th August 1985

Ref. No. A.P. No. 5826-5827-5828,---Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. as per schedule situated at Jalandher

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; pad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Ram Lubhaya So Dhani Ram, Rlo Gandhi Nagar near New Grain Market. Jalandhar, Mukhtiar-Khas of Harnarain Singh Mukhtiar-Am of Smt. Charanjit Kaur. (Transferor)

(2) Shri Harnaram Singh Slo Surat Singh, Rlo ND-270, Adda Tanda,

Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property situated at Tagore Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 3801, 3876 & 3893 of December, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Pange. Jalandhar

Date: 9-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th July 1985

Ref. No. ASR|85-86|23.—Whereas, I, R. DHINGRA, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.
Plot of land situated at Pathankot

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Pathankot on Jan. 1985

S. R. Pathankot on Jan. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection: (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls Lok Nath Bajaj & Sons, Forest Lessees & Timber Merchants, College Road, Pathankot Distt. Gurdaspur, through Shri Jai Dev Bajaj, So Sh. Lok Nath Bajaj, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Moti Parkash Slo Shri Reop Lal, Rlo Mohalla Wadeharian, Pathankot.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 4950 sq. ft. situated at Village: Anandpur, Tch.: Pathankot, as mentioned in sale deed No. 2694 dt. 23-1-85 of registering authority. Pathankot.

> L. R. DHINGRA, IRS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Amritsar

Date: 30-7-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th August 1985

Ref. No. ASR 85-86 24.—Wheears, I, L. R. DHINGRA, IRS being the Competent Authority authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Inscene-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. One property situated at Golden Avenue, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Amritsar in Dec. 1984.

S.R. Amritsar in Dec. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) l'acilitating the conceamlent of any income or any money or other a.s. is which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Murti W|& Shri Mela Ram, Bagh Rama Nand, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Inderjit Singh Slo Shri Jaswant Singh, clo Mls. Allied Auto Traders, Sheranwala Gate, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 70, situated at Golden Avenue, Water Works Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 6259, date 12-12-1984, of registering Authority, Amritsar.

L. R. DHINGRA, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Amritsar

Date , 12-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 12th August 1985

Ref. No. ASR|85-86|25.—Wheeras, I.
L. R. DHINGRA, IRS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
One property situated at East Mohan Nagar, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at S. R. Amritsar in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influence cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Munshi Ram So Shri Vir Bhan, Ro Karmon Deori, Amritsar.

(Transferor)

 Sh. Mukhtar Singh Slo Shri Kesar Singh, 149, East Mohan Nagar, Amritsar,

(Transferee)

(3) A sat S. No. 2 overleaf & Tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 238, situated at East Mohan Nagar. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 168 dt. 4-4-85 of egistering Authority, Amritsar.

L. R. DHINGRA, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ext. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-

ing persons, namely :---

Date . 12-8-1985

30625

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
NARAYANI NILAYAM", WARRIAM ROAD, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 19th July 1985

Ref. No. L.C. 763|85-86,-Whereas, I. B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter ereferred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

ks. 1,00,000]- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Calleut Corporation (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16) of 1908) in the office of the registering officer at Calicut on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ora
- (b) Incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said i. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :---

(1) Shri N Ismail Haji, Naiiha (Minor) Represented by Sri N. Ismail Haji, Nellikkaparambil, Puthiynagadi, Edakkad, Callcut (Present address : Sri N. Ismail. 286 N. S. C. Bose Road, Madras-I)

(Transferor)

Shri A. V. Paul, Alukas Jewellery, M. O. Road, Trichur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

10.95 cents of land in R. S. No. 17-15-681 of Calicut Corporation, registered in SRO, Calicut, vide document No. 1089 dt. 10-12-1984.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ernakulam

Date: 19-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUSITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th August 1985

Ref. No. 126 December 184.— fl Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Survey No. 254 situated at Kannankurichi Village, Salem Taluk and Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at ISR, Salem (Doct. No. 2168 to 2171 84) in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri P. Raman,
 Sri P. Swaminathan,
 Sri P. Paulvasu,
 Sri P. Kesavan,
 Sri P. Bahaswamy
 Sons of late Perumal Gounder,
 Iyyanthirumaligal,

Asthampatti Village, Salem Taluk and Dist.

(2) Smt. R. Vathsala, W'o U. R. Ramasundaram, 112, Greenways Road, Fairlands, Salem.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said humovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site in Survey No. 254|1 at Kannankurichi VII-lage, Salem Taluk and Dist.

JSR, Salem — Doct. No. 2168 to 2171|84.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-198/

AT-----

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th August 1985

Ref. No. F. No. 156|Dec|84|Mds.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Plot No. 3982 situated at Anna Nagar, Madras 40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 4015|84) in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nirmala Simon AND Shil Simon Jecob. Plot No. 3282, lock S-7, Alignar Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

 Shri T. A. Arthanari Mudaliar, 15. Jambulinga Street, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 3982, Anna Nagar, Madras-40.

(S.R.O., Auna Nagar-Doc. No. 4015;84).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 14-8-1985

- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
"NARAYANI NILAYAM", WARRIAM ROAD,
COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 19th July 1985

Ref. No. L.C. 762|85-86.—Wheeras, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Calicut Corporation (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calicut on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair snarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri N. Ismail Hajl,
Najina (Minor) Represented by
Sri N. Ismail Hajl,
Nellikkaparambil, Puthlynagadi, Edakkad,
Calicut.
(Present address:
Sri N. Ismail,
286;N. S. C. Bose Road,
Madras-1).

(Transferor)

(2) Shri K. P. Mayan, Slo Mohammed, Advocate, Chalapuram, Calicut-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11.75 cents of land in RS. No. 17-15-681 of Calicut Corporation, registered in SRO, Cealicut, as per document No. 1088 dt. 10-12-1984.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-dia
Acquisition Rando,
Birnakulam

Date : 19-7-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE "NARAYANI NILAYAM" WARRIAM ROAD COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8 August 1985

Ref. No. L.C. 766|85-86.— Whereas, I. B. RAVIBAILAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to sa the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000|- and bearing Sy. No. per schedule situated at Guruyayur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at SRO, Kottappadi on 12-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Subramania Iyer,

- 2. Shri Sankara Iyer,
- Kolathu Iyer,
 Narayana Iyer,
- 5. Venkitaramakrishnan

6. Krishna Iver and 7. Sankaran

Akampuram, North Kollidakurichi, Ambassamudram, Tirunelveli, Tamil Nadu.

(Transferor)

(2) Sri P. N. Krishna Kumar.
Slo P. K. Nanu Ezuthassan,
Padinjarethalakkal House, Now residing at
Amrutha Lodge, East Nada,
Guruyayur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

-5.5 cents of land in Sy. No. 100|10, 11, 12, & 13 of SRO, Kottoppadl, with double stories building at Guruvayur East Nada, in Chavakkadu Firka-Guruvayur Township.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Cochin-662 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 8-8-1985

. Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th August 1985

Ref. No. 12|December|84|MDS.-Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Door No. 46 & 47, Aravamudha Garden Street situated at
Madras-8
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the officer of the Registering Officer at
S.R.O. Periamet in December, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
leieve that the fair market value of the property as aforesaid
ex. reeds the apparent consideration therefor by more than

fiftee to per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer w. the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any sincome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other pasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Ludian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri V. Narayanasamy Iyer, No. 94, II Cross Street, Asprin Gerden, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

 The Madras Sivakasi Nadars' Welfare Association, 1128, Poonamallee High Road, Periamet, Madras-3.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 46 & 47, Aravamuda Garden Street, Madras-8.
(S.R.O., Perlamet — DOC. No. 1233/84).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1985

FORM ITNS----

(1) Shri U. E. Abdul Khader Sahib. Peria Agraharam, Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. M. Abdul Gani, 33. Woo'hukattan Street, Madras-3.

(Transfereo)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUSITION RANGE-I MADRAS-600 006

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Madras-600 006, the 14th August 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 23 Dec 84.—
Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.
Door No. 49, Woothukattun Street situated at Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1206184) in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affects per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); Vacant Site—Door No. 49, Woothukattan Street, Madras-3. (S.R.O., Periamet—Document No. 1206/84).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 14-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shanmugam AND Vijaya Wlo Shanmugam Ganesaouram. Namakkal Town,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUSITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th August 1985

Ref. No. 49|Dec|84|MDS.--Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reuson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Survey No. 494|3, Namakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registering Officer at S.R.O., Namakkal in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Palaniappa Mudaliar, 19. Kuyavar Street, Namakkal Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Vacant House Site:—
Survey No. 494|3, Namakkal.
(S.B.O., Namakkal—Document No. 1610|84).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Actt to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1985

Seal 1

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAA ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFI-ICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUSITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th August 1985

Ref. No. 165 Dec. 84.—
Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]—and bearing No.
47. Kommalamman Koil Street situated at Tondiarpet
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering Officer at
Royapuram (Doc. No. 1953/84) in December, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri F. N. Ravichandrau, 36, Frustpuram I Cross Street, Kodambakkam.

(Transferor)

(2) Mls. K. V. Traders, No. 10, Kodimaram Street, Royapuram, Madrass13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 47, Kommulamman Koil Street, Tondiarpet.

(S.R.O., Rovapuram-Doc. No. 1963/84).

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—54—226GI[85]

Date: 14-8-1985

Scal ;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th August 1985

Ref. No. RAC. No. 311/85-86.-- Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Masabtank (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incomesus Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiats proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Ismath Saleh,
 Wo Salen Bin Saleem.
 No. 10-5-3 AJ3. Masab Tank.
 Hyderabad.
- (2) Sri K. Subrahmanyam, 29, Belavesta, 28/1, S. V. Road, Bandri, Bombay.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gover in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B on I Floor at H. No. 10-5-3[A]3, Masab Tank, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 625[85] in the month of 1[1985].

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-8-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis. Landmark Builders, 6-2-930, Khairtabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Meera Keerthi. 308. Shehjehan Apartments, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th August 1985

Ref. No. RAC. No. 312|85-86,—
Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value esseeding
Rs. 1.00,000|- and bearing No.
Fiat situated at 'Shibas Gibai', Somajiguda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 11985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the suid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

· (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat in 'Shibas Glen' on 3rd Floor, Somajiguda, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 510/85 in the month of 1 1985.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 12-8-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M|s. Landmark Builders, δ-2-930, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. F. Milian and Miss Karen Millan, Flat No. 3, Ashok Apartments, Block-A, Colaba, Bombay-5

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th August 1985

Ref. No. P.AC. No. 313/85-85--

Ref. No. P.AC. No. 313/85-85.Whereas, I., M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
Ulat situated at Shibas Clen, Somajiguda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as nor deed registered under the Indian

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tyderabad in 2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Apartment No. 304 on 3rd Floor of 'Shib is Glen', Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad in the month of 2,1985 vide Document No. 782|85.

> M. JECAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (AP.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 12-8-1985

(1) Mis. Malik Builders, Rep : by Sri M. A. Malik & Mrs Azizunnisa Begum, 3-6-290. Hyderguda, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri Ahmed Sharcef, S|o Sri Ismail Sharif. 16-2-145|6, Malkpet. Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderaba d(A.P.), the 14th August 1985

Ref. No. RAC. No. 320,85-86. — Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the focome-tax Act. 1361 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No

flat situated at Aziz Towers, Hydergud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

PART III—SEC. 11

Chikkadpolly in 12/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fastrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hlat No. A-IV, on 3rd Floor, in Aziz Towers at H. No. 3-6-280, St. Lousis School Road, Hyderguda, Hyderabad registered by the SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 910/84 in the mouth of 12/1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 14-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 14th August 1985

Ref. No. RAC. No 321/85-86.—Whereus, I. M. JEGAN MOHAN, to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Plot situated at Lingampally, Barkatpura (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Chikkadpaliy in 2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as accred to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly visited in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which night to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri P. Venkatarama Roddy, Slo P. Gopal Reddy, Pothireddy pally village, Huzugabad Tq. Karimnagar Dist.

(Transferor)

 (2) Smt. D. Sangame wari,
 Who Sri D. Janardan Reddy,
 3-6-102, I Floor, Himavatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period capites later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot (portion of Plot Nos. 39 & 40). 359 sq. yds, Lingampally, Barkarpura, Hyderabad registered by the SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 142]85 in the month of 2/1985.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby institute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submention (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

7. le : 14-8-1985

FORM ITNE

(1) Sri Patnamshetty Dhadwai Mallappa Slo Vecrappa, (partner in Mis Sree Venkataramana Rice Mill, Medak), Havelighanpur, Medak.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

Rcf. No. RAC No. 322/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the the confident Authority index section 2098 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No. Godown situated at Guni Market Medak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Modak in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and more than lifteen per cent of such apparent consideration and shat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly nated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the association of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-

(2) M|s Sree Venkataramana Rice Mill, Rep. by Sri Yacham Chandriah, Mg. Partner, Slo Venkaiah, Havelighanpur village, Medak District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown bearing M. No. 3-9-89|B, and its open place in Plot No. 13, Gunj Market, Medak registered by the SRO, Medak at Sangareddy vide Document No. 84 85 in the month of December, 1984.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (Λ.P.)

Date: 14-8-1985

Scal:

FORM I.T.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sint. Ghoti Devi Agarwal, 106. Girish Ghosh Road, Belurmath, Howrah.

(Transferor)

(2) M/s. Excellon Agencies Ltd., 3-A, arstin Place, Calcutta-700 001.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITNON RGNAE-IB, CALCUTTA

Calcutta, the 24th July 1985

Ref. No. ΔC -6[Acqn,R-IV]Cal]85-86.—Whereas, 1, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. 196 situated at Girish Ghosh Road, Belurmath, Howiah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Calcutta on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land: 1659.27 & 2922.09 sft, building with land. Address: 106, Girish Ghosh Road, Belurmath, Howrah. Deed No.: 14 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
54. Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-7-1985

30641

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 13th August 1985

Ref. No. AC-39[R-II]Cal 85 86,---Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 8 situated at Januk Saha Road, Calcutta-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at R.A. Calcutta on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri Bhawari Prasad Agarwalla, of 570 1, Diamond Harbour Road, Calcutta-34.

(Transferor)

(2) 1. Ram Narayan Sharma, 2. Om Narayan Sharma,

3. Shyam Naryan Sharma,

All of 66|6, Rabindra Sarani, Rishra.

(Transferce)

(3) Mrs. H. Blanche-Tenant. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Approximately 4½ cotths land with one storied building situated at 8, Janaki Saha Road, formerly 8, May Road, Calcutta-22. More particularly described in Deed No. I s, Janaki Saha Road, formerly 8, May Road,
More particularly described in Deed No. I 15205 of R.A. Calcutta of 1984.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rufi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 13-8-1985

Seal:

55-226GI[85

Sri N. K. Ghosh of 14/1, Mukherjee Road, Belurmath, District Howrah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Baijnath Agarwal of 620, Block-'O'. New Alipore, Calcutta,

[Transferee]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 13th August 1985

Ref. No. AC-38|R-11|Cul|85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.
No. 620 situated at Block-O, New Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at S.R.A. Calcutta on 8-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

2 cottahs 11 chittacks 9 Sft. land with two storied building situated at 620, Block-'O', New Alipore, Calcutta. More particularly described in Deed No. I 14737 of S.R.A. Calcutta of 1984,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclored by the transferce the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-8-1985

PORM TINE .

(1) Dr. Bose's Laboratory Ltd. of 53, Raja Dinendra Street, Calcutta-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 13th August 1985

Ref. No. AG-37|R-II|Cal|85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1,00,000|- and bearing
No. 26 H, situated at Radha Madhab Dutta Garden Lane,

Calcutta-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at S.R.A. Calcutta on 17-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this crice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

of 1083, Belinghata Main Road, Calcutta-10. (Transferce)

(2) Subhas Sarobar Co-operative Housing Society Ltd.,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 Cottahs 37 Sft. vacant land situated at 26 H, Radha Madhab Dutta Garden Lane, P.S. Beliaghata, Calcutta-10. More particularly described in Deed No. 1 15240 of S.R.A. Calcutta of 1984.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 13-8-1985

(1) Smt. Chinu Dutta Gupta of 38, Beltala Road, Calcutta-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th August 1985

Ref. No. AC-35-R-II|Cal|85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 28B situated at Mahesh Dutta Lane, New Alipore, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S.R. Alipore, 24 Parganas on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Rekha Bhattacharya of 21E, Kagi Bagan Lane, Calcutta-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —I ue terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Cottahs 3 Chittaks of land with double storied building situated at 28B, Mahesh Dutta Lane, P.S. New Alipore, Calcutta. More particularly described in Deed No. 5545 of S.R. Alipore, 24 Parganas of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 12-8-1985

FORM ITNS (1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Amrao Devi Kankaria, 65, Cotton Street, Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Devi Kothari, 201-B, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1985

Ref. No. AC-10/Acqn.R-IV/Cal/85-86.—Whereas, 1, SANKAR K. BANERJEF,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to bolievs that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

situated at Contai Road, Midnapore

at Calcutta on 14-12-1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-12-J984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land: 20% share of Laxmi Rice Mills, 10.37 acres of land with building.

Address: Laxmi Rice Mill, Belda, Contai Road, P.S. Narayangarh, District Midnapore.

Deed No. 15032 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Acquisition Range-IV Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1985

(Transferor)

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Smt. Amrao Devi Kankaria,

(2) Mls. Shiv Kishan Kothari H.U.F.,

201-B. Mahatama Gandhi Road,

65, Cotton Street, Calcutta-7.

Calcutta-7.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1985

Ref. No. AC-11 Acqn.R-IV Cal 85-86.--Whereas, 1, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000*and bearing situated at Contai Road, Midnapore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Calcutta on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and I have reason said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 21% share of Laxmi Rice Mill, 10-37 acres of land with building. Address: Laxmi Rice Mill, Belda, Contai Road, P. S. Narayangarh Dt. Midnapore, Deed No. 15033 of 1984

> SANKAR K. BANERJEE Competent Authorican Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 14-8-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1985

Ref. No. AC-9|Acqn.R-IV|Cal|85-86.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

situated at Contai Road, Midnapore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Calcutta on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Amrao Devi Kankaria, 65, Cotton Street, Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Devi Kothari, 201-B, Mahatama Gandhi Road, Calculta-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Narwy Dec ny

and the second s

Land: 28% undivided share in Laxmi Rice Mill, 10.37 acres of land with building.

THE SCHEDULE

Address Laxmi Rice Mill, Belda, Contai Road, P.S.: Narayangarh, District Midnapore. Deed No. 15031 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar,
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1985

Seat

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1985

Ref. No. AC-8|Acgn.R-IV|Cal|85-86.—Whereas, I. SANKAR K. BANERIEE,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and bearing situated at Contai Road, Midnapur

at Calcutta on 14-12-1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 7. t. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Amrao Devi Kankaria, 65, Cotton Street, Calcutta-7.

(Transferor)

(2) M|s. Mahesh Kumar Kothari, 201-B, Mahatama Gandhi Road, Calcutta-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land: 31% undivided share of land 10.37 acres with buildnig.

Address: Laxmi Rice Mill, Belda, Contai Road, Narayangarh, District Midnapore. Deed No.: 15030 of 1984.

SANKAR K. BANERJEĖ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV 54, Raft Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Date: 14-8-1985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Pune, the 8th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|464|1984-85.-Whereas I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000, and bearing Radheshyam Co-operative Hsg. Society Ltd. Mohan Nagar, Near Zilla Parishad, Trimbak Road, Nasik situated at Nasik (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consinderation theregfor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income uniting from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 - 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the society try the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons ramely: ramely:---56-226GI|85

(1) Shri Motilal R. Parakh, 13 Radheshyam Co-operative Hsg. Society, Mohan Nagar, Near Zilla Parishad, Trimbak Road, Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Vinayak Nana Pawar, Usha Apartments, Mangal Nagar, Gangapur Road, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Radheshyam Co-operative Housing Society Ltd. Mohan Nagar, Near Zilla Parishad, Trimback Road, Nasik. (Arca 570 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 464|1984-85 in the month of Dec. 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Laxmibai Ratiram Goyal, Sunity Society, Wavare Lane, Nasik.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th July 1985

Dighe Building, Main Road, Nasik.

(2) Arunabai Vasant Ghodke.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|792|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing
Flat No. 5C in building No. 2 of Sunity Co-operative Housing Society, Wavare Lane, Nasik situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, Pune on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

Flat No. 5C in Building No. 2 of Sunity Co-operative Housing Society, Wavare Lane, Nasik.

(Area 587 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 792|1984-85 in the month of April 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-task Acquisition Range, Poors

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-7-1985

FORM ITNS----

(1) Shri J. G. Malpathak, Vatsala Niwas, Gole Colony, Nasik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurmit Singh Arjun Singh Bagga, Panchwati, Nasik-3.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th July 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-37EE|611|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Vatsala Niwas, Flat No. 2, Gole Colony, Nasik-2 situated at

Nasik

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein sa are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Vatsala Niwas" Flat No. 2, Gole Colony, Nasik-2.

(Area 557 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 611|1984-85 in the month of February 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th July 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE]610]1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

"Vatsala Niwas" Flat No. 5, Golc Colony, Nasik-2 situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn: Range, Pune in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. G. Malpathak, "Vatsala Niwas" Gole Colony, Nasik-2.

(Transferor)

(2) Shri Gurumit Singh Arjun Singh Bagga, Panchawati, Nasik-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Vatsala Niwas" Flat No. 5, Gole Colony, Nasik. (Area 558 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 610|1984-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 8-7-1985

(1) Shri Satish G Malpathak 'Vatsala Niwas" Gole Colony, Nasik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurumit Singh Arjun Singh Bagga, Panchavati, Nasik-3.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|609|1984-85.-Whereas, I ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'he immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Vatala Niwas, Flat No. 3, Gole Colony, Nasik-2 situated at

Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpo'es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vatsala Niwas, Falt No. 3, Gole Colony, Nasik-2. (Area 558 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered. in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 609|84-85 in the month of February 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subssection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|612|1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

Vatsala Niwas, Flat No. 1, Near Ashok Stambh, Gole Colony. Nasik, situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Mrs. P. D. Malpathak,
 Yashaprabha, Patil Colony, Lane No. 2,
 College Road, Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Gurumit Singh Arjun Singh Bagga, Panchavati, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Vatsala Niwas' Flat No. 1 Near Ashok Stambh, Gole Colony, Nasik-2.
(Area 558 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 612|1984-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 9-7-1985

(1) M[s. M. R. Ihakkar & Sons. Co 1516 Bhadrakali, Nasik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pushpa Suresh Nagre, 4185 Sonawane Bhuvan, South door of Kalaram Temple, Panchavati, Nashik.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE PUSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|646|1984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 17, IInd Floor, S. No. 655 18 Plot No. 5 situated

at Nasik situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

LA.C., Acqn. Range, Pune on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

Flat No. 17, IInd floor, S. No. 655 1 8 Plot No. 5, situated at Nshik.

(Area 715 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 646|1984-85 in the month of March 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth to Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, whereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 9-7-1985

(1) Shri Suresh G. Malpathak, Vatsala Niwas, Gole Colony, Nasik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gurumit Singh Arjun Singh Bagga, Panchwati, Nasik-3.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|619|1984-85.-Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding Rs. 1,00,000|- and

bearing No. Vatsala Niwas, Flat No. 4, Gole Colony, Nasik, situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal' have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Vatsala Niwas, Flat No. 4, Gole Colony, Nasik.

(Area 558 tq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 619 1984-85 in the month of February 1985).

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mil Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|953|1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 |43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-Flat No. 9 in A1 building at Chintaman Nagar, S. No. 128/1 Aundh, Pune-7 situatd at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at AC, Acqn. Range, Pune on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforeaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely '--

57 -216GI|85

(1) Nikhil Enterprises, 14 Bombay Poona Road, Near Bajaj Auto Show Room, Wakadewadi, Shivajinagar, Punc.

(Transferor)

(2) Mr. L. R. Ganeshan, 1097|3 "Suhas" Model Colony, Punc-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty live days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 in A1 building at Chintaman Nagar, S. No. 128 Aundh, Pune-7.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 953|1985-86 in the month of May 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Poona

ate: 9-7-1985

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Darshana Builders, 364[12] Bhavani Peth, Punc.

(Transferor)

(2) Fatima Fazalhussien Bhanpurawala, 534 Raviwar Peth, Punc-2

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|12435|1984-85.--Whereas, I ANII KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269AB of the measure-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

LA.C. Acqu. Range, Pune on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market salue of the aforesaid property and I have ceasen to believe that the fair market value of the property as aforeby said exceeds the apparent consideration therefor Jian filteen per ceat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 building No. 3, Kagalwala Apartments, 364/12 Bhavani Peth, Pune-2.

(Area 964 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12435]1984-85 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vijayakumar Keshav Gadgil, 558 Laxmi Road, Kurundwad, Dist. Kolhapur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M|s. Kulkarni & Kulkarni, 2153 Sadashiv Peth, Vijaynagar Colony, Pune-30.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|7596|1984-85.—Whereas, ([ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 51, S. No. 120 Kothrud, Pune, situat d at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning in given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51, S. No. 120 Kothrud, Pune-29.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7596 1984-85 in the month of Nov. 1984.

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 8-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10318|1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Hat No. A-1-10B Sujata Co-operative Housing Society Ltd.

Eund Garden Rood, Punc-1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1AC, Acqn. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proon therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(s) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Mr. Ramniklal V. Mehta, Yogesh Bapubhai, Vashi Road, Vile Parle West, Bombay-56.

(Transferor)

(2) Mrs. Habiba S. Fozalbhay & Mrs. Noor Jhan M. Fozalbhay, Sujat Mansion, S. V. Road, Andheri, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-1-10B Sujata Co-operative Housing Society Ltd. Bund Garden Road, Pune-1.

(Area 817 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10318 1984-85 in the month of Nov. 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 12-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Monarch Builder Corporation, 594, Sadashiv hPeth, Express Towers. 2nd floor, Laxmi Road, Pune-30.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|12236|84-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000- and bearing Flat No. 6 on plot No. 45 in Dahanukar Colony, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range. Pune on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor he more than fifteen are cent of such apparent therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transferor;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Mr. Pravin Ramchandra Purandekar, 630. Narayan Peth. Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 on plot No. 45 in Dahanukar Colony, Kothtud,

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the $1.A\,C.$, Acquisition Range. Pune, under document No 12236|84-85 in the month of May, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-EAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mr. S. B. Naik & Mrs. S. S. Naik, "Waterqueen" Waterfield Road, Bandra (W), Rombay.

(Transferor)

M|s. Varad Constructions, 1244, Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Pune, the 11th July 1985

Ref. No. 1AC ACQ[CA-5]37EE[7587[84-85]---Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Plot Nos. 44 (Part), 45, 46, S. No. 9 & 10, Kothrud situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. **kndlor**
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot Nos. 44 (Fart), 45, 46 S. No. 9 & 10, Kothrud. (Area 13236 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document N. 7587/84-85 in the month of Nov., 1984).

ANIL KUMAR Competent Authorny Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 %)F 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|7779|84-85.-Whereus, I, ANIL KUMAR,

ANIL RUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the inconsectax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 3 2nd floor, building No. 2 on open plot No. 292|2 Sangarawadi, Koregaon Park Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Pagistorytion Act. 1908, (16, 6)

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JAC, Acun. Range, Pune on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the persons, namely :-50-216GI|85

(1) GVK Trust Prop Gargi Engineering Enterprises, through their Trustees Mr. Vinod Kapur & Mr. Vicky Kapt Mercantile Aparti Dr. C. Gidwani R. J. Cheinbur, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Vineet D. Aggarwa and Smt. Raksha D. Aggarwal, Vijay Mahal, 4th floor, "D" Road. Marine Drive, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said inmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the maid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, Building No. 2 on open plot. No. 292/2, Sangamwadi, Keregaen Park, Punc.

(Area 1105 sq. ft.),

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 7779 84-85 in the month of November, 1984).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Date: 11-7-1985

1.2.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Urban Land and Housing Pvt. Ltd. "Nirankar" 1st floor, 1153|5, F. C. Road, Shivaji Nagar, Pune-16.

(Transferor)

(2) Shri Mukund S. Wairkar, Room No. 32, Aram Building, Noworofee Hill Road No. 4, Bombay-9

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th July 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE]6854[84-85,—Whereas, I, ANIL RUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Premick Park, blat No. 14, Builluding No. 8, Plot No. 8, C. type, Chinchwad, Akurdi Road, Pune-33 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), IAC, Acqn. Range, Pune on October, 1984 (1908) in the office of the Registering Officer at has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, ramely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

"Premlok Park" Flat No. 14, Building No. 8, Plot No. 8 C-Type, Chinchwad, Akurdi Road, Chinchwad, Pune-33. (Area 785 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune. under document No. 6854|84-85 in the month of Oct., 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date: 12-7-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

PLINE

Pune, the 12th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8493/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Plot at S. No. 729|1, City Survey, No. 50, Gultekadi, Pune-9

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the unid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A:t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—58—226 GI|85

(1) Shri Jayant Ramkrishna Kulkarni, 264|4. Shanwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Tilakraj Agarwal Chairman for proposed Tilakraj Co-operative Housing Society, Clo Agarwal Auto Spares, Quarter Gate, Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at S. No. 729|1, City S. No. 50, Gultekadi, Pune-9. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 7493|84-85 in the month of Nov., 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Pune

Dato: 12-7-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th July 1985

Ref No. IAC ACQ|CA-5|37EE|7578|84-85.—Whreeas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and beating No. Plot No. 9, S. No. 86|1A Kothrud situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Shri Narayan T. Gunde, 16|38, Navsham Sadan, Chembur, Rombay.

(Transferor)

(2) Amey Construction Co. 1205|5, Sai Kripa, Apte Road, Pune-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9, S. No. 86/1A, Kothrud.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8578;84-85 in the month of Nov., 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pung

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uder sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date: 11-7-1985

Seal;

(1) M|s. Atul Enterprises, Prop. H. S. Mundada, 31, Sheela Vihar Colony, Erandwana, Punc-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagdish Rajaram Dhavale, 194, Gold Finch Peth, Sholapur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|7501|84-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing

Flat No. 7, HIrd floor, Plot No. 38, Rambag Colony, Pune-12

situated at l'une

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7, HIrd floor, Plot No. 38, Rambag Colony,

Punc-12. (Area 883 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7501|84-85 in the month of Nov., 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th July 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE]7597|84-85.--Whereas, 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing

Flat No. 3, first floor in Building No. "A" Veer Ashoka Cooperative Hsg. Society, C.T.S. No. 122, Lulla Nagar, Pune-40 situated at Pune

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Gopal K. Raheja & Others, Building No. "A" Veer Ashoka Co-operative Housing Society, C.T.S. No. 122, Lullanagar, Pune-40.

(Transferor)

(2) Mr. Manjeetsingh Bharara & Mrs. Inderjit Kaur Bharara, Hurst Villa, Near R. C. Church, Dhond, Dist. Poona.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, first floor in building No. "A" Veer Ashoka Co-operative Housing Society, C.T.S. No. 122, Lullanagar, Pune-40.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 7597 84-85 in the month of Nov., 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range

Date: 11-7-1985

Seni :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ms. P. D. Builders, A partnership firm, College Road Nasik, (379, Priti S. V. Road, Vile Parle, Eombay).

(Transferor)

(2) Shaila Shankarrao Adhav, 587, Raviwar Feth, Nasik.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 15th July 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5|37EE|749|84-85.--Whereas, I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Constructed flat bearing Flat No. 36 2nd floor on S. No. 722A|1-1-A|2 College Road, Nasik situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acon Range Pune on April 1985

or 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afoveraid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration start that the consideration for such temperature for such temperature agreed that and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (si) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat bearing Flat No. 36 2nd floor S. No. 722A-1-1-A|2, College Road, Nasik.

(Area 886 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 749|84-85 in the month of April, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Date: 15-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 15th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|8940|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat at Plot No. 58, S. No. 89[1, 90]1 and 91[1, Parvati, Pune-9 situated at Pune

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn Range, Pune on Dcc., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And, I herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the alonesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pursons namely:—

(1) M|s Sathe Jotwani, 129|C-2, Chiplunkar Road, Punue.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Sakharam Jambhale Patii 92|1, Deepak Apartments, Tulsibagwale Colony, Sahakarnagar, Main Road, Parvati, Pune-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at plot No. 58 S. No. 89|1, 90|1 and 91|1 Parvatt, Pune-9. (Area 770 Built up).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8940 84-85 in the month of Dec., 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Puns

Date: 15-7-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Mukund Gajanan Ranade & Others 2|7, Vishnu Prasad Co-operative Housing Society, M. G. Road, Vile Parle (E), Bombay. (Transferor)

(2)M|s. Khinvasara-Chavan, 22, Mukund Nagar, Pune-27.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 15th July 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-I|37EE|12167|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Plot No. House No. 29 (New) 103 (Old) Shukrawar Peth,

Pune-2 situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at AC, Acqn. Range, Punc on May, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said improvement property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. House No. 29 (New) 103 (Old) Shukrawar Peth, Pune-2. (Area 3,528 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12167/84-85 in the month of May, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 15-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

. Pune, the 15th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11444|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

S. No. 681|3-1 at Bibawewadi, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Kange, Pune on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Ilability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Tarabal Nandram Bibawe & Others 431, Kasba Peth, Pune-11.

(Transferor)

(2) M|s. Unity Builders, 405|6. Gultekadi Road, Pune-37,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 681|3-1 at Bibawewadi, Pune. (Area 59, 180 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc., under document No. 11444[84-85] in the month of April, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date: 15-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mls. Kukreja Corporation, Shop No. 29, Ground floor, 64 E Dabiwala Building, Old Hanuman Lane, Bombay.

(Transferor)

(2) M|s. Syndicate Industries, 61 Nand Bhawan, Babu Genu Road, Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th July 1985

No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|15337|1984-85,—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the said recty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-and bearing No.
Unit No. 2, Ground floor, Noor,
Industrial Estate, Mira Village, Mira Tal. Dist. Thane

situated at Thane

situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn Range Pune on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 2, Ground floor, Noor Industrial Estate, Mira Village, Mira Taluka, Dist. Thane.
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15337 1984-85 in teh month of April 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--59-226 GI|85

Date: 16-7-1985

(1) Shri Dinkar Narayan Pisal, 336-B Shukrawar Peth, Pune-2

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Smt. Prabhavati B. Zanpure,
2. Shri Vishwas V. Patil, Narayangaon,
Tal. Junnar, Dist. Pune.

(Transferee)

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11703|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Ist Floor, 336-B Shukrawar Peth, Pune situated at Punc (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at (AC, Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other ussets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Clapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1st Floor, 336-B Shukrawar Peth, Pune-2. (Area 750 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11703 1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 16-7-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th July 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|1430|37EE|10098|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 6, First floor, Versha Apartment, 434 1 Salisbury

Park Punc-1, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at J.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eversion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or thesaid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M|s. Vijay Investments,
 Steel Yard House,
 F Sant Tukaram Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Sheikh Iqbal Maqbool, 800|37 B Bhagwandas Chawl, Bhavani Peth, Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said acoparty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Varsha Apartment, 434|1 Salisbury Park, Punc-1. (Area 575 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10098 1984-85 in the month of February 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-7-1985

(1) M|s. V. B. Parasnis & Associates, 1112 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shripad Purushottam Abhyankar, 93 1, Erandwana, Pune-4.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th July 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|1431|37EE|9385|1984-85.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Sub plot No. 18, Shilavihar Colony, S. No. 45, Erandwana, C.T.S. No. 324, Pune, situated at Punc

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreal to between the parties has not been truly stated in the self-city instrument of transfer with the chieft of the self-city. the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Sub Plot No. 18, Shilavihar Colony, S. No. 45, Erandwana, C.T.S. No. 324, Punc. (Area 6119 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9385 1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 16-7-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th July 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|1432|37EE|12016|1984-85.—Whereas, I,ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 1, 1st Floor, 284|285 Nana Peth, Pune-2 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer IAC, Acqn. Range, Pune on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Abhay Associates, 18/19, Raviwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

(2) Mr. Sunil Kantilal Mutha, 123, Nana Peth, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, 284|285 Nana Peth, Pune-2. (Area 640 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12016 1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 16-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1433|1922|1984-85,—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing

Flat No. 3 in building under construction at Plot No. C4|C5 S. No. 88|1|5 Parvati, Pune-9 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of, 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) iscilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

 Shri Sathe-Godse, 1244 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri A. S. Walwe, 671|2 Ghorpade Peth, Ekbote Colony, Guru-kripa, Pune-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning lives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, in building under construction at Plot No. C4|C5 S. No. 88|1|5 Parvati, Pune-9. (Area-534 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, document No. 11922|1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pone

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following per sons, namely:—

Date: 16-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|434|37EE|9497|1984-85.—Whereas, I, ANI). KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 1, 1st floor, Wing A Block B at 2128 V.P. Street, Camp, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering Officer IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth tar Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Sulochana D Khurase, Mukam Post Yavat, Tal. Daund, Near Railway Station, Dist. Pune.

(Transferor)

(2) Mr. Esak Siddik Moosa Memon, 33, Mahatma Gandhi Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1. 1st floor, Wing A Block B at 2128, V.P. Street, Camp, Pune-1.

(Area 915 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9497 1984-85 in the month of January 1985).

ANTL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 16-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th July 1985 Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|75|1984-85.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|-and bearing No.
Manusmruti Co-operative Housing Society, Block No. B|21,
3rd floor, Kollyapur, situated at Kollyapur. 3rd floor, Kolhapur situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) The Chairman, Manusmruti Co-operative Housing Society, Takala, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Smt. Vijaya Chandrakant Sanchetti, 3rd Lane Shahupuri, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Manusmruti Co-operative Housing Society, Block No. B|21, 3rd floor, Kolhapur,

(Area 850 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 73|1984-85 in the month of February 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poon

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following Dersons, namely :---

Date: 17-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. PUNE

Pune. the 17th July 1985

Ref. No. IAC ACO|CA-5|37EE|76|1984-85.—Whereas. I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ref. 1000001 property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Manusmruti Co-operative Housing Society, Block No. B]20, 3rd floor, Kolhapur situated at Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said nstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nergoty namely :-60-266 GI|85

(1) The Chairman, Manusmruti Co-operative Housing Society. Takala, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Jeetendrakumar K Shah, 4th Lane, Shahupuri, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Manusmruti Co-operative Housing Society, Block No. B-20, 3rd floor, Kolhapur. (Area 705 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 76/1984-85 in the month of February 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 17-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Lalit C Gandhi, Chief Promoter, Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. (Prop.) 14, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Andheri (E), Bombay. (Transferor)

(2 CIPLA Ltd. 289 Bellasis Road, Bombay Central, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PUNE

> Pune, the 18th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11623|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,0,00,000|- and bearing Flat No. 106, on 1st floor in building LOK SHILP at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay situated at New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by said exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act. in respect of any income arising from the transfer, and)or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, w the following persons. namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, on 1st floor in building LOK SHILP at Vashi Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay. (Area 640 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11623|1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 18-7-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 188th July 1985

Ref. No IAC ACQ|CA-5|37EE|11624|1985-86.__ Whereas, I, ANIL KUMAR,

whereas, 1, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-Flat No. 606 on 6th floor in building LOK SHILP at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay situated at New Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Mr. Lalit C Gandhi, Chief Promoter, Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. (Prop.) 14. Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) CIPLA Ltd. 289 Bellasis Road. Bombay Central, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606 on 6th floor in building LOK SH/LP at Vashi Plet No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay. (Area 640 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range Pune, under document No. 11524 1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 18-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11625|19885-6.— Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the innovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 503 on 5th floor in building LOK SHILP at Vashi,
Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombny situated at New

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-itx Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 337 (27 of 1957);

(1) Mr. Lalit C Gandhi, Chief Promoter. Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. (Prop.) 14, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) CIPLA Ltd. 289 Bellasis Road, Bombay Central, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503 on 5th floor in building LOK SHILP at Vashi Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay.

(Area 640 sq. ft.)
(Properly as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11625 1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Ircome-tax Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, usinely :-

Date: 18-7-1985.

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune the 18th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11626|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Flat No. 506 on 5th floor in building LOK SHILP at Vashi,
Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Office at IAC, Acqu. Range, Pune on January 85

office at IAC, Acqn. Range, Pune on January 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1957);

(1) Mr. Lelit C. Gandhi, Chief Promoter, Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. (Prop) 14 Visual Shopping Centre, Andhe, i (E) Bombay.

(Transferor)

(2) CIPLA Ltd. 289 Bellasis Road, Bombay Central, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 506 on 5th floor in building LOK SHILP at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Pube, under document No. 116|1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, pune

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this not ce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date :18-7-1985.

seal:

(1) Mr. Lalit C. Gandhi, Chief Promoter, Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. (Prop) 14 Vishal Shopping Centre, Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) CIPLA Ltd, 289 Bellasis Road, Bombay Central, Bombay.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune the 18th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|11627|1985-86,-Wherese, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearig No. Flat No. 706 on 7th floor in building LoK SHILP at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Office at IAC, Acqn. Range, Pune on January 85

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) ficilitating the concealment of any income or any rioneys or other assets which have not been or the purpose of the Indian Incometix Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 706 on 7th floor in building LOK SHILP at vashi, Plot No. 59, Sec or 17, DBC New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1.627 1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, pune

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date :18-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune the 18th July 1985

Ref. No. IACACQ|CA-5|37EE|11628|1985-86 Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 105 on 1st Floor in building LOK SHILP at vashi Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Office at IAC, Acqn. Range, Pune on January 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties was not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(I) Mr. Lelit C. Gandhi, Chief Promoter, Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. (Prop) 14 Vi hal Shoeping Centre, Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) CIPLA Ltd. 289 Bel'asis Road, Bombay Central, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105 on first floor in building "LOK SHILP" at vashi Plot No. 59, Sector 17, DBC New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11628 1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, PPoona

Date :18-7-1985. Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE PUNE

Pune the 18th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11629|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs.
Rs. 1,00,00,000]- and bearing No.
Flat No. 206 on 2nd floor in building LOK SHILP at vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Office at IAC, Acqn. Range, Punc on January 85 for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Lalit C. Gandhi, Chief Promoter, Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. (Prop) 14 Vi-hal Shopping Centre, Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) CIPLA Ltd. 289
Bellasis Road,
Bombay Central,
Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BIPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206 on 2nd floor in building LOK SHILP at vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11629 1984-85 in the month of Jan. 1985)

ANIL KUMAR
Acquisition Range, pune
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

Date :18-7-1985.

Seal ;

FORM ITNS----

- 1 - - - - - - - - - - - - -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune the 18th July 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE]11630]1984-85.—Whereas I. ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000l- and bearing No.
Flat No. 107, on 1st floor in building LOK SHILP at vashi,
Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at IAC Acqn. Runge, Pune in Ianuary. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- .b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Lalit C. Gandhi, Chief Promoter, Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. (Prop)
14 Vi hal Shopping Centre,
Sir M. V. Road,
Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) CIPLA 1 td. 289 Bellasis Road, Bombay Central. Bombay.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107 on 1st Foor in building LOK SHILP at vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC New Bombay, (Area 645 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11630 1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, PPoona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—226GI|85

Date: 18-7-1985.

(1) Mr. Lalit C. Gandhi, Chief Promoter, Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. (Prop) 14 Vishal Shopping Centre, Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) CIPLA Ltd. 289 Bombay Central, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune the 18th July 1985

IAC ACQ|CA-CA-5|37EE|11633|1985-86.--Ref. No. IAC ACU|CA-CA-5|37EE|11633|1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 307 on 3rd floor in building LOK SHILP vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay. situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule approved hereto). Ref. No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration ration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307 on 3rd floor in building LOK SHILP at vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11633]1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax:
Acquisition Range, Poona.

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th July 1985

Ref. No. IAC ACQ CA-5|37G|1109|1984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.
All and singular and warkes land bearing Survey No. 48, Hissa No. 1/2 situated at Village Valiv within the limits of the Sub-Registrar of Bassein, Tal. Bassein Dist. Thana situated at Bassein, Dist. Thana

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Thane on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 Kanwar Ajitsingh Deol, Plot No. 22, Road No. 11, J. V.D. Scheme, Juhu, Bombay.

(Transferor)

(2) Evershine Builders Pvt. Ltd., 216 Veena Beena Shopping Centre, Opp. Railway Station, Bandra (W), Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All and singular and warkes land bearing Survey No. 48, Hissa No. 1/2 situated at Village Mouje Valiv within the limits of the Sub-Registrar of Bassein, Tal. Bassein, Registration, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered in the Sub-Registrar, S.R. Bassein, Thane, under document No. 1109/1984-85 in the month of April, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 25-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE]11878[1984-85,—Whereas, 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Survey No. 443, Village Panchpakhadi, Kisan Nagar No. 3, Wagle Estate, Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ing/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 M/s. Sadhana Builders, Janki Bhuvan, Kisan Nagar No. 3, Road No. 16, Wagale Estate, Thane.

(Transferor)

 Dr. Irfan M. Ouresh, Jagdish Niwas, Road No. 16, Kisan Nagar No. 3, Wagale Estate, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Survey No. 443, Village Panchpakhadi, Kisan Nagar No. 3, Road No. 22, Wagale Estate, Thane. (Area 706 sq. ft.). (Property as described in the sale deed registered in the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under Document No. 11878/1984-85 in the month of January 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona,

Date: 29-7-85

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Porwal Builders, 1482 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Dr. Ir fan M. Qureshi, 310 Sagar Apartment, Synagogue Street, Punc-30.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 25th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10486|1985-86.—Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]- and bearing No. Flat No. 101 in Building Airy Apartment, P. No. 878, Boottee Street, Punc-1 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Punc on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 101 in building Airy Apartment, P. No. 878, Boottee Street, Pune-1—(Area 889 sq. ft.).

(Property as described in the sale deed registered in the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under Document No. 10486/1985-86 in the month of February, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-7-1985

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|10705|1985-86.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Vacant plot No. 109 S. No. 199+204+205+206 (1)+209(1) Vimannagar Colony, Lohargaon, Pune situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (46 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer; **red/or**
- (b) facilitating the concealment of any income or any (27 of 1957);

(1) Smt. Gauri S. Lahiri, residing at Calcutta through Attorney holder Shri Dinesh Pranlal Sanghani, 19/21, Ambalal Doshi Marg, Bombay.

(Transferor)

2) M/s. Ameet Builders, Matruchaya Society, Yerawada, Thane.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other seeds which have not been or which eaght to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Vacant Plot No. 109, S. No. 199+204+305+206(1)+209(1), Vimannagar Colony, Lohgaon, Pune-14—(Area 10760 sq. ft.).

(Property as described in the sale deed registered in the I.A.C. Acquisition Rango, Pune, under Document No. 10705/1984-85 in the month of March, 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 24th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|287|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Shop at Wing II, 18A on ground floor in Thacker House, H. No. 2418 General Thimmaya Road, Pune

situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (x) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Thackers & Parmar Properties (P) Ltd., 116/118 1st Marine Street, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Rajkumar Dharmdas Lulla, 71, Lulla Nagar, Pune-40.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at Wing II, 18A on ground floor in Thacker House, H. No. 2418 General Thimmaya Road, Pune—(Area —).

(Property as described in the sale deed registered in the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 287/1985-86 in the month of June 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Poona

Date: 25-7-1985

- -----

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|35|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Lay out plot of land bearing Plot No. 19, of S. No. 32 (Pt.) situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane

situated at Vasai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Vasai on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of suc! apparent consideration and that the consideration for suc! transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax ander the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Salim Haji Kasam 2. Farida A Razak, At Nadiadwala Building, Opp. Railway Station, Andheri (W), Bombay.

(Transferor)

 (2) M/s. Step-in Builders,
 22 Zarina Society,
 S. V. Road, Near Luck Restaurant, Bandra, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lay out plot of land bearing plot No. 19 of S. No. 32, (Pt.) situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane. (Property as described in the sale deed registered in the Sub-Registrar, Vasai, under Document No. 35/85-86 in the month of April, 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-7-1985.

FORM ITNS ---

(1) 1. Abdul Razak Kosam 2. R. A. Kader, Naliadwala Building, Opp. Railway Station, Andheri West, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Step-in Builders. 22 Zarina Society, S.V. Road, Near Lucky Restaurant, Bandra, Bombay-50.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, PUNE

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;

(b) by any other person interested in the said immovable

Pune, the 29th July 1985

property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1AC ACQ|CA-5|37G|74|1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Layout plot of land bearing Plot No. 20, S. No. 3 (Pt)
situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane
situated at Vasai (and more fully described in the schedule annexed here(o).

S. R. Vasai in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

under the Regis ration Act 1908 (16 of 1908) in the office

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

of the Registering Officer at

has been transferred

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ors

THE SCHEDULE

Layout plot of lend bearing plot No. 20, S. No. 32(Pt) situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 74|1985-86 in the month of April 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following personn namely :-62-226GI|85

Date: 29-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|63|1984-85.-Wherens I ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 7, second floor, R. S. No. 447. Plot No. 33, Sangli situated at Sangli

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range Punc in May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Scotion 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Shriram Dattatraya Barve, 2. Shri Eknath Vinayak Goro, 27 Sanjog Colony, Sangli. (Transferor)

(2) Eliza Salim Fulara, Co H.E. Upletawala, Ganapati Peth, Sangli.

| Transferce |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Second floor R.S. No. 447, Plot No. 33, Sangli (Arca 590 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under the document No. 63|84-85 in the month of May 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-7-1985

FORM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|15489|1985-86,-Whereas, L ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immeyable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00|- and bearing No. Lay out Plot No. 8 out of Survey No. 7 Hissa No. 3 to 5 and Survey No. 17 (P) Hissa No. 11 to 12 situated at Diwanman, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Diwanman Dist. Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune in April 1985 for an apparent consideration which is fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been train stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tra Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following: persons, namely :--

- (1) 1. Chawla Family Trust, 2. Madhusudan Corporation 3. B. R. Chanani, 21 Dwarka 383, 13th Road, Bandra, Bombay. (Transferor)
- (2) M|s. Ashoka Engineering Corporation, 1 Bandana, 15th Road, Bandra West, Bombay. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Lay out plot No. 8 out of Survey No. 7, Hissa No. 3 to 5 and Survey No. 17(p) Hissa No. 11 to 12 situated at Diwamman, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 15489 1984-85 in the month of April 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|12109|1984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Land situated at Village Kohoj, Khutavali, Tal. Ulhasnagar, Dist. Thane bearing New Survey No. 158/8 Ambernath, C.S. 1314 situated at Kohoj Khutavali Tal. Ulhasnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range. Pune in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ratan Jyot Builders, Woolen Chawl, Lucas Compound, Ambernath,

(Transferor)

(2) Merry D'Souza, Maharashtra Housing Board, 14|254 1st floor, Amberdata.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Village Kohoj-Khuntavali, Tal. Ulhasnagar, Dist. Thane, bearing New Survey No. 158/8 Ambernath C.S. 1314. (Area 573 q. (t.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12109|1984-85 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Dea - 29-7-1985

Soul:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|12152|1984-85 --- Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propert/ having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

No. I and situated at Village Kohoj-Khuntavali, Tel. Ulhas-situated at Ulhasnagar nagar, Dist. Thana bearing Survey No. 158/8 C.S. 1314, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range. Pune in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the roject of :-

- (a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the sersons, namely :-

(1) Ratan Jyot Builders. Woollen Chawl, Lucas Compound, Ambernath.

(Transferor)

(2) F. M. Kazi, 26 Milla Area Quarters, Ambernath, Dist, Thana, Maharashtra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubil-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land situated at Village Kohoj-Khuntavall, Tal. Ulhas-nagar, Dist. Thana bearing Survey 158/8 C.S. 1314. (Area 512 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Rango, Pune, under document No. 12152/1984-85 in the month of January 1985).

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 29-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|s. Sadhana Builders, Janki Bhuvan, Kisan Nagar No. 3, Road No. 16, Wagale Estate, Thauc.

(Transferor) (2) Shri Vithal Ramchandra Sarang, Chandrabaga Niwas, Room No. 2, Kisan Nagar No. 3, Wagale Estate, Thane.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC I, ANIL KUMAR IAC ACQ|CA-5|37EE|13510|1984-85.-Whereas,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reasen to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Survey No. 443 (Pt) Village Panchpakhadi Road No. 22, Kisan Nagar No. 3, Wagale Estate, Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been trensferred. has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at LAC, Acqn. Range. Pune in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern per cent of such apparent consideration therefor by more than filtern per cent of such apparents. Consideration and that than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any iscome or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 443 (Pt) Village Panchpakhadi Road No. 22, Kisan Nagar No. 3, Wagale Estate, Thone. (Area 567 sq.ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13510 1984-85 in the month of March 1985)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :--

Date: 29-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Prakash Mahadeo Korde.

(Transferce)

(2) Rawat Bros. Promoters & Builders. 376 Shukrawar Peth, Pune-2.

1058 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|802|1985-86.-Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 1,00,000]—and bearing No. Survey No. 63, Hissa No. 1+2 Village Parvati, with P.M.C. limits situated at Parvati (and more fully described in the Schedule annexed hereta).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1967):

THE SCHEDULE

Survey No. 63, Hissa No. 1+2 village Parvati with P.M.C. limits. (Area....) (Property as described in the agreement to sale registered

in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 802 1985-86 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 25-7-1985

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|3522|1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

No. Final plot No. 394|C Sub Plot No. 1 S. No. 230A (Part) Old City S. No. 547 (Part) and S. No. 229 Hissa No. 1 (Part) Old City S. No. 548 (Part) and New C.S. No. 632|2 (Part) situated at Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ar agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties with the object of the consideration and that the consideration of the consideration and the consideration and the consideration of the consideration of the consideration and the consideration of the consideration and the consideration of the consideration

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shr. Pratap Mohanlal Bhatt, Mrs. Sarla Pratap Bhatt,
 Shri Mahesh Pratap Bhatt, Darukhana Baug,
 Panch Pakhadi, Almeda Road, Thane-1.
 (Transferor)
- (2) M/s D.A. Patel & Co.
 Shri Ambabhai Ruda Patel,
 2. Shri Devji Ambabhai Patel, Kailas Nagar,
 M.G. Road, Ghatkopar (E) Bombay.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Final plot No. 394 C Sub plot No. 1 S. No. 230A (Part) Old City S. No. 547 (Part) and S. No. 229 Hissa No. 1 (Part) Old City S. No. 548)Part) and New city S. No. 632 (Part) situated at Panchpakhadi Chandanwadi, Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 3522 1985-86 in the month of July 1985.

ANIL KUMAR
Competent Atuhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poor

Date: 29-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|14293|1984-85.--Whereas, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Amma-sagar Apartment, Flat No. 2, 1st floor, Plot of

Bk-226, Ulhasnagar, situated at Ulhasnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range. Pune in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fatilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Deepchand Amulroi Sabhani, Amma-sagar Apartment. Plot of Bk-226. Ulhasnagar-1.

(Transferor)

(2) Shri Balumal Lokumal Makhija, Amma-sagar Apartment, Plot of Bk 226, Flat No. 2, 1st floor, Ulhasnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sund immere-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Amma-sagar Apartment, Flat No. 2 1st floor, Plot of Bk-226, Ulhasnagar. (Area 600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 14293 1984-85 in the month of March 1985)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 63-226GT|85

Date: 29-7-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Vishal Builders & Promoters, 459 Narayan Peth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Dhondidas Jamdar, 1327-E Sadashiv Peth, Pune-30.

_ . .

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|460|1985-86,-Whereas, 1, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair charker value

property, having a fan charker value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Hat No. 17, on 2nd floor, at Vaishali Aaprtments, 459 Narayan Peth, Pune-30.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer of

of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in 1980ect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptet.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, on 2nd floor at Vaishali Apartments, 459 Narayan Peth, Pune-30.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune, under document No. 460 1985-86 in the month of 1985).

ANII. KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 29-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|14673|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. One flat on 3rd floor of Hinglaj Building on Plot No. 4 of Survey No. 11A Hissa No. 2 at Bhayandar, Dist Thane situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M|s. Jai Construction Chandulalwadi. Station Road, Bhayandar (W) D.st. Thana,

(Transferor) (2) Smt. Chandra Nagraj P. Jain, Chaitali Medical Store, Mahavir Jyoti, Modi Patel Road, Bhayandar (W).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat on 3rd floor of Hinglaj building on plot No. 4 of Survey No. 11A Hissa No. 2 at Bhayandar, Dist. Thane. (Area 661 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 14673 1984-85 in the month of April 1985)

ANII KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax ACQUISITION RANGE, POONA

Date: 29-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Jagjit Rai Arora, s o late Sh. Rum Dhan, C-14, F.F. Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Kumar slo Sh. Shyam Lal, 4[23 W.E.A., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. N o. $1\Delta C$ [Acq.II|SR-1]12]84|760.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to velice that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000l- and bearing House on Plot No. F-2, Bali Nagar, situated at Vill. Passai

Darapur, Delhi

and /or

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27, of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. F-2, Bali Nagar, Vill. Bassai Darapur, Delhi, Mg. 155 sq. yds.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-II Aggarwal House 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 UF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-11, 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|12-84|761.—Whereas, J, SH. K. VASUDEVAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing

No. L.82. Kirti Nagar, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Incometax Act, 1961
in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/m
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sh. Raghbir Singh so S. Sant Singh J-11/44, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kanan Bala Ahuja wo Yash Paul Ahuja, 14-B/7, D. B. Gupta Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. L-82, Kirtj Nagar, New Delhi. Mg. 200 sq. yds.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Aggarwal House, 4|14A, Asai Ali Road, New Delhi.

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|12|84|762.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to 44 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing P. No. 4560, Ward No. XIII situated at Deputy Ganj, Sadar Beara, Delhi

Bazar Delhi.

(and more fully described in the Schedule annuexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

- (1) Råkesh Kumar s|o Sh. Rangoo Lal Jain, 4710, Deputy Ganj, Sadar Bazar Delhi for self and as Gen. Attorney of his brother Sh. Anil Kumar Jain, (Transferor)
- (2) Sh. Brabhu Dayal Jain So Sh. Johri Lal Jain, 4682, Plot No. 19, Deputy Ganj Sadar Babar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of sotice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 4560, Ward No. XIII, Deputy Ganj, Sadar Bazar, Delhi Mg. 82-5 9 Sq. Yds.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC | Acq. II | SR-1 | 12-84 | 763.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 | and bearing

Property No. WZ-63, situated at Khampur, Delhi-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Income-tax Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any isceme arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcressid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sh. Bhanwar Singh S|o Sh. Yad Ram, R|o WZ-74, Kham Pur, Delhi,

(Transferor)

 Sh. Yudhvir Singh Chauhan So Late Sh. Siri Ram, Ro WZ-64, Khampur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE,

Property No. WZ-63, Kham Pur, Delhi-8, Measuring 300 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4|14A Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date: 11-7-1985

 Sh. Karam Chand Uppal s o Sh. Ram. Chand Uppal, 40 4, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Kharag Ram Chaturvedi slo late Sh. Bhagwan Dass Chaturvedi and Karunesh Kumar Chaturvedi, slo Sh. Kharag Ram Chaturvedi, 178, Jamunalad Bajaj Street, Calcutta & 40|4, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4 | 14A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq,II|SR-1|12-84|764.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 40|4, East Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Incometax Act, 1961
in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
belive that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the raid instrument of
mansfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettee.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Govt. Built Property No. 40|4, East Patel Nagar, New Delhi Mg. 200 sq Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 | 14A Assaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|12-84|768.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Serial 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Plot No. 57, Block Λ -2 Rajouri Garden, situated at Vill. Bassai Darapur, Delhi

tand more fully described in the schedule annexed herto) has been transferred under the Incometax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the Act, to the following nersons namely:—64—226 GI|85

 Sh. Amrit Lal Malhotra so Sh. Sunder Dass Malhotra, A-2|57, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Bhalla wo Sh. Raj Kumor Bhalla, C-1/163, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 57, Block A-2, Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi. Mg. 284.3 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date: 11-7-1985

FURM ITNS----

(1) Sh. Sri Chand so Udho Dass, D-8|4, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Maya Devi wo Sh. Kishan Chand, D-8/4, Model Town, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4]14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|12-84|769,--Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.
P. No. D-8|4, Model Town Vill, situated at Malikpur, Chhaoni, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

One half share of property No. D-8/4 Model Town, Vill. Malikpur Chhaoni, Delhi Mg. 282 Sq. Yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. YASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|12-84|770.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

and bearing No.

IV 1997-999. Chawri Bazar, Delhi, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insularment of transfer with the object of tensors.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act in tempera of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M[s. Jagan Nath Hari Ram, 191, Katra Uawab, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Punita Suri, 33 Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. IV 997-999, Chawri Bazar, Delhi Mg. 495 sq. metres.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 14 A Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date: 11-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|12-84|771.--Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000]- and bearing No.

2535 old No. 3600, Basti situated at Punjabian, Subji Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Incometax Act, 1961 in the office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Kriehna Rani wo Sh. Madan Gopal, 146 Malka Ganj Road, Subji Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi wlo Sh. Bhagwan Sahai, 2535, Basti Punjabian, Subji Mandi, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2535 old No. 3600, Basti Punjabian, Subji Mandi, Delhi, Mg. 72 sq. yds.
Date: 11-7-1985

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 14A, Asaf All Road,
New Delhi.

Date: 11-7-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|12-84|774.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sold Act')

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No-XIII|130-132 and 131, Mohalla Jatwara situated at Pul Mithni, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984

of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than—the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and to the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) iscilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

 M[s] Puran Chand Arora Charitable Trust, through "its Chairman Sh. Puran Chand Arora, 12[11, Shakti Nagar, Delhi

(Transferor)

(2) Delhi House Building Co-op. Society, 10001-1004 Gali Teliyan, Novelty Delhi through its Vice President Sh. Piyara Lal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interests able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Actional have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. XIII]130|132 and 131 Stair case Mohalla Pul Mithai, Delhi. Mg. 381.60 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Aggraval House,
4 | 14A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.-11]3R-1]12-84[775.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 0001 and he ring. No. 2-1/2, Storaged Property No. 46, situated at Block G-3, wholer Town, Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed fretet), has been transfered under the I.T. Act, 1961 in the Other of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sand Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ...

 Christaina Uma Sanadh Wlo Sh. J. C. Sanadh, Rlo G-3, Model Town, Delhi.

(Transferor)
(Transfered)

(2) 1. Smt. Shashi Agarwal Wlo Rajindra Kumar Agarwal, 2. Smt. Rukmani Agarwal Wlo Jitender Kumar Agarwal, Rlo 3954, Gali Mandir Wali, Pahari Dhiraj, Delhi..

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2-1|2 Storeyed Property No. 46, Block No. G-3, area 145.15 Sq. Yds. Model Town, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 14A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date: 11-7-1985

Beal:

FORM NO. 1.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|12-84|776.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'raid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-

and bearing.
No. 3/16, East Patel Nagar, situated at New Delhi
(and more fully de-cribed in the schedule annexed her to),
has been transfered under the I.T. Act, 1961 in the Office,
of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mahinder Kaur, R|O 8, Eastern View, New Delhi,

(Transferor)

(2) 1. Sh. Bhushan Chand
2. Raj Kumari,
3. Bahedur Chand
R|O 3|16, East Putel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 3|16, East Patel Magar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 | 14A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date : 11-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|12-84|777,---Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1 00.000]- and bebaring No.
575 Block-C, Khasra No. 63, Vill. Azadpur situated at
Majlis Fark, Delhi-33

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984

of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Surinder Kumar s|o Sh. Rom Kishan, L-7, Malka Ganj, Subji Mandi, Delhi,

(Transferor)

Ye'h. Ram Janeshwar Jain and Narender Kumar Jain sons of Late Sh. Puran Chand Jain, B-4, Mahatma Gandhi Road, Adarsh Ngr. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 575 Block C, Khasra No. 63, Vill. Azadpur, Majl's Park, Delhi-33, Mg. 216 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 14A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, it pursuance of Section 269C of the said set. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said set, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|12-84|778,—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

Deing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Plot No. F-3|26, Model Town, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transfered under the I.T. Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
oelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

granater with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:

65--226 GI|85

- (1) Sh. Gulshan Kumar Bakshi slo Late Sh. Gobind Ram Bakshi F-3|28, Model Town, Delhi For self and as attorney of his real sisters and brothers

 (Transferor)
- (2) Smt. Kavita Jhamb wo Rajnish Kumar Jhamb & Rajnish Kumar Jhamb so Sh. Ganga Ram Bhamb, B-182m Gujarwala Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.S. House on Plot No. F-3/26, Model Town, Delhyi Mg. 272.22 sq . Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 14A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date: 11-7-1985

FORM ITNS——— (1)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-11|SR-1|12-84|779,—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No.

movable property, having a fair market value exceeding Rs. I lakh and bearing No. 5653 Kucha Khan Chand, Nai Sarak, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in Dec, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kamla Wati Khanna Wd|o Shiv Nath Khanna, 5653, Kucha Khan Chand, Nai Sarak, Delhi

(Transferor)

(2) Shree Kanhiya Lal Bansal Family Trust, 1143, Kucha Harjas Mal, Bazar Sitaram, Delhi-6 through Chief Trustee Mr. Shr Bhagwan Bansal. (Tronsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5653, four storeyed situated at Kucha Khan Chand, Nai Sarak, Delhi-6 Mg. 81 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 | 14A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal:

Date: 11-7-85.

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

through its partner Sh. J. L. Grover, (2) Sh. Rajiv Minocha s|o Sh. Inder Nath Minocha and Smt, Raj Minocha w|o Sh. Inder Nath Minocha

(1) M|s P.J.P. Builders at 3058-63 Desh Bandhu Gupta Road,

New Delhi

through her G.A. Sh. Inder Nath Minocha. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|12-84|780.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

P. No. 5/7, Duplex Flat No. 3, Roop Nagar Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inconve-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in said the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Art, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 5|7, Duplex Flat No. 3 Roop Nagar, Delhi Mg.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4 14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 11-7-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMET-AX ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-1|12-84|785.—
Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
P. No. 25|133, Municipal No. 11722, situated at Shakti
Nagar, Delhi
(and more fully described in the schedule annxed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at
Delhi I.T. Act, 1961 on Dec. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any aioneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

 Sh. Satya Pal and Sh. Raj Pal sons of Late Sh. Ram Chand A-52, Gujran Wala Town, Part I, New Delhi.

(Transferor)

 Sh. Shyam Lal Rustagi s|o late Sh. Jai Narain, 25|133, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 25|133, Municipal No. 11722, Shakti Nagar, Delhi Mg. 200 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid phoperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985.

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF DIDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-1|12-84|787.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tnx Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

H. No. 30, Road No. 7, Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Incometax Act, 1961 the Competent Authority at of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than iliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linkship of the transferor to pay tax under the said Act, in vespect of only income arising from the transferant/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in puremance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessia property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. R. N. Verma sjo Gela Rafin Kothi No. 30, Road No. 7 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Wahiraya wlo Sh. Gurdip Singh, 52/51, Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 30, Road No. 7, Punjabi Bagh, Delhi Mg. *Strike off where not applicable.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-7-1985.

FORM NO. I,T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-1|12-84|788.—
Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
15 the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.
3532 to 3534 and Staircase No. 3535, situated at Netaji
Subhas Marg, Darya Ganj, Ward No. 11, New Delhi
has been transferred under the Income-tax Act, 1961
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at
Delhi I.T. Act, 1961 on Dec, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Joginder Singh, Bhupender Singh and Sh. Balbir Singh sons of Sh. Kirpa Singh, 3540 Netaji Subhas Marg, Darya Ganj, New Delhi-2.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Sablok w|o Sh. Uashbir Sablok, Smt. Neclam Sablok w|o Dr. Vinod Sablok, Master Vikram Sablok, minor s|o Late Late Di. Harbir Singh Sablok through Sushma Sablok, 28¹¹⁷. Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. Nos. 3532 to 3534 and Staircase No. 3535 Netaji Subhash Marg, Darya Ganj, New Delhi Ward No. 11 Mg. 56 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985.

FORM NO. 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Renuka, D-1/101A, Satya Marg, Chankya Puri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mohan Lal Mangla, 1961. Katra Shanshahi, Ch. Chowk, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|37-EE|12-84|544.—Whereas, I. SH. K. VASUDEVAN, whereas, I. SH. R. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.
Flat No. 5, 2 Raj Narain Road, situated at Civil Lines,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delbi I.T. Act, 1961 on Dec. 1984

Definity. Act, 1961 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any minneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. No. Flat No. 5, 2 Raj Narain Road, Civil Lines, Delhi-6. Mg. 2000 sq. ft.

THE SCHEDULE

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 11-7-1985

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) MIs Bhanot Properties & Industries Ltd., 102-103, Raj House, 30-31, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M|s Mimani & Sons (HUF) P-16, South Extension Part II, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|37-EE|12-84|545.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Bldg. No. 3, Aram Bagh, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at

Delhi on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): THE SCHEDULE

Mezoine floor Bldg. No. 3 Aram Bagh, New Delhi (Local Shopping Centre) Mg. 270 sq. ft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-7-1985.

Scal;

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sh. Balbir Singh clo Mls Adwel Advertising Service. G-24|2 Marine Arcade, Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC!Acq. II|37-EE|12-84|546.—
Wherens, I, SII. K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
XV|10070 and 10071, Street No. 1, situated at Multanl
Dhanda Pahar Ganj, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at
Delhi on Dec. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair

Delhi on Dec. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(2) M/s Hindustan Plywood Co. 2/2, Desh Bandhu Gupta Road, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. XV|10070 & 10071, Street No. 1, Multani Dhanda Pahar Gani, New Delhi Mg.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—66—226 GI|85

Date: 11-7-1985

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D|1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|37-EE|12-84|547,—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

1,00.000|- and bearing No. Booked flat No. 303 in Multi-storeyed bldg. A-5 & A-6, Community Centre, situated at Ranjeet Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at

Delhi on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Vishwa Properties (P) Ltd., 4th floor, Sheetla House, 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Samco Electrical, 9/5, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bocked Flat No. 303 in multi-storeyed building, A-5 & A-6, Community Centre, Ranjit Nagar, New Deihi Mg. 497

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-7-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMSSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 414A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq II|37-EE|12-84|548.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

B-2|3, Naniwala Bagh, Azadpur, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at

Delhi on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect at any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or disclosed by the transferse for which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M|s Sharp Construction Co. Pvt. Ltd., B-88, G. T. Karnal Road, Ind. Arca, Delhi.

(Transferor)

(2) Imperial International Pvt. Ltd., Mg. Director Kanwal Nain Kaur, 12 17, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sharp Bhawan, B-2|3 Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi Mg. Flat No. 4 First floor,

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 11-7-1985

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4]14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|37-EE|12-84|549.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Flat No. A-8, Block 'A', situated at 45, The Mall, Delhi-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (DI of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mls Rentiers & Financiers, P. Ltd., Flat No. 4, 'DAKSHINEESWAR', 10 Hailey Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s Narain Cold Storage & Allied Ind. Pvt. Ltd., 26-C, Lawrence Road, Industrial Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-8, Block 'A', 45, The Mall, Delhi-7. Mg.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4|14A Asaf Ali Road, New Delby

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 11-7-1985

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(1) Mrs. Raj Malik, D-1104, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S. Kuldip Singh,
 4-C, Block 9, Pocket, B-Phase III,
 Ashok Vihar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|37-EE|12-84|550.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a lair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

Ground Floor No. 07, M. G. House, situated at Wazirpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi I.T. Act, 1961 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Ground floor No. 07 M. G. House, Wazirpur, Delhi Mg. 268 sq. ft.

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-7-1985

(1) Sh. Padam Chand Jain, 841, Bhojpura, Mallwara, Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Subhash Chander Goel, F. No. 15, C-40, Dwarka Sadar, Connaught Place, New Delhi-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

New Delhi, the 12th August 1985

- Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|697.—Whereas I, SUNIL CHOPRA.
- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. 31, Jain Co-op. House Bldg. Society Ltd., situated at Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on December, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax

Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Ploa No. 31, in the layout plan of Jain Co-op. Housing Building Society Ltd. known as Bahubali Enclave Delhi (measuring 232.33 sq. yards).

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi Now Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-8-85.

Scal:

FORM I.T.N.S.--

(1) Shri Kanti Lal Hathi, B-1|Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri P. R. Mridul, M-90, Greater Kailash Pt. I, New Delhi-48.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1985

Ref. No IAC Acq.III 37EE 12-84 698.—Whereas I. SUNIL CHOPRA,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tar Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000; and bearing No. A-5, Neeri Bagh, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on December, 1984.

on December, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the experts as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

No. A-5, Neeti Bagh, New Delhi-49. Land admeasuring 853-33 sq. yds. together with one-storey bldg.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date:12-8-85.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Suman Hajela. B-1 50. Vasant Vihar. New Delhi-57.

(Transferor)

(2) Sh. V. N. Gupta, 2. Sh. B. N. Gupta, 3. Smt. Kamla Gupta, 4. Smt. Sangeeta Gupta & 5. Smt. Panji Devi ro 694, Church Road, Ludhiana-141001. Civil Lines,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested h the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC|Acq.III|12-84|699.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 000l- and bearing No. P-9|3, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on December, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. ha respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

R-9|3, Bhikaji Cama Places, New Delhi. Area Approximate 501 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissione of Income-tax
> Acquisition Range III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subscription (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 5-8-8.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, ACGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|700.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta:t, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R.s 1,00.000|- and bearing No.

69, Janta Co-op. House Bldg, Society Ltd. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 cf 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi bn December, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the reid Act to the following persons, namely.—67—226 GI|85

(1) Sh. Virender Nath Sood.

6 o. late Sh. Pran Nath roo A-7, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh Gurcharan Dass Jain, s'o late F. C. Jain, r|o 214 Saket, New Delhi.

manufacture establishment and a second and a

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ummovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat of lan No. 69, Area 300 sq. yds. in the lay out plan of Jante Co-operative House Bldgs. Society Ltd. known as Meera Begh, New Delhi-4.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi New Delhi

Date: 5-8-85.

- (1) For Raj Rahul Contractors & Builders Pvt. Ltd. N-52-A, Connaught Place, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Mrs. Sudha Jain, P-Flat Sagar Apartments, 6-Tilak Marg, New Delhi-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq. [III|37EE|12-24|701.--Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having to fair market value exceeding Rs, 1.00,000|- and bearing No.

RJA-204 (U.C.F.) 60|26, Prabhat Marg, New R. Road,

situated at New Delhi.

of transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on December, 1984.

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mon'vs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this negice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

RJA-204 (U.G.F.) 60|26, Prabhat Marg, New Rohtak Road, N. ew Delhi. Area 204 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-8-85.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M|s. Kailash Nath & Associates, 1006 Kanchenjunga, 18, Barakhama Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|702.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.
F-32. 'ALPS' at 2-A, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the IAC, Acq. III. New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Mrs. Mahal Sehgal so Maj.-Gen. T. M. Vohra, F-505, Som Vihar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ACL shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay any under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No F-32, on first floor, plinth area 240 sq. ft. in proposed commercial complex 'ALPS', at 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-85.

Scal

- (1) Kaushalya Education Trust, through its trustee Shri Vivek Kapur, Arpana, Madhuban, Karnal (Haryana). Resident (Transferor)
- (2) Mrs. Ram Piari Dua, 1|24, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4114A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|703.-Whereas I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 301, Unit (G), Kaushalya Park, Houz Khas, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on December, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

SEPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Unit (G), 6, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. (1500 eq. ft.)

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income tag
> Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 5-8-85.

Scal:

(1) Surinder Pal Kapoor slo Sh. Dev Raj Kapoor, C-2|46, Lodhi Colony, New Delhi.

(Trunsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S|Shri Chhabil Dass & Om Parkash, C|o M|s. Moolchand Chhabil Das Kocha Usted Dag.—Chandni Chowk, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, AGCARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said immov-

New Delhi, the 7th August 1985

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC Acq.III 37EE 12-84 704.—Whereas I, SUNIL CHOPRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter

Rs. 1,00,000|- and bearing No. 13, Road No. 14, Punjabi Bagh Extn., situated at New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on December, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

Vacant Plat No. 13 Road No. 14, Punjabi Bagh Extn., New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-111 Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 7-8-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Radhe Shyam Goel slo Shri Daya Ram Goel, rlo Vidya Hari Ram, A-6|5, Rana Pratap Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Bichamber Lal Khurara s Sh. L. R. Khurana, B-140, Ashok Vihar, Phase I, New Delhi.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|705.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]- and bearing S.F.S. Chategory-III, Pocket-5, Pitampura, situated at Delhl,

S.F.S. Chategory-III, Pocket-5, Pitampura, situated at Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office ef the I.A.C. Acq.III, New Delhi on December, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in the ground floor under forth, self financing scheme, Category-III, situated at Pocket-5, Pitam Pura, Delhi. Area 111.19 sq. meter.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 7-6-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|12-84|705.--Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

C-48, Jania Shopping Complex, Paschim Vihar, situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule below)
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi

on December, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesall property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :--

(1) Jaina Properties (Pct.) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circu,s New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Pravin Kumar & Mr. Alok Kumar, B-151, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perinod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-48, Jaina's Shopping Complex, Paschim Vihar, New Delhi. (Area 84 sq. ft.)

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 5-8-85.

(1) M's. Jaina's Properties (Pvt.) Ltd., Add nath Shree House. Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Chander Parkash S'o Sh. Pivara Lal, F-301|3, Andrews Ganj, New Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 2nd August 1985

(a) he any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC|Acq/III|37EE|12-884|707.--Whereas I, SUNIL CHOPRA,

- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
- G-588, Jaina's Shopping Complex, Paschim Vihar, situated at New Delhi,
- (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delha on December, 1984,

for an opparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULB

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Prop. No. G-58, Jaina's Shopping Complex, Vihar, New Delbl, Area 108 Sq. Feet. Paschim

1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-III
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-8-85.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd August 1985

Rcf. No. 1AC|Acg.III|37EE|12-84|708.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Rs. 1,00,000 and bearing No.

S-11, 22. Rajindra Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the LAC. Acq III, New Delhi on December, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—68—226 G1|85

(1) M's Bhatia Seligal Construction Corpn. 48-A, Jor Bagh, New Delhi-3.

(Transferor)

(2) Mr. Badri Nath Bajaj, s₁o Sh. Kaushi Ram Bajaj, 18/5 Old Rajinder Nagar, New Delhi-60.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. S-11, U. Ground floor, in Padma Tower No. II, 22, Rajindra Place, New Delhi a multi-storeyed building. Area 572 sq. f.t

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi New Delhi

Date: 2-8-85

Scal;

(1) Allied Construction Co., G-5, 92, Deepali, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX AC. 1994 - 32 OF 1961)

(2) Sh. Vinod Kumar Aggarwal, 'House No. 2885, Gali No. 215, Tri Nagar, Delhi-35.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|709.--Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair ctarke. value exception Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 103, Plot No. 2, Old Rohtak Road, situated at

New Delhi,

and core fully described in the schedule annexed hereto-has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi

on December, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) raculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay text under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Industrial flat No. 103, of 425 sq. ft. on plot no. 2, Old Rohtak Road, Shahada Bagh, Delhi (to be constructed).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the soid Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-8-85 Seal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

· -____-

(1) Smt. Jasmine Madan, rlo C-232, Greater Kaliash-I, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Gurcharan Kaur & Smt. Mohinder Kaur, 3E/11. Thandewalan, Extn., New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL HOUSE, 414A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 4th August 1985

Rcf. No. IAC|Acq.HI|37EE|12 84|710.—Whereas I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-fler referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovimmovable property daving a fan market value exceeding Rs. 1,06,000, and bearing Piot No. 15, Road No. 49, Punjabi Bagh, situated at New

Delhı,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on December, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than futeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such travefer on a reed 15 between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of that notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on this respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising train the transfer, 1951/0
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax field, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plat No. 15, Road No. 49, Punjabi Bagh, New Delhi.

SUNTL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-8-85.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1985

Ref. No. IAC [Acq.III]371 E]: 2-84[71].—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

19A, Village Uldhanpur, Pancheel Garden, Shahdra,

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Raghunandan, R/o 1/10413, Mohan Park, Shahdra, Delhi-32.

(Transferor)

(2) Shri Purshotam Dass, 1594, Gali Madarsa Meer Jumla Kucha Jaiswal, Lal Quan,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19A, Village Uldhanpur, Panchsheel Garden, Shahdra, Delhi-32.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal Bhawan, Near Broadway Hotel. 4/14A, Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 12-8-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-HI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELIH

New Delhi, the 14th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|712.—Whereas, I, SUNII. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 /- and bearing No. 103, Sandesh Vihar, P&T Colony, Shakurpur situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the l. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isr of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Pushap Nath Sehgal, E-26, Dayanand Nagar, Ghaziabad (U.P.).

(Transferor)

(2) Shri Sita Ram & Smt. Lila Wati, 5543/74, Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi,

(Transferee)

Object ons, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are degred in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 103, Sandesh Vihar, P&T Colony, Shakurjur, Delhi (measuring 186.53 sq. yards).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal Bhawan,
Near Broadway Hotel,
4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 14-8-1985

Scal:

FORM TIME ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDI-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE. 4 14-A. ASAL ACLEOAD. NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC| Neg.III|37EE|12.84|713.==Whi. ast, I. SUNII. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the sacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Flat No. G-37 at 5. Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as greed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the nabhus of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (4) of Section 269°C of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Dhanot Properties & Inds. 1.td., 102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transfer 1)

(2) M/s. Amarjit Ashok Kumar, Shop-834, Behind I-Block, Shardhanand Market, G.B. Road, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Fazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other corson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explaination:—The terms and expressions used betein as are defined in Chapter XXA of the said.

- Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. UG-37, at 5, Cama Place, New Delhi-66--155 sg. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarval Chawan,
Near Broadway Hotel,
4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 5-8-1985

Scai :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|715.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

G-63, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any someve or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Jaina Properties (Pvt.) Ltd., Addinathshree House Opp. Super Barar. Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Randhir Singh S/o Shri Hoshiar Singh, C-2A/254-B, Janak Puri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPEANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-63, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, New Delhi--Super area 60 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal Bhawan,
Near Brondway Hotel,
4/14A, Asaf Ali Rcad,
New Delhi

Date: 8-8-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Mrs. Geeta Bhattacharji, . Mr. Siddharth Bhattacharji, R/o B-2/33, Azad Apartments, Mehrauli Road, New Delhi,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|716.-Whereas, I. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

E-91, Masjid Moth, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acquisition Range-III, New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Anceta Sekhri, 217, DDA Flats, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givet in that Chapter.

THE SCHEDULE

E-91, Masjid Moth, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal Bhawan, Near Broadway Hotel, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-88-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|717.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnster referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 102 on plot No. 2, Old Rohtak Road situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Allied Construction Co., G-5/92, Deepali, Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Shri Maheen Chand Gupta,
(2) Shri Mahesh Chand Gupta, House No. 380|81, Gali Matawali, Teliwara, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Flat No. 102, of 425 sq. ft. on Plot No. 2, Old Rohtak Road, Shahzada Bagh, Delhi (to be constructed).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal Bhawan,
Near Broadway Hotel,
4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—69—226 GI[85]

Date: 5-8-1985

Scal;

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s. Rajdhani Builders, Prop. Mehta Industries Ltd., 13th Floor 1, Tolstoy Marg, Atma Ram House, New Delhl.

(Transferor)

(2) Mr. Subhas Chander Jain, C/o Jain Bhawan, Sadar Bazar, Delhi Cantt.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EF|12-84|718.—Whereas, I, SUNH CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable moperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

F-112, at 4 Bhlkaji Cama Place, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. Asq.III, New Delhi in December, 1984

for an appearent consideration which is sess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Shop No. F-112 at 4, Bhikaji Cama Place, Delhi. (180 eq. ft.).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal Bhawan,
Near Broadway Hotsl,
4/14A, Asuf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1985

Seal:

Objections (if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) Mr. Bachan Dass Sharma, E-286-A, Greater Kailash-I, New Delhi, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Som Datt Builders (P) Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

· OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|12-84|719.---Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Shop No. 132, on F.F. 9, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bilieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULI:

Shop No. 132, on First Floor 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area Approx. 126 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4|14-A, Asaf Ali Read, New Delhi

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-}II|37EE|12-84|720.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

and bearing
No. UG-3, Jaina Tower, Distt. Centre, Janak Puri, situated at
New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the L.T. Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons not setly:—

(1) Jaina Properties (P) Ltd., Addinath Shree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

Sh. Ajaib Singh So Sh. Raghubir Singh,
 Sh. Balbir Singh So Sh. Dhayan Singh,
 B-1/189, Janak Puri, New Delhi-58.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-3, Jaina Tower, Plstt. Centre, Janak Puri, New Delhi. Super area 105 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4|14-A, Assif Ali Road, New Delhi

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1935

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|12-84|721.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Space No. 1, on ground floor, 1, Kaushalya Park, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acg. III, New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (!) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Surya Enterprises (P) Ltd., L-34, Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferor)

(2) Shri D. R. Gupta, N-155, Panchsheel Park, New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 1, on ground floor, 1, Kaushaiya Park, Hauz Khas, New Delhi-16. (Area 258-25 sq. [t.).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4/14-A, Assaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-8-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mls. Surva Enterprises (P) Ltd. L-34, Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajesh Kumar Gupta, N-155, Panchsheel Park, New Delhi-16. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> **ACQUISITION RANGE-III** AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|12-84|722.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the unmovable property having a fair market 'value exceeding Rs. 1,00 000]—and bearing

Space No. 3, on Ground floor 1, Kaushalya Park, situated at

New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the LA.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followins persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 3, on ground floor, 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi, 211.75 aq. ft.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4|14-A, And Ali Road, New Delhi

Date: 6-8-1985

Scal:

(1) Mis Surva Enterprises (P) Itd. L-34, Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mamtesh Jain (Mother), Guardian of Master Rajiv Jain, C-41, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4[14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC!Acq-III[37EE]12-84[723.-Whereas, I,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00 000|- and bearing

Space No. 4, 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984

on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as sforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 4, on ground floor 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. (Area 211.75 sq. ft.).

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4|14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1935

Ref. Nod. IAC|Acq III|37EE|12-84|724.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing Shop No. UG-37 at 5, Bhikaji Cama Place, situated at

New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfeor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Smt. Kamlesh Jahar, Smt. Saraj Narainder und Smt. Nirmal Talwar, C-4E|39, Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Bhanot Properties & India Ltd., 102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place, New Delhi-19. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UG-37 on the Upper Ground floor of Building under construction at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi, (Area 155 sq. ft.),

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Date: 6-8-1985

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|12-84|725.—Whereas, J. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000]- and bearing
Shop No. UG-33, 9, Bhikaji Cama Place, situated at
New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984

on December, 1964

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any thomass or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Inconcetax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--70--226GI|85

(1) Som_Datt Builders Pvt. Ltd. 56, Communny Centre, East of Kailash, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Kapoor Industries, B1 46, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UG-33, on Upper Ground floor at No. 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 126 sq .ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Agarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4|14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-8-1985

FORM ITNS-

(1) Mls. Surva Enterprises (F) L 1 1.-34, Kirti Nagar, New Letter 5

(Transferor)

(2) Mohd, Zafar Nadeem So Mohd, Shabid E-37, Kalandi Colony, New Delhi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI RCAD, NEW DELIH

New Delhi, the 8th August 1985

Rcf. No. IAC|Acq-III|37EE|12-84|726.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing R. 1,00,000- and bearing

and /or

No. 5, 1 Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), the been transferred under the T. Act. 1961, (43 of 1961) in the Office of the LAC. Acq. III, New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the fer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Nability of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

respect of any income arising from the transfer;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 5 on ground floor, 1. Kaushelya Park, Hauz Khas, New Delhi-16. (Area 211.75 sq. ft.).

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-UI
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4/14-A, Asuf Ali Road, New Delhi

Date: 8-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. 1AC|Acq-111|37EE|12-84|727.—Whereas, 1. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to set the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No. 214, at 1 Old Rohtak Road, situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Dethis on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said 9ct, to the following persons, namely:--

(1) M/a, Reopa Construction (P) Ltd., C1-4, Ashoka Fstate, 24, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Snit. Satya Vati Wlo Mr. Ram Kishan, C-245, Vivok Vihar, Delhi-32.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 214, at 1, Old Rohtak Road, Delhi. Area 296 sa. It.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hofe: 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|12-84|728.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing

Cifice Space No. 201, 2-A, Bhikaji Cama Place, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mls. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barta Khamba Road, New Delhi-1. (Transferor)
- (2) R. K. Trahan & Sons HUF, B-540, New Friends Colony, New Delhi-65. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space No. 201, plinth area 319 sq. ft. on second floor of proposed multi-storeyed commercial complex ALPS at 2-A, Bhikaji Cama Distt. Centre, New Delhi,

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4 14-A, Asuf Ali Road, New Delhi

Date: 8-8-1985

(1) Shri Mahinder Singh, 11/24, Lest Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Gora Lal & Smt. Nitopma Devi, C-28, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|12-84|729.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. G-1/101, Ph.-II, Maya Puri Indl. Area, situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquiation of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter,

THE SCHEDULE

Factory No. G-1/101, Phase-II, Maya Puri Industrial Area, New Delhi, Land measuring 400.56 sq. yds.

SUNII CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 14-8-1994

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-JAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NFAR BROADWAY HOTEL
4|14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. JAC|Acq-HI|37EE|12-84|730.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,00|- and bearing No. 104, 20-Yusaf Sarai, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the 1.A.C. Aca. III, New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liftene per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has any been truly stated in the said instrument of transfer with the consideration and that the

- ia) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M|s, Oxford Engineers (P) Ltd., 18, Commercial Complex, Mulcha Marg, Diplomatic Envlave, New Delhi-21.
- (2) Mrs. Raminder Bhati, DDA Flat No. 55, Pocket-B, SFS Sheikh Sarai Ph.-I, New Delhi-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fin No. 104, 1st floor, in 'Oriental Apartments' 20- Yusaf Sarai, New Delhi, Area 346.80 sq. ft.

SUNII. CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III ACQUIVE Bhawan Near Broadway Hetel 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

: 7-8-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAT, PHAYMAN
NEAR PHOADMAY AGTEL
4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Λcq-JII|37EE|12-84|731.--Whereus, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 306. Oriental Apartments, 20, Yusaf Sami situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Gelhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|3. Bombay Builders (India) (P) Ltd., 18;48, Commercial Complex, Malcha Marg, Diplomatic Envlave, New Delhi-21.

(Transferor)

(2) Mr. Raman Sikka, B-5|194, Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306, 3rd floor in Oriental Apartments, 20, Yuzuf Sarai, New Delhi. (Area 387.51 sq. ft.).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggawal Bhawan
Near Broadway Hovel
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4|14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|12-84|732,--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 305, Oriental Apartments, 19, Yusaf Sarai, situated at

New Delhi

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi

on December, 1984

of an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresan exceeds the apparent consideration therefor than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (0) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Oxford Engineers (P) Ltd., 18, Commercial Complex, Mulcha Marg, Diplomatic Envlave, New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Raj Kumari, 8-5|194, Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd floor in Oriental Apartments, 19, Yusaf Sarai, New Delhi. Area 377.57 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN
NEAR BROADWAY HOTEL
4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIH

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|12-84|734,--Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immyable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Shop Space No. F-31, (ALPS 2-A, Bhikaji Coma Dist. Contre, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Dolhi on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor. ABGIVE
- 1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-- 71-226GI/85

- (1)M[s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunna, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1, (Transferor)
- (2) Mrs. Gitanjali Chauhan, A-2/3, Elite Society, Shahibagh, Ahmedabad, Gujarat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as giver in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop Space No. F-31, area 124 sq. ft. on First floor of proposed multi-storeyed commercial bulding 'ALPS' at 2-A, Bhikaji Cama District Centre, New Delhi-66.

> SUNTL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4[14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 8-8-1985

(1)Mr. Damoder Batra Slo Sh. D. C. Batra, A-432, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis. Mayur International,602, Deep Shikha Building,8-Rajindera Place, New Delhi-8.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC [Acq-III]37FF[12-84]735.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 9, Kirti Mahol Bldg., 10, Rajindera Place, situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December 1984

for an apparent consideration which ic less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person , namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

basement No. 9, Kirti Mahal Building, 19, Rajinder Place, New Delhi, (Area 523 sq. ft.).

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4114-A, Asaf Ali Road, New Delhi

i) ite: 8-8-1985

Scal:

form itns-

(1) Mls. Pal Monan Construction Co., 6/4792, Chandhi Chowk Delhi-6.

(2) I. Smt. Sushom Kauthiala,
 2. Sh. Nandan Kuthiala,
 3. Mass. Nandan Kuthiala,
 3. Mass. Nandan Kuthiala,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEI 4/14-Λ, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. 1AC|Acq-111|37EE|12-84|736,—Whereas, I, SUN11. CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 ot 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. No. 5[67, Padam Singh Road, Karol Bogh, situated at New Dathi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 19a1 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

All Rlo. Canal Road, Karol Bagh, New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty live days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat at 3rd floor, in building Pal Mohan House, at 5[67, Padam Singh Road, Karol Bagh, New Delhi. Area 2516

SUNIF, CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggaewal Bhawan Neat Breadway Hotel 4]14-A, Asaf Ali Bood, New Oelhi

Data : 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAI: ALI ROAD, NEW DELHI

SIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|12-84|738,--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Space 1&2 in the proposed Common complex 'AIPS' situted at 2-A, Bhitz; Cama Place, New Deibi (with the Schodule appeared berata).

No. Space 1&2 in the proposed Common complex 'AIPS' situted at 2-A, Bhikai Cama Place, New Dethi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Dethi on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- Ms. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunna, 18, Barakhamba Road, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Miss. Aditi Anand, C-19, Chiroo Enclave, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two open Car Parking space No. 1 & 2, in the proposed commercial complex, 'ALPS' 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delh'.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

 Γ for $\approx 8-8-1985$

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN 4[14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|12-84|739.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000|- and bearing
No. B-2 & B-3, ALPS at 2-A, Bhikaji Cama Place, situated is New Yelbi

at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the affresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nature with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

- (1) Ms. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunna, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1. (Transferor)
- (2) Mr. Vined Anand, C-19, Chirag Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the scivice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown space No. B-2, & B-3 utimeasuring 700 sq. ft. in basement of proposed commercial complex 'ALPS' at 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan 4 |14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

9FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DI'I HI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|12-84|741.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. Fiar No. 103, 3, Punjabi Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s, Rishi Pal Properties (P) Itd., 704, Pragati Tower, Rajendra Place, New Delhi, (Transferor)
- (2) Mrs. Savaa Kaburia, Wo Sh, Ramesh Kathuria, F-28-A, Hari Nagar, New Delhi.

('fransferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, on first floor, Pal Mohan Apartments. NWA, Punjabi Bagh, New Delhi. Aren 780 sq. tt.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal Bhawan 4 |14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

. 8 8 1982

Scal:

FORM JINS --

(1) Dr. N. C. Mehta, 486-7B, Faridabad (Haryana).

(Tran.feror)

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq III|37HF|12-84|740.-Whereas I, SUNIL CHOPRA,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing No. B-414, 3, Bhikaji Chima Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Scheduled annixed hereto) I.A.C., AC.) III, New Delhi on December 1981 has been transferred under I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

the Office of the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Sh. R. S. Sharma, B-4|203, Safdarjung Enclave, **New Dethi.**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives at that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any michoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purnoses of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ter Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. B-414, 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi-66. Area 306 ag. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aequisition Range III Aggarwal Bhawan 4|14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. JAC|Acq. 111|37EE|12-84|742,—Whereas I SUNII, CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

206, 'ALPS' 2-A, Bnikaji Cama Dist., Cen utuated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herejo), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at

section 269AB of the income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at I.A.C. ACQ. III, New Delhi on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M|s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Oelhi-1.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Marya & Mrs. Ritu Marya, Kirby Building, System Zubair Enterprises, Muscat, Oman.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office flat No. 206, area 708.5 sq. ft. in proposed multistoreyed commercial complex 'Al.PS' at 2-A, Bhikaji Cama District Centre, New Delhi-66.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Dute : 8-8-1985 Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DEUHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq III|37EE|12-84|743.—Whereas I SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 18-C, Ashirwad at K-84, Green Park, situated at New

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the tigreement is registered under section 26% B of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, I.A.C. ACQ, III, New Delhi on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the conealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

72-226GI|85

(1) Shri Mahabir Pershad, E-22, DDA Flats, Malviya Nagar, Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr .Rajinder Singh & Mrs. Raminder Kaur, B-8[4, Vasant Vihar, New Delhi-57.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office flat No. 19 'C' area 312 5 sq. ft. on first floor of proposed commercial building ASHIRWAD K-84, Green Park, New Delhi-16.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4 14-A. Asaf Ali Road New Delhi

Date : 8-8-1985 Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL IIOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq III|37EE|12-84|749.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the himovable

Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 85, Vitt. Knureji, Vikas Marg, f.P. Extn., situated at

Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the

I.A.C. ACQ to, New Delhi on December 1984

the an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Sh. Sawailal Parikh, Sh. Kanti Lal. Parikh, Sh. Jitendra Parikh, Sh. Janardan Parikh, Sh. Arvind Parikh & Sh. Kirti Parikh PlO Mls. Kantilal R. Parikh, 379, Chandni Chowk,

(Transferor)

(2) Sh. Jitendra Parikh 19, Ansari Rd., Darya Ganj, Ne Delhi. & 2. Janardan Parikh, 2958, Katra Khusal Rai, Kinari Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette ora period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 85, measuring 240-68 sq. yds. at Village Khureji, Vikas Marg, I.P. Fxtension (Gujarat Vihar), Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Aggarwal Bhawan Near Broadway Hotel 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 6-8-85

FORM ITNS-

 Mrs. Savitri Devi and Shri Kanhaya Lal, E-32, Moti Nagar, New Delhi-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Kanhaya Lal, E-32, Mott Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq III|37EE|12-84|2-85|804.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 5, UG-21, Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under tection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of I.A.C. ACQ. III, New Delhi on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any m(noys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersible property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 5, UG-21, Cama Place, New Delhi, Approximate Cover Area 255 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Aggarwal Bhawan
Near Broadway Hotel
4 | 14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 7-88-1985.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IJI **A**GGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Dolhi, the 7th August 1903

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|3-85|858.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
21, New Rajdhani Enclave, situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi
in December, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said Instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Lt. Col. MPS Kandal, 46, Kota House, Shahzahan Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Agarwal, Wlo. Sh. Rajn Ram Agarwala, Block-J & K-81, Laxmi Nagar, Delhi-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Residential Plot No. 21, New Rajdhani Enclave, measuring 400 sq. yds. Delhi-92.

SUNII. CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Date: 7-8-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37FF|12-84-3-85|859.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000: and rearing No.
I-10, Green Park Extr., situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed horeto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi
in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) C. L. Puri, M. K. Puri & Nitin Puri,
 R|o. S-488, C. K.-I,
 New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Monga, T-10, Green Park Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

T-10, Green Park Extn., First Floor on Plot of 310 yards, New Delhi (Area 850 sq. ft.)

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 8-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Jagmohan Bhatnagar, E-23, N. D. S. E.-I. New Dolhi,

(Transferor)

(2) Shri Gian Chand, 511|3A, Vishwas Nagar, Delhi-32.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAE ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|4-85|883.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

132, New Rajdhani Co-operative House Bldg. Society Ltd., situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant residential plot no. 132, measuring 174.44 s. yd. in New Rajdhani Co-operative House Building Society Ltd., Delhi-32,

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 13-8-1985 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BIHAWAN, NEAR BROADWAY HOTFL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NFW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|4-85|884.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Basement No. 36, 6, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi

has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sayitri Bali, IIF | 180, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

THE SELECTION OF THE PARTY OF T

(2) Mrs. Roopwant Kaur Wlo. late Sh. Harbans Singh, 2, Sukhpal Singh, Sjo. late Sh. H. Singh, 3, Harjeet Kaur, Wlo. Dr. A. P. Singh, 4, Abhey Pal Singh UlG. Dr. A. P. Singh, P-2, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

36, Basement at 9, Bikhaji Cama Place, New Delhi. Area 310 sq. ft.

SUNII. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 6-8-1985

FORM ITNS-------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BIIAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|12-84|2508.— Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Plot No. 37, Block-c, Madipur

situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of maker with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Jaswant Singh Slo. Sundar Singh, rlo. 83|1-A, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Mangat Ram, Gian Chand and Ajit Kumar, s|o. Sardar Mal, r|o. 5|15, Punjabi Bagh Extn., Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

HE SCHEDULE

Plot No. 37, Block-C, measuring 471.4 at Madipur, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 1-8-1985

FORM ITNS----

(1) Dev Karan Garg rlo. 134/1, M. G. Road, 4th floor, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Satvinder Pal Singh rlo. B|209, West Patel Nagar, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

ÖFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|12-84|2509.— Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 88, 1,00,000/- and bearing No. situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of am, income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by emy of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 21, Road No. 43, Punjabi Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 13-8-1985

Seal:

73-226GI|85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|12-84|2510,-Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 20, Rd. No. 55, Punjabi Bagh, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi

in December, 1984 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Ram Parkash Sharma, So. Sh. Ganga Ram Sharma, Ro. Near Halwasia Mandir, Bhiwani, (HR.)

(Transferor)

(2) S. Harvinder Singh, Slo. S. Jagir Singh, Rlo. 14, Najafgarh Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold Plot No. 20, on Road No. 55, mg. 555.55 sq. yds., at Punjabi Bagh, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delbi-

Date: 1-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-III

AGGARWAL ΒΗΛΨΑΝ, NEAR BROADWAY HOTEL

4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.tII|SR-II|12-84|2512.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Vill. Dinarpur, Kh. No. 335 situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the J. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any scome or any manages or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose. Or the limit become tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Shri P. L. Malhotra s|o. late Sh. Ram Chand Malhotra R|o. DBF-25, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

 Shri S. P. Kapur s|o. Sh. Bodh Raj R|o. N-7, Rajauri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha, 8 biswas, part of Khasia No. 335, situated in the area of vill. Dindarpur, Delhi.

SUNIL CHOPR'S Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Inco ne-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 14-8-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, IN AR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Deihi, the 14th August 1985

Ref. No. 1AC|Acq.HI|SR-H|12-84|2513.--

Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Kh. No. 335, Vill. Dindarpur,

situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ, III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which nave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namel. :

(1) Sh. S. P. Malhotra so. late Sh. Ram Chand Malhotra, R[o. OBF-25, Tagore Garden, New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. S. P. Kapoor s|o. Sh. Bodh Raj Kapoor, R|o. N-7, Rajouri Garden, Now Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the gaid property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 8 biswas, part of Khasra No. 335, situated in the area of vill. Dindarpur, Delhi,

SUNIL CHOPRA Comretent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 14-8-1985

(1) Smt. Manjeet Kaur Wo. Sh. Karam Singh, r.o. E-I 594, Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME YAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

(2) Sh. Mohinder Singh so. late Sh. Harbans Singh, Rlo. No. 20Al8-A, Tilak Nagar, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI'-III AGGARWAL BIHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL ' 4/14-A, ASAE ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st August 1985

Ref. No. IAC | Acq. | III | SR-II | 12-84 | 2514.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'saal Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

GBP. No. 20A|8-A. Titak Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any neome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trunsferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G. B. P. No. 20A[8-A, Tilak Nagar, New Delhi measuring 100 sq. yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :- -

Date: 1-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC Acq.III|SR-II|12-84|2515.— Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market with exceeding property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. A-9 (WZ-342) Shiv Nagar,

situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ, III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- ***) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tix Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Shadi I.al Anand Slo.
 Sh. Haveli Ram rlo. A-114, Janta Colony, New Delhi-27.

(Transferor)

(2) Sh. Rajnesh Kumar & Devinder Kumar, Ss|o. Sh. Ram Sharan R|o. WZ-43, Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. A-9 (WZ-342) 200 Sq. yds, at Shiv Nagar, New Delhi. Area of village-Tehar, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I he eby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 5-8-1985 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|12-84|2516.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
EA|1|38, Inderpuri,
situated at New Dolbi

situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi
in December, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kailash Rajhar herself and as attorney of Smt. Sadhana Beri, rlo. 28, Southern Avenue, Flat No. 8, Calcutta-26.

(Transferor)

(2) Shri R. L. Dua s|o. Sh. Ghanshyam Dass Dua and (2) Smt. Champa Dua w|o. Sh. R. L. Dua, R|o. 20|27, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. EA|1|38, Inderpuri, New Delhi measuring 250 sq. yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|12-84|2517,---

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/2-84/2517.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
C-99, Kh. No. 2056, Hari Nagar Clock Tower,
situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Baldev Sagar Bhandari slo. Sh. Khairati Lal Bhandar Rlo. 4117, W. E. A. Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)

(2) S. Mohan Singh, s|o. S. Dua Ditta Raj R|o. T-235-A, Baljeet Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-99, measuring 220 sq. yds. (60'X33'), part of Khasra No. 2056, situated at Hari Nagar, Clock Tower, area of Vill. Tihar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|12-84|2519.-

Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent continuous ander Section 269B of the Income tax Act. 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing No.

Mol. No. A-1[135, Kh. No. 1610, Vill. Naraina, Inderpuri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; md/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said the said total property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely the

74-226 GI[85

(1) Smt. Shobha Gupta Wo. Sh. R. K. Gupta, Rlo. RA-74, Inderpurl, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Madhu Gupta Wo. Sh. S. C. Gupta, and Mast. DLherajGupta, Master Rabul Gupta, both Sons of Sh. S. C. Gupta rlo. No. 981, Shivaji Street, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Mpl. No. A-1/135, constructed on piece of land measuring 250 sq. yds. out of kh. No. 16:0, situated in the area of village Naraina in the Abadi of Inderpurl, an approved Colony, New Delhi-12.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 1-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-III|SR-III|12-84|931.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. C-12, Hauz Khas Enclave, eitherst det New Delhi.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and more runy described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) Smt. Sudershan Rawla wo Y. P. Yash Pal Rawla slo. N. L. Rawla and 2. Ms. Rawla & Co. (P) Ltd., 2655, Bank Street, Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Geeta Seth woo. Sh. Anil Seth, Anil Seth soo. A. P. Seth roo 3-7, Green Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. C-12, measuring 311.1 sq. yds. Hauz Khas Enclave, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 31-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|12-84|933.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' I have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 1 | 42874 (part) Kh. No. 141 | 129, Green Park Extn., situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at New Delhi on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (1) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Manhora Kishan Kaul (M. K. Kaul) s|o Sh. Pran Kishan Kaul R|o 61|1, Manmohan Building, Yusaf Sarai, New Delhi.

(Transferor)

 Smt. Nirmala Sain w|o Sh. Jai Pal Singh Jain, r|o 12|8, Yusaf Sarai, New Delhi.
 Smt. Bimla Gupta wife of Sh. Lakhmi Chand Gupta, r|o M-201, Gautan Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 1|42874 (part) Khasra No. 141|129, Khewat Khatauni No. 1, min. measuring 100 sq. yards situated at Yusuf Sarai, Green Park Extension, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 31-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-III|SR-III|12-84|935.--Whereas, J, SUNIL CHOPRA,

being the Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster reserted to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000, and bearing No.

Single-storey building in Green Park Extn., M-13 situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herato). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) Smt. Inder Mohani Sharma woo Sh. Panna Lal, Th. her attorney Sh. K. L. Mehta, roo A4/1, Rana Partap Bagh, Delhi-7. (Transferor)
- (2) Smt. Magbool Nikhad M.h'li wo Shri Syed Shahid Mehdi co Sonu Bhattacharya, E-3, Fak, New Delhi-17. Panchshilla (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

M-13, Single storey building measuring 310 sq. yds. in Green Park Extension, New Delhi-16.

SUNIL CHOPRA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Dato: 13-8-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-III|SR-III|12-84|936.—Whereas, I, SUNII, CHOPRA,

from the Component Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 283, Block S, Vill. Sheikhsarai, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Now Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prakash Chand Jain, s|o Shri Jugmander Dass Jain, r|o 1282, Vakli Pura, Delhl.

(Transferor)

(2) Dr. Mahendra Prasad Jain so late Shri Maharaj Prasad Jain, ro S-529, Greater Kailash II, New Delhi.

(Transieree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 283, Block S., measuring 847.80 sq. yds. at village Sheikhsarai, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting assistant Commission r of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 13-8-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-III|12-84|939,—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000: and bearing No. 14 & 14|1, plot No. 15, Block No. 80A, Pahar Ganj, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed bergto)

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1984

New Deim on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Indu Bala Gupta w|o Ashok Kumar, r|o 60, Gali Raja Kedar Nath, Chawri Bazar, Delhi.
 Smt. Lalita Bala Bhandari w|o. Ashok Kumar Bhandari, r|o 2133, Masjid Khajur, Dharampura, & Delhi.
- (2) M|s, Metropolis Restaurant, 1634, Main Bazar, Pahar Ganj, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 14 and 14|1, measuring 120 sq. yds. on Plot No. 15, block No. 80A, Krishna Market, Pahar Ganj, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-124
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 14-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4114-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-III|SR-III|12-84|941.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. C-14, N.D.S.E. II situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said histrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hearby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. If mely:—

- (1) Shri M. K. Kaul soo. late Raja Hari Kishan Kaul, roo C-14, N.D.S.E.-II, New Delhi.
- (2) Smt. Asha Rani w|o Banarsi Lal r|o Λ-6, Housing Society South Extn. Part-I, New Delhi.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bettern as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-14, measuring 500 sq. yds. N.D.S.E.-II, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Competent Authority
Acquisition Range-III
Delhi|New Delhi

Date: 13-8-1985

Scal:

(1) Smt. Ram Piyaci, Clo. Sh. Jagdish Chander, F-5[2] Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bharat Bhushan, Rlo. E-5/2, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE III NEW DELLII

(b) by any other person interested in the said immovable

New Delhi, the 7th August 1985

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC|Acq. III|SR-III|12-84|942.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

> EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00 0001- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

No. E 52, Malviya Nagar, situated at New Delhi

1908) in the Office of the Registering Officer at

at New Dolhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid poreptry and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration (herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

E-5|2, Malviya Nagar, New Delhi, 124 Sq. yds.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ex, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the secresard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followig persons, namely :---

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAI: ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1985

Ref. No. IAC|Acq. 111|SR-II|12-84|943,-..-Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Bearing No. 10604, measuring 140 Sq. vds. situated at (Total Area 280 Sq. Vds. at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

not New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been are which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, narrely:-75-226 GI|75

(1) 1. Sh. Radhey Sham Sahani 2. Sh. Mohan Lal Sahani,

3. Sh. Arun Kumar Sahani, 4. Sh. Anil Kumor Sahani

Sto, Late Sh. Daulot Ram Saham.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Nasib Chand Bhatia,
Slo. Late Sh. Mool Chand Bhatia.
2. Smt. Shanti Devi,
Wlo. Sh. Nasib Chand Bhatia. Rlo 5-C 53. New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as ary defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided un-specified share in property bearing No. 10604, measuring 140 Sq. Yds. (total Area 280 Sq. Yds.) at Karol Bagh, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> Delhi|New Delhi

Date: 14-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th July 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|SR-III|12-84|944 --- Whereas, 1, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1.00,000- and bearing exceeding

No. 10604, Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely :--

 Sh. Rudhey Sham Sahani,
 Sh. Mohan Lal Sahani, (1) 1.

Sh. Arun Kumar Sahani,
 Sh. Anil Kumar Sahani,

Rlo. 92, Baird Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Bhagwan Dass Suncia, Slo. Sh. Ganza Ram Suncja, Rlo. 15-A|54, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|2 undivided|un-specified share in property bearing. No. 10604, measuring 140 sq. vds, total measuring 280 sq. vds.) situated at Karol Bagh, New Delhi

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date : 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 414-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1985

Ref. No. AC|Acq. IIUSR-III|12 84|945A,—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

Deing the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing No. 2639 10, Plot No. 87, Block-P situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

No. 2639]10, Plot No. 87, Block-P situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at New Delhi in December 1084

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evision of the dability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shyama Devi Jain Wo Sh. Harish Chand. Jain, R. No. 72, Ansari Road, Daryagani, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Padam Chand, S|o Sh. Jagdish Pd.
 2. Smt, Lokeshwati Devi, W|o Sh. Atul Kumar Gupta. R|o. 2267; Paharganj, New Delhi.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hiere of land measuring 263.9[10 sq. yds, Plot No. 87, Block 'P', situated at South Extension Scheme, Part-II, Mobarakpur, Koila, Ring Road, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 31-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|SR-IV|12 84|1405.--Whereas J, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsetter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. B|61, Jyoti Nagar (East) Shaheara, situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December 1934

for an apparent consideration which is 'eas then the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, 1 bareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Jagdish Chander, Slo. Sh. R. P. Chopra, Rlo. A-2|89, Rajouri Garden, New Delhi-27. (Transferor)
- (2) Sh. Naresh Kumar Jain, Slo. Sh. Chhotta Lal Jain, Rlo. Gali No 3, Friends Colony, Shahdara, Delhi, (Transteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said proptrty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B|61, mg. 461.1 Sq. yds. situated at Jyoti Nagar (East), Shahdara, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi|New Delhi

Date : 6-8-1985

Seai:

(1) Shri Ram Saran Das, Slo. Sh. Diwan Chand, Rlo. J-10, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Dr. V. K. Monga, Slo Shri K. C. Monga, Rlo. H 5|12, Krishan Nagar, Delhi 51, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELLII

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|SR-IV|12-84|1406.--Whereas, J. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. J-10, Kh. No. 511, Krishan Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property, built on portion of plot No. J-10, area 118-1/18 sq. vds. out of Khasra No. 511, situated at Krishan Nagar, Village Ghaundli, Shahdara, Delhi.

SUNII. CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the sain Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|SR-IV|12-84|1408.—Whereas, I, SUNII. CHOPRA,

being the Competent Authority uder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 19328. Vill. Sikdar Pur, Shahdara, situated at Delhi-32 (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December, 1984

tor an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

(1) Smt. Bhagwanti Wlo. Late Sh. Ganda Singh, Rlo. (Old) No. 1480[1-A, and New No. 1]9328, Shahi Mohalla. West Rohtash Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferor

(2) Sh. Darshan Lal, So. Sh. Ascharaj Lal, Ro. Ort. No. 51, Mohan Park, Shahdara, Deihi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A built up property bearing No. (Old) 1480[1-A, and New No. 19328, area measurms 136 sq. vds. out_of Khasra No. 290 min. situated at Village Sikdar Pur, in the abadi of Shahi Mohalla West Rohtash Nagar, Shahdara, Dolhi-32.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 7-8 1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAI, HOUSE HISEN SEAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq. III|SR-IV|12 84|1409.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding ks. 1,00,000|- and bearing

No. 1.7205 Kin No. 2180|Vill. Sikder Pur, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, accepts: -

 Sh. Gur Singh Thakur, So. of Shri Gobind Singh, Ro. (Old) No. 1437-Al2, and New No. 1/7205, Shivaji Park, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shalini Khana, Wo Sh. Raj Kumar Khanna, Ro 570 Katra Neel, Chandi Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A built up property bearing No. (Old) 1473-A|2, and New No. 1/7205, out of Khasra No. 2180/265 area measuring 200 sq. vds., situated at Vill. Sikdar Pur, in the abadi of Sawroop Block Rohtash Nagar, Shiyii Park, Delhi-32.

SUNII. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitio Range-III, New Delhi.

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELIH

New Delhi, the 12th August 1985

Ref No. IAC|Acq. II|37-EE|12-84|547-A.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 103, Prop. No. 1311/3, Almeri Gale, situated at Delhi (and more fully described in the Schedue annexed hereto), has been tran (erred under the LT. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at LA.C. ACO. II, at New Delhi in December, 1984

at New Delhi in December, 1984 on an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Express Builders (P) Ltd., B-177, Greater Kailash I, New Delhi-48.

(Transferor)

 Sh. Satish Dewan, 1 18, B. Asaf Ali Road, Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein

as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter,

THE SCHED

Space No. 103, measuring 235 sq. ft. in property No. 1311 8, Ajmeri Gate, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 12-8-1985

(1) Smt. Vidya Wanti, Wo Late Sh. Girdharilal Batra, Rlo. 73-161, Phase I, Ashok Vihar, Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. K. G. Monga & Sh. V. K. Monga. Slo Sh. R. P. Monga, Rlo F-75, Green Park, New Delhi, at Present Rlo E-161, Phuse-I, Ashok Vihar, Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD

NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 22nd July 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. IAC|Acq. Π |37-EE|12-84-550A.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No.

No. E-161 Ashok Viharl, Delhi

Explanation:—The terms and expressions used herein me are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. ACQ. II, at New Delhi in December, 1984

at New Delhi in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any measure arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

H. No. E-151, Phase-I, Ashok Vihar, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
76—226 GI|85

Date 22-7-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq. I|SR-III|12-8-1|605] -- Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Factory bldg. No. F-32, mg. 427.35 sq. lds situated at Industrial Area Phase-I, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office a

at New Delhi in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to Selieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons Damely :-

- 1) M|s. Promol Industries, F-32, Okhla Industrial Atea Phase-I, New Delhi. (Transferor)
 - (2) Mrs Suncel Sodhi, Wlo. A. K. Sodhi rlo. E-3/4, Vasant Vihar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building No. F-32, measuring 427.33 sq. yds. Okhla Industrial Area Phase-I, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisirio Range-III, New Delhi.

Date 6-8-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSF, 4|14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acq. IIJ|12-84|606.---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. S-141, ing. 298 sq. vds. Greater Kailash-II,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at New Delhi in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

- (1) Sh. Gansham Dass Sharma, H. No. 145, Sector 19-A, Chandigarh, Punjab. (Transferor)
- (2) Mls. Khurana Builders. F|21-A, Fast of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-141, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 289 sq. vds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-task
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|611.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 209B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Agr. land mg. 23 Bighas 16 Biswas situated at Village Bijwasan, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Ganeshi So Shri Mulkh Ram rlo village Bijwasan, New Delhi

(Transferor)

(2) M|s C. Lyall & Co. (Const.)
 (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 23 Bighas 16 Biswas comprised in Rectangle No. 77 Kh. No. 18, 19 (6-04), 21 (0-12), 22(4-09) 23(4-16) 26(0-07) Rect. No. 84 Khasra No. 1(0-08), 2(2-12), 3(4-08) situated in village Bijwasan, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-8-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|612.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 10, Block 'L' mg. 308 sq. yds, in the residentail colony known as kailash Colony stuated at vill. lamrudpur on Lajpat Nagar, En!kaji Link Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a)) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of the rassets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kanwar Lal Bhardwaj S|o Shri R. N. Dass Bhardwaj r|o Vill & P.O. Rattawal (Distt. Ludhiana) at present A-12, South Extn., Part-I. New Delhi.
- (2) Shri An'i Kumar s|o Shri Sukhdev Raj r|o X-17, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazerte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing plot No. 10, Block 'L' measuring 308 33|100 sq. yds. in the Residential colony known as Kailash Colony aduated at vibbae Jamudpur on Lajpat Nagar, Kalkaji Link Road, in the Union Territory of Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aggarwal House
4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri B. B. Dhingra s|o Shri Chanan Das R|o 16|1060, Hardhian Singh Road, Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Arun Ahuja s|o Shri A. P. Ahuja, & Mrs Sunaina Ahuja w|o. Shri Arun Ahuja both r|o B-93, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I ΛGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC| Λ cq.1|SR-III|12-84|616.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing

No. 1/5th undivided share of plot of land bearing No. 270 Block B mg. 299 sq. yds, of built property in G.K.I., New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less thann the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. **samely:----

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5 undivided share of plot of land bearing No. 270, Block B, measuring 299 sq. yds. of built property Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi
Aggarwal House
4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI. HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|12-84|617.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. B-5, Pamposh Fnelave, New Delhi,

situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Major General, Amarendra Kaul, E-13[1, Vasant Vihar, New Delhi-57.

(Transferor)

(2) Shri Devinder Kumar Subarwal, Clo Mahindar Puri & Co., rlo 37-C, Connaught Place, Atmar Ram House, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-5, Pamposh Enclave, New Delhi-48, measuring 2020.93 sq. ft. including 232 sq. ft. of the servant quarter over the garage.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|618.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing. No. C-526, Defence Colony, New Delhi, building of approx 1470 sq. ft. on land admeasuring approx 325 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Christian Institute for the Study of Religion & Society, 16, Pandit Pant Marg, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Godrei Soaps Limited, Pirojsha Nagar, Eastern Express Highway Kikhroli, Bombay-400 079.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

C-526, Defence Colony, New Delhi—Building of approx. 1470 sq. ft. on land admeasuring approx, 325 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi[New Delhi
Aggarwal House
4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-8-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, Λ SAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|619.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marlet value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Single storey house plot No. B-165, G.K.I., New Delhi situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Ved Prakash Mehta, Smt. Raje Mehta, Shri Vinay Mehta & & Shri Abhay Mehta, c/o 11, Munrika Marg, Vasant Vihar, New Delhi-57.

(Transferor)

(2) M/s Micolian (India) (P) Ltd. 48/2, Janpath, New Delhi-110001.

(Transferce)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Single storey house together with mumti, one garage and a servant quarter thereon built on a plot of land No. B-165, Greater Kailash-I, New Delhi-48, measuring 513 sq. yds. i.e. 429 sq. metres.

R. P. RAJESII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-l, Delhi|New Delhi

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—77—226 GI/85

Date: 6-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

A. QUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ATT ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Aeg.l|SR-III|12-84|620.—Whereas, I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 for the oring Agr. land mg. 20 Bighas and 14 Biswas Village Jonpur New Dedhi

situated at V Page Jonanur, New Delhi,

find more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) int the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madan Lal Mehra, 113, Darya Mahal A. Napean Sea Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Malhotra, Smt. Mcenakshi Malhotra, Sh. Rajesh Malhotra & Shri R. P. Malhotra, 4, Centaph Lane, Madras. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said properts way be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

X

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 Bighas 14 Biswas bearing Khasara Nos. 21|11, 6|20, 6|21, 21|1 and 21|10 with Farm Cottage in village Jonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-t, Delhi|New Delhi
Aggarwal House
4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|622.-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing

House No. B-21, mg. situated at New Delhi, 851.4 sq. yds. Chiragh Enclave,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

- ರವ್ಯಗಳಿಸಲಾಗುವ ಸಹಾರ್ಯವರ್ಷಗಳ ಸಮ್ಮಾನ್ಯ ಸಂಘಟನೆಗಳು ಕ್ರಾಂತ್ರಿಸಲಾಗಿ ಮಾಡುಗಳು ಸಂಘಟನೆಗಳು ಹಿನ್ನು ಮಾಡುವುದು ಸಮ್ಮಾನ್ಯ ಸಮ್ಮಾನ್ಯ (1) Jang Behadur Puri and Terun Kumar Puri, 38]o S. L. Puri, 1]o 35, Prithvi Raj Rood, c., Delhi, through attorney Suran ler Kumar Gupta, rlo R-79, G.K. 1, New Delhi. (Transferor)
 - (2) Shri I. K. Chawa slo Trilok Chand Clewla and Miss Res Chawla dio Trilok Chand Chawla, B-54, Kalkaji, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chroter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-21, measuring 852.4 sq. vds. Chiraj Enclave, New Delhi

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-8-1985

(1) Shri Shiddartha Dutta slo Shri B. B. Dutta Rio D-656, Chittaranjan Park, EPDP Colony, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE (NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Krishan Chopra Wlo Shri V. D. Chopra, rlo. E-325, Greater Kailash, New Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Dolhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|623.-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. D-656, Chittaranjan Park, FPDP Colony, New Delhi measuring 183 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

on) tacilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. D-656, measuring 183 sq. yds. Shittaranjan Park, EPDP Colony, New Delhi.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-8-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONE OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.I|SR-III|12-84|624.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Plot No. M-39, Greater Kailash-II, mg. 250 sq. yds.

situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed here to),

has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cast of each of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

(1) M|s. Nanaksar Thath Iswar Darbar) a religious society regd. No. 5885, issued on 26-7-73 by registrar of Societies, Delhi through Sec. Sr. Kartar Singh, r|o M-41 G-K.-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Harbans Kaur, Wo Ch. Udai Singh

Sin. Indons Karl, W. Cu, Cotal Singh
 Sr. Swaran Singh, slo Udai Singh,
 Miss Harsharan Kaur dlo Ch. Udai Singh all rlo. 4l9, Vijay Nagar, Delhi-96.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-39, Greater Kailash-H, New Delhi-48, measuring 250 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Runge-L Delhi New Delhi Aggarwal House 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-8-1985

Scal:

(1) Smt. Shakuntala wo Shri Ram Lal rlo. D-1/118-119, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamlesh Bahl wo Sh. Mahesh Chand Bahl rlo 7/7, Jangoura Double Storey, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.t|SR-III|12-84|625.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

trying the Competent Authority under Section 269B of the facome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to and the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,0000]- and bearing
No. Property bearing No. D-1/119, Lajpat Nagar,
mg. 100 sq. vd., situated at New Delhi,
tand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said *natrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability ef the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; RAD /Or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the !adian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the skid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. D-I/119, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi Aggarwal House 4114A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Wuryam Dass Suri, 4/21-A. Jangpura 'B', New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kusum Suri, and Master Sanjeev Suri, rjo 4[21-A, Jangpura 'B', New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACCOUSTINGN KANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th Au_ust 1985

Ref. No. 1AC[Acq.1]SR-III]12-84]626.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000] and bearing

No. Shoo No. 2. Savitri Cinema Complex, G.K.-II, situated at New Delhi, measuring 202 sq. 1t.

transfer with the object of :-

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(b) facilitating the consealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:—

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 202 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I_ Delhi|New Delhi
Apparwal House
4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Shakuntala Woo late Sh. Ram Lal, ro D-I/118, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Mohinder Kaur wlo S. Ranjit Singh, rlo 3|52, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4[14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|629.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

No. D-1118, mg. 100 sq. yds. situated in Lajpat Nagar, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

at New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outht to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days frozz the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. D-I|118, measuring 100 sq. yds. situated in Lajpat Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 6-8-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|630.-Whereas, I, R. P. RAJESFI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000! and bearing

No. E-14, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 250 sq. yds. situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :— 78—226 GI/85

(1) Tribeni Nath Sharma, E-14, Greater Kailash-H, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ved Goenka Wlo Sh. J. K., Goenka and Sh. Rajnish Goenka Slo Sh. J. K. Goenka, 22, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-14, Greater Kailash-II, New Deihi, East Plot No. E-12, West Plot No. E-16, North Road, South lane. mg. 250 sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 6-8-1985

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|633.—Whereas, I, R. P. RAIESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. E-266, Greater Kailash-I, mg. 208 sq. yds. situa'cd at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (L) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

- M|s. Amarjit Singh Johar & Co. C-139, Defence Colony, New Delhi, through its sole propl. Amarjit Singh Johar, (Transferor)
- (2) Smt. Neera Narang Wo Virendra Narang rlo W-7, Patel Road, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dwelling unit on first floor and mezzanine floor of property No. E-266, Greater Kailash-I, New Delhi, admeasuring 208 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House, 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 6-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Rosie Manickam, Wdo. Sh. T. J. Manickam, Clo. Shri attorney Sh. R. K. Gupta, 21. Basant Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Manu Shrimali, G-6, Mattree Apartments, 96 6, Main Malieshwaram, Bangalore (India).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|634.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. A-56, Kailash Colony, New Delhi-48, mg. 1004 sq. yds. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey bungalow together with 2 garages and 2 servant quaters thereon, built on a plot of land No. A-56, Kailash Colony, New Delhi-48, measuring 1004 sq. yds. i.e. 839.4 sq. meters.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date 14-8-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|635.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Agr. land in village Bijwasan, New Delhi situated at

New Delhi.

New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Iuceme-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mensys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely:— (1) Shri Chhotu So Shri Maha Ram rlo village Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Delhi Towers (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-110001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in agricultural land measuring 15 Bighas and 10 Biswas in Kaimi No. 182, in village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 6-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Chhotu Slo Maha Ram. rlo Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers & Estates
(P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 414-A, ASAP ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-JII|12-84|640.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. Agr. land 15 Bighas and 10 biswas situated at village Bijwasan, New Delih. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|2 share in agr. land measuring 15 bighas and 10 biswas Kaimi No. 182, village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 6-8-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-85|658.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tair Act, 1961 (43 of 1961) (hereignafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevation able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Property No. C-23, Greater Kailash-I, mg. 300 sq. yds.,

situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at New Delhi in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer Frid/er
- (b) facilitating the concealment of any income or an, snoneys or other seects which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in purpuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely:-

(1) Smt. Surinder Kaur woo late Sh. Raghbir Singh, roo BA-225/2, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

Sh. Vijav Kumar Gupta, So Sh. Nand Kishore Gupta, 115-A, Bichha Mal Building, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ha the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-23, Greater Kailash, single storey house consisting of one bed room, one drawing-cum-dining, a bath room, and a kitchen, mg. 300 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Aggarwal House, 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 6-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th July 1985 .

Ref. No. P. R. No. 3789.Acq.23|I|85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (bereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 0001- and bearing No.
Land at Gara'pur seem B'ock No. 104, situated at Tal. Daskroi Dist. A'bad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereta) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at A'bad on 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have renson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-metton (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Prahladbhai Motibhai & Ors. Ge. atpur Tal. Daskroi. Disit. A'bad.

(Transferors)

(2) Chairman|Secretary Maheshwari Geratpur Co.op. Socy. Geratpur Tal. Daskroi Dist. A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Geratpur Block No. 104 R. No. 15721 Dt. 3-12-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3790.Acq.23|I|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
No. Property at Paldi T.P.S. 6 F. P. 196 Sub Plot 3. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

A'bad on 4-12-1984

A bad on 4-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shah Bipinchandra Alias-Vipinchandra Kantilal Shah. Pravinchandra Kantilal Shah, Siddhi Bunglow, Behind Tejpal Socy. Paldi-A'bad-6.

(Transferors)

(2) Halchand Kakalchand Vora, Dhudalal Halchand Now at—76—Mayuri Flat Cheekanta Road-Nr. Novelty Cinema -A'bad. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 6 Paldi F. P. 196 Sub Plot-3 R. No. 17339 Dt. 4-12-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3791.Acq.23|I|85-86.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Land TPS 26 F.P. 22-23-24-28 Ayojan Nagar Vasana—seem plot E. 51 A'bad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority at

at A'bad on 28-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nocice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 79-226 GI/85

----(1) Shri Chitranjan Gordhandas Jani, 25-Janvishram Socy. Behind Sahjanand College,

(Transferora)

30833

(2) Shri Aparvabhai Plyushkumar Murshi, 11-B-Janvishram Socy. Behind Sahjanand College, Ambawadi, Ahmedabad.

Ambawadi—Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the caid immovproperly, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land-Vasana TPS 26 F. P. 22-23-24-25-26 at Ayojan Nagar Co.op. Socy, Plot E.51 R. No. 9625 Dt. 28-12-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedaba

Date: 9-7-1985

* ORM TUSS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF THE INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AEMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3792.Acq.23 I.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 1.00 mills and bearing No.

Flat at P jk it Swarm Lok Antt. Adm 1725 sq. ft. Amin Road—Rajkot. (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 2594B of the Income-tax Act, 1951, in the Office of the Commetent Authority at Rajkot in Dec 1984.

The agreement which is the transferred to an apportunity consideration which is the transfer for market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trails stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any the moneys of other assets which have not been of which oright to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269P of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Mahavir Construction Coy, Partners—Gunvantral Ratilal Bhatt & Ors. 2-Ram Krushna Nagar-Vaibhav Aptt. Rajkot.
- (2) Dr. Jagdishbhai Jinabhai Kansagara, Smt. Dr. Daxaben Jagdishbhai Kansagara Karnsagara Surgical Houspital, Opp. Astron Cinema, Rajkot,

(Transferee:)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other pension interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as nre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hlat No. 2 Swapna Lok Aptt. Amin Road Rajkot Adm. 1725 sq. fit. 4 land for Garden R. No. 3979 Dec. 84

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-7-1985

val

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3793.Acq.23[1]85-86.—Wheeras, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat at 3rd floor Mill Aptt. 4—Jagnath Plot-Rajkot.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfirred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1691, in the Office of the Competent Authority at

of the Competent Anthority at Rajkot on Dec. 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Badiya ii Builders Funcis Shii Naranda; Vithaldas Badiyani & Ors. 3[10]23 L. Navjivan Socy. Lamington Road, Bombay-8.

(Transferors)

(2) Ashok V. Kariya & Neela Kariya 364—S. V. Road—Sigarctwala Builders. Block No. 27 Opp. Central Bank. Bombay-4.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut at 3rd floo: Nilli Aptt, Jagnoth Plot Rajkot Adm. 1289 sq. ft. R. No. 6286 Dt. Dec. 1984.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: -

Date : 10-7-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 11... July 1985

Ref. No P.R. No. 3794 Acg. 23 [1] 85-86.—Whereas, 1 G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

H.P. at Veraval, Land area is 307.126 sq. mtr. plus Building 300 sq. ft. tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Versival on 20-12-1984

to, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer at agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Soni Madhavjibhai Bhimjibhai Dhorda & Ors. Krushna Nagar, Khad Khad, Veraval, Dist, Junagadh.

(Transferor)

(2) Soni Babulal Gordhandas Sagar & Ors. Krushna Nagar, Khad Khad, Vernyal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at Veraval in Khad Khad area land adm. 307.126 sq. mtr. plus Building 300 sq ft. R. No. 3049 Dt. 29-12-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex IAC Acquisition Range I & 11 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 11-7-1985

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3795 Acq.23[1]85-86,-Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Land adm. 16 Acte & 7 Guntha = - 5 rooms & wells etc. at S. No. 16 Bhaynath Girnar Talati, Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Junagadh on 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26° C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesato property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Memon Haji Abdul Rahoman Abdul Habib Margani, Nava Ganchi Wada, Junagadh,

(Transferor)

(2) Praneta Pariwar Trust Clo Bombay Mill Stores Supply Co. Pvt. Ltd. Western India House, Sir P. Mehta Road, Bombay-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Junagadh, Bhavnath Girnar Taleti S. No. 16 Dudheswar Plantation, Ambawada' Adm. 16A 7G -,- 5 100m & well etc. R. No. 2432 Dt. 3-12-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax IAC Acquisition Range I & II Ahmedabad

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Alimedabad-380 009, the 19th July 1985

Ref. No. PR. No. 3796 Acq.23[I]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 et 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000] and bearing Industrial Land Adm. 2000 sq. yd.— Shed Adm. 590 sq. mtr. at Chhaya S. No. 2, Porbardar and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Porbandar on 21-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Shantilal Keshavlal, Mahatma Gandhi Road, Porbandar.

(Transferor)

(2) Musa Rasid Hamdani Prop : of Umi Enterprises Meman wada, Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial land adm. 2000 sq. yd -,- Shed Adm. 590 sq. mtr. at Chhaya S. No. 2 Porbandar R. No. 3688 Dt. 21-12-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 19-7-1985

Seal .

FORM ITNS----

 Model Theatres Private Ltd. Registered Office— Model Talkies Premises, Candhi Road, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Advance Film Exchange Pvt. Ltd. Registered Office— Advance Talkies Premises, Ahmedabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3797 Acq 23|1|85-86.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Raikhad Ward City S. No. 4164-B & 4164-C

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days 1,5m the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used hereta as are defined in Chapter XXA of the still Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Raikhad Ward City S. No. 4164-B & 4164-C R. No. 17483 Dt. 7-12-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 24-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3798 Acq.23[1]85-86.—Whereus, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinsfter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000l- and beating No. Shop No. 28 at Aianta Commercial Centre, Ashrun Road, TrS 3 F.P. 1000, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 ct. 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; undler

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nandlal H. Motwani, 15-B, Jalvihar Socy. Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sayladevi Mahendrakumar Agrawal 2 Vardhman Nagar, Khatlodia, Ahmedabad-61.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25 at Ajanta Commercial Centre, TPS 3 F.P. 100 Ashram Road, Ahmedabad, R. No. 18729 Dt. 27-12-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date 1-7-1984 Seal ·

FORM ITNS-----

- (1) 1. Kanakrai Shantilal Pandya
 - Anantraj Shantilal Pandya
 Jashodaben Shantilal Pandya
 A4, Mayur Park Co.op. Socy. Satelight, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD ΑΗΜΕΟΛΒΛΟ-380009

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3799 Acq.23[I]85-86.—Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property F.P. 988, TPS 3 No. 25, Tolaknagar Co.op. Socy. Paldi. Abmedahad

Paldi, Ahmedabad

filled and more 37EE in the office of the undersigned at Ahmedabad on 31-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(2) Shrimatiben Kasturbhai Kasturbhai Lalbhai HUF Minor Mihir Bharatkumar Zaveriwad, Patnini Khadki Relief Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property TPS 3 FP 988 No. 27 Tolak Nagar Co.op. Socy. Paldi 37EE|31-12-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax IAC Acquisition Range 1 & II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following namely :-

80 -226 GI/85

Date: 24-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3800 Acq.23[1]85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing No.

Land with plinth at TPS 20 F.P. 381 Kochrab Seem

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 4-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Pratap Champaklal Chokshi

 Fratap Charapakia Chokshi
 Bipin C. Chokshi
 Ashok C. Chokshi
 Nitin C. Chokshi
 Vinay C. Chokshi
 Sandaki Sheri Lakha Patel Pole, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Champaklal Gordhandas, Karta, Pratapbhai Champaklal Chokshi

2. Smt. Hansaben Vinodbhai Soni 3. Deepakbhai Narottamdas Dalal

4. Smt. Bina Deepakbhai Dalal

5. Ratilal Somnath,

HUF Karta Rajnikant Rajnikan Ratilal Patel, Upendra R. Patel Vinay Ratilal Patel. 237, Saraspur, Navi Savli Wad, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TPS 20 Kochrab seem TP 20 FP 381 R. No. 17354 Dt. 4-12-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 24-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF £961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3801 Acq.23[1]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1.00.0001- and bearing No

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
102, Chitra Industrial Estate, Chitra, Bhavnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Punit Metal Industries, Clo Velo Industries, Ruva Pari Road, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Ashok Air Products Pvt. Ltd.
Works. Plot 102,
Chitra Industrial Estate, Bhavnagar,
Regd. Office:
1|C 'Narayan Nikunj',
2, Kalyan Socy. Opp: R. C. Patel Ind. Estate,
Akota Road, Vadodara-5,
Barodu-5.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Work Shop Plot 102, Chitra Industrial Estate, Chitra, Bhavnagar R. No. 3908, Dt. 10-12-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 23-7-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3802 Acq.23[1]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and hearing No.
Plot No. 259, Hill Drive Read, Memon Bldg. Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 26-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferst and or
- ,(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jashwantray Jivanlal Doshi Kantilal Jivanlal Doshi Moti Mensuan, 3rd floor 5th Gali, Kehtwadi, Vithalbhai Patel Road, Bombay-400 006.

(Transferor)

(2) Anjali Co.op Hsg. Hsg. Socy. 14. Vithal Wadi, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2559, Hill Drive Road, Krishnanagar, Bhavnagar R. No. 3813, Dt. 26-12-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 23-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380-009, the 25th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3803 Acq.24[I]85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Property T.P.S 3 F.P. 751 Sub Plot 2 'Hirabag', Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 18-12-1984

Americanal on 18-12-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be tween the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties has not been transfer as agreed to be tween the parties of the property. between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) 1. Vipinbhai Indubhai Patel,

Sangam Park Socy. Behind Parimal Socy. E.B., Ahmedabad-6.

2. Girishbhai Indubbai Patel, Shreyas Socy. Ambawadi, E.B., Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Kumudben Narendra Bhuva 2. Minor Mehul Narendrabhai Bhuva Guardian-

Shri Narendra Indulal Bhuva Gonet Co-op Socy. Jame Jamshed Road, Matunga, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at TPS. 3 F.P. 751 Sub Plot 3 R. No. 18390. 18399 Dt. 8-12-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 25-7-1985

Seat:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3904 Acq.23[1[85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

Rs. 1,00,000|- and bearing Property at Januagar. Badeshwar Area R.S. No. 200 & 203 Plot 22-23-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jammagar on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay my under the said Act, i respect of any income arming from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957); (1) M|s. Savjani & Sons & M|s. Ganesh Oil Industries, Confirming Party,-Grain Market, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M|s. Vmay Oil Mill, Badeshwar, Jamnagar, Office: C|o M|s. Ashokkumar Jamnadas, Grain Market, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Jamnagar, Badeshwar R.S. No. 200 & 203 Plot 22, 23, 28 R. No. 516 14-12-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak Acquisition Range-I Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 25-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

(1) Sushilaben Babubhai Shah, 804, Varai Pade Pole, Nr. Khadia Char R 194a, Ahmedabad

(Transferor)

30847

(2) Smt. Jyotiben Harishbhaj Madhu, E.24, Jaldarshan Flat, Opp. Natraj Ahmedabad. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380449 AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. P.R. No. 3805 Acq.23|I|85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]—and bearing Flat at Jal Darshan Co.op Socy Block 'C' Flat No. 2, Ashrani Rocd, TPS, 3 F.P. 449 Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 20-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a neriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability and or

of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Fla. at Jaldarshan Co.op, Socy Block 'C' Flat No. 2 TPS 3 F.P. 499, R. No. 18562, Dt. 20-12-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 26-7-1985

1.35----

FORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMU-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmcdabad-380 009, the 26th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3806|Acq.23|I|85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property having a fair market value Re. 1,00,000]- and bearing No. Land at Changsipur F. P. 393 T.P.S. 3 Sub Plot 1 & 2 Paiki

undivided land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tradefer; amil/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under sub-section (1' of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) 1. Smt. Gitaben

D|o Dhirajlal Khushaldas 2. Lilavatiben Thakorbhai Patel

3. Giraben Do Dhiraglal Khushaldas

4. Yogendra Ratilal Patel 5. Meenaben Do Dhirajlal Khushaldas, 'Dhiraj Bunglow' Behind L.I.C. Office, Ashram Road, A'bad.

(Transferor)

(2) The Chairman Secretary, New Vaibhav C.op Socy. Ltd. Chairman: Karsandas Ishwardas Secretary: Bibaribhai Manilal Opp: Preyash High School, Shahpur Mill Compound, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property wihtin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land T. P. S. 3 F. P. 343 Sub Plot 1 & 2 of Undivided land at Changispur.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Ahmedabad

Date: 26-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3807 Acg. 23[I]85-86.—Whereas 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

movable property, having a rau market value electring Rs. 1,00,000|- and bearing Shed No. Sub Plot 332 at Gujarat Vepari Mahe. Mandal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Sahkari Audhogik Vasahat Ltd., Odhav Scem. has been transferred underthe Registration Act. 1908 (16 of 1909). In the Case of the Pacification Officer of

1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 12-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morethan fifteen per cent of such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following moisons namely :-

92-216 GI[85

81-226 GI|85

(1) M. Girish Chandra (HUF), Shilpa' Opp : Rajpath Club, Ramdev Nagar, A'bad-54.

(Transferor)

(2) M|s A. A. K. Tobacco Mfg. Co. 657, Kapasia Bazar, Ahmedabad 380 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Odhav Seem Shed G.V.M.S.A. Vasahat Ltd. Sub No. 332 S. No. 67—70—75—123 R. No. 17654 Dt.: 12-12-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 26-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Abmedabad-380009, the 26th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3808 Acq. 23|I|85-86-Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Land at Chadawad, Madalpur Seem T.P.S. 2 F.P. 421 Sub Plot 3 Hisso No. 2-A & 22, A'bad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 31-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen pr cnt of such apparent consideration and ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the seld Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

- (1) 1. Maniben Chandulal,
 - Chhipawad, Landhavanj Dist.: Mehsana 2. Kantilal Bapudas Patel,
 - Nr. Cfl N. Vidyalaya, Ambawadi E.B., A'bad. (Transferor)
- (2) Waiking Flat Owners Association,
 - Virendra Mangaldas 2. Rameshhbhai R. Patel,

Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Madalpur, Chandavad Seem TPS. 21 FP. 421 Hissa No. 2A & 22, paiki land R. No. 18872, 18873 Dt.: 31-12-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 26-7-1985

 Shantagauri D|o Zaverilal Ambashankar, Mahurat Pole, Manek Chowk, A'bad-1.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3809 Acq. 23|I|85-86—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Property Jamalpur Wd. No. 2 C.S. No. 3622 1-2, 3623 & 3624

Property Jamalpur Wd. No. 2 C.S. No. 3622 1-2, 3623 & 3624 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred underthe Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 31-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Radhav Shops & Offices Co-op. Marketing Socy. Chief Organisor: 1. Dashrathlal N. Patel, Vrandavan Colony, Shahibag, A'bad.
 Hargovandas Ramdas Patel B. No. 5, Uttar Gujarat Patel Socy. Vibhag. 2, Asarva, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Jamalpur Wd. 2 C. S. No. 3622-1-2, 3623, 3624 R. No. 17190 Dt.: 3-12-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Onte: 26-7-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3810 Acq. 23|1|85-86.-Whereas, 1 G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Property at T.P.S. 19 F.P. 345 B. No. 5, Amar Socy., Memnagar Road, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 3-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Madhuben Kirtikumar Patel Village: Dabhan Tal. Nadiad Dist: Kaira.

(Transferor)

(2) M/s Kalaniketan Nobles Bldg. 'B' Block Opp: Nehru Bridge, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective process which was a period or the respective process. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at TPS. 19 FP 345 B. No. 5 Amar Society R. No. 17175 Dt: 3-12-1984.

> G, K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269DL of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 26-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3811 Acq 23|I|85-86.—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

H.P. at Ramkrishna Nagar Plot No. 3 Vanthli Gate,,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 26-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evastion of the liability of the transfer to pay tux under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Maganlal Ravjibhai Bhati Clo Mahesh Agro Sales Corpn. 22, Vijay Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Dr. Govindbhai Thakarshibhai Ladani Block No. 3A, Ramkrishna Nagar S. T. Bus Station Road, Vanthli Gate, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. P. at Ramkrishna Nagar Block No. 3A, Land adm. 150 sq.yd. — Bldg. R. No. 2551 Dt: 26-12-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 29-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3812 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. N. A. Industrial Land at village Bamanbor Dist: S'nagur

S. No. 2 & 3 Adm. 15783sq. mtr. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Muli on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomptant Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rita Carbonate Products Ltd. Managing Director, Bhupatlal Karamshi Patel Taxa Sheela Socy. Opp: Girnar Cinema,

(Transferor)

(2) Galaxi Ceramics Pvt. Ltd. Managing Director, Gopoldas Kantilal Changela 23|25, New Jagnath, Vijya Aptt. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N. A. Industrial Land at village Bamanbor S. No. 2 & 3 Dist: S'nagar Adm. 15783 sq. mtr. R. No. 462 Dt: 10-12-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-T Ahmedabad .

Date: 29-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1985

Ref. No. P. R. No. 3813 Acq. 23|I|85-86.-Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 16 at 'Medicare Centre' Nr. Town Hall E. B.

Λ'bad.

and more fully Form No. 37FE filed on

in the office of the undersigned on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income to any monevs or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M|s Hasmukh Shah & Co. 1st Floor, Chinubhai Centre Ashram Road, A'bad.

(Transferor)

(2) 1. Jyotiben Kalidas Patel 2. Maniben Amichand Patel 7, Gautam Vihar Socy. Usmanpura, Ashram Road, A'bad. 13

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16 Lower Level at 'Medicare Centre' E. B. A'bad 37EE filed on 7-12-1984,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 31-7-1985

Scal:

(1) M/s Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajeshkumar Jain Kothi No. 2 Jain Nagar, Ambala City, 134 002 (Harvana)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th July 1985

Ref. P. R. No. 3640 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.
Office No. 347 at Ajant Shopping & Textile Arcade Ring

Road, Surat.

and more fully Form No. 37EE is submitted

in the office of the

undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3641 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

Office No. 538 at Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring

Road, Suraí.

and more fully Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. (2) the following persons, manuely:—

82-226GI 85

- (1) Ms Shanti Builders Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Rameshwarlal Jankilal Sharda 185, Girnagar Co. op. Socy. Prabhuali, Bhivandi, Maharashtra

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 9th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3642 Acq. 23 II 85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing No. Office No. 733 at Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat. and more fully Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984 (60) an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/er.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seeds which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls Shanti Builders Aianta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Pritiben Jayantilal Gandhi & Jayantilal Harilal Gandhi Gopipura, Mosi Chhipvad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 9-7-1985

FORM ITNS-

(1) M|s Shunti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sukhdev Jain Clo Empire Silk Mill Z. 3180 Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM KOAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 9th July 1985

Ref. No. P. R. No.3643 Acq. 23/11/85-86.--Whereas, I G. K. PANDYA,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Office No. 623 at Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat, and more Form No. 37EE is submitted

in the office of the

in the office of the undersigned in Oc. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said , instrument of transfer with the obect of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income at Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rings-H Ahm, debad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I' here'by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsecond (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely '---

Date: 9-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mis. Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Damyantiben Ratilal Mehta Bunglow No. 12 A Sharadba Co-op. H. Socy. Sumul Dairy Rd. Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3644 Acq. 23 II.—Whereas, I G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

Office No. 736 at Ajanta Shopping & Textile Areade Ring

Road, Surat (and more

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trnsfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tux Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tix Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wooldstax Act, 1957 (27 of 1957).

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Ir come-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 26 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-7-1985

(1) Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Ring Road. Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ved Prakash So P. D. Kumar, 61, Krishna Cloth Market. Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3645 Acq. 23|I|85-86.-Whereas, I

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat J. 606 'J' Bldg., India Textile Market, Ring Road, Surat

and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereir are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84,

> G. K. FANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Ircome-tax Acquisition Range II, Al medabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-7-1985

Scal:

(1) M|s Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Nr. Kinnery Cinema Ring Road, Surat. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. S. K. Deora Lamily Trust Agarbatiwala Bldg. 1st floor, Bhuleshwar, Bombay-400 002.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad-380009, the 15th July 1985

Ret. No. P. R. No. 3646 Acq. 23[II]85-86.--Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incom. ta c Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable proper / jeaving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and begoing Flat No. 4403 at 3' Eidg, andia Textile Market Ring Road,

Nr. Kinnery Cinema Surat

(and more

Form N i. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen or cant of such apparent consideration and that the conside ation for such tracter as agreed to between the parties can not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Smat. The Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I he ely initiate proceedings for the acquisition of the aforeign discoverty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perform namely to

Date: 15-7-1985

FORM TINS-

(1) Mls. Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Nr. Kinnery Cinema, Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3647 Acq. 23[II]85-86.--Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

Flat No J 107 in 'J' Bldg. India Textile Market, Ring Road,

and more Form No. 37EF is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of জansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

(2) M|s. G. D. Deora Family Trust-Agarbatiwala Bldg. First Floor, Bhuleshwar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Sorat. The Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 15-7-1985

Scal :

FORM ITNS-

() 1 M/s. Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ring Road, Surat. Surat.

(2) M|s. N. P. Deorara Family Trust, 122-A Mittal Court Nariman Point,

Bombay-400 021,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3648 Acq. 23[11]85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/Flat No. J-603 'J' Bldg. 5th Floor India Textile Market, Ring Rd. Nr. Kinnery Cinema, Surat. and more

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 15-7-1985

Seal

FORM I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 15th July 1985

Ref. No. P .R. No. 3649 Acq. 23|11|85-86.—Whereas, I

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Flat No. 108—'J' Bldg. India Textile Market Ring Road—

Surat.

and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M|s. Sanjay Premises Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Nr. Kinnery Cinema-Ring Road-

(Transferor)

(2) G. D. Deora Family Trust-Agarbattiwala Bldg. 1st Floor—Bhuleshwar— Bombay-400 002.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-83-226 GI|85

Date: 15-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mls. Sanjeev Premises Co. op. Hsg. Socy. Nr. Kinnery Cinema—Ring Road—Surat.

(Transferor)

(2) M|s. N. P. Deora Family Trust— 122-A Mittal Court—Nariman Point— Bombay-400 021.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASIIRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3650 Acq. 23|11|85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Flat No. 'J' Bldg. No. 601 at India Textile Market, Ring Road—Surat.

and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 15-7-1985

(2) M|s. Ravi Enterprise, Rajeshwar Aptt. 1st Floor, Nanpura Athugar Street, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. Noff 3651 Acq-23 [1185]-86-Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 2C at Ravi Chhaya Aptt. Opp: Loudes Convent

School, Athwa Lines, Surat. and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Surindranath Saroopsingh Gakhar, C-9—Bombay Market, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 15-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd. Umarwada,

(Transferor) (2) M/s, Sanjay Dyes & Intermediate 238/7—Bhavanpura outside Raipur Darwaja, Ahmedabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3652|Acq.-23|II|85-86.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Pedhi No. 103 at Bombay Market Umarwada, Surat, and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct 1984

undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 15-7-1985

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd. Umarwad. Surat.

(2) M|s. Bipinchandra Vasantlal

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Clo Bodawala Traders, Opp: Suraj Cinema, GOVERNMENT OF INDIA Begampura, Surat.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 12th July 1985

Ref. No. P. R. No. $3653|Aeq-23|\Pi|85-86$.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Pedhii No. 1103 at Bombay Market--Umarwada, Surat. and more Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 QP 1961)

(2) M|s. Dhariwal & Sons, 111, Parsi Panchayat Wadi,

(1) Bombay Market Art Silk Co.op, Socy. Ltd. Umarwada—Surat. (Transferor)

Umarwada-Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

> > Ahmedabad, the 12th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3654 Acq 23 ti 85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under sction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Pedhi No. 1002 at Bombay Market—Surat and more Form No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly state it in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 12-7-1985

FORM TINS---

NULICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 15th July 1985

Ref. Noo. P. R. Noo. 3655 Acq. 23|II|85-86.—Wherens, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. J. 405 'J' Bldg. India Textile Market—Ring Road—Surat

and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mls Sanjeev Premises Co.op. Hog. Socy. Ltd. Nr. Kinnery Cinema—Ring Road— Surat.

(Transferor)

(2) M/s. S. K. Deora Family Trust— Agarbatiwala Bldg. 1st Floor—Bhuleshwar—Bombay-400 002. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-7-1985

FORM ITNB-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A COMPANY OF THE STATE OF STREET STREET, STREE

(1) Sanjeev Premises Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Ring Road-Nr. Kinnery Cinema

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Birmecha Shyamsukha Associates-304-Goodlick Market, Ringroad, Surat-3

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 15th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. 3656 Acq23|Π|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 506 at 'J' Bldg India Taxtile Market-Ring Road-Surat.2 and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in of the transferor to pay tax under the sai poot of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat, Form No. 37EH is submitted in the office of the undersigned in oct. 84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

> G, K, PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 15-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

AHMEDABAD-380009 the 11th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3657 Acq. 23/11/85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter Section 269B referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-

vable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Office (Oedhi) No. 1108 at Rombay Market-Umarwada-Surat.
and more Form No. 37EE is submitted in the office of the
undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: mad/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd. Umarwada-Surat.

(Transferor)

(2) Ms Sisim Udyog Pvt. Ltd. Salabatpura, Moti Begamwadi, Singapuri Mills Compound

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this rotice in the Official Cazette.

EXPLANATION: - The terms and regulations used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely:— 84-226 GI|85

Date: 11-7-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd. Umarwada--Surat.

(Transferor)

(2) M|s Singapuri Silk Mills-Salabatpura Begamwadi Surat

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 11th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3658Acq23|II|85-86.-Whereas, J. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 -

Pedhi No. 1101 at Bombay market-Umarwada-Surat, and more Form No. 37EE is submitted in the office of the

Undersigned in Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ;---

Date: 11-7-1985

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd. Umarwada—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M]s J. Kumar & Co. J-18 Bombay Market Umarwada Surat

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 11th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3659Acq23[11]35-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Pedhi No. 904 at Bombay Market Umarwad-Surat. and more Form No. 37EE is submitted in the office of the Undersigned in Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. Form No. submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd. Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) Shri Damodarlal Agrawal Co Sitaram Shivkumar 4 1980 Nawabwadi Main Road Begampura Surat

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 11th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3660 Acq23 [II] 85-86.--Whereas, I, G, K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Pedhi No. 104 at Bombay Market-Umarwada-Surat. and more Form No. 37EE is submitted in the office of the Undersigned in Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax-Acquisition ange, Ahmedabad

Date: 11-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OL THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.

Ahmedebad-380009 the 11th July 1985

Ref. No. P.R.No. 3661Acq23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 - and bearing No.
Pedhi No. 705 at Bombay Market-Umarwada-Surat,
and more Form No. 37EE is submitted in the office of the

Undersigned in Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd. Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) M|s Urmi Silk Fabrics C|o Shop No. J. 22 Bombay Market-Umarwada Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3662Acq23|I1|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Pedhi No. 803 at Bombay Market-Umarwada Surat and more Form No. 37EE is submitted in the office of the Undersigned in Oct. 84

Undersigned in Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd. Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) M[s Sukhraj & Co. 109-Cavel Street Nr. Swadeshi Market Ist Floor Bombay-2

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in wr.ting to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th July 1985

Ref. No. P.R.No. 3663Acq23|II|85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Pedhi No. 503 at Bombay Market Umarwada Surat and more Form No. 37EF is submitted in the office of the productioned in Oct. 1984

undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy, Ltd. Umanwada—Surat.

(2) M]s Gopiram & Sons Nagardas Cooth Market Chevdi Bazar Gwalior

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Cazotte or a puriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 12-7-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy, Ltd. Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) Mls Kantilal Sakarlal Bodawala Clo Chunilal Nathubhai Delhi Gate Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3664|Acq-23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Pedhi No. 102 at Bombay Market Umarwada Surat and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of : of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-7-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-H AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3665 Acq23]II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Pedhi No. 906 at Bombay Market Umarwada Surat and more Form No. 37EE is submitted in the office of the Undersigned in Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—85—226 GI|85

(1) Bombay Market Art Salk Co. op. Socy. 210. Umarwada- Surat.

(Transferor)

(2) Mg Ranjan fexties Prop: Dhitaffal Maganlai 7[2435 'Jay Deep' Chowky Street Saiyed Pura Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official term (1000) a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37FE is submitted in the office of the tadar igned in Oct. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Application Range-II,
Ahmedabad

Date: 12-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 16th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3666|Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Land at Tarsali-Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Broda on Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -

(1) Smt. Padmaben Rasiklal Amin and Kiritbhai Rasiklal Amin Millan Socy Race Course Baroda

(Transferor)

(2) Shri Paresh Chhotalal Patel Chairman of Aryabhatt Co, op. Socy. 204 Narayan Aptt. behind Kothi Kacheri Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has beeen regd, by S. R. Baroda for an amt. of Rs. 4.08,675 in respect of Land at Tarsali-Baroda.

> G, K, PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 16th July 1985

Ref. No. P. R. No. 36667|Acq-23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. Land at Manjalpur Baroda (and more fully described in the Caballal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Broda on Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or évasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Smt. Kapilaben
 Jayantilal
 C|o Shri Harshadbhai
 Rasiklal Parikh
 Chairman of Mukti
 Co. op. H. Socy.
 21-Vithalbag Socy.
 Majalpur-Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Harshadbhai Rasiklal Patel Chairman of Muktidham Co. op. Socy. 21-Vithalbag Socy Majalpur-Baroda

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S. R. Baroda for an away of Rs. 2,00,001 inrespect of land adm, 1115 sq. mtr. beat-S. No. 92 of Majalpur-Baroda.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedaba J

Date :16-7-1985

Scal :

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION KANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3668 Acq. 23/11/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000l- and bearing No. Land at Jetalpur, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Baroda on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accusition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Rakesh Ramanlal Shah,
 Patel Colony,
 Nr. Krishna Talkies,
 Baroda.

(Transferor)

(2) Kailashchandra Ramchandra Saiyan, Kothi Kewa Belan Gunj, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 1,11,111|- n respect of land adm. 345.62 sq. ntr. bearing S. No. 155|1, 167 of Jetalpur, Baroda.

G. P. PANDYA—
Competent Authority—
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-7-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Makanbhai Tulsibhai Bhakta, Power of Attorney Holder, of Shii Chhotubhai Gopalji, Asundar Tal. Navsari, District Navsari.

(Transferor)

(2) Sarojben Kiritkumar Shah, 21, Charotar Socy. Old Padra Road, Akota, Baroda.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3669 Acq.23 [II] 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein fter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Land at Akota. Charotar Socy.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Ac., 1908 116 of 1908) in the office of the registering officer

at Baroda on 3,12-1984 at Baroda on 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) familitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ass, in respect of any racome arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Vesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Baroda for an amt, of Rs. 56,782 in respect of Land adm. 201.9 sq. mtr. Flot No. 21-B of Charour Socy., Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-7-1985

(1) Smt. Jayprabha Bipinbhai Patel, Pratapganj, Baroda

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vikramkapoor Hari Ratan Kapoor, 93, Kunj Socy., Nr. Alkapuri Socy., Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 16th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3670 Acq. 23/11/85-86.—Wherebs, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Land at Akota

(and more fully described in the schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any raoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed has been regd, by S.R. Baroda for an amt, of Rs. 2,15,000 in respect of land with construction werk upto plinth level at Akota Baroda.

> G. P. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahraedabad

Now, terrafore, in pursuance of Section 265°C of the said Act, I he cby inditate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely:-

Date: 16-7-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1985

Ref. No. P.A. No. 3671 Acq.23 II 85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Land adm. 1442 sq. mtr. of S. No. 287 of Akota, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer.

1908) in the office of the registering officer
at Buroda on December 1984
for an apparent consideration which is less then the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that tabe fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)] (1) Shri Jashbhai Dahyabbai Patel, Shri Jashbhai Punjabhai Patel, 10, Ashapuri Co-op. H. Socy., Akota, Baroda,

(2) Shri Bhikhabhal Jagjivandas Thakkar, Organisor of Sangita Co-op. H. Socy., Opp, Foot Ball Ground, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has ben regd, by S.R. Baroda or an amt, of Rs. 2,79,290]- in respect of land adm. 1442 sq. mtr. bearing S. No. 287 of Akota Baroda,

G. P. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3672 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Land at Akota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 29-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (it) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

 Shri Purshottamdas B. Shah, 20, Krishnakunj Socy., Behind Shiv Mahal, Jetalpur Road, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Govindlal Mohanlal Shah, Regional Manager of Oriental Insurance Co. Ltd., Divisional Office at Fateganj, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 2,85,000|- in respect of land adm. 205 sq. mtr. of Akota Baroda.

G. P. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedab

riow, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursues, namely ?—

Date: 16-7-1985

Şeal :

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Thakorbhai V. Amin. 3 Deep Mangal Socy., Race Course Circle, Baroda

(Transferor)

(2) Shri S. K. Nagpal, Financial Controller, of Hindustan Broown Boveri Ltd., Race Course Circle, Baroda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1985

Ref. No. P.A. No. 3673 Acq. 23/II/85-86.--Whereas, I,

Ref. No. P.A. No. 3673 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-vable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land, Bldg. at Akota, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 29-12-1984 for an apparen consideration which is less than the fair

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liebliky of the transferor to pay tax mades the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and /or
- b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the unit poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt, of Rs. 16,58,000 in respect of land and bldg. at Akota, Baroda.

> G. P. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ah

Now, therefore, in parsuance of Section 269C c. " Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of all aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—86—226 GI|85

Date: 16-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3674 Acq.23 [II] 85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Land at Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebiect of ment of transfer with the ebject of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jashwantlal Manilal Kothari. Menul Socy., Subnanpura, Baroda.

(Transferor)

(1) Chairman of J.M.K. Aptt. Co-op. H. Socy., Neclam Aptt. Sampatrao Colony, Alkapuri, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Baroda for an amt, of Rs. 2,16,900 in respect of land at Gorwa, Baroda,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 17-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3675 Acq.23 H[85-86.—Whereas, J, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Property at Ram Chamber Block No. 307 Sayajiganj R. C. Dutt Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Baroda on 31-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi EARL /U.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri J. N. Gandhi, Ram Chamber, Opp. Circuit House, Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

(2) Rukshmamben Chhataram Harjani, Opp. Circuit House, Alkapuri, R. C. Dutt Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Baroda for an amt, of Rs. 1,05,000|- in respect of bldg, of block No. 307 of Ram Chamber situated at Alkapuri Baroda. The measurement is 710 sq. ft.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-JI, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 17-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3676 Acq 23/11/85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Land at Lakhavad Pati Nadiad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereta), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excees the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Kamlaben wdo Thakor Dabhai Mangalbhai,
 Mohanbhai Dabhai Thakor & Ors., Nr. Civil Hospital, Nadiad, District Kaira. (Transferec)

(2) Shri Ramesh Ranjitsingh Brob, Charman of Yograj Co-op. H. Socy., Ramkrushna Socy., Nadiad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Nadiad at No. 4264 in respect of land adm. 5362 sq. mtr. bearing S. No. 1008 of Lakhwad Pati Nadiad.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 22-7-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3677 Acq.23[11]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lanmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing Noo.

Land and Bidg. at Chakiashi, Nadiad (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferciald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability ed the transferor to pay tax under the said Ast, in spect of any income arising from the transfers **100** /100

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (77 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Manjulaben Nandubhai Parekh. Virsad Annay, Tal. Borsad, District Kaira.

(Transferor)

(2) Shri Upendra Manilal Shah and Naynaben Upendra Shah, Sinkhushi Pole, Nadiad.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Nadlad at No. 4167 for an amt. of Rs. 2,20,000 in respect of land adm. 327 sq. mtr. with bldg, at Chaiklashi, Nadiad.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-II, Ahmedabad

Date: 22-7-1985

Scal:

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kantibhai Ganeshbhai Makwana, Chairman of Jayprabhu Co-op. H. Socy., Bhatrubhav Socy., Nadiad.

 Shri Solomon Morarji Makwana & Ors., Adarsh Socy., Nadiad District Kaira.

(Fransferee)

Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3678 Acq.23|II|85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Land at Kakarad Nadiad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 11-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Nadiad at S. No. 3026 for an amt, of Rs. 2,02, 021|- in respect of land at Kakarkhad Nadiad adm. 113.31 sq. mtr. bearing No. 2956 & 2966|2,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-7-1985

LORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3679 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Rs. 1,00,000}- and bearing No.
Land at Lakhavad Pati, Santram Road, Nadiad,
tend more fully described in the Schedule antexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the ciffre of the registering officer at

at Nadiad on 11-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 250. Of 112 said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquialtion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persont, namely:—

(1) Shri Vinuhkai Parsholtamdas, holding Powers of Attorney of Kashiben Wdlo Manibhai Hathibhai Patel. Samdi Chakla, Nadiad.

(Transferor)

(2) Bharat Thekorbhai Chokshi Partner of Glob Cinema Clo Vinunhai Parshottamdas Samdi Chakla-Nadiad District Ka.r.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforestil persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Nadiad at S. No. 3128 for an amt. of Rs. 3.00,000]- in respect of land and bldg. at Lakhavad Pati, Nadiad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Park needabad

Date: 22-7-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-IJ. AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3680|Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Compount Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Land at Kanjari situated at Tal. Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Nadiad

on 13-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of enterfer with the abject of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unlarky from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Immamiya Sarkumiya Melck & Others. guardian of Minor Allauddin Sarkumiya & Ors. Kanjari Tal. Nadiad, Dist: Kaira.

(Transferor)

(2) Sh. Manibhai Zaverbhai Patel & Gopalbhai Manibhai Patel & Ors. Boriavi, Tal. Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days froza the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Nadiad at No. 3475 for an amt. of Rs. 3,00,000|- in respect of land adm. 143,65 sq. mtr. bearing S. No. 201, 202 and 203 of Nadiad Dist: Kaira.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, to the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

TO WANTE Date Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3681 Acq.23 III 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immersable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Land at Borsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registration office at 1908) in the office of the registering officer at

Borsad on 13-12-1984

Borsad on 13-12-1984 for an apparent consideration which is lose than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely,:--87 --226 GI|85

(1) Sh. Jivabhai Talsibhai Patel & Ramebhai Jivabhai Patel, 50-Kunj Socy. Barodo,

(Transferor)

(1) 1. Sh. Jayantilal F. Bhavsar Partner of Rajesh Tobacco. 2. Sh. Babubhai Nathabhai Patel Partner of Shah Tobacco Navrang Socy, Borsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Borsad at No. 6575 in respect of land adm. 1131 sq. mtr. 1284 sq. mtr. and bldg, with built up area of 887.724 sq. yd. bearing S. No. 465 & 466 of Borsad.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-7-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) Sh. Galaji Ugraji Thakor Thakorwas, Kalol Kalol Dist: Mehsana.

Dist: Mehsana,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Dahyabhai Ambalal Patel Chief Promotor of Parwatinagar Co.op. H. Socy. (Proposed) Swadeshi's Chali Navjiyan Road, Kalol Tal, Kalol

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3682 Acq.23 [11]85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Land at Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kalol on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed has been regd, by S.R. Kalol at No. 1847 for an amt. of Rs. 3,07,746 in respect of land adm. 3755 sq. mtr. bearing S. No. 939[1 of Kalol Dist: Mehsana.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3683 Acq.23|11|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and boaring No.
Land at Rajpur Tal. Kadi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kadi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Sh. Mahendra Ambalol Patel Promotor of Sh. Mahendra Opticals Ltd. (Propostd)— Avantika Koba—Gandhinagar—Dist: Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Sh. Mohmadmiya Lalamiya— Rajpur Tal. Kadi Dist: Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Kadi at No. 2067 for an amt. of Rs. 3,18,083 in respect of land adm, 37822 sq. mtr. bearing S. No. 1525/1 of Rajpur Tal. Kadi.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 22-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3684 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000|- and bearing No. N.A. Land at Kadi Dist; Mehsana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kadi on 29-12-84

on an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Shantagauri Jaydevshankar Thakar & Ors. Kadi Tal. Kadi Dist; Mehsana.

(Transferor) (2) Dilip D. Bhutani-Partner of Sh. Sajjan Synthetics Industries Haribhai Market—Cross Lane—

Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for by S.R. Kadi for an amtof Rs. 2,00,000 in respect of land adm. 69-62-68 sq. mtr. situated at Kadi bearing S. No. 215.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 22-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3685 Acq.23 [H | 85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000|- and bearing
Shop No. L. 2065 at
Surat Textile Market—Ring Road—Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 20-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) fixilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M|s, R, L, Traders Partner Ramsing Sunderdas Bajaj & Ors. C-8-14, Model Town—Delhi.

(Transferor)

(2) Dineshkumar Atma Prakash Flat No. 1 Sagar Co.op, Hsg. Socy, Timaliavad—Nanpura—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10768 Date 20-12-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pers us, namely :--

Date: 22-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AHMEDASAD

Ahmean Ad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3686 Acq.23|II|85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Shop No. F. 3030 at Surat Textile Market—Ring Road—

Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 29-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameters. ing persons, namely :-

(1) Ashok Kumar Mohanlal-Main Road-Kot-Safil Road, Surat.

(Transferor)

(2) Rehana Silk Fabrics C|o Sarita banu Haji Kadar Chandi Sonivad, Rani Talay, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette o; a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same country as creat in the Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10785 date 29-12-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Satpal Mohardanji & Ors. 2D Delux Flats-Athwa Lines---Surat,

(Transferor)

(2) Mis. Velich and Mithalal & Co. Velich and Laxmilal & Ors. Newabwadi Begampura-Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3687 Acq.23 III 85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Ring Road—Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 19-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

The document is regd, at S.R. Surat vide No. 10628 date 19-12-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 22-7-1985

FORM HINS-

(1) Kundanmal Bhikhamchand Jain Trikam Nagar Socy, No. 2 Bunglow No. A-3—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3688 Acq.23 [11] 85-86.--Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000!- and tearing Shop No. R. 2100 at Surat Textile Market Ring Road—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 17-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds t heapparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(2) Rachana Enterprise & Ors. 86, 87, Yogi Kripa Socy. Opp: L.B. Cinema—Bhatar Road Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10558 date

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 22-7-1985

Scal:

FORM ITNS:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3689 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. B. 2329 at Surat Textile Market Ring Road—Surat.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 15-12-1984

consideration which is less than the fair for an apparent anacket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property 28 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe with the object of :-

- is) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in cospect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat: proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-88---226GI | 85

(1) M|s Vakharia Trading Co. Dalpatram Gulabdas Vakharia & Ors. Rustampura Agiyari Mohalol Surnt.

(Transferor)

(2) Rohitkumar Shantilal Shah Parle Point-Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by anv

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10537 date 15-12-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3690 Acq.23 II 85-86 .-- Whereas, f, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.
1. and at Majura R.S. No. 658-B-2

City Survey Ward Majura—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto). h been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Surat on Dec. 84
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Dhangavriben Wo Chimanlal Kalidas
 - Mahendra Chimanlal Prajapati
 Indravadan Chimanlal Prajapati
 Bhupendra Chimanlal Prajapati
 Narendra Chimanlal Prajapati

 - Sagrampura-Chogan Sheri-Surat.

(Transferor)

(2) Swami Ghan Yagnanagar Co.op. Hsg. Socy. At Jamnanagar Ghod-dod Road President—Janak Romeshchundra Pachhigar Secretary—Govindabhai Ambalal— Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 9792, 9803, 9804, 9805 & 6788 in Dec. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 22-7-1985

FORM TINS ---

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabao-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3691 Acq.23[II]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. N. 9 at Bombay Market—Umarwada—Surat.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 31-12-84

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shankardas J. Mangalani 170-B-Charny Road— Bombay,

(Transferor)

(2) Bhagwan N. Balwani 7 A.C. Kakad Market 306—Kalbadevi Road— Bombay,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

The document is regd, at S.R. Surat vice No. 4241 date 31-12-1984

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date · 24-7419\$5

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3692 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. Q. 2243
at Surat Textile Market, Ring Road, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
Surat on 15-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the eturnor's of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M|s New K. B. Shirish Textile, Partner Bipinbhai Naranbhai Patel, at Gulam Lala Compound Opp: Station, Surat

(Transferor)

(2) Jindal Silk Mills,
Partners,
Shyamsunder Ramkishandas Gupta,
Clo Q.2243, Surat Textile Market, Ring Road,
Surat.
(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10535 Dt: 15-12-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Abmedabad

Date: 24-7-1985

Scal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3693 Acq. 23|II|85-86.—
Whereas, I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000]—and bearing No.
Shep No. 1114
Authority Textile Market Ring Road Suret

Shep No. 1114
at Surat Textile Market, Ring Road, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at
Surat on 7-12-1984

of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Ajay Dipak & Co. Partner, Bharatkumar Khimchand, Vada Chauta, Surat.

(Transferor)

(2) Bimal Silk Mills, Partner, Suniyadevi Kushalkumar, 20-B Adarsh Co.op, Hsg. Socy. Athwa Lines, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10303 dt: 7-12-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-7-1985

Scal:

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3694 Acq. 23|II|85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter re-ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Shop No. K.1286 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons. namely :---

 M|s Jivanlal & Sons, Rameshbhai Jivanlal Majidiya & Ors. Mulji Jetha Market, Chandra Lok 3rd Gali, Bombay.

(Transferor)

(2) Mahendra Fatehlal Sanghavi & Ors. 45. Shanti Niketan Socy. Sumul Dairy Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide S.R. No. 9306 in Dec. 84,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I

Date : 24-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

TOFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3695 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. G.2311 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 10-12-1984

Surat on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ADM/OF

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Lalitaben Venilal Nanavati,
 10|42 B. M. Pahita Photo Grapher's Gali,
 Chauta Pool, Surat.

(Transferor)

(2) Kantilal Uttamrai Daruwala Sagrampura, Gayatri Nagar, Surat.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10418 dt. 10-12-84,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 24-7-1985

FORM NO. ITNS

N TICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3696 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Shop No. T.24 at Bombay Market, Umarwada, Surat

and bearing No.

Shop No. T.24 at Bombay Market, Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Surat on 31-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any shonevs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shyam Sunder Saraf & Sons, Surat,
 Clo Vlaiben Ramjivan,
 Clo Mulchanddas Narayan & Co. Mahidharpura,
 Surat,

(Transferor)

Valiben Ramjiyan,
 C'o Mulchanddas Narayan & Co.
 Mahidharpura,
 Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10798 Dt: 31-12-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Tr.
Ahmedabad

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-7-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3697 Acq. 23 III 85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

Plot No. 69, S. No. 101 to 106, 112 to 116 paiki Plot No. B Ind. Plot No. 6, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 20-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-89—226GI]85

(1) Indo-Progressive Eng. Pvt, Ltd. God-dod Road, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Hiralal Gulabchand, 2147, Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10651 Dt: 20-12-84.

> G, K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmcdabad

Date: 24-7-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3698 Acq. 23 III 85-86.—
Whereas, I, G. K. PANDYA.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a few market value averaging Ref. 100 000/ property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 18, Block No. 23A at Udhana Udhyognagar Sahkari Sangh Ltd. Udhana, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 2112-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Jaivadan Hasmukhlal Patel & Ors. Sidhi Sheri, Salabarpura, Surat.

(Transferor)

(2) Mulchandai Shakarbhai Amin, 17. Mia Nagar Soev, Ghod dod Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regdat S.R. Surat vide No. 10688 Dt: 21-12-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Dato: 24-7-1985

FORM LT.N.S.-

 Jewellers Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Ltd. C|1 1, Swati Aptt., Timaliavad, Nandpura, Surat.

(Transferor)

(2) Mr. Nitinbhai Jayantilal Mehta, 11, Vipul Ridge Road, Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3699 Acq. 23|11|85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|—and bearing No.

Flat No. 6A at Anjani Towers Nr. Parle Point, Athwa Lines, Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned (and more fully described in the Schedule annexed hereto), in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used breoin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 24-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3700 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 4C

at Anjani Towers Nr. Parle Point, Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeeds the apparent consideration therefor by more than lattern per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transferor
 andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jewellers Aptt, Co.op. Hsg. Socy, Ltd. Clo 1, Swati Aptt. Timalia Wad Nandpura, Surat.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushilaben Sharadbhai Lakhani, V-1-Man Mandir Aptt, Timaliavad, Nandpura, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by an of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Dato: 24-7-1985

(Transferor)

(Transferec)

FORM ITNS-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3701 Acq. 23|II|85-86.—
Whereas, I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and beating No.

Flat No. 5B at Anjani Towers Nr. Parle Point, Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrusient of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be usade in writing to the undersigned :---

J. S. Chokshi, 10, Sumangal Aptt. 13, B. G. Kger Marg, Bombay-400 006.

(1) Jewellers Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Ltd. T.P.S. 5 Fina Plot 101, 102 Nr. Parle Point,

Athwa Lines, Surat, Shri Sudhir S. Chokshi, 10, Sumangal Aptt. 13 B. G. Kger Mart, Bombay-400 006.

(2) Shri Sudhir Sushil Chokshl &

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3702 Acq. 23|II|85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Land at Gopipura Ward No. 1, Nondh No. 3189|B, Surat (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 18-12-84 Ref. No. P.R. No. 3702 Acq. 23|II|85-86.-

Surat on 18-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Navinchandra Balubhai Zaverl, Nisha Aptt. Gopipura, Kaxinu Medan, Surat.

(Transferor)

(2) Ramesh Amarchand Zaveri, President of Matru Ashish Co.op. Hsg. Socy., Gopipura, Kazinu Madan, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vice No. 10598 Dt. 18-12-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 24-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3703 Acq. 23|II|85-86.—
Whereas, I, G. K. PANDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Athwa Lines, S. No. 47B, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any monage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—61—216GI|85

(1) Satishchandra Jayantilal Shah, Gopipura, Main Road, Surat.

(Transferor)

(2) Dhirubhai Gulabchand Desai, Mahidharpura, Thoba Sherl, (President of wapna Lek Aptt. Co.op. Hsg. Socy.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquirition of the said property may be made in writing to the uncorrigued:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2145 Dec. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 25-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-330 009

Ahmedabad-380 609, 25th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3704 Acq.23|II|85-86,--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding property, Rs. 1,00,000 and bearing No.

Athwa Lines-S. No. 1476 B. Surat. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office io the registering officer at Surat on Dec., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of gansfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfers; to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Ast, 1937 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under sub-section (1) of Section 2695 of the said Act. Is the following persons camely:--

(1) Shri Nitinbhai Ravindra Shastri Kala Mehtani Sheri & Ors. Sagrampura

(Transferor)

(2) Mansukhbhai Lalbhai At Umrakh Tal. Bardoli

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd, at S. R. Surat vide No. 4078 Date: Dec. 34.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 25-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3705'HAcq. 23 —Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

and bearing No.
Office No. 517 in Diamond House Station Road Surat, and Form No. 37EE is submitted in the office of the under-

on Oct., 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
90—226GI 85

(1) M/s. J. M. C. & Megnani Builders, 223/225-Zavert Bazar, Bombay 400 002

(Transferor)

(2) Priyayadan Dalul & Kekul, P. Dalal
 'Asha' Flat 31,
 23, Dungarshi Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Claspter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Smat. Form No. 37EE is submitted in the office of the adersigned in Oct. 84.

G. K. PANDVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II. Ahmedebad

Date: 25-7-1985.

Scal:

(1) Mis. J. M. C. & Meghani Builders--223 225-Zaveri Bazar, Bombay

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Satish C. Shah & Ors. 114-Kewal Industrial Estate Senapati Bapat Maig, Lower Parel-Bombay-12.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. A AHMEDABAD-380 009 ASHRAM ROAD.

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1985

Ref. No. P.R No. 3706 Acq. 23 II 85-86. Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing
Office No. 518 in Diamond House Station, Road, Surat
and Form No. 37EE is submitted

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 in the office of the undersigned

in Oct., 84
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of prenater with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

The property is situated at Sarat, Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 25-7-1985,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST.
SIONER OF INCOME-TAX ASSISTAN'I COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Bombay, the 26th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3707Acq.23[11]85-86.—Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. Varachha Road R. S. No. 361-1 and Kataragam S. No. 334 to 342 Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering Officer at Surat on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideraion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dahyabhai Kanjibhai Thakarshibhai Karamshibhai B-7 Ganesh Colony Lambe Hanuman Road Surat.

(Transferor)

(2) M|s. Keshri Export-Partner Valiibhai Patel 60-Guru Nagar Socy. Varachha Road, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otheral Gaznese.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd, at S. R. Surat vice No. 8586 in Dec. 84.

> G. K. PANDYA Competent Atthority Irspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

Date: 26-7-1935.

teal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Begamwadi Salabatpura, Surat.

Surat.

(1) M|s Yoganad Textiles-Road No. 4-Plot No. A|5|7 Udhaa Udvog Nagar,

(2) M/s. Sisim Udhyog Private Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACBURSITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HARDLGON HOUSE, ASHRAM ROAD, MIA EDABAD-380 309

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3708. Acq. 23 [H] 85-86. - Whereas, I, G. K. PANDY \.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-Rs. 1,00,000- and braining iso.

No. Pandesara G.J.D.: no.6b.d aren S. No. 26 paiki Plot No. 206 l-Pandesara 6.3.D.: no.6b.d aren S. No. 26 paiki Plot No. 206 l-Pandesara 6.3.D.: 'n.tt.: Surit. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Surat on December 1984

for an apparent con ideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly clated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor

THE SCHEDULE

The document is read, at S.R. Surat vide No. 10289 Dt. 5-12-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the surposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Abmedebad

Now therefore, in pursuance of Section 769C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely --

Date: 26-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Bhavani Prasad
 Agarwal
 Rishirai Aptt. Diwali Bag Surat.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mohmed Ismail Abdulrahim Rohni & Ors. 2427 A.12 A Dara Rahat Nr. Mission School, Mugli Sara, Surat. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedaotd, the 26th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3709 Acq. 23(11)85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and hearing No.

Bldg. at Surat Adm. 850 sq. ft. Ground Floor Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Surat on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty live days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable pre-perty, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

A document is regd. at S. R. Surat vide No. 10536 Date 15-12-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-7-1985.

FORM ITNS----

(1) Smt. Kusumben Kantilal Jagoria Balaii Road. Surat.

(Transferor)

(2) M|s Shiru James 41, Shanimkefau Socy. Sumul Dairy Road, Surat,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HAMDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabtd, the 26th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3710 Acq. 23!II:85-86, -- Whereas, f.

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovement of the said Act's parket value exceeding

as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing No.

Balaji Road Wd No 9 Nondh No. 1343 Surar.
(and more fully described in the schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bombay on 27-11-1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tlability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incompetax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 clays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10220 dated 3-12-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-7-1985.

Seal:

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesa d property by the issue 2 this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3711 Acq. 23 II 85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

S. No. 46 paiki Land at Bholav Tal. Distt. Bharuch, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has bee, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bharuch on 14-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or e-easion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in purmance of Section 26%C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, no mely:—

- (1) Panalaj Trikamlad Shah Yogesh Ranalai Shah Vanak Por Tal. Zagadin Distt. Bharuch. (Transferor)
- (2) Mls. Gita Kuni Co. op Hsg. Socy. Ltd. President:—
 Ramanlal Ishwardas Patel
 Narmada Nagar
 Bholay Tal. Bharuch.

- T - F1

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazate.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Bharuch vide No. 1976, 1979 & 1980 Dec. 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 29-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Haribhai Narsibhai Clo Bajrag Quari Village Kadvari Tal. Zagadia Distr. Bharuch

(Transferor)

(2) Mithabhai Jivrajbhai Divora & Ors. 68, Sadhana Socy, Varachha Road,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, AHMEDABAD-380 009 ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3712 Acq. 23 II 85-86 .- Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Varachha Road Nevagam Sim R.S. No. 21 Sadhana Co. op.

Hsg. Socy. Bunglow No. 68-Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at Surat, on 3-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration between the parties has not been truly stated in the said ketween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer and[or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of able property, within 45 days from the date Publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 4968 Date 3-12-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad Ahmedabad

Date 29-7-1985. Seal 3

(1) H. C. Sijuwala & Ors. Surat

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) H. C. Sijuwala & Co. & Ors. Clo Nanavat Sijawala & Co. 11-A Modi Street, Bombay

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

DIFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3713 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. S. No. 1508, 1509, 1510 at Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 26-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10720 Date 26-12-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

91---226GI|85

Date: 29-7-1985

(1) Jayanélal Chhagaulal Shah, Soni Vod Břime's

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subhashchandra Radhekisan Gupta Gupta Hospital, Bilimora

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3714 Acg. 23 11 85 86. -Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/ and bearing No.

C. S. No. 1700 (ika No. 8, 4 Municipality No. 5312 Bilimora, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gardevi on 5-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer-and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property only be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S. Gandevi vide No. 938 17-12-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ronge-II, Ahmedabad

Date: 29-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3715 Acg. 23[H]85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Land at Kasmada Fal. Konnai Block No. 321 S. No. 286 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kamrej on 15-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair mathet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, Harrespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Miss Manjulaben
 Dio Navobbai Natimbia:
 A. They after Tal. Kamiei

(Transferor)

(2) Shri Dharmendrasinh Narasinh Gohil & Ors at Manglo Tal. Choryasi Distt. Surai

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Kamrej vide No. 1426 Date: 15-12-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 29-7-1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) Sumant rai Bhanabhai Desai Abrama Tal, Valsod.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dhruvkumar Lallubhai Desai & Ors. Abhrama Tal, Valsad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3716 Acq. 23 II 85-86.-

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. S. No. 160|1, 161|3, 161|4, 162|3, 162|4 Land at Abrama Tal. Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at Surat in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiritien of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at Valsad vide S.R. No. 4049 Dec. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Ahmedabad -

Date: 29-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1985

Ref. No. P R. No. 3717 Acq. 23|II|85-86.— Wherens, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Land at Akota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the effice of the registering officer at

Baroda or 18-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market vaue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the a foresaid property by the issue of this otice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Lilaben Maganbhai Chauhan Clo Mls Patel Traders—15 Parshram Socy. Subhanpura-Baroda,
 - Shri Chandrakant Ambalal Amin Post Vsatta Dist: Baroda.
 - 3. Shri Pravinbhai Hiralal Patel— Post: Kamrol Dist: Baroda.

(Transferor)

(2) B. D. Desai Premises Officer of State Bank of India, State Bank of India Bldg, Bhadra, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 9,50,000 in respect of land at Akota Baroda. Ahmedabad

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 29-7-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3718 Acq. 23 II 85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 2nd floor of Suraj Plaza Bldg. No. 2 Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

37EE in Dec, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferces for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s Narayan Construction Co. Suraj Plaza Maganwadi— Sayajiganj-Baroda.

('fransferor')

(2) Shri G. M. Jhala Managing Director— Indian Dairy Corporation

Darpan R.C. Dutt Road, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A form No. 37EE to the effect of an agreement for an amt. of Rs. 30,45,500 has been reed in the month of Dec. 1984. The agreement is in respect of 2nd floor of Suraj Plaza No. II Suraj Plaza, Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11. **Ahmed**abad

Date: 29-7-1985

Scal:

FORM ITNS---

'

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3719 Acq. 23[II]85-86.---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. Land at Patan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Patan in Dtc, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (1% of 1922) or the Sald Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

Shri Jagdishchandra Ratanlal Soni etc.
 Soni Vado—Patan Dist: Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Rajnikant Champaklal Soni Chairman of Geetanjali Co-op. H. Socy. Sidhpur Char Rasta—Patan Dist: Mehsana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Patan at No. 2551 for an amt. of Rs. 3,25,000|- in respect of land adm. 6374 sq. mtr. bearing S. No. 257 of Patan.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11,
Ahmedabad

Date: 29-7-1985

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Alimedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3720 Acq. 23 II 85-86.— Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Land at Patan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Palanpur in Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. **memely:---

 Nawab Shri Lohani Iqbalkhan Talemkhan Saheb—Vind near Kant Pared—Colaba Bombay.

(Transferor)

(2) Shei Hiralal Nathalal Shah— Mansukh Niwas—Khetwadi Bank Road Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Palanpur for an amt. of Rs. 4.00,000 in respect of land adm. 37289 sq. mtr. at Palanpur.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 29-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Mohanbhai Shankarbhai Patel Jal Chowk-Patan Dist: Mehsana.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE-II. 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-280 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3721 Acq. 23'II 85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1.00 000:- and bearing No. Land at Gungadi Peti-Patan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patan on Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) o fSection 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

92-226GI 85

(2) Shri Yusuf Noormohmad Nandolia & Ors. behind Poly Technic College, Patan—Dist: Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later?
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Patan for an amt. of Rs. 7,00,000]-, in respect of land adm. 8092 sq. mtr. situated at Patan Dist: Mehsana.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-7-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th June 1985

No. D|R-116|84-85|37EE.—Whereas, I, R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to 85 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Matriz No. 511 S. No. 85|2 situated at Morombi-O-Pequeno

Village, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Bangalore on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri Loximona Mukund Porobo Colvalkar,

2. Smt. Savitribai Kolwalcar, Block No. C-2, Adarsh Colony, Carenalem-Panaji-Goa.

3. Sri Usno Mukund Porobo Kolvalcar, 4. Smt. Kumudini Usno Porobo Kolvalcar, 5. Smt. Xantabai Balkrishna Porobo Kolvalcar

Smt. Xantabai Baikrishna Porobo Kolvalcar
 Sri Vinayak Balkrishna Porobo Kolvalcar, (No. 5 & 6 Power of Attorney given to Kum. Vassanti Balkrishna Porobo Kolvalcar), Rua Cunha Gonsalves, Panaji-Goa.
 Sri Purxottam Mukund Porobo Kolvalcar,
 Smt. Kranti P. Colvalcar,
 Live No. 156 Orne Poro Poros High School

House No. 156, Opp: Don Bosco High School, Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Shripad Lawande, Shree Krishna Building, Vasco-Da-Gama.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D|R-62|Dec., 1984 dated 5-12-84]

Agrl. property known as "Cussodo Agor", Matriz No. 511, S. No. 852, Morombi-O-Pequeno, Gon.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-6-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th June 1985

No. D|R 62|84-85|37EE.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing
S. Nos. 353 & 356 situated at Chapora, Anjuna Village,

Bardez Goa

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at Bangalore on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Devdatta Shirodkar. Mrs. Vijayalaxmi Shirodkar, Co Ms. D. P. Shirodkar, Alfonso Albuquerque Road, Panaji-Goa.

(Transferor)

M.E. Vagator Beach Resort Pvt. Ltd., 5, Municipal Industrial Estate, Opp: E. Moses Road, Worll, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D[R-62]Dec., 1984 dated 5-12-1984]

Agrl. property known as "Tambudqui" S. Nos. 353 & 356, Chapora, Anjuna Village, Bardez-Goa.

> R. BHARDWAJ Competent At thority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-7-85

. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangaione-300 601, the 2nd July 1985

C.R. No 62 45834 84-85 ACQ B.-Whereas, I R BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a lair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No. RS 186-2, TS No. 29-2, sinuated at Attavar village, Milagres Ward of Mangalore city.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the onice

of the registering officer at Mangalore on 11-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any. moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Umesh B. Sanil, Kum-Kum. III floor, Flat No. 32. 17th Road. R. C. Marg, Chembur, Bombav.

(Transferor)

(2) Shri Kenzia Mohd. Haris. Businessman, J. M. Road. Bunder. Mangalore.

(Transferee)

(3) Transferor. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other service interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1410/84-85 dated 11-12-84]

Property situated in out on village, Milagres ward of Mangalore city, Apartment No. 102, 1 floor of Kotecha Cottage building in TS No. 29-2- RS No. 186-2, North Eastern Portnoa-4385 sq. mts.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 26 IC of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

Date: 26-6-1985

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd July 1985

C.R. No. 62[45840]84-85[ACO]B.— Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 76 (S. No. 139|2B) situated at Badagabattu village, Udupi

Tq. D.K.

(and more fully described in the Schedule anexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at Udupi on 20-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimathi K. Laxmi Bai wo Radhakrishna Rao, U., No. 76, Badagabettu village, Udup Taluk, D.K.

(Transferer)

(2) Shri Edwin Clement Henry, Kinnimulky of Kidiyoor, Village of Udupi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1525|84-85 dated 20-12-1984] Property situated in No. 76 (S. No. 139|2B), Balagabettu village, Udupi Taluk, D.K.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-7-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd July 1985

C.R. No. 62|45830|84-85|ACQ|B. Whereas, I R. BI-IARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. RS. 469, TS. No. 308-2C1, situated at Kodailbail village, Mangalore Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at Mangalore on 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any rioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the We 11th-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Dr. Piakash S. Shetty.
 repd. by Mr. K. Sarvothama Shetty,
 Advocate, Kodailbail, Mangalore-3.
 (B-4, Staff Quarters, S.J.M.C. Campus, Bangalore) (Transferor)
- Shri N. Ramachandra Bhat, Mithabare of Kairangala Village, P.O. Kurnool, Bantwal Taluk, S.K.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1371]84-85 dated 3-12-84] Property bearing No. RS. 469, TS. No. 308—2CI, Kodailbail village, Mar galore Tq.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-7-1985

Scal:

FORM ITNS---

(1) Shrimati Durdema Nair "Chitrakoot" Defence Services Staff College, Wellington.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Spring Borewells Co. Pvt. Ltd. K. G. Road, Bangalore-9.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th July 1985

C.R. No. 62|45371|84-85|ACQ|B.— Whereas, I. R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market va Rs. 1.00,000|- and bearing No. 41 situated at Cubban Road, Bangalore market value exceeding (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at Shivajinagar under document No. 2651 84-85 on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2651|84-85 dated 7-12-84] All that properly bearing No. 41 (1)3rd portion) situated at Cubben Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th July 1985

C.R. No. 62|45372|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the Immovable property having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 41, situated at Cubbon Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration At, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 2652/84-85 on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Barkat Masih Gill, No. 1/3, "Tiger Hill", Coonoor (Tamil Nadu).

(Transferor)

(2) M/s, Spring Borewells Co. Pvt. Ltd., Chamber of Commerce Building, K. G. Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2652/84-85 Dated 7-12-84)

All that property bearing No. 41 situated at Cubbon Road.
Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 16-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Ghazala Karumbaya, No. 41, Cubbon Road, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) M/s. Spring Borcwells Co., (Pyt.) Ltd., Chamber of Commerce Building, K. G. Road, Bangalore-9.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-5600001, the 16th July 4985

C.R. No. 62|45373|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing 41,situated at Cubbon Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 2653/84-85 on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) faciltating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Said Act in
in respect of any income arising from the transfer;
and/or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(Registered Document No. 2653/84-85 Dated 7-12-84)

All that property bearing No. 41 (1/3rd portion) situated at Cubbon Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
93.—226GI|85

Date: 16-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Tehmina Barker, No. 41, Cubbon Road, Bangalore-T.

(Transferor)

(2) M/s, Spring Borewells Co., (Pyt.) Ltd., Chamber of Commerce Building, K. G. Road, Bangalore-9.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-5600001, the 16th July 1985

C.R. No. 62|45374|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing 41,situated at Cubbon Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 2634|84-85 on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Sbjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2654|84-85. Dated 7-12-84).
All that property bearing No. 41 (1/3rd portion) situated at Cubbon Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Ranges Bangalors

Now, therefore, in pursuance of Section 269C co has said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following namely:

Date: 16-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-5600001, the 16th July 1985

C.R. No. 62|45479|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing 453, situated at HAL III Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 2638|84-85 on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. D. Gajendra Rao, 1040, V Block, Rajajinagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri M. Sendamarai, No. 50, N. P. Line, Cottonpet, Bangalore-500053.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein seare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2638/84-85 Dated 7-12-84)
All that property bearing No. 453, situated at HAL III Stage, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 16-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-5600001, the 16th July 1985

C.R. No. 62|46227|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

885, situated at HAL II stage, Indiranagar, Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 3555/84-85 on 3-12-1984 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the sall Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actics under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Shri M. R. Rangaswamy, No. 885, 11th Main, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Joseph Stanislaws, Mrs. Floramma Stanislaws, No. 656, 100 ft. Road, Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3555|84-85

Dated 3-12-84)

All that property bearing No. 885 situated at HAL HI Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 16-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th July 1985

C.R. No. 62|46215|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

593, situated II phase Sarappi I ayout, Bangalore South Taluk (and more fully described in the schedule armoxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore, South Taluk under Document No. 5690/84-85 on 13-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri G. Narayana Murthy, No. 526, III Cross, 2nd Block, Banashankari I Stage, Bangalore-50.

(Transferor)

(2) Sakkubai W/o K. Damodar, No. 1021, 27th A Main, 9th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 5690/84-85 Dated 13-12-84)
All that property bearing No. 593 situated at II Phase, Sarakki Layout Bangalore Sooth Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62[45366]84-85[ACQ]B.--Whereas, J, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, Income-tax, Acquisition Range, Bangaiore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. T-7 situated at Margao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 1908), in the Office of the Registering Officer at Salette, Goa under Document No. 2742/dated 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Mr. Assuncao Teodosio Serafina Fernandes Alias A.T.S. Fernandes and his wife 2. Mrs. Ephifanio Byriduke Fernandes R/o Valim represented by their P.A. holder Shri Escolastico Mazarelo. 3. M/s. Mazareloos Enterprises, Velim, Salcete, Goa.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Inacio Jacob Fernandes and his brother. 2. Shri Joao Conceicao Fernandes, Represented his legal guardian Mr. Joao Lourenco Fernandes, Sernabetim, Salcete, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2742)

Dated 7-12-1984)

This is a flat bearing No. 7 known as Mayfair Apartment situated at Margao Goa within the municipal area, measuring 91.20 sq. metres.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Rekha Anilkumar & Another, 30A, 8th A Main Road, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore,

(Transferor)

(2) Shri V. M. Karachiwala, 23, Aga Abbas Ali Road, Bangalore-42.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BÂNGALORE-560001

Bangalore-5600001, the 16th July 1985

No. 62|Notice No. 955|85-86|ACQ|B.-Whereas, J, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing No.
11,situated at Ulsoor Road. Bangalore
has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 2255/84-85 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2755/84-85 Dated Dec. 1984) All that property bearing No. 11, situated at Ulsoor Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-7-1985

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mr. Mohd. Osmen Khan, So Mr. M. Khan, Ro Munispura, Gulbarga.

(Transferor)

(2) Mrs. Laxmibai
 W|o Manikappa Bavagi,
 H. No. 7-5-28, Asif Ganj, Gulbarga.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62/1075/DWR/84-85/Acq./B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

H. No. 7-5-28 (Old), New 8-1335 situated at Nehru Gunj, Gulbarga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bulbarga under Decument No. 2309|84-85 on 20-12-1984 for an apparent consideration which is less man the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saki Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2309|84-85 Dated 20-12-1984) House No. 7-5-28 (Godown) measuring plot area-1510 sq. ft. and Plinths are 1510 sq. ft.) Nehru Gunj, Gulbarga.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1985

FORM TINS----

(1) D. K. Gurunath Rao, IVth Cross, Jayanagar, Bangalore,

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Sadasiya Bhat. Opp. H. R. G. Oil Industries Office, Nehru Colony, Horne'-58:201.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62|1051|DWR|84-85|Acq.|B.-Whereas, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

15/190 situated at Nehru Colony, Horpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Horpet under Document No. 1208/84-85 on 11-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than iffeen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned to

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapte, XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ind/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1208 84-85 Dated 11-12-1984) Property R.C.C. House measuring 1200 sq. ft. along with a site measuring 4675 sq. ft. bearing Door No. 15|190, Nehru Colony, Housel.

(b) facilitating the concealment of any income or any exoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
94—226GI 85

Date: 30-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mr. Assunsao Teodotio Serafino Fernandes alias A. T. S. Fernandes and his wife Mrs. Ephifania Euridy Fernandes and M/s Mazarelos Enterprises, Margao.

(2) Mrs. Maizie Vaz, Flat No. T. 5. Mayfair Apts., Margao, Goa.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62|1115|DWR|84-85|Acq.|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 44194 situated at Miranda Road, Margao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at at Salecte Goa under Document No. 2732/84-85 on 6-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2732|84-85 Dated 6-12-84)

Flat No. T. 3, Third floor of Mayfair Apartment, Miranda Road, Margao, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely :--

Date: 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62/11/24/DWR/84-85/Acq./B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable proprty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

22042 situated at Pilerne Village, Bardez Taluk Ilhas, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the Office of the Registering Officer at at Ilhas Goa under Document No. 964 204 84-85 on 10-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of stransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the a Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this colice under subsection (1) of Section 269D of the said .*ct. to the following ing persons, namely :--

(1) Mr. Janardan Mangresh Desai Kalangutkar and his wife Mrs. Minaxi J. Desai Kalangutkar, Ro Chorao, Tiswadi (Ilhas), Goo

(Transferor)

(2) M|s. Kamat & Kamat Construction Company, B-2 Janta Quarters, Alankar Cinema, Mapusa, Bardez,

(Transferec)

Objectios, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Locument No. 964/204/84-85 Dated 17-12-84) All that property known as "Predio de Aframun o Oiteral denominado o dofondo" Pilerne Village, Bardez, il ias, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-7-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMUSSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE, BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62|1119|8WR|84-85|Acq.|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1901) (he einafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Flat No. F-I situated at Margao, Goa (and more fuily described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Salcete Goa under Document No. 2743|.4-85 on 14-12-84 for an apparent consideration which is I ss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tan market value of the imperity as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been with stated in the said instrument of transfer with the object of it.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tan Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Mr. Assunsao Teodosio Serafino Fernandes and his wife Mrs. Ephifania Euridyke Fernandes, Reptd. by Mr. Escolastico Hazareloo and Mls. Mazarelos' Enterprises, Margao (Transferor)

 Mrs. Enid Pedrinha D'Corta, Velim, Tolecanto, Salcete, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2743|84-85 Dated 14-12-1984) Flat No. F. 1 'Mayfair Apartments' Margao, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Tito Filomeno Aurelio da Piedade Andrade e Moueres of Tito Filomeno Jose Dilire Meueres alius Tito Meueres and his wife Mrs. Ezilda Maria Malvina Meueres, both residing at London. (Transferor)

(2) M s. Karpe Real Estates, Karpa House, I Sidoro, Baptista Road, Margao.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62/1122/84-85/Acq./B.--Whereas, 1, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/exceecing Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. 350, situated Mauora of village of Raia, Salcete Taluka,

District of Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Salcete, Goa Doc. No. 2810 84-85 on 29-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2810|84-85 Dated 29-12-1984)

Property mown as Dancalichem Bhat or Vrel, admeasuring an area of 31,950 sq. mtrs. situated at Mauota of village of Raia, Saliete Taluka and District of Goa.

> R. EHARDWAJ Competent Authority .nspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:-

Date: 30-7-1985

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Jeevan B. Kulkarni, Мг. Ashok, Mr. Vilas, Kolhapur, Belgaum.

(Transferor)

(2) The Chairman, Samartha Co-op. Housing Society, Hindalga Village, Belgaum.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62|1104|DWR|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing R.S. No. 196]1, 196]2 situated at Village Hindalya, Belgaum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at

Belgaum under Document No. 3350|84-85 on 20-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3350|84-85 Dated 20-12-84]. Property No. R.S. No. 196 1, 196 2 situated at Hindalga, Belgaum.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Ir specting Assistant Commissioner of 'ncome-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mr. Jose Minino Jesus Aguiar & Mrs. Maria Luiza Casta Aguiar Sernabatin, Salcete, Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Marie Antao, Nuvem. Salcetto, Goa.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C. R. No. 62|1130|DWR|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 2, plot No. C-6 situated at St. Nary's Colony, Gaspar Dias, Miramar, Panaji, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Ilhas, Goa under Document No. 1006 [211]84-85 Dt. 21-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1006|211|84-85 Dated 21-12-84]. Flat No. 2 in plot No. C-6 of St. Mary's Colony, Gaspar Dias, Miranar, Panaji, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri A. T. S. Fernandes, Mrs. Ephifania Euridyake Fernandes by GPA, Mr. Escolastico Mararelo & M/s. Mararelos Enterprises, Bela Vista Apartments, Margao, Salcete.

(Transferor)

(2) Mrs. Jovila Colaco, Ro Veline, Salcete.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62|1116|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisi-

tion Range, Bangalore,

being the Competent Anthority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. F.9, New F.2, situated at I floor, "Mayfair Apartments", Block-A, Margao, Goa (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at

Doc. No. 2741 84-85 on 6-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestic exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the case of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2741]84-85 Dated 6-12-84]. Flat No. F.9, new No. F-2, First floor, Mayfair Apartments, Block-A, Margao, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 30-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- . TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62|1129|DWR|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

No. 628, plot No. A situated at Ilhas, Panaji, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ilhas Gon under Document No. 1000|84-85 on 29-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :- 95-26G1|85

Mr. Vithal M. S. Talaulikar;
 Mrs. Usha Vithal Sinai Talaulikar;
 Dr. Pramod N. S. Talaulikar;
 Mrs. Pravasini Pramod S. Talaulikar;

Mr. Pradeep N. S. Talaulikar &
 Mrs. Anita Praseep S. Talaulikar; All R o Hira Nahat, Panaji, Goa-403001.

(Transferor)

(2) Mls. Pradeep Co.op. Housing Society Ltd. Tambadi Nasti, Talcigao, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1000]84-85 Dated 29-12-84]. All that two floored building known as Pradeep Building in Plot 'A' admeasuring 769 sq. mtrs. Ilas, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-7-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 09 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62|1101|DWR|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Rs. 1,00,000|- and bearing No. 28 (Survey No.) situated at

Village Bath, Tq. Sanguem, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Sangnem. Goa

under Document No. 227|84-85 on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the seld instrument transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Maria Helena Saler De Andrade;
 - 2. Jose Pedro Cactano Sales De Andrade; Shantal' 2nd floor, Abake Faria Road, Margao, Goa.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. Shautaram Sripad Prabhu Desai;
 - 2. Mr. Dattaram Narayan Shet Narvenkar;
 - 3. Damiao Diogo D'Costa;
 - 4. Agnelo Gaspar Perira;
 - 5. Shrikant Sonu Bhandari;
 - 6. Anant Shiyram Chiptunkai;
 - 7. Tulsidas Shivaj Nayak;
 - 8. Surya Mohadu Velip;
 - 9. Laxmibai Vithal Kelenkar;
 - 10. Chandrakanth Laxman Bhandari;
 - 11. Babu Rao Gaonkar; All Ro Shelpem, Sanguem, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

dated 1-12-84) (Registered Document No. 227|84-85 Agriculture land measuring 206.725 sq. mtrs, bearing Survey No. 28 alias Village Bath, Tq. Sanguem, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore,

Dato: 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62|1113|DWR|84-85|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. T.I. (originally 7-12)

situated at Mayfair Apartments, Margao, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Salcete Goa under Document No. 2731 84-85 on 5-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :-

(1) Mr. Assuntao Teodario Scrafina Fernandes alias A.T.S. Fernandes and his wife Mrs. Ephifania Cudidyke Fernandes Reptd. by Mr. Escolastico Mazarelo and M/s. Mazarelo's Enterprises, reptd. by said Proclastico, R/o Shop No. 4, Bela Vista, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Vivian Francis D'Costa, Scamen, Tolecanto, Velim, Salcete, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2731|84-85 Dated 5-12-84]. Flat No. T-1 (originally T-12) of Mayfair Apartment, Margao, Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C. R. No. 62|1111|DWR|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No.

Sy. No. 59|1A|1A|13 situated at Sapthapur Grama, Drawar

Sy. No. 59 1A 1A 13 situated at Sapthapur Grama, Drawar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Dharwar under Document No. 124 of 84-85 on 13-12-84

Dharwar under Document No. 124 of 84-85 on 13-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Mahadev Amrutappa Nirajakar. 47, Nichagar Compound, Saptapur, Dharwar.

(Transferor)

(2) Mr. Ramadas Narayan Kumat, Stato Bank Branch Manager, Dharwar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Caxette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as assistent defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 124 of 84-85 dated 1312-84).
Property R.C.C. Building Survey No. 59|1A|1A|13 situated at Saptapur Grama, Dharwar.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalote.

Date: 30-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri Kanta Rao, Slo Mr. Gopal Rao, Rajaporohit, Rlo Deshpande Nagar, Hubli.

(Transferor)

(2) Mrs. Sumangala, Wo Mr. K. Adishera Rao, Ro Kotachur, Udupi Tq. (S.K.)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62|1055|DWR|84-85|ACQ|B|2685.—Whereas, I, R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

R.S. No. 130|1 & 130|2B situated at Raghavendra Colony Bengeri Gram, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Hubb under Document No. 1055 84-85 on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1055]84-85 on 10-12-84] R. S. No. 130]1 & 130]2B situated in Raghavendra Colony, Bengeri Gram, Hubli.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-7-1985

Scal ;

FORM LT.N.S.-

(1) Alcaon Real Estates Pvt. Ltd., Velho Building, Panaji-Goa.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anthony Peter Isaac D'Souza & Mrs. Janet D'Souza, 107, Helena Villa, Querrem Cungant, Tivim, Bardez, Goa.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

Ref. No. 62|D|R-5[84-85]37EE|ACQ|B,---Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plat No. G-3 situated at Candolim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore on 5-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Doocument No. D]56[Dtc., 84 dated 5-12-84] Flat No. G-3, "Aguada Holiday Homes" Candolim admeasuring about 55.00 Sqms.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-7-85

FORM ITNS-

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd., Velho Building, Panaji-Goa.

(2) Mr. Prakash J. Ramchandani,

Hat B¹7, Navelcar Apts. Mangor Hill Vasco-du-gama Goa,

(Transferors)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62|D|R-7|84-85|37EE|8-8|ACQ|B.— Whereas, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Shop No. 12 situated at "Gardenview Apartments" on 'Terreno Nanagolla' in Margao-Goa.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore on 5-12-1985

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ef 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D|50|Dec., 84 dated 5-12-84)

Shop No. 12 situated at 'Garden View Apartments' on 'Terreno Nanagolla' in Margao-Goa, admeasuring 27-19 Smts.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following mersons, namely :-

Date: 10-7-1985

Seal.

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd., Velho building, Fanaji, Goa

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Deborah M. D'Mellow. 'Ave, Maria', Flat No. I, Main Avenue, St. Cruz (West), Bombny-400 054.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

Ref. No. 62|D|R-13|84-85|37EE|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196: (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing Flat No. A-4 situated at Aguada Holiday Homes' on property known as 'Issolvaque Madda' in Candolim. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore on 5-12-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice ---ial Cametto or a period of 30 days from in of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, turnely :--

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D|55|Dec., 84 dated 5-12-84)

Flat No. 4-A at 'Aguada Holiday' Homes on property known as 55.00 M2.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-7-85

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62|D|R-84-85|37EE|8 -8|ACQ|B.—Whereas, I, R. DHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. D-1 situated at 'Aguada Holiday Homes' Apartments, Candolim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Recistration Act, 1908 (16 of 1908) i othe Office of the Registering Officer Bangalore on 5-12-19884

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaul exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evention of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :---

96-226GI|85

Nicon Real Estates Pvt. Ltd., : 1 Velho Building, Panaji, Goa.

(Transferor)

(1) (1) Mr. Trevor Fernandes &

25 4.242-4

(2) Mrs. Maria Bridget Fernandes, Co Mrs. A. Lobo; H. No. 289 Goncoi, Aldona Barde-Goa.

ranger and the second

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explaining :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chaptur.

THE SCHEDULE

[3.4 3.4 Therment No. D'49Drg, 84 dated 5-12-1934] 1 at . D-1, at 'Aguada Holiday Homes' Apartments, Carthan to time or ning 55.00 Sqms.

> R. BHARAEWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range Bangalore

Date: 10-7-1985

Sent:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62|D|R-27|84-85|37EE|ACQ|B.—
Whereas, I, R. BHARADWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Plot No. 9 situated at Alto-Betim, Serula Village, Bardez-Goa
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registring Office at
Bangalore on 5-12-1984
(or an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the follow-

persons, namely :-

(1) Smt. Maria Lucia Viegas, Alto de Betim, Bardez-Goa.

(Transferor)

(2) Daymoo Builders, Ground floor, Maganlal Sadan, S. V. Road, Panaji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property/may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective porsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D|77|Dec., 84 dated 5-12-84] Plot No. 9 of the property Jardina at Alto-Betim, Serula Village, Bardez-Goa measuring 945.00 M2.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 10-7-1985

Fog! :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mr. Sabbestiao Roque De Cunha Mrs. Ida Peresrina Da Cunha Power of Attorney Holder— Shri Edmund Joaquim Xavier D'Cunha, Moira, Bardez-Gon.

(Transferor)

(2) M|s. Satta-Adhar Builders, Hill Top Apartments, Alto-Betim-Goa.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62|D|R-117|84-85|37EE|ACQ|B.— Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Plot No. 3 & 4 situated at Alto De Porvorim, Ilhas-Goa Bangalore on 5-12-19884

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid axceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansign with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

cacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

[Registered document No. D|34|Dec., 84 dated 6-12-84]

Plot No. 3 & 4 of the property known as "Aforamento Uprachem Gallum" Alto de Porvorim, Ilhas-Goa measuring 133.50 Som.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1985

THE PROPERTY OF THE MANAGEMENT AND THE STATE OF THE STATE OF THE STATE OF THE PROPERTY OF THE STATE OF THE PROPERTY OF THE STATE OF THE

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGI. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62|D|R-150|84-85|37FF|ACQ|B...Whereas, J. R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value cateeding Rs. 1,60,000]- and bearing No. Flat No. H-5 situated at 'Aguada Holiday Homes' at Cando-

lim-Goa.

Bangalore on 5-12-1984

cang more tully described in the Schedule annaxed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1918 (16 of 1908) in the Office of the Registring Office at Bangalore on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fatt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liabrary of the transferor to pay tax under the said Aca, in respect of any income arising from the transfert and /or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd., Velho Building, Panaji.

(Transferor)

(2) Mrs. Clotilda D'Souza, Clo Mr. X. Fernandes, Arya Samaj Road, Mangalore-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D-70 Dec., 84 Dated 5-12-84] Flat No H-5, at 'Aguada Holiday Homes' Apartments, Candolim, admeasuring 55.00 Sqms.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalo

Date: 10-7-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62|D|R-151|84-85|37EE|ACO|B,-

Bangalore on 5-12-1984

Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs, 1,00,000-and bearing No. Flat No. 11-6 situated at 'Aguada Holiday Homes' at Cando-lim-Goa admeasuring 55.00 Sqm.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Office at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) M/s. Alcon Real Fstates Pvt. Ltd., Velho Building, Panaji-Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Robert Fernandes & Mrs. Olerie Fernandes. Chimbal Road, Bandra, Bombay-400 050,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D[69]Dec., 84 dated 5-12-1984] Flat No. H-6 "Aguada Holiday Homes" at Candolim-Goa admeasuring 55.00 M2.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Bangalore

Date: 10-7-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62|D|R-152|84-85|37EE|ACQ|B.— Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authorny under Section 263B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. G-4 situated at 'Aguada Holiday Homes' Apartments on "Issolvaque Madda" Candolim-Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Cilice of the Registring Office at Bangalore on 5-12-1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferior to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act we the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M's. Alcon Real Estates Pvt. Ltd., Velho Building, Panaji-Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Clara Carmen Sequeira & Mr. Deryk Christopher Sequeira, "Sew-View", 35, Shivaji Park, Keluskar Road (North), Bombay-400 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D-67|Dec., 84 dated 5-12-1984]
Flat No. G-4 at "Aguada Holiday Homes" Apartments on Issolvaque Madda, Candolim-Goa, admeasuring 55.00 M2. Date: 10-7-1985

R. BHARADWAJ Competent Authority Issolvaque Madda, Candolim-Goa, admeasuring 55.00 M2. Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-7-1985

Scal:

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE EANGALORE-560 001

Rangalore-560 001, the 10th July 1085

C.R. No. 62|D|R-153|84-85|37EE|ACQ|B.—Whereas, J, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

and bearing

Flat No. H/9, situated at "Aguada Holiday Homes"
on property "Issolvaque Madda" Candolim, Goa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Bangalore on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than atteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of grantler with the object of:—

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any thoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd. Velho Building, Panjim, Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Mary Belgina Paes, P.O. Box 1145, Salmiya, Kuwait.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D|68|Dec. 84 dated 5-12-1984)

Flat No. B|9 at "Aguada Holiday Homes" on property 'Issolvaque Madda' at Condolim, Goa, admeasuring 55.00M2.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-7-1985

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-*AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1085

C.R. No. 62|D|R-154|84-85|37EE|ACQ|B.—Whereas, I, L. BHARADWAJI

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Marriz No. 1371 shunted at Caetano de Albuquerque Road,

Panaii .

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). thus been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 22 12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair inarket value of the aronesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating te reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Mr. Reginaldo dos Remedios. Clo Mr. Pascoal Menezes, Altinho, Panaji, Goa-403 001.
 - 2. Mr. Mario Paulo Jude dos Remedios, Manuel Ferreira de Andrade Road No. 7, 4th Floor, Right Wing, Lisbon, Portugal,
 - 3. Mrs. Maria India dos Remedios Salvado, Architect Continelli Telmo Road, S. Pedro do Estoril, Portugal.

(Transferor)

(2) M|s. Alcon Real Estates, Pvt. Ltd., Velho Building, Panaji, Goa-403 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THL SCHEDULE

(Registered Document No. D|84|Dc. 84 dated 22-12-84) House Property Matriz No. 1371 at Caetano de Albuquerque Road, Panaji.

> R. BHARADWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-7-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62|D|R-170|84-85|37EE|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 2 situated at Vasco, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 8-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

97---226GI|85

 M|s. G. F. Builders, No. 4, JAF House, Fr. Joseph Vaz Road, Vasco-da-Gama.

(Transferor)

(2) Mr. & Mrs. Antonio Lucas Fidelia Da Costa & Maria Adelina Francisco Alba Da Cost., C|o V. M. Salgaonkar & Bros (P). Ltd., Admn. Dept., P.B. No. 14, Vasco.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D|97|Jan., 1985 Dated 8-1-85]. Flat No. 2 in the 1st Floor "Tropa Dando" at Vasco, Goa admeasuring 77.50M2.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1085

C.R. No. 62|D|R-177|84-85|37EE|ACO|B.-Whereas, I. R. BHARADWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 3 Marriaz No. 733 S. No. 175 situated at Ponda,

Goa.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 8-1-1985

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

- (1) Mls. Roof Man and its partners Magan Bakul Mardolkar and Bakul Mardolkar of Ponda, Goa. (Transferor)
- (2) Smt. Radha Ramchandra Naik Ponda, Goa.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D|103|Ian., 1985 Dated 8-1-1985] Land known as Bondriache Batta under Flat No. 3 in Matriaz No. 733 & S. No. 175 at Ponda, Goa, admeasuring 75 Sam.

> R. BHARADWAJ Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore 4.

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62|D|R-230|84-85|37EE|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Plot No. 488-B S. No. 30 situated at Angol Village of

Belgaum Tq.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 5-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Alka Mohan Deshpande, 360|61, Narayanpeth, Laxmi Road, Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Shri Subraya Shesha Bhat, 272, Agarkar Road, Tilakwadi, Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D|143|Feb., 1985 Dated 5-2-85]

Plot No. 488-B S. No. 30 at Angol Village of Belgaum Tg. admeasuring 418.06 M2.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range Bangalore

Date: 10-7-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62[D]R-233|84-85|37EE|ACQ|B.-Whoreas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. All of Trupti Apartments in Plot No. 16 situated at New Vaddem, Vasco (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 5-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Rukmini Constructions, Shirodkar Building, First Floor, Room No. 4, Vasco-da-Gama.

(Transferor)

(2) Mr. Arun Prabhakar Kakodkar, Mrs. Seema Arun Kakodkar, Clo New India Assurance Co. Ltd., Above New Bank of India., Vasco-da-Gama.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D|146|Feb., 1985 Dated 5-2-1985)
Flat No. A|1 of Tirupti Apartments in Plot No. 16 at New Vaddem, Vasco., admeasuring 68.80 M².

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-7-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th July 1985

C.R. No. 62|D|R-240|84-85|37EE|B,---Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Matriz No. 2689, S. No. 42 situated at Margao-Goa and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore on 6-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Antonio Jose Oscar Gracias, Pajifond, Margao-Goa.

(Transferor)

(2) M|s. Orient Builders, Redualdo D'Costa Building, P.O. Box No. 226, Margao-Goa.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. D|152|Feb., 85 dated 6-2-1985]. Plot of land Matriz No. 2689, S. No. 42 at Margao-Goa admeasuring 1705 Sq. mts.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 10-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COVERENCE OF GUERN

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 1st August 1985

C.R. No. 62|R-1497|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

No. D-1, 'Manish Tower' situated at No. 84, J. C. Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Barngalore under Registration No. 1292 84-95 on 12-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market—value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor—by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay eax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mls. Manish Enterprise,
 1-2, Shrungar Shopping Centre,
 M.G. Road,
 Bangalore-1.

(Transferor)

(2) M|s. Magnum Enterprise, 11, Camac Street, Calcutta-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1292|84-85 dated 12-12-1984]. Office premises No. D-1 in Manish Tower' at No. 84, J.C. Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 1st August 1985

C.R. No. 62|R-1498|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000 and bearing

No. D-2, situated at Manish Tower, No. 84, J. C. Road.

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore on 12-12-1984 under Registration No. 1292 84-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mis. Manish Enterprise, 1-2, Shrungar Shopping Centre, 80, M.G. Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) M/s. Magnum Enterprise, 11, Camac Street, Calcutta-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be neede in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1293[84-85 dated 12-12-84]. Office premises No. D-2 in "Manish Tower" situated at No. 84, J.C. Road, Bangalore-2.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-8-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M|s. Mauish Enterprise,
 1-2, Shrungar Shopping Centre,
 M.G. Road, Bangalore-1.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M|s. Magnum Enterprise, 11, Camac Street, Calcutta-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **BANGALORE-56001**

Bangalore-560001, the 1st August 1985

C.R. No. 62|R-1499|37EE|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. D-3, situated at Manish Tower, 84, J.C. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore on 12-12-1984 under Registration No. 1292 84-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same resaing as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Office premises No. D-3 in Manish Tower at No. 84, J.C. Road, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 1-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st August 1985

C.R. No. 62|R-1500|37EF|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. D-4, 'Tanish Tower' situated at 84, J.C. Road,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority under at Bangalore under Registration No. 1295 84-85 on 12-12-84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :- 98—226GI|85

(1) M|s. Manish Enterprise, 80 M.G. Road, 1-2 Shrungar Shopping Centre, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Mis Magnun Enterprise, 11 Camas Street, Calcutta-17.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1295|84-85 dated 12-12-1984) Office No. D-4 in 'Manish Tower' at No. 84, J.C. Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M|s Manish Enterprise, 1-2 Shrungar Shopping Centre, 80 M.G. Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) M|s Magnum Enterprise, 11, Camac Street, Calcutta-17.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st August 1985

C.R. No. 62|R-1501|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. D-5 situated at Manish Tower, No. 84 J.C. Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registration Office at Bangalore under Registration No. 1296|84-85 on 12-12-84 for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been transfer as agreed to between the parties has not been transfer as agreed to between the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of potice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Sability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1296|84-85 on 12-12-84) Office No. D-5 in 'Manish Tower' at No. 84 J.C. Road, Bangalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-8-1985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st August 1985

C.R. No. 62[R-1502]37EE[84-85]ACQ[B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. D-6 situated at Manish Towers, No. 84 J.C. Road, Bangalore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1297]84-85 on 12-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

M|s Manish Enterprise,
 1-2 Shrungar Shopping Centre,
 M.G. Road,
 Bangalore-1.

(Transferor)

(2) M|s Magnum Enterprise, 11, Camas Street, Calcutta-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 1297|84-85 dated 12-12-84) Office No. D-6 in 'Manish Tower' at No. 84 J.C. Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons,

Date: 1-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45511|84-85|OCQ|B.— Whereas I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

30988

Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mild Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 39, 34|3, 34|4, 34|6, 31|1 & 32|2 situated at Knikadu village Madikeri Taluk

Madikeri Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mercara under document No. 923/84-85 on 15-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, an respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the fellowing persons namely :-

(1) Shri M. M. Appachu, Smt. M. A. Accavva, Sri M. A. Subbaiah, Sri M. A. Belliappa, No. 2481 Vinayakanagar, Mysore-12,

(Transferor)

(2) Smi K. K. Damodhara Slo. K. V. Krishna, Cowli Street, Madikeri.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons walchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 923/84-85 Dated 15-12-84] All that property bearing Nos. 39 of 3.84 acres, 34/3 of 0.70 acres, 34/4 of 3.64 acres, 34/6 of 3.10 acres, 31/1 of 2.92 acres & 32/2 of 7.08 acres situated at Kaikadu village, Madikeri Taluk.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 25-7-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62|45741|84-85|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. 18. Old No. 1|C, situated at IC Cross, Narasimharaja Cross Road, now Kalasipalyam new Extension Bangalore (and more fully described in the schedule aanexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Baravangudi under document No. 3870|84-85 on 28-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri D. A. Purushottam & Smt. Nagarathna, Sri Tilak Kumar & Others No. 83]4 K. Vasudevaiah layout, 4th Block Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri C. Abduc Azeez
& Sri Mohamed Hayat
1. No. 3, Basayanagudi Bangalore,
2. No. 30 F Street, Kalasipalyam new Extn. Bangalore.

(Transferce)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3870[84-85 Dated 28-12-84] All that property bearing No. old No. 1[C, Corporation No. 18 situated at IV Cross, Narasimharaja Cross Road, now Kalasipalyam new Extension Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri A. V. Gopalakrishna Bhatta, No. 3, I Cross, Kumaracot layout, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri A. V. Dattatraya Bhatta, Unity Service Station, Rajajinagar, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62]45536|85-86]ACQ|B.-Whereas I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|- and bearing No. No. 3, old No. 20 situated at I Cross, Kumaracot layout

Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Gandhinagar under document No. 2993 85-86 on 28-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficers are consideration and that the infloen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 2993[85-86 Dated 28-12-84] All that property bearing No. old No. 20 New No. situated at I Cross, Kumaracot layout, Bangalore.

THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-7-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th July 1985

Ref. No. C. R. No. 62|46029|84-85|ACQ|B,—Whereas I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3419, situated at HAL II Stage, Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 310/84-85 in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fact that the property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any iscome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

(1) Lt. Col. S. S. Sukumar (Retd|) No. 3, I Cross, Aiyappa layout Viveknagar, Bangalore.

(Transferee)

(2) Shri V. N. Seshagiri Rao, No. 746, 10th Main, W. C. Road, Rajajinagar, Bangalore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 310|84-85 Dated January 1985]

All that property bearing No. 3419 situated at HAL II Stage Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following neisons namely :-

Date: 26-7-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri A. Boogathi 14. Promenade Road Frazer town, Bangalore,

(Transferor)

(2) Jalaja Chandran 2|1, Edward Road Bangalore-56001,

(Transferce)

CHICK OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th July 1985

Ref. No. C. R. No. 62/46354/84-85/ACQ/B.—Whereas I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range. Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

565 situated at Binnamangala II Stage Indian Nagar, Ban-

galore-38,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registration Office at Shivajinagar under document No. 3601/84-85 on 27-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sction 2690 of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3601/84-85 Dated 27-2-85]

All that property bearing No. 565, situated at Binnamanggala II Stage Indiranagar, Bangalore.

> R. BHARDWA) Competent Authority2 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-7-1985

'. JM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1 F THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 O)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Aluminium Cables & Conductors, Lakshmi Road, 4th Cross, Shanthinagar, Bungalore-27.

(Transferor)

(2) Mis. Vardhaman Conductors (P) Ltd. 3rd Cross, Gandhinagar B'lore,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62,46354|84-85;ACC|B,-Whereas I, R. BHARD NAJ,

Inspecting As astaut Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bungalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason a believe that the immavable property having a fair market value executing Rs. 1,00,000[and bearing No.

A-82, situated at Industrial Estate Ravaj pagar, Ba galore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Regis ration Act, 1903 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Rajajinagai under docui ient No. 4279/8--35 on 4-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid caceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with hte object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of my income or any moneys or other seads which have not seen on which enght to be disclosed by the transferm for the purposes of the Indian .acome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Ast, 1957 (37 of 1967);

Objections, if any, to the acquisition of the said property army be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4279|84-85 Dated 4-1-84)

All that property is industrial Shed bearing No. A-82 situated at Industrial Estate Rajajinagar, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bungalore

Now, therefore, in presumate of Section 2696 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the matter under subsection (1) of Section 269D of the second to the following persons, namely:— 99—226GI[85]

Date: 18-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46467|84-85|ACQ|B.—Whereas I, R. BHARDWAJ.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
144, situated at IX Block, Jayanagar, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Jayanagar under document No. 4382 84-85 on 25-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri T. C. Anantha Murthy, 346, H Cross, I Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Smt. R. Saroja Wo. Ramalingam, No. 1346, South End Road, IX Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4382]84-85 Dated 25-1-1985] All the property bearing No. 144 situated at IX Block. Jayanagar, Bangalore-11.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons namely :---

Date: 24-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62|46005|84-85|ACQ|B.--Whereas I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commission of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

20. situated at II Stage. 9th Cross. I Main West of Chord Road, Kajajinagar. Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regsitration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Office at Srirampuram under document No. 4589|84-85 on 24-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:

100—226GI 85 Smt. R. K. Bhanumathi, Wo. N. C. Sundara Murthy & Minor children, No. 194|A, I N Block, Rajajinagar. Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. G. Komala,2. Sri M. K. Potharaju,Kamalamba Nilaya Mamballoi Village, Ylandur Taluk, Mysore District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property as he made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 4589[84-85 Dated 24-1-1985] All that property bearing No. 20, situated at West of Chord Road, 9th Cross, I Main. Rajajinagur, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-7-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 23rd July 1985

Ref. No. C. R. No. 62|46464|85-86|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commission of Income-tax, Acquisition

Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. 594, situated at 10

situated at 10thA Main V Block, Jayanagur, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Regsitration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

at Jayanagar under document ino, 4450/84-85 on 18-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. I Kuppaswamy 1-52, Kotnagudam, Kollaris Srinagar

(Transferor)

(2) Shri M. N. Narasegowda Superintendent Engineer National Highway (PWD) Anandrao Circle

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4430|84-85 Dated 18-1-85) All that property bearing No. 594 situated at 10th A Main, Jayanagar V Block, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-7-1985

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri V. Govindraju So Venkatarama Bangalore. No. 55, Domular Road,

(Transferor)

(2) Shrimati M. C. Rukmini wo M. R. Srinivasan 147-C, (upstairs) 'I Main road Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transfereo)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangaiore, the 18th July 1985

Ref. No. C. R. No. 62|45689|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

heing the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 55, situated at Domlur Extn., Corporation division No. 67,

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Regsitration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar under document No. 2865|84-85 on 21-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the appearnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers **44/**07
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2865 84-85 Dated 21-12-84)

All that property bearing No. 55 situated at Domlur Extn. Corporation division No. 67, Bangalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons 1 amely:—

Date: 18-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 18th July 1985

Ref. No. C. R. No. 62|45509|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing S. No. 4, situated at D Block, Kurubarahalli Mysore, (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at at Mysore under document No. 984|84-85 on 12-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or eventon of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which enght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati B. K. Savithramma wo Sri Balaiah
 No. 13.
 13th Cross, Jayanagar, Mysore-570014

(Transferor)

- (2) Shri H. Dharamchandran Slo Harakchand
 - (2) Suvalal
 - (3) Manoharlal
 - No. 854, Chamundeswari road

Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registred Document No. 984|84-85 Dated 12-12-84)
All that property bearing No. S. No. 4 situated at D Block
Date: 18-7-1985

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 18-7-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 23rd July 1935

Ref. No. C. R. No. 46169 84-85.—Whereas, J. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovproperty having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Old No. 59|8 New No. 8 and 60|7 situated at Lalbag Road XIII Cross Chikkmavalli, Division No. 37, Bangalore and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Regsitration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Office at Basavangudi under document No. 4422 84-85 on 5-12-84 for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of one hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the laue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons namely:——

- (1) Smt. Subbmma Shri N. Armugum Shri N. Angswami Sh. N. Krishna, Doddmovalli Bangalore R|o 40, Mudluppa Street (Transferor)
- (1) Smt. Rehmthunnisa Begum Smt. Samiyunnisa Begum Smt. Salimunnisa Begum Begum Ro L-6 Nalandavadi Police Road Cross Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- other person interested in the said (b) by any immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4422/84-85 Dated on 5-12-84)

All that property bearing No. old No. 59,6, New No. 8 & bearing No. 60|7 situated at Lalbagh Road 13th Cross Chikkmavalli, division No. 37 Bangalore. P. BHARDWAS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalone

Date: 23-7-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 24th July 1985

C.R. No. 62|R-1495|37EE|84-85-ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

using the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Office No. G-1 situated at 9, Cunningham Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

1908) in the Office of the Registering Office

Banachore under Registration No. 1291|84-85 on Dated
12-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Age to the following persons, namely:—

(1) M|s Unique Enterprises 405, B. Neelkanth 98 Marine Drive Bombay-400002.

(Transferor)

(2) Shri Nagarathnamma Rama Rao
Mr. C. R. Satish,
Mrs. Asha Ramesn,
Mr. C. R. Vavi,
Mr. C. R. Venkatesh,
C. R. Jyothi,
All are R|o 2592, 815 Main Road, Banashenkari II
Stage, Bangalore-70
(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1291|84-85 Dated 12-12-84)
Office premises No. G-1 in Ground floor Commerce House 9.
Cunningham Road, (Junction of Millar Road & Cunningham Road) Bangalore-560001.

R. BHARDWAJ.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-7-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 24th July 1985

C. R. No. 62[R-1506]37EE[84-85]ACQ[B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Office premises No. 102, situated at 9, Cunningham Road,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1298 84-85 Dt. on

13-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) M|s Unique Enterprises., 405-B Neelkanth, 98. Marine Drive. Bombay-2.

(Transfacer)

(2) Asiatic Express Pvt. Ltd. 1|96 Connought Circle, New Delhi.

(Tour fure)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ananovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning or my a in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn. No. 1298/84-85 Dt. 13-12-84) Office premises No. 102 "Commerce House" No. 9, Cunningham Road, Bangalore-560001,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Bangattore,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Pangalore, the 24th July 1985

C.R. No. 62[R.1516]84-85[ACQ[B.—Whereas 1, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Aparton at No. 301 sanated at 132 Infanty Road Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at at Bangalore under Registration No. 1306|84-85 Dt. on

13-12-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than like a per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (6) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. N. Radhakrishnan, Slo Mr. Nanjan, Brindvan, Whitfield., Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. Praveen Sheth, Wo Mr. Lalit Sheth 35, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn No. 1306|84-85 Dt. 13-12-84)

Apartment bearing No. 301 on the III floor, Tara Apart-

ments, No. 132, Infantry Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, mererore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-7-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 24th July 1985

C. R. No. 62|R-1526|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the moome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No.

No. B-1 situated at Commerce House, 9|1 Cunningham Road Bangalore-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of at Bangalore under Registration No. 1314|84-85 Dt on 13-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objecti of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mls Unique Enterprises No. 405 'B' Neelkanth, 98, Marine Drive, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Kasturi Raghava Suratkal 141|1st 'N' Block. Rajajinagar Bangalore-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registred Document No. Regn. No. 1314|84-85 Dated 13-12-1984)

Basement No. B-1 measuring about 245 Sq. Ft. situated at "Commerce House" 9|1 Cunningham Road, Bangalore-52.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-7-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th July 1985

C. R. No. $62[R-153\delta]37HE[84-85]ACQ[B.—Whereas, I,$ R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the Tajd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Apartment No. / 32 situ ited at 26, Aga Abbas Ali Road.,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 260AE of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

at Bangalore under Registration No. 1319/84-85 Dt on 13-12-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aften for cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any numers or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. [herefore with the proceedings for the acquisition of the aforesaid monerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mr. A Jabbar and Alma Realtors., No. 105, Richmond Road, Bangalore-560025.

(Transferor)

(2) Dr. Y. K. Hamied and Mrs. F. Y. Hamied, II floor, Windsor Villa, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400026.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regd. No. 1319|84-85 dated

Apartment bearing No. A-32 of A type on 4th and 5th floors Containing three Bed Rooms admeasuring approximately 2848 sq. ft. situated at No. 26, Aga Abbas Ali Road, Bangalore-560 042.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 24-7-1985

Scal:

Bhulbhai Desai Road.,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the second of the second o

GOVERNMENT OF INDIA

*FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

106/282, Kanchan Bhawan, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012 Kanpur-208 012, the 13th August 1985

Ref. No. K-57|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]- and bearing

situated at Raiper Kakhat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the registration Act 1908 (16 fo 1908) in the office of the Registering officer at

Akbaipur Distt. Kanpur under registration No. 365 date

15-12-84

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen percent of such apparent consideration and that the wasideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following nersons, namely:— (1) Shri Bansilal Slo Himman Rio Raipur Kukhat P.O. & Tch. Akbaipur, Distt. Kanpur. (Transferor)

(2) Deva Autometive (P) I.td. through Managing Director Narain Tharumal Mchanigani So Chhasumal Mirchandani, Al97, Azad Nagar. Kanpur.

(Transferce)

(3) Deva Automotive (P) Ltd. through Managing Director Natain Tharnmal Mchaniran Sle Chhasumal Mirchardani, 3A|97. Azad Nagar, Kanpur.

(Person in occupation of the property)
(4) Deva Automotive (P) 1.td.
through Managing Director
Nurain Tharamal Mehanirani Slo Chhasumal Mirchandani. 3A|97, Azad Nagar,

Kunpur.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- 1b) by any other person interested in the said immovable proserty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Agl. Land & House at Raipur Kukhat Teh. Akharpur, Distt.

Date: 13-8-1985 Seal :

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD, AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1985